

कोष

शब्दार्थसंग्रह ॥

अर्थात्

अमरकोपादर्श, वैद्यककोष, शब्दसंग्रह

आदि

इस यंत्रालयाधीश ने बहुतसाधन व्ययकरके श्रेष्ठ शा-
स्त्रियों के द्वारा बनवाया है और अधिक परिश्रम
होनेपर भी बहुत समय में तैयार हुआ है
अत्यन्त शुद्धता पूर्वक

प्रथमबार

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपा
सन् १८०९ ई० ॥

अमरकोशादर्श ॥

सो० ज्ञान दया गम्भीर सागर गुण जाके अनघ ।
सो अक्षय मतिधीर भुक्ति मुक्ति हिय इये ॥
दो० अमरकोश सूची यहां ऊंची करउ बढाय ।
मति सूची के अग्र सम दीजे शारद माय ॥

पृष्ठ	श्लोक	(अ)
३४८	११	(अ) निषेध, अभाव, थोड़ी वस्तु, दया, ना- सदृश
२२५	८६	(अंश) भाग, बाँट, हिस्सा, कन्धा
२३	३३	(अंशु) किरण
१५३	११५	(अंशुक) कपड़ा, उजला कपड़ा
१०२	११५	(अंशुमती) सरिवन, सालपर्णी
१०१	११३	(अंशुमत्फला) केला
१४४	७८	(अंस) कन्धा, भाग, हिस्सा, बाँट
१३६	४८	(अंसल) बली, बलगर, ताकतवर
१६७	३२	(अंहति) दान
२६	२३	(अंहस) पाप
२८०	३६	(अकरणि) शाप, निन्दा
		(अकुप्य) सोना चाँदी से अन्यधातु
५४	१	(अकूपार) समुद्र,
२५३	४६	(अकृष्णकर्म्मन्) पुण्यकर्म्म करनेवाला, पुण्यात्मा
८६	५७	(अक्ष) सोलहमासा, आठतोला, पाँसा, बहेड़ा, इन्द्रियां, तूतिया, दृष्टि, रथका अंग, व्यवहार, गाड़ी, आत्मा, सोंचर निमक, भूसा, सरिवन, पाचा
२१४	४७	(अक्षत) धानके लावा, चावल, अखण्डचावल
१७६	५	(अक्षदर्शक) पञ्च, न्याय करनेवाला,
२२०	४४	(अक्षदेविन्) जुआरी
२२०	४४	(अक्षधूर्त्त) जुआरी
१६१	८	(अक्षपाद) न्यायशास्त्र जाननेवाला
३३८	१८१	(अक्षर) जन्ममरण से

१७८ १६ (अक्षरविन्यास) लिखा लेख,
२४० ४५ (अक्षवती) जुआ,
१८८ ५६ (अक्षाग्रकीलक) पहिया नहीं निकलने के लिये धूरीके किनारे में गड़ी हुई कील, कुलावा
४७ २४ (अक्षान्ति) असहन
१४७ ९३ (अक्षि) आँखि
१८३ ३८ (अक्षिकूटक) हाथी के नेत्रों की गोलाई
२५३ ४५ (अक्षिगत) वैरकेयोग्य
८३ ३१ (अक्षीव) समुद्रका निमक, सहिंजन,
८३ २९ (अक्षोट) पर्वती पीलु वृक्ष, अखरोट
१९४ ८१ (अक्षौहिणी) अनीकिनी सेनाविशेष
२५८ ६५ (अखण्ड) सम्पूर्ण, सब
६० २७ (अखात) सरोवर, विना खनाया तालाव
२५८ ६४ (अखिल) सम्पूर्ण, सब
२८७ १६ (अग) पर्वत, वृक्ष,
(अगस्ति) अगस्त्यमुनि
५७ १५ (अगाध) अथाह
७० ५ (अगार) घर
१५६ १२७ (अगुरु) शीशम, सेरसई, गूगुर, कालागूगुर
६० ६२ (अगुरुशिंशपा) शीशम
१६५ २३ (अग्नायी) अग्निकी स्त्री स्वाहा
१२ ५४ (अग्नि) आगि
१३ ५८ (अग्निकण) आगिकी चिनगारी
१६२ १४ (अग्निचित) अग्निका संग्रह करनेवाला
१०४ १२४ (अग्निज्वाला) धवईवृक्ष
९ ४० (अग्निभू) कार्तिकेय
६१ ६६ (अग्निमन्थ) अरणीकाष्ठ
८६ ४३ (अग्निमुखी) भिलावाँ
१५५ १२५ (अग्निशिख) कुंकुम
१०२ ११८ (अग्निशिखा) करिआरी, इन्द्रपुष्पी
२६ १० (अग्न्युत्पात) उल्का, धूमकेतु, आकाशसंबन्धी अग्निविकार

पृष्ठ	श्लोक
२५६	५८ (अग्र) वृक्षकी चोटी, मुख्य, प्रधान
१३५	४३ (अग्रज) ज्येष्ठभाई
१६०	४ (अग्रजन्मन्) ब्राह्मण
१६२	७२ (अग्रतःसर) अगुआ
३४८	७ (अग्रतः) आगे
१४१	६४ (अग्रमांस) करेजा
१३५	४३ (अग्रिय) ज्येष्ठभाई, प्रधान
२५६	५८ (अग्रीय) प्रधान, ज्येष्ठ भाई
१३१	२३ (अग्रेदिधिषु) ब्राह्मणी उढ़री रखनेवाला ब्राह्मण
१९२	७२ (अग्रेसर) अगुआ
२५६	५८ (अग्र्य) ज्येष्ठभाई, प्रधान
२९	२३ (अघ) पाप, दुःख, शिकारादि अट्ठारहप्रकार के व्यसन, विपत्
१७२	५१ (अघमर्षण) सबपापका नाश करनेवाला मंत्र
२१९	६७ (अघ्न्या) गौ
२०	१७ (अंक) गोदी, चिह्न, कलंक
७७	४ (अंकुर) अंकुर, अँखुवा
१८४	४१ (अंकुश) आँकुश
८३	२९ (अंकोट) अँकुहर, अग्रोट
४२	५ (अंक्या) गोदीमें लेकर बाजनेवाला मृदंग
१४२	७० (अंग) अवयव, सम्बोधन, फिर
१५१	१०७ (अंगद) बिजायठ, बजुल्ला, बाजूबन्द
७२	१३ (अंगण) आँगन, अँगना
१७	५ (अंगना) स्त्री, सार्वभौम दिग्गज की स्त्री
४५	१६ (अंगविक्षेप) लचकना
१५४	१२२ (अंगसंस्कार) अंगोंका स्नानादिसंस्कार धोना तथा बुकवाआदि लगाना
४५	१६ (अंगहार) लचकना
२१०	३० (अंगार) अंगारा
२१	२५ (अंगारक) मंगल
२१०	२९ (अंगारधानिका) अंगेठी
८७	७८ (अंगारवल्लरी) एक प्रकारका कंजा, घुंघुची, अंगिया
६६	६० (अंगारवल्ली) भंगरा भृंगराज
२१०	२९ (अंगारशकटी) अंगेठी
३२	५ (अंगीकार) स्वीकार—हामीकार
२६८	१०८ (अंगीकृत) स्वीकार की हुई वस्तु

पृष्ठ	श्लोक	
१५१	१०८	(अंगुलिमुद्रा) मोहर करनेकी अंगूठी जिस में नाम खुदाहो वह अँगूठी
१४५	८२	(अंगुली) अँगुली
१५१	१०७	(अंगुलीयक) अंगूठी
१४३	७१	(अंघ्रि) पैर, चरण
१४५	८२	(अंगुष्ठ) अंगुठा
७९	१२	(अंघ्रिनामक) जड़
९७	९२	(अंघ्रिवल्लिका) सिंहपुच्छी, पिथवन
१५४	१२१	(अंचल) आचर कोंछा
२२०	७०	(अचंडी) सीधी गौ
७४	१	(अचल) पर्वत
६५	२	(अचला) भूमि
४	१९	(अच्युत) विष्णु
५	२३	(अच्युताग्रज) बलदेव
५७	१४	(अच्छ) निर्मल, प्रसन्न, रीछ, भालू, स्फटिक
२२१	७६	(अज) ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वर, वकड़ा, रघु राजाका पुत्र
१०७	१३९	(अजगंधिका) ववई
५१	५	(अजगर) अजगर
८	३६	(अजगव) महादेवका धनुष
९५	८६	(अजड़ा) क्यवांच
२००	१०९	(अजन्य) उत्पात
१०९	१४५	(अजमोदा) अजवाइन
१०३	११९	(अजशृंगी) मेढ़ाशृंगी
१५	६७	(अजस्र) नित्य, लगातार
२२१	७६	(अजा) वकड़ी
२१२	२६	(अजाजी) जीरा
२३२	११	(अजाजीव) गड़रिया
२९८	६१	(अजित) विष्णु, शिव
१७१	५०	(अजिन) मृगचर्म्म
१२०	२७	(अजिनपत्रा) चमगूदरि
११६	९	(अजिनयोनि) हरिण
७२	१३	(अजिर) आंगन, विषय, रूप, रस, शब्द, स्पर्श, गन्ध, देह, मेढुका, चौतरा, वायु
२५९	७२	(अजिह्म) सीधा
१९५	८६	(अजिह्मग) तीर, बाण,
४४	११	(अज्जुका) नाचनेवाली पतुरिआ, रंडी
२५१	३९	(अज्ञ) महामूढ़, मूर्ख
२६६	९८	(अञ्चित) पूजित
१७	३	(अञ्जन) दिग्गज, काजर
१०५	१३०	(अञ्जनकेशी) पवारी
१७	५	(अञ्जनावती) सुप्रतीकनाम दिग्गज की स्त्री
१४६	८५	(अञ्जलि) अँजुरी
३४७	२	(अञ्जसा) शीघ्र, जल्द साक्षात्, तत्त्वार्थ

पृष्ठ	श्लोक	
१०४	१२७	(अज्झटा) अवरी
११३	८४	(अटनी) धनुष का किनारा
७७	१	(अटवी) वन, जंगल
९६	१०३	(अटरूष) रूस
१६८	३८	(अटा) घूमना
१६८	३८	(अट्या) घूमना
७२	१२	(अट्ट) अटारी
२५५	५४	(अणक) अधम, निन्दित, खराब
१८८	५६	(अणि) पहिया नहीं निकलने के लिये धुरी के आगे लगनेवाली कील, कुलावा
८	३७	(अणिमन) एक प्रकारकी सिद्धि जिससे छोटे से छोटा होजाय
२५७	६२	(अणीयस) बहुत थोड़ा
२०८	२०	(अणु) ज्यठऊसावां, चीना, सूक्ष्म, बारीक, छोटा
१२३	३८	(अण्ड) अण्डा,
१४४	७६	(अण्डकोश) पेल्हड़
१२२	३४	(अण्डज) मछली, पक्षी, सर्प आदि
७५	४	(अतट) बीहड़, पर्वत से जल गिरने का स्थान
५७	१५	(अतलस्पर्श) अथाह
२०८	२०	(अतसी) अरसी
३४३	२४०	(अति) प्रकर्ष, लंघन, अतिशय, पूजन
२७९	३३	(अतिक्रम) निडरवीर कीयात्रा, उलटापलट, घेरना
१०९	१४६	(अतिचरा) कपिला
११४	१६७	(अतिछत्र) पानीका खर
११०	१५२	(अतिछत्रा) सौंफ
१६२	७३	(अतिजव) शीघ्र चलने वाला
१६८	३६	(अतिथि) पाहुन, अभ्यागत
५७	१४	(अतितु) नावके लायक जो जल न हो
६८	१६	(अतिपथिन्) अच्छा रास्ता
१६९	४०	(अतिपात) अतिक्रम, वेकायदा, उलटा पलट
१५	६७	(अतिमात्र) बहुत
९२	७२	(अतिमुक्त) वसन्तीलता
८२	२६	(अतिमुक्तक) बड़ा तेंदुआ, तिनिस
२६०	७५	(अतिरिक्त) अधिक
२५०	३५	(अतिवक्तृ) बहुत बोलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	
३८	१८	(अतिवाद) कठोरवचन
९८	६६	(अतिविषा) अतीस
१५	६७	(अतिवेल) अतिशय, बहुत बेर बिताकर
१९९	१०२	(अतिशक्तिता) पराक्रम
१५	६७	(अतिशय) बहुत, प्रकर्ष, बड़ाई
२५६	५८	(अतिशोभन) बहुतसुन्दर
२७७	२८	(अतिसर्जन) अधिक दान
१४०	५९	(अतिसारकिन्) सितरस रोगवाला
८४	३३	(अतिसौरभ) सुगन्धवाला आम
२६१	७९	(अतीन्द्रिय) इन्द्रियों से जो न जानाजाय
३४७	२	(अतीव) बहुत, अतिशय
४५	१५	(अत्तिका) जेठी बहिन
२४६	३२	(अत्यन्तकोपन) बड़ा क्रोधी
१९२	७६	(अत्यन्तीन) बहुत चलने वाला
२०२	११६	(अत्यय) मौन, उल्लंघन, क्लेश, दोष, दण्ड
१५	६७	(अत्यर्थ) बहुत
२५७	६२	(अत्यल्प) बहुत थोड़ा
३०२	७७	(अत्याहित) बड़ाभय, बड़ासाहस

पृष्ठ	श्लोक	
२२	२७	(अत्रि) मुनिकानाम
३४४	२४६	(अथ, अथो) मंगल, संशय, आरम्भ, अधिकार, अनन्तर, अन्वादेश, प्रतिज्ञा, प्रश्न, सम्पूर्ण
२५७	६३	(अदभ्र) अधिक
२७६	२२	(अदर्शन) लोप, विनाश
२	८	(अदितिनन्दन) देवता
१४०	६१	(अदृश) अन्धा
१८१	३०	(अदृष्ट) आगि का लगना या बहुत जलका बरसना
५०	३७	(अदृष्टि) टेढ़ीनजर
३४६	१२	(अद्धा) तत्त्वार्थ, साक्षात्
४५	१७	(अद्भुत) आश्चर्य्य, अद्भुतरस
२४६	२०	(अद्मर) खानेवाला
३५१	२०	(अद्य) आज, इससमय
७४	१	(अद्रि) पर्वत, वृक्ष, सूर्य्य
३	१४	(अद्वयवादिन्) जिन, बौद्ध
२५५	५४	(अधम) खराब, न्यून, निन्दित
२०४	५	(अधमर्ण) करज लेने वाला
१४७	६०	(अधर) नीचे का ओंठ, हीन, ओंठ
२४४	११	(अधिकर्द्धि) भरापुरा, धनिक

पृष्ठ	श्लोक	
१८९	६३	(अधिकांग) कमरपट्टी,
१८१	३१	(अधिकार) प्रबन्ध, अख्तियार, छत्रधारणादिव्यापार
१७६	६	(अधिकृत) अधिकारी, अख्तियारवाला
२५२	४२	(अधिक्षिप्त) निन्दित, निन्दा कियागया
७६	७	(अधित्यका) पर्वतके ऊपरकी भूमि
२४४	११	(अधिप) मालिक
२४४	११	(अधिभू) मालिक
७४	१८	(अधिरोहिणी) सीढ़ी
१५७	१३५	(अधिवासन) गन्धमाला आदि लगाना, पहिरना
१२६	७	(अधिविन्ना) अनेक विवाहवाले पुरुषकी पहिली स्त्री
२१०	२६	(अधिश्रयणी) चूल्हा,
३१३	१२५	(अधिष्ठान) पहिया, ग्राम, प्रभाव, आक्रमण
२४५	१६	(अधीन) आधीन, परवश
२४८	२८	(अधीर) व्याकुल, घबरायाहुआ
१७५	२	(अधीश्वर) महाराज
३५२	२३	(अधुना) अव, इसकाल
२४८	२८	(अधृष्ट) लज्जायुक्त
१५३	११७	(अधोंशुक) नीचे पहिरने के कपड़े अर्थात् धोती आदि
४	२१	(अधोक्षज) विष्णु
११७	१३	(अधोगन्ता) चूहा
५१	१	(अधोभुवन) पाताल
९६	८८	(अधोमार्गव) लहचिचड़ा
१५०	३३	(अधोमुख) नीचे मुखवाला
१७६	६	(अध्यक्ष) अधिकारी, प्रत्यक्ष, सामने
४८	२६	(अध्यवसाय) उत्साह
१६१	९	(अध्यापक) पढ़ानेवाला
३१	३	(अध्याहार) तर्क, विशेष विचार
१२६	७	(अध्यूढ़ा) अनेकस्त्रीवाले पुरुषकी पहिलीस्त्री,
१६७	३४	(अध्येषणा) विनय करना
१७८	१७	(अध्वग) पथिक, मुसाफिर
१७८	१७	(अध्वनीन) पथिक, मुसाफिर
६८	१६	(अध्वन) रास्ता, मार्ग, सड़क
१७८	१७	(अध्वन्य) पथिक, मुसाफिर
१६२	१५	(अध्वर) यज्ञ

पृष्ठ श्लोक

१६४ १६ (अध्वर्यु) यजुर्वेद का जाननेवाला ऋत्विक्
४० २१ (अनक्षर) निन्दावचन
५ २५ (अनंग) कामदेव
५७ १४ (अनच्छ) गन्दा, मैला
२१७ ६० (अनडुह) बैल
१६ १ (अनन्त) आकाश, विष्णु, शेष, सीमारहित
६५ २ (अनन्ता) पृथ्वी, यवासा, इन्द्रपुष्पी, दूब, कालाशाम्ब
६ २६ (अनन्यज) कामदेव
२६१ ७९ (अनन्यवृत्ति) एकाग्रचित्त
३२० १४९ (अनय) अट्ठारह प्रकार के व्यसन, अशुभ दैव, विपत
३९ १५ (अनर्थक) अर्थरहित
११ ५५ (अनल) अग्नि
(अनवधानता) भूल, भ्रम
१५ ६७ (अनवरत) नित्य, लगातार
२५६ ५९ (अनवस्कर) मलरहित, साफ, शुद्ध
२५६ ५७ (अनवरार्ध्य) मुख्य, प्रधान
१८७ ५२ (अनस्) गाड़ा, छकड़ा
१२७ ८ (अनागतार्तवा) दशवर्ष की कन्या
३२२ १५७ (अनातप) छाया, साया
४६ २२ (अनादर) अपमान
१३७ ५० (अनामय) रोगरहित
१४५ ८२ (अनामिका) मध्यमा कनिष्ठाके बीचकी अंगुली
२६५ ९४ (अनायासकृत) सहजही किया हुआ
१४ ६६ (अनारत) लगातार
१०८ १३ (अनार्य्यतिक्त) चिरायता
१५२ ११२ (अनाहत) नयाकपड़ा
३३७ २१८ (अनिमिष) देवता, मछली
६ २७ (अनिरुद्ध) अनिरुद्ध
२ १० (अनिल) गणदेवता, वायु
१५ ६६ (अनिश) लगातार, सदा
१३३ ७८ (अनीक) फौज, लड़ाई
१७६ ६ (अनीकस्थ) रखवार, पहरेदार
१६३ ७८ (अनीकिनी) चमूविशेष,
३४४ २४७ (अनु) पीछे, बराबरी
२४७ २३ (अनुक) कामी
४५ १८ (अनुकंपा) दया
२७४ १७ (अनुकर) नकलकरना
१८८ ५७ (अनुकर्ण) रथके नीचे का काठ

पृष्ठ	श्लोक
१७०	४३ (अनुकल्प) अप्रधान, दूसरीविधि, गौड़
१६२	७६ (अनुकामीन) अपनी इच्छा से चलनेवाला
२७४	१७ (अनुकार) नकल, अनुहार
१६९	४० (अनुक्रम) क्रम, कायदा, तरीका
४६	१८ (अनुक्रोश) दया
२६१	७८ (अनुग) पीछे
२७३	१३ (अनुग्रह) अंगीकार करना
१९१	७१ (अनुचर) सहाय, पीछे चलनेवाला
१३५	४३ (अनुज) छोटाभाई
१७६	९ (अनुजीविन्) सेवक, नौकर
२४०	४३ (अनुतर्पण) मद्य का पीना
४७	२५ (अनुताप) पछतावा
२५६	५७ (अनुत्तम) मुख्य, प्रधान
३३०	१८९ (अनुत्तर) उत्तरसे विपरीत, श्रेष्ठ
२६१	७८ (अनुपद) पीछे
२३७	३१ (अनुपदीना) मोजा
१७	४ (अनुपमा) कुमुदनाम दिग्गजकी स्त्री
१९१	७१ (अनुप्लव) सहायक
३०७	६८ (अनुबन्ध) दोषों का उत्पादन, इत्संज्ञकवर्ण, प्रधान मनुष्य की आज्ञा करनेवाला बालक, प्राप्त विषयके अनुसार वर्त्तना
१५५	१२३ (अनुबोध) गन्धि मिटाना, अंग से सुगन्ध का छुडाना
२७७	२७ (अनुभव) साक्षात्कार
३३४	२०८ (अनुभाव) प्रताप, सज्जनों की मतिका निश्चय, अभिप्रायसूचक चेष्टा
?६	८ (अनुमति) कलाहीन चन्द्रमावाली पूर्णमासी
२७	१० (अनुयोग) प्रश्न पूछना
१७७	१२ (अनुरोध) भलामनाना
३६	१६ (अनुलाप) बार२ कहना
२६०	२२ (अनुलेपन) कुंकुम आदि
१७७	१२ (अनुवर्तन) भलामनाना
३५७	१७ (अनुवाक) वेदांग
३१९	१४७ (अनुशय) बहुत दिन का वैर, पछतावा
२३४	१९ (अनुष्ण) सुस्त
२७४	१७ (अनुहार) नकल करना
२८४	१३ (अनूक) स्वभाव, वंश
१६२	१२ (अनूचान) सांगोपांग, वेद पढ़नेवाला
२५८	६५ (अनूनक) सब

पृष्ठ	श्लोक	
६७	११	(अनूप) बहुत जलवाला देश
२३	३३	(अनूरु) अरुण
२५३	४६	(अनृजु) शठ, कुटिलहृदय
४०	२१	(अनृत) असत्य, झूठ, खेती
१८२	३४	(अनेकप) हाथी
२८६	५	(अनेडमूक) गूंगा, अन्धा, बहिरा
२४	१	(अनेहस्) समय
७८	५	(अनोकह) वृक्ष
२०२	११६	(अन्त) मृत्यु, समाप्ति में हुआ
७२	११	(अन्तःपुर) रनिवास
१३	६०	(अन्तक) यमराज
३२९	१८६	(अन्तर) अवकाश, अवधि, परिधान, वस्त्र, अन्तर्धि, छिपजाना, भेद, तादर्थ्य, छिद्र, छेद, आत्मीय, अपना, विअन्त्य नावाह्य, बाहर, अवसर, मध्य अन्तरात्मा, सादृश्य
३४९	१०	(अन्तरा) मध्य
२७४	१६	(अन्तराय) विघ्न, खलल
१८	६	(अन्तराल) मध्य, बीच
१६	१	(अन्तरिक्ष) आकाश

पृष्ठ	श्लोक	
५६	८	(अन्तरीप) पानी के बीचकी पृथ्वी, टापू
१५७	११७	(अन्तरीय) नीचे पहिरनेके धोतीआदि कपड़े
३४९	१०	(अन्तरे) मध्य
३४७	३	(अन्तरेण) मध्य, विना
२६२	८६	(अन्तर्गत) भूलाहुआ
९३	७४	(अन्तर्गल) नीली कटसरैया
७३	१४	(अन्तर्द्वार) खिड़की
१९	१२	(अन्तर्धा) ढाँपना
१९	१२	(अन्तर्द्धि) ढाँपना
२४३	८	(अन्तर्मनस्) उदास
१३०	५२	(अन्तर्वत्नी) गर्भवती
२४३	६	(अन्तर्वाणि) शास्त्रज्ञ पण्डित
१७६	८	(अन्तर्वंशिक) जो जनाने की वस्तुका अधिकारीहो
२३२	१०	(अन्तावसायिन्) नाऊ
२५८	६७	(अन्तिक) समीप
२५८	६८	(अन्तिकतम) अति निकट
२१०	२९	(अन्तिका) चढ़ी बहिन, चूल्ही
१६२	१३	(अन्तेवासिन्) चांडाल, विद्यार्थी
२६१	८१	(अन्त्य) अन्तमें हुआ
१३१	८८	(अंत्र) आँत

पृष्ठ	श्लोक
१८४	४१ (अन्दुक) हाथीबाँधने की जंजीर
१४०	६१ (अन्ध) अन्धा, अँधेरा
८	५ (अन्धकारि) शिव
५१	३ (अन्धकार) अन्धेरा
५१	३ (अन्धतमस) बड़ा अन्धेरा
२१५	४८ (अन्धस्) भात
६०	२६ (अन्धु) कुआँ
२१५	४८ (अन्न) भात, खायागया
२६२	८२ (अन्य) भिन्न, दूसरा
३६०	२२ (अन्यत्) भिन्न, दूसरा
२६२	८२ (अन्यतर) भिन्न, दूसरा
२६१	७८ (अन्वक्ष) पीछे
२६१	७८ (अन्वक्) पीछे
१५९	१ (अन्वय) वंश, गोत्र
१५९	१ (अन्ववाय) वंश
१६७	३३ (अन्वाहार्य्य) मासिक वा अमावास्याकी श्राद्ध
२६७	१०५ (अन्विष्ट) ढूँढ़ी वस्तु
१६७	३४ (अन्वेषणा) धर्म्मयुक्त कार्यकरना
२६७	१०५ (अन्वेषित) ढूँढ़ी वस्तु
३८	१४ (अपकारणी) फजीहत
२०१	१११ (अपक्रम) भागना
६१	३० (अपगा) नदी
१४२	७० (अपघन) अंग
२७४	१६ (अपचय) हरजाना, जबरदस्ती छीनलेना
२६७	१०२ (अपचायित) पूजित
२६७	१०२ (अपचित) पूजित
१६८	३७ (अपचिति) क्षय, पूजा, प्रयोजन, याचना
२५८	६८ (अपटान्तर) संयुक्त मिलाहुआ
१३९	५९ (अपटु) रोगी
१०१	२८ (अपत्य) पुत्र कन्या
४७	२३ (अपत्रपा) दूसरेसे लजाना
२४८	२८ (अपत्रपिष्णु) लज्जा करनेवाला
६९	१८ (अपथ) रास्तारहित
६९	१८ (अपथिन) रास्तारहित
२५८	६८ (अपदान्तर) मिला हुआ
१७	५ (अपदिश) दिशाओं का मध्य वा कोन
४९	३३ (अपदेश) बहाना, पद, लक्ष्य, निमित्त
२५१	३९ (अपध्वस्त) धिक्कारा हुआ
३५	२ (अपभ्रंश) अशुद्धशब्द
२०१	१११ (अपयान) भागना
२७०	१ (अपरस्पर) निरन्तर चलना
३९	१०२ (अपराजिता) विष्णुक्रान्ता, पटुआ
१२१	६८ (अपराद्धपृषत्क) जि-

पृष्ठ	श्लोक
	सका तीर निशाना से चूकजाय
१८०	२६ (अपराध) पाप, कसूर
२५	३ (अपराह्ण) दो पहर से ऊपर
८	३८ (अपर्णा) पार्वती
२९	१७ (अपलाप) छिपाना
३२	७ (अपवर्ग) मोक्ष
१६७	३२ (अपवर्जन) दान
३८	१३ (अपवाद) निन्दा, आज्ञा
१२	१२ (अपवारण) ढांपना
३५	२ (अपशब्द) अशुद्धशब्द
२६२	८४ (अपष्ठु) उलटा
२३३	१६ (अपसद) नीचमनुष्य
१६७	१३ (अपसर्प) जासूस
२६२	८४ (अपसव्य) दहिनाअंग, उलटा
१८८	५५ (अपस्कर) रथके सब अंग
२४३	१६ (अपस्नात) मृतक के निमित्त स्नान कियेहुये
२७४	१६ (अपहार) हरजाना
१४७	९४ (अपांग) आंखि का किनारा, नेत्रान्त, तिलक वृक्ष, अंगहीन
१४	६४ (अपान) गुदा, वायुविशेष
९८	८८ (अपामार्ग) लहचिचिरा

पृष्ठ	श्लोक
५४	२ (अपाम्पति) समुद्र
२४३	१५ (अपावृत) स्वतन्त्र, खुद मुख्तियार
२०१	११३ (अपासन) मारना, वध
३४५	२४८ (अपि) निन्दा, समुच्चय, प्रश्न, शंका, सम्भावना, अनुनय, समझाना
२६९	११० (अपिगीर्ण) स्तुति किया हुआ
१९	१३ (अपिधान) ढांपना
१९०	६५ (अपिनद्ध) कवचआदि पहिने
१३६	४६ (अपोगण्ड) विकलाङ्ग
२१५	४८ (अपूप) पुआ
५५	३ (अप्) जल
१४	६२ (अप्पति) वरुण
१३	५७ (अप्पित्त) आगि
७८	९ (अप्रकाण्ड) ठूंठ, डारहीन
२५९	७२ (अप्रगुण) आकुल, घबराया हुआ
२६१	७९ (अप्रत्यक्ष) जो न देख पड़े
२५६	६० (अप्रधान) गौण
६६	६ (अप्रहत) जोतानहीं
२५६	६० (अप्राग्र्य) गौण
१५५	१२२ (अप्लव) स्नान, नहाना
२	११ (अप्सरस्) देवताओंकी स्त्री, स्वर्गकी पतुरिआ

पृष्ठ	श्लोक
७८	७ (अफल) न फलनेवाला वृक्ष
४०	२० (अबद्ध) अर्थहीन
२५०	३६ (अबद्धमुख) अप्रिय कहनेवाला
७८	६ (अवन्ध्य) फरनेवाला वृक्ष
१२५	२ (अबला) स्त्री
२६२	८३ (अबाध) बाधारहित जिसको किसी तरह की पीड़ा न हो
१९	१४ (अब्ज) चन्द्रमा, शंख, कमल, धन्वन्तरि, संख्याविशेष
४	१७ (अब्जयोनि) ब्रह्मा
२८	२० (अब्द) वर्ष, बादल
५४	१ (अब्धि) समुद्र
२२८	१०५ (अब्धिकफ) समुद्रफेन
१७	४ (अभ्रमु) ऐरावत दिग्गज की स्त्री
४४	१४ (अब्रह्मण्य) अवध्य ब्राह्मणादि के दोषों का प्रकाश करना
११३	१६४ (अभय) खसखस गॉड़रकी जड़
८९	५९ (अभया) हड़
१६९	३८ (अभाषण) मौन, चुप
२४७	२४ (अभिक) कामी
१९७	९६ (अभिक्रम) निडरहोकर शत्रुपर चढ़ाई करना
३११	१५५ (अभिख्या) नाम, शोभा
३१४	१२८ (अभिग्रस्त) शत्रुओंसे जीतागया
२७३	१३ (अभिग्रह) लड़ाई में पुकारना
२७४	१७ (अभिग्रहण) चोरी करना
१७७	११ (अभिघातिन्) शत्रु
२७५	१९ (अभिचार) हिंसाकर्म, जलाना या मारना
१५९	१ (अभिजन) वंश, कुल जन्मभूमि
३०२	८१ (अभिजात) कुलीन, पण्डित
२४२	४ (अभिज्ञ) चतुर, निपुण
२५८	६७ (अभितस्) समीप, दोनोंतरफ, शीघ्र, साकल्य, सामने
३७	८ (अभिधान) नाम
४७	२४ (अभिध्या) परधन लेने की इच्छा
४५	१६ (अभिनय) भावबताना
२६०	७७ (अभिनव) नया
१७४	५८ (अभिनिर्मुक्त) सूर्य्यास्त में सोनेवाला
१६७	९५ (अभिनिर्य्याण) यात्रा

पृष्ठ	श्लोक	
१८०	२४	(अभिनीत) युद्ध,अर्जुन ,शुक्ल, अति प्रशस्त,सहज शील,न्याय युक्त, वस्तु, मुनासिब
३१४	१२८	(अभिपन्न) अपराधी, लड़ाई में हारा,विपत्ति युक्त, महादुःखी
२७५	२०	(अभिप्राय) मनोरथ, मतलब
२५१	४०	(अभिभूत) टूटे अहंकार वाला
४६	२२	(अभिमान) अहंकार, द्रव्यादिकृत अहंकार, ज्ञान,नम्रता, हिंसा
२७३	१३	(अभियोग) लड़ाई में पुकारना
३१५	१३१	(अभिरूप) सुन्दर
२७६	२४	(अभिलाव) खेत से अन्नका काटना
४८	२८	(अभिलाप) मनोरथ
२४७	२२	(अभिलापुक) लोभी
३८	१४	(अभिवाद) कठोरवचन
२४८	२८	(अभिवादक) वंदना करनेवाला
१७०	४४	(अभिवादन) प्रणाम नाम गोत्रादि पूँछकर प्रणाम करना
२७१	६	(अभिव्याप्ति) सर्वत्र फैला,सबतरफसे भरा

पृष्ठ	श्लोक	
२५२	४३	(अभिशस्त) कलंकी, जिसको चोरी या छिनारा लगाहो
१६७	३४	(अभिशस्ति) मांगना
३८	११	(अभिशाप) झूंठ दोष लगाना
२८८	२४	(अभिषंग) शाप,अनादर
१७१	५०	(अभिषव) मदिरा बनाना, यज्ञौषधी का कूटना
२१२	३९	(अभिषुत) काँजी विशेष, खट्टा माड़
१६७	९५	(अभिषेणन) शत्रु पर चढ़ाई करना
२६६	११०	(अभिष्टुत) स्तुति किया गया
२९९	१०५	(अभिसम्पात) लड़ाई
१६१	७१	(अभिसर) सहायक
१२७	१०	(अभिसारिका) पतिकी इच्छा किये हुई संकेत स्थानको जानेवाली स्त्री
२७४	१७	(अभिहार) चोरी करना, लड़ाई में पुकारना, लड़ाई की तयारी
२६८	१०७	(अभिहित) कहा हुआ
२४७	२४	(अभीक) कामी
३१७	१	(अभीक्ष्ण) बारम्बार, लगातार

पृष्ठ श्लोक

२५५ ५३ (अभीप्सित) प्यारा
९८ १०० (अभीरु)शतावरि
९८ १०१ (अभीरुपत्री)शतावरि
२७१ ६ (अभीषंग) गाली देना
३३७ २१९ (अभीषु)लगाम,किरण
२५५ ५३ (अभीष्ट) प्यारा
२५८ ६७ (अभ्यग्र) समीप
२१५ ५० (अभ्यञ्जन) तेल
१८ ६ (अभ्यन्तर)बीच, मध्य
१३९ ५८ (अभ्यमित)रोगी
१९२ ७५ (अभ्यमित्रीण) युद्ध करने
१९२ ७५ (अभ्यमित्रीय) करनेके लिये शत्रुओं के सम्मुख
१९२ ७५ (अभ्यमित्र्य) जानेवाला
२५८ ६७ (अभ्यर्ण) समीप
२७४ १७ (अभ्यवकर्षण)युक्ति से हथियार आदि निकालना
२०१ ११० (अभ्यवस्कन्दन)धोखे से दबाय लेना,डाका
२६६ १११ (अभ्यवहृत)खायागया
३७ १० (अभ्याख्यान) मिथ्या दोष लगाना
२०० १०५ (अभ्यागम)युद्ध,लड़ाई
२४४ १२ (अभ्यागारिक)कुटुम्ब का पालन करनेवाला
२७७ २६ (अभ्यादान)प्रथमारंभ

पृष्ठ श्लोक

१३९ ५८ (अभ्यान्त)रोगी
१९९ १०५ (अभ्यामर्द)लड़ाई,युद्ध
२५८ ६८ (अभ्यास)समीप
२०१ ११० (अभ्यासादन) डाका धोखेसे दबायलेना
१६८ ३६ (अभ्युत्थान) किसी के आने पर आदर पूर्वक उठ खड़े होना
१७४ ५८ (अभ्युदित) सूर्य्योदय में सोनेवाला
३२ ५ (अभ्युपगाम) अंगीकार
२७३ १२ (अभ्युपपत्ति) अनुग्रह, अंगीकार करना
२१४ ४७ (अभ्यूप)भूजाहुआ,ऊमी, वा मुरमुरी
१६ १ (अभ्र)आकाश, बादल
२२७ १०० (अभ्रक) अबरख
८३ ३० (अभ्रपुष्प) बेंत
१० ४७ (अभ्रमातंग) ऐरावत हाथी
१० ४७ (अभ्रमुवल्लभ) ऐरावत हाथी
१७ ४ (अभ्रमु) ऐरावतकीस्त्री
५७ १३ (अभ्रि) फरुही
१८ ८ (अभ्रिय) मेघसे उत्पन्न हुआ जलादि
१८० २४ (अभ्रेप) नीति,इन्साफ
२११ ३३ (अमत्र)सवबर्तन,बर्त-

पृष्ठ	श्लोक
	न का साधारण नाम
२	७ (अमर) देवता
१०	४६ (अमरावती) इन्द्रकी राजधानी
२	८ (अमर्त्य) देवता
४७	२६ (अमर्ष) क्रोध
२४९	२२ (अमर्षण) क्रोधी
२२७	१०० (अमल) अचरख
१४५	४४ (अमांस) दुबला
३४५	२२९ (अमा) साथ, समीप
१७५	४ (अमात्य) मन्त्री
५४	३ (अमानस्य) दुःख, अनमनी
२६	८ (अमावस्या) अमावस्या
२६	८ (अमावास्या) अमावस्या
१७७	११ (अमित्र) शत्रु
३४८	८ (अमुत्र) जन्मान्तर
११३	१६४ (अमृणाल) खसखस
११	४९ (अमृत) सुधा, यज्ञशेष, यज्ञसेबचाहुई जाउरि, मोक्ष, जल, अयाचित, विनामागेजोमिले, घृत
८९	५८ (अमृता) आँवरा, हड़, गुर्च
२	८ (अमृतांधस) देवता
१००	१०६ (अमोघा) पाडरि, वायुविडंग
१६	१ (अम्बर) आकाश, कपड़ा
२१०	३० (अम्बरीष) खपरी

पृष्ठ	श्लोक
२३०	२ (अम्बष्ठ) वैश्यास्त्री में ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र
९२	७१ (अम्बष्ठा) जूही, पाठी पहार मूल, अम्लोना
४५	१४ (अम्बा) माता
८	३८ (अम्बिका) पार्वती
५१	४ (अम्बु) जल, नेत्रवाला औषधि
१६	१६ (अम्बुकण) फुहारा, बौछार
९१	६१ (अम्बुज) समुद्रफल
१८	७ (अम्बुभृत्) बादल
८३	३० (अम्बुवेतस) जलवेत
४०	२० (अम्बूकृत) थूँकसहित कहना
५५	४ (अम्भस) जल
६३	४१ (अम्भोरुह) कमल
५५	५ (अम्मय) जल, विकार
३३	९ (अम्ल) खटाई
१०७	१४० (अम्ललोणिका) अमलोनिया
१०८	१४१ (अम्लवेतस) अमिलवेत
९२	७३ (अम्लान) कटसरैआ, पियावासा
८६	४३ (अम्लिका) अमिली
३०	२७ (अय) शुभभाग्य
२७	१३ (अयन) आधावर्ष, सड़क, रास्ता

पृष्ठ	श्लोक
२२६	९८ (अयस) लोहा
२३८	३५ (अयःप्रतिमा) लोहेकी मूर्त्ति
३५०	१८ (अयि) अनुनय, समझाना
२०९	२५ (अयोग्र) मूसर
१४	६५ (अर) शीघ्र
३५७	१८ (अरघट्ट) रहट, कुआं
१६४	२१ (अरणि) यज्ञमें मथिकरके जिस लकड़ी से अग्नि निकालते हैं वह लकड़ी
७७	१ (अरण्य) वन
७७	१ (अरण्यानी) बड़ावन
१४६	८६ (अरत्नि) कनगुरियाको छोड़कर मुट्ठीबंधाहाथ
७३	१७ (अरर) केवाड़
८९	५७ (अरलु) सरिवन
६३	३९ (अरविन्द) कमल
१७७	११ (अराति) शत्रु
२५६	७१ (अराल) राल-धूप, टेढ़ा
१७७	१० (अरि) शत्रु
५७	१३ (अरित्र) पतवार
८७	५० (अरिमेद) दुर्गन्ध, खयर
७१	८ (अरिष्ट) रीठी, सौरिका घर, लहसुन, शुभ, अशुभ, कौआ, माठा नींब, मदिरा, मरण चिह्न, कंकपक्षी
२५२	४४ (अरिष्टदुष्टधी) मरणासन्नबुद्धि
२२	२९ (अरुण) सूर्य्य, सूर्य्य का सारथी, लालरंग
९८	९९ (अरुणा) अतीस सुकुमार जगहमेंमारना
२६२	८३ (अरुंतुद) मर्म्मभेदी
८६	४२ (अरुष्कर) भिलावां, घाव करने वाला
१३८	५४ (अरुस्) घाव
२६६	१०० (अरोक) तेजहीन
२२	२९ (अर्क) सूर्य्य, स्फटिक, मदार
९४	८१ (अर्कपर्ण) मदार
३	१५ (अर्कबंधु) बौद्धमतवाला
९४	८० (अर्काह्व) मदार
७३	१७ (अर्गल) केवाड़ बन्द करने का व्यड़ना
२८९	२७ (अर्घ) मोल, पूजा में जल देना
१६७	३५ (अर्घ्य) अर्घ देने के लिये जल
२३८	३६ (अर्चा) पूजा, मूर्त्ति तसवीर
२६७	१०२ (अर्चित) पूजा हुआ, आदर किया हुआ
१३	५८ (अर्चिस्) अग्नि की ज्वाला, किरण

पृष्ठ	श्लोक
९४	८० (अर्जक) उजली,बबई
३४	१३ (अर्जुन) उजला रंग, अर्जुन वृक्ष, सबखर
२१९	६७ (अर्जुनी) गौ
५४	२ (अर्णव) समुद्र
५५	४ (अर्णस्) जल
६३	७४ (अर्तगल) काले फूल वाली झिएटी पियावासा
२७८	३२ (अर्तन) विनाना, वा करुणा
२१९	६७ (अर्ति)पीड़ा,धनुष की कोटि
२२५	९० (अर्थ) शब्दार्थ, धन वस्तु,प्रयोजन,निवर्त्तन
१६७	३४ (अर्थना)मांगना,भीख
२०४	४ (अर्थप्रयोग) व्याज, सूद
३१	५ (अर्थशास्त्र)नीतिशास्त्र
१७६	९ (अर्थिन्) नोकर,सेवक
२२८	१०४ (अर्घ्य)शिलाजीत,गेरू, बुद्धिमान्, धनवान्
२७१	६ (अर्दना) भिक्षा
२६६	६७ (अर्दित) मांगाहुआ
१६	२० (अर्द्ध) आधा
१००	१०९ (अर्द्धचन्द्रा)कालाधारा
५७	१४ (अर्द्धनाव) आधीनाव
२५	६ (अर्द्धरात्र) आधीरात
३६४	३१ (अर्द्धर्च) आधीऋचा

पृष्ठ	श्लोक
१५१	१०६ (अर्द्धहार) १२ लरका हार
१५४	११९ (अर्द्धोरुक) उटंग लहँगा
३५८	१९ (अर्बुद) दश कोटि १० करोड़
१२३	३९ (अर्भक) बालक
३६४	३४ (अर्म) आंखिका रोग
२०३	१ (अर्य) स्वामी, वैश्य
५२	२८ (अर्य्यमन्) सूर्य्य
१२८	१४ (अर्य्या) बनियाकी स्त्री
१२८	१४ (अर्य्याणी) बनियाकी स्त्री
१२८	१५ (अर्य्यी) बनियाकी स्त्री
१८५	४४ (अर्वन्) अधम, घोड़ा खराब
३५०	१६ (अर्वाक्) पीछे, तीर
१३९	५९ (अर्शस) अर्शरोगयुत
१३८	५४ (अर्शस्) बवासीर
१११	१५७ (अर्शोघ्न) सूरन--जमीकन्द
१६८	३७ (अर्हणा) पूजा
२६७	१०२ (अर्हित) पूजित
३४५	२५१ (अलम्) रोकना, भूषण, पूर्णता, शक्ति
१४८	६६ (अलक) टेढ़ेबाल
१५	७१ (अलका) कुबेरकीपुरी
१५५	१२६ (अलक्त) मेहावर,लाह
५१	५ (अलगर्द)पनियांसांप,

पृष्ठ	श्लोक	
१४६	१००	(अलंकरिष्णु) अलंकार करने वाला,गहना पहिरने की इच्छा करने वाला
१४६	१००	(अलंकर्तृ) अलंकार करने वाला
२४६	१८	(अलंकर्मीण) कार्य्य करने में समर्थ
१४९	१०१	(अलंकार) गहना
१४१	१०१	(अलंकृत) गहनायुक्त
१४६	१०१	(अलंक्रिया) शृंगार करना
६४	८१	(अलर्क) पागल कुत्ता उजला मदार
२३४	१९	(अलस) आलसी, सुस्त
२१०	३०	(अलात) लुकेठी
१११	१५६	(अलाबू) लौकी
११८	१५	(अलि) बीछि, भ्रमर
१४७	९२	(अलिक)ललाट-माथ
२११	३१	(अलिञ्जर) मेटुका
२२१	२६	(अलिन्) भ्रमर
७२	१२	(अलिन्द) चौपारि
२८४	१२	(अलीक)अप्रिय,झूंठी
२५७	६१	(अल्प) थोड़ा
१३७	४८	(अल्पतनु) छोटीदेह वाला
१०६	१३६	(अल्पमारिप) चौराई
६१	२८	(अल्पसरस्) छोटासरोवर डवहा
२५७	६२	(अल्पिष्ठ) बहुतथोड़ा
२५७	६२	(अल्पीयस्) बहुत थोड़ा
७४	१८	(अवकर) करकट, कूड़ा
१७३	५७	(अवकीर्णिन्) जिस का ब्रह्मचर्य नष्ट होगयाहो, (क्षतव्रत)
२५१	३९	(अवकृष्ट) निकाला हुआ
७८	७	(अवकेशिन्) फल नहीं होने वाला
२२०	७९	(अवक्रय) मोल,कीमत
२६८	१०६	(अवगणित) अपमान किया हुआ
२६८	१०६	(अवगत) जाना हुआ
२६४	८३	(अवगीत) निन्दित, बदनाम,निन्दितजनों का अपवाद
१९	११	(अवग्रह) झूरा, हाथी का मस्तक
१९	११	(अवग्राह) झूरा,सूखा हाथी का माथा
२६५	६४	(अवचूर्णित) पीसा हुआ
४६	२३	(अवज्ञा) अनादर
२६८	१०६	(अवज्ञात) अपमान किया हुआ
५१	२	(अवट) पृथ्वीकागड़हा

पृष्ठ	श्लोक
१३६	४५ (अवटीट) नकचपटा
१४६	८८ (अवटु) घांटी
३३९	२२६ (अवतंस) करणफूल शिरोभूषण
५१	३ (अवतमस) थोड़ा अन्धेरा
२१६	६६ (अवतोका) जिसका गर्भ गिरताहो
२३९	४० (अवदंश) मद्यपीने में रुचि बढ़ाने वाला
३४	१३ (अवदान) उजला, पीला, निर्म्मूल
२७०	३ (अवदात) सुकर्म्म
२०६	१२ (अवदारण) कुदारि
११३	१६५ (अवदाह) खसखस
२६३	८९ (अवदीर्ण)रसीला,पिघला
२५५	५४ (अवद्य)अधम,खराब
३०७	६६ (अवधि)सीमा, बिल, समय
२६५	९४ (अवध्वस्त)पीसाहुआ
२७१	४ (अवन) तृप्तकरना
२५९	७० (अवनत) मुँह नीचे किये, औंधा
१३६	४५ (अवनाट) नकचपटा
२७७	२७ (अवनाय) गिराना
६५	३ (अवनि)पृथ्वी
२१२	३६ (अवन्तिसोम)कांजी
७८	६ (अवन्ध्य) फरनेवाला
१६६	२६ (अवभृथ) यज्ञ के अन्त में जो स्नान होता है, यज्ञान्तस्नान
१३६	४५ (अवभ्रट)नकचपटा
२५५	५४ (अवम) अधम, खराब
२६८	१०६ (अवमत) अपमान किया गया
२००	१०९ (अवमर्द)तहस नहस करना
४६	२३ (अवमानना)अपमान
२६८	१०६ (अवमानित) अपमान किया गया
१४२	७० (अवयव) अंग
१८४	४० (अवर) हाथी का पिछला भाग
१२५	४३ (अवरज) छोटा भाई
२७९	३८ (अवरति)निवृत्ति
२३०	१ (अवरवर्ण) शूद्र
२६५	९४ (अवरीण) धिक्कारा हुआ
७२	१२ (अवरोध) रनिवास
७२	११ (अवरोधन) रनिवास
७९	११ (अवरोह) बरोह, गुर्चे कुमढ़ा वगैरः
३८	१३ (अवर्ण) निन्दा
१४४	७६ (अवलग्न) कमर
३४	१३ (अवलक्ष) उजला
९७	१५ (अवल्गुज) बकुची
१८०	२५ (अववाद) आज्ञा

पृष्ठ	श्लोक
३५०	१६ (अवश्य) निश्चय
२०	१८ (अवश्याय) पाला,ठंढ
३०८	१०४ (अवष्टब्ध) आश्रित निकट, रुका, बँधा, जीताहुआ
१५४	१२१ (अवसक्थिका) पटुका
२७६	२४ (अवसर) प्रसंग मौका
२८०	२९ (अवसान) समाप्त, धान्यराशि, अन्त, अखीर
२६६	९८ (अवसित) जानाहुआ
१४२	६७ (अवस्कर) विष्ठा,बीट गुदा, लिंग
३०	२९ (अवस्था) अवस्थान
५९	२१ (अवहार) ग्राह,घरियार
४९	३४ (अवहित्था) शोक में मुखादि छिपाना
४६	२३ (अवहेलन) अपमान
११०	१५२ (अवाक्पुष्पी) सौंफ
२४५	१३ (अवाक्) नीचे मुख वाला गूँगा
२५९	७० (अवाग्र)नीचेमुखवाला
१६	१ (अवाची) पूर्वदिशा
४०	२१ (अवाच्य)कहनेके योग्य नहीं
१५१	१०७ (अवापक) हाथमें पहिरने का कड़ा
५६	८ (अवार) पार

पृष्ठ	श्लोक
२५१	३९ (अवासस्) नंगा
१३०	२० (अवि) पर्व्वत, भेंड़, सूर्य, रजस्वला
९१	६७ (अविग्न) करौंदा
२६८	१०६ (अवित) रखाया
३२	७ (अविद्या) अज्ञान
२४७	२३ (अविनीत) अन्यायी शुभस्वभाव रहित
१४	६६ (अविरत) लगातार
१४	६६ (अविलम्बित) शीघ्र
४०	२१ (अविस्पष्ट) साफ नहीं
१२७	११ (अवीरा) पति पुत्र रहित स्त्री, पति, पुत्र, जिस का न हो
२७७	२८ (अवेक्षा) वस्तुओंका देखना
५२	१ (अवीचि) नरकभेद
२९८	६१ (अव्यक्त) विष्णु,शिव अप्रकट
३४	१५ (अव्यक्तराग) थोड़ा लाल
६५	८६ (अव्यक्त) क्षयवांच
८९	५६ (अव्यथा) हड़
३६४	३४ (अव्यय) नाशरहित
२५८	६८ (अव्यवहित) आड़ रहित मिलाहुआ
२१६	५४ (अशनाया) भूख
२४६	२० (अशनायित) भूखा
११	४८ (अशनि) वज्र

पृष्ठ	श्लोक
२६१	१११ (अशित) खाया
१२७	१० (अशिश्वी) विना पुत्र वाली स्त्री
३६०	२३ (अशुभ) दुःख,
२५८	६४ (अशेष) सब
९०	६४ (अशोक) शोकहीन
९५	८५ (रोहिणी) कुटकी
२२५	९२ (अश्मगर्भ) मरकत मणि
२२८	१०४ (अश्मज) शिलाजीत गेरू
७५	४ (अश्मन्) पत्थर
२१०	२६ (अश्मन्त) चूल्हा
१०३	१२१ (अश्मपुष्प) शिला-जित पथरचटा
१३९	५६ (अश्मरी) मूत्रकृच्छ्र जिस से मूत्र करतेसमय पीड़ाहो करक
२२६	६८ (अश्मसार) लोहा
१२	६६ (अश्रान्त) लगातार थका नहीं
१९७	९३ (अश्रि) तरवारआदि की नोक
१४७	६३ (अश्रु) आंसु
३९	१९ (अश्लील) गँवँईआँ वचन
१८५	४३ (अश्व) घोड़ा
८६	४४ (अश्वकर्णक) सांखू
८१	२१ (अश्वत्थ) पीपल

पृष्ठ	श्लोक
२१	२१ (अश्वयुज्) अश्विनी
३५७	१६ (अश्ववड़व) घोड़ा घोड़ी
१८५	४६ (अश्वा) घोड़ी
१८९	६० (अश्वारोह) सवार
२१	२१ (अश्विनी) दक्षकन्या
११	५२ (अश्विनीसुत) अश्विनीकुमार
१८६	४८ (अश्वीय) घोड़ों का समूह
१८०	२२ (अषडक्षीण) दो जनों की सलाह
२२६	९५ (अष्टापद) वस्त्रादि की बनीहुई चौपड़, सुवर्ण
१४३	७२ (अष्ठीवत्) फीली
३४७	१ (असकृत्) वारम्बार
१२७	१० (असती) छिनारि व्यभिचारिणी
१३१	२६ (असतीसुत) छिनारि का पुत्र
८६	४४ (असन) विजयसार
२४५	१७ (असमीक्ष्य कारिन्) विना विचारे कामकरनेवाला, अविचारी
२५६	५६ (असार) निर्बल कमजोर
१९६	८९ (असि) तलवार
१२८	१८ (असिक्नी) जनाने की जवान लौंडी

पृष्ठ	श्लोक
३४	१४ (असित) काला
२३१	७ (असिधावक) तलवार पर बाढ़धरनेवाला
१९६	९२ (असिधेनुका) छूरी शिकिली
१९६	९२ (असिपुत्री) छूरी
१९१	७० (असिहेति) तलवार बाँधनेवाला
२०३	११९ (असु) प्राण
२०३	११९ (असुधारण) जीवन प्राणी
३	१३ (असुर) दैत्य
४६	२३ (असूक्षण) अपमान
४७	२४ (असूया) गुणमें दोष लगाना
१४०	६२ (असृग्धरा) खाल
१४१	६४ (असृज्) रक्त,लोहू
२५१	३७ (असौम्यस्वर) रूखबोलनेवाला, क्रूरशब्द करनेवाला
७५	२ (अस्त) अस्ताचल पटायाहुआ
३५०	१७ (अस्तम्) अदर्शन
३५०	१८ (अस्ति) होना
३४९	१३ (अस्तु) निन्दापूर्वक स्वीकार
१९४	८१ (अस्त्र) हथियार
१४२	६८ (अस्थि) हाड़
२५२	४३ (अस्थिर) चञ्चल

पृष्ठ	श्लोक
२५१	३७ (अस्फुटवाक्) साफ न बोलनेवाला
३२३	१६४ (अस्र) रक्त,लोहू-कोना
१३	६० (अस्रप) राक्षस
१४७	९३ (अश्रु) आंसु
२४५	१६ (अस्वच्छन्द) आधीन परवश
२	८ (अस्वप्न) देवता
२५१	३७ (अस्वर) क्रूरशब्द बोलनेवाला
१७३	५७ (अस्वाध्याय) वेदाध्ययन रहित
२५४	५० (अहंयु) अहंकारवाला
२३	३० (अहःपति) सूर्य्य
४६	२२ (अहंकार) अभिमान
२५४	५० (अहंकारवत्) अभिमानी
२३	२ (अहन्) दिन,अहंकारी
१९९	१०१ (अहमहमिका) परस्पराभिमान,जिस लड़ाई में वीरकहें कि हमलड़ें तो वह लड़ाई
१९८	१०० (अहंपूर्विका) पहिले हम पहिले हम ऐसा कहना
३२	७ (अहम्मति) अज्ञान
२३	३० (अहर्पति) सूर्य्य
२४	२ (अहर्मुख) प्रातःकाल
२२	२८ (अहस्कर) सूर्य्य

पृष्ठ	श्लोक	
३४६	२५६	(अहह) खेद, आश्चर्य्य
७४	१	(अहार्य्य) पर्वत
५२	६	(अहि) सर्प्प, वृत्रासुर
१७७	११	(अहित) शत्रु, दुश्मन
५३	११	(अहितुण्डिक) सांप पकड़नेवाला
१८१	३०	(अहिभय) अपने सहायकसे भय
२८९	३०	(अहिभुज) मोर, गरुड़
९८	१०१	(अहेरु) शतावरि
३४८	८	(अहो) विस्मय
२७	१२	(अहोरात्र) दिनरात
३४७	२	(अन्हाय) शीघ्र
३४२	२३९	(आ) स्मरण, वाक्यपूरण
२६३	८७	(आकम्पित) कांपता हुआ
७६	७	(आकर) खानि
३३८	२२०	(आकर्ष) जुआ, पासा, कपड़े आदि की बनी हुई चौपड़
१४९	९९	(आकल्प) अलङ्कार, सोना
२७४	१५	(आकार) अभिप्राय बोधक चेष्टा, आवृत्ति, इशारा, स्वरूप
४९	३४	(आकारगुप्ति) शोक से मुखादि छिपाना
३७	८	(आकारणा) पुकारना बुलवाना
१६	२	(आकाश) आकाश
२६२	८५	(आकीर्ण) संकुल, भरा हुआ
२५९	७२	(आकुल) आकुल घबराया हुआ
३०५	९०	(आक्रन्द) पुकारना, रोने का शब्द कहरना रक्षक, कठोर, युद्ध
७७	३	(आक्रीड़) राजा जहां कि स्त्रियों के साथ विहार करे वह स्थान
३८	१५	(आक्रोश) मैथुन के निमित्त गाली देना
२७१	६	(आक्रोशन) गालीदेना
३८	१५	(आक्षरणा) गालीदेना
२५२	४३	(आक्षारित) कलंकी चोरी, या छिनारा जिस को लगा हो
८३	३१	(आक्षीव) सहिंजन
३८	१३	(आक्षेप) निन्दा, बुराई
२३५	२३	(आक्षोदन) शिकार
१०	४५	(आखण्डल) इन्द्र
११७	१३	(आखु) मूस, चूहा
११६	७	(आखुभुज्) बिलार
२३५	२३	(आखेट) शिकार
३७	८	(आख्या) नाम
२६८	१०७	(आख्यात) कहाहुआ
३६	५	(आख्यायिका) कहानी

पृष्ठ	श्लोक	शब्द और अर्थ
१६८	३६	(आगन्तु) पाहुन, अभ्यागत,
१८०	२६	(आगस्) अपराध, पाप, कसूर
३२	५	(आगू) स्वीकार
१६४	१८	(आग्नीध्र) ऋत्विक्
२७	१४	(आग्रहायणिक) अगहन
२१	२३	(आग्रहयण) अगहन
३४२	२३८	(आङ्) थोड़ा,अभिव्याप्ति, सीमा, क्रिया योग से उत्पन्न अर्थ
४५	१६	(आङ्गिक)शरीरकी चेष्टा भौंहआदिमटकाना
२१	२४	(आङ्गिरस) बृहस्पति
१६८	३८	(आचमन) आचमन
२१५	४९	(आचाम) मांड़
१६१	९	(आचार्य्य) मन्त्रों की व्याख्या करने वाला
१२८	१४	(आचार्य्या) मंत्रों की व्याख्या करने वाली
१२८	१४	(आचार्य्यानी) आचार्य्यकी स्त्री
२२४	८७	(आचित) दशभार गाड़ीका भार
१९	१३	(आच्छादन) ढांपना वस्त्ररुंधना
४९	३४	(अच्छुरित) सप्रयोजनहास अधिकहसना
२२१	७७	(आजक) बकड़ों का समूह
१८५	४४	(आजानेय) कुलीन घोड़ा
२००	१०६	(आजि) संग्राम लड़ाई समभूमि भाग
२०३	१	(आजीव) जीविका
५४	३	(आजू) हठसे नरकादिमें भेजना
१८०	२६	(आज्ञा) हुकुम
२१६	५२	(आज्य) घी
१२०	२६	(आटि) आड़ी पक्षी-लड़ाई के
२००	१०८	(आडम्बर)बाजाका शब्द बड़े हाथियोंका गर्जना
१२०	२६	(आडि) आडी
२२४	८८	(आढ़क) चारसेर
२०५	१०	(आढ़किका) चारसेर बिया बोनेवाला खेत
१०५	१३०	(आढ़की) अरहर-अर्हो
२४४	१०	(आढ्य) धनी अमीर
२०५	७	(आणवीन) अणु,ज्यठउर सांवाका खेत
२८३	१०	(आतंक) रोग,सन्ताप शंका
३११	११५	(आतञ्चन) दूधमें जावनदेना वेग तृप्तकरना

पृष्ठ	श्लोक	
२५३	४४	(आततायिन्) मारने के योग्य
२५४	३४	(आतप) सूर्य्यका तेज़ घाम
१८२	३२	(आतपत्र) छाता, छतुरी
५६	११	(आतर) उतराई-खेवा
११९	२२	(आतायिन्) चील्ह
१६८	३५	(आतिथेय) अतिथिके लिये जो सिद्धहो
१६८	३५	(आतिथ्य) अतिथिके लिये कर्म्म
२३९	५८	(आतुर) रोगी
४२	५	(आतोद्य) बाजा
२५१	४०	(आत्तगर्व) टूटे अहंकार वाला जिसका अहंकार टूटगया हो
८५	८९	(आत्मगुप्ता) क्यवांच
११९	२१	(आत्मघोष) कौआ
१३१	२७	(आत्मज) पुत्र
३०	२९	(आत्मन्) उद्योग, धैर्य्य (बुद्धि, स्वभाव, ईश्वर, देह
२	१६	(आत्मभू) ब्रह्मा, कामदेव
२४७	२१	(आत्मम्भरि) अपनाही पेट भरने वाला, पेटू
१३०	२१	(आत्रेयी) रजस्वला
२८१	९३	(आथर्वण) अथर्वण मंत्रोंका समूह

पृष्ठ	श्लोक	
१५९	१४०	(आदर्श) शीशा—दर्पण
१२०	२६	(आदि) प्रथम--पहिल
१६९	३४	(आदिकवि) वाल्मीकि
३०	२८	(आदिकारण) प्रधान कारण
२	८	(आदितेय) देवता--अदितिके पुत्र
२	८	(आदित्य) देवता, सूर्य
२७८	२९	(आदीनव) क्लेश
३०३	८५	(आदृत) आदर किया हुआ--पूजागया
१६१	९	(आदेष्ट) यज्ञाध्यक्ष यज्ञ में सर्व ऋत्विजों का सिखाने वाला
२६१	८०	(आद्य) प्रथम, पहिल
२२४	८५	(आद्यमाषक) पांचघुंघुचीभर मासा
२४७	११	(आद्यून) अतिभूखा
६१	२६	(आधार) जल ठहरने की जगह बाँध
४८	२८	(आधि) मनकी व्यथा गिरहीं चीज, आपत्ति, चेतः पीड़ा, आश्रय
२६२	८७	(आधूत) काँपताहुआ
१८८	५६	(आधोरण) पीलवान् महावत
४८	२६	(आध्यान) चिन्तापूर्वक स्मरण

पृष्ठ	श्लोक	
४३	६	(आनक) बड़ा नगारा, तुरही।
५	२२	(आनकदुन्दुभि) वसुदेव
२५१	७०	(आनत) मुख नीचे किये, औंधा
४२	४	(आनद्ध) मुरजादि मृदङ्गादि, बाजा
१९६	८९	(आनन) मुख, मुह
२६	२५	(आनन्द) खुशी, हर्ष
२९	२५	(आनन्दथु) खुशी, हर्ष
२७१	७	(आनन्दन) कुशलानन्द पूछना
२९८	६३	(आनर्त) संग्राम, नाचनेकी जगह, देशविशेषद्वारका
५८	१६	(आनाय) जाल
१६५	२३	(आनाय्य) गार्हपत्याग्नि से लेकर जो दक्षिणाग्नि प्रवेश कराया जावे
१३८	५५	(आनाह) मलमूत्रका निरोध, कब्ज, लम्बाई
१६६	४०	(आनुपूर्वी) क्रम, परिपाटी
२१०	२८	(आन्धसिक) रसोईदार
३६	५	(आन्वीक्षिकी) न्याय
२१४	४७	(आपक्व) चबैना, ऊँवी मुरमुरी
६१	३०	(आपगा) नदी
७०	२	(आपण) बाज़ार
२२२	७८	(आपणिक) बनिया
२५२	४२	(आपत्प्राप्त) विपत्तिमें परा
१९४	८२	(आपत्) विपत्ति
२५२	४२	(आपन्न) विपत्तिमेंपरा
१३०	२२	(आपन्नसत्वा) गर्भिणी
२०४	४	(आपमित्यक) बादेपर मिली वस्तु
२४०	४३	(आपान) मद्यपीनेकी सभा
१५८	१३७	(आपीड) चोटी में पहिरनेकी माला
२२०	७२	(आपीन) आयन, थन
२१०	२८	(आपूपिक) पुआ आदि बनानेवाला
१७७	१३	(आप्त) विश्वासी
५५	५	(आप्य) जलका विकारकूट
२७१	७	(आप्रच्छन्न) कुशलानन्द
१४५	११९	(आप्रपदीन) पैरतक लम्बा कपड़ा
१५५	१२२	(आप्लव) नहाना, स्नान
१७०	४६	(आप्लुव्रतिन्) वेदव्रत समाप्तकर गुरुकी आज्ञासे स्नान करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५५	१२२ (आप्लाव) नहाना स्नान	१४१	६३ (आमिष) मांस, लेना भोग्य वस्तु, भोग
२०६	१३ (आबन्ध) हलमें जोठ बांधने की रस्सी-नाधा	२४६	१६ (आमिषाशिन्) मांस खानेवाला
२५९	७१ (आविद्ध) टेढ़ा फेंका पठाया, गिरा घुमाया	१९०	६५ (आमुक्त) झिलमादि पहिने हुये
२७९	३६ (आविध) वर्म्मा	२६	२४ (आमोद) अतिशय सुगन्ध, हर्ष
१४९	१०१ (आभरण) गहना	३३	११ (आमोदिन्) मुख को सुगन्धित करने वाला पान आदि
३८	१५ (आभाषण) प्रियबोलना		
२	१० (आभास्वर) देवता विशेष		
११७	५७ (आभीर) अहीर	३५	२ (आम्नाय) वेद, परम्परा उपदेश
७४	२० (आभीरपल्ली) अहीरों का गांव	६४	३३ (आम्र) आम
१२८	१३ (आभीरी) अहीरिनि	८२	२७ (आम्रातक) आंवला
५४	४ (आभील) दुःख	३८	१२ (आम्रेडित) दो तीन वार कहना
१५८	१३८ (आभोग) सब वस्तु की परिपूर्णता सब तरह पूर्णता	२५९	६६ (आयत) लम्बा
		७१	७ (आयतन) यज्ञशाला
३४	१२ (आमगन्धि) कचे मांसादिकी दुर्गंध	१८१	२९ (आयति) उत्तरकाल प्रभाव, लम्बाई
५४	३ (आमनस्य) दुःख	२४५	१६ (आयत) आधीन, परवश
१३७	५१ (आमय) रोग		
१३६	५८ (आमयाविन्) रोगी	१५३	११४ (आयाम) वस्त्रादि की लम्बाई
३६४	३३ (आमलक) ऍवरा		
८९	५७ (आमलकी) ऍवरा	१९४	८२ (आयुध) हथियार
१६५	७५ (आमिक्षा) गरम दूधमें दही मिलानेसे जोकुछ वनताहै	१६०	६७ (आयुधिक) हथियार से जीविका करने वाला

पृष्ठ	श्लोक
१९०	६७ (आयुधीय) हथियार से जीविका करनेवाला
२४३	६ (आयुष्मन्)बड़ी आयुर्बल वाला
२०३	१२० (आयुष्) आयुर्दाय, उमर
१९९	१०३ (आयोधन) संग्राम
२२६	६७ (आरकूट) पीतल
८१	२३ (आरग्वध)अमिलतास
२१२	३६ (आरनालक) कांजी
२७९	३८ (आरति) निवृत्ति
२७७	२६ (आरम्भ) प्रथम, आरम्भ
४०	२३ (आरव) शब्द
२३८	३५ (आरा) चमड़ा काटने की छूरी
३४३	२४१ (आरात्) दूर, समीप
३१३	१२५ (आराधन) साधन,प्राप्ति, संतोष करना
७७	२ (आराम) घरके पास का बन
२१०	२८ (आरातिक) रसोईबरदार
४०	२३ (आराव) शब्द
८२	२४ (आरेवत) अमिलतास
१३७	५० (आरोग्य) नीरोगता, तन्दुरुस्त
१५३	११४ (आरोह) वस्त्रादि की लम्बाई, श्रेष्ठ स्त्री की करिहांव
७४	१८ (आरोहण) सीढ़ी
९३	७४ (आर्तगल) काले फूल वाली झिण्टी, पियावासा काला
१३०	२१ (आर्तव) स्त्रियोंकारज
२६७	१०५ (आर्द्र) ओदा, गीला
२१२	३७ (आर्द्रक) अदरख
४५	१४ (आर्य्य) सज्जन,श्रेष्ठ, बड़ा
६६	९ (आर्य्यावर्त)विन्ध्याचल और हिमालयके बीचका देश
२१८	६२ (आर्षभ्य) वधिया करने के योग्य बैल
१६१	८ (आर्हक) मोक्षमार्गका दिखाने वाला
२२८	१०३ (आल) हरिताल
२०२	११५ (आलम्भ) मारना
७०	५ (आलय) घर
६१	२९ (आलवाल) थालहा
२३४	१९ (आलस्य)सुस्ती,सुस्त
१८४	४१ (आलान)हाथीकाखूंटा
३८	१५ (आलाप) प्रियबोलना
६८	१५ (आलि) सेतु, सखी, पंक्ति
४२	५ (आलिङ्ग्य) मृदंगविशेष
१९५	८५ (आलीढ़) दहिनीजांघ

पृष्ठ	श्लोक	
		फैला धनुपधारियों की स्थितिविशेष
२११	३१	(आलुआलू) करवाई सिकोड़कर बैठनो करवा
२८२	३	(आलोक) प्रकाश, रोशनी, दर्शन
२७८	३१	(आलोकन) दर्शन, देखना
२११	३३	(आवपन) सववर्तन
५५	६	(आवर्त) भँवर
७६	४	(आवलि) पंक्ति
२०६	२३	(आवसित) कुनाव सूखा
६१	२९	(आवाप) थाल्हा
१५१	१०७	(आवापक) हाथ के कड़ा, कंकण, पहुंची
६१	२९	(आवाल) थाल्हा
५७	१४	(आविल) गन्दा, मैला
३४९	१२	(आविस) प्रकट, स्पष्टता
४४	१२	(आवुक) पिता, बाप
४४	१२	(आवुत्त) बहनोई
१६३	४०	(आवृत्) क्रम, परिपाटी
२६४	९०	(आवृत) घिराहुआ
१०७	१३७	(आवेगी) विधारा
७१	७	(आवेशन) कारीगर का घर)
१६८	३६	(आवेशिक) पाहुन, अभ्यागत
२४८	२७	(आशंसित) कहनेवाला
२४८	२७	(आशंसु) कहनेवाला
२७५	२०	(आशय) अभिप्राय, मतलब
१३	६०	(आशर) राक्षस
१६	१	(आशा) बड़ीआसरा, दिशा
२१७	५९	(आशितंगवीन) गौओं के पहिले खाने का स्थान
३३६	२२७	(आशिस) हितकी चाहना, साँपके दाँत
५२	७	(आशीविष) सांप,
१४	६६	(आशु) शीघ्र, जल्द, साँठी
१४	६३	(आशुग) हवा, वायु, तीर, बाण,
१२	५६	(आशुशुक्षणि) आगि, अग्नि
४६	१८	(आश्चर्य्य) अद्भुतरस, आश्चर्य्य
१६०	१	(आश्रम) ब्रह्मचर्य्यादि ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास
१७८	१८	(आश्रय) शत्रु से पीड़ितहोके किसी बलवान् के पास छिपना
१२	५५	(आश्रयाश) आगि,
३२	५	(आश्रव) अंगीकार,

पृष्ठ	श्लोक	
		आज्ञाकारी
२६९	१०८	(आश्रुत) अंगीकार किया गया
१८६	४८	(आश्व) घोड़ों का समूह
८१	१६	(आश्वत्थ) पीपलका फल।
२८	१७	(आश्वयुज) कुआर
२८	१७	(आश्विन) कुआर
११	५२	(आश्विनेय) अश्विनीकुमार
१८६	४७	(आश्वीन) घोड़ा का एक मंजिल
२८	४६	(आषाढ)आषाढ़,ब्रह्मचारी का दण्ड,
२४४	९	(आसक्त)चित्तसे मिलताहुआ आसिक
१५६	१३९	(आसन) पीढ़ा,आसन,शत्रुको बलवान् समझकर किला में बैठ (रहना,हाथी, कन्धा
२७५	२१	(आसना) आसन
२५८	६६	(आसन्न) समीप
२५५	९	(आसन्दी) आसनी
२३४	४२	(आसव) मद्य,दारू
२६७	१०४	(आसादित) पाया
१९	११	(आसार) मेघधारा, फौजका फैलाव
२०८	१६	(आसुरी) राई
२५५	५३	(आसेचनक) जिसके देखनेसे तृप्ति न हो वह वस्तु
३२३	२३९	(आस्) क्रोध, पीड़ा
१९९	१०४	(आस्कन्दन) सङ्ग्राम
१८६	४८	(आस्कन्दित) घोड़ेकी सरपटचाल
१८४	४३	(आस्तरण) हाथी की झूल
३०४	८७	(आस्था) सभा,उपाय
१६३	१७	(आस्थान) सभा
१६३	१७	(आस्थानी) सभा
३०६	९३	(आस्पद) स्थान, कार्य,प्रतिष्ठा
२३७	३४	(आस्फोटनी) वर्म्मा
९४	८०	(आस्फोट) मदार
९९	१०४	(आस्फोता) विष्णुक्रान्ता
१४६	८९	(आस्य) मुख
२७५	२१	(आस्या)आसन,बैठना
२७८	२९	(आस्रव) क्लेश
४०	११	(आहत)असम्भावित, गुणा हुआ
२४४	१०	(आहतलक्षण) गुणसे प्रसिद्ध
२००	१०५	(आहव) संग्राम
१६४	२१	(आहवनीय) यज्ञकी अग्नि
२१७	५६	(आहार)भोजन,खाना

पृष्ठ	श्लोक
६०	२६ (आहाव) पौशाला
५२	३ (आहेय) सांपकी विषहड्डी आदि
३४७	५ (आहो) विकल्प
१९८	१०० (आहोपुरुषिका) अपनामें ऐसी सम्भावना कि हमीं पुरुषहैं
३७	७ (आह्वय) नाम, संज्ञा
३७	८ (आह्वा) नाम, संज्ञा
३७	८ (आह्वान) पुकारना
	(इ)
	(इक्षु) ऊख,
६८	९८ (इक्षुगंधा) गोखरू, काश, कालाकुम्हड़ा
६६	१०४ (इक्षुर) तालमखाना
१११	१५६ (इक्ष्वाकु) करुईलौकी
२६०	७४ (इङ्ग) अभिप्रायबोधक चेष्टा, चलनेवाला
२७४	१५ (इङ्गित) अभिप्राय बोधक चेष्टा
८६	४६ (इंगुदी) गोंदी, पौंखी
४७	२७ (इच्छा) इच्छा, ख्वाहिश
१२७	९ (इच्छावती) धन की इच्छावाली स्त्री
१६१	१० (इज्याशील) वारंवार यज्ञ करने वाला
२१८	६२ (इट्चर) साँड़
२६३	९२ (इडा) गो, भूमि, वानी, बुधकी स्त्री
२३४	१६ (इतर) नीचपुरुष, अन्य, दूसरा, हेतु, प्रकरण
३४४	२४४ (इति) प्रकाश, समाप्ति
१६२	१४ (इतिह) लोकपरम्परा उपदेश
२६	४ (इतिहास) पुरानीकथा
१२७	१० (इत्वरी) छिनारि
३५२	२३ (इदानीम्) अब, इस काल
७६	१३ (इध्म) इन्धन
३१०	१११ (इन) सूर्य्य, राजा, स्वामी
	(इन्वका) मृगशिरा नक्षत्रके शिरमें रहनेवाले पांच छोटेनचत्र
६	२८ (इंदिरा) लक्ष्मी
६३	३७ (इन्दीवर) नीलकमल
६८	१०० (इन्दीवरी) शतावरि
१९	१३ (इन्दु) चन्द्रमा
९	४२ (इन्द्र) देवों के राज
८६	४५ (इन्द्रद्रु) अर्जुनवृक्ष
९१	६७ (इन्द्रयव) इन्द्रयव
१३६	५६ (इन्द्रलुप्तक) चांईचूंई रोगी
१११	१५६ (इन्द्रवारुणी) इन्द्रायण
९१	६८ (इन्द्रसुरस) म्योढ़ी, मुंडी
९१	६८ (इन्द्राणिका) म्योढ़ी, मुंडी
१०	२६ (इन्द्राणी) इन्द्रकी स्त्री
१८	३० (इन्द्रायुध) इन्द्रधनुष,

पृष्ठ	श्लोक	
३	१२	(इन्द्रारि) दैत्य
४	२०	(इन्द्रावरज) विष्णु,वामन
३३	८	(इन्द्रिय) इन्द्रिय,वीर्य्य
३३	८	(इन्द्रियार्थ) रूपरसादि विषय
७६	१३	(इन्धन) इन्धन
१८२	३५	(इभ) हाथी
२२४	१०	(इभ्य) धनवान्
१८	१०	(इरम्मद) मेघकीज्योति
२३९	४०	(इरा) मदिरा, पृथ्वी, वानी, जल
३१६	५६	(इरण), शून्य, ऊसर
		(इर्वारु) ककरी
२१	२३	(इल्वल) ताराविशेष
६५	४	(इला) गो,पृथ्वी,वानी, बुधकी स्त्री
३४८	९	(इव) सादृश्य, समता
२८	१७	(इष) कुआर
२३७	३३	(इषीका) हाथीकी आंखिका गोल,सराई
१९५	८७	(इषु) तीर
१९६	८८	(इषुधि) तरकस, तूणीर
१६६	१३०	(इष्ट) यज्ञकर्म्म,वांछित, इच्छाभरि
११३	१६५	(इष्टकापथ) खसखस
३३	११	(इष्टगन्ध) सुगन्ध
२४४	९	(इष्टार्थोद्युक्त) अभीष्टवस्तु में लगाहुआ
२९२	३८	(इष्टि) यज्ञ,इच्छा
१९४	८३	(इष्वास) धनुष
		(ई)
१४७	९३	(ईक्षण) आँखि,देखना
१३०	२०	(ईक्षणिका) शुभाशुभ जाननेवाली
२६९	११०	(ईडित) स्तुति किया हुआ
२९९	६८	(ईति) विदेश, बाल, अण्ड,पिलही,बाढ़िआ, सूखा,टीड़ी,मूस,सुआ देशी राजा, परदेशी राजा इत्यादिका उपद्रव
२६३	८७	(ईरित) फेंका, पठाया
१३८	५४	(ईर्म्म) घाव
४७	२४	(ईर्ष्या) अन्यकी बढ़ती को न सहना
२६६	१०९	(ईलित) स्तुति कियाहुआ
१६६	६१	(ईली) खाँड़ा
७	३१	(ईश) शिव, ईशान कोणका स्वामी
७	३१	(ईशान) शिव
२४४	१०	(ईशितृ) स्वामी
७	३१	(ईश्वर) शिव, स्वामी
८	३७	(ईश्वरी) पार्वती
३४८	८	(ईषत्) थोड़ा
२०७	१४	(ईषा) हरस

पृष्ठ	श्लोक
१८३	३८ (ईषिका) हाथीके आँख की गोलाई,चित्र खींच ने वालेकी कूंची
२४	१३ (ईषत्पाण्डु) धूसररंग
४८	२७ (ईहा) इच्छा, चाह
११६	८ (ईहामृग) भेड़हा, विग
	(उ)
३५०	१८ (उ) क्रोधसे कहना
२६८	१०७ (उक्त) कहाहुआ
२५	१ (उक्ति) कहना
३६२	३० (उक्थ)सामवेदके मंत्र-विशेष
२१७	५९ (उक्षन्) बैल
२११	३१ (उखा) बटलोही
२१४	४५ (उख्य) बटलोही में पकाया अन्नादि
७	३३ (उग्र) शिव, शूद्रास्त्री में क्षत्रिय से उत्पन्न, भयकारी
९९	१०२ (उग्रगन्धा) वच,अजवाइन
२५९	७० (उच्च) ऊंचा
११२	१६० (उच्चटा) मोथाविशेष
२६२	८३ (उच्चण्ड) शीघ्र, उतहिले
१४२	६७ (उच्चार) गूह, मैला
२६२	८३ (उच्चावच) अनेक प्रकारका, हरतरहका

पृष्ठ	श्लोक
१०	४६ (उच्चैःश्रवस्) इन्द्रका घोड़ा
३८	१२ (उच्चैर्घुष्ट) घोषना, जोरसे पढ़ना
३५०	१७ (उच्चैस्) उँचाई
७६	१० (उच्छ्रय) पर्वतादिकी उँचाई
७९	१० (उच्छ्राय) पर्वतादिकी उँचाई
२५९	७० (उच्छ्रित) ऊंचा, बढ़ाहुआ, उत्पन्न, हत
२०२	११५ (उज्जासन) मारना
४५	१७ (उज्ज्वल) शृङ्गाररस, उजला
२०३	२ (उञ्छ) शीलाबिनना
७०	६ (उटज) मुनियों की कूटी
२१	२१ (उडु) तारा
५६	११ (उडुप) छोटी नाव
१२३	३८ (उड्डीन) ऊपरका उड़ना
२६७	१०१ (उत)बीनाहुआकपड़ा, समुच्चय, विकल्प, पूंछना, वितर्क
३४७	५ (उताहो) विकल्प
२४३	८ (उत्क) अति चाहने वाला
१०६	१३४ (उत्कट) मतवाला
४८	२९ (उत्कंठा) अतिचाहना

पृष्ठ	श्लोक	
१२४	४३	(उत्कर) राशि, ढेर
२७३	११	(उत्कर्ष) प्रकर्ष
४८	२९	(उत्कलिका) अति चाहना, कलोल
२७६	३६	(उत्कार) अन्नादिका निकालना
१२०	२३	(उत्क्रोश) कुररा, कुररी
३२९	२२६	(उत्तंस) करणफूल, शिरोभूषण
२६८	१०५	(उत्त) ओदा, गीला
१४१	६३	(उत्तप्त) सूखामांस
२५६	५७	(उत्तम) प्रधान, मुख्य, अच्छा
२०४	५	(उत्तमर्ण) ऋणदेनेवाला महाजन
१२५	४	(उत्तमा) सबतरह से अच्छी स्त्री
१४८	९५	(उत्तमांग) शिर
३३०	१८९	(उत्तर) उत्तर, जवाब, ऊपर, उत्तर दिशा, श्रेष्ठ
१५३	११७	(उत्तरासंग) अँगोछा, डुपट्टा आदि
१५३	११८	(उत्तरीय) अँगौछा, दुपट्टा आदि
५७	१५	(उत्तान) थाह, उथल
१३५	४१	(उत्तानशया) दूधपीनेवाले, बच्चे
३१२	११७	(उत्थान) पौरुष, उपाय, बैठेहुयेका उठाना, कुटुम्बकृत्य
३०२	८५	(उत्थित) उत्पन्न, अभिमानी, बढ़ाहुआ
२४६	२९	(उत्पतितृ) उछलनेवाला,
२४८	२९	(उत्पतिष्णु) उछलनेवाला
३०	३०	(उत्पत्ति) जन्म
६३	३७	(उत्पल) कमल, कुमुद
१०१	११२	(उत्पलशारिवा) पीपरि, कालाशाख
२००	१०६	(उत्पात) उत्पात, आफत
७८	७	(उत्फुल्ल) फूलाहुआ
७५	५	(उत्स) झरनासे पानी गिरनेका स्थान
१६७	३१	(उत्सर्जन) दान
५०	२८	(उत्सव) विवाहादिकी खुशी, ऊपर उठना, सींचना, इच्छाकी उत्पत्ति, आनन्दका वेग
१५५	१२२	(उत्सादन) उबटन
४८	२९	(उत्साह) उत्साह, हौसिला, राजाकी शक्ति
४५	१८	(उत्साहवर्द्धन) वीर
२४३	९	(उत्सुक) अभीष्ट वस्तु में अतिमन लगाये

पृष्ठ श्लोक

२६८ १०७ (उत्सृष्ट) त्यागाहुआ
७६ १० (उत्सेध) पर्वतादिकी ऊँचाई, देह ऊँचाई
५५ ४ (उदक) जल
१३० २१ (उदक्या) रजस्वला
२५९ ७० (उदग्र) ऊँचा
२८० ३९ (उदज) पशुओंको ललकारना
५४ १ (उदधि) समुद्र
३७ ७ (उदन्त) वृत्तान्त,खबर हाल
२१६ ५५ (उदन्या) पिआस
५४ १ (उदन्वत्) समुद्र
६० २६ (उदपान) कुंआं
७५ २ (उदय) उदयाचल
१४४ ७७ (उदर) पेट
१८१ १२९ (उदर्क) आगे होनेवाला फल
७० ४ (उदवसित) घर
२१६ ५२ (उदश्वित्) माठा जिसमें आधा पानीहो
३६ ४ (उदात्त) स्वरविशेष
१४ ६४ (उदान) मुख नाकसे निकलने वाला वायु
३३० १९१ (उदार) दाता, महान्, बड़ा
१७७ १० (उदासीन) शत्रु मित्र से अन्य
३७ ९ (उदाहार)चिन्ता,उदाहरण

पृष्ठ श्लोक

२६८ १०७ (उदित) कहा हुआ
१७ १२ (उदीची) उत्तर दिशा
६६ ८ (उदीच्य) पश्चिमोत्तर देश, नेत्रवाला
८१ २२ (उदुम्बर) गूलर, तांबा
१०८ १४४ (उदुम्बरपर्णी) दंतिआ, जयपाल
२०९ २५ (उदूखल)ओखरी,कांड़ी
२६५ ६७ (उद्गत) वान्त,कय कियेहुये
१५२ ११२ (उद्गमनीय) धोयेकपड़े
१५ ६७ (उद्गाढ) वारंवार,
१६४ १९ (उद्गातृ) सामवेद जाननेवाला ऋत्विक्
२७९ ३७ (उद्गार) वान्तकरना, डाकना
२५८ १९ (उद्गीथ) सामवेद.
२६३ ८९ (उद्गूर्ण)उठायाहुआ, शस्त्रआदि
२७९ ३७ (उद्ग्राह) डेकारना
३० २७ (उद्घ) अच्छा
२७९ ३५ (उद्घन)काठकाठीहा जिसपर बढ़ई लकड़ी काटताहै
२३६ २७ (उद्घाटन) कुंआँ से जल निकालने का यंत्र, पुर,रहट

पृष्ठ	श्लोक
२७७	२६ (उद्घात) प्रारंभ,शुरू,
१८१	२६ (उद्दान) बाँधना,
८४	३४ (उद्दाल) लसोहरा
२६५	९५ (उद्दित) बाँधाहुआ
२७१	१११ (उद्द्राव) भागना
५०	३८ (उद्धर्ष) उत्सव
५०	३८ (उद्धव) उत्सव,
२१०	२६ (उद्धान) चूल्हा
२०४	४ (उद्धार) उधार,ऋण, कर्ज
२६४	९८ (उद्धृत) कुंआँ से निकाला जल इत्यादि
३०	३० (उद्भव) जन्म
२५५	५१ (उद्भिज्ज) वृक्ष,वल्ली, घास इत्यादि
२५५	५१ (उद्भिद) वृक्ष, वल्ली घास इत्यादि
२५५	५१ (उद्भिद) वृक्ष, वल्ली, घास इत्यादि
२७३	१२ (उद्भ्रम) ऊवना,
२६३	८९ (उद्यत) उठायाहुआ शस्त्रआदि
२७३	११ (उद्यम) उद्यम-रोजगार, धंधा
७७	३ (उद्यान) जहांकिस्त्रियों के साथ राजा विहार करे,निकलना,प्रयोजन
२६४	९३ (उद्योग) उत्साह,
५९	३० (उद्र) उद्र-जलबिलार,
१५५	१२२ (उद्वर्तन) उवटन
१८३	३६ (उद्वान्त) वान्त व मदकाहाथी
२०२	११५ (उद्वासन) मारना
१७४	६० (उद्वाह) विवाह
११४	१६९ (उद्वेग) सुपारी का फल, ऊवना
११७	१३ (उन्दर) मूसा, उचाना
११७	१३ (उन्दुरु) मूसा
२५९	७० (उन्नत) ऊँचा (उन्नद्ध) अभिमानी
२७३	१२ (उन्नय) ऊपरकोपहुँचा (उन्नयन) ऊपरको पहुँचाना
२७३	१२ (उन्नाय) ऊपर लेजाना
९३	७७ (उन्मत्त)धतूरा,पागल, सिर्री
२०२	११५ (उन्मथ) मारना
२४७	२३ (उन्मद) पागल, सिर्री
२४७	२३ (उन्मादिष्णु) पागल, सिर्री,
२४३	८ (उन्मनस) प्रीतियुक्त अतिचाहने वाला
२०२	११५ (उन्माथ) मारना, खाभरि,चिड़िया फसाने-का साधन
४७	२६ (उन्माद) पागलपना
११०	६० (उन्मादवत्) पागल
२५८	६८ (उपकण्ठ) समीप

पृष्ठ	श्लोक
७२	१० (उपकारिका) राजघर तम्बू
७२	१० (उपकार्य्या) राजघर, तम्बू
१०४	१२५ (उपकुञ्चिका) कालाजीरा, गुजराती इलायची
६७	३६ (उपकुल्या) नड़ीपीपरि
१६२	१५ (उपक्रम) जानकर आरंभ करना, उपाय पूर्वक आरंभ, राजमंत्रीकेशीलकी परीक्षा चिकित्सा,
३८	१३ (उपक्रोश) निन्दा
२६८	१०९ (उपगत) अंगीकार किया हुआ
२७८	३० (उपगूहन) लिपटना
२०२	११९ (उपग्रह) बँधुआ, कैदी
१८१	२८ (उपग्राह्य) भेंट, नजर
२७५	१९ (उपघ्न) समीपका आश्रय
२६७	१०२ (उपचरित) सेवाकिया हुआ
१६५	२२ (उपचाय्य) यज्ञ की अग्नि
२६३	८६ (उपचित) बढ़ाहुआ
९५	८७ (उपचित्रा) मूसरी, मूसाकर्णी
१७९	२१ (उपजाप) भेद लगाना चुगली, फूटकराना
३४६	१० (उपजोष) आनन्द, खुशी
२६१	१५ (उपज्ञा) प्रथम ज्ञान पहिले पहिल जानना
२७४	१४ (उपतप्त) परसन्ताप
१३७	५१ (उपताप) रोग
७६	७ (उपत्यका) पर्वतके समीप नीचेकी भूमि
१८१	२८ (उपदा) भेंट, नजर
१७९	२१ (उपधा) मन्त्री आदि की धर्म्मादिसे परीक्षा
१५९	१३८ (उपधान) तकिआ
४८	३० (उपधि) कपट,
४३	७ (उपनाह) वीणामें तार बांधने की जगह
२२२	८१ (उपनिधि) धरोहर,
३०५	९२ (उपनिषत्) धर्म्म, एकान्त, वेदान्त
६९	१९ (उपनिष्कर) गांव या शहर से निकलने का रास्ता,
३७	९ (उपन्यास) कहने का आरम्भ,
१३३	३५ (उपपति) जार, यार
१६६	२७ (उपभृत) स्रुवा विशेष,
२७५	२० (उपभोग) उपभोग, वर्त्तना, भोगना

पृष्ठ	श्लोक
२३८	३६ (उपमा) सादृश्य, मिसाल
३२६	७६ (उपमातृ) धात्री,धायी
२३८	३६ (उपमान)जिसकी मिसाल दीजाय वह
१७४	६० (उपयम) विवाह
१७४	६० (उपयाम) विवाह
२६	१० (उपरक्त) चन्द्र, सूर्य्य का ग्रहण दुःखसे पीड़ित
१८२	३३ (उपरक्षण) पहरा,गस्त
२६	९ (उपराग) चन्द्र, सूर्य्य का ग्रहण
२८०	३८ (उपराम) निवृत्ति
७५	४ (उपल) पत्थर
३६	५ (उपलब्धार्था) कहानी
३१	१ (उपलब्धि) बुद्धि,
२७७	२७ (उपलम्भ) साक्षात्कार
३३२	१९८ (उपला) सिटकी,
७७	२ (उपवन)घरके पासका वन,
६६	९ (उपवर्तन) देश, नगर गाँव,
१५९	१३८ (उपवर्ह) तकिआ
१६९	४१ (उपवस्त) उपवास
१६९	४१ (उपवास) व्रत
९९	९९ (उपविषा) अतीस
१७३	५३ (उपवीत) वायेंकाँधेका जनेऊ
७४	२० (उपशल्य)गाँवके समीपकी जगह
२७८	३३ (उपशाय) क्रमसे पहर पहर सोनेवाले
२६८	१०९ (उपश्रुत) अंगीकार कियाहुआ
१५३	११७ (उपसव्यान) धोती आदि, नीचे पहिरने के वस्त्र
१६६	२८ (उपसम्पन्न) यज्ञमें माराहुआ पशु,रसिआउर
२७६	२५ (उपसर) प्रथमवार गर्भ ग्रहणकरना
२००	१०९ (उपसर्ग) उत्पात
२५६	६० (उपसर्जन) अप्रधान
२२०	७० (उपसर्य्या) गर्भयोग्य काल में बैलके पास जानेवाली गौ, उठी
२३	३२ (उपसूर्य्यक) परिवेष सूर्यका मण्डल
२१२	३५ (उपस्कर) मसाला धुगार
१४३	७५ (उपस्थ) लिंग, भग
१६८	३८ (उपस्पर्श) आचमन
१८१	२८ (उपहार) भेंट,नजर
३२८	१८२ (उपह्वर) एकान्त, समीप
१८०	२३ (उपांशु) एकान्त

पृष्ठ	श्लोक	
१७०	४४	(उपाकरण) संस्कार पूर्वक वेदका पढ़ना
१६६	२७	(उपाकृत) मंत्रसे संस्कारकर करके मारा हुआ यज्ञपशु
१६६	४०	(उपात्यय) क्रमका उल्लंघन, अतिक्रम, बेकायदा
२७४	१६	(उपादान) लेना, इन्द्रियों को विषय से खींचना,
४८	२८	(उपाधि) कुटुम्ब का पालन करनेवाला, धर्मकी चिन्ता
१६१	९	(उपाध्याय) पढ़ानेवाला
१२८	१४	(उपाध्याया) पढ़ानेवाली
१२८	१५	(उपाध्यायानी) पढ़ानेवाले पंडितकी स्त्री
१२८	१४	(उपाध्यायी) पढ़ानेवाले पण्डितकी स्त्री
२३७	३१	(उपानह्) जूता
१७८	२०	(उपाय) भेद, दण्ड, साम, दाम
१८१	२८	(उपायन) भेंट, नजर
३८	१४	(उपालम्भ) उरहना
१८६	५०	(उपावृत्त) लोटना
१९६	८८	(उपासंग) तरकस, तूणीर
१९५	९६	(उपासन) सेवा, तीर चलाने का अभ्यास करना
१६८	३७	(उपासना) सेवा
२६७	१०२	(उपासित) सेवाकिया (हुआ)
२६	१०	(उपाहित) उल्का, धूमकेतु, मिलाया हुआ
४	२०	(उपेन्द्र) विष्णु, वामन
१११	१५७	(उपोदिका) पोयका साग
३७	९	(उपोद्घात) आगे कहे जानेवाले अर्थके उपकारक अर्थका वर्णन (उदाहरण
२०५	८	(उप्तकृष्ट) बोकर जोता हुआ खेत)
३५१	२१	(उभयद्युस्) दोनोंदिन
३५१	२१	(उभयेद्युस्) दोनोंदिन
८	३७	(उमा) पार्वती, अलसी
८	३५	(उमापति) शिव
१५०	१०४	(उरःसूत्रिका) नाभितक लम्बी मोतियों की माला
५२	८	(उरग) साँप
२२१	७६	(उरण) भेंड़

पृष्ठ	श्लोक
१०९	१४६ (उरणाख्य)(क्ष)चकवँड़
२२१	७६ (उरभ्र) भेंड़ा
३४६	२५३ (उररी) विस्तार, अंगीकार
२६८	१०८ (उररीकृत) अंगीकार कियाहुआ
१९०	६४ (उरश्छद) कँवँच
१४४	७ (उरस्) छाती
१९२	६६ (उरसिल) सुन्दर छातीवाला पुत्र
१९२	७६ (उरस्वत)सुन्दर छाती वाला
३४६	२५३ (उरी) विस्तार, अंगीकार करना
२५७	६१ (उरु) फैलाहुआ,बड़ा
८८	५१ (उरुबूक) रेंड़ी
६६	५ (उर्वरा) सबअन्नों से युक्त पृथ्वी
१२	५३ (उर्वशी) अप्सरा
१११	१५५ (उर्वारु) कंकरी
६५	३ (उर्वी) पृथ्वी
७९	९ (उलप) बड़ीबोंड़ी
५८	१८ (उलूपिन) सूँस,शिशुमार
११८	१५ (उलूक) उल्लू
२०९	२५ (उलूखल) कॉंड़ी, ओखरी
८४	३४ (उलूखलक) गुग्गुल
३५४	८ (उल्का) तेजविशेष,लूक
२१०	३० (उल्मुक) लुकेठी
१३६	५७ (उल्लाघ) निरोग
१५४	१२० (उल्लोच) चन्दवा चाँदनी
५५	६ (उल्लोल) बड़ा हिलकोरा, लहरि
१३४	३८ (उल्व) ओझरी चर्म जिससे गर्भबँधारहताहै
२६१	८१ (उल्वण) स्पष्ट, साफ
२१	२५ (उशनस्) शुक्राचार्य्य
११३	१६४ (उशीर) खसखस
९८	६७ (उषणा) बड़ी पीपरि
१२	५५ (उषर्बुध) आगि
२४	२ (उषस्) प्रातःकाल भोर, सवेरा
३५०	१८ (उषा) रात्रिका अन्त
६	२७ (उषापति) अनिरुद्ध
२६६	९३ (उषित) जराहुआ
२२१	७५ (उष्ट्र) ऊँट
२३४	१६ (उष्ण) (क) ग्रीष्म ऋतु, चतुर,तेज, गरम
२२	२९ (उष्णरश्मि) सूर्य्य
२८	१९ (उष्णागम) ग्रीष्मऋतु
२१५	५० (उष्णिका) लपसी, गीलाभात
२३७	२१९ (उष्णीष)पगड़ी,मुकुट
२८	१९ (उष्णोपगम) ग्रीष्मऋतु
२८	१६ (उष्ण) गरमी

पृष्ठ	श्लोक
२३	३३ (उस्र) किरण, बैल
२१६	६६ (उस्रा) गौ
२१४	४५ (उख्य) बटुलोहीमें पकाया अन्न
२६७	१०१ (उत) बीना वस्त्र
२२०	७३ (ऊधस्) आयन, थन
३१४	१२७ (ऊन) हीन, कम
३५०	१८ (ऊम्) प्रश्न, पूँछना
२०३	१ (ऊरव्य) वैश्य, बनियां
३४६	२५३ (ऊरी) अंगीकार करना
२६८	१०८ (ऊरीकृत) विस्तार
१४३	७३ (ऊरु) निरोह, जांघ
२०३	१ (ऊरुज) वैश्य, बनियां
१४५	७२ (ऊरुपर्वन्) फीली
२८	१८ (ऊर्ज) कार्तिक
१६२	७५ (ऊर्जस्वल) अतिशय बलवाला
१६२	७२ (ऊर्जस्विन) अतिशय बलवाला
११७	१४ (ऊर्णनाभ) मकरी
२६५	६६ (ऊर्णा) भेंड़ों के रोम, ऊन, भौंहोंका बीच
२२१	७६ (ऊर्णायु) भेंड़ा, भेंड़ा के ऊनका कम्बल
४२	५ (ऊर्ध्वक) मृदंगविशेष
१३६	४७ (ऊर्ध्वजानु) ऊँचीजांघवाला
१३६	४७ (ऊर्ध्वज्ञु) ऊँची-जाँघवाला
५५	५ (ऊर्मि) लहरि
१५१	१०७ (ऊर्मिका) अँगूठी
२५६	७१ (ऊर्मिमत्) टेढ़ा
६६	५ (ऊष) खारीमट्टी, लोनानि मट्टी
२१२	३६ (ऊषण) कालीमिर्च
६६	६ (ऊषर) ऊसर
६६	६ (ऊषवत्) ऊसर
२८	१८ (ऊष्मक) ग्रीष्मऋतु
२८	१६ (ऊष्मागम) घाम
३१	३ (ऊह) तर्क, विचार, कल्पनाविशेष
	(ऋ)
२२५	९० (ऋक्थ) धन
२१	२१ (ऋक्ष) तरिवन, नक्षत्र, ऋच
१००	११० (ऋक्षगंधा) विधारा
१००	११० (ऋक्षगंधिका) सीताफल, उजला कुम्हड़ा
३६	३ (ऋच) ऋग्वेद
११५	५ (ऋच्छ) भालू
२११	३२ (ऋजीप) तावा, कराही
२५६	७२ (ऋजु) सीधा
१८	१० (ऋजुरोहित) इन्द्रधनुष
२०४	३ (ऋण) ऋण, उधार, कर्ज
४०	२२ (ऋत) खेत कटजाने परजो अन्न पड़ारहता है, सत्य, सच

पृष्ठ	श्लोक
२७८	३२ (ऋतीया) घिनाना, करुणा
२७	२ (ऋतु) दो महीना वसन्तादि, स्त्री का, मासिकरक्त
१३०	२१ (ऋतुमती) रजस्वला
३२७	३ (ऋते) विना, नहीं, धनदेकर यजमान से वर्ण कियागया
१६४	१९ (ऋत्विक्) यज्ञ करानेवालापुरुष
२०९	२३ (ऋद्ध) कुनाव भूसाका
१०१	११२ (ऋद्धि) दवाविशेष
२	८ (ऋभु) देवता
१०	४५ (ऋभुक्षिन्) इन्द्र
११७	११ (ऋश्य) हरिण विशेष
४१	१ (ऋषभ) स्वरविशेष, गौकी आवाज, काकड़ासिंगी, बैल, श्रेष्ठ
१७०	४६ (ऋषि) वेद, वशिष्ठादि मुनि, किरण, सत्यबोलनेवाला
९५	८७ (ऋष्यप्रोक्ता) कपवाँच
	(ए)
२६२	८२ (एक) अकेला, मुख्य, अन्य
२६२	८२ (एकक) अकेला
१६२	१४ (एकगुरु) एकहीगुरु से पढ़नेवाले

पृष्ठ	श्लोक
२६१	७९ (एकतान) एकाग्रचित्त
४२	३ (एकताल) बराबर मिलाहुआस्वर
९	३९ (एकदन्त) गणेश
३५२	२२ (एकदा) एकसमय
११९	२२ (एकदृष्टि) कउआ
२१९	६५ (एकधुर) एकधुरका वहनेवाला
२१९	६५ (एकधुरावह) एकभारवाला, एकधुरका वहनेवाला
२१९	६५ (एकधुरीण) एकभारवाला, एकधुर का वहनेवाला
६८	१६ (एकपदी) गली, मार्ग
१५	७० (एकपिंग) कुबेर
१५१	१०६ (एकयष्टिका) एकलरकीमाला
२६१	८० (एकसर्ग) एकाग्रचित्त
२१३	६८ (एकहायनी) एकवर्ष की बछिया
२६१	८२ (एकाकिन्) अकेला, जिसका कोई सहायक न हो
२६१	७९ (एकाग्र) स्वस्थचित्त, एकाग्रचित्त

पृष्ठ	श्लोक
२६१	८० (एकाग्र्) एकाग्रचित्त
१५	६८ (एकान्त) वारंवार, अतिशय
२१९	६८ (एकाब्दा) एकवर्ष की वछिया
२६१	७६ (एकायन) एकाग्रचित्त
२६१	८० (एकायनगत) एकाग्रचित्त
१५१	१०६ (एकावली) एकलर की माला
६४	८१ (एकष्ठील) गूमा
९५	८५ (एकाष्ठीला) पाठा, पहारमूल
२२१	७६ (एडक) भेंड़ा
१०६	१४७ (एडगज) चकवँड़
२५१	३८ (एडमूक) बहिरा, गूँगा
७०	४ (एडूक) जिसमें मजबूती के लिये काठ पत्थरआदि धरदिये जाते हैं वह दीवार
११७	११ (एण) हरिण
३५	१७ (एत) चितकवरारंग
३५२	२३ (एतर्हि) अब, इस काल
७९	१३ (एध) इन्धन
७९	१२ (एधस्) इन्धन, लकड़ी
२७२	१० (एधा) विधान
२६०	७६ (एधित) बढ़ाहुआ
२९	२३ (एनस्) पाप
८८	५१ (एरण्ड) रेंड़ी
१०४	१२५ (एला) इलायची
१०७	१४० (एलापर्णी) कोलिन्दण, रासनि
१०३	१२१ (एलावालुक) मूसघर, एलुआ
३४५	२४६ (एवम्) इसप्रकार, ऐसा, विकल्प, अंगीकार, अनुमति, फिर, निश्चय
२३७	३२ (एषणिका) सोना तौलने का कांटा
	(ऐ)
२३५	२४ (ऐकागारिक) चोर
८१	१८ (ऐङ्गुद) पाँखी का फल
१३६	४८ (ऐड) बहिरा
११६	९ (ऐण) हरिणका चमड़ाआदि
११६	९ (ऐणेय) हरिणका चमड़ाआदि
१६२	१४ (ऐतिह्य) परंपरा से आया उपदेश
२६१	७९ (ऐन्द्रियक) प्रत्यक्ष, जो नेत्रसे दिखाईपड़े
१०	४७ (ऐरावण) इन्द्रका हाथी

पृष्ठ	श्लोक
१०	४७ (ऐरावत) इन्द्रका हाथी पूर्वदिशा का दिग्गज, नारंगी
१८	९ (ऐरावती) बिजुली
१५	७० (ऐलविल) कुबेर
१०३	१२१ (ऐलेय) मूसघर, एलुआवृक्ष
८	३७ (ऐश्वर्य्य) सिद्धि, ऐश्वर्य्य
३५१	२० (ऐषम) वर्तमान वर्ष, आसौं, इससाल
	(ओ)
३४६	१२ (ओम्) अंगीकार करने में
३४०	२३२ (ओक) घर, आश्रय
३४०	२३२ (ओकस्) घर,आश्रय
४३	९ (ओघ) शीघ्रहोने वाला नाच, समूह, जलकावेग
३६	४ (ओंकार) ओंकार
३४०	२३२ (ओजस्) बल,प्रकाश
६३	७६ (ओड्रपुष्प) गुड़हर, ओड़उल
११५	७ (ओतु) बिलार
२१५	४८ (ओदन) भात
२७२	६ (ओष) जराना
१०६	१३५ (ओषधी) दवा, अन्न
१९	१४ (ओषधीश) चन्द्रमा
१४७	९० (ओष्ठ) ओठ, होठ
	(औ)
२१७	६० (औक्षक) बैलों का समूह
३६६	३९ (औचिती) यथायोग्यता
३६६	३६ (औचित्य) यथायोग्यता
२०	२० (औत्तानपादि) ध्रुव
२१०	२८ (औदनिक) रसोईदार
२४७	२१ (औदरिक) भूख से पीड़ित, मरभुखा
२८०	४० (औपगवक) उपगुके पुत्रोंका समूह
१८०	२४ (औपयिक) न्यायसे युक्त
१६६	४१ (औपवस्त) उपवास
२२१	७५ (औरभ्रक) भेड़ों का समूह
१३२	२८ (औरस) अपनासे सवर्ण स्त्री में उत्पन्न पुत्र
१३२	२८ (औरस्य) अपनासे सवर्णा स्त्री में उत्पन्न पुत्र
१६७	३२ (और्द्धदेहिक) जिस में उर्द,सहद, मसुरी न खाई जाय उसका वा चान्द्रायणादि व्रत का नाम, मरेहुयेके निमित्त १० दिनके बीच में जो

पृष्ठ	श्लोक
	दानपिण्डादिक दिया जाय
९३	५७ (और्व) वड़वानल
१६१	७ (औलूक्य) वैशेषिक शास्त्र जाननेवाला
३२९	१८५ (औशीर) चवॅरकी, शय्या, आसन, खस की टट्टी
१०६	१३५ (औषध) दवा, इलाज
७८	६ (औषधि) अन्न
७८	६ (औषधी) घी तेलादि सब वस्तु, अन्न
२२१	७७ (औष्ट्रक) ऊँटोंका समूह
	(क)
३४५	२४९ (कं) शिर, जल
२११	३२ (कंस) पानी आदि पीनेकावर्तन, कटोरा, आवखोरा,
४	२१ (कंसाराति) कृष्ण
२८२	५ (क) ब्रह्मा, सूर्य्य, वायु पानी, शिर
३०५	९१ (ककुद) प्रधानता, राजचिह्न, बैल का कन्धा
१४३	७४ (ककुद्मती) स्त्रियोंकी करिहांव
१६	१ (ककुभ्) दिशा
४३	७ (ककुभ) वीणाकी तोंबी, अर्जुनवृक्ष
१५६	१३१ (कक्कोलक) कवावचीनी
१४४	७९ (कक्ष) कांस, खरवींदी
१८४	४२ (कक्ष्या) हाथीपर गद्दी आदि कसनेकी रस्सी, हर्म्यादि के अन्तर्गृह, वस्त्र, वरेत
११८	१७ (कंक) उजली चील्ह
१९०	६४ (कंकटक) कवच
१५१	१०८ (कंकण) ककना
१५९	१४० (कंकतिका) ककही, कंघी
१४२	६९ (कंकाल) शरीर के हाड़ोंका पिंजरा
२०८	२० (कंगु) काँकुनि
१४८	९५ (कच) बाल
२५५	५५ (कच्चर) मैलीवस्तु
३४९	१४ (कच्चित्) अभीष्टवस्तु का पूँछना
६७	११ (कच्छ) नदी आदि के किनारेका देश, लांग पहिरना, वस्त्रका किनारा
५९	२१ (कच्छप) कछुआ
३१५	१३१ (कच्छपी) कछुई, सरस्वती की वीणा
१३९	५८ (कच्छुर) खाजुरोगी
६६	९२ (कच्छुरा) यवासा
१३८	५३ (कच्छू) खाजु
५२	६ (कंचुक) बखतर, कॅचुलि।

पृष्ठ	श्लोक
१७६	८ (कंचुकिन्) राजा वा राजाकी स्त्रियोंके पास रहनेवाला वृद्ध पुरुष
१४३	७४ (कट) करिहॉव,हाथी का गाल,चटाई,मुर्दा. समय
७५	५ (कटक) पर्वत, हाथ में पहिरने का कड़ा, चक्र, नितम्ब
१०९	१५० (कटभी) मालकांगणी
९५	८५ (कटंवरा) कुटकी
९५	८५ (कटम्भरा) चांदवेलि, कुटकी
१४८	६४ (कटाक्ष) आंखिकेकोने से देखना, तिरछी नजर से देखना
३५९	१६ (कटाह) कराही,कराह
१४३	७४ (कटि) करिहांव
१४३	७५ (कटिप्रोथ) फूल, स्त्रियों के नितम्ब का पार्श्व-भाग
३६६	३८ (कटी) करिहॉव,कमर
३३	९ (कटु) कुटकी, करू, अकार्य्य, अभिमान, तेज, पैन
१११	१५६ (कटुतुम्बी) करुईलौकी
९५	८५ (कटुरोहिणी) कुटकी
८५	४० (कट्फल) कायफर
८९	५६ (कट्वंग) सरिवन

पृष्ठ	श्लोक
९५	७९ (कठिञ्जर) ववई,पर्णास
२६०	७६ (कठिन) कठिन
१११	१५४ (कठिल्लक) करैला
२६०	७६ (कठोर) कठिन
२०६	२२ (कडंगर) भूसा
२१२	३५ (कडम्ब) शाककीडांड़ी
३४	१६ (कडार) पीलारंग
२५७	६२ (कण) बहुत छोटा, अन्न का भाग, कना सूक्ष्म, वारीक
९७	९६ (कणा) घड़ी पीपरि, कालाजीरा
३५४	८ (कणिका) अरणी, परमाणु
१०८	२१ (कणिश) बाली
२५७	६२ (कणीयस्) बहुतथोड़ा
२८५	१ (कण्टक) सुईकीनोक, छोटा शत्रु, रोमांच
९७	९३ (कण्टकारिका) भटकटैया
९०	६१ (कण्टकिफला) कटहर
१४६	८८ (कण्ठ) गला
१५०	१०४ (कण्ठभूषा) कण्ठा,कंठी
११४	१ (कण्ठीरव) सिंह
१३८	५३ (कण्डू) खजुआना
१३८	५३ (कण्डूया) खजुआना
९५	८६ (कण्डूरा) क्यवॉच
२१०	१६ (कण्डोल) ज्यलवा, छॉटा

पृष्ठ	श्लोक
२३७	३२ (कण्डोलवीणा) किंगिरी, नीच वीणा
११३	१६६ (कत्तृण) रोहिष
३६	६ (कथा) कथा, कहानी
६६	१७ (कदध्वन्) कुराह, खरावगली
१२४	४१ (कदम्बक) समूह, सरसों
८५	४२ (कदम्ब) कदमवृक्ष
२५४	४८ (कदर्य) कृपण, कंजूस
१०१	११३ (कदली) केरा, हरिणविशेष
३४७	४ (कदाचित्) किसीकाल में, कभी
२४	३५ (कदुष्ण) थोड़ागरम
३४	१६ (कद्रु) पीलारंग
२५१	३७ (कद्वद) बुरे वचन बोलनेवाला
२२६	९४ (कनक) धत्तूरा, सुवर्ण
१७६	७ (कनकाध्यक्ष) सुवर्ण का अधिकारी, खजाञ्ची
१८२	३२ (कनकालुका) झारी, गेडुआ
३	७७ (कनकाह्वय) धत्तूर
१३५	४३ (कनिष्ठ) छोटाभाई, अतिजवान, बाल, छोटा
१२५	८२ (कनिष्ठा) छगुरिआ
४७	६२ (कनीनिका) आँखि का तिल

पृष्ठ	श्लोक
१३५	४३ (कनीयस्) अति जवान, छोटाभाई
३५५	६ (कन्था) दूसरा बिछोना, मिट्टीकी भीति, कथरी
१११	१५७ (कन्द) सूरन, जर, ज़मींकन्द
७६	६ (कन्दर) गुफा
८३	२६ (कराल) गेंठी, पहाड़ी, पीलू अखरोट
५	२५ (कन्दर्प) कामदेव
११६	१० (कन्दली) हरिणविशेष
१५९	१३९ (कन्दुक) गेंद, गोंद
२१०	३० (कन्दु) भट्टी, भार
१४६	८८ (कंधरा) गला, गटई
१३१	२४ (कन्यकाजात) विना ब्याही कन्याका पुत्र
१२६	८ (कन्या) कन्या
४८	३० (कपट) छल
८	३६ (कपर्द) शिवकी जटा
७	३३ (कपर्दिन्) शिव
७३	१७ (कपाट) केवांड़
१४२	६८ (कपाल) शिरकी खोपड़ी
७	३३ (कपालभृत्) शिव
११५	४ (कपि) वानर
९५	८७ (कपिकच्छु) कयवांच
८१	२१ (कपित्थ) कैथा

पृष्ठ	श्लोक
६४	१६ (कपिल) पीलारंग, मुनिविशेष
१७	४ (कपिला) पुण्डरीक नाम दिग्गजकी स्त्री. सीसम, गगनधूरि
९८	६७ (कपिवल्ली) गजपीपरि
२४	१६ (कपिश) वानरके स-मान रंग,
८२	२७ (कपीतन) आमला, गैंठा, सिरमा
११८	१५ (कपोत) कबूतर
७३	१५ (कपोतपालिका) कबू-तरोंके रहनेका स्थान
१०१	१२६ (कपोतांघ्रि) बड़ी अ-रणी औषध
१४१	९० (कपोल) गाल
१४०	६२ (कफ) कफ
१४०	६० (कफिन्) कफवाला
१४४	८० (कफोणि) हाथके मध्य की गांठि
५५	४ (कबन्ध) जल, विना शिरका हुआ शरीर
५९	२१ (कमठ) कछुआ
६०	२४ (कमठी) कछुई
१७१	४९ (कमण्डलु) कमण्डल, यतियों का लोटा
२४७	२४ (कमन) कामी
५५	३ (कमल) जल,कमल, हरिण
६	२७ (कमला) लक्ष्मी
४	१७ (कमलासन) ब्रह्मा
२२८	१०६ (कमलोत्तर) कुसुम
२४७	२३ (कमितृ) कामी
५०	३८ (कम्प) कॉपना
२६०	७४ (कम्पन) कांपनेवाला
२६०	७४ (कम्प्र) कॉपनेवाला
१५३	११६ (कम्बल) कम्बल, ओ-ढनेकावस्त्र, दुशाला, डु-पट्टा आदि, गलकमरी
२११	३४ (कम्बि) कर्छुलि
५९	२३ (कम्बु) शंख, खगौरा, ककनादि, हाथी, सि-यार, ग्रीवा
१४१	८८ (कम्बुग्रीवा) तीन रेखा जिस कण्ठमें हो वह, क-ण्ठ, गला
२४७	२४ (कम्र) कामी
३२३	१६३ (कर) राजकर, पोत, वड़ा अन्धकार, अंधेरा,
६०	६० (करक) अनार, करवा वरसा हुआ पाथर
१६	१२ (करका) पत्थल, ओला वड़नवी
८७	४७ (करज) कंजा
८७	४७ (करंजक) कंजा
११६	२१ (करट) कोआ, हाथीका गाल,कुसुम्म,निन्द्यजी-व ग्यारहे दिनका श्राद्ध

पृष्ठ	श्लोक
२३७	२ (करण) शूद्रा स्त्री में वैश्य से उत्पन्न पुत्र, जिससे क्रिया कीजाय, कारण,खेत,देह,इंद्रिय
३५८	१८ (करण्ड) प्यटारी
६२	३३ (करतोया)जिसमें सदा जल रहै, नदी विशेष
८७	५० (करद) सफेद खैर
२३८	३५ (करपत्र) आरा
१९६	८१ (करपालिका) खाँड़ा
१४५	८१ (करभ) मणिवन्ध से छगुनियांतकका मध्य भाग, ऊंट का वच्चा
१५१	१०८ (करभूषण) ककना
६१	६७ (करमर्दक) करवँदा
२१५	४८ (करम्भ) दही से साना सत्तू
१४५	८३ (कररुह) नह, नख
६३	७७ (करवीर) कनैर
१४५	८२ (करशाखा) अंगुली
१८३	३७ (करशीकर) हाथीकी सूँड़ से निकला जल
६४	४३ (करहाट) कमलकी जड़
६८	५३ (करहाटक) मयनफर
३३३	२०४ (कराल) ऊँचे दाँतों वाला ऊँचा, भयानक
१८३	३६ (करिणी) हथिनी
१८२	३४ (करिन्) हाथी

पृष्ठ	श्लोक
९८	९७ (करिपिप्पली) गजपीपरि
१८३	३५ (करिशावक) हाथीका वच्चा
६३	७७ (करीर)करील का वृक्ष, वांसका अँखुवा, घड़ा
२१५	५१ (करीष)उपरी, कंडी
४५	१८ (करुणा) दया
११९	२० (कर्करेटु)केडिला पक्षी
११९	२० (करेटु) केडिलापक्षी
२९५	५२ (करेणु) हथिनी
१४२	६९ (करोटि) खोपरी
१८५	४६ (कर्क) उजलाघोड़ा
५९	२१ (कर्कटक) गेंगटा
१११	१५५ (कर्कटी) ककरी
८४	३६ (कर्कन्धु) वेरकेफल
२११	३१ (कर्करी) करवा, गेडुआ,
१०९	१४६ (कर्कश) कबीला साहसी, कठिन,रूखा
१११	१५१ (कर्कारु) कुम्हड़ा
१११	१५४ (कर्चूर) कचूर
१०६	१३५ (कर्चूरक) कचूर
१४८	६४ (कर्ण) कान
११७	१४ (कर्णजलौका) खनखजूर
५७	१२ (कर्णधार) मल्लाह
१५०	१०३ (कर्णवेष्टन) कुण्डल
६१	६९ (कर्णिका) अरणी,हाथी कीसूंड़, कमल का बीच

पृष्ठ	श्लोक
८९	६० (कर्णिकार) कठचम्पा
१८७	५२ (कर्णीरथ) जनानीगाड़ी
२५३	४७ (कर्णेजप) चुगुल, जासूस
२३८	३४ (कर्तरी) कतरनी
५६	९ (कर्दम) थोदा, कीचड़
१५३	११५ (कर्पट) फटाकपड़ा
१४२	६८ (कर्पर) खोपरीका खपटा
२२७	१०१ (कर्परी) रसौत
३६५	३५ (कार्पास) रुई, वस्त्र
१५६	३१ (कर्पूर) कपूर
१३	६१ (कर्बुर) राक्षस, चित्त, कबरारंग, सुवर्ण
२३३	१५ (कर्मकर) दास मँजूर
२४६	१९ (कर्मकार) बिना तनख्वाहके कार्य्य करने वाला
२४६	१८ (कर्मक्षम) कार्य्य करने में समर्थ
२४६	१८ (कर्मठ) कर्म्म समाप्त करनेवाला
२३६	३८ (कर्मण्या) मँजूरी, तनख्वाह
१७०	४५ (कर्मन्दिन्) संन्यासी
२४६	१८ (कर्मवृत्त) कर्म्म समाप्त करनेवाला
२४६	१८ (कर्मशील) सदाकर्म करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
२७०	३ (कर्मशूर) उत्तमकर्मी
१७५	५ (कर्मसचिव) करनेवाला मुसाहिब
११२	१६० (कर्मार) वास
३३	८ (कर्मेन्द्रिय) हाथ पैर इत्यादि
२२४	८६ (कर्ष) १६ मासा
२०४	६ (कर्षक) किसान
८९	५९ (कर्षफल) बहेड़ा, पांसा, पहिया
३३८	२११ (कर्षू) जीविका, करसीकी आगि, छोटी नदी, व्यवहार, कलिद्रुम, बहस
४१	२ (कल) मधुरस्वर
४१	२५ (कलकल) हल्ला
२७	१७ (कलंक) कलंक, अपवाद
३२७	१७८ (कलत्र) स्त्री की करिहांव, स्त्री
२२६	६६ (कलधौत) सोना, चांदी
१८३	३५ (कलभ) हाथीका बच्चा
१९५	८७ (कलम्ब) शाकका डड़का, तीर, बाण
१११	१५७ (कलम्बी) केरमुआका साग
२०६	२४ (कलम) धान
११८	१५ (कलरव) कबूतर
१३४	३८ (कलल) गर्भाधान के

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	याद एकरात्रि में वीर्य और रज मिलकर जो बनताहै	१४२	७० (कलेवर) देह
		२८४	१४ (कल्क) गृह,पाप,खरी हाथी का दांत, हर्रा
११८	१३ (कलविंक) गौरैया	२६	२२ (कल्प) न्याय, इन्साफ विधि,वियोगशास्त्र रोगरहित, सज्ज॰तय्यार सामग्री
२११	३१ (कलश) घड़ा		
६७	६३ (कलशि) पिथवनि		
१२०	२३ (कलहंस) बतक		
१६६	१०४ (कलह) समर,झगड़ा	१८४	४२ (कल्पना) हाथी का सजाना
१६	१५ (कला) सोलहवांभाग, ५४० निमिष, शिल्प, कारीगरी	११	५१ (कल्पवृक्ष) कल्पवृक्ष
		२६	२२ (कल्पान्त) प्रलय
२३२	८ (कलाद) सोनार	२९	२३ (कल्मष) पाप
१९	१४ (कलानिधि) चन्द्रमा	३५	१७ (कल्माप) चितकबरा
३१४	१२८ (कलाप) गहना मोरपंख, तरकस, समूह, काञ्ची,स्त्रीकी कमरका भूषण	२४	२ (कल्य) प्रातःकाल,सुबह,सजातैयार, निरोग
		३९	१८ (कल्या) शुभवाक्य
		२९	२५ (कल्याण) शुभ,मङ्गल
२०७	१६ (कलाय) मटर	५५	६ (कल्लोल) लहरि, हिलकोरा
१९९	१०५ (कलि) संग्राम,चौथा युग	१९०	६४ (कवच) बखतर
८०	१६ (कलिका) कली	१०७	१३६ (कवरी) बवई, गुहवाल, हींगवृक्षकीपत्ती
९१	६७ (कलिंग) भुजैटापक्षी, इन्द्रयव, कुरैया	२१६	५४ (कवल) कवर,ग्रास
८९	५६ (कलिद्रुम) बहेडा	२१	२५ (कवि) शुक्र,पण्डित
८७	४८ (कलिमारक) कटीला कंजा	१८६	४६ (कविका) लगाम
		३६४	३५ (कविय) तोवड़ा
२६२	८५ (कलिल) दुःखसेप्राप्त होनेके योग्य	२४	३५ (कवोष्ण) थोड़ागरम
		१६५	२६ (कव्य) पितरोंका अन्न
२१	२३ (कलुष) पाप. गन्दा	२३७	३१ (कशा) जेरबन्द,चाबुक

पृष्ठ	श्लोक
२५२	४४ (कशार्ह) चाबुक वेंत मारनेके योग्य
३१४	१३० (कशिपु) अन्न वस्त्र
३५६	१३ (कशेरु) कसेरु
१४२	६६ (कशेरुका) रीर
२००	१०६ (कश्मल) मूर्च्छा बद-हवाशी
१८६	४७ (कश्य) मदिरा, दारू, चाबुक मारनेके योग्य, घोड़ा का मध्यभाग
२३७	३२ (कष) कसौटी
३३	६ (कषाय) काढ़ा, कसैला, विलेपन
५४	४ (कष्ट) दुःख, गहन, दुर्गमस्थान
१५६	१३० (कस्तूरी) कस्तूरी
६२	३६ (कह्लार) कुईं, या उजला कमल
१२०	२३ (कह्व) बकुला
११९	२१ (काक) कौआ
६६	६८ (काकचिञ्ची) घुंघुची
८५	३६ (काकतिन्दुक) कुचिला
१०२	११८ (काकनासिका) कौआ ठोंठी
१४८	६६ (काकपक्ष) जुल्फ
८५	३६ (काकपीलुक) कुचिला
११०	१५१ (काकमाची) कौआ ढाढ़ी
१०१	११३ (काकमुद्गा) वनमूंग

पृष्ठ	श्लोक
४१	२ (काकली) महीनस्वर बारीक आवाज़
१०२	११८ (काकाङ्गी) कौआ ठोंठी
३५४	६ (काकिणी) कौड़ी
३८	१२ (काकु) शोच, भय आदि से धुनिका विकार, स्वरभेद
१४७	६१ (काकुद) तारू
८५	३६ (काकेन्दु) कुचिला
६०	६० (काकोडुम्बरिका) कठूंबरि
५२	७ (काकोदर) सांप
५३	१० (काकोल) हलाहल विष, धूमिला कौआ
१०५	१३० (काक्षी) अरहर
२२७	६६ (काच) काँच, शिकहर, नेत्ररोग,
८८	५४ (काचस्थाली) पाँढ़रि
२६३	८६ (काचित) शिकहरमें धराहुआ
२२६	६५ (काञ्चन) सुवर्ण सोना
६१	६५ (काञ्चनाह्वय) नागकेसर
२१३	४१ (काञ्चनी) हल्दी
१५१	१०८ (काञ्ची) स्त्रियोंकी करधनी वगैरः
२१२	३६ (काञ्जिक) काँजी
२०८	२२ (काण्ड) नरई, डंडा, तीर, खराब, खंड, अवसर, जल

पृष्ठ	श्लोक
१६०	६७ (काण्डपृष्ठ) हथियार बांधकर जीविका करनेवाली
१६१	६६ (काण्डवत्) तीरधारी केवल बाण बांधनेवाली
१६१	६६ (काण्डीर) तीरधारी केवल बाण बांधनेवाली
६९	१०४ (काण्डेक्षु) तालमखाना
२४८	२६ (कातर) अधीर, व्याकुल
८	३७ (कात्यायनी) पार्वती, आधीबूढ़ीस्त्री, लाल वस्त्र पहिरनेवाली
१२०	२३ (कादम्ब) बत्तक
२३६	४० (कादम्बरी) मदिरा, दारू
१८	८ (कादम्बिनी) मेघपंक्ति
५१	४ (काद्रवेय) सांप
७७	१ (कानन) वन
१३१	२४ (कानीन) कुमारीका पुत्र
२५५	५१ (कान्त) सुन्दर
११३	१६३ (कान्तारक) केतारा-ऊख
१०५	१२८ (कान्तलक) तुनि
१२५	३ (कान्ता) सुन्दरी स्त्री
६९	१८ (कान्तार) दुर्गम, चोर कांटा जिसमें हों वह मार्ग, बड़ावन
२०	१७ (कान्ति) शोभा, झलक, इच्छा

पृष्ठ	श्लोक
२१०	२८ (कादम्बिक) पुआआदि बनानेवाला
२१०	२८ (कान्दविक) पुआआदि बनानेवाला
२५२	४२ (कान्दिशीक) डराहुआ
६९	१७ (कापथ) कुमार्ग
१६१	८ (कापिल) खराबरास्ता
१२४	४४ (कापोत) कबूतर का समूह, सज्जी
२२७	१०० (कापोताञ्जन) सुरमा
५	२५ (काम) कामदेव, मनोरथ, यथेष्ट
३४९	१३ (कामन्) विना इच्छा कीसलाह
१९२	७६ (कामगामिन्) स्वतन्त्र चलनेवाला
२४७	२४ (कामन) कामी
५	२३ (कामपाल) बलदेव
२४७	२४ (कामयितृ) कामी
१२५	३ (कामिनी) उत्तमस्त्री, बॉदा
२४७	२३ (कामुक) कामी
१२७	६ (कामुका) धनादिकी इच्छावाली
१२७	६ (कामुकी) मैथुन की इच्छाकियेहुई स्त्री
१०९	१३६ (काम्पिल्य) कबीला
२३२	८ (काम्बविक) चुरिहारी, जिसपर बहारहो

पृष्ठ	श्लोक
१८७	५४ (काम्बल) कम्बलका वहार
१८५	४५ (काम्बोज) काम्बोज देशका घोड़ा
१०७	१३८ (काम्बोजी) मूंग
२७०	३ (काम्यदान) कामना करके दान
१४२	७१ (काय) देह, प्रजापति तीर्थ, अनामिका कनिष्ठाके मूलमें प्रजापति तीर्थ होताहै
८९	५६ (कायस्था) हड़
३०	२८ (कारण) कारण, सवब
५४	३ (कारणा) पीड़ा
२४३	७ (कारणिक) परखने वाला
१२२	२५ (कारण्डव) बत्तकपक्षी
१०१	१११ (कारवी) सौंफ, अजमोदा, मोरशिखा, काराजीर, हींगके वृक्षकी पत्ती
१११	१५४ (कारवेल्ल) करैला
८९	५६ (कारम्भा) काकुनि
२०२	११९ (कारा) वन्दीखाना, जेल
२८५	१५ (कारिका) नरकदण्ड, विकरण, श्लोक, कार्य करनेवाली
२८१	४३ (कारीप) कण्डियोंका समूह

पृष्ठ	श्लोक
२३१	५ (कारु) थवई, चित्रवनानेवाला
२४५	१५ (कारुणिक) दयावाला, मेहरबान
४५	१८ (कारुण्य) दया
२४०	४३ (कारोत्तर) मदिराका फूल
२२६	९५ (कार्तस्वर) सुवर्ण, सोना
१७८	१४ (कार्तान्तिक) ज्योतिषी
२८	१७ (कार्तिक) कातिक
२८	१८ (कार्तिकिक) कातिक
९	४० (कार्तिकेय) स्वामिकार्तिक
१५२	१११ (कार्पास) रुई से बना हुआ कपड़ा
१०२	११६ (कार्पासी) कपास, रुई
२४६	१८ (कार्म्म) सदा कार्य करनेवाला
२७०	४ (कार्म्मण) उच्चाटन
१९४	८३ (कार्म्मुक) धनुष
२२४	८८ (कार्षापण) रुपया
२२४	८८ (कार्षिक) रुपया
८६	४४ (कार्ष्य) साल, सांखू
२४	१ (काल) यमराज, समय, कालारंग
१३७	४९ (कालक) जिसके अंगमें लशुनाकार चिह्न हों, वह पुरुष

पृष्ठ श्लोक
११९ २२ (कालकण्ठक) काला कौआ
५३ १० (कालकूट) हलाहल, विष, जहर
१४१ ६६ (कालखण्ड) करेजा
२०२ ११६ (कालधर्म्म) मृत्यु, मौत
१९४ ८३ (कालपृष्ठ) कर्णराजा का धनुष
९६ ९० (कालमेशिका) मजीठ
९६ ९० (कालमेषिका) मजीठ, काला तिधारा
९७ ९६ (कालमेषी) बकुची
२१६ ५३ (कालशेय) गोरस, माठा
५३ २ (कालसूत्र) नरक विशेष
८५ ३८ (कालस्कन्ध) तेंदुआ, तमाल
९७ ९४ (काला) नील, काला-त्रिधारा, कालाजीर
१५६ १२८ (कालागुरु) कालागुरु
१०३ १२२ (कालानुसार्य्य) शिलाजीत, पीलाचन्दन
२२६ ९८ (कालायस) लोहा
२८४ १५ (कालिका) मेघसमूह, देवी
६१ ३२ (कालिन्दी) यमुना
५ २४ (कालिन्दीभेदन) बलदेव

पृष्ठ श्लोक
८ ३७ (काली) पार्वती
९८ १०१ (कालीयक) पीलाचन्दन
९८ १०१ (कालेयक) दारुहल्दी
१०६ १३५ (काल्पक) कचूर
२२० ७० (काल्या) मैथुनके लिये बैलके पास जाने वाली, उठी गौ
१९० ६६ (कावचिक) कवच, धारण करने वालों का समूह
६२ ३५ (कावेरी) नदी विशेष
२१ २५ (काव्य) शुक्र
११३ १६२ (काश) कास, कसेहरी
८४ ३५ (काश्मरी) गम्भारी
८४ ३६ (काश्मर्य्य) ग (ख) म्भारी
१०९ १४५ (काश्मीर) पुष्करमूल
१५५ १२५ (काश्मीरजन्मन्) कुंकुम, केसर
२३ ३२ (काश्यपि) अरुण
६५ २ (काश्यपी) पृथ्वी
७९ १३ (काष्ठ) काठ, लकड़ी
५७ १३ (काष्ठकुदाल) फरुही
२३२ ६ (काष्ठतट्) बढ़ई
५६ ११ (काष्ठाम्बुवाहिनी) डोंगी
१६ १ (काष्ठा) दिशा, निमिष, घड़ती, स्थिति
१०१ ११३ (काष्ठीला) केला

पृष्ठ श्लोक

१३८ ५२ (काम) छींक
३५८ १९ (कासमर्द) रोगविशेष, रूस
११५ ५ (कासर) भैंसा
६० २८ (कासार) तालाव
३४५ २५० (किं) पूछना, निन्दा
२०८ २१ (किंशारु) अन्न की बाली, सींकर, वाण
८३ २९ (किंशुक) छिउल
११८ १७ (किकीदिवि) लीलाचेराग, नीलकण्ठ
२३४ १७ (किंकर) दास, टहलू
१५२ ११० (किंकिणी) घुंघुरू
३४८ ८ (किंचित्) थोड़ा
५५ २२ (किंचुलुक) केंचुआ
६४ ४३ (किंजल्क) कमल की धूरि, फूलकी धूरि
११५ ४ (किटि) सुअर
१४१ ६५ (किट्ट) काटि
३५८ १८ (किण) घेंटा, घावका चिह्न
९६ ८६ (किणिही) लहचिचरा
२४० ४२ (किण्व) मदिराका बीज
६३ ७७ (कितव) धतूरा, जुआरी
२ ११ (किन्नर) कुवेर के गण विशेष
१५ ७० (किन्नरेश) कुवेर
३४७ ५ (किम्) प्रश्न, निन्दा, विकल्प
३४७ ५ (किमु) विकल्प
३४७ ५ (किमुत) अतिशय विकल्प
२५४ ४८ (किम्पचान) कृपण, सूम
१६ ७२ (किम्पुरुष) कुवेरके गण विशेष
३७ ७ (किंवदन्ती) अपयश, बदनामी
२३ ३३ (किरण) किरण
२२४ २० (किरात) म्लेच्छ विशेष, जंगली आदमी
१०८ १४३ (किराततिक्त) चिरायता
११५ ३ (किरि) सुअर
१५० १०२ (किरीट) मुकुट
३५ १७ (किर्मीर) चितकवरा रंग
३२६ २५३ (किल) वार्ता, सम्भावना
१३८ ५३ (किलास) सेहुँआ
१४० ६१ (किलासिन) सेहुँआँ वाला
२१० २६ (किलिञ्जक) चटाई
२९ २३ (किल्बिष) अपराध, पाप, रोग
१८५ ४६ (किशोर) पठेड़ा
२८२ ९६ (किष्कु) हाथ, वीता, प्रकोष्ठ
८० १४ (किसलय) पल्लव
१४२ ६८ (कीकस) हाड़

पृष्ठ	श्लोक
११२	१६१ (कीचक) पवन से बाजनेवाला बॉस
३३६	२१४ (कीनाश) यमराज, तुच्छ, किसान
११९	२२ (कीर) सुआ
३८	११ (कीर्ति) यश, कीरति,
१३	५७ (कील) अग्निकी ज्वाला, कील
२२१	७३ (कीलक) खूँटा
५५	३ (कीलाल) जल, रक्त
२५२	४२ (कीलित) बॉधाहुआ
११५	४ (कीश) वानर
९६	८९ (कीशपर्णी) लहचिचिरा
६५	३ (कु) पृथ्वी, पाप, निन्दा, थोड़ा
१३७	४८ (कुकर) रोगादि से खराब हाथवाला
१४३	७५ (कुकुन्दर) नितम्ब के दाग
३३३	२०२ (कुकूल)कीलोंसे भरा गड़हा,भूसीकी आगि
११८	१७ (कुक्कुट) मुर्गा
१२२	३६ (कुक्कुभ) वनमुर्गा
१०६	१३२ (कुक्कुर)कुकुरौंधा, कूकुर
१४४	७७ (कुक्षि) पेट
२४७	२१ (कुक्षिम्भरि) अपना ही पेट भरनेवाला,पेटू
१५५	१२४ (कुंकुम) कुंकुम

पृष्ठ	श्लोक
१४४	७७ (कुच) स्तन, चूंची
१५७	१३३ (कुचन्दन) लालचंदन
२५१	३७ (कुचर)दोष कहनेवाला
१४४	७७ (कुचाग्र) कुचका अग्रभाग
२१	२५ (कुज) मंगल
२५९	७१ (कुञ्चित) टेढ़ा
७६	८ (कुंज) हाथीदांत,घना जङ्गल
१८२	३४ (कुंजर) हाथी, श्रेष्ठ
८१	२० (कुंजराशन) पीपर
२१२	३९ (कुंजल) कांजी
७८	५ (कुट) घृच, घड़ा
२०६	१३ (कुटक) फार
९१	६६ (कुटज) कुरैया
८३	५७ (कुटन्नट)मोथा,सरिवन
२५९	७१ (कुटिल) टेढ़ा
७१	६ (कुटी) साधुकी सभा, मन्दिर
२४४	११ (कुटुम्बव्यापृत)कुटुम्ब का पालन करनेवाला
१२६	६ (कुटुम्बिनी) पतिपुत्र युत स्त्री
१२९	१९ (कुट्टनी) कुटनी
७१	६ (कुट्टिम) बँधीहुईगच
२२१	७४ (कुठर) खंभा, जिसमें खेलर बांधीजाय
१६६	९२ (कुठार) कुल्हरी,फरसा
९४	७६ (कुठेरक) बबई, पर्णास

पृष्ठ	श्लोक
२२५	८९ (कुड़व) पावभर
८०	१६ (कुड्मल) कली
३५७	१७ (कुडङ्क) वृत्त,चौंड़ी से घिरास्थान
७०	४ (कुड्य) भीति
२०२	११८ (कुणप) मुर्दा
१०५	१२८ (कुणि) तुनि, रोगसे जिसके हाथ में कुछ विकारहो
२४६	१७ (कुराठ) आलसी, सुस्त
१३३	३६ (कुराड) घटलोही, पति के जीते दूसरे पुरुष र. उपन्न पुत्र
१५०	१०३ (कुराडल) कुण्डल, कान में पहिरनेका आभूषण
५२	७ (कुराडलिन्) सांप
१७१	४९ (कुराडी) कमण्डलु, यतियों का लोटा
१६७	३२ (कुतप) दिन का आठवां भाग, मृगके रोम से बना हुआ वस्त्र
४८	३१ (कुतुक) कौतुक
२११	३३ (कुतुप) कुप्पी
२११	३३ (कुतू) कुप्पा
४८	३१ (कुतूहल) कौतुक
३८	१३ (कुत्सा) निन्दा
२५५	५४ (कुत्सित) निन्दित, खराब
११३	१६६ (कुथ) झूल, कुश
८१	२२ (कुद्दाल) कचनार
२२९	१०८ (कुनटी) नैपाली मैनशिल
९६	९१ (कुनाशक) यवासा
१६७	६३ (कुन्त) बरछी, भाला
१४८	९५ (कुन्तल) बार, बाल
९२	७३ (कुन्द) कुन्दफूल, पलांकी, विष्णु
१०३	१२१ (कुन्दुरु) पलांकी
१०४	१२४ (कुन्दुरुकी) सालवृक्ष
२५५	५४ (कुपूय) निन्दित, खराब
२२५	९१ (कुप्य) सोने, चांदी से भिन्न द्रव्य तांबा आदि
१३८	४८ (कुब्ज) कुबरा
१५	६६ (कुबेर) कुबेर, उत्तर दिशाका स्वामी
१०५	१२७ (कुबेरक) तुनिका वृक्ष
८८	५५ (कुबेराक्षी) पांढरि
९	४१ (कुमार) स्वामिकार्तिक राजपुत्र
८२	२५ (कुमारक) वारुण
६२	७३ (कुमारी) घीकुमारि, कन्या
१७	३ (कुमुद) उजलाकमल, नैर्ऋत्य दिशाका दिग्गज
१९	१३ (कुमुदबान्धव) चन्द्रमा
८५	४० (कुमुदिका) कायफर

पृष्ठ	श्लोक
६३	३९ (कुमुदिनी) कोकावेली
६३	३८ (कुमुद्वती) कोकावेली
६७	१० (कुमुद्वत) बहुतकमुद वाला देश
१६४	२० (कुम्बा) यज्ञको अन्त्यज, चाण्डाल, वगेरः न देखें. इसवास्ते जोटट्टी लगाई जाती है
८४	३४ (कुम्भ) गुग्गुल, हाथी के शिरकी मांसपिंडी घडा, वेश्यावाज, राशि भेद, कुम्भकरणकापुत्र
२३१	६ (कुम्भकार) कुम्हार,
२०	२० (कुम्भसम्भव) अगस्त्य
६३	३८ (कुम्भिका) जलकुम्भी
६५	४ (कुम्भिनी) पृथ्वी
८५	४० (कुम्भी) कायफर
५९	२१ (कुम्भीर) नाक शेष वुलाक
११६	९ (कुरङ्ग) हरिण
६३	७५ (कुरण्टक) पीली कटसरैआ
१२०	२३ (कुरर) कुररी, कणाकुलि
९३	७४ (कुरवक) लालकट, सरैया
९३	७४ (कुरण्टक) पीलीकट, सरैया
९३	७४ (कुरवक) लालकट, सरैया

पृष्ठ	श्लोक
११२	१५८ (कुरुविन्द) मोथा
२२४	८६ (कुरुविस्त) सुवर्ण का पल
१२४	४२ (कुल) सजातीय जन्तुका समूह, वंश, गोत्र
८५	३९ (कुलक) काला तेन्दुआ, कुचिला, परवर, कुलश्रेष्ठ, शिल्पियों के कुलका प्रधान
१२७	१० (कुलटा) छिनारि, व्यभिचारिणी
२२७	१०२ (कुलत्थिक) कालासुरमा
१२६	७ (कुलपालिका) कुलवती स्त्री
२३१	६ (कुलश्रेष्ठिन्) कारीगरों के कुलका प्रधान
१६०	२ (कुलसम्भव) कुलीन
१२६	७ (कुलस्त्री) कुलवतीस्त्री अच्छे खानदान की औरत
१२३	३८ (कुलाय) घोसला, झोंझ
२३१	६ (कुलाल) कुम्हार
२२७	१०२ (कुलाली) कालासुरमा
११	४८ (कुलिश) इन्द्रकावज्र
९७	९४ (कुली) भटकटैया
१६०	३ (कुलीन) सज्जन
५९	२१ (कुलीर) गेंगटा
२०८	१८ (कुल्माष) कुरथी

पृष्ठ	श्लोक
२१२	३९ (कुल्मापाभिषुत) कांजी
१४२	६८ (कुल्य) हाड़, हड्डी
६२	३४ (कुल्या) बनाई छोटी नदी, नहर
८४	३६ (कुवल) बेरके फल
६३	३६ (कुवलय) कमल विशेष
२५१	३७ (कुवाद) दोष कहने वाला
२३१	६ (कुविन्द) ज्वलाहा, कोरी
५८	१६ (कुवेणी) मछली धरने का बरतन
११३	१६६ (कुश) कुश, पानी, श्री रामजीका पुत्र
२९	२६ (कुशल) निपुण, कल्याण, पूर्णता, कुशल, पुण्य सिखायाहुआ
२२७	९९ (कुशी) लोहेकाविकार, फार
२३३	१२ (कुशीलव) कथक
६३	४० (कुशेशय) कमल
१०४	१२६ (कुष्ठ) कोढ़ी, कूट, श्वेतकुष्ठ, छंजन
२०४	४ (कुसीद) ब्याज
२०४	५ (कुसीदक) ब्याज पर ऋण देनेवाला, सूद खानेवाला
८०	१७ (कुसुम) फूल
२२७	१०३ (कुसुमाञ्जन) पीतल तपाकर उसपर घिसनेसे जो बनताहै वह आंजन
६	२६ (कुसुमेषु) कामदेव
२२८	१०६ (कुसुम्भ) बरैंका फूल, कुसुम, करवा
२९२	४० (कुसूल) पेटमें अन्नरहनेका स्थान
४८	३० (कुसृति) शठता, कपट
२१२	३८ (कुस्तुम्बुरु) धानियाँ
१७३	५६ (कुहना) धनादिके लोभसे मिथ्यावात बनाना अथवा मिथ्या आचार करना अथवा अधर्मका आश्रयण करना
५१	१ (कुहर) बिल
२६	६ (कुहू) जिसमें चन्द्रमाकी कला न दीखपड़े वह अमावास्या
२४५	१४ (कूकुद) सत्कारपूर्वक अलंकारयुक्त कन्याका दान करनेवाला
७५	४ (कूट) पर्वतका शिखर माया, निश्चल, यन्त्र, कपट, झूंठी, राशि, अयोधन (हथौड़ा) हलका अगिला भाग (कुट)
२३६	२६ (कूटयंत्र) फन्दा, पक्षी फँसानेका साधन
८७	४७ (कूटशाल्मलि) काला सेमर

पृष्ठ	श्लोक
२६०	७३ (कूटस्थ) एकरूप बहुत कालतक स्थिर रहनेवाला
६०	२६ (कूप) कुँआ
५६	१० (कूपक) सूखी नदी आदिमें पानी निकालनेकेलिये खोदाहुआ गड्हा, चूहा, नाव बांधनेका खूंटा, नितम्ब का दो गढ़ा
१८८	५७ (कूबर) गाड़ीमें जुआ बांधनेकी लकड़ी
१४७	६२ (कूर्च) भौंहोंका बीच
१०८	१४२ (कूर्चशीर्ष) जीवक
२१४	४४ (कूर्चिका) दूधका विकार, सूरनि
४९	३३ (कूर्दन) कूदना, लीला करना
१४४	८० (कूर्पर) गांठि, हाथके मध्यकी गांठि
१५४	११८ (कूर्पासक) अंगिया, चोली
५९	२१ (कूर्म) कछुआ
५५	७ (कूल) किनारा
१११	१५५ (कूष्माण्डक) कुम्हड़ा
११९	२० (कृकण) मुआ पक्षी, तीतर विशेष
११७	१३ (कृकलास) गिरगिट
११८	१८ (कृकवाकु) मुर्गा
१४६	८८ (कृकाटिका) घाँटी
५४	४ (कृच्छ्र) क्लेश, दुःख, गोमूत्र, गोबर, दूध, दही, घी, कुशोदक, पञ्चगव्य का भक्षण करके एक रात्रि उपवास करना
३०२	७६ (कृत) सत्ययुग, पूर्ण, अलमर्थ
२१३	४२ (कृतक) सांभरिनमक
१६०	६८ (कृतपुंख) अच्छातीरंदाज
८२	२४ (कृतमाल) अमिलतास
२४२	४ (कृतमुख) चतुर, प्रवीण
२४४	१० (कृतलक्षण) गुणसे प्रसिद्ध
१२६	७ (कृतसापत्निका) जिसके बहुत स्त्रियांहों उनमें जो पहिले ब्याही गई हो वह स्त्री
१६०	६८ (कृतहस्त) अच्छा-तीरंदाज
१३	५९ (कृतान्त) यमराज सिद्धान्त, भाग्य, पापकर्म
१६०	६ (कृतिन्) पण्डित, चतुर, निपुण
२६७	१९२ (कृत्त) काटाहुआ
१७१	५० (कृत्ति) मृगचर्म
७	३२ (कृत्तिवासस्) शिव
३२२	१५८ (कृत्या) क्रिया, ताम-

पृष्ठ	श्लोक
	सी देवता विशेष, धनादिसे भेदके योग्य,
७७	२ (कृत्रिम) बनाहुआकई एक वस्तु मिलाकर
१५६	१२६ (कृत्रिमधूपक) बनाया हुआ धूप
२५८	६४ (कृत्स्न) सब
२५४	५० (कृपण) चुद्र, कंजूस
४५	१८ (कृपा) दया
१९६	८९ (कृपाण) तलवार
२३७	३४ (कृपाणी) कतरनी
२४५	१५ (कृपालु) दयालु मेहरबान
१२	५४ (कृपीटयोनि) आगि
११७	१४ (कृमि) छोटे कीड़े सोनकिरवा
१५२	१११ (कृमिकोशोत्थ)रेशमसे बनेहुये
१००	१०६ (कृमिघ्न) वायुविडंग
१५६	१२७ (कृमिज) अगुरु
२५७	६१ (कृश) पतला
१२	५५ (कृशानु) आगि
७	३४ (कृशानुरेतस्) शिव
२३३	१२ (कृशाश्विन) नट
२०६	१३ (कृषक) फार
२०३	२ (कृषि) खेती
२०४	६ (कृषिक) किसान फार
२०४	६ (कृषीवल) किसान
२०५	८ (कृष्ट) जोता खेत
१६०	६ (कृष्टि) पण्डित
४	१८ (कृष्ण) विष्णु, काला रंग, कालीमिर्च
८१	६७ (कृष्णपाकफल) करवँदा
९७	९६ (कृष्णफला) बकुची
९५	८६ (कृष्णभेदी) कुटकी
९८	९८ (कृष्णला) घुँघुची
३४	१६ (कृष्णलोहित) धूमिलरंग
१२	५५ (कृष्णवर्त्मन्) आगि
८८	५५ (कृष्णवृन्ता) पाढरि
११६	११ (कृष्णसार)कालाहरिन
९७	९६ (कृष्णा) बड़ी पीपरि
२०८	१९ (कृष्णिका) राई
२१५	५० (कृसर) तिल मिला भात वा खिचड़ी
१३७	४९ (केकर) कंजा, कंजी ऑखवाला
१२१	३२ (केका) मोरकीबोली
१२१	३१ (केकिन्) मोर
११४	१७० (केतकी) केतकी
१९८	९९ (केतन) ध्वजा, निवास, कार्य्य, नेउता
२८७	६० (केतु) ध्वजा, केतुग्रह
२०६	११ (केदार) खेत
५७	१३ (केनिपातक) पतवार
१५१	१०७ (केयूर) बजुल्ला--विजायठ

पृष्ठ	श्लोक	
३५६	२०	(केरद) व्यवहार की वस्तु
४१	३२	(केलि) क्रीड़ा, खेल
३३३	२०२	(केवल) एक, सम्पूर्ण, निर्णय कियाहुआ
१४८	९५	(केश) बार- बाल
६६	८९	(केशपर्णी) चहाचिचड़ा
१४८	९७	(केशपाशी) शिखा-चोटी
११४	१	(केशरी) सिंह
४	१८	(केशव) विष्णु, अच्छे बालोंवाला
१४८	९७	(केशवेश) बाँधेबाल; पाटी
१३६	४५	(केशिक) अच्छे बालोंवाला
१०४	१२६	(केशिनी) शंख कौड़ी
१३६	४५	(केशिन्) अच्छे बालोंवाला
८२	२५	(केसर) कमलके फूल के भीतरकी जटा, नागकेसर, मोमसिरी
११४	१	(केसरिन्) सिंह
५	२२	(कैटभजित्) विष्णु
८५	४०	(कैडर्य्य) कायफर
४८	३०	(कैतव) जुआँ, छल
२०६	११	(कैदारक) खेतकासमूह
२०६	११	(कैदारिक) खेतकासमूह
२०६	११	(कैदार्य्य) खेतकासमूह

पृष्ठ	श्लोक	
६३	३७	(कैरव) उजला कमल
१५	७१	(कैलास) (श)पर्वत विशेष, कुबेरका स्थान
५७	१५	(कैवर्त) मलाह
३२	६	(कैवल्य) मोक्ष
१४८	९६	(कैशिक) बालोंका समूह
१२८	९६	(कैश्य) बालोंकासमूह
११६	८	(कोक) भेड़िआ-भेड़हा, चकवा
६४	४२	(कोकनद) लाल कमल
३४	१५	(कोकनदच्छवि) लाल कमलकारंग
११६	२०	(कोकिल) कोयल
६६	१०४	(कोकिलाक्ष) तालमखाना
७९	१३	(कोटर) खोढ़किल. खुढ़िला
१२९	१७	(कोटवी) नंगी
१६४	८४	(कोटि) धनुषका अन्तभाग, खड्गादिका कोना, करोरि
१०६	१३१	(कोटिवर्षा) अस्परक
२०६	१२	(कोटिश) तुगरी, सरावनि
३५७	१८	(कोट्ट) कोट
१३८	५४	(कोठ) कोढ़के चकत्ता
१९७	९३	(कोण) वीणादि बजानेका अस्त्र, दण्डा, तलवारका कोना।

पृष्ठ	श्लोक
१९४	८३ (कोदण्ड) धनुष
२०७	१६ (कोद्रव) कोदव
५७	२६ (कोप) क्रोध
१२५	४ (कोपना) क्रोधिनीस्त्री
२४९	३२ (कोपिन्) क्रोधी
२६१	७८ (कोमल) कोमल, मुलायम
१२३	३६ (कोयष्टिक) टिटिहिरी
८०	१६ (कोरक) कली, कबाबचीनी
१०४	१२५ (कोरंगी) गुजराती इलायची
२०७	१६ (कोरदूष) कोदव
८४	३६ (कोल) बेरके फल, छोटीनाव, सूअर
१५६	१३० (कोलक) कबाबचीनी, मिर्च
१०५	१३० (कोलदल) कर्कूदनि
४७	७ (कोलम्बक) वीणाका सर्वाङ्ग
६८	६७ (कोलवल्ली) गजपीपरि
९८	९७ (कोला) बड़ी पीपरि
४१	२५ (कोलाहल) हल्लागुल्ला
८४	३६ (कोलि) बेर
१६०	५ (कोविद) पण्डित
८१	२२ (कोविदार) कचनार
१५६	१३१ (कोशफल) कबाबचीनी
२८३	८ (कोशातकी) परवर, लहचिचिरा, तोरई

पृष्ठ	श्लोक
१२३	३८ (कोश) अण्डा, सोना, चांदी, कमलकी कली, तलवारकामियान, धन समूह, शपथ
२९२	४० (कोष्ठ) पेट के भीतर का कोठा, डहरी, घरका मध्य
२४	३५ (कोष्ण) थोड़ा गरम
२८५	१७ (कौक्कुटिक) दूरसे देखनेवाला
१९६	८६ (कौक्षेयक) तलवार
२३२	९ (कौटतक्ष) प्रधानबढ़ई
२३३	१४ (कौटिक) कसाई
१३	६० (कौणप) राक्षस
४८	३१ (कौतुक) लीला, खेल
४८	३१ (कौतूहल) लीला, खेल
२०५	८ (कौद्रीण) कोदव का खेत
१६१	७० (कौन्तिक) भाला धारण करनेवाला
१०३	१२० (कौन्ती) गगनधूरि
३१३	१२१ (कौपीन) अकार्य, लँगोटा
२०	१६ (कौमुदी) चांदनी
६	२९ (कौमोदकी) विष्णुकी गदा
१३१	२७ (कौलटिनेय) सती भिखारिनीका पुत्र
१३१	२६ (कौलटेय) सतीअसती

पृष्ठ	श्लोक
	दोनों का पुत्र
१३१	२६ (कौलटेर) असती का पुत्र
२११	११६ (कौलीन) लोकापवाद, पशु,सर्प्प,पत्ती, इनका युद्ध, कुलीनता
२३५	२१ (कौलेयक) कूकुर
८४	३४ (कौशिक) गुग्गुल उलूक, सर्प्प, पकड़नेवाला, विश्वामित्र
१५२	१११ (कौशेय) कुशवारी सेघना रेशमी वस्त्र
६	२६ (कौस्तुभ) विष्णुकी मणि
२३८	३५ (क्रकच) आरा
६३	७७ (क्रकर) सुआ पत्ती, करील, तीतर विशेष
१६३	१५ (क्रतु) यज्ञ
८	३५ (क्रतुध्वंसिन्) शिव
२	६ (क्रतुभुज्) देवता
२०२	११५ (क्रथन) मारना
२००	१०७ (क्रन्दन) निन्दापूर्वक योधाओंको पुकारना, रोना,पुकारना
५०	३५ (क्रन्दित) रोना
१७०	४३ (क्रम) विधि वियोग शास्त्र
८५	४१ (क्रमुक) लाललोध, सुपारी

पृष्ठ	श्लोक
२२१	७५ (क्रमेलक) ऊँट
२२२	७८ (क्रयविक्रयक) वनिया
२२२	७६ (क्रयिक) मोल लेने वाला
२२२	८१ (क्रय्य) मोल लेनेकी वस्तु
१४१	६३ (क्रव्य) मांस
१३	६० (क्रव्याद) राक्षस
१३	६० (क्रव्याद्) राक्षस
२२२	७६ (क्रायिक) मोल लेनेवाला
३२१	१५६ (क्रिया) आरम्भ, निष्कृति, प्रायश्चित्त, शिक्षापूजन, सम्प्रधारण,उपाय, कर्म,चेष्टा, चिकित्सा, धात्वर्थ
२४६	१८ (क्रियावत्) कार्य्यकरने में लगाहुआ
४६	३२ (क्रीड़ा) खेल
११६	२३ (क्रुञ्च्) कराकुल पत्ती
४७	२६ (क्रुध) क्रोध, गुस्सा
१२०	२४ (क्रुरर) कणाकुल
५०	३५ (क्रुष्ट) रोना
२५३	४७ (क्रूर) दूसरेका अनभल चाहनेवाला, पापी, कठिन, निर्दय
२२१	८१ (क्रेय) मोललेनेकी वस्तु
११५	३ (क्रोड़) शूअरकोरा, गोद

पृष्ठ	श्लोक
४७	२६ (क्रोध) क्रोध
२४९	३२ (क्रोधन) क्रोधी
६१	१९ (क्रोशयुग) दोकोश
११५	६ (क्रोष्टु) सियार
९७	९३ (क्रोष्टुविन्ना) पिठवन
१००	११० (क्रोष्ट्री) जेठीमधु
११६	२३ (क्रौञ्च) कराकुल
९	४१ (क्रौञ्चदारण) स्वामिकार्त्तिक
२७२	१० (क्लम) ग्लानि
२७२	१० (क्लमथ) ग्लानि
२६८	१४५ (क्लिन्न) ओदा, गीला
१४०	६० (क्लिन्नाक्ष) चोंधरी आंख वाला
२६६	९९ (क्लिशित) क्लेशयुक्त
३६	१९ (क्लिष्ट) पूर्वापर विरुद्ध वाला वचन, क्लेशयुक्त
१००	१०९ (क्लीतक) मुरेठी, जेठीमधु
९७	६४ (क्लीतकिका) नील, निर्धल, कमज़ोर
१३४	३९ (क्लीव) हिजरा
२७८	२९ (क्लेश) क्लेश, तकलीफ
१४१	६५ (क्लोम) पेटमें स्थित जलकी जगह
४१	२४ (क्वण) वीणादिकाशब्द, शब्दकरना
४१	२४ (क्वणन) वीणादिका शब्द
२६५	९५ (क्वथित) काढ़ा, अच्छी तरहपकाहुआ
४१	२४ (क्वाण) वीणादि का शब्द
२७	११ (क्षण) तीसकला, चुपचाप रहना, उत्सव
२५	४ (क्षणदा) रात्रि
२०१	११४ (क्षणन) मारना
१८	९ (क्षणप्रभा) बिजुली
१४१	६४ (क्षतज) रक्त, खून
१७३	५७ (क्षतव्रत) जिसका ब्रह्मचर्य नष्ट होगयाहो
१८९	५६ (क्षत्तृ) क्षत्रियाकी में शूद्रसे उत्पन्न पुत्र, सारथी ड्योढ़ीदार, बढ़ई
१५६	२ (क्षत्रिय) क्षत्रिय
१२८	१४ (क्षत्रिया) क्षत्रियकीस्त्री
१२८	१४ (क्षत्रियाणी) क्षत्रिय की स्त्री
१२८	१५ (क्षत्रियी) क्षत्रियकीस्त्री
२५	४ (क्षपा) रात्रि
११	१५ (क्षपाकर) चन्द्रमा
३१८	१४२ (क्षम) योग्य, समर्थ, हित
६५	४ (क्षमा) पृथ्वी, सहना
२४९	३१ (क्षमितृ) सहनेवाला
२४९	३१ (क्षन्तृ) सहनेवाला, गमखोर
२४९	३१ (क्षमिन्) सहनेवाला
२९	२२ (क्षय) प्रलय, क्षयीरोग, हानि, नीतिजानने

पृष्ठ	श्लोक
	वालोंका त्रिवर्गस्थान, कमती
१३८	५२ (क्षव) छींक, राई
१३८	५२ (क्षवथु) खांसी
२६५	१७ (क्षान्त) सहनेवाला बरदाश्त किया
४७	२४ (क्षान्ति) सहना
२२७	९९ (क्षार) कांच
८०	१६ (क्षारक) नईकली
६५	५ (क्षारमृत्तिका) लोना मट्टी
२५२	४३ (क्षारित) छिनारा या चोरीका कलंक जिसको लगाहो वह मनुष्य
६५	२ (क्षिति) नाश, वासस्थन, पृथ्वी
२७३	११ (क्षिपा) फेंकना, आज्ञा देना
२६३	८७ (क्षिप्त) प्रेरित, भेजाहुआ
२४६	३० (क्षिप्नु) निकारनेवाला
१४	६५ (क्षिप्र) जल्दी, वढ़ती
२७१	७ (क्षिया) हानि, नाशहोना
५५	४ (क्षीर) जल, दूध
२१४	४२ (क्षीरविकृति) दूध का फटौन
१००	११० (क्षीरविदारी) उजला कुम्हड़ा
१००	११० (क्षीरशुक्ला) काला कुम्हड़ा

पृष्ठ	श्लोक
६	२८ (क्षीराब्धितनया) (लक्ष्मी
९८	१० (क्षीरावी) दूधिया
८६	४५ (क्षीरिका) खिन्नी
५४	२ (क्षीरोद) दूधका समुद्र
२४७	२३ (क्षीव) मतवाला
१३८	५२ (क्षुत्) छींक
१३८	५२ (क्षुत) छींक
२०८	१९ (क्षुताभिजनन) राई,
२५४	४८ (क्षुद्र) कृपण, कजूस, क्रूर, अधम, थोड़ा, वढ़ती
१५२	११० (क्षुद्रघण्टिका) घुंघुरू
५९	२३ (क्षुद्रशंख) छोटाशंख
९७	९४ (क्षुद्रा) भटकटैआ, अंगहीनास्त्री, नटी, पतुरिआ, मधुमाखी, भांटा, वाघिनि
२१६	५४ (क्षुध) भूख
२४६	२० (क्षुधित) भूखा
७८	८ (क्षुप) छोटाजड़वडार वाला वृक्ष
२०८	२० (क्षुमा) अलसी
९९	१०६ (क्षुर) तालमखाना, छूरा
८५	४० (क्षुरक) तिलकवृक्ष
२५९	७० (क्षुरप्र) वाण
२३२	१० (क्षुरिन्) नाऊ, हज्जाम
२३३	१६ (क्षुल्लक) थोड़ा, छोटा, नीच
२०४	६ (क्षेत्र) खेत, स्त्री, शरीर

पृष्ठ	श्लोक
३०	२९ (क्षेत्रज्ञ) चैतन्य,पुरुष, चतुर
२०४	६ (क्षेत्राजीव) किसान
२७३	११ (क्षेपण) फेंकना, आज्ञादेना
५७	१३ (क्षेपणी) डांड़,नावचलानेका हत्था
२६९	१११ (क्षेपिष्ठ) अतिशय
३०	२६ (क्षेम) कुशल, धनहरी
२०६	११ (क्षैत्र) खेतोंका समूह
६५	२ (क्षोणी) पृथ्वी
१६८	९९ (क्षोद) चून
२६६	१११ (क्षोदिष्ठ) अतिशय
७२	१२ (क्षौम) अटारी
२२८	१०७ (क्षौद्र) शहद, ममाखी
७२	१२ (क्षौम) अटारी,रेशमी कपड़ा
१७२	५३ (क्षौर) बारबनवाना
	(क्ष्णुत) तेज,पैन,तीख
६५	३ (क्ष्मा) पृथ्वी
७४	१ (क्ष्माभृत) पर्वत,राजा
५२	९ (क्ष्वेड) विष,जहर
२००	१०७ (क्ष्वेडा) वीरों का गर्जना,बांसकी शलाका
३६४	३४(क्ष्वेडित)वीरोंकागर्जना
	(ख)
१६	१ (ख) आकाश,इन्द्रिय, शून्य
१२२	३२ (खग) पक्षी,तीर,सूर्य्य

पृष्ठ	श्लोक
६	३० (खगेश्वर)गरुड़
२११	३४ (खजाका) कर्छुलि
१३७	४९ (खञ्ज) लँगड़ा
११८	१६ (खञ्जन) खँड़रैचा
११८	१६ (खञ्जरीट) खँड़रैचा
३५७	१७ (खट) अन्धकूप
१६९	१३८ (खट्वा) खटिया, पलँग
११५	५ (खड्ग) तलवार,गैंड़ा
११५	५ (खड्गिन्) गैंड़ा
२०	१६ (खण्ड) टुकड़ा
७	३२ (खण्डपरशु) शिव
२१३	४३ (खण्डविकार) राब, मिश्री
२०७	१६ (खण्डिक) मटर
८७	५९ (खदिर) खयर
१०८	१४१ (खदिरा) लजालू
१२१	२८ (खद्योत) जुगनू
११७	१३ (खनक) चूहा
७६	७ (खनि) खानि
२०६	१२(खनित्र)कुदार,बेलचा
११४	१६८ (खपुर) सुपारी
२४	३५ (खर)गदहा,अतिगरम
१३६	४६ (खरणस्) सुइलार,नाकवाला
१३६	४६ (खरणास)सुइलार,नाकवाला
१०७	१३८ (खरपुष्पा) बबई
९६	८८ (खरमञ्जरी) लहचिचिरा

पृष्ठ	श्लोक
६१	६६ (खरा) चन्दाल
१०१	१११ (खराश्वा) अजमोदा
१३८	५३ (खर्जू) खजुआना
११४	१७० (खर्जूर) खजूर, चांदी
११४	१७० (खर्जूरी) खजूर
१३६	४६ (खर्व) वामन, बौना
२५३	४७ (खल) दुष्ट, खरिहान
२४५	१७ (खलपू) बहारनेवाला
२८१	४२ (खलिनी) खलोंका समूह, खरिहानोंका समूह
१८६	४९ (खलिन) लगाम
१८६	४९ (खलीन) लगाम
३४६	२५४ (खलु) निषेध, वाक्यालंकार, जिज्ञासा, प्रार्थना
२०७	१५ (खलेदारु) जो मड़नी माड़ने के समय किसी जगह खूंटा गाड़ते हैं
२८१	४२ (खल्या) खरिहानोंका समूह, खलीका समूह
६०	२७ (खात) तालाब
२६९	११० (खादित) खायाहुआ
२२४	८८ (खारी) तीन द्रोण प्रमाणविशेष
२०६	१० (खारीक) खारी भर अन्न से बोया जानेवाला खेत
२०६	१०(खारीवाप) खारीभर से बोयाजानेवालाखेत
६६	६(खिल) विन जोताखेत
१०५	१३० (खुर) ककूदनि, खुर, टाप
१३६	४७ (खुरणस्) खुरसदृश नाकवाला
१३६	४७ (खुरणस) खुरसदृश नाकवाला
२५५	५४ (खेट) निन्दित, ग्रह
२८६	४ (खेटक) ग्राम, ढाल
६१	२६ (खेय) खाई, परिखा
४६	३३ (खेला) लीला, खेल
१३७	४९ (खोड) लँगड़ा
२४४	६ (ख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
२६४	९३ (ख्यातगर्हण) निन्दित बदनाम
२७२	६ (ख्याति) प्रसिद्धि

(ग)

पृष्ठ	श्लोक
१६	१ (गगन) आकाश
६१	३१ (गंगा) गंगानदी
८	३५ (गंगाधर) शिव
१८२	३४ (गज) हाथी
१८३	३६ (गजता) हाथियोंका झुण्ड
१०४	१२३ (गजभक्ष्या) सालवृक्ष
९	३९ (गजानन) गणेश
७१	८ (गञ्जा) दारूकाघर
५८	१७ (गडक) मछलीविशेष

पृष्ठ	श्लोक	
२५८	१८	(गडु) गलगण्ड रोग
१३६	४८	(गडुल) कुबरा
१९४	८१	(गण) समूह,फौजकी संख्या विशेष,गुल्म, शिवसेवक
१७८	२१४	(गणक) ज्योतिषी
२५७	६४	(गणनीय) गिनने के योग्य
२५	६	(गणरात्र) रात्रियोंका समूह
६४	८०	(गणरूप) मदार
१०५	१२८	(गणहासक) धनहरी
९	३९	(गणाधिप) गणेश
४४	११	(गणिका) जूही, पतुरिया, हथिनी
९१	६६	(गणिकारिका) अरणी
२५७	६४	(गणित) गिनाहुआ
२५७	६४	(गणेय) गिननेके योग्य
१४७	९०	(गण्ड) गाल, हाथीका गाल
५८	१७	(गण्डक) गेंड़ा
१०८	१४१	(गण्डकारी) लजालू
९७	६	(गण्डशैल) पर्वत से गिरेहुये भारी पत्थर
११२	१५९	(गण्डाली) उजलीदूब
१११	१५७	(गण्डीर) गेंड़ारिकाशाक
५९	२२	(गण्डूपद) केंचुआ
६०	२४	(गण्डूपदी) केंचुई
३५५	१०	(गण्डूषा) कुल्ला

पृष्ठ	श्लोक	
१३६	४६	(गतनासिक) नकटा
१३७	५१	(गद) रोग
३६३	३१	(गद्य) जिसमें श्लोक न हों पदसमूहकीरचना
१८७	५२	(गंत्री) गाड़ी
२९८	६४	(गंध) गंध
२२७	१०२	(गंधक) गंधक
१०३	१२३	(गंधकुटी) तालीसपत्र वा मुरेठी
३११	११४	(गंधन) उत्साह देना प्राणिवध, अभिप्राय सुझाना
१०१	११४	(गन्धनाकुली) रासन
८६	५६	(गन्धफली) काकुनि, चम्पाकी कली
७५	३	(गन्धमादन) पर्वत विशेष
१११	१५४	(गन्धमूली) कचूर
२२८	१०४	(गन्धरस) गन्धरस
२	११	(गन्धर्व) देवजाति, हरिण विशेष, घोड़ा, प्राणी, देवताओंके गानेवाले, गवैयामात्र
८७	५०	(गन्धर्वहस्तक) रेंड़,रेंड़ी
१४	६३	(गन्धवह) वायु,हवा
१४६	८९	(गन्धवहा) नाक
१४	६३	(गन्धवाह) वायु, हवा
१५७	१३२	(गन्धसार) मलयागिरि चन्दन

पृष्ठ	श्लोक	
२२७	१०२	(गन्धाश्मन) गन्धक
२२७	१०२	(गन्धिका) गन्धक
१०४	१२३	(गन्धिनी) तालीसपत्र वा मुरेठी
२३६	४०	(गन्धोत्तमा) दारू,मद्य
१२१	२८	(गन्धोली) बर्रैआ, बिरनी
२३	३३	(गभस्ति) किरण
५७	१५	(गभीर) गहरा
१६७	६५	(गम) यात्रा, सफर
१९७	६५	(गमन) यात्रा सफर
८४	३५	(गम्भारी) गम्भारी
५७	१५	(गम्भीर) गहरा
२६४	६२	(गम्य) मिलनेकेयोग्य
५२	९	(गरल) विष
२६९	११२	(गरिष्ठ) अतिशयगरू
९१	६९	(गरी) बन्दाल
६	३०	(गरुड़) गरुड़
४	१६	(गरुड़ध्वज) विष्णु
२३	३२	(गरुड़ाग्रज) अरुण
१२३	३७	(गरुत्) पक्ष, पंख
६	३०	(गरुत्मत्) गरुड़ पक्षी
२२१	७४	(गर्गरी) दही मथने की महेड़ी
१८	८	(गर्जित) मेघका गर्जना,मतवाला हाथी
५१	२	(गर्त) गड़हा
२२२	७७	(गर्दभ) गदहा
८६	४३	(गर्दभाण्ड) गेंठी

पृष्ठ	श्लोक	
२४७	२२	(गर्द्धन) लोभी
१३४	३९	(गर्भ) कोषी,पेटमेंस्थितप्राणी, बालक
१५८	१३६	(गर्भक) बालोंमें पहिरनेकी माला
७१	८	(गर्भागार) घरकामध्य
१३४	३८	(गर्भाशय) ओझरीजिससे गर्भबँधारहता है
१३०	२२	(गर्भिणी) गर्भवतीस्त्री जिसके लड़का होने वालाहो
११३	१६५	(गर्मुत्) तृणधान्यविशेष
४६	२२	(गर्व) अहंकार
३८	१३	(गर्हण) निन्दा
२५५	५४	(गर्ह्य) निन्दित,खराब
२५१	३७	(गर्ह्यवादिन्) निन्दक, खराब बोलनेवाला
१४६	८८	(गल) कण्ठ,गला
२१८	६३	(गलकम्बल) बैलआदिकेगलेकीलटकीखाल, सास्ना
२११	३१	(गलन्तिका) करवा
२६७	१०४	(गलित) चुआ, गिरा
२८१	४३	(गल्या) काशोंका समूह,गलोंका समूह
११७	१०	(गवय) लीलगाह,चौगड़ा
२७७	१००	(गवल) भैंसका सींग

पृष्ठ	श्लोक	
७२	९	(गवाक्ष) झरोखा
१११	१५६	(गवाक्षी) डोंड़ककरी
२१७	५९	(गवीन)पुरानाखारिका
२०९	२५	(गवेधु) मुनिअन्नविशेष, माघी साँवाँ
२०९	२५	(गवेधुका) मुनिअन्न विशेष, माघी साँवाँ
१६७	३४	(गवेषणा) ढूँढ़ना,धर्म युक्त कर्म करना
२६७	१०५	(गवेषित) ढूंढ़ाहुआ
२१५	५०	(गव्य) गौओं का घी आदि
२१७	६०	(गव्या)गौओंकाझुण्ड
६९	१९	(गव्यूति) दो कोश
६७	१	(गहन) वन, जंगल, दुःख से प्राप्तहोने के योग्य, गम्भीर
७६	६	(गह्वर) कन्दरा,दम्भ
६५	४	(गह्वरी)पृथ्वी, निकुञ्ज
२२६	९४	(गाङ्गेय)सुवर्ण,सोना, कशेरू, भीष्म
१०२	११७	(गाङ्गेरुकी)ककहीवृक्ष
१५	६८	(गाढ़) बहुत
१३०	२२	(गाणिक्य) पतुरियों का समूह
१६४	८४	(गाण्डिव) अर्जुन का धनुष
१६४	८४	(गाण्डीव) अर्जुन का धनुष

पृष्ठ	श्लोक	
१८४	४०	(गात्र) देह,हाथी के आगेकी जंघाकाभाग
१५७	१३४	(गात्रानुलेपनी)पीसा हुआसुगन्धद्रव्य,चोवा
१६९	३९	(गाधेय) विश्वामित्र
४१	२६	(गान) गीत
४१	१	(गान्धार) स्वरविशेष, धकरेकी आवाज़
८७	४६	(गायत्री) खयर,छन्द, मन्त्रविशेष, देवताविशेष
२२५	९२	(गारुत्मत)मरकतमणि
१३०	२२	(गार्भिण्य) गर्भिणी स्त्रियोंका समूह
१६४	२१	(गार्हपत्य)यज्ञकीअग्नि
८४	३३	(गालव) लोध
३५	१	(गिर्)वाणी,सरस्वती
७४	१	(गिरि) पर्वत,लीलना
६६	१०४	(गिरिकर्णी) विष्णुक्रान्ता
११७	३३	(गिरिका) छोटीजातिकी मूसरी
२२७	१००	(गिरिज) शिलाजीत, अवरख,गेरू
६१	६६	(गिरिमल्लिका) कुरैआ
७	३२	(गिरिश) शिव
७	३२	(गिरीश) शिव
२६६	११०	(गिलित) खायाहुआ
४१	२६०	(गीत) गीत

पृष्ठ	श्लोक
२६६	११० (गीर्ण) स्तुति किया हुआ
२७३	११ (गीर्णि) लीलना
२	६ (गीर्वाण) देवता
२१	२४ (गीष्पति) बृहस्पति
८४	३४ (गुग्गुलु) गूगुर
१५०	१०५ (गुच्छ) ३२लरका हार, तृणादिका पूरा, पल्लव
८०	१६ (गुच्छक) फूलआदिका गुच्छा
१५०	१०५ (गुच्छार्द्ध) २४ लरका हार
९८	९८ (गुञ्जा) घुँघुँची
२९३	४१ (गुड) मट्टी आदिका बनाया गोला, गुड
८२	२७ (गुडपुष्प) महुआ
८२	२८ (गुडफल) पीलुआ
९९	१०५ (गुडा) सेंहुड़ा
९४	८२ (गुडूची) गुर्च
१६५	८५ (गुण) सत्वादि, सन्धिविग्रहादि, धनुष का रोदा, रोसईदार, रस्सी, सूत
५७	१२ (गुणवृक्षक) नावबांधने का खूंटा
२६३	८८ (गुणित) गुणाहुआ
२६३	८९ (गुण्ठित) धूलिलपेटा हुआ
१४३	७३ (गुद) गुदा
११२	१६२ (गुन्द्र) शरपत
८८	५५ (गुन्द्रा) काकुनि, नागरमोथा
२६३	८९ (गुप्त) छिपाहुआ, रखाया हुआ
३०१	७४ (गुप्ति) भूमिकाबिल, रक्षा, बन्दीखाना
२७३	११ (गुरण) उद्यम, भारा आदि उठाना
२१	२४ (गुरु) बृहस्पति, गर्भाधानादि क्रियाकाकरानेवाला, पिता
१३०	२२ (गुर्विणी) गर्भवतीस्त्री
१४३	७२ (गुल्फ) पाँवकी गाँठि
७८	९ (गुल्म) ठूंठ, पिलही, गुच्छा, थूहा, फ़ौज, सेनासुख
७८	९ (गुल्मिनी) फैलीहुई बौंड़ी
११४	१६६ (गुवाक) सुपारी
६	४० (गुह) स्वामिकार्त्तिक
७६	६ (गुहा) गुफा, पिथवनि
३२१	१५३ (गुह्य) एकान्त, लिंग, भग
२	११ (गुह्यक) देवजाति
१५	८६ (गुह्यकेश्वर) कुबेर
२६२	८६ (गूढ) छिपाहुआ
५२	७ (गूढपात्) सर्प, सांप
१७७	१३ (गूढपुरुष) जासूस, चार

पृष्ठ	श्लोक
१४२	६८ (गूथ) गूह
२५५	९६ (गून) हगाहुआ
१०९	१४८ (गृञ्जन) लहसुन
२४७	२२ (गृध्नु) लोभी
११९	२२ (गृध्र) गिद्ध
३५५	१० (गृध्रसी) वातरोगविशेष, गंठियाबाई
११०	१५१ (गृष्टि) विलाईकन्द
७०	४ (गृह) घर, स्त्री
११७	१३ (गृहगोधिका) छपकी, विस्तुइया
१७८	१५ (गृहपति) अन्नदाता, मोदी
२४८	२७ (गृहयालु) लेनेवाला
३६२	३० (गृहस्थूण) घरकीथून्ही
१६८	३६ (गृहागत) मेहमान
७७	१ (गृहाराम) घरके पास बनाहुआ बाग
७२	१३ (गृहावग्रहणी) घरकी डेहरी
१६०	३ (गृहिन्) गृहस्थ
१२४	४४ (गृह्यक) आधीन, पाला हुआ पची, मृग आदि
१५९	१३९ (गेन्दुक) गेंद, छोटी तकिया
७०	४ (गेह) घर
७६	८ (गैरिक) सोना, गेरू
२२८	१०४ (गैरेय) शिलाजीत वा गेरू

पृष्ठ	श्लोक
६५	४ (गो) गौ, बैल, स्वर्ग, तीर, पशु, वाणी, वज्र, दिशा, आंखि, किरण, पृथ्वी, जल
९९	९९ (गोकण्टक) गोखुरू
११६	११ (गोकर्ण) अँगूठे से लेकर अनामिकातक का बीता, हरिणविशेष
६५	८४ (गोकर्णी) चिनार जिसका धनुष बनताहै
२१७	५८ (गोकुल) गौओंका समूह
९८	९९ (गोक्षुरक) गोखुरू
३३	८ (गोचर) इन्द्रियों का विषय
१०३	११९ (गोजिह्वा) गोभी
१११	१५६ (गोडुंबा) डोंड़ककरी
२५८	१८ (गोण्ड) तोंदी, नीचजातिविशेष
७४	१ (गोत्र) वंश, नाम, पर्वत, पहाड़
९	४३ (गोत्रभिद्) इन्द्र
६५	३ (गोत्रा) पृथ्वी, गौओं का समूह
२०६	१४ (गोदारण) हर
२१७	५७ (गोदुह) अहीर
१११	१५६ (गोदुग्धा) जेठउाककड़ी
२१७	५८ (गोधन) गौओं का समूह

पृष्ठ	श्लोक
१६४	८४ (गोधा) लोहेका दस्ताना
१०२	११९ (गोधापदी) हंसपदी
१४७	६२ (गोधि) ललाट
५१	२२ (गोधिका) गोह
२०७	१८ (गोधूम) गोहूँ
१०६	१३२ (गोनर्द) मोथा
५१	४ (गोनस) छोटा सांप, घुनहा सांप
१७६	७ (गोप) गौकादुहनेवाला, गोशालाका स्वामी, बहुत गांवोंका अधिकारी, ठेकेदार, गन्धरस
२१८	६२ (गोपति) सांड़
२२८	१०४ (गोपरस) गन्धरस
७३	१५ (गोपानसी) छज्जा
२६८	१०६ (गोपायित) रखाया हुआ
२१७	५७ (गोपाल) अहीर
१०१	११२ (गोपी) कालाशाम्ब, स्याह समलर
७३	१६ (गोपुर) नगर का फाटक, मोथा, दरवाजा
२३४	१७ (गोप्यक) दास, टहलू
२१७	५८ (गोमत्) गौओं का स्वामी
२१५	५० (गोमय) गोबर
११५	६ (गोमायु) सियार
२१७	५८ (गोमिन्) गौवों का स्वामी
२१६	५३ (गोरस) माठा
१४१	६५ (गोर्द) गुदा
३५६	२० (गोल) गोला, वर्तुल
१३३	३६ (गोलक) पतिके मरजानेपर छिनारा से उत्पन्न पुत्र
२२९	१०८ (गोला) नैपाली मैनशिल
८५	३९ (गोलीढ) कालीपाढरि
९९	१०२ (गोलोमी) उजली दूब, जटामासी
८८	५५ (गोवन्दिनी) काकुनि
४	१९ (गोविन्द) विष्णु, गोष्ठाध्यक्ष, गोपाली, बृहस्पति
२१५	५० (गोविष) गोबर
३६७	४० (गोशाल) गौवों का स्थान
१५७	१३२ (गोशीर्ष) जिस में कमल के समान गन्धहो वह चन्दन
६८	१४ (गोष्ठ) गौवोंका स्थान
१६३	१७ (गोष्ठी) सभा
३०६	९३ (गोष्पद) गौओं का सेवित देश, गौओं के खुरका गड़हा
२१७	५७ (गोसंख्य) अहीर
१५०	१०५ (गोस्तन) चार लरका हार

पृष्ठ	श्लोक	
१००	१०७	(गोस्तनी) दाख
६८	१४	(गोस्थानक) गौओं का स्थान
३	१५	(गौतम) बौद्धमती
११६	७	(गौधार) गोहका बच्चा
११६	७	(गौधेय) गोहका बच्चा
११६	७	(गौधेर) गोहका बच्चा
३४	१३	(गौर) लाल, उजला, पीला रंग
१६८	३६	(गौरव) किसी के आने पर आदरपूर्वक उठ खड़ेहोना
८	३७	(गौरी) पार्वती, दशवर्ष की कन्या
६८	१४	(गौष्ठीन) जहां पहिले गौवो का स्थानरहाहो
३०४	८८	(ग्रन्थ) शास्त्र, द्रव्य
११२	१६२	(ग्रन्थि) गांठि, पोर
२२९	११०	(ग्रन्थिक) पिपरामूरि
२६२	८६	(ग्रन्थित) गुहाहुआ,
१०६	१३२	(ग्रन्थिपर्णी) कुकरौंधा
८५	३७	(ग्रन्थिल) कटइआ, करील
४०	२०	(ग्रस्त) कहीं अचर कहीं पद छूटा, खाया गया
२६	९	(ग्रह) ग्रहण, लेना, आग्रह, हठ, सूर्य्यादि
१३०	५५	(ग्रहणीरुज) संग्रहणी
२३	३०	(ग्रहपति) सूर्य
२४८	२७	(ग्रहीत) लेनेवाला
७४	१९	(ग्राम) गांव, वृन्द, समूह
२९४	४६	(ग्रामणी) नाऊ, गांव का मालिक
२३२	९	(ग्रामतक्ष) गांव का बढ़ई
२८१	४३	(ग्रामता) गांवों का समूह
२३२	६	(ग्रामाधीन) गॉव का बढ़ई
७४	२०	(ग्रामान्त) गॉवका समीप, परोस
६७	९४	(ग्रामीणा) नील
३९	१९	(ग्राम्य) भांड़ोंके से वचन, सूअर
१७४	६१	(ग्राम्यधर्म्म) मैथुन
७४	१	(ग्रावन्) पर्वत, पत्थर
२१६	५४	(ग्रास) कौर
५९	२१	(ग्राह) घरिआर, लेना, ग्रहण
८१	२१	(ग्राहिन्) कैथा
१४६	८८	(ग्रीवा) गटई
२८	१८	(ग्रीष्म) ज्येष्ठ आषाढ़
१५०	१०४	(ग्रैवेयक) कण्ठा
२६९	१११	(ग्लस्त) खायाहुआ
२४०	४५	(ग्लह) बाजीलगाना
१३९	५८	(ग्लान) रोगवशसे क्षीण

पृष्ठ	श्लोक
१३९	५८ (ग्लास्नु) रोगवशसे क्षीण
·१६	१४ (ग्लौ) चन्द्रमा (घ)
२११	३२ (घट) घड़ा, गगरी (घटना) हाथियों·का कतार
२००	१०७ (घटा) हाथियोंका कतार,
२३६	२७(घटीयन्त्र)पानीनिकालने का यन्त्र, रहट,पुर
३५७	१८ (घट्ट) घाट
६६	१९ (घण्टापथ) राजमार्ग, सड़क
८५	३९ (घण्टापाटलि) काली पांढ़रि
१००	१०७ (घण्टारवा) सन,सनई
१८	७ (घन) लोहा पीटनेका हथौरा,वादर,घरिआरका वाजा, करताल,मध्यमनाच, वाजा, मुग्दर,गझिन,कठिनता, मंजीरा
५५	५ (घनरस) पानी
१५६	१३१ (घनसार) कपूर
३१०	१०९ (घनाघन)इन्द्र,प्राणियोंका नाश करनेवाला, मस्त हाथी , बरसने वाला मेघ

पृष्ठ	श्लोक
४९	३३ (घर्म) घाम, पसीना
२४६	२० (घस्मर) खवैया
२४	२ (घस्र) दिन
१४६	८८ (घाटा) गलेकी घांटी, घरियारी
१९८	९७ (घाण्टिक) राजाओंके जगाने के लिये घण्टा बजानेवाले
२०२	११५ (घात) मारना
२४८	२८ (घातुक) प्राणियों का मारनेवाला, हत्यार, पापी, पराया अनभल चाहने वाला
११४	१६७ (घास) घास
१४२	७२ (घुटिका) पांवकीगांठि, घुटना
३५८	१८ (घुण) घुन
११८	१६ (घूक) उल्लूपक्षी
२४६	३२ (घूर्णित) जिसके नेत्र निद्रासे घूमतेहों वह पुरुष
४५	१८ (घृणा) दया, घिनान
२३	३३ (घृणि) किरण
२१६	५२ (घृत) घी,पानी, अमृत
११५	३ (घृष्टि) सूअर
१८५	४३ (घोटक) घोड़ा
१४६	८९ (घोणा) नाक, घोड़ेकी नाक
११५	३ (घोणिन) सूअर

पृष्ठ	श्लोक
८४	३७ (घोएटा) बेरके फल, सुपारी
४६	२० (घोर) भयानक
७४	२० (घोष) अहीरों का गाँव
१०२	११७ (घोषक) उजरे फूल वाली तोरई
३८	१२ (घोषणा)जोरसेपढ़ना
१४६	८९ (घ्राण)नाक,सूँघाहुआ
३३	११ (घ्राणतर्पण)बड़ासुगंध
२६४	६० (घ्रात) सूँघाहुआ
	(च)
३४३	२४० (च) श्लोक का पादपूरण करना, अन्वाचय, समाहार, इतरेतर, समुच्चय
१२३	३५ (चकोरक) चकोर
१६३	७८ (चक्र) पहिया, फौज, राज्यादि, चाक, अस्त्र, भँवर
१०५	१२३ (चक्रकारक) नखनाम गंधद्रव्य, वडनखी
४	२० (चक्रपाणि) विष्णु
१०९	१४७ (चक्रमर्दक) चकवँड़
११२	१६० (चक्रला) मोथाविशेष
१७५	२ (चक्रवर्तिन्)महाराजाधिराज
११०	१५३ (चक्रवर्तिनी) चकवत
१२०	२३ (चक्रवाक) चकवा चकई

पृष्ठ	श्लोक
१८	६ (चक्रवाल) मण्डल, गुँड़रा,लोकालोक पर्वत
१२०	२४ (चक्राङ्ग) हंस
६५	८६ (चक्राङ्गी) कुटकी
५२	७ (चक्रिन्) सांप
२२१	७७ (चक्रीवत्) गदहा
५२	७ (चक्षुःश्रवस्)सर्प,सांप
१४७	९३ (चक्षुस्) आंखि
२२७	१०२ (चक्षुष्या) कालासुरमा
२६०	७५ (चञ्चल) चञ्चल
१८	९ (चञ्चला) बिजुली
८८	५१ (चञ्चु) रेंड़,रेंड़ी,चोंच
११८	१९ (चटक) गवरवा
११९	१९ (चटका) गवरैया
२२९	११० (चटकाशिरस्) पिपरामूरि
२०८	१८ (चणक) चना
२४९	३२ (चण्ड) बड़ाक्रोधी
१०५	१२८ (चण्डा) धनहरी
९३	७६ (चण्डात) कनइल
१५४	११९ (चण्डातक) उटंग लहँगा
२३१	४ (चाण्डाल) ब्राह्मणी में शूद्रसे उत्पन्न पुत्र
२३७	३२ (चण्डालवल्लकी)किंगिरी
८	३८ (चण्डिका) पार्वती
७१	६ (चतुःशाल)चौकोरघर, चौक.

पृष्ठ	श्लोक	
२३४	१६	(चतुर) चतुर
८१	२३	(चतुरंगुल) अमिलतास
३	१६	(चतुरानन) ब्रह्मा
१७४	६१	(चतुर्भद्र) धर्मादि चतुर्वर्ग से मिलाहुआ धर्म
४	२०	(चतुर्भुज) विष्णु
१७४	६१	(चतुर्वर्ग) धर्म्म अर्थ काम मोक्ष
६६	१८	(चतुष्पथ) चौराहा
२१९	६८	(चतुर्हायनी) चार वर्ष वाली गौ
७२	१३	(चत्वर) आंगन, यज्ञका चौतरा
३४७	३	(चन) सवनहीं, थोड़ा
१५७	१३२	(चन्दन) मलयचन्दन
१९	१३	(चन्द्र) चन्द्रमा, कबीला, कपूर, सोना, सुवर्ण
१२२	३२	(चन्द्रक) मोरके पंखोंमें आँखि के समान चिह्न
६२	३४	(चंद्रभागा) नदीविशेष
१९	१३	(चन्द्रमस्) चन्द्रमा
१०४	१२४	(चन्द्रवाला) इलायची
७१	९	(चन्द्रशाला) अटारी, कोठा।
७	३१	(चन्द्रशेखर) शिव
१९६	८९	(चन्द्रहास) तलवार
		(चान्द्रिका) उजेरिआ
१४१	६६	(चपल) पारा, जल्दी, विना अपराधके विचारे मारनेवाला
१८	९	(चपला) बिजली, बड़ी पीपरि
१४६	८४	(चपेट) चटकना
११७	११	(चमर) हरिणविशेष
८१	२२	(चमरिक) कचनार
२६५	३५	(चमस) यज्ञकावर्तन, एक योगी
३५५	१०	(चमसी) यज्ञकावर्तन, प्रणीतापात्र
१९३	७८	(चमू) फौज, फौजविशेष, पृतना
११६	१०	(चमूरु) हरिणविशेष
६०	६३	(चम्पक) चम्पा
७०	३	(चय) छहरदीवार, समूह
१७७	१३	(चर) चलनेवाला, जासूस
२६४	३३	(चरक) वैद्यकके आचार्य्य, ग्रन्थ
१४३	७१	(चरण) पैर, पाँव
११८	१७	(चरणायुध) मुर्गा
२६१	८१	(चरम) अन्तिम, पाछिल
७५	२	(चरमक्ष्माभृत) अस्ताचल
२६०	७४	(चराचर) चलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
२६०	७४ (चरिष्णु) चलनेवाला
१६५	२४ (चरु) अग्निमें हवन करने की जाउरि, खीर
२५५	१० (चर्चरी) तारीबजाना
३१	२ (चर्चा) विचार, चन्दनादिका लेपन
१०८	१४३ (चर्मकषा) विशेष सेंहुड़ा
२३१	७ (चर्म्मकार) चमार
१७१	५० (चर्म्मन्) मृगचर्म्म, ढाल
२३८	३५ (चर्म्मप्रभेदिका) चमड़ा काटने का हथियार, रॉपी
२३७	३३ (चर्म्मप्रसेविका) भाटी, खलाय
८६	४६ (चर्म्मिन्) भोजपत्र, ढाल धारणकरनेवाला
१७८	३८ (चर्य्या) ध्यानादिकिया, मौनमें रहना
२६३	११० (चर्वित) खायाचबाया हुआ
	(चर्षणी) छिनारि
२६०	७४ (चल) चञ्चल
८१	२० (चलदल) पीपर
२६०	७४ (चलन) कॉपना, कॉपनेवाला
२६०	७४ (चलाचल) चञ्चल

पृष्ठ	श्लोक
१६७	९६ (चलित) चलीहुईफ़ौज, कॉपताहुआ
९८	९८ (चविक) चाव
६८	६८ (चव्य) चाव
२४०	४३ (चषक) दारूपीनेका वर्तन
१६४	२० (चषाल) यज्ञके खम्भ के ऊपर कंकण सदृश जो काष्ठहोताहै उसका नाम, घरियारी
१९८	९७ (चाक्रिक) राजाओं के जगानेके लिये घण्टा बजानेवाला
१०७	१४० (चाङ्गेरी) अॅमलोनियॉ
११९	१६ (चाटकैर) गवरैयाका बच्चा
२३७	३२ (चाण्डालिका) किंगिरी
११८	१८ (चातक) चातक
१५९	२ (चातुर्वर्ण्य) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र
१९४	८३ (चाप) धनुष
१८१	३१ (चामर) चॅवर
२२६	९५ (चामीकर) सोना, सुवर्ण
६०	६३ (चाम्पेय) चम्पा, नागकेसर
१७७	१३ (चार) बॉधन, जासूस
१०९	१४६ (चारटी) रूपीला
२३३	१४ (चारण) कथिक

पृष्ठ	श्लोक	शब्द और अर्थ
२५५	५२	(चारु) सुन्दर,
१५५	१२३	(चार्चिक्य) चन्दनादि का अंगमें लेपन
२८१	४३	(चार्मण) चमड़ा वा ढालोंका समूह
१६१	८	(चार्वाक) बौद्धमतावलम्बी
२०९	६६	(चालनी) चलनी
११८	१७	(चाष) नीलकंठ
१३८	५७	(चिकित्सक) वैद्य
१३७	५०	(चिकित्सा) रोगकीशान्तिका उपाय, इलाज करना
१४८	९५	(चिकुर) बार, विना अपराधविचारे मारने वाला
२१४	४६	(चिक्कण) चिकना
३६५	३५	(चिक्कस) यवपात्र
८६	४३	(चिञ्चा) आमिली
३१	१	(चित्) बुद्धि, थोडा
२०२	११७	(चिता) चिता
२०२	११७	(चिति) चिता
३१	३१	(चित्त) मन
४७	२६	(चित्तविभ्रम) पागलपना
४६	२२	(चित्तसमुन्नति) सन्मान
३१	२	(चित्ताभोग) सुखकी इच्छा
२०२	११७	(चित्या) चिता
२५	१७	(चित्र) चितकाबररंग, अद्भुतरस, तसवीर
८८	५१	(चित्रक) चीतवृक्ष, रेंडी, रेंड़, माथे में लगायाहुआ तिलक
२३१	७	(चित्रकर) तसवीर खींचनेवाला
११५	२	(चित्रकाय) सिंह
८२	२७	(चित्रकृत्) तिनिश, तेंदुआ वृक्ष
१००	१०६	(चित्रतण्डुला) वायुभिरग
६७	६२	(चित्रपर्णी) सिंहपुच्छी
१३	५७	(चित्रभानु) आगि, सूर्य्य
२१	२४	(चित्रशिखण्डिज) बृहस्पति
२२	२७	(चित्रशिखण्डिन्) महर्षि
६५	८७	(चित्रा) मूसरि,जेठऊ ककरी
४८	२६	(चिन्ता) स्मरण
२१४	४७	(चिपिटक) चिउरा
१४७	९०	(चिबुक) दाढ़ी
२४५	१७	(चिरक्रिय) कार्य्य में देरकरनेवाला
११६	२२	(चिरञ्जीविन्) कौआ
१२७	९	(चिरण्टी) थोड़ेहीकाल की व्याही स्त्री

पृष्ठ	श्लोक
२६०	७७ (चिरन्तन) पुराना
३४७	१ (चिरात्राय) बहुतकाल
८७	४७ (चिरबिल्व) कंजा
१२०	७१ (चिरसूता) बकेनिगौ
३४७	१ (चिरस्य) बहुतकाल
३४७	१ (चिराय) बहुतकाल
५८	१८ (चिल्लिचिम) झिङ्गा मछरी
११९	२२ (चिल्ल) चौंधरी आंखिवाला, चील्ह
२०	१७ (चिह्न) चीन्ह
११६	१० (चीन) हरिणविशेष
३६३	३१ (चीर) कपड़ा
१२१	२८ (चीरी) झींगुर
१२१	२८ (चीरुका) झींगुर
३६३	३१ (चीवर) मुनियोंकावस्त्र
१०८	१४१ (चुक्र) चूकएकप्रकार की खटाई, अमिलवेत
१०७	१४० (चुक्रिका) अमलोनियां
१४०	६० (चुल्ल) चौंधरी आँखि वाला
२१०	२९ (चुल्लि) चूल्हिया
१४४	७७ (चूचुक) चूँचीकी ढेपुनी
१२२	३२ (चूडा) मोरकीचोटी, चोटी
१५०	१०२ (चूड़ामणि) चोटी का मणि
११२	१६० (चूड़ाला) मोथाविशेष
८४	३३ (चूत) आँबका वृक्ष
१५७	१३५ (चूर्ण) सुगन्धद्रव्य का चूर्ण, चून
१४८	९६ (चूर्णकुन्तल) टेढ़ेबाल
३५५	९ (चूर्णि) चूर्ण बनाना, चूली
१८३	३८ (चूलिका) हाथी के कानों की जड़
२३४	१७ (चेटक) दास, टहलू
३४९	१२ (चेत्) पक्षान्तर
९९	५९ (चेतकी) हर्रे
३०	३० (चेतन) जीव
३१	३१ (चेतना) बुद्धि
३१	३१ (चेतस्) मन
१५३	११५ (चेल) वस्त्र, कपड़ा, अधम
७१	७ (चैत्य) यज्ञ का घर
२७	१५ (चैत्र) चैतमास
१५	७१ (चैत्ररथ) कुवेर का बगेचा
२७	१५ (चैत्रिक) चैतमास
१५३	११५ (चैल) कपड़ा
१०६	१३४ (चोच) तज, खाये
३६२	३० फलका शेष
१०४	१२६ (चोरपुष्पी) शंखाकोड़ी
१५३	११८ (चोल) अँगिआ, चोली
२३५	२४ (चौर) चोर
२३६	२५ (चौरिका) चोरी
२३६	२५ (चौर्य) चोरी

पृष्ठ	श्लोक
२६७	१०४ (च्युत) चुआ, गिरा
	(छ)
२२१	७६ (छगलक) वकडा
१०७	१३७ (छगलान्त्री)विधारा
१८२	३२ (छत्र) छाता--छतुरी
९९	१०५ (छत्रा) सौंफ,पानीका खर, धनियाँ
१०२	११५ (छत्राकी) रासनि
८०	१४ (छद) पत्ता, पंख
८०	१४ (छदन) पत्ता
७३	१४ (छदि) छावना
४८	३० (छद्मन्) कपट, छल
२७५	२० (छन्द) आशय,वंश, श्लोक,इच्छा, गायत्री आदि वृत्त
१६५	२४ (छन्दस्) आशय,वंश, श्लोक,इच्छा, गायत्री आदि वृत्त
१८०	२२ (छन्नी) एकान्त, छाया हुआ
२००	१०८ (छल)छल,धोखादेना
२०	१७ (छवि) शोभा,कान्ति
२२१	७६ (छाग) वकड़ा
२२१	७६ (छागी) वकड़ी
१३६	४४ (छात) दुर्बल, काटा हुआ
१६२	१३ (छात्र) विद्यार्थी
	(छादन) झाँपना
२६६	९८ (छादित) छायाहुआ

पृष्ठ	श्लोक
१६०	६ (छान्दस्) वैदिक,वेद को जाननेवाला
२२१	१५७ (छाया) सूर्य की स्त्री, कान्ति, छाया, छहर, पछाईं
२६७	१०३ (छित) काटाहुआ
५१	२ (छिद्र) बिल
२६६	९९ (छिदित) छेदाहुआ
२६७	१०३ (छिन्न) काटाहुआ.
९४	८२ (छिन्नरुहा) गुर्च
१६६	९२ (छुरिका) छूरी
१२४	४४ (छेक) पलुआ पक्षी मृगआदि
२७१	७ (छेदन) काटना
	(ज)
६६	७ (जगत्) लोक, जंगम
६५	४ (जगती) लोक, छन्दो-विशेष, पृथ्वी
१४	६४ (जगत्प्राण) वायु, बयारि, हवा
१९०	६४ (जगर) कवच, बखतर
२४०	४२ (जगल) दारूका काढा, मदिरा का कल्क
२६९	१११ (जग्ध) खायाहुआ
२१६	५५ (जग्धि)खाना, भोजन करना
१४३	७४ (जघन) स्त्री की पेडू तोंदी
९०	६१ (जघनेफला) कठूँवरि

पृष्ठ	श्लोक	
२६१	८१	(जघन्य) अन्तिम, पछिला, अधम, लिंग इन्द्रिय
१३५	४३	(जघन्यज) छोटाभाई, शूद्र
२६०	७४	(जंगम) चलनेवाला
२६०	७३	(जंगमेतर) स्थावर, वृक्षादि
१४३	७२	(जंघा) जांघ
१९२	७३	(जंघाकरिक) हरकारा
१९२	७३	(जंघाल) जल्द चलने वाला, हरकारा
७९	११	(जटा) वृक्षकी जड़, लिपटेवार, जटा
१०६	१३४	(जटामांसी) जटामासी
१०६	१३४	(जटिला) जटामासी
८३	३२	(जटी) पकरिया
१३७	४६	(जडुल) जिसके अंग में लशुनाकार चिह्नहो वह पुरुष
१२४	७७	(जठर) पेट, कठिन,
२०	१६	(जड) ठगठ, मूर्ख
६५	८६	(जडा) क्यवांच
१५५	१२५	(जतु) लाह, लाख
२१३	४०	(जतुक) हींग
१२०	२७	(जतुका) चमगूदरि
११०	१५३	(जतुकृत) चकवत
११०	१५३	(जतूका) चकवत
१२४	७८	(जत्रु) कन्धा और शिरकी सन्धि,हँसिया
४४	१२	(जनक) पिता, बाप
२३४	२०	(जनंगम) चाण्डाल
२८१	४३	(जनता) जनों का समूह
३०	३०	(जनन) वंश, सन्तति, जन्म
१३२	२६	(जननी) माता
६७	९	(जनपद) देश
१३२	२९	(जनयित्री) माता
३७	७	(जनश्रुति) अपयश, बदनामी
४	१९	(जनार्दन) विष्णु
७२	९	(जनाश्रय) मण्डप
३०	३०	(जनि) जन्म,उत्पत्ति
११०	१५३	(जनी) चकवत, पुत्र की स्त्री
३०	३०	(जनुस्) जन्म
३०	३०	(जन्तु) प्राणी, जीव
८१	२२	(जन्तुफल) गूलरि
३०	३०	(जन्मन्) जन्म
३०	३०	(जन्मिन्) प्राणी,जीव
१७४	६१	(जन्य) वरके मित्र,हमजोलीवाले, वराती, मनुष्यों की निन्दित वतकही,संग्राम,लड़ाई
३०	३०	(जन्यु) जन्मी, प्राणी
१७१	५०	(जप) वेदाभ्यास

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९३	७६ (जपापुष्प) गुड़हर का फूल	२५४	५० (जरायुज) मनुष्य पशु आदि
१३४	३८ (जम्पती) स्त्री—पुरुष	५५	३ (जल) पानी
५६	६ (जंबाल) चोदा, कीचड़	८२	२८ (जलज) पहाड़ी, जलमहुआ, कमल, चन्द्रमा
८२	२४ (जम्बीर) जंभीरी नींबू	५९	२० (जलजन्तु) जलकेजीव
८१	६६ (जम्बु) जामुनि, फरेंदा का फल	१८	७ (जलधर) बादर, मेघ
		५४	२ (जलनिधि) समुद्र
११५	६ (जम्बुक) सिआर, वरुण	५५	७ (जलनिर्गम) भवँर, जल निकलने की नाली, नरदहा
८१	१९ (जम्बू) जामुनि, फरेंदा का फल	६३	३८ (जलनीली) सेवार
८२	२४ (जम्भ) जंभीरी नींबू	३६०	२३ (जलपुष्प) कई कमल आदि
१०	४४ (जम्भभेदिन्) इन्द्र		
८२	२४ (जम्भल) जंभीरीनींबू	६७	११ (जलप्राय) बहुत जल वाला देश
८२	२४ (जम्भीर) जंभीरीनींबू		
९१	६६ (जय) जीति, अरणी	१८	७ (जलमुच्) बादर, मेघ
२७३	१२ (जयन) जीति	५१	५ (जलव्याल) जलका सांप
१०	४७ (जयन्त) इन्द्रका पुत्र		
९०	६५ (जयन्ती) जाही	६०	२५ (जलाधार) ताल
६०	६५ (जया) जाही, अरणी	६०	२५ (जलाशय) ताल, गॉडर की जड़
१९२	७४ (जय्य) जिसको जीत सकें		
		५९	२३ (जलशुक्ति) सूती
२१२	३६ (जरण) जीरा	५६	१० (जलोच्छ्वास) वहानार, पऊ
१३५	४२ (जरत्) बूढ़ा		
२१८	६१ (जरद्गव) बूढ़ाबैल	५९	२२ (जलौकस्) जोंक
१३५	४१ (जरा) बुढ़ापा	५९	२२ (जलौका) जोंक
१३४	३८ (जरायु) ओझरी जिस से गर्भ बँधा रहता है	२५०	३६ (जल्पाक) अनुचित बोलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	
२६८	१०७	(जल्पित) कहाहुआ
१४	६५	(जव) वेगवाला, जल्दी, शीघ्र
१८५	४५	(जवन) बड़ेवेगवाला, जल्दबाज
१५४	१२०	(जवनिका) कनात
		(जवा) गुड़हर
१८५	४५	(जवाधिक) बड़े वेगवाला
६१	३१	(जह्नुतनया) गंगा
२७५	१६	(जागर) कॅवच,जागना
२७५	१९	(जागरा) जागना
२४९	३२	(जागरितृ) जागनेवाला
२४९	३२	(जागरूक) जागनेवाला
२७५	१६	(जागर्य्या) जागना
५३	११	(जांगुलिक) विषवैद्य
१६२	७३	(जांघिक) हलकारा
३१	३१	(जात) जाति
१२	५४	(जातवेदस्) आगि
२२६	९५	(जातरूप) सोना,सुवर्ण
१२६	१६	(जातापत्या) प्रसूता, सौरिहाई स्त्री
३१	३१	(जाति) जाति,चमेली सामान्य, जन्म
८१	१९	(जाती) जातीफल
१५७	१३३	(जातीफल) जायफर
१५७	१३३	(जातीकोश) जायफर
३४७	४	(जातु) कदाचित्,कभी
२३६	२१	(जातुप) लाहकी वस्तु
२१८	६१	(जातोक्ष) कलोर
१४३	७२	(जानु) घुटून
२३२	११	(जाबाल) गड़रिया
१३३	३२	(जामातृ) दामाद
३१८	१४२	(जामि) बहिन, कुल की स्त्री
८१	१९	(जाम्बव) जामुनि, फरेंदा का फल
२२६	९५	(जाम्बूनद) सोना,सुवर्ण
१५५	१२६	(जायक) पीलाचन्दन
१२६	६	(जाया) स्त्री
२३३	१२	(जायाजीव) नट, बेड़िआ
१३४	३८	(जायापति) स्त्री–पुरुष
१३७	५०	(जायु) दवाई, इलाज
१३३	३५	(जार) दूसरापति,छिनार
१३३	३६	(जारज) छिनारा से उत्पन्न पुत्र
५८	१८	(जाल) जाल, समूह, खिड़की, कुछ फूली हुईकली, दम्भ
८०	१६	(जालक) नईकली
२३३	१४	(जालिक) जालसे शिकार करनेवाला, व्याध, मल्लाह
१०२	११८	(जाली) चिचिंड़ा
२३३	१६	(जाल्म) नीच, अविचारी, विना विचार काम करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
९६	९० (जिङ्गी) मँजीठ
२४६	२० (जिघत्सु) भूँखा
१९३	७७ (जित्वर) जीतनेवाला
३८	१३ (जिन) बुद्ध
६	४३ (जिष्णु) इन्द्र, जीतनेवाला
२५१	७१ (जिह्म) टेढ़ा, कुटिल, आलसी
५२	८ (जिह्मग) साँप, सर्प
१४७	९१ (जिह्वा) जीभ, जबान
१३५	४२ (जीन) बूढ़ापुरुष
१८	७ (जीमूत) बादर, मेघ, बन्दाल, पर्वत
२१२	३६ (जीरक) जीरा
१३५	४२ (जीर्ण) वृद्धापुरुष
१५३	११५ (जीर्णवस्त्र) पुराना कपडा
२७२	९ (जीर्णि) पुरानापना बुढ़ापा
२१	२४ (जीव) बृहस्पति, प्राणी,
८६	४४ (जीवक) विजयसार, जीवक
१२२	३५ (जीवंजीव) चकोर
५५	३ (जीवन) पानी, जीविका, प्राणधारण
१०८	१४२ (जीवनी) डोड़ी, जीवंती
१०८	१४२ (जीवनीया) डोड़ी, जीवंती
२०३	२० (जीवनौषध) सजीवनमूरि
६४	८२ (जीवन्तिका) बाँदा, गुर्च
१०८	१४२ (जीवन्ती) डोड़ी, जीवंती
१०८	१४२ (जीवा) डोड़ी, जीवंती
२०३	२० (जीवातु) सजीवनमूरि, जिलाना
२३३	१४ (जीवान्तक) चिड़ीमार
२०३	१ (जीविका) जीविका, रोजगार
२०३	२० (जीवितकाल) उमर, आयु
३८	१३ (जुगुप्सा) निन्दा
१०७	१३८ (जुङ्ग) विधारा
१६६	२७ (जुहू) स्रुवाविशेष
२८०	३६ (जूर्ति) वेग
२८०	३६ (जूर्ति) ज्वर
५०	३५ (जृम्भ) जमुहाई
५०	३५ (जृम्भण) जमुहाई
१६२	७४ (जेतृ) जीतनेवाला, शत्रुके ऊपर चढ़ाई करनेवाला
२१७	५६ (जेमन) भोजन
१९२	७४ (जेय) जीतने के योग्य
१९२	७४ (जैत्र) शत्रुके ऊपर चढ़ाई करनेवाला
१६०	७ (जैमिनीय) मीमांसा जाननेवाला

पृष्ठ	श्लोक
११९	१४ (जैवातृक) बड़ी उमर वाला, चन्द्रमा, कृश
१५६	१२७ (जोंगज) गुगुर
३४५	२५० (जोषम्) सुख, चुपचाप रहना
१६०	५ (ज्ञ) पण्डित
२६६	९८ (ज्ञपित) जानाहुआ
२६६	९८ (ज्ञप्त) जानाहुआ
३१	१ (ज्ञप्ति) बुद्धि
१७८	१५ (ज्ञातसिद्धान्त) शास्त्री
१३३	३४ (ज्ञाति) जातिवाला
२४१	३० (ज्ञातृ) जाननेवाला
१३३	३५ (ज्ञातेय) जातिवालों का भाव वर्त्ताव
३२	६ (ज्ञान) मोक्षबुद्धि
१७८	१४ (ज्ञानिन्) ज्योतिषी
६५	२ (ज्या) पृथ्वी, रोदा
२७२	६ (ज्यानि) पुरानापना, बुढ़ापा
१३५	४३ (ज्यायस्) बहुत वर्ष वाला, बूढ़ा, स्तुतिकरनेके योग्य, श्रेष्ठ
२७	१६ (ज्येष्ठ) अति श्रेष्ठ, ज्येष्ठमहीना
१२१	२९ (ज्योतिरिङ्गण) जुगुनू
१०९	१५० (ज्योतिष्मती) मालकाँगनी
३४०	२२९ (ज्योतिस्) नक्षत्र, प्रकाश, दृष्टि
२०	१६ (ज्योत्स्ना) चाँदनी, उजेरिआ
२५	५ (ज्योत्स्नी) उजेरीरात, चिचिंड़ा
१७८	१४ (ज्यौतिषिक) ज्योतिषी
१३९	५६ (ज्वर) ज्वर, बुखार
१२	५४ (ज्वलन) आगि
१३	५८ (ज्वाला) आगि की ज्वाला
	(झ)
१०४	१२७ (झटामला) भूमिआमला अँवरी
२४७	२ (झटिति) जल्दी, शीघ्र
७५	५ (झर) झरना
४३	८ (झर्झर) बाजाविशेष
३५५	१० (झल्लरी) झालरि, हुडुक
५८	१९ (झष) मछली
१०२	११७ (झषा) ककहीका वृक्ष, नागबला
८५	३९ (झाटल) कालीपाँढरि
२६६	३८ (झाटलि) मोर, वृक्ष
८५	४० (झावुक) झाऊ
९३	७५ (झिण्टी) पियावासा
१२१	२६ (झिल्लिका) झींगुर
१२१	२९ (झीरुका) झींगुर
	(ट)
२३८	३४ (टंक) पत्थरफोड़ने की टाँकी, अहंकार को तोड़नेवाला

पृष्ठ	श्लोक
१२३	३६ (टिट्टिभक) टिटिहिरी
२५४	७ (टीका) कठिनशब्दों का अर्थ
८९	५६ (टुण्डुक) सरिवन
	(ड)
२७३	१४ (डमर) लूटना
६३	८ (डमरु) डमरुबाजा
१८७	५२ (डयन) डोला, जनाना रथ, जनानी गाड़ी
८९	६० (डहु) बड़हर
४३	८ (डिण्डिम) बाजाविशेष
२७३	१४ (डिम्ब) लूटना
१२३	३९ (डिम्भ) बालक, मूर्ख
१३५	४१ (डिम्भा) अति छोटी कन्या
५१	५ (डुण्डुभ) डेंड़हा साँप
	(ढ)
४२	६ (ढक्का) ढोल, डंका
	(त)
२१९	५३ (तक्र) माठा, जिसमें चौथाई पानीमिलाहो
२८२	४ (तक्षक) साँपविशेष, बढ़ई
२३२	९ (तक्षन्) बढ़ई
५५	७ (तट) तीर, किनारा
६१	३० (तटिनी) नदी
६०	२८ (तडाग) ताल
१८	९ (तडित्) बिजुली
१८	७ (तडित्वत्) बादर, मेघ
३६४	३३ (तण्डक) खँडरेचा, फेना, बहुत समासवाला वाक्य, वृक्षकी जांघा, मायाआधिक्य, उपताप
१००	१०६ (तण्डुला) वायुभिरंग
१०६	१३६ (तण्डुलीय) चौराई
४२	४ (तत) वीणा, बाजा, चौड़ाई, फैलाव
३४७	३ (ततस्) हेतु, कारण
१८१	२६ (तत्काल) वर्तमानकाल
२५६	१६ (तत्क्रिय) बिना तनख्वाह काम करनेवाला, हूड़ करनेवाला
२४३	९ (तत्पर) किसी विषयमें लगे चित्तवाला
४३	९ (तत्त्व) धीरे २ नाचना, समता
३२८	९ (तथा) तैसाही, समता
३	१३ (तथागत) बौद्ध
४०	२२ (तथ्य) सत्य
३५२	२२ (तदा) तब
१८१	२९ (तदात्व) वर्तमानकाल
३५२	२२ (तदानीम्) तब
१३१	२७ (तनय) पुत्र
१४२	७१ (तनु) देह, मिही, पतला, खाल, विरल
१९०	६४ (तनुत्र) कँवँच, बखतर
१४२	७१ (तनू) देह
२६६	९९ (तनूकृत) पतला किया, छोला

पृष्ठ	श्लोक	
१२	५४	(तनूनपात्) आगि
१२३	३७	(तनूरुह) पंख, पक्ष, रोम, रोंवां
२३६	२८	(तन्तु) सूत
२०७	१७	(तन्तुभ) सरसों
११७	१४	(तन्तुवाय) मकरी, कोरी, ज्वलाहा
३२८	१८४	(तन्त्र) स्वाधीन, तन्त्र शास्त्र, ज्वलाहा, वस्त्र, कुटुम्ब का कार्य
१५२	११२	(तन्त्रक) नवावस्त्र
६४	८२	(तन्त्रिका) गुर्च
५०	३७	(तन्द्री) निद्रा, आलस्य, श्रमसे मुरझाना,
२८	१९	(तप) ग्रीष्मऋतु
२३	३१	(तपन) सूर्य्य, नरकविशेष
२२६	६४	(तपनीय) सोना, सुवर्ण
२७	१५	(तपस्) माघमास, कृच्छ्र सान्तपनादि व्रत
२७	१५	(तपस्य) फागुन मास,
१७०	४५	(तपस्विन्) तपस्वी
१०६	१३४	(तपस्विनी) जटामासी
२२	२६	(तमस्) राहु, अन्धेरा, गुणविशेष
२५	४	(तमस्विनी) रात
९१	६८	(तमाल) तमालवृक्ष, तमाखू
१५५	१२४	(तमालपत्र) तिलकवृक्ष
५१	२	(तमिस्र) अन्धेरा
२५	५	(तमिस्रा) अन्धेरीरात
२५	४	(तमी) रात
३०५	८९	(तमोनुद) चन्द्रमा, आगि, सूर्य्य
३४२	२२७	(तमोपह) चन्द्रमा, आगि, सूर्य्य
११५	२	(तरक्षु) चीता, तेंदुआ
५५	५	(तरंग) लहर
६१	३०	(तरंगिणी) नदी
१८४	४२	(तरण) हाथीकी झूल
१३	३०	(तरणि) सूर्य्य, घीकुमारि, नाव
५६	११	(तरपण्य) खेवा, उतराई
१५०	१०२	(तरल) चञ्चल, हारके बीचकी बड़ीमणि
२१५	५०	(तरला) लप्सी, पनिहा भात
१४	६५	(तरस्) वेग, पराक्रम, बल
१४०	६३	(तरस) मांस
१९२	७३	(तरस्विन्) जल्दबाज, वेगवाला, शूरवीर
५६	१०	(तरि) नाव
७७	५	(तरु) वृक्ष
१३५	४२	(तरुण) युवा, जवान
१२७	८	(तरुणी) जवान स्त्री
३१	३	(तर्क) तर्क, विचार
९०	६५	(तर्कारी) जाही

पृष्ठ	श्लोक
१४५	८१ (तर्जनी) अंगुठे के पास की अंगुली
२१८	६१ (तर्णक) जल्दीका वि-आया बछड़ा
२११	३४ (तर्दू) कर्छुलिविशेष, डेवुआ
२१७	५६ (तर्पण) तृप्त होना, अघाना, पितरोंको ज-लादि देना
१६४	२१ (तर्मन्) यज्ञस्तम्भ का शिरा, अग्रभाग
१९४	८४ (तल) नीचे, स्वरूप, लोहेका दस्ताना
३१४	१२६ (तलिन) विरल,थोड़ा
३१५	१३० (तल्प) पलंग, अटारी, स्त्री
३०	२७ (तल्लज)अच्छा,
४८	२८ (तर्ष) इच्छा, प्यास
२६६	९९ (तष्ट) छोलाहुआ, पतला किया
२७६	२४ (तसर) कोरीके पाई पसारने का नाम
२३५	२४ (तस्कर) चोर
४०	१० (ताण्डव) नाच
१३२	२८ (तात) पिता
१७८	१५ (तान्त्रिक) शास्त्रका सिद्धान्त जाननेवाला, शास्त्री
१७०	४५ (तापस) तपस्वी
८६	४६ (तापसतरु) गोंदी, पाँखी का वृक्ष
९१	६८ (तापिच्छ) तमालवृक्ष
६३	४० (तामरस) कमल
१०४	१२७ (तामलकी) भूमिआ-मला, अँवरी
२५	५ (तामसी) रात
२२६	९७ (ताम्रक) तांबा
१७	५ (ताम्रकर्णी) अञ्जननाम दिग्गजकी स्त्री
२३२	८ (ताम्रकुट्टक) ठठेर
११८	१८ (ताम्रचूड़) मुर्गा
१०३	१२० (ताम्बूलवल्ली) पान
१०३	१२० (ताम्बूली) पान
४२	२ (तार)ऊँचास्वर,अच्छा मोती
९	४१ (तारकजित्) स्वामि-कार्तिक
२१	२१ (तारका) नक्षत्र,आंखि का तिल, पुतली
२१	२१ (तारा) नक्षत्र
१३५	४० (तारुण्य) जवानी
६	३० (तार्क्ष्य) गरुड़, घोड़ा
२२७	१०२ (तार्क्ष्यशैल, रसौंत
४३	९ (ताल)काल औरक्रिया का मान, ताड़कावृक्ष, हरताल,बीचकीअंगुली और अंगूठा से नापा बीता

पृष्ठ	श्लोक	
१५०	१०३	(तालपत्र)तर्की—कनफूल
१०३	१२३	(तालपर्णी) तालीसपत्र, मुरेठी
१०३	१२१	(तालमूलिका) मूसरि
१५९	१४०	(तालवृन्तक) वेना, पंखा
५	२४	(तालांक) बलदेव
११४	१७०	(ताली) आमला, ताड़ का वृक्ष
१४७	९१	(तालु) तारू
२४४	२४५	(तावत्) सब, अवधि, प्रमान, निश्चय
३३	९	(तिक्त) तीत, कर्छ
१११	१५५	(तिक्तक) परवर
८२	२५	(तिक्तशाक) वारुण, बरना
२४	३५	(तिग्म) बड़ा गरम
२०९	२६	(तितउ) चलनी
४७	२४	(तितिक्षा) सहना
२४९	३१	(तितिक्षु)सहनेवाला, गमखोर
१२२	३६	(तित्तिरि) तित्तिर
२४	१	(तिथि) तिथि
८२	२६	(तिनिश) तिनिस, तेंदुआ
८६	४३	(तिन्तिड़ी) अमिली
२१२	३५	(तिन्तिड़ीक) चूक
८५	३८	(तिन्दुक) तेंदुआ
८५	३८	(तिन्दुकी) तिंदुआ,
५८	१९	(तिमि) बड़ीभारी मछली
५९	२०	(तिमिंगिल)तिमिको खाजानेवाली मछली
२६८	१०५	(तिमित) बोदा,गीला
५१	३	(तिमिर) अन्धेरा
२४६	२५५	(तिरस्) अन्तर्द्धान, तिरछा
१५४	१९०	(तिरस्करिणी)कनात
४६	२२	(तिरस्क्रिया) अनादर,
८४	३३	(तिरीट)लोध,लपेटना, शिरका भूषण
१९	१३	(तिरोधान) झांपना
२०१	१११	(तिरोहित)छिपाहुआ
२५०	३४	(तिर्य्यच्) तिरछाजानेवाला
२०८	१६	(तिल) तिल
८५	४०	(तिलक)तिलकवृक्ष, तिल, पेट में स्थित जलकी जगह,ललाट में चन्दनादिसे किया तिलक, काला नमक
१३७	४६	(तिलकालक) तिला देहका
१५७	१३३	(तिलपर्णी) लालचन्दन, देवीचन्दन
२०८	१९	(तिलपिञ्ज) निष्फल, तिल

पृष्ठ	श्लोक
२०८	११ (तिलपेज) निष्फल तिल
५१	५ (तिलित्स) सांपविशेष
२०४	७ (तिल्य) तिलबोनेवाला खेत
८४	३३ (तिल्व) लोध
२१	२२ (तिष्य) पुष्यनक्षत्र, कलियुग
८९	५७ (तिष्यफला) आँवरा
२४	३५ (तीक्ष्ण) बड़ागरम, लोहा, विष, युद्ध, तेज
८३	३१ (तीक्ष्णगंधक) सहिंजन
५५	७ (तीर) किनारा
३०४	८६ (तीर्थ) पौशाला, बौद्धरहित शास्त्र, ऋषियों से सेवित जल, पढ़ानेवाला गुरू, काशीआदि तीर्थ
१५	६८ (तीव्र) अतिशय
५४	३ (तीव्रवेदना) अतिपीड़ा
३४३	२४१ (तु) भेद, निश्चय, पादपूरण
८२	२५ (तुंग) नागकेसर, ऊंचा
१०७	१३९ (तुंगी) चवई
२५६	५६ (तुच्छ) खाली
१४६	८९ (तुण्ड) मुख
१०२	११६ (तुण्डिकेरी) कुँदुरू, कपास
२२७	१०१ (तुत्थ) रसौंत

पृष्ठ	श्लोक
९७	६५ (तुत्था) गुजरातीइलायची, नील
२२७	१०१ (तुत्थाञ्जन) तूतिया
१४४	७७ (तुन्द) पेट
२३४	१९ (तुन्दपरिमृज) आलसी
१३६	४४ (तुन्दिक) बड़ेपेटवाला, तोंदारा
१३६	४४ (तुन्दित) बड़े पेटवाला तोंदारा
१३६	४४ (तुन्दिन्) बड़े पेटवाला, तोंदारा
१३६	४४ (तुन्दिल) बड़ेपेटवाला तोंदारा
१०५	१२७ (तुन्न) तुनि
२३१	६ (तुन्नवाय) दरजी
१०५	१३१ (तुवरिका) अरहरी
२००	१०६ (तुमुल) परस्पर बाधा होनेवाला, युद्ध
१११	१५६ (तुम्बी) लौकी
१८५	४३ (तुरग) घोड़ा
१८५	४३ (तुरंग) घोड़ा
१८५	४३ (तुरंगम) घोड़ा
१६	७२ (तुरंगवदन) किन्नर
२७०	२ (तुरायण) आसंगवचन
१०	४५ (तुरासाह) इन्द्र
१५६	१२८ (तुरुष्क) लोबान
२२४	८७ (तुला) १०० पल
१५२	१०६ (तुलाकोटि) बिछिया
२३८	३७ (तुल्य) बराबर, सदृश

पृष्ठ	श्लोक	
२१६	५५	(तुल्यपान) साथपीना
३३	६	(तुवर) कषाय रस
८६	५८	(तुष) वहेड़ा, भूसी
२०	१८	(तुषार) पाला
२	१०	(तुषित) देवताविशेष
२०	१८	(तुहिन) पाला
१९६	८८	(तूण) तरकस
१९६	८९	(तूणी) तरकस
१९६	८८	(तूणीर) तरकस
८५	४१	(तूद) तूत का वृक्ष
१४	६६	(तूर्ण) जल्दी, शीघ्र
८५	४२	(तूल) रुई, सहतूत
२३७	३३	(तूलिका) सलाई
१२४	१६४	(तूवर) जवानी में भी मोछ दाढ़ी जिसके न निकली हो वह पुरुष, सींग होनेके समय जिस बैलके सींग न निकलीहों वह बैल
२५१	३९	(तूष्णीक) चुप रहने वाला
३४८	९	(तूष्णीकम्) चुपरहना
३४८	९	(तूष्णीम्) चुप रहना
२५१	३६	(तूष्णींशील) चुप रहने वाला
११३	१६५	(तृण) गाँड़र आदि खर
११४	१६९	(तृणद्रुम) तार, नारिकेर, सुपारी, हिन्ताल, खजूर, केतकी, नारी

पृष्ठ	श्लोक	
११२	१६०	(तृणध्वज) बाँस
११४	१६८	(तृणराज) तारवृक्ष
६१	६९	(तृणशून्य) बेला
११४	१६८	(तृण्या) खरका समूह
२०५	९	(तृतीयकृत) तीन बाह जोता खेत
१८४	३९	(तृतीयाप्रकृति) हिजरा
२६७	१०३	(तृप्त) हर्षित, खुशी
२१७	५६	(तृप्ति) अघाना
४८	२७	(तृष्) पियास, इच्छा
२४७	२२	(तृष्णज्) लोभी
२९५	४१	(तृष्णा) पियास, इच्छा
११२	१६१	(तेजन) बाँस
११२	१६२	(तेजनक) शरपत
९५	८३	(तेजनी) धनुष बनाने की बोंड़ी, चिन्ता
१४०	६२	(तेजस्) काम, वीर्य्य, प्रभाव, कान्ति, बल
२६४	९१	(तेजित) तेज किया हुआ
२७८	२९	(तेम) बोदा करना
२१४	४४	(तेमन) कढ़ी
२३७	३३	(तैजसावर्तिनी) धातु गलाने की घरिआ
१२४	४४	(तैत्तिर) तित्तिरों का समूह
१५७	१३२	(तैलपर्णिक) चन्दन-विशेष
१२०	१२७	(तैलपायिका) गोवर

पृष्ठ श्लोक

२०४ ७ (तैलीन) तिलबोनेका खेत
२७ १५ (तैष) पूसमास
१३१ २८ (तोक) बालक
११८ १८ (तोकक) चातक
२०७ १६ (तोक्म) हरायव
३६२ ३० (तोटक) छन्दविशेष
१८४ ४१ (तोत्र) कोड़ाकादण्डा, पैना,चाबुक
२०६ १२ (तोदन) पैना, चाबुक
१९७ ९३ (तोमर) गुर्ज, गदा
५५ ५ (तोय) पानी
१०१ १११ (तोयपिप्पली) जल-पीपरि
७३ १६ (तोरण) बाहिरी दर-वाज़ा
४४ १० (तौर्यत्रिक) नाचगान बाजा इन ३ कानाम
२६८ १०७ (त्यक्त) त्यागा
१६७ ३१ (त्याग) दान
४७ २३ (त्रपा) लज्जा
२२८ १०५ (त्रपु) रांगा
३५ ३ (त्रयी) ऋक् साम यजुर्वेद, वेद
२६० ७४ (त्रस) चलने वाला
२७६ २४ (त्रसर) कोरी का पाई पसारना,सूत लपेटना
२४८ २६ (त्रस्नु) डरनेवाला
२६८ १०६ (त्राण) रखाना,रखाया हुआ
२६८ १०६ (त्रात) रखायाहुआ
११० १५० (त्रायन्ती) चिरायता का फल
११० १५० (त्रायमाणा)चिरायता का, फल
२३६ २६ (त्रायुष)रांगाकी चीज
४६ २१ (त्रास) भय, डर
१४४ ७६ (त्रिक) रीर के नीचे तीन हाड़ोंसे बनाहुआ स्थान
७५ २ (त्रिककुत्)त्रिकूटपर्वत
२२९ १११ (त्रिकटु) सोंठि पीपरि मिर्च इनसब का मिलान
६० २७ (त्रिका) गड़ारी
७५ २ (त्रिकूट) त्रिकूट पर्वत
३६७ ४१ (त्रिखट्ट) तीनखाटोंका समूह
३६७ ४१ (त्रिखट्टी) तीनखाटों का समूह
२०५ ९ (त्रिगुणाकृत) तीनबार जोता खेत
३६७ ४१ (त्रितक्ष) तीनबढ़इयों का समूह
३६७ ४१ (त्रितक्षी) तीनबढ़इयों का समूह
२ ७ (त्रिदश) देवता
१ ६ (त्रिदशालय) स्वर्ग

पृष्ठ	श्लोक	
१	६	(त्रिदिव) स्वर्ग
२	७	(त्रिदिवेश) देवता
६१	३१	(त्रिपथगा) गंगानदी
१००	१०८	(त्रिपुटा)श्वेत त्रिधारा, गुजराती इलायची
७	३४	(त्रिपुरान्तक) शिव
२२९	१११	(त्रिफला) ऑवरा, हर्र, वहेरा
१	६	(त्रिविष्टप) स्वर्ग
१००	१०८	(त्रिभण्डी) श्वेतत्रिधारा
२५	४	(त्रियामा) रात
७	३३	(त्रिलोचन) शिव
१७४	६१	(त्रिवर्ग) धर्म्म अर्थ काम,नीतिज्ञ लोगों के कृपी आदि अष्टवर्ग की हानि वृद्धि समता
४	२०	(त्रिविक्रम) विष्णु
१००	१०८	(त्रिवृत्) श्वेतत्रिधारा
१००	१०८	(त्रिवृता) श्वेतत्रिधारा
२५	३	(त्रिसंध्य) दिनके तीन भाग
२०५	९	(त्रिसीत्य) तीनवाह जोता खेत
६१	३१	(त्रिस्रोतस्) गंगानदी
२०५	९	(त्रिहल्य) तीनवाह जोता खेत
२१९	६८	(त्रिहायनी) तीनवर्ष की गौ
१०४	१२५	(त्रुटि) गुजराती इलायची, सूक्ष्म, वारीक अक्षर का रहिजाना, थोड़ा, संशय, कालविशेष
१६४	२२	(त्रेता) दक्षिणाग्नि गार्हपत्य आहवनीय इन तीनों का समूह, दूसरा युग
१२३	३७	(त्रोटि) चोंच
७	३४	(त्र्यम्बक) शिव
१५	६९	(त्र्यम्बकसख) कुबेर
२२९	१११	(त्र्यूषण) सोंठि पीपरि मिर्च इन तीनों का मिलान
२२९	१०९	(त्वक्क्षीरी) वंशलोचन
१०६	१३१	(त्वक्पत्र) तज
११२	१६०	(त्वक्सार) बांस
१४०	६२	(त्वच्) बकला,छाल
१०६	१३४	(त्वच) तज
११२	१६०	(त्वचिसार) बांस
२७७	२६	(त्वरा) वेग,जल्द
१४	६५	(त्वरित) जल्दबाज,शीघ्र
४०	२०	(त्वरितोदित) शीघ्र उच्चारण कियाहुआ
२६६	६६	(त्वष्ट)छोलाहुआ,पतला कियाहुआ
२३२	६	(त्वष्टृ) बढ़ई,विश्वकर्मा, सूर्य

पृष्ठ	श्लोक
२४	३४ (त्विष्) कान्ति,शोभा
२३	३० (त्विषांपति) सूर्य्य
१९६	९० (त्सरु)तलवारकाकब्जा
	(द)
१२१	२८ (दंश)वनकीमाछी,डांस
१६०	६४ (दंशन)कॅवॅच, बखतर
१९०	६५ (दंशित) कॅवॅच पहिरे या मन्त्रादि से रक्षित
१२१	५८ (दंशी) मसा
११५	३ (दंष्ट्रिन्) सुअर
२३४	१९ (दक्ष) चतुर
२६३	८ (दक्षिण) दहिना, सीधे स्वभाववाला, उदार, दिशा
१८९	६० (दक्षिणस्थ) सारथी, सारथी के वंशवाले
१६४	२१ (दक्षिणाग्नि) यज्ञकी अग्नि
२४३	५ (दक्षिणार्ह)दक्षिणापाने के योग्य
२४३	५ (दक्षिणीय) दक्षिणा पाने के योग्य
२३५	२४ (दक्षिणेर्मन्) जिसमृग के दहिने अंगमें व्याध ने बाणमाराहो
२४३	५ (दाक्षिण्य) दक्षिणा पाने के योग्य
२६६	६६ (दग्ध) जराहुआ
२१५	४९ (दग्धिका) जराहुआ

पृष्ठ	श्लोक
	भात
२३	३१ (दण्ड) सूर्य्य के पास रहनेवाला ग्रहविशेष, ताड़न, लाठी, खैलरि, सजादेना, एकाएकी सैन्यका पड़ जाना
१३	६० (दण्डधर) यमराज
३६	५ (दण्डनीति)नीति शास्त्र
२२१	७४ (दण्डविष्कंभ) खंभा, जिस में खैलर बाँधी जातीहो
२१६	५३ (दण्डाहत) माठा
१०६	१४७ (दद्रुघ्न) चकवॅड़
१३९	५६ (दद्रुण) दादरोगवाला
१३९	५९ (दद्रुरोगिन्) दादरोग वाला
८१	२१ (दधित्थ) कैथा
८१	२१ (दधिफल) कैथा
२१५	४८ (दधिसक्तु) दही से सानासत्तू
३	१२ (दनुज) असुर, दैत्य
१४७	६१ (दन्त) दांत
८७	४९ (दन्तधावन) खयर
१८४	४० (दन्तभाग) हाथियों का अगिला भाग
८१	२१ (दन्तशठ) कैथा, जँभीरी नींबू
१०७	१५० (दन्तशठा) अँमलोनियाँ

पृष्ठ	श्लोक	
१८२	३४	(दन्तावल) हाथी
१०८	१४४	(दन्तिका) दँतिआ
१८२	३४	(दन्तिन्) हाथी
५२	८	(दन्दशूक) सर्प्प,सांप
२५७	६१	(दभ्र) मिहीं, पतला
२७०	३	(दम) दण्ड, इन्द्रियों का निग्रह
२७०	३	(दमथ) इन्द्रियों का निग्रह
२६५	६७	(दमित) इन्द्रियजित
१३	५७	(दमुनस्) आगि
१३४	३८	(दम्पती) स्त्री पुरुष
४८	३०	(दम्भ) कपट
११	४८	(दम्भोलि) इन्द्रकावज्र.
२१८	६२	(दम्य) जवान बछड़ा
४५	१८	(दया) करुणारस,कृपा.
२४५	१५	(दयालु) दयावान्
२५५	५३	(दयित) प्यारा,प्रिय
४६	२१	(दर) भय, डर,गड़हा
३५५	९	(दरत्) म्लेच्छजाति
२५४	४६	(दरिद्र) दरिद्री,गरीब
७६	६	(दरी) कन्दरा
६०	२४	(दर्दुर) मेढ़क
५	२५	(दर्पक) कामदेव
१५९	१४०	(दर्प्पण) सीसा
११३	१६६	(दर्भ) कुश
२११	३४	(दर्वि) कर्छुलि
५२	८	(दर्वीकर) सर्प्प, साँप,
२६	८	(दर्श) अमावास्या, अमावास्या के दिन का यज्ञ,पूजन
१७६	६	(दर्शक) द्वारपाल, ड्योढीदार
२७८	३१	(दर्शन) देखना
८०	१४	(दल) पत्ता
३३४	२०५	(दव) वन
२५९	६६	(दविष्ठ) अतिदूर, बहुत दूर
२५८	६९	(दवीयस्) अतिदूर, बहुत दूर
१४७	९१	(दशन) दाँत
१४७	९०	(दशनवासस्) ओठ
३	१४	(दशवल) बौद्ध
१३५	४३	(दशमिन्) अति बूढ़ा पुरुष
३०४	८७	(दशमीस्थ) क्षीणराग, रसरहित, अति वृद्ध
१५३	११४	(दशा) कपड़ाका छीरा, अवस्था।
२७७	११	(दस्यु) चोर, शत्रु
११	५२	(दस्र) स्वर्गवैद्य
१२	५६	(दहन) आगि
२१	२१	(दाक्षायिणी) अश्विनी आदि तारा
११९	२२	(दाक्षाय्य) गिद्ध
९०	६४	(दाडिम) अनार
८७	४९	(दाडिमपुष्पक) गुलानार

पृष्ठ	श्लोक
२५३	६ (दाण्डपाता) क्रिया-विशेष
२६७	१०३ (दात) काटाहुआ
११९	२२ (दात्यूह) कालाकौआ
२०६	१३ (दात्र) हँसिआ
१६७	३१ (दान) दान,हाथी का मद, चौथा उपाय
३	१३ (दानव) असुर, दैत्य
२	९ (दानवारि) देवता
२४३	६ (दानशौण्ड) बहुतदानी
१७०	४६ (दान्त) तपस्याका क्लेश सहने वाला, इन्द्रिय-जित
२७०	३ (दान्ति) इन्द्रियनिग्रह
२५१	४० (दापित) रुपया देकर साधाहुआ मनुष्य
२२१	७३ (दाम) ग्यराँव, रस्सी
२२१	७३ (दामनी) ज्वरायल, डोरी
४	१८ (दामोदर) विष्णु
२८५	१७ (दाम्भिक) मायावी, छली
३०४	८८ (दायाद) पुत्र, भाई आदि
१२६	६ (दार) व्याही स्त्री
२८६	५ (दारक) वालक,भेदकर
५२	११ (दारद) विपविशेष
२६६	१०० (दारित) फाराहुआ
७९	१३ (दारु) देवदारु, काठ
४६	२ (दारुण) भयानक रस
९९	१०२ (दारुहरिद्रा) दारुहलदी
२११	३४ (दारुहस्तक) कर्छुलि विशेष
११८	१८ (दार्व्वाघाट) कठफोर वा पक्षी
१०३	११९ (दार्विका) गोभी
९९	१०२ (दार्व्वी) दारुहलदी
३३४	२०५ (दाव) वनकी आगि
६२	३६ (दाविक) देविका नदी में उत्पन्न
५७	१५ (दाश) मल्लाह
१०५	१३१ (दाशपुर) मोथा
२३४	१७ (दास) टहलू
६३	७४ (दासी) कालेफूलका पियाबासा
३६१	२७ (दासीसभ) दासियों की सभा
२३४	१७ (दासेय) टहलू
२३४	१७ (दासेर) टहलू
२५१	३६ (दिगम्बर) नंगा
१६६	८८ (दिग्ध) चन्दनादि लिप्त, जहरीला वाण
२६७	१०३ (दित) काटाहुआ
३	१२ (दितिसुत) दैत्य
१३०	२३ (दिधिषु) उढ़री स्त्रीका पति
१३०	२३ (दिधिषू) उढ़री स्त्री
२४	२ (दिन) दिन

पृष्ठ	श्लोक
१२५	३ (दिनान्त) सांझ
१६	१ (दिव) आकाश,स्वर्ग
२४	२ (दिवस) दिन
६	४३ (दिवस्पति) इन्द्र
३४८	६ (दिवा) दिन
२२	२८ (दिवाकर) सूर्य्य
२३२	१० (दिवाकीर्ति) चाण्डाल
११८	१६ (दिवान्ध) उल्लूपची
११८	१६ (दिवाभीत) उल्लू
२	८ (दिविषद) देवता
२	७ (दिवौकस्) देवता, चातकपची
२५४	५० (दिव्योपपादुक) देवता
१६	१ (दिश्) दिशा
१७	२ (दिश्य) दिशामें उत्पन्न हुआ
२४	१ (दिष्ट) समय, भाग्य
२०२	११६ (दिष्टान्त) मौत, मृत्यु
३४९	१० (दिष्ट्या) आनन्द, कल्याण
१६१	१० (दीक्षित) सोमवान् यज्ञका यजमान
२१५	४८ (दीदिवि) भात
२३	३२ (दीधिति) किरण
२५४	४९ (दीन) गरीब, दरिद्र
२८४	१४ (दीनार) मोहर,अशरफी
१५९	१३६ (दीप) चिराग, दीवा
२८२	११ (दीपक) जवाइनि, प्रकाश, मोरकी चोटी

पृष्ठ	श्लोक
२४	३४ (दीप्ति) कान्ति
१०१	१११ (दीप्य) मोरशिखा
२५६	६९ (दीर्घ) लम्बा
६०	२५ (दीर्घकोशिका) झिनवाँ मछली
१६०	६ (दीर्घदर्शिन्) पण्डित
५२	८ (दीर्घपृष्ठ) साँप, सर्प
८९	५७ (दीर्घवृन्त) सरिवन
२४५	१७ (दीर्घसूत्र) देरसे कार्य्य करनेवाला,बहुत सुस्त
६१	२८ (दीर्घिका) बावली
५४	३ (दुःख) पीड़ा, तकलीफ
१०१	११४ (दुःप्रधर्षिणी) वनभांटा, बैंगन
३५०	१४ (दुःषम) निन्द्यवस्तु
९६	९१ (दुःस्पर्श) जवासा
९७	६४ (दुःस्पर्शा) भटकटैया
१५२	११३ (दुकूल) रेशमी कपड़ा
२१५	५१ (दुग्ध) दूध
९८	१०८ (दुग्धिका) दूधिया
१०६	१४८ (दुद्रुम) हराप्याज
४३	६ (दुन्दुभि) नगारा, तुरही, जुआ
६९	१७ (दुरध्व) खराब रास्ता
९७	६२ (दुरालभा) जवासा
२९	२३ (दुरित) पाप
३२५	१७१ (दुरोदर) जुआरी, बाजी, जुआ
	(दुर्ग) कोट

पृष्ठ	श्लोक
	तर्पण अंगुलियों के आगे किया जाताहै
१७८	१४ (दैवज्ञ) ज्योतिषी
१३०	२० (दैवज्ञा) शुभाशुभ जाननेवाली
२	९ (दैवत) देवतासमूह, देवताओं की वस्तु
६७	९५ (दोला) नील, डोली वा हिंडोला
१६०	५ (दोषज्ञ) पण्डित,वैद्य
३४८	६ (दोषा) रात
२५३	४६ (दोषैकदृश्) केवल दोष देखनेवाला
१४४	८० (दोस्) बाँह, भुजा
४७	२७ (दोहद) इच्छा
१३०	२१ (दोहदवती)गर्भवती, गाभिनि
२०	१७ (द्युति) शोभा,दीप्ति
२३	३० (द्युमणि) सूर्य
२२५	६० (द्युम्न) धन
२४०	४५ (द्यूत) जुआ
२४०	४४ (द्यूतकारक) जुआ खेलानेवाला
२४०	४४ (द्यूतकृत) जुआ खेलनेवाला
१	६ (द्यो) स्वर्ग, आकाश
२४	३४ (द्योत) प्रकाश, घाम
२१५	५१ (द्रप्स) पतला दही
४९	३२ (द्रव) खेल,भागजाना

पृष्ठ	श्लोक
९५	८७ (द्रवंती) मूसाकर्णी
१९९	१०१ (द्रविण) सामर्थ्य, बल, धन, सोना, सुवर्ण
२२५	६० (द्रव्य) धन, सत्व,जीव, गुणाश्रय पृथ्वीआदि, नक्षत्र, अग्नि
३४७	२ (द्राक्) जल्दी
१००	१०७ (द्राक्षा) दाख
२६९	११२ (द्राघिष्ठ)अतिशयलंबा
१०६	१३५ (द्राविडक) कचूर
७८	५ (द्रु) वृक्ष
८८	५३ (द्रुकिलिम) देवदारु
१९६	९१ (द्रुघन) मुग्दर
३५५	६ (द्रुणी) कछुही
१४	६५ (द्रुत) शीघ्र, जल्दी, पिघलाहुआ, रसीला
७८	५ (द्रुम) वृक्ष
१५५	१२६ (द्रुमामय) लाही, मेहावर
८९	६० (द्रुमोत्पल) कठचम्पा
२२४	८५ (द्रुवय) तौल, नाप
४	१७ (द्रुहिण) ब्रह्मा
११८	१५ (द्रोण) पीव्रू, द्रोणाचार्य्य,परिमाणविशेष, ३२ सेरको द्रोण कहते हैं
११६	२२ (द्रोणकाक)डोमकौआ
२२०	७२ (द्रोणक्षीरा) दशसेरदूध देनेवाली गौ

पृष्ठ	श्लोक
२२०	७२ (द्रोणदुघा) दशसेर दूध देनेवाली
५६	११ (द्रोणी) डोंगी नाव, नील
२०५	१० (द्रौणिक) दशशेर बिया परनेवाला खेत
३२	४ (द्रोहचिन्तन) शत्रुता का विचार
१२३	३६ (द्वन्द्व) जोड़ा, झगरा
१७१	४८ (द्वयातिग) दुःख सुखादिसेरहित,व्यासादिमुनि
१४६	८४ (द्वादशांगुल) बीता
२२	२८ (द्वादशात्मन्) सूर्य्य
३१	३ (द्वापर) सन्देह, तीसरायुग
७३	१६ (द्वार्) दरवाजा
७३	१६ (द्वार) दरवाजा
१७६	६ (द्वारपाल) दरवाजेकी रचा करनेवाला
१७६	६ (द्वास्थ) दरवाजे पर स्थित रहने वाला, ड्योढ़ीदार
१७६	६ (द्वास्थित) दरवाजेपर स्थित रहनेवाला,ड्योढ़ीदार
२०५	९ (द्विगुणाकृत) दो वाह जोताखेत
१२२	३३ (द्विज) पची, दांत, ब्राह्मण, चत्रिय, वैश्य
१९	१५ (द्विजराज) चन्द्रमा
१०३	१२० (द्विजा) गगनधूरि
१६०	४ (द्विजाति) ब्राह्मण
३१५	१३३ (द्विजिह्व) सांप, चुगुल
१२६	५ (द्वितीया) दूसरी
१८२	३४ (द्विप) हाथी
१८१	२७ (द्विपाद्य) दूना दण्ड, दूनी सजा
१८२	३४ (द्विरद) हाथी
१२१	३० (द्विरेफ) भँवरा
२१६	६८ (द्विवर्षा) दोबरसकी बछिया
१७७	१० (द्विष्) शत्रु
१७७	१० (द्विषत्) शत्रु
२१६	६८ (द्विहायनी) दो वरस की बछिया
५६	८ (द्वीप) रेता, टापू
६१	३० (द्वीपवती) नदी
११५	२ (द्वीपिन्) बाघ
१७७	१० (द्वेषण) शत्रु
१५३	४५ (द्वेष्य) वैर करनेकेयोग्य
१७९	१८ (द्वैध) बलवान् शत्रु से मिलजाना, निर्बल शत्रुको मारना
१८७	५३ (द्वैप) बाघके चमड़ा से मढ़ा हुआ
१६६	४५ (द्वैपायन) व्यासमुनि
९	३६ (द्वैमातुर) गणेश

पृष्ठ	श्लोक
२२६	९७ (द्वष्ट) ताँबा
	(ध)
३५७	१७ (धट) तुलाराशि,तराजू
९३	७७ (धत्तूर) धतूर
२२५	९० (धन) धन, दौलत
१२	५४ (धनंजय) आगि
१५	६६ (धनद) कुबेर
१०५	१२८ (धनहरी) धनहरी
१५	६९ (धनाधिप) कुबेर
२४४	१० (धनिन्) धनवान्
२१	२२ (धनिष्ठा) धनिष्ठा नक्षत्र
१६१	६९ (धनुर्धर) धनुषधारी
	(धनुर्मध्य) धनुष का बीच
८४	३५ (धनुष्पट) चिरौंजी
१९१	६९ (धनुष्मन्) धनुषधारी
१६४	८३ (धनुस्) धनुष
२४२	३ (धन्य) पुण्यवान्, भाग्यवान्, किस्मतवर
६६	६ (धन्वन्) मरुस्थल, धनुष
९६	९१ (धन्वयास) जवासा
१९१	६९ (धन्विन्) धनुष
११२	१६२ (धमन) नरकुल
१४१	६५ (धमनि) नाड़ी
१०५	१३० (धमनी) पवारी
१४८	९७ (धम्मिल्ल) गाँधेहुयेबाल, जूरा

पृष्ठ	श्लोक
७४	१ (धरा) पर्वत
६५	२ (धरणि) पृथ्वी
६५	२ (धरा) पृथ्वी
६५	२ (धरित्री) पृथ्वी
२९	२४ (धर्म्म) पुण्य, धर्म्मराज, न्याय, स्वभाव, आचार,सोमपीनेवाला
४८	२८ (धर्म्मचिन्ता) धर्म्मका विचार
१७३	५७ (धर्म्मध्वजिन्) पाखंडी, बहुरूपियाब्राह्मण
२१२	३६ (धर्म्मपत्तन) मिर्च
३	१३ (धर्म्मराज)बौद्ध,धर्म्मराज,युधिष्ठिर
३६	६ (धर्म्मसंहिता) स्मृति, धर्म्मशास्त्र
१२७	१० (धर्षिणी) छिनारि
१३२	३५ (धव) पति, खयरवृक्ष, मनुष्य
३४	१३ (धवल) उजलारंग
२१६	६७ (धवला)उजली गौ
१६५	२५ (धवित्र)हरिणके चमड़े का पंखा, बेना
१०४	१२४ (धातकी) धवई, पर्वत से जो पैदाहो
७६	८ (धातु) मैनशिलादि, कफादि, रस, रक्तादि, पृथिव्यादि, गन्धादि गुण, इन्द्रिय,भू आदि

पृष्ठ	श्लोक	शब्द
१०४	१२४	(धातुपुष्पिका) धवई
४	१७	(धातृ) ब्रह्मा
६५	४	(धात्री) दूध पिलाने वाली, पृथ्वी, आँवरा
२१४	४७	(धाना) बहुरी, गुड़धनियां
१६१	६६	(धानुष्क) धनुषधारी
२०८	२१	(धान्य) यव धान आदि सब धान्य
२१२	३८	(धान्याक) धनियाँ
२१२	३६	(धान्याम्ल) काँजी
३१३	१२३	(धामन) घर, देह, कान्ति, प्रभाव
१०२	११७	(धामार्गव) लटचिचिरा, उजरे फूल वाली तोरई
१६५	२४	(धाय्या) आगि जलाने का मन्त्र
१८०	२६	(धारणा) मर्यादा
१८६	४९	(धारा) घोड़ों की आस्कन्दित आदि पांच प्रकार की चाल
१८	७	(धाराधर) बादर, मेघ
१९	११	(धारासम्पात) मेघ से निरंतर जलगिरना
१२०	२५	(धार्तराष्ट्र) कालीचोंच व काले पैरवाले हंस
९७	९३	(धावनी) पिथवनि
३४३	२३९	(धिक्) धिक्कार, निन्दा
२५१	३९	(धिक्कृत) धिक्कारा हुआ, निन्दित
२१	२४	(धिषण) बृहस्पति
३१	१	(धिषणा) बुद्धि
३२१	१५४	(धिष्ण्य) स्थान, घर, नक्षत्र, आगि
३१	१	(धी) बुद्धि, समझ
३२	८	(धीन्द्रिय) ज्ञानेन्द्रिय, मन, कर्ण, नेत्र इत्यादि
१६०	६	(धीमत्) पण्डित, बुद्धिवाला
१२८	१२	(धीमती) अति बुद्धिवाली स्त्री
१५५	१२५	(धीर) कुंकुम, पण्डित
५८	१५	(धीवर) मलाह
२७६	२५	(धीशक्ति) सेवाआदि आठप्रकार की बुद्धि, सम्पदा
१७५	४	(धीसचिव) मन्त्री, सलाही
२६३	८७	(धुत) काँपताहुआ
६१	३०	(धुनी) नदी
१८८	५५	(धुर्) गाड़ी आदिकी धुरी, भारा
२१८	६५	(धुरन्धर) भारकस, बली, गाड़ीका बैल
२१९	६५	(धुरीण) भारकस, बली, गाड़ीका बैल

पृष्ठ	श्लोक
२१९	६५ (धुर्य्य) भारकस.बली, गाड़ीका बैल
२६८	१०७ (धूत) काँपाहुआ,त्यागाहुआ
२६७	१०२ (धूपायित)सन्तापित, तपायाहुआ
२६७	१०२ (धूपित)सन्तापित,तपायाहुआ
२६७	५८ (धूमकेतु) आगि, धूममयी उत्पाती तारा
१८.	७ (धूमयोनि) बादल
३४	१६ (धूमल) धूमिल
२८१	४३ (धूम्या)धुँआँकासमूह
११८	१७ (धूम्याट)भुजकैलपर्चा, भुजैटा
३४	१६ (धूम्र) धूमिल
७	३३ (धूर्जटिन्) शिव
६३	७७ (धूर्त) धतूर, जुआरी, छली, दगाबाज
२१६	६५ (धूर्वह) गाड़ीका बैल
१६८	६८ (धूलि) धूरि
३४	१३ (धूसर) कुछपीलारंग
३०१	७४ (धृति) धारणा, धैर्य्य
२४८	२५ (धृष्ट) ढीठ
२४८	२५ (धृष्णज्) ढीठ
२२०	७१ (धेनु) जल्दीकी ब्यानी गौ
१८३	३६ (धेनुका) हथिनी,नई ब्याई गौ

पृष्ठ	श्लोक
२२०	७२ (धेनुष्या)गिरौंधरीगौ, रिहनकीगई गौ
२१८	६० (धेनुक) धेनुओं का समूह
४१	१ (धैवत) स्वरविशेष, घोड़ेकी आवाज
१८८	५८ (धोरण) सवारी
१५२	११३ (धौतकौशेय) धोया रेशमी वस्त्र
१८६	४८ (धौरितक) घोड़े की पोई चाल
२१९	६५ (धौरेय)बली, भारकस, धुरिहाबैल, गाड़ी लेचलनेवाला बैल
११३	१६६ (ध्याम) रोहिसखर
२०	२० (ध्रुव)उत्तानपादराजा का पुत्र,डार पत्ताहीन वृच्च,सदा रहनेवाला, ताराविशेष,निश्चित, ईश, महादेव, विष्णु, बरगद
१०२	११५ (ध्रुवा) सरिवन,वटपत्र के समान यज्ञपात्र विशेष, एकप्रकार का ध्रुवा
१९९	६६ (ध्वज) झण्डा
१६३	७८ (ध्वजिनी) फौज
४०	२२ (ध्वनि)शब्द
२६५	६४ (ध्वनित)बाजताहुआ

पृष्ठ श्लोक

शब्दकरता हुआ
२६७ १०४ (ध्वस्त) चुआ, गिरा
११९ २१ (ध्वांक्ष) कौवा, बगुला, पक्षी
४० २२ (ध्वान) शब्द
५० ३ (ध्वान्त) बड़ा अन्धेरा

(न)

३४६ ११ (न) निषेध
१०२ ११५ (नकुलेष्टा) रासनि
१५३ ११५ (नक्तक) फटाकपड़ा
३४८ ६ (नक्तम्) रात
८७ ४७ (नक्तमाल) कंजा
५६ २१ (नक्र) जलमें रहनेवाला नाक
२१ २१ (नक्षत्र) नक्षत्र
१५१ १०६ (नक्षत्रमाला) २७ मोतियों की एक लाख की माला
१९ १५ (नक्षत्रेश) चन्द्रमा
१०५ १३० (नख) नह, ककूदनि
१४५ ८३ (नखर) नह
२८७ १६ (नग) वृक्ष, पर्वत
७० २ (नगर) शहर, ग्राम
६६ १ (नगरी) नगर, शहर
१२२ ३४ (नगौकस्) पक्षी
२५१ ३६ (नग्न) नंगा
२४० ४२ (नग्नहू) दारूकाबीज, मतवाला, नंगे होकर पुकारना
१२६ ८ (नग्निका) कुमारी कन्या, नंगी स्त्री
८६ ५६ (नट) सखिन, नट
४४ १० (नटन) नाचना
१०५ १२९ (नटी) पसारी
११२ १६२ (नड) नरकुल, नरई, गड़हा
११४ १६८ (नडसंहति) नरकुल या नरई का समूह
११४ १६८ (नड्या) नरकुल या नरई का समूह
६७ १० (नड्वत्) बहुतनरकुल होनेवाला देश
६७ १० (नड्वल) बहुत नरकुल होनेवाला देश
२५९ ७१ (नत) टेढ़ा, नम्र
१३६ ४५ (नतनासिक) नकचपटा
२५१ १८ (नति) नमस्कार
६१ २९ (नदी) नदी
६८ १३ (नदीमातृक) जिसमें नदी के जल से अन्नादि हो वह देश
८६ ४५ (नदीसर्ज) अर्जुनवृक्ष, बरेत
२३७ ३१ (नध्री) चमड़ेकीरस्सी
१३२ २६ (ननांद) पतिकी बहिन, ननद
३४४ २४७ (ननु) विरोधवचन

पृष्ठ	श्लोक	
		के कहने में, पूँछना, निश्चय, आज्ञा, समुझाना, सम्बोधन
६	२९	(नन्दक) विष्णु की तलवार
१०	४६	(नन्दन) इन्द्रकावन
१०५	१२८	(नन्दिवृक्ष) तुनि का वृक्ष
७२	१०	(नन्द्यावर्त) बँगलानुमा मकान
१३४	३९	(नपुंसक) हिजरा
१३२	२९	(नप्त्री) पुत्रकीलड़की
१६	१	(नभस्) आकाश, सावन
१२२	३५	(नभसंगम) पक्षी, चिड़िया
२८	१७	(नभस्य) भादवमास
१४	६४	(नभस्वत्) वायु, हवा
३५०	१८	(नमस्) नमस्कार
२६७	१०२	(नमसित) पूजित
१०६	१४१	(नमस्कारी) लजालू
१६८	३७	(नमस्या) पूजा, खातिर
२६७	१०२	(नमस्यित) पूजित
१०	४४	(नमुचिसूदन) इन्द्र
२७२	६	(नय) नीति
१२७	६३	(नयन) आंख
१२५	१	(नर) मनुष्य, आदमी
५३	१	(नरक) नरक
१५	७०	(नरवाहन) कुवेर

पृष्ठ	श्लोक	
४४	११	(नर्तक) नाचनेवाला
४३	८	(नर्तकी) नाचनेवाली
४४	१०	(नर्तन) नाचना
६१	३२	(नर्मदा) नर्मदानदी
४९	३२	(नर्मन्) क्रीड़ा, खेल
		(नल) गॉड़र
१५	७१	(नलकूवर) कुवेरकापुत्र
११३	१६४	(नलद) गॉड़र
५८	१८	(नलमीन) चेल्हवा मछली
६३	३९	(नलिन) कमल
६३	३६	(नलिनी) कमलिनी
१०५	१२८	(नली) पवारी
६९	१९	(नल्व) ४०० हाथ अर्थात् फरलांग
२६०	७७	(नव) नया
६४	४३	(नवदल) नयापत्ता
२१६	५२	(नवनीत) नेनू, मक्खन
६२	७२	(नवमल्लिका) वर्षाका वेला
२२०	७१	(नवसूतिका) जल्दी की ब्यानी गौ
१५२	११२	(नवाम्बर) नयावस्त्र
२६०	७७	(नवीन) नया
२१६	५२	(नवोद्धृत) जल्दीका निकालाहुआ मक्खन
२६०	७७	(नव्य) नया
२०१	१११	(नष्ट) छिपाहुआ
		(नष्टचेष्टता) मूर्च्छा

पृष्ठ	श्लोक	
१७३	५६	(नष्टाग्नि) जिस तपस्वीका आगि बुझ गयाहो
२१८	६३	(नस्तित) नाथा बैल
२१८	६३	(नस्योत) नाथा बैल
३४९	११	(नहि) निषेध, नहीं
३४९	११	(ना) निषेध, नहीं
१	६	(नाक) स्वर्ग, आकाश
६८	१५	(नाकु) बेमवरि
१०१	११४	(नाकुली) रासनि
५१	१४	(नाग) साँप, हाथी, सीसा, श्रेष्ठ
६०	६५	(नागकेसर) नागकेसर
२२९	१०८	(नागजिह्विका) मैनसिल
१०२	११७	(नागबला) कँकहीवृक्ष
२१२	३८	(नागर) सोंठि, कसेरू, नागरमोथा, पण्डित, नगर में उत्पन्न हुआ मनुष्य
८५	३८	(नागरंग) नारंगी
५१	१	(नागलोक) पाताल
१०३	१२०	(नागवल्ली) पान
२२८	१०५	(नागसम्भव) सेंदुर
६	३०	(नागान्तक) गरुड़
४४	१०	(नाट्य) नाच
२३२	८	(नाडिन्धम) सोनार
१४१	६५	(नाड़ी) नस, छःक्षण-काल, नरई
१३८	५४	(नाड़ीव्रण) नसूर, नस पर का घाव
२४५	१६	(नाथवत्) पराधीन
४०	२२	(नाद) शब्द
८३	३०	(नादेयी) जलबेंत, नारंगी, जाही, भुंइजामुनि
३४४	२४६	(नाना) अनेक, दो
२६४	६३	(नानारूप) अनेकरूप, हरतरहके
२५१	३८	(नान्दीकर) आशीर्वादयुक्त स्तुति करनेवाला
२५१	१८	(नान्दीवादिन्) आशीर्वादयुक्त स्तुति करनेवाला
२३२	१०	(नापित) नाई, हजाम
१८८	५६	(नाभि) राजाविशेष, पहिया की नाहनि, नाह, तुन्दी, ठोंढ़ी
३४५	२५०	(नाम) प्रसिद्ध, होनहार, क्रोध, प्राप्ति, निन्दा
३७	८	(नामधेय) नाम
३७	८	(नामन्) नाम
२७२	६	(नाय) नीति, पकाना, चालक
२४४	११	(नायक) स्वामी, रत्नमध्य
५३	१	(नारक) नरक

पृष्ठ	श्लोक
२११	३२ (निपाव) घड़ा, गगरी
२४२	४ (निपुण) चतुर, विज्ञ
४३	७ (निबन्धन) वीणा में तार बांधनेका स्थान
२०१	११२ (निवर्हण) मारना
२३८	३८ (निभ) सदृश, बराबर
२४७	२५ (निभृत) विनययुक्त, मुलायममनुष्य
२२२	८० (निमय) अदलबदल
३०१	७६ (निमित्त) हेतु, चिह्न
२६	११ (निमेष) पलकगिरने का काल
५७	१५ (निम्न) गहिरा
६१	३० (निम्नगा) नदी
९०	६२ (निम्ब) नींबि
८१	२६ (निम्बतरु) बकायिनि
३०	२८ (नियति) भाग्य
१८९	५६ (नियन्तृ) सारथी, गाड़ी हांकनेवाला
३२	५ (नियम) व्रत, शौच, सन्तोष, तपः, स्वाध्याय, ईश्वर, प्रणिधानका नाम, कभी किसी काल विशेषादि में होनेवाला उपवास, स्नान, जपादिकर्म्म, अंगीकार
५७	१३ (नियामक) नावखेवनेवाला
३६०	२४ (नियुत) लक्ष, लाख
२००	११६ (नियुद्ध) बाहुयुद्ध
२३३	१७ (नियोज्य) दास, टहलू
३४५	२५२ (निर्) निश्चय, निषेध
२५८	६६ (निरन्तर) सघन, गझिन
५३	१ (निरय) नरक
२६२	८३ (निरर्गल) बाधारहित, जिसको किसीतरहकी तकलीफ न हो
२६१	८१ (निरर्थक) व्यर्थ.
२२५	१५ (निरवग्रह) स्वाधीन
२७८	३१ (निरसन) अलग करदेना
४०	२० (निरस्त) फेंकाहुआ तीर, जल्दी कहाहुआ, अलग कियाहुआ
२४६	३० (निराकरिष्णु) निकाल देनेवाला.
२५२	४० (निराकृत) अलगकिया हुआ जो वेदकोपढ़ाहो
१७३	५७ (निराकृति) वेदाध्ययन रहित अलग करदेना
१३९	५७ (निरामय) रोगहीन
२०६	१३ (निरीश) फारलगाने की जगह, या, फार
५३	२ (निर्ऋति) नरक की अशोभा
९१	६८ (निर्गुण्डी) स्योंड़ी, न्यनारी

पृष्ठ	श्लोक
२०१	११३ (निर्ग्रन्थन) मारना
४०	२३ (निर्घोष) शब्द
२	७ (निर्जर) देवता
१७१	४७ (निर्जितेन्द्रियग्राम) जितेन्द्रिय
७५	५ (निर्झर) झरना
३१	३ (निर्णय) निश्चय
२५५	५६ (निर्णिक्त) धोया,सफा
२३२	१० (निर्णेजक) धोबी
१८०	२५ (निर्देश) आज्ञा,हुक्म
३४१	२३५ (निर्बन्ध) हठ, जिद्द
१५	६७ (निर्भर) अतिशय
१८३	३६ (निर्म्मद) मदहीनहाथी
५२	६ (निर्मुक्त) केचुलि को छोडेहुये सांप
५१	९ (निर्मोक) केंचुलि
१८३	३८ (निर्य्याण) हाथीकेनेत्रोंका कोर
३१२	११६ (निर्य्यातन) वैर का बदला लेना,दानदेना, धरोहर लौटा देना
३४१	२३५ (निर्य्यूह) दरवाजा, शिरोभूषण, काढ़ाका रस, दीवालकी खूंटी
१६७	३२ (निर्वपण) दान
२७८	३१ (निर्वर्णन) देखना,
४५	१५ (निर्वहण) समाप्त करना, नाटककीसन्धि, मारना

पृष्ठ	श्लोक
३२	६ (निर्वाण) मोक्ष,मुनि, अग्नि
२६५	९६ (निर्वात) जिस समय वायु न बहतीहो वह समय
३८	१४ (निर्वाद) निन्दा,जनों की बतकही
२०१	११३ (निर्वापन) मारडालना दुःख से भी खुशी के साथ
२४४	१२ (निर्वार्य्य) निःशंककार्य करनेवाला
२०१	११३ (निर्वासन) मारना
२६६	१०० (निर्वृत) सिद्ध,तय्यार
२३९	२९ (निर्वेश) मोल, भोग तनख्वाह
५१	२ (निर्व्यथन) बिल
२७४	१७ (निर्हार) युक्तिसे शस्त्र का निकालना
३३	१० (निर्हारि) दूरतकजानेवाला सुगन्ध,
४०	२३ (निह्राद) शब्द
७१	५ (निलय) घर
१२४	४० (निवह) समूह, झुण्ड
३०२	८४ (निवात) निवास,वायु रहित, हथियार से नहीं कटनेवाला कवच
१६७	३२ (निवाप) पितरोंकेलिये जो दान दिया जावे

पृष्ठ	श्लोक
१५२	११३ (निवीत) माला की तरह पहिनाहुआ यज्ञोपवीत, कपड़ा का किनारा
२६३	८८ (निवृत) परिखादि से घेराहुआ
१८२	३३ (निवेश) सेनाका निवास, पड़ाव
२५	४ (निशा) रात
२१३	४१ (निशाख्या) हलदी
११८	१६ (निशाटन) उल्लूपक्षी
७०	५ (निशान्त) घर
१९	१४ (निशापति) चन्द्रमा
२०१	११२ (निशारण) मारना
२१३	४१ (निशाह्वा) हलदी
२६४	९१ (निशित) तेज, पैन
२५	६ (निशीथ) आधीरात
२५	४ (निशीथिनी) रात
३१	३ (निश्चय) निश्चय
७४	१८ (निःश्रेणि) काठआदि की सीढ़ी
१३६	८८ (निषङ्ग) तरकस
१९१	६६ (निषङ्गिन) धनुषधारी
७०	२ (निषद्या) बाजार
५६	९ (निषद्वर)त्रोदा,कीचड़
७५	३ (निषध) पर्वत विशेष
४१	१ (निषाद) हाथी की आवाज, स्वरविशेष, चाण्डाल.
१८९	५६ (निषादिन्) महावत पीलवान
२०१	११२ (निषूदन) मारना
२८४	१३ (निष्क) मोहर, छाती का भूषण, १०८ कर्ष सोना
४८	३० (निष्कृति) कपट,छल
१३०	२१ (निष्कला) रजोरहित स्त्री
२५१	३९ (निष्कासित)निकाला हुआ
७७	७ (निष्कुट) घरके पास बनीहुई फुलवारी
१०४	१२५ (निष्कुटि) बड़ीइलायची
७९	१३ (निष्कुह) खोड़किल
२७६	२५ (निष्क्रम) बुद्धि की शक्ति
४५	१५ (निष्ठा)समाप्तकरना, नाटककी सन्धि, सिद्धि, नाश, अन्त
२१४	४४ (निष्ठान) कढ़ी
२८०	३८ (निष्ठीवन)थूंकना
३९	२९ (निष्ठुर)रुकश,कठोर
२८०	३८ (निष्ठेव) थूंकना
२८०	३८ (निष्ठेवन) थूंकना
२६३	८७ (निष्ठ्यूत) फेंका, पठाया
२८०	३८ (निष्ठ्यूति) थूंकना

पृष्ठ	श्लोक
२४२	४ (निष्णात) जाननेवाला, प्रवीण
२६५	९५ (निष्पक्व) अच्छीतरह पकाहुआ
२६६	१०० (निष्पन्न) सिद्धहुआ
२७६	२४ निष्पाव) फटकना, पछोरना
२६६	१०० (निष्प्रभ) कान्तिरहित
१५२	११२ (निष्प्रवाणि) नवाकपड़ा
५०	३८ (निसर्ग) स्वभाव
७४	१९ (निस्सरण) निकलना
२०१	११४ (निस्तहण) मारडालना
२५९	६९ (निस्तल) गोल
१९६	८९ (निस्त्रिंश) तलवार
२१५	४९ (निस्राव) माड़
४०	२३ (निस्वन) शब्द
४०	२३ (निस्वान) शब्द
२०१	११४ (निहनन) मारना
५९	२२ (निहाका) गोह
२०१	११२ (निहिंसन) मारना
२३३	१६ (निहीन) नीच पुरुष
३९	१७ (निह्नव) छिपाना, अविश्वास, शठता
२३८	३८ (नीकाश) सादृश्य, बराबरी
२३३	१६ (नीच) नीच, नाटा, छोटा
२५०	१७ (नीचैस्) थोड़ा, नीचे
१२३	३८ (नीड) झोंझ, घोंसला
१२२	३५ (नीडोद्भव) पक्षी, चिड़िया
७३	१४ (नीध्र) वोरौनी
८५	४२ (नीप) कदम्बवृक्ष
५५	४ (नीर) पानी, जल
३४	१४ (नील) कालारंग
१२१	३१ (नीलकण्ठ) मोर, शिव
११७	१४ (नीलांशु) छोटा किरवा, सोनाके रवा
७	३४ (नीललोहित) शिव
१२१	२७ (नीला) माछी
५	२४ (नीलाम्बर) बलदेव
६३	३७ (नीलाम्बुजन्मन्) नीलकमल
९२	७० (नीलिका) न्यवारी
९७	९५ (नीलिनी) नील
९७	९४ (नीली) नील
२७६	२३ (नीवाक) धनधान्य बटोरना
२०९	२५ (नीवार) तिनीपसाढ़ी आदि खरकी धान्य
१५४	१२१ (नीवी) मूलधन व पूंजी, स्त्री के कमर में वस्त्रकीगाँठि, फुफुंदी
६७	२ (नीवृत्) देश
१५४	११८ (नीशार) जड़ावर के कपड़े रजाई अंगरखा इत्यादि

पृष्ठ	श्लोक
२०	१८ (नीहार) पाला
३४४	२४७ (नु) पूंछना, विकल्प
३८	११ (नुति) स्तुति
२६३	८७ (नुन्न) फेंका, पठाया, प्रेरित
२६०	७७ (नूतन) नया
२६१	७८ (नूत्न) नया
८५	४१ (नूद) तूतकावृक्ष
३४६	२४६ (नूनम्) तर्क, वस्तुका निश्चय, निश्चय
१५२	१०९ (नूपुर) बिछिया, पलनियां
१२५	१ (नृ) मनुष्य
४४	१० (नृत्य) नाच
१७५	१ (नृप) राजा
१८२	३२ (नृपलक्ष्मन्) राजा का छत्र
३६१	२७ (नृपसभ) राजसभा
१८२	३१ (नृपासन) राजगद्दी
२५३	४७ (नृशंस) क्रूर, दूसरेका अनभल चाहनेवाला
३६७	४०(नृसेन)मनुष्योंकीसेना
२४४	११ (नेतृ) स्वामी, मालिक
१४७	९३ (नेत्र) आँख, वृक्षकी जड़, वस्त्र
१४७	९३ (नेत्राम्बु) आँसु
२५८	६८ (नेदिष्ठ) अतिसमीप
१४१	९९ (नेपथ्य) अलंकारकी शोभा

पृष्ठ	श्लोक
६०	२७ (नेमि) गड़ारी, कुँआ की धरन, पहियाका किनारा, पुट्ठी
८२	२६ (नेमिन्) तिनिशवृक्ष
२६२	८३ (नैकभेद) अनेकप्रकार का, हरतरहका
२२२	७८ (नैगम) बनियाँ, नगर का रहनेवाला
२१६	६७ (नैचिकी) अच्छी गौ
२२६	१०८ (नैपाली) नैपाली मैनशिल
२२२	८० (नैमेय) अदलाबदला करना
८१	१८ (नैयग्रोध) बरगदवृक्ष का फल
१६१	८१ (नैयायिक) न्यायशास्त्र जाननेवाला
१३	६१ (नैर्ऋत) राक्षस, नैर्ऋतदिशाका स्वामी
१७६	७ (नैष्किक) रुपयों का अधिकारी, खज़ाञ्ची
१६१	७० (नैस्त्रिंशिक) तलवारधारी, तलवारबन्द
३४६	११ (नो) नहीं, निषेध
५६	१० (नौ) नाव
५७	१३ (नौकादण्ड) डाँड़ा, ढेंगुआ
५६	१० (नौतार्य) नावसे पार होने के योग्य पानी

पृष्ठ	श्लोक	
३३८	२२४	(न्यक्ष) सब, अधम, दोनों हाथके फैलाने से बनाहुआ कुण्डल
८३	३२	(न्यग्रोध) वटवृक्ष
९५	८७	(न्यग्रोधी) मूसरि
२५९	७०	(न्यक्) छोटा, बौना
११६	११	(न्यंकु) हरिणविशेष
२६३	८८	(न्यस्त) धरोहरधरा, फेंका
२१७	५६	(न्याद) भोजन
१८०	२४	(न्याय) न्याय
१८०	२५	(न्याय्य) न्याययुक्त
२२२	८१	(न्यास) धरोहर
१४०	६१	(न्युब्ज) कुबरा, टेढ़ा
३५७	१७	(न्यूङ्ख) सामवेदका ॐकार
३१४	१२७	(न्यून) कम, निंद्य
		(प)
७४	२०	(पकण) भिल्लों का ग्राम,
२६४	९१	(पक्क) पका हुआ, जल्दी नाशहोनेवाला
२७	१२	(पक्ष) १५ दिन, पंख, तीरका पंख, सहाय
७३	१४	(पक्षक) बगल का दरवाजा
२४	१	(पक्षति) परीवातिथि, पंखकी जड़
७३	१४	(पक्षद्वार) बगल का दरवाजा
१८४	४०	(पक्षभाग) पांजर हाथीका, बगल
१२३	३७	(पक्षमूल) पखकीजर
२६	७	(पक्षान्त) अमावास्या, पूर्णमासी
२५	५	(पक्षिणी) पूर्व और पर दिन से सयुक्त रात
१२२	३३	(पक्षिन्) पक्षी, चिडिया
३१२	१२०	(पक्ष्मन्) आंखकीबरौनी, फूलोंकी धूरि, सूत का बहुत पतला अंश
२६	२३	(पंक) पाप, बोदा, कीचड़
६७	११	(पंकिल) कीचड़युक्तदेश
६३	४०	(पंकेरुह) कमल
१३७	४८	(पंगु) पंगुला
७७	४	(पंक्ति) पाँति, दशअक्षरकेचरणवाला छन्द
९९	१०२	(पचम्पचा) दारुहल्दी
२७२	८	(पचा) अन्नकापकाना
१२५	१	(पञ्चजन) मनुष्य
२०२	११६	(पञ्चता) मृत्यु, मौत
२६	७	(पञ्चदशी) अमावस, पूर्णमासी
११५	२	(पञ्चनख) सिंह, पांच नखवाले जीव
४१	१	(पञ्चम) स्वरविशेष, कोकिलकी बोली

पृष्ठ	श्लोक
५	२५ (पञ्चशर) कामदेव
१४५	८१ (पञ्चशाख) हाथ
८८	५१ (पञ्चांगुल) रेंड़,रेंड़ी
११४	१ (पञ्चास्य) सिंह
३६३	३१ (पञ्जर) पिंजरा
३५४	७ (पञ्जिका) निःशेष पदों की व्याख्या
१५३	११६ (पट) अच्छावस्त्र
१५३	११५ (पटच्चर) पुरानावस्त्र
७३	१४ (पटल)छप्पर,नेत्ररोग, समूह
१५९	१४० (पटवासक) बुकवा
२००	१०८ (पटह) लड़ाई के बाजा का शब्द
१११	१५५ (पटु) परवर, बड़ाबतकहा, चतुर, शीघ्र, नीरोग

पृष्ठ	श्लोक
२६६	१०६ (पणायित) स्तुति किया हुआ, स्तुत
२६९	१०९ (पणित) स्तुति किया हुआ, स्तुत
२२३	८२ (पणितव्य) बिकनेवाली वस्तु
१३४	३९ (पण्ड) हिजरा
१६०	५ (पण्डित) पण्डित
२२३	८२ (पण्य) बिकनेवाली वस्तु
७०	२ (पण्यवीथिका) जहां बाजार न हो लेकिन वस्तु बिकतीहो उस का नाम
१२९	१५० (पण्या) मालकाँगनी
२२२	७८ (पण्याजीव) बनियाँ
१२२	३१ (पतग) पक्षी

पृष्ठ	श्लोक
१२७	७ (पतिंवरा) स्वयंवर में अपने आप पतिकी इच्छा करनेवाली
१२६	६ (पतिव्रता) पतिव्रता
१२८	१२ (पतिवत्नी) अहिवाती
६९	१ (पत्तन) नगर, शहर
१९०	६६ (पत्ति) पैदल चलनेवाला, हाथी, रथ, घोड़ा, पैदलसिपाही जिसमें हों वह फौज
१२६	५ (पत्नी) ब्याही स्त्री
८०	१४ (पत्र) पत्ता, पंख, सवारी
२३७	३३ (पत्रपरशु) रेती, सोना काटने का हथियार
१५०	१०३ (पत्रपाश्या) बेंदी, टीका
१०२	३४ (पत्ररथ) पक्षी
१५५	१२३ (पत्रलेखा) छापविशेष
१५७	१३३ (पत्रांग) लालचन्दन, देवीचन्दन, रक्तसार
१५५	१२३ (पत्रांगुलि) गाल, स्तन में स्त्रियों के किसी गन्धादि से उरेहना
११८	१६ (पत्रिन्) पक्षी, तीर, बाजपक्षी, धोये रेशमी कपड़े, धुलाहुआ कौशेय, कुशवारीसे बना हुआ कपड़ा
८९	५६ (पत्रोर्ण) सरिवन

पृष्ठ	श्लोक
१७८	१७ (पथिक) राही, मुसाफिर
६८	१६ (पथिन्) मार्ग, रास्ता
८६	५६ (पथ्या) हर्रे
१४३	७१ (पद्) पैर, पाँव
३०६	९३ (पद) उद्यम, रक्षा; स्थान, चिह्न, पैर, वस्तु
१९०	६६ (पदग) पैदल
६८	१६ (पदवी) मार्ग, रास्ता
१९०	६६ (पदाजि) पैदल
१९०	६६ (पदाति) पैदल
१९०	६७ (पदिक) पैदल
१९०	६७ (पद्ग) पैदल
६८	१६ (पद्धति) मार्ग, रास्ता
१६	७२ (पद्म) निधिविशेष, कमल
१८४	३९ (पद्मक) हाथीके मुख परके विन्दुओंका समूह
१०९	१४६ (पद्मचारिणी) कपिला
४	२० (पद्मनाभ) विष्णु
१०९	१४५ (पद्मपत्र) पुष्करमूल
२२५	९२ (पद्मराग) लालमणि
६	२७ (पद्मा) कपीला ओषधि, लक्ष्मी, भँगरा
६०	२८ (पद्माकर) कमलयुक्त तालाव
१०६	१४७ (पद्माट) चकवँड़
६	२७ (पद्मालया) लक्ष्मी

पृष्ठ	श्लोक	
१८३	३५	(पद्मिन्) हाथी
६३	३९	(पद्मिनी) कमलिनी
३६३	३१	(पद्य) श्लोक
६८	१६	(पद्या) मार्ग, रास्ता
९०	६१	(पनस) कटहर
२६९	१०९	(पनायित)स्तुतिकिया हुआ
२६६	१०९	(पनित) स्तुति किया हुआ
२६७	१०४	(पन्न) चुआ, गिरा
५२	६	(पन्नग) साँप
६	३०	(पन्नगाशन) गरुड़
५५	३	(पयस्) जल, दूध
२१५	५१	(पयस्य)घी दहीआदि
३२३	१६३	(पयोधर) चूँची,स्तन, बादर
१७७	११	(पर) दूरि, अपने से भिन्न, उत्तम,शत्रु
२३४	१८	(परजात) दूसरेका पलुआ
२४५	१६	(परतन्त्र) पराधीन
२४६	२०	(परपिण्डाद) पराया अन्न खानेवाला
११९	२१	(परभृत) कौआ
११९	२०	(परभृत) कोयल
३४९	१२	(परमम्) अंगीकार (परमा) शोभा
१६५	२६	(परमान्न) खीर
३	१६	(परमेष्ठिन्) ब्रह्मा
१६६	२८	(परम्पराक) यज्ञपशु का मारना
२४५	१६	(परवत्) पराधीन
१९६	९२	(परशु)फरसा,कुल्हरी
१९६	९२	(परश्वध) फरसा, कुल्हरी
३५१	४२	(परश्वस्) परसों
२५७	६३	(परश्शत)सौसेअधिक (परस्सहस्र) हजार से ज्यादह
१९८	१०२	(पराक्रम)सामर्थ्य,यत्न
८०	१७	(पराग) फूलोंकी धूरि, नहानेका उपकारी गंधचूर्ण, धूरि, ग्रहण
२५०	३३	(पराङ्मुख) विमुख
२३४	१८	(पराचित) दूसरे का पलुआ
२५०	३३	(पराचीन) विमुख
२०१	१११	(पराजय) लड़ाई में हारना
२०१	१११	(पराजित) हाराहुआ
२४५	१६	(पराधीन) पराधीन, परवश
२४६	२०	(परान्न) पराये अन्न से जीनेवाला
२०१	१११	(पराभूत) हाराहुआ
२७०	२	(परायण)मिलावचन, आसंगवचन
३५१	२०	(परारि) त्यौरुस

पृष्ठ	श्लोक
२५६	५८ (परार्घ्य) अतिश्रेष्ठ
२०१	११२ (परासन) मारडालना
२०२	११७ (परासु) मराहुआ
२३६	२५ (परास्कंदिन्) चोर
१५४	१२१ (परिकर) परिवार, कुटुम्ब, पलँग, पटुका जो कपड़ा कमर में बाँधाजाय
१५४	१२६ (परिकर्म्मन्) चन्दनादिसे अंगोंका संस्कार
२७४	१६ (परिक्रम) खेलमें पाँव से चलना
२७५	२० (परिक्रिया) परिवालों का घेरना
२६३	८८ (परिक्षिप्त) परिखादि से घिराहुआ
६१	२९ (परिखा) खाँवाँ
३४२	२३६ (परिग्रह) फौजका पीछा, स्त्री, परिवारवाले, आदान, मूल, शाप
१९६	६१ (परिघ) मारडालना, हथियारविशेष, लोहथी
१९६	६१ (परिघातन) मारडालना, हथियारविशेष, लोहथी
२७६	२३ (परिचय) पहिंचान
१८६	६२ (परिचर) फौजकी रचा करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
१६८	३७ (परिचर्य्या) सेवा
१६५	२२ (परिचाय्य) यज्ञकी अग्नि
२३४	१७ (परिचारक) दास, टहलू
२६५	९६ (परिणत) दूसरे रूप को पाया, पकाहुआ
१७४	६० (परिणय) विवाह
२७४	१५ (परिणाम) रूपका बदलना
२४०	४६ (परिणाय) शतरंजकी गोटियोंका चलाना
१५३	११४ (परिणाह) चौड़ाई
३४९	१३ (परितस्) सबतरफ
२७१	५ (परित्राण) रचाकरना
२२२	८० (परिदान) फेरदेना, अदलाबदली
३९	१६ (परिदेवन) रोना
१५३	११७ (परिधान) नीचेपहिरने का वस्त्र, धोती
२३	३२ (परिधि) सूर्य्य, चन्द्रमामें कभी २ पड़ा हुआ मण्डल, यज्ञीय वृत्तकी शाखा, खेत का घेरा
१८९	६२ (परिधिस्थ) फौजकी रचाकरनेवाला
२२२	८० (परिपण) मूलधन, पूंजी

पृष्ठ	श्लोक
१७७	११ (परिपन्थिन्) शत्रु, दुश्मन
१६९	४० (परिपाटी) अनुक्रम. तरीका, क्रम
१५८	१३८ (परिपूर्णता) पूराहोना, सबतरहसे पूर्णहोना
१०५	१३१ (परिपेलव) मोथा
२६०	७५ (परिप्लव) चञ्चल
२४२	२३८ (परिबर्ह) राजाकेयोग्य वस्तु, परिच्छद वस्त्र
४६	२२ (परिभव) अनादर
३८	१४ (परिभाषण) उरहना
२६८	१०६ (परिभूत) अपमान कियाहुआ
३३	१० (परिमल) घसनेपर निकलनेवाला मनोहर सुगन्ध, मलना
२७८	३० (परिरम्भ) लिपटना
२०१	११४ (परिवर्जन) मारना
४२	३ (परिवादिनी) सात तारोंसे बँधीहुईवीणा
२६२	८५ (परिवापित) मूँड़ाहुआ
१७४	५६ (परिवित्ति) बड़ाभाई न व्याहागयाहो छोटा भाई व्याह करले तो उसकेबड़ेभाईको परिवित्ति कहते हैं
२४४	११ (परिवृढ) स्वामी, मालिक
१७४	५९ (परिवेतृ) जिसका बड़ाभाई न व्याहागया हो प्रथम छोटा व्याहागयाहो तो उसका नाम
२३	३२ (परिवेष) सूर्य, चन्द्रमामें कभी २ पड़ने वाला मण्डल
८३	३० (परिव्याध) जलबेंत, कठचम्पा
१७०	४५ (परिव्राज्) संन्यासी
१६३	१७ (परिषद्) सभा
१४९	१०१ (परिष्कार) गहना
१४९	१०० (परिष्कृत) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
२७८	३० (परिष्वंग) लिपटना
६८	१५ (परिसर) नदी पहाड़ आदिका समीप
२७५	२० (परिसर्प्य) परिवारवालोंका घेरना
२७५	२१ (परिसर्या) सबतरफ फैलना
२३४	१८ (परिस्कन्द) दूसरेका पलुआ
१८४	४२ (परिस्तोम) हाथीकी झूल
१५८	१३८ (परिस्पन्द) शिल्पादि की रचना, कारीगरी करना

पृष्ठ	श्लोक
२३९	३९ (परिस्रुत्)दारू,मदिरा
२३९	४० (परिस्रुता)दारू,मदिरा
२४३	७ (परीक्षक) परखनेवाला,परीक्षालेनेवाला
४६	२२ (परीभाव) अनादर
२२२	८० (परीवर्त)अदलाबदली
३८	१३ (परीवाद) निन्दा
३१४	१२९ (परीवाप) बिछौना,असबाब,सबतरफबोया, बाँध, जलका आधार
३२५	१६८ (परीवार) मियान, असबाब, जंगम
५६	१० (परीवाह) नाला,नहर,
१६७	३४ (परीष्टि) श्राद्धके ब्राह्मण की भक्ति और सेवाकरना
२७५	२१ (परीसार) सब तरफ फैलना
४३	३२ (परीहास)खेल, लीला
३५१	२० (परुत्) परु, परसाल
३९	१९ (परुष) कर्कश, कड़े, कठोर
११२	१६२ (परुस्) गाठि, पोर
२०२	११७ (परेत) मरा हुआ
१३	५३ (परेतराज्) यमराज
३५१	२१ (परेद्यवि) परदिन
२२०	७० (परेष्टुका) वहुत वार की व्याई गौ
२३८	१८ (परैधित)दूसरेकापलुआ

पृष्ठ	श्लोक
१२०	२७ (परोष्णी) गीदड़
८३	३२ (पर्कटिन्) पकरिया
९९	१०२ (पर्जनी) दारुहलदी
३१९	१४६ (पर्जन्य)गर्जता हुआ बादर, इन्द्र
८०	१४ (पर्ण) पत्ता, छिउल
७१	६ (पर्णशाला) मुनियों का झोपड़ा
९४	७९ (पर्णास) बबई,पर्णास
१५४	१२१ (पर्य्यङ्क) पटुका
१५१	१३९ (पर्य्यंक) पलंग
१५४	१२१(पर्य्यङ्किका) पटुका,कमरमें बाँधनेका कपड़ा
१६८	३८ (पर्य्यटन) घूमना
६८	१५ (पर्य्यन्तभू)नदीपहाड़ आदि का समीप
१६९	४० (पर्य्यय) क्रमका उल्लंघन, कुछ उलटापलट
२७५	२१ (पर्य्यवस्था) विरोध, बिगार
२१७	५७ (पर्य्याप्त) इच्छा भर
२७१	५ (पर्य्याप्ति) कोई किसी को मारता हो उससमय उसका हाथ पकड़लेना, रक्षा करना
१६९	४० (पर्य्याय) क्रम,तरीका, अवसर, मौका
२०४	३ (पर्य्युदंचन)ऋणलेना, कर्जलेना

पृष्ठ	श्लोक
१६७	२४ (पर्य्येषणा) श्राद्ध में ब्राह्मणभक्ति और सेवा करना
७४	१ (पर्वत) पहाड़
११२	१६२ (पर्व्वन्) गांठि, पोर, शुक्लपक्षकी अष्टमी,कृष्णकी चतुर्दशी,अमावास्या, पूर्णमासी, संक्रान्ति, उत्सव
२६	७ (पर्वसन्धि) अमावस पूर्णमासी और परीवा की सन्धि
१४२	६९ (पर्शुका) पँशुड़ी
२२४	८६ (पल) चौंसठमासा, घुंघुचीभर, मांस,दण्ड का साठिवां हिस्सा
२३१	६ (पलगंड) चूना आदि पोतने वाला
६८	९८ (पलंकषा) गोखुरू
१२१	६३ (पलल) मांस
१०९	१४७ (पलाण्डु) प्याज
२०९	२२ (पलाल) पैरा, पुआर
८०	१४ (पलाश) पत्ता,कचूर, छिउल
७८	५ (पलाशिन्) वृक्ष, पेड़
१२८	१२ (पलिक्नी) बूढ़ी स्त्री
१३५	४१ (पलित) बुढ़ापासे बालों की उजरोटी
१५९	१३९ (पल्यंक) पलंग
८०	१८ (पल्लव) पल्लव, कोमल पत्ता
६०	२८ (पल्वल) छोटाताला, डबहा
२७६	२४ (पव) अन्नादिपछोरना, फटकना
१४	६४ (पवन) वायु, हवा, पछोरना, फटकना
५२	८ (पवनाशन) सांप
१४	६४ (पवमान) वायु, हवा
११	४८ (पवि) इन्द्रका वज्र
११३	१६६ (पवित्र) पवित्र, कुश, पाकसाफ
५८	१६ (पवित्रक) सनका सूत
७	३१ (पशुपति) शिव
२८०	३९ (पशुप्रेरण) पशुओं को ललकारना
२२१	७३ (पशुरज्जु) गेराँव, ज्वडायल
३४३	२४२ (पश्चात्) पश्चिम दिशा, अन्तमें
४७	२५ (पश्चात्ताप) पछताना
१६	१ (पश्चिम) अन्तिम,अखीरी
६६	८ (पश्चिमोत्तर) पश्चिम उत्तर का देश
७०	५ (पस्त्य) घर
१६८	९८ (पांशु) धूरि
१२७	११ (पांशुला) छिनारि,

पृष्ठ	श्लोक
	व्यभिचारिणी स्त्री
१२३	३९ (पाक) बच्चा, अन्नपकाना
१०४	१२६ (पाकल) कूट, औषधिविशेष
९	४२ (पाकशासन) इन्द्र
१०	४७ (पाकशासनि) इन्द्रका पुत्र
२१०	२७ (पाकस्थान) रसोईका घर
२१३	४२ (पाक्य) खारी नोन, सज्जी
१७१	४८ (पाखण्ड) बौद्ध क्षपणक शास्त्रको माननेवाला
६	२९ (पाञ्चजन्य) विष्णुका शंख
२३६	२९ (पाञ्चालिका) कठपुतरी, गुड़िया गुड्डा
३४८	७ (पाट्) संबोधन
२३६	२५ (पाटच्चर) चोर, पुराना कपड़ा
३४	१५ (पाटल) गुलाबीरंग, सांठी आदि कुआरी धान
८१	२० (पाटला) फूलविशेष, पाँढ़रि
८८	५४ (पाटलि) लोधविशेष, पाँढ़रि
२७८	२९ (पाठ) पढ़ना
९५	८४ (पाठा) पाठा, पाँढी
६४	८० (पाठिन्) चीत, ओषधिविशेष
५८	१८ (पाठीन) पढ़िनामछरी
१४५	८१ (पाणि) हाथ
१२६	५ (पाणिगृहीती) विवाहिता स्त्री
२३३	१३ (पाणिघ) ताली बजाने वाला
१७४	६० (पाणिपीडन) विवाह
२३३	१३ (पाणिवाद) ताली बजाने वाला
३४	१२ (पाण्डर) कुछ पीला उजलारंग
३४	१३ (पाण्डु) कुछ पीला उजलारंग
१८७	५४ (पाण्डुकम्बलिन्) पीले कम्बलका वहार जिरा पर पड़ाहो वहरथ
३४	१२ (पाण्डुर) कुछ पीला उजलारंग
३६४	३३ (पातक) ब्रह्महत्यादि पाप
५१	१ (पाताल) पाताल, बड़वानल
२५८	२७ (पातुक) गिरनेवाला
५६	८ (पात्र) दोनों किनारोंका बीच, स्रुवादि, योग्य मनुष्यादि, बरतन

पृष्ठ	श्लोक
३६७	४२ (पात्री) बरतन
३६५	३५ (पात्रीव) यज्ञका बरतनविशेष
५५	४ (पाथस्) जल, पानी
७६	७ (पाद) पाँव, पैर, चौथाई, किरण, पर्वत के पास के छोटे २ पहाड़
१५२	११० (पादकटक) पैर के कड़ा, घुँघुरू
१७०	४४ (पादग्रहण) प्रणाम
७७	५ (पादप) वृक्ष
२१७	५८ (पादबन्धन) गों, भैंस आदि
१३९	५६ (पादवल्मीक) हाड़ारोग
१३८	५२ (पादस्फोट) पैर की ब्यवाई
१४२	७१ (पादाग्र) पैरका अगिलाभाग
१५२	१०६ (पादांगद) बिछिया, पलनियां
१६०	६६ (पादात) पैदलों का समूह
१९०	६६ (पादातिक) पैदल
२३७	३० (पादुका) खराऊं, जूता
२३७	३१ (पादू) जूता
२३१	७ (पादूकृत्) चमार
१६८	३५ (पाद्य) पैर धोनेके लिये जल
२३९	४१ (पान) दारूपीने का स्थान
२४०	४३ (पानगोष्ठिका) दारूपीनेकी सभा
२४०	४३ (पानपात्र) दारूपीने का बरतन
२११	३२ (पानभाजन) पानी पीनेका बरतन, कटोरा
५५	४ (पानीय) पानी, जल
७१	७ (पानीयशालिका) पौशाला
१७८	१७ (पान्थ) पथिक, बटोही, मुसाफिर
२९	२३ (पाप) पाप, क्रूर, दूसरे का अनभल चाहने वाला
९५	८५ (पापचेली) पाठा, पाँढ़रि
२६	२३ (पाप्मन्) पाप
१३८	५३ (पामन्) खाजु
१३९	५८ (पामन) खाजुयुक्त
२३३	१६ (पामर) नीचप्राणी
१३८	५३ (पामा) खाजु
१५६	१२६ (पायस) देवदारु, धूप, खीर
१४३	७३ (पायु) गुदा
२२४	८५ (पाय्य) तौल, नाप
५६	८ (पार) उसपार
२२७	९९ (पारद) पारा
३३५	२०९ (पारशव) शूद्रा स्त्री में ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र,

पृष्ठ	श्लोक
	हथियारविशेष
१६१	७० (पारश्वधिक) फरसा हथियार धारण करनेवाला
१८५	४५ (पारसीक) पारसीघोड़ा
१३१	२४ (पारस्त्रैणेय) परारीस्त्री का पुत्र
२७०	२ (पारायण) सम्पूर्णता का वचन
११८	१५ (पारावत) कबूतर
२७०	२ (पारावतांघ्रि) मालकांगनी
५४	१ (पारावार) समुद्र, नदी का इधर उधरका किनारा
१७०	४५ (पाराशरिन्) संन्यासी
१७०	४५ (पारिकाङ्क्षिन्) तपस्वी
११	५१ (पारिजातक) देववृक्षविशेष, धकायिनि
१५०	१०३ (पारितथ्य) चोटी में लगाने की सोने की पट्टी
१६६	४० (पाराशर्य्य) व्यासमुनि
२६०	७५ (पारिप्लव) चंचल
८२	२६ (पारिभद्र) धकायिनि
८८	५३ (पारिभद्रक) देवदारु
१०४	१२६ (पारिभाव्य) कूट औषध

पृष्ठ	श्लोक
८२	२६ (पारियातक) धकैना विशेष
७५	३ (पारियात्रक) पर्वतविशेष
८	३६ (पारिषद) शिवगण
१५१	१०७ (पारिहार्य्य) हाथ में पहिरनेके कड़ा
३५५	१० (पारी) हाथी के पाँव की रस्सी
३८	१४ (पारुष्य) कठोरवचन
१७५	१ (पार्थिव) राजा
८	३८ (पार्वती) पार्वती
९	४० (पार्वतीनन्दन) स्वामिकार्त्तिक
१४४	७६ (पार्श्व) पाँजर, बगल, पँशुरियोंका समूह
२१८	६३ (पार्श्वग) ढमगुरी घसीटामें जोताहुआ
१८४	४० (पार्श्वभाग) बगल, पांजर
१४३	७२ (पार्ष्णि) एँड़ी
१७७	१० (पार्ष्णिग्राह) अपने राज के पीछे रहने वाला
११४	१६७ (पालघ्न) पानीकाखर
१०३	१२१ (पालङ्की) पलाकी
३४	१४ (पालाश) हरारंग
१९७	६३ (पालि) कोण, पांति, चिह्न

पृष्ठ	श्लोक	
१००	१०८	(पालिन्दी) काला निसोत, त्रिधारा
२५३	५	(पालवा) पल्लव की मार होनेवाला खेल
१२	५५	(पावक) आगि
१४६	५८	(पाश) केशसमूह
२४०	४५	(पाशक) पाँशा
२४	६२	(पाशिन्) वरुण
६४	८१	(पाशुपत) गूंमा
२०३	२	(पाशुपाल्य) पशुओं का पालना
२८१	४३	(पाश्या) पाशोंका समूह
२६१	८१	(पाश्चात्य) पीछे हुआ (पापण्ड) सवतरहका रूप धारणकरनेवाला पाखण्डी
७५	४	(पाषाण) पत्थर
२३८	३४	(पाषाणदारण) टाँकी
११९	२०	(पिक) कोयलपची
३४	१६	(पिङ्ग) पीलारंग
२३	३०	(पिङ्गल) सूर्य्य के चारोंओर रहनेवालाग्रहविशेष, पीलारंग
१७	४	(पिङ्गला) वामननाम दिग्गजकी स्त्री
१४४	७७	(पिचण्ड) पेट, पशुका अंग
१३६	४४	(पिचण्डिल) तोंदवाला
६०	६२	(पिचुमर्द) नींव
८५	४०	(पिचुल) झाऊकावृक्ष, रुई
२२८	१०५	(पिच्चट) रांगा
१२२	३२	(पिच्छ) मोरपंख, गुच्छा
८७	४७	(पिच्छा) सेमरकागोंद
२१४	४६	(पिच्छिल) जलयुक्त व्यंजन कढ़ीआदि
८६	४६	(पिच्छिला) सेमर, सीसम
२०२	११५	(पिञ्ज) मारडालना
२२७	१०३	(पिञ्जर) पिंजड़ा, हरिताल,
१६८	९९	(पिञ्जल) घबड़ाया, आकुल
१४२	६७	(पिञ्जूष) कानकीमैल
२१०	२६	(पिट) छँटवा, डेलवा
१३८	५३	(पिटक) फोरिआ, फोड़ा, प्यटारी
२११	३१	(पिठर) बटुआ, मोथा, मथानी
२२६	६८	(पिण्ड) लोहा, गन्धरस
१५६	१२६	(पिण्डक) लोहवान
१८८	५६	(पिण्डिका) नाहनि पहियाकेबीचकी लकड़ी
८८	५२	(पिण्डीतक) मयनफल, लोहवान
२८३	९	(पिण्याक) तिल की खरी

पृष्ठ	श्लोक
१३७	३४ (पितरौ) मातापिता
३	१६ (पितामह) ब्रह्मा, आजा
१३२	२८ (पितृ) बाप, पिता, पितामाता
१६७	३३ (पितृदान) पितरों के लिये दियाजावे
१३	५६ (पितृपति) यमराज
१३३	३३ (पितृपितृ) पितामह, आजा
२५	३ (पितृप्रसू) सन्ध्या
२०२	११८ पितृवन) श्मशान
१३२	३१ (पितृव्य) पिताकाभाई
१४०	६२ (पित्त) पित्त
१७२	५४ (पित्र्य) पितरोंकातीर्थ, अंगुष्ठा तर्जनी के बीच में पित्र्यतीर्थ होताहै
१२२	३४ (पित्सत्) पची
१६	१३ (पिधान) झांपना
१६०	६५ (पिनद्ध) कवचआदि पहिरेहुये
७	३६ (पिनाक) शिवका धनुष, शूल
८	३२ (पिनाकिन्) शिव
२१६	५५ (पिपासा) प्यास
३५४	८ (पिपीलिका) चींटी
८१	२० (पिप्पल) पीपरवृच्छ
९८	६७ (पिप्पली) पीपरि
२२६	११० (पिप्पलीमूल) पिपरामूरि

पृष्ठ	श्लोक
१३७	४९ (पिप्लुस्) देहकातिल, जिसके अंग में लहसुनाकार चिह्नहो वह पुरुष
८४	३५ (पियाल) चिरौंजी
१४०	६० (पिल्ल) चौंधरी आँखिवाला, चुन्ध
३४	१६ (पिशङ्ग) पीलारंग
२	११ (पिशाच) देवजाति वाले
१४०	६३ (पिशित) मॉस
१५५	१२५ (पिशुन) केसर, कुंकुम, दुर्जन, चुगुल
१०६	१३३ (पिशुना) अस्परक
२१५	४८ (पिष्टक) पूआ
२११	३२ (पिष्टपचन) तावा
१५९	१४० (पिष्टात) बुकवा
१५९	१३६ (पीठ) पीढ़ा, पिढ़ई
२००	१०६ (पीडन) घरेना, मलना
५४	३ (पीडा) दुःख, तकलीफ
३४	१४ (पीत) पीलारंग
२२७	१०३ (पीतक) हरताल
८८	५३ (पीतदारु) देवदारु
८९	६० (पीतद्रु) दारुहलदी, सरलवृच्छ
८२	२७ (पीतन) अम्बार, केसर, हरताल
८६	४३ (पीतसारक) विजयसार

पृष्ठ	श्लोक	
२१३	४१	(पीता) हलदी
४	१९	(पीताम्बर) विष्णु
१८५	४३	(पीति) घोड़ा
२५७	६१	(पीन) मोटा
१३७	५१	(पीनस) नाकरोगविशेष
२२०	७१	(पीनोध्नी) मोटेथनवाली
११	४९	(पीयूष) अमृत, पेयूस
८२	२८	(पीलु) पीलुआवृक्ष, हाथी, बाण, फूल
६५	८५	(पीलुपर्णी) धनुष बनाने के योग्य चौंड़ीविशेष, चिनार, कुँदुरू
२५७	६१	(पीवन्) मोटा
२५७	६१	(पीवर) मोटा
२२०	७१	(पीवरस्तनी) मोटेथन वाली गौ
१२७	१०	(पुँश्चली) छिनारि
२३४	२०	(पुक्कस) चाण्डाल
३५७	१७	(पुङ्ख) तीरकाफोंक
३५६	२०	(पुद्गल) देह
२५६	५६	(पुङ्गव) श्रेष्ठ
१८६	५०	(पुच्छ) पूँछ, दुम
१२४	४३	(पुञ्ज) अन्नादिका ढेर, समूह
५५	७	(पुटभेद) भवँर
६९	१	(पुटभेदन) नगर, शहर, पुरी

पृष्ठ	श्लोक	
३६७	४२	(पुटी) डब्बा
१७	३	(पुण्डरीक) आग्नेय दिशाकादिग्गज, बाघ, आगि, उजलाकमल
४	१९	(पुण्डरीकाक्ष) विष्णु
१०५	१२७	(पुण्डर्य) स्थलकमल, गुलाब
११३	१६३	(पुण्ड्र) पौंड़ा, ऊख
९२	७२	(पुण्ड्रक) वसन्तीलता
२९	२४	(पुण्य) सुकृत, सुन्दर, पावन
१६६	४१	(पुण्यक) व्रतविशेष
१३	६१	(पुण्यजन) राक्षस
१५	७०	(पुण्यजनेश्वर) कुबेर
६६	८	(पुण्यभूमि) आर्य्यावर्तदेश
२४२	३	(पुण्यवत्) भाग्यवान्
१२१	२८	(पुत्तिका) पाँखी, छोटी माछी
१३१	२७	(पुत्र) पुत्र
२३६	२६	(पुत्रिका) कठपुनरी, गुड़िया, गुड्डा
१३४	३७	(पुत्रौ) कन्या-पुत्र
		(पुद्गल) सुन्दराकार
११७	१३	(पुन्ध्वज) मूस, चूहा
३२७	१	(पुनःपुनर्) वारम्वार
३४५	२५२	(पुनर्) फिर, भेद, निश्चय
३०६	१४९	(पुनर्नवा) गदहपुन्ना

पृष्ठ	श्लोक
१४५	८३ (पुनर्भव) नहखून, नख
१३०	२३ (पुनर्भू) उढ़री
८२	२५ (पुन्नाग) नागकेसर
१२५	१ (पुंस्) पुरुप
६६	१ (पुर्) पुर, गाँव
७०	१ (पुर) गुग्गुल, पुर, गाँव
१९२	७२ (पुरःसर) अगुआ
३४८	७ (पुरतस्) आगे
७३	१६ (पुरद्वार) नगरकाफाटक
९	४२ (पुरन्दर) इन्द्र
१२६	६ (पुरन्ध्री) स्त्री जिसके पति पुत्र दोनों विद्यमान हों
३४८	७ (पुरस्) आगे
३०३	८३ (पुरस्कृत) पूजित, शत्रुओं से पीड़ित, आगे कियाहुआ
३४४	२४५ (पुरस्तात्) पूर्वदिशा, बीताहुआ, पहिले, आगे
३४६	२५७ (पुरा) प्रबन्ध, बहुत काल, बीताहुआ, समीप, होनेवाला
३६	५ (पुराण) पुराण भागवतादि, जिसमें ५ बातें हों
२६०	७७ (पुरातन) पुराना
३६	४ (पुरावृत्त) इतिहास, पूर्वकी कथा
६९	१ (पुरी) नगरी

पृष्ठ	श्लोक
१४१	६६ (पुरीतत्) आँत
१४२	६८ (पुरीप) गूह, मैला
२५७	६३ (पुरु) बहुत
३०	२९ (पुरुप) आत्मा, पुरुप, नागकेसर
४	२१ (पुरुपोत्तम) विप्णु
२५७	६३ (पुरुहू) बहुत
९	४२ (पुरुहूत) इन्द्र
१९२	७२ (पुरोग) अगुआ
१९२	७२ (पुरोगम) अगुआ
१९२	७२ (पुरोगामिन्) अगुआ
३५९	५१ (पुरोडास) जाडरिविशेप
१७५	५ (पुरोधस्) पुरोहित
२५३	४६ (पुरोभागिन्) केवल दोप देखनेवाला
१७६	५ (पुरोहित) पुरोहित
२८२	५ (पुलाक) तुच्छधान्य, संक्षेप, भातका सीथ
५६	९ (पुलिन) जलसे छूटा हुआभाग, रेता
२३४	२० (पुलिन्द) म्लेच्छजाति, जंगलीआदमी
१०	४४ (पुलोमजा) इन्द्रकीस्त्री
२६५	९७ (पुपित) पोढ़ा, मोटा
१६	१ (पुष्कर) आकाश, जल, कमल, पुष्करमूल, हाथीकी सूँड़, बाजाका मुख, तीर्थविशेप

पृष्ठ	श्लोक
१२०	२३ (पुष्कराह्व) सारस
६०	२७ (पुष्करिणी) चौकोना तालाब
२५६	५८ (पुष्कल) श्रेष्ठ, बहुत सुन्दर
२६५	९७ (पुष्ट) पोढ़ा, मोटा, जलाहुआ
८०	१७ (पुष्प) फूल, स्त्रियोंका रज
१६	७१ (पुष्पक) कुबेरका विमान, अंजन
२२७	१०३ (पुष्पकेतु) पीतलगरम करके उसपर घिसकर जो बनायाजाय वह अंजन
१७	४ (पुष्पदन्त) वायव्य दिशाका दिग्गजविशेष
६	२६ (पुष्पधन्वन्) कामदेव
८१	२१ (पुष्पफल) कैथा
१८७	५१ (पुष्परथ) सामान्यरथ, मामूली गाड़ी
८०	१७ (पुष्परस) फूलकारस
१२१	३० (पुष्पलिह्) भँवरा
२६	१० (पुष्पवत्) सूर्य्य, चन्द्रमा
१३०	२० (पुष्पवती) रजस्वला स्त्री
२८	१८ (पुष्पसमय) वसन्त ऋतु

पृष्ठ	श्लोक
२१	२२ (पुष्य) नक्षत्रविशेष
२३६	२८ (पुस्त) मट्टी, काष्ठ, वस्त्र, चमड़ाआदि से लिखना वा पोतना, लिखना आदि कर्म्म
११४	१६६ (पूग) सुपारी, समूह
१६८	३७ (पूजा) पूजा, खातिर करना
२६६	९८ (पूजित) पूजाकिया हुआ
२४२	५ (पूज्य) पूजा करनेके योग्य, श्वशुर
१७१	४८ (पूत) पवित्र, राशि कियाहुआ अन्न
८६	५१ (पूतना) हर्रे
८७	४८ (पूतिक) कँटीलाकंजा
८७	४८ (पूतिकरज) कंजा
८८	५४ (पूतिकाष्ठ) देवदारु, सरला
३३	१२ (पूतिगन्धि) दुर्गन्ध
९७	९६ (पूतिफली) बकुची
२१५	४८ (पूप) पूआ
३५६	२० (पूर) जलकीधारा
८६	४६ (पूरणी) सेमर
२६६	६८ (पूरित) पूरा, सब
१२५	१ (पूरुष) पुरुष
२५८	६५ (पूर्ण) पूरा, सब
१८२	३२ (पूर्णकुम्भ) पानी से भरा पूर्णकलश, घड़ा

पृष्ठ	श्लोक
२६	७ (पूर्णिमा) पूर्णमासी
१६६	३० (पूर्त) तालावआदि का खुदाना
१६	१ (पूर्व) पहिला, पूर्व दिशा, पुरानियाँ
१३५	४३ (पूर्वज) जेठाभाई
३	१२ (पूर्वदेव) दैत्य
७५	२ (पूर्वपर्वत) उदयाचल पर्वत
३५१	२१ (पूर्वेद्युः) पूर्वका गत दिन
२२	२६ (पूषन्) सूर्य्य
२७२	९ (पृक्ति) छूना
३७	१० (पृच्छा) पूछना
१९३	७८ (पृतना) फौज
३४७	३ (पृथक्) विना
६७	६२ (पृथक्पर्णी) सिंहपुच्छी
३१	३१ (पृथगात्मता) प्रकृति पुरुषका भेदजानना, अन्य विवेक, ज्ञान
२३३	१६ (पृथग्जन) नीच,मूर्ख
२६५	९३ (पृथग्विध) नानाप्रकार, हरतरह
६५	३ (पृथिवी) पृथ्वी,ज़मीन
२११	३७ (पृथु) कालाजीरा, हींग वृक्षकी पत्ती, फैलाहुआ
१२३	३९ (पृथुक) चबा,चूरा,चिउरा
५८	१७ (पृथुरोमन्) मछली
२५७	६० (पृथुल) फैलाहुआ
६५	३ (पृथ्वी) भूमि,ज़मीन, कालाजीरा, हींगवृक्ष की पत्ती
१०४	१२५ (पृथ्वीका) इलायची
५२	६ (पृदाकु) सांप
१३७	४८ (पृश्नि) छोटे अंग वाला
६७	९२ (पृश्निपर्णी) सिंहपुच्छी, पिथवन
५५	६ (पृषत्) जलकणा, फुहारा
५५	६ (पृषत्) जलकणा, हरिण
१६५	८६ (पृषत्क) बाण,तीर
१४	६४ (पृषदश्व) वायु, हवा
१६५	२६ (पृषदाज्य) दहीमिला घी
१४४	७८ (पृष्ठ) पीठि, अगुआ
१८५	४६ (पृष्ठ्य) लदुआघोड़ा, पीठियोंका समूह
११८	१६ (पेचक) उलूकपक्षी, हाथीकी पूँछकी जरके समीपका भाग जिससे उसकी गुदा झप जाती है
२३७	३० (पेटक) प्यटारी,गुरू, वृन्द

पृष्ठ	श्लोक
२३७	३० (पेटा) प्यटारी
३६७	४२ (पेटी) प्यटारी
२५८	६६ (पेलव) विरर
२३४	१६ (पेशल) चतुर,सुन्दर
१२३	३८ (पेशी) अण्डा
२१४	४५ (पैठर) बटुआमें पका अन्न
१३१	२५ (पैतृष्वसेय) फूफूका लड़का
१३१	२५ (पैतृष्वसीय) फूफूका लड़का
१७२	५४ (पैत्र) पितरोंका तीर्थ, अँगुष्ठ,तर्जनीकाबीच
१३६	४६ (पोगण्ड) कमती बढ़ती अंगवाला
११२	१६२ (पोटगल) नरकुल, काश
१२९	१५ (पोटा) पुरुषके चिह्न वाली स्त्री
१२३	३६ (पोत) बच्चा, नाव, दारू पीनेका बरतन
५७	१२ (पोतवणिज्) नावका रोजगार करने वाला
५७	१२ (पोतवाह) नावखेवने वाला
५८	१९ (पोताधान)छोटे अंडा, मछलियों का समूह
३२७	१८० (पोत्र) हल और सूअरके मुखका अगिला भाग
११५	३ (पोत्रिन्) सूअर
१०५	१२७ (पौण्डर्य्य) गुलाब
१३२	२९ (पौत्री) नातिनि,पोती
११३	१६६ (पौर) रोहिसखर
१७८	१८ (पौरश्रेणी) राज्यके अङ्ग
२६१	८० (पौरस्त्य) पहिला पुरुषका भाव
१४६	८७ (पौरुष) ऊपर हाथ उठाना,पुरुषका काम
२१०	२७ (पौरोगव) रसोई का मालिक
१७२	५१ (पौर्णमास) पौर्णमासी के दिनका यज्ञ
२६	७ (पौर्णमासी)पूर्णमासी तिथि
१५	७० (पौलस्त्य) कुबेर
२१४	४७ (पौलि) परमल, मुरमुरा
२७	१५ (पौष) पूसमास
२२७	१०३ (पौष्पक) अञ्जनविशेष
३४८	७ (प्याट्) सम्बोधन
३०	२७ (प्रकाण्ड) अच्छा,वृक्ष का जांघा
२१७	५७ (प्रकाम) इच्छाभर
३२३	६२ (प्रकार) भेद,सादृश्य, तरह।

पृष्ठ	श्लोक
२४	३४ (प्रकाश)प्रकाश,उजेरा,अतिप्रसिद्ध,जाहिर
१८२	३१ (प्रकीर्णक) चँवर
८७	४८ (प्रकीर्य्य) कंजा
३०	२६ (प्रकृति) सत्वादि गुणों की साम्यावस्था, स्वभाव,असामी, योनि,लिङ्ग,स्वामी,राजा, अमात्य,मन्त्री, सुहृद, मित्र, कोश, खजाना, राष्ट्र, देशकी भूमि, दुर्गमस्थान, बल, फौज
१४५	८० (प्रकोष्ठ) हाथीकीविचली गाँठिके नीचेका भाग
२७७	२६ (प्रक्रम) पहिले पहिल आरम्भकरना
१८१	३१ (प्रक्रिया)अधिकार,कानून चलाना
४१	२५ (प्रक्वण) वीणाकाशब्द
४१	२५ (प्रक्वाण)वीणाकाशब्द
१९५	८७ (प्रक्ष्वेडन)नाराच,लोहेकातीर
१४४	८० (प्रगण्ड) हाथीकी विचली गाँठिके ऊपरका भाग
१३६	४७ (प्रगतजानुक) लचरा,जिसके पैर खरावहों
२४८	२५ (प्रगल्भ)बुद्धिमान,ढीठ

पृष्ठ	श्लोक
२६३	४४ (प्रगाढ़)अतिशय,दुःख
२५९	७२ (प्रगुण) सीधा
३५१	१९ (प्रगे) प्रातःकाल
२०२	११९ (प्रग्रह) बँधुआ, तराजू का सूत जिसको पकड़ कर तौलते हैं, पगहा
३४२	२३६ (प्रग्राह) पगहा, तराजू का सूत
३६५	३५ (प्रग्रीव) झरोखा
७२	१२ (प्रघण) चौपारि
७२	१२ (प्रघाण) चौपारि
१९७	९६ (प्रचक्र)चलीहुई फौज
२५०	३२ (प्रचलायित) नींदसे घूमताहुआ नेत्रवाला
२५७	६३ (प्रचुर) बहुत
१४	६२ (प्रचेतस्) वरुण
९७	९४ (प्रचोदनी) भटकटैया
१५३	११६ (प्रच्छदपट) ओहार
७३	१४ (प्रच्छन्न) खिड़की
१३८	५५ (प्रच्छर्दिका)वान्त,उछार
२७६	२५ (प्रजन) पहिलेपहिल गर्भ
१९२	७३ (प्रजविन्)जल्दबाज, वेगवाला
२९०	३२ (प्रजा)सन्तान,असामी
१२९	१६ (प्रजाता) प्रसूता,सौरिहाई
४	१७ (प्रजापति) ब्रह्मा

पृष्ठ	श्लोक
१३२	३० (प्रजावती)भाईकीस्त्री
३१	१ (प्रज्ञा)बुद्धि,बुद्धिमती स्त्री
३१३	१२२ (प्रज्ञान) बुद्धि, चिह्न
१३६	४७ (प्रज्ञु) लपचरा,जिसके पैर खराबहों
१२३	३८ (प्रडीन) उड़ना
२७६	२५ (प्रणय) नम्रता, विश्वास,मांगना,प्रेम
३६	४ (प्रणव) ओंकार
३८	१० (प्रणाद) प्रीतिसे उत्पन्न शब्द
६२	३५ (प्रणाली) नरिआ, पनारी
१७७	१३ (प्रणिधि)जासूस,चार, प्रार्थना, रवानाहोना
२६३	८६ (प्रणिहित)प्राप्त,मिला
१६४	२२ (प्रणीत) खीर, रतिआउरि, संस्कारयुक्त आगि
२६९	१०९ (प्रणुत) स्तुति किया हुआ
२४७	२५ (प्रणेय) वश्य, वशमें पड़ा हुआ
२६०	७७ (प्रतन) पुराना
१४६	८४ (प्रतल) चटकना,तरूपर मिलेहुये दोनोंहाथ
७८	६ (प्रतानिनी) वहुतफैली हुई
१७९	२० (प्रताप) खजाना और दण्डसे उत्पन्न तेज,प्रभाव
६४	८१ (प्रतापस)उजलामदार
२४४	२४४ (प्रति) प्रतिनिधि,वीप्सा,लक्षणादि
१४९	६६ (प्रतिकर्म्मन्) अलंकारकी शोभा
२६२	८४ (प्रतिकूल) उलटा,विपरीत
२३८	३६ (प्रतिकृति) मूर्ति,प्रतिमा, तसवीर
२५५	५४ (प्रतिकृष्ट) अधम,निन्दित
२५२	४२ (प्रतिक्षिप्त)निन्दा किया हुआ
२७७	२८ (प्रतिख्याति) वहुत, प्रसिद्ध,
१९३	७९ (प्रतिग्रह) फौजकेपीछे दूसरी फौज
१५९	१४० (प्रतिग्राह) पीकदान
४७	२६ (प्रतिघा) क्रोध
२०१	११४ (प्रतिघातन) मारना
२३८	३६ (प्रतिच्छाया) मूर्ति,प्रतिमा,तसवीर
२७७	२८ (प्रतिजागर)होशियारी के साथ देखना
२६८	१०८ (प्रतिज्ञात) अंगीकार किया हुआ

पृष्ठ	श्लोक
३२	५ (प्रतिज्ञान) स्वीकार
२२२	८१ (प्रतिदान) किसी की दीहुई वस्तु धरोहरको फेरदेना
४१	२६ (प्रतिध्वान)शब्द होने के बाद दूसरी आवाज
२३८	३६ (प्रतिनिधि)मूर्ति,प्रतिमा, तसवीर
२४	२ (प्रतिपत्)परीवा,बुद्धि
२६८	१०८ (प्रतिपन्न) जानाहुआ
१६७	३१ (प्रतिपादन) दान
२५२	४१ (प्रतिबद्ध) निराश किया हुआ
२७७	२७ (प्रतिबन्ध) कार्य्य का रुकना
२३८	३६ (प्रतिबिम्ब) मूर्ति, प्रतिमा
४६	२० (प्रतिभय) भयानक
२४८	२५ (प्रतिभान्वित) बुद्धिमान्, ढीठ
२४०	४४ (प्रतिभू) जिम्मेदार
२३८	३६ (प्रतिमा)मूर्ति,तसवीर
१८४	३९ (प्रतिमान)हाथीके दांतोंका मध्यभाग,मूर्ति, तसवीर
१६०	६५ (प्रतिमुक्त) कवचादि पहिरेहुये
३०९	१०६ (प्रतियत्न) पानेकी इच्छा, अनुकूल

पृष्ठ	श्लोक
२३८	३६ (प्रतियातना) मूर्ति,प्रतिमा, तसवीर
२३६	२५ (प्रतिरोधिन्) चोर
३७	१० (प्रतिवाक्य) उत्तर, जवाब
९८	९९ (प्रतिविषा) अतीस
२७९	३४ (प्रतिशासन) बुलाकर कहीं भेजना
१३७	५१ (प्रतिश्याय)पीनसरोग
३२०	१५२ (प्रतिश्रय) सभा, आश्रय,अभ्युपगम
३२	५ (प्रतिश्रव) स्वीकार
४१	२६ (प्रतिश्रुत) अंगीकार कियाहुआ, गूंजना
२७७	२७ (प्रतिष्टम्भ) कार्य्य का रुकना
३२६	१७३ (प्रतिसर)सेनाकापछिला भाग, रक्षाकासूत्र, घावका अच्छाहोना
१५४	१२० (प्रतिसीरा) कनात
२५२	४१ (प्रतिहत) निराश किया हुआ
२३२	११ (प्रतिहारक)इन्द्रजाली
९३	७६ (प्रतिहास) कनइल
१४२	७० (प्रतीक) अंक, बिगड़ा हुआ
२०१	११० (प्रतीकार) वैरमिटाना
२३८	३८ (प्रतीकाश) सदृश,बराबर

पृष्ठ	श्लोक	
२४२	५	(प्रतीच्य) पूजा करने के योग्य
१६	१	(प्रतीची) पश्चिमदिशा
२४४	६	(प्रतीत) प्रसिद्ध, हर्षित, मशहूर
१२५	२	(प्रतीपदर्शिनी) स्त्री
५५	७	(प्रतीर) तीर, किनारा
७३	१६	(प्रतीहार) दरवाजा, द्वारपालक, ड्योढ़ीदार
३२५	१६६	(प्रतीहारी) द्वारपालिका, जनानेकी लौंडी
७०	३	(प्रतोली) गांव भीतर की राह, कोलिया
२६०	७७	(प्रत्न) पुराना
३५२	२३	(प्रत्यक्) पश्चिमदिशा, देशकाल
६६	८९	(प्रत्यक्पर्णी) लहचिचिरा
६५	८८	(प्रत्यक्श्रेणी) मूसरि, वज्रदन्ती
२६१	७९	(प्रत्यक्ष) इन्द्रियोंसे ग्रहणके योग्य
२६०	७७	(प्रत्यग्र) नया
६६	८	(प्रत्यन्त) म्लेच्छोंकादेश
७६	७	(प्रत्यन्तपर्वत) पर्वतके समीपका छोटापर्वत
३१९	१४७	(प्रत्यय) अधीन, कसम, ज्ञान, विश्वास, हेतु
१७७	१३	(प्रत्ययित) विश्वासी
१७७	११	(प्रत्यर्थिन्) शत्रु, दुश्मन
२६९	११०	(प्रत्यवसित) खाया हुआ
२५२	४०	(प्रत्याख्यात) त्यागा, जवाब दिया हुआ
२७८	३१	(प्रत्याख्यान) त्यागना, जवाबदेना
२५१	४०	(प्रत्यादिष्ट) त्यागा, जवाब दिया हुआ
२७८	३१	(प्रत्यादेश) त्यागना, जवाब देना
१९५	८५	(प्रत्यालीढ़) बाई जाँघ फैलाकर दहिनी समेटकर बैठना, धनुप लेकर खड़ेहोनेका आसनविशेष
१६३	७९	(प्रत्यासार) कायदेसे खड़ीहुई फौजका पिछला भाग
२७४	१६	(प्रत्याहार) लेलेना, इन्द्रियोंका खींचना
२७७	२६	(प्रत्युत्क्रम) युद्धकी तय्यारी करना
२४	२	(प्रत्युषस्) प्रातःकाल
२४	२	(प्रत्यूष) प्रातःकाल
२७५	१९	(प्रत्यूह) विघ्न, खलल
२६१	८०	(प्रथम) पहिला, प्रधान
१६२	१३	(प्रथमकल्पिक) छोटे२

पृष्ठ श्लोक

नये विद्यार्थी

२७२ ९ (प्रथा) प्रसिद्धता
२४४ ९ (प्रथित) प्रसिद्ध, मशहूर
३२३ १६४ (प्रदर) बाण, भंग, पराजय, लहर, स्त्रियों कीयोनिका रोगविशेष
१५९ १३९ (प्रदीप) दीप, चिराग
५३ १० (प्रदीपन) विषविशेष
१८१ २७ (प्रदेशन) भेंट, नजर
१४५ ८१ (प्रदेशिनी) अँगुठाके पासकी अँगुली
२५ ६ (प्रदोष) सन्ध्या, सांझ
५ २५ (प्रद्युम्न) कामदेव
२०१ १११ (प्रद्राव) भागना
१९९ १०३ (प्रधन) लड़ाई
३० २९ (प्रधान) मुख्य मंत्री, प्रकृति, परमात्मा, महामात्रप्रकृति, बुद्धि
१८८ ५६ (प्रधि) पहियाका किनारा, पुट्ठी
२८९ २८ (प्रपञ्च) विपरीत, चौड़ाई
१४२ ७१ (प्रपद) पैरका आगिला भाग
७१ ७ (प्रपा) पौशाला
७५ ४ (प्रपात) पर्वत से जल गिरनेका स्थान
१३३ ३३ (प्रपितामह) परपाजा,

पृष्ठ श्लोक

आजाका बाप

१०९ १४७ (प्रपुन्नाड) चकवड़
१०५ १२७ (प्रपौण्डरीक) स्थलकमल, गुलाब
७८ ७ (प्रफुल्ल) फूलाहुआ
३६ ६ (प्रबन्धकल्पना) कथा (प्रवाल) मूंगा, अंकुर
१५५ १२३ (प्रबोधन) सुगन्ध को प्रकट करना
१४ ६४ (प्रभञ्जन) वायु, हवा,
३३५ २०९ (प्रभव) प्रथम ज्ञानका स्थान, जन्मका हेतु
३४ ३४ (प्रभा) कान्ति, तेजविशेष
२२ २८ (प्रभाकर) सूर्य्य
२५ ३ (प्रभात) प्रातःकाल
१७९ २० (प्रभाव) खजाना और दण्ड से उत्पन्न तेज, राजाकी शक्ति
१८३ ३६ (प्रभिन्न) मतवाला हाथी, जिसके मद बहताहो
२४४ ११ (प्रभु) स्वामी, मालिक
२५७ ६३ (प्रभूत) बहुत
१५७ १३६ (प्रभ्रष्टक) चोटीमें गुही हुई फूलकी पंक्ति
८ ३६ (प्रमथ) शिवके गण
२०२ ११५ (प्रमथन) मारना
७ ३२ (प्रमथाधिप) शिव

पृष्ठ	श्लोक
२९	२४ (प्रमद) हर्ष, आनन्द
७७	३ (प्रमदवन) रानियों के क्रीड़ा करने का बाग
१२५	३ (प्रमदा) बहुतकामवाली स्त्री
२४३	६ (प्रमनस्) हर्षयुक्त,खुश
२७२	१० (प्रमा) यथार्थज्ञान
२९६	५३ (प्रमाण) हेतु, मर्यादा, शास्त्र, प्रमाण, प्रमाण करनेवाला, ज्ञात
४८	३० (प्रमाद) असावधानी, गफलत
२०१	११२ (प्रमापण) मारना
२७२	१० (प्रमिति) यथार्थ ज्ञान,
१६६	२८ (प्रमीत) यज्ञमें मारा हुआ पशु, मुर्दा, मरा हुआ
५०	३७ (प्रमीला) आलस्य
२५६	५७ (प्रमुख) मुख्य, प्रधान
२६७	१०३ (प्रमुदित) हर्षित
२९	२४ (प्रमोद) हर्ष, आनन्द
१७१	४९ (प्रयत) पवित्र
२१४	४५ (प्रयस्त) बड़ी यत्न से पकायाहुआ अन्नादि
२७६	२३ (प्रयाम) धनधान्यका संचय
२७७	२६ (प्रयोग) युद्धके वास्ते तय्यारी करना
५	२३ (प्रलम्बघ्न) बलदेव
२९	२२ (प्रलय) सबका नाश, मूर्च्छा, मरण
३९	१२ (प्रलाप) अनर्थकवचन
२९६	५६ (प्रवण) क्रमसे नीची भूमि, प्रह्व, नम्र, चौराहा
१३५	४२ (प्रवयस्) बूढ़ा पुरुष
२५६	५७ (प्रवर्ह) मुख्य, प्रधान
३६	६ (प्रवल्हिका) जिसके सुनने से और अर्थ मालूमहो और विचार करनेपर और वह कहानी
२७५	१८ (प्रवह) बाहरकीयात्रा, वायु, हवा
१८७	५२ (प्रवहण) चौड़ी लंबी जनानी गाड़ी
१५३	११७ (प्रवार) अँगौछा
२७०	४ (प्रवारण) किसी कामनाके अर्थ दानदेना
४३	७ (प्रवाल) वीणाका डॉड़ा, मूँगा, अंकुर, नया पल्लव
२७५	१८ (प्रवाह) बहना, जलधारा
२०१	११२ (प्रवासन) मारना
१३८	५५ (प्रवाहिका) संग्रहणी रोग
	(प्रविख्याति) • अतिप्रसिद्धता

पृष्ठ	श्लोक
१९९	१०३ (प्रविदारण) लड़ाई, युद्ध
२७५	२० (प्रविश्लेप) बड़ा वियोग
२४२	४ (प्रवीण) निपुण, पंडित, चतुर
३७	७ (प्रवृत्ति) वृत्तान्त, हाल, जलका बहना
२६०	७६ (प्रवृद्ध) बढ़ा हुआ, फैला हुआ
२५६	५७ (प्रवेक) उत्तम, प्रधान
१४८	९८ (प्रवेणी) तैलादि न लगानेसे लटरेहुये बाल, हाथी की झूल
१४४	८० (प्रवेष्ट) बाँह, भुजा
२६१	८१ (प्रव्यक्त) साफ
३७	१० (प्रश्न) पूँछना
२७६	२५ (प्रश्रय) प्रेम
२४८	२५ (प्रश्रित) नम्र मनुष्य, सीधा
१९२	७२ (प्रष्ठ) अगुआ
२१८	६३ (प्रष्ठवाह) बैलकाढ़ने का घसीटा, ठवँगुरी का घसीटनेवाला बैल
२२०	७० (प्रष्ठौही) गाभिन कलोरि, ओसर
५७	१४ (प्रसन्न) निर्मल
२०	१६ (प्रसन्नता) स्वच्छता
२३६	४० (प्रसन्ना) दारू
२००	१०८ (प्रसभ) हठ
२७६	२३ (प्रसर) घाव का फैलना
१९७	९६ (प्रसरण) फौजका फैलाव
२७२	१० (प्रसव) प्राणीकी उत्पत्ती का समय, जन्म, फल, फूल, उत्पत्ति
८०	१५ (प्रसवबन्धन) ढेंपी, कली के ऊपर कोमल पत्तोंका लपेट
२६२	८४ (प्रसव्य) उलटा, विपरीत
२४९	१० (प्रसह्य) हठसे
२०	१६ (प्रसाद) अनुग्रह, प्रसन्नता, काव्यके गुण
१४९	९९ (प्रसाधन) अलंकारकी शोभा
१५६	११० (प्रसाधनी) कंघी
१४९	१०० (प्रसाधित) अलंकृत, भूपित
११०	१५२ (प्रसारिणी) अमरबौरिया, चाँदवेल
२४९	३१ (प्रसारिन्) पसरने वाला
२४४	९ (प्रसित) किसी काम में दिलसे लगे हुये
१३४	३७ (प्रसिति) बन्धन
३०८	१०४ (प्रसिद्ध) प्रसिद्ध, जाहिर, भूपित

पृष्ठ	श्लोक
१३४	३७ (प्रसूजनयितारौ) माता पिता
१३२	२६ (प्रसू) घोड़ी, माता
१२९	१६ (प्रसूता) सौरिहाई
२७२	१० (प्रसूति) जन्म
१२९	१६ (प्रसूतिका) प्रसूता, सौरिहाई
५४	३ (प्रसूतिज) दुःख
८०	१७ (प्रसून) फूल
२६३	८८ (प्रसृत) फैलाहुआ, पसरना
१४३	७२ (प्रसृता) जाँघ
१४६	८५ (प्रसृति) पसर
२१०	२६ (प्रसेव) थैली, बोरा
४३	७ (प्रसेवक) वीणाकी मढ़ी हुई तुम्बी
७५	४ (प्रस्तर) पत्थर, बाँधना
२७६	२४ (प्रस्ताव) प्रसंग, अवसर
७५	५ (प्रस्थ) पर्वतके ऊपर ऊँचा चट्टान, सेर, पसर
९४	७९ (प्रस्थपुष्प) मरुआ, दवना
१९७	९५ (प्रस्थान) यात्रा
२०९	२६ (प्रस्फोटन) सूप
७५	५ (प्रस्रवण) पहाड़में जल निकलनेका स्थान
१४२	६७ (प्रस्राव) मूत
२५	६ (प्रहर) पहर
१९४	८२ (प्रहरण) हथियार
१४६	८४ (प्रहस्त) चटकना
६०	२६ (प्रहि) कुँआँ
३६	६ (प्रहेलिका) कहानी वह जिसके सुनने में अर्थ और हो और विचारने से और
२६७	१०३ (प्रह्व) हर्षित, प्रसन्न
२५९	७० (प्रांशु) ऊँचा, लम्बा
७०	३ (प्राकार) बाँसआदिसे घिराहुआ मकानादि
२३३	१६ (प्राकृत) नीच
१६३	१८ (प्राग्वंश) यज्ञस्थान में हविके घर से पूर्वदिशा का घर
२५६	५८ (प्राग्रहर) मुख्य, प्रधान
२५६	५८ (प्राग्र्य) मुख्य, प्रधान
२७२	१० (प्राघार) घी आदिका टपकना
१६८	३६ (प्राघुणक) अभ्यागत
१६८	३६ (प्राघूर्णिक) अभ्यागत
२५०	१६ (प्राच्) पूर्वकाल, पूर्व दिशा, पूर्वदेश
२५४	८ (प्राचिका) वन की माछी, पक्षीविशेष
१६	१ (प्राची) पूर्वदिशा
९५	८५ (प्राचीना) पाठा, पाँढ़रि
१७२	५३ (प्राचीनावीत) दहिने

पृष्ठ	श्लोक
	काँधे पर रक्खा हुआ यज्ञोपवीत
७०	३ (प्राचीर) घेरा, मकानादिके चारोंओर बाँस आदि का घेर
१६९	३६ (प्राचेतस) वाल्मीकिमुनि
६६	८ (प्राच्य) पूर्व दक्षिणका देश
२०६	१२ (प्राजन) कोड़ा,चाबुक
१८९	५६ (प्राजितृ) गाड़ीवान, रथवान्
१६०	५ (प्राज्ञ) पण्डित
१२८	१२ (प्राज्ञा) बुद्धिमती स्त्री
१२८	१२ (प्राज्ञी) बुद्धिमती स्त्री
२५७	६३ (प्राज्य) बहुत
१७६	५ (प्राड्विवाक)न्याय करनेवाला, मुकद्दमा देखनेवाला
१४	६४ (प्राण) वायुविशेष, बल, जीव, गन्धरस, वीर
३०	३० (प्राणिन्) शरीरधारी
२५१	१९ (प्रातर्) प्रातःकाल
२३२	११ (प्रातिहारिक) मायावी, इन्द्रजाली
१६२	१३ (प्राथमकल्पिक) पहिले पहिल वेदारम्भ करनेवाला
३४६	२५५ (प्रादुस्) नाम, प्रकाश होनेवाला
१४५	८३ (प्रादेश) अँगुठा से अँगुठा के पासकी अँगुरी तकका बीता
१६७	३२ (प्रादेशन) दान
३४७	४ (प्राध्वम्) अनुकूलता
६६	१८ (प्रान्तर) जहां दूरतक जल छाया मनुष्य न हों वह रास्ता
२६३	८६ (प्राप्त) स्थापित,रक्खा, मिला
२०२	११७ (प्राप्तपञ्चत्व) मराहुआ
३१५	१३१ (प्राप्तरूप) पण्डित, सुन्दर
२९९	६८ (प्राप्ति) उदय, लाभ
२६४	९२ (प्राप्य) मिलने के योग्य
१८१	२७ (प्राभृत) भेंट,नजर
१७२	५६ (प्राय) संन्यासपूर्वक भोजन का त्याग करना, बहुताई, मरण के अर्थ जाना
३२०	१५३ (प्रायस्) बहुताई, मृत्यु, पाथर, मरणके निमित्त अन्न छोड़ना
२६६	९७ (प्रार्थित) याचनाकिया हुआ
१५८	१३७ (प्रालम्ब) गलेसे सीधी

पृष्ठ	श्लोक
	लटकी हुई माला
१५०	१०४ (प्रालम्बिका) नाभि तक लम्बीसोनेकीमाला
२०	१८ (प्रालेय) पाला
१५३	११७ (प्रावार) ऊपर ओढ़ने का वस्त्र
१५२	११३ (प्रावृत) वस्त्र का किनारा
२८	१९ (प्रावृष्) वर्षा
९५	८५ (प्रावृषायणी) कचवाँच
१९७	९३ (प्रास) साँग
१८८	५७ (प्रासंग) गाड़ीकाजुआं
२१८	६४ (प्रासंग्य) लदुआ बैल
१०	४७ (प्रासाद) देवमन्दिर, राजाका घर
१९१	७० (प्रासिक) सांग हथियार धारण करनेवाला
२५	३ (प्राह्ण) दिन का पूर्वभाग
१३३	३५ (प्रिय) पति, दुलहा, प्यारा
८५	४२ (प्रियक) कदमवृक्ष, विजयसार, काकुनि, हरिणविशेष
८८	५५ (प्रियंगु) काकुनि
४७	२७ (प्रियता) स्नेह
२५०	३६ (प्रियंवद) मीठे वचन बोलनेवाला
८४	३५ (प्रियाल) चिरोंजी

पृष्ठ	श्लोक
२७१	४ (प्रीणन) अघाना
२६७	१०३ (प्रीत) हर्षित, प्रसन्न
२९	२४ (प्रीति) हर्ष, प्रेम
२६६	९९ (प्रुष्ट) जरा हुआ
३१	१ (प्रेक्षा) बुद्धि, नाचदेखना
१८७	५३ (प्रेङ्खा) डोली, हिंडोला
२६३	८७ (प्रेङ्खित) कॉपताहुआ
५३	२ (प्रेत) नरकके प्राणी, परेत, मराहुआ
२४८	८ (प्रेत्य) जन्मान्तर
४७	२७ (प्रेमन्) प्रेम, स्नेह
२६९	१११ (प्रेष्ठ) अतिशय प्यारा
३३७	२१६ (प्रैष) पठाना, मलना
२३४	१७ (प्रैष्य) दास, टहलू
१६६	२८ (प्रोक्षण) यज्ञमें पशु को मारना
१६६	२८ (प्रोक्षित) माराहुआ यज्ञ का पशु
१८६	४९ (प्रोथ) घोड़ाकी नाक
२१	२२ (प्रोष्ठपदा) पूर्वभाद्रपद उत्तरभाद्रपद
५८	१८ (प्रोष्ठी) शहरीमछली
२१	२२ (प्रौष्ठपद) भादोंमास
२६०	७६ (प्रौढ) बढ़ाहुआ
८३	३२ (प्लक्ष) पकरिया, गेंठी
५६	११ (प्लव) छोटीनाव, मेढ़ुकी, मोथा, बत्तखपक्षी, चाण्डाल

पृष्ठ	श्लोक
११५	४ (प्लवग) वानर, मेंढक, सारथी
११५	४ (प्लवंग) वानर
३१७	१३७ (प्लवंगम) वानर, मेढ़क,
८१	१८ (प्लाक्ष) पकरिया का फल
१४१	६६ (प्लीहन्) पिलही
८७	४९ (प्लीहशत्रु) गुलानार
१८६	४८ (प्लुत) घोड़ों की कावा चाल
२६६	९९ (प्लुष्ट) जराहुआ
२७२	९ (प्लोप) जलाना
	(फ)
२६६	११० (फसात) खायाहुआ
६६	८६ (फञ्जिका) भँगिरा
५२	९ (फटा) साँपका फन
५२	९ (फणा) साँपका फन
६४	७६ (फणिञ्जक) मरुआ, दवना
५२	७ (फणिन्) साँप
१६६	९० (फल) ढाल, फार, फल, लाभ
१६६	९० (फलक) ढाल
१६१	७१ (फलकपाणि) ढाल वाला
२२९	१११ (फलत्रिक) त्रिफला, हर्र बहेरा अँवरा
९३	७८ (फलपूर) बिजौरा नींबू
७८	७ (फलवत्) फलवाला वृक्ष
८६	४५ (फलाध्यक्ष) खिन्नी
७८	७ (फलिन्) फलवालावृक्ष
७८	७ (फलिन) फलवाला वृक्ष
८८	५५ (फलिनी) काकुनि, इन्द्रपुष्पी
८८	५५ (फली) काकुनि
७८	६ (फलेग्रहि) फरनेवाला वृक्ष
८८	५४ (फलेरुहा) पाँढरि
९०	६१ (फल्गु) कठूंबरि, असार वस्तु, कमजोर
२१३	४३ (फाणित) राब, खांड़
२६५	६४ (फाण्ट) सहजही किया हुआ
१५२	१११ (फाल) फार, कपाससे बुनाहुआ कपड़ा
२७	१५ (फाल्गुन) फागुनमास
२७	१५ (फाल्गुनिक) फागुन मास
७८	८ (फुल्ल) फूला हुआ
२२८	१०५ (फेन) समुद्रफेन, फेना
८३	३१ (फेनिल) रीठी, बेरका फल
११५	६ (फेरव) सियार
११५	६ (फेरु) सियार
२१७	५६ (फेला) खाने से बचा अन्न, जूठा

पृष्ठ	श्लोक
	(व)
६४	८१ (वक) वकुला, गूमा
६०	६४ (वकुल) मोमसिरी
३४४	२४३ (वत) खेद, दया, संतोष, विस्मय, किसीको चिताकर अपने सम्मुख करना
८४	३४ (वदर) वैरके फल
१४२	११६ (वदरा) कपास, वाराहीकन्द
८४	३७ (वदरी) वैरवृक्ष
१६८	६७ (वन्दिन्) स्तुतिपाठ करने वाले, भाट
२०२	११५ (वध्र) मारना
२५२	४२ (वद्ध) वाँधाहुआ
१३६	४८ (वधिर) वहिरा
१२५	२ (वधू) अपनी स्त्री, पतोहू, स्त्री
२५३	४५ (वध्य) शिरकाटने के योग्य
	(वन्धक) गिरौं धरना
१२७	१० (वन्धकी) छिनारि
१८१	२६ (वन्धन) वाँधना
२०२	११६ (वन्धनालय) वन्दीखाना, जेल
१८४	४१ (वन्धस्तंभ) हाथी वाँधनेका खूंटा
१३३	३४ (वन्धु) अपनीजातिवाले
६२	७३ (वन्धुजीवक) दुपहरिया
१३३	३५ (वन्धुता) वन्धुओं का समूह
२५६	६९ (वन्धुर) ऊंचा नीचा
१३१	२६ (वन्धुल) कुलटा स्त्री का पुत्र
९२	७३ (वन्धूक) दुपहरिया
८६	४४ (वन्धूकपुष्प) विजयसार
२५६	६६ (वन्धूर) ऊंचा नीचा
७८	७ (वन्ध्य) वाँझवृक्ष
२१६	६९ (वन्ध्या) वाँझ गौ
१२२	३२ (वर्ह) मोरपंख, पत्ता
१०६	१३२ (वर्हपुष्प) कुकुरौंधा
१२१	३१ (वर्हिण) मोर
१२१	३१ (वर्हिन्) मोर
१०६	१३२ (वर्हिपुष्प) कुकुरौंधा
२	९ (वर्हिर्मुख) देवता
१२	५५ (वर्हिस्) आगि
५	२४ (वल) वलदेव, फौज, पराक्रम, मोटाई, कौआ
२९०	३१ (वलज) खेत, नगरका दरवाजा
२९०	३१ (वलजा) सुन्दरी स्त्री
५	२३ (वलदेव) वलदेव
५	२३ (वलभद्र) वलदेव
११०	१५० (वलभद्रिका) चिरायता का फल
२६४	६० (वलयित) घेराहुआ

पृष्ठ	श्लोक
१३६	४४ (वलवत्) वलगर
१००	१०७ (वला) वरिआरा
११०	२६ (वलाका) वकुली
२००.	१०८ (वलात्कार) हठ, जिद्द
१०	४४ (वलाराति) इन्द्र
१८	६ (वलाहक) वादर
१८१	२७ (वलि) महायज्ञविशेष, पोत, भेंट, सूखीखाल, प्रह्लादका पौत्र
४	२१ (वलिध्वंसिन्) विष्णु
१३६	४५ (वलिन) बुढ़ापे से जिसकी खाल सिकुर गई हो वह पुरुष
११९	२१ (वलिपुष्ट) कौआ
१३६	४५ (वलिभ) बुढ़ापेसेजिसकी खाल सिकुरगई हो वह पुरुष
११९	२१ (वलिभुज्) कौआ
१३७	४९ (वलिर) कंजी आंखोंवाला
५१	१ (वलिसद्मन्) पाताल
२१७	५६ (वलीवर्द) वैल
२१०	२७ (वल्लव) रसोईंयरदार, अहीर
११३	१६३ (वल्वज) बगई
२२०	७१ (वष्कयणी) बहुत दिनकी व्यानी, वकेनि
७३	१६ (वहिर्द्वार) दरवाज़े के वाहरका भाग

पृष्ठ	श्लोक
३५०	१७ (वहिस्) बाहर
२५७	६३ (वहु) वहुत
२४५	१७ (वहुकर) बहारनेवाला
२५०	३६ (वहुगर्ह्यवाच्) वहुत निन्दितवात कहनेवाला
८३	३२ (वहुपाद्) वरगद
२४३	६ (वहुप्रद) वहुत देनेवाला, अतिदानी
१५२	११३ (वहुमूल्य) वड़े मोलवाला वस्त्रादि
१५६	१२९ (वहुरूप) राल, धूप
२५७	६३ (वहुल) वहुत, आगि, अँधेरापाख
१०४	१२५ (वहुला) इलायची, गौ, कृत्तिकानक्षत्र
२०६	२३ (वहुलीकृत) वसाकर राशि कियाहुआ अन्नादि
८४	३४ (वहुवारक) लसोहरा
२६४	८३ (वहुविध) अनेकप्रकारका
९८	१०० (वहुसुता) शतावरि
२२०	७० (वहुसूति) वहुतवार वियाई गौ
६७	६६ (वाकुची) वकुची
१५	६८ (वाढ) अतिशय, स्वीकार, मजवूत
१९५	८६ (वाण) तीर, वाणासुर दैत्य

पृष्ठ	श्लोक	
१५२	१११	(वादर) कपाससे बनाया कपड़ा
५४	३	(वाधा) दुःख, विरह
१३१	२६	(वान्धकिनेय) कुलटा का पुत्र
१३३	३४	(वान्धव) जातिवाले
८१	१९	(वार्हत) भटकटैयाका फल
१०३	१२२	(वाल) वालक, नेत्रवाला, वार, मूर्ख, वछेड़ा
८७	४९	(वालतनय) खयर
११४	१६२	(वालतृण) नयाखर,
१८६	५०	(वालधि) वारयुक्त पूँछ
११७	१३	(वालमूपिका) छोटी मुसरी
१८६	५०	(वालहस्त) वारयुक्त पूँछ
४५	१४	(वाला) कुमारीकन्या
२५४	४८	(वालिश) मूर्ख, लड़का
२२१	७७	(वालेय) गदहा
९६	६०	(वालेयशाक) भँगरा
१३५	४०	(वाल्य) लड़कपना
२१४	१३०	(वाष्प) वाफ, आँसु
२१३	४०	(वाष्पिका) हीगकेवृक्ष की पत्ती
१४४	८०	(वाहु) वाँह, भुजा
१७५	१	(वाहुज) क्षत्रिय, सहस्रवाहुको
६२	३३	(वाहुदा) नदीविशेष
१४४	७९	(वाहुमूल) काँख
२००	१०६	(वाहुयुद्ध) वाँहोंसे लड़ाई
२८	१८	(वाहुल) कार्तिक
६	४१	(वाहुलेय) स्वामिकार्तिक
		(वाह्लिक) वाह्लिकदेश
१८५	४५	(वाह्लीक) कावुलीघोड़ा, कुंकुम
१८५	४५	(वाह्लिक) कावुली घोड़ा, हींग, कुंकुम
८४	२	(विन्दु) हाथीके माथे में बीचका भाग जो खाली होताहै उसको विन्दु कहते हैं
१९	१५	(विम्ब) गोलमण्डल, कुंदरूकाफल
१०७	१३६	(विम्बिका) कुंदुरू
८३	३२	(विल्व) वेल
३०	२८	(बीज) कारण, काम, शुक्र
६४	४३	(वीजकोश) कमलके बिया
९३	७८	(वीजपूर) बिजौरानींबू
२०५	८	(वीजाकृत) बोकर जोतागया खेत
१६०	२	(वीज्य) कुल में उत्पन्न
४६	१९	(वीभत्स) रसविशेष, क्रूर

पृष्ठ	श्लोक
६४	८१ (वुक) गूँमा
१४१	६४ (वुक्का) करेजा
३	१३ (वुद्ध) जाना, माना, बौद्ध
३१	१ (वुद्धि) वुद्धि, समझ
३५८	१९ (वुद्‌वुद) वुल्ला
१६०	५ (वुध) पण्डित, बूढ़ा, बुध, चौथाग्रह
२६८	१०८ (वुधित) जाना, माना
७६	१२ (वुध्न) जर
२१६	५४ (वुभुक्षा) भूँख
२४६	२० (वुभुक्षित) भूँखा
२०६	२२ (वुस) भूसा
३६४	३४ (वुस्त) भूजामॉस, कटहरका झोथरा, नव अक्षरके चरणकाछन्द
६७	९३ (बृहती) भटकटैया, वनभॉटा
२००	१०७ (बृंहित) हाथीका गर्जना
२५७	६० (बृहत्) बड़ा, फैलाहुआ
१५३	११७ (बृहतिका) ऊपरओढ़नेका वस्त्र, अँगौछा
१३६	४४ (बृहत्कुक्षि) बड़ेपेटवाला, तोंदारा
१२	५५ (बृहद्भानु) आगि
२१	२४ (बृहस्पति) बृहस्पाति
१६८	९७ (वोधकर) स्तुतिकरके प्रातःकालमें राजाको जगानेवाले
८१	२० (बोधिद्रुम) पीपरवृक्ष
२२८	१०४ (वोल) गन्धरस, वोर
२२	२८ (व्रध्न) सूर्य्य
१६०	३ (ब्रह्मचारिन्) ब्रह्मचारी, ब्रह्मचर्य आश्रममें रहनेवाला
८५	४१ (ब्रह्मण्य) पीपरसदृश वृक्षविशेष, तूत
१७३	५५ (ब्रह्मत्व) ब्रह्ममें मिल जाना
१०६	१४५ (ब्रह्मदर्भा) अजवाइनि
८५	४१ (ब्रह्मदारु) पीपर सदृश वृक्ष, तूत
३	१६ (ब्रह्मन्) ब्रह्मा, वेद, यथार्थ वस्तु, तप, ब्राह्मण
५३	१० (ब्रह्मपुत्र) विषविशेष, अधिक्षय
३०८	१०३ (ब्रह्मवन्धु) निन्दित ब्राह्मण
१७३	५५ (ब्रह्मभूय) ब्रह्म में मिल जाना
१६३	१६ (ब्रह्मयज्ञ) वेदका पाठ करना
१६९	४२ (ब्रह्मवर्चस) सदाचार पालन और वेदाभ्यास करने से जो तेज बढ़ताहै उसका नाम

पृष्ठ	श्लोक
१६१	७ (ब्रह्मवादिन्) वेदान्त जानने वाला
१७०	४२ (ब्रह्मबिन्दु) वेद पढ़ते समय मुखसे निकला हुआ थूक का बूँद
१७३	५५ (ब्रह्मसायुज्य) ब्रह्म में मिल जाना
६	२६ (ब्रह्मसू) कामदेव
१७३	५३ (ब्रह्मसूत्र) बांयें काँधे जनेऊ का नाम
१८०	४२ (ब्रह्माञ्जलि) वेदपाठके समयकी हुई अञ्जली
१७०	४३ (ब्रह्मासन) ध्यान,योग का आसन
२६	२१ (ब्राह्मकल्प) देवताओं के दो हजार युग, ब्राह्मतीर्थ, अंगुष्ठके मूल में ब्राह्मतीर्थ होता है
१६०	४ (ब्राह्मण) ब्राह्मण
६६	८९ (ब्राह्मणयष्टिका) भँगरा
६६	८९ (ब्राह्मणी) भँगरा
२८०	४१ (ब्राह्मण्य) ब्राह्मणों का समूह
८	३६ (ब्राह्मी) लोकमाताविशेष,वाणी, सोमवल्लरी
	(भ)
२१	२१ (भ) नक्षत्रगण
२१५	४८ (भक्त) भात
२४६	२० (भक्षक) खवैया

पृष्ठ	श्लोक
२६९	११० (भक्षित) खाया हुआ
२१०	२८ (भक्ष्यकार) पुआ आदि बनानेवाला
१४३	७६ (भग) योनि, शोभा, इच्छा,माहात्म्य, पराक्रम,यत्न, सूर्य, कीर्ति
१३६	५६ (भगन्दर) गुदाके पास का फोड़ा
३	१३ (भगवत्) जैनमती
१३२	२९ (भगिनी) बहिन
५५	५ (भङ्ग) लहरी
२०८	२० (भङ्गा) भाँग, पटुआविशेष जिसके सन से टाट वा भँगरा बनताहै
३५४	८ (भङ्गि) टेढ़ाई
१८०	२४ (भजमान) फैसला, न्यायसे जो वस्तु ली जावे
१८९	६१ (भट) योधा,लड़नेवाला
२१४	४५ (भटित्र) शूल में छेद कर भुनाहुआ मांस
४४	१३ (भट्टारक) राजा
४४	१३ (भट्टिनी) दूसरी रानी
१०१	११४ (भण्टाकी) बैंगन, बनभाँटा
९०	६३ (भण्डिल) सिरसा का वृक्ष
६६	९१ (भण्डी) मजीठ

पृष्ठ	श्लोक
९६	६१ (भण्डीरी) मजीठ
२९	२५ (भद्र) कल्याण, वैल
१७२	५३ (भद्रकरण) वार वनवाना
१८२	३२ (भद्रकुम्भ) पूर्णकलश
८८	५३ (भद्रदारु) देवदारु
८४	३६ (भद्रपर्णी) गम्भारी
११०	१५३ (भद्रवला) चॉदवेल
११२	१६० (भद्रमुस्तक) नागरमोथा
९१	६७ (भद्रयव) इन्द्रयव,कुरैआ का फल
१५७	१२२ (भद्रश्री) मलयचन्दन
१८२	३१ (भद्रासन) राजगद्दी
४६	२१ (भय) डर, भय
४६	२० (भयंकर)भयानकरस, डराने वाला
१५२	४२ (भयद्रुत) डरा हुआ
४५	१७ (भयानक) जिसके देखने आदि से डर हो, भयानक रस
१५	६७ (भर) बहुत
२३६	३९ (भरण)मॅजूरी,दरमहा
२३९	३९ (भरण्य) मॅजूरी, दरमहा
२४६	१६ (भरण्यभुज) मॅजूर
२३३	१५ (भरत) नट
११८	१६ (भरद्वाज)भरदूलपच्छी
७	३४ (भर्ग) शिव
१५३	३५ (भर्तृ) पति, दुलहा, धारण करनेवाला,पोषण करनेवाला
४४	१२ (भर्तृदारक) राजपुत्र
४४	१३ (भर्तृदारिका) राजकन्या
३८	१४ (भर्त्सन) फजीहत
२२६	९४ (भर्म्मन्) सोना, सुवर्ण, मॅजूरी, दरमहा
११५	५ (भल्ल) भालू,रीछ
८५	४२ (भल्लातकी) भिलॉवॉ
११५	४ (भल्लुक) भालू, रीछ
११५	५ (भल्लूक) भालू
८	३५ (भव) शिव, जन्म, क्षेम, संसार
७०	५ (भवन) घर
८	३८ (भवानी) पार्वती
२९	२६ (भविक) कल्याण
२४९	२८ (भवितृ) होनेवाला
२४९	२८ (भविष्णु) होनेवाला
२९	२६ (भव्य)कल्याण,कुशल
२३५	२२ (भषक)कुत्ता,कूकुर
२३७	३३ (भस्त्रा)भाठी,खलॉयत
१०३	१२० (भस्मगंधिनी)गगनधूरि
६०	६३ (भस्मगर्भा)शीसम
३००	६६ (भस्मन्) भसम, ऐश्वर्य, राख
२४	३४ (भा) कान्ति, शोभा

पृष्ठ	श्लोक
२२५	८९ (भाग) तौलनेका बाँट
३०	२८ (भागधेय) पोत, कर, भाग्य
१३३	३२ (भागिनेय) भैने, भाँजा
६१	३१ (भागीरथी) गंगा
३०	२८ (भाग्य) भाग्य, शुभाशुभकर्म्म
२११	३१ (भाजन) वर्तन
२११	३३ (भाण्ड) वर्तन, घोड़ेका आभूषण, वनियों का मूलधन
२८	१७ (भाद्र) भादोंमास
२८	१७ (भाद्रपद) भादोंमास
२१	२२ (भाद्रपदा) पूर्व और उत्तरभाद्रपद नक्षत्र
२३	३१ (भानु) सूर्य्य, किरण
१२५	४ (भामिनी) क्रोधिनीस्त्री
२२४	८७ (भार) २० तुलाभर
६६	७ (भारतवर्ष) हिमालय और विन्ध्यपर्वत के मध्यका देश
३५	१ (भारती) वानी, सरस्वती
१०२	११६ (भारद्वाजी) वनकपास
२३७	३० (भारयष्टि) वहिंगी
२३३	१५ (भारवाह) बोझा लेचलने वाला
२३३	१५ (भारिक) बोझालेचलनेवाला
२१	२५ (भार्गव) शुक्राचार्य
११२	१५८ (भार्गवी) दूब
९६	८९ (भार्गी) भँगरा
१२६	६ (भार्य्या) व्याही स्त्री
१३४	३८ (भार्य्यापती) स्त्री पुरुष
४४	१२ (भाव) पण्डित, मनका विकार, सत्ता, स्वभाव, अभिप्राय, चेष्टा, आत्मा, जन्म
४६	२१ (भावबोधक) मनकी बात जनानेवाला
१५७	१३५ (भावित) सुगन्धित वस्तुसे भिगोईहुई वस्तु, छयोंकीहुई वस्तु, पाया हुआ
२९	२६ (भावुक) कल्याण
३५	१ (भाषा) वानी
३५	१ (भाषित) वचन, कहा हुआ
३६३	३१ (भाष्य) सूत्रोंका अर्थ
२४	३४ (भास्) शोभा, कान्ति
२२	२८ (भास्कर) सूर्य्य
२२	२९ (भास्वत्) सूर्य्य
२७२	६ (भिक्षा) भीखमाँगना, सेवा, भीख, मंजूरी
१७०	४५ (भिक्षु) संन्यासी
१३१	२६ (भिक्षुकी) भिखियारिनि
२०	१६ (भित्त) खण्ड, हिस्सा

पृष्ठ	श्लोक
७०	४ (भित्ति)भीति,दीवाल
२७१	५ (भिदा) फूटना
११	४८ (भिदुर) इन्द्रका वज्र
१९६	६१ (भिन्दिपाल) ढेल-वाँसी
२६२	८२ (भिन्न) अलग,दूसरा, चीराहुआ
१३९	५७ (भिषज्) वैद्य
२१५	४९ (भिस्सटा) जराहुआ भात
२१५	४८ (भिस्सा) भात
४६	२१ (भी) भय,डर
४६	२१ (भीति) भय, डर
८	३५ (भीम) भयानक,शिव
१२५	३ (भीरु)डरनेवाली स्त्री, डरनेवाला
२४८	२६ (भीरुक) डरनेवाला
९८	१०१ (भीरुपत्री) शतावरि
२४८	२६ (भीलुक) डरनेवाला
४६	२० (भीषण) भयानक
४६	२० (भीष्म) भयानक
६१	३१ (भीष्मसू) गंगानदी
२६९	१११ (भुक्त) खायाहुआ
१४०	६१ (भुग्न) टेढ़ा, पीड़ा-युक्त, टूटाहुआ
१४४	८० (भुज)भुजा,बाँह,हाथ
५२	६ (भुजग) साँप
५२	६ (भुजंग) साँप
१२१	३१ (भुजंगभुज्) मोर

पृष्ठ	श्लोक
५२	६ (भुजंगम) साँप
१०२	११५ (भुजंगाक्षी) रातनि
१४४	७ (भुजशिरस्) कन्धा
१४४	७७ (भुजान्तर) कोरा,गोद
२३४	१७ (भुजिष्य) दास, टहलू
५५	३ (भुवन) जल, लोक
६५	२ (भू) पृथ्वी
२	११ (भूत) देवयोनिविशेष, प्राप्त, पाया, प्राणी, बीता कालादि, उचित, पृथिव्यादि पंचभूत, सत्य
६५	४ (भूतधात्री) पृथ्वी
२२९	१११ (भूतकेश) जटामासी
९२	७१ (भूतवेशी) सफ़ेदफूल की नेवारी
३०६	१०५ (भूतात्मन्) ब्रह्मा,देह
८९	५८ (भूतावास) बहेड़ा
८	३७ (भूति) ऐश्वर्य,सिद्धि, भस्म, राख
२८३	८ (भूतिक) चिरायता, गन्धतृण, कुकुरमुत्ता
७	३२ (भूतेश) शिव
११५	२ (भूदार) सूअर
१६०	४ (भूदेव) ब्राह्मण
१०८	१४३ (भूनिम्ब) चिरायता
१७५	१ (भूप) राजा
९१	७० (भूपदी) बेला
२९७	६० (भूभृत्) पहाड़,राजा

पृष्ठ	श्लोक
६५	२ (भूमि) पृथ्वी,ज़मीन
८५	३८ (भूमिजम्बुका)नारंगी, भुइँजामुनि
२०३	१ (भूमिस्पृश्) वैश्य, वनियां
२५७	६३ (भूयस्) फिर, बहुत, अधिक
२५७	६३ (भूयिष्ठ) बहुत, प्रचुर
२५७	६३ (भूरि) बहुत, सोना, विष्णु, हर, ब्रह्मा
१०८	१४३ (भूरिफेना) सेहुड़ाविशेष
११५	६ (भूरिमाय) सियार
६१	६६ (भूरुण्डी) घुइयां
८६	४६ (भूर्ज) भोजपत्र
१४९	१०१ (भूषण) गहना,शृंगार करना
१४६	१०० (भूषित) शृंगारकिये
२४९	२९ (भूष्णु) होनेवाला
११४	१६७ (भूस्तृण) खरविशेष
७५	४ (भृगु) पर्वत से जल-गिरने का स्थान
१०६	१३४ (भृंग) भुजकैल, भुजैटा, तज, भँवरा
११०	१५१ (भृंगराज) भँगरा
१८२	३२ (भृंगार) पानी पीनेकी झारी
१२१	२९ (भृंगारी) झींगुर
२३३	१५ (भृतक) मँजूर
२२९	३८ (भृति) मँजूरी
२३३	१५ (भृतिभुज्) मँजूर
२३४	१७ (भृत्य) दास, टहलू
२२९	३८ (भृत्या) मँजूरी
१५	६६ (भृश) बहुत
५९	२४ (भेक) मेढ़क
६०	२४ (भेकी) मेढ़ुकी
१७९	२१ (भेद) फरक डालना
२६६	१०० (भेदित) फाराहुआ
२३५	२२ (भेरी) नगारा, (भेषक)कूकुर, कुत्ता
१३७	५० (भेषज) दवाई,इलाज
१७१	५० (भैक्ष) भिक्षासमूह, भिक्षाका ढेर
४६	१९ (भैरव) देखनेसेडरानेवाला, भयानक रस
१३७	५० (भैषज) दवाई,इलाज
२८८	२३ (भोग) सुख, स्त्रीआदि का पालन, साँप का फणा, शरीर
३००	६९ (भोगवती) साँपों की नदी और नगरी
५२	८ (भोगिन्) साँप
१२६	५ (भोगिनी) राजाकी अन्य स्त्रियां जिन का अभिषेक न हुआहो
२१६	५५ (भोजन) भोजन
३४८	७ (भोस्) सम्बोधन
२१	२५ (भौम) मंगल

पृष्ठ श्लोक

१७६ ७ (भौरिक) सोनेका अधिकारी
१८० २३ (भ्रंश)भ्रष्ट होना,गिरना
४४ ११ (भ्रकुंस) स्त्री का वेष धारण किये पुरुष नाचनेवाला
५० ३७ (भ्रकुटि) टेढ़ी भौंह
३२ ४ (भ्रम) अयथार्थ ज्ञान, जलका भँवर, भ्रान्ति
१२१ ३० (भ्रमर) भँवरा
१४८ ९६ (भ्रमरक) माथेपर झुके हुये बाल
२७२ ६ (भ्रमि) भ्रान्ति
२६७ १०४ (भ्रष्ट) चुआ, गिरा
१४९ १०१ (भ्राजिष्णु) अलंकारादि से अति शोभित
१३४ ३६ (भ्रातरौ) भाई बहिन
(भ्रातृ) भाई
१३३ ३६ (भ्रातृज) भतीजा
१३२ ३० (भ्रातृजाया) भौजाई
१३३ ३६ (भ्रातृभगिनी) भाई बहिन
२१९ १४५ (भ्रातृव्य) भतीजा,शत्रु
१३३ ३६ (भ्रात्रीय) भतीजा
३२ ४ (भ्रान्ति) अयथार्थज्ञान, शुबहा
२१० ३० (भ्राष्ट्र) खपरी
४४ ११ (भ्रुकुंस) स्त्रीकावेष धारण किया पुरुष नाचनेवाला
५० ३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ीभौंह
१४७ ९२ (भ्रू) भौंह
४४ ११ (भ्रूकुंस) स्त्रीवेषधारी पुरुष नाचनेवाला
५० ३७ (भ्रूकुटि) टेढ़ीभौंह
१३४ ३८ (भ्रूण) स्त्री का गर्भ, बालक
१८० २३ (भ्रेष) अन्याय, बेइन्साफी

(म)

२१५ ५० (म्रक्षण) तेल
५९ २० (मकर) मगर,घड़ियार
६ २६ (मकरध्वज) कामदेव
८० १७ (मकरन्द) फूलों का रस
१४६ १४० (मकुर) सीसा, ऐना
२०७ १७ (मकुष्ठक)वनमूंग,मोठ
१०८ १४४ (मकूलक) वज्रदन्ती
१२१ २७ (मक्षिका) ममाखी की माछी
१६३ १५ (मख) यज्ञ
१९८ ९७ (मगध) वंशपरम्परा बखाननेवाला,यशकहनेवाला
९ ४२ (मघवत्) इन्द्र
२४७ २ (मङ्क्षु) शीघ्र
२९ २५ (मंगल) कल्याण
२०७ १७ (मंगल्यक) मसुरी

पृष्ठ	श्लोक	
१५६	१२८	(मंगल्या) कालागुरु
३०	२७	(मचर्चिका) अच्छा
७९	१२	(मज्जन्) सार, हीरु, हड्डी के भीतरकामांस, गूदा
१५९	१३६	(मञ्च) खाटिया, पलँग
८०	१३	(मञ्जरि) मञ्जरी, बौर
९६	९०	(मञ्जिष्ठा) मँजीठ
१५२	१०९	(मञ्जीर) पैंजनियां
२५५	५२	(मञ्जु) सुन्दर
२५५	५२	(मञ्जुल) सुन्दर
२३७	३०	(मञ्जूषा) प्यटारी, संदूक
७१	८	(मठ) विद्यार्थीआदि के रहनेका स्थान
४३	८	(मड्डु) बड़ा डमरू
२२५	९३	(मणि) पद्मरागादि मोतीआदि
२११	३१	(मणिक) मेटुका
१४५	८१	(मणिबन्ध) हाथमें पहुँची बाँधने की जगह
२१५	४९	(मण्ड) माड़, पसावन, रेंडी
१४९	१०२	(मण्डन) गहना, शृंगार करनेवाला
७२	९	(मण्डप) मड़वा
१८	६	(मण्डल) परिवेष, बिम्ब, घेरा, गुँडरा
१३८	५४	(मण्डलक) कोढ़के चकता
१९६	८९	(मण्डलाग्र) तलवार
१७५	२	(मण्डलेश्वर) ४०००० कोशका राजा
२३२	१०	(मण्डहारक) कलवार
१४९	१००	(मण्डित) अलंकारयुक्त, शृंगार कियेहुये
५९	२४	(मण्डूक) मेढ़क
८९	५६	(मण्डूकपर्ण) सरिवन
९६	९१	(मण्डूकपर्णी) मँजीठ
२२६	९८	(मण्डूर) लोहेका मुर्चा
१८२	३४	(मतंगज) हाथी
३०	२७	(मतल्लिका) अच्छा
३१	१	(मति) बुद्धि
१८३	३६	(मत्त) मतवालाहाथी, हर्षित, मतवाला
१२५	४	(मत्तकाशिनी) उत्तमस्त्री
३२५	१७२	(मत्सर) परसन्ताप, परसन्तापी, कृपण, कंजूस
५८	१७	(मत्स्य) मछली
२१३	४३	(मत्स्यण्डी) राब, खांड़
९५	८६	(मत्स्यपित्ता) कुटकी
५८	१७	(मत्स्यवेधन) मछली पकड़नेकी कटिया
१०७	१३७	(मत्स्याक्षी) ब्राह्मी
५८	१७	(मत्स्याधानी) मछली रखनेका बरतन
२१६	५३	(मथित) माठा
२२१	७३	(मथिन्) मथानी का डण्डा
१८३	३७	(मद) हाथीका मद,

पृष्ठ	श्लोक	
		काम, हर्ष, अभिमान, बीज, दारू
१८३	३५	(मदकल) मदान्धहाथी
५	२५	(मदन) कामदेव, मयनफर, धतूर
२३९	४१	(मदस्थान) दारूपीनेका स्थान
२३९	४०	(मदिरा) दारू
७१	८	(मदिरागृह) दारूकाघर
१८३	३५	(मदोत्कट) मदान्धहाथी
६०	२५	(मद्गु) जलमुर्गी
५८	१६	(मद्गुर) मँगुरीमछली
२३९	४०	(मद्य) दारू
२७	१५	(मधु) सहत, ममाखी, महुआ, दारू, फूलोंका रस, चैतमास, जीवन्ती
१००	१०९	(मधुक) जेठीमधु
१२१	३०	(मधुकर) भँवरा
२३९	४१	(मधुक्रम) दारूपीनेका समय
८२	२७	(मधुद्रुम) महुआ का वृक्ष
१२१	३०	(मधुप) भँवरा
८४	३५	(मधुपर्णिका) नील, खँभारी
९५	८३	(मधुपर्णी) गुर्च
१२१	२७	(मधुमक्षिका) ममाखी की माछी
१००	१०९	(मधुयष्टिका) जेठीमधु
३२	९	(मधुर) मीठारस, स्वादु, प्रिय
१०८	१४२	(मधुरक) जीवक
९५	८३	(मधुरसा) धनुपवनानेकी वौंड़ी, चिनार, दाख
११०	१५२	(मधुरा) सौंफ
६६	१०५	(मधुरिका) वनसौंफ
४	२०	(मधुरिपु) विष्णु
१२१	३०	(मधुलिह्) भँवरा
२३९	४१	(मधुवार) दारूपीने का समय
१२१	३०	(मधुव्रत) भँवरा
८३	३१	(मधुशिग्रु) लालफूल का सहिंजन
६५	८४	(मधुश्रेणी) धनुपवनानेकी वौंड़ी, चिनार
८२	२८	(मधुष्ठील) महुआ
१०८	१४२	(मधुस्रवा) दोडीऔपधि
८२	२७	(मधूक) महुआ
२२८	१०७	(मधूच्छिष्ट) मोम
८२	२८	(मधूलक) पहाड़ीमहुआ
९५	८५	(मधूलिका) धनुपवनानेकी वौंड़ी, चिनार
१४४	७९	(मध्य) कमर, बीचोबीच, उचित
६६	८	(मध्यदेश) मध्यदेश
४१	१	(मध्यम) स्वरविशेष, कमर, कर्णांकुल की आ-

पृष्ठ	श्लोक	
		वाज, मध्यदेश
१२७	९	(मध्यमा) प्रथम हीरजोधर्म जिसको हुआ हो, रजस्वला, बीचकी अँगुली
२५	३	(मध्याह्न) दुपहर
२३९	४१	(मध्वासव) महुआ की दारू
२२९	१०८	(मनःशिला) मैनशिल
३१	३१	(मनस्) मन, दिल
६	२६	(मनसिज) कामदेव
३१	२	(मनस्कार) मनकासुख
३४८	८	(मनाक्) थोड़ा
२६८	१०८	(मनित) जाना, माना
३१	१	(मनीषा) बुद्धि
१६०	५	(मनीषिन्) पण्डित
३६६	३८	(मनु) स्वायम्भुवादि राजा
१२५	१	(मनुज) मनुष्य
१२५	१	(मनुष्य) मनुष्य
१५	६६	(मनुष्यधर्मन्) कुबेर
२२९	१०८	(मनोगुप्ता) मैनशिल
२४५	१३	(मनोजव) पिता के सदृश
२५५	५२	(मनोज्ञ) सुन्दर
४८	२७	(मनोरथ) इच्छा, ख्वाहिश
२५५	५२	(मनोरम) सुन्दर
२५२	४१	(मनोहत) निराश, उदास
२२९	१०८	(मनोह्वा) मैनशिल
१८०	२६	(मन्तु) अपराध
३२४	१६६	(मंत्र) मंत्र, एकान्ती, वेदका भेद
१७९	१६	(मन्त्रज) राजाकी शक्ति, बात
१७५	४	(मंत्रिन्) मंत्री, सलाही
२२१	७४	(मन्थ) मथानी, खैलर
२२१	७४	(मन्थदण्डक) मथानी का डंडा
२२१	७४	(मन्थनी) महेंड़ी
१९२	७२	(मन्थर) धीरे २ चलने वाला
२२१	७४	(मन्थान) मथानी
२३४	१९	(मन्द) सुस्त, आलसी, मूढ़, थोड़ा, अतीक्ष्ण, अभागी
१९२	७२	(मन्दगामिन्) धीरे २ चलनेवाला
११	५०	(मन्दाकिनी) स्वर्गगंगा
४७	२३	(मन्दाक्ष) लज्जा, शर्म
११	५१	(मन्दार) मदार, कल्पवृक्ष, बकायनि
७०	५	(मन्दिर) घर, नगर
७१	७	(मन्दुरा) घोड़शाल
२५	३५	(मन्दोष्ण) थोड़ागरम, गुनगुन
४१	२	(मन्द्र) गम्भीरशब्द
५	२५	(मन्मथ) कामदेव, कैथा

पृष्ठ	श्लोक
१४१	६५ (मन्या) गलेकीपिछलीनस
४७	२५ (मन्यु) शोच, दीनता, यज्ञ, क्रोध
२९	२२ (मन्वन्तर) ७१ चौयुगीकाल
२२१	७५ (मय) ऊंट
१६	७२ (मयु) किन्नर
२०७	१७ (मयुष्टक)मोथी,वनमूंग
२३	३३ (मयूख) किरण,शोभा, ज्वाला, दीप्ति, अजमोदा
१०१	१११ (मयूर)मोरशिखा, मोर, अजमोदा
९६	८८ (मयूरक) तूतिया, लहचिचिरा
२७५	६२ (मरकत)हरेरंगकीमणि
२०२	११६ (मरण) मरना
४१२	३६ (मरीच) मिर्च
२२	२७ (मरीचि) मुनिविशेष, किरण
२४	३५ (मरीचिका) मृगतृष्णा
६६	६ (मरु) निर्जलदेश,पर्वत, माड़वार
१४	६३ (मरुत)वायु,हवा,देवता
६	४२ (मरुत्वत) इन्द्र
१०६	१२३ (मरुन्माला) असपरक
८८	५२ (मरुवक) मयनफर, मरुआ, दवना
११५	४ (मर्कट) वानर
११७	१४ (मर्कटक) मकरी
८७	४८ (मर्कटी) कंजाविशेष, कयवांच
१२५	१ (मर्त्य) मनुष्य
२७६	२२ (मर्दन) अङ्गमाींजना
४३	८ (मर्द्दल) बाजाविशेष
२६२	३० (मर्म्मन्)अंगोंकीसन्धि
४०	२३ (मर्मर) पत्तों का खरखराना
२६२	८३ (मर्मस्पृश्) मर्मभेदी, सुकुमारजगहमेंमारना
१८०	२६ (मर्य्यादा)मर्याद
१४१	६५ (मल) कानआदि का मल, खूट, पाप, विष्ठा, कीट
२५५	५५ (मलदूषित)मैलीवस्तु
६०	६१ (मलपू) कठूमरि
१५७	१३२ (मलयज) चन्दन
२५५	५५ (मलिन) मैलीवस्तु
१३०	२० (मलिनी) रजस्वलास्त्री
२३६	२५ (मलिम्लुच) चोर
२५५	५५ (मलीमस) मैलीवस्तु
३५९	२१ (मल्ल) पहलवान
२६५	३७ (मल्लक) वेलाका फूल
१२०	२४ (मल्लिक) मैले चोंच पैर वाले हंस
९१	६९ (मल्लिका) वेला
३५५	१० (मसी) स्याही

पृष्ठ	श्लोक
७	३१ (महेश्वर) शिव
२१८	६१ (महोक्ष) बड़ाबैल
६३	३६ (महोत्पल) कमल
२४२	३ (महोत्साह)बड़ाउद्योगी
२४२	३ (महोद्यम) बड़ाउद्योगी
९८	१०० (महौपध) लहसुन, अतीस, सोंठि
६	२८ (मा) रोंकना,लक्ष्मी
१४०	६३ (मांस) मास
१३६	४४ (मांसल) बली, मोटा
२३३	१४ (मांसिक) चिकवा, कसाई
२२८	१०७ (माक्षिक) सहत
१६८	६७ (मागध) वंशपरम्परा बखाननेवाले,यश कहनेवाले, क्षत्रियाणी स्त्री में वैश्य से उत्पन्न पुत्र
९२	७१ (मागधी) जूही, बड़ी पीपरि
२७	१५ (माघ) माघ महीना
९२	७३ (माध्य) कुन्द
२३	३१ (माठर)सूर्य के चारोओर रहनेवाला ग्रहविशेष
३५४	८ (माढि) ढेपुनी, पत्ताकी नस
१३५	४२ (माणवक) २० लरका हार, बालक
२८०	४१ (माणव्य) लड़कों का समूह
३६३	३१ (माणिक्य) रत्नविशेष
२१३	४२ (माणिमन्थ)सैन्धवलोन
२३४	२० (मातंग)चाण्डाल,हाथी
१३४	३७ (मातरपितरौ) माता पिता
१४	६२ (मातरिश्वन)वायु, हवा
१०	४६ (मातलि) इन्द्रका सारथी
१३४	३७ (मातापितरौ) माता पिता
१३३	३३ (मातामह) माता का पिता, नाना
९३	७८ (मातुल) धतूर, माता का भाई, मामा
६३	७८ (मातुलपुत्रक) धतूरका फल, जिस से टाट वा भंगराबनै वह सन
१३२	३० (मातुलानी) मामाकी स्त्री,मामी
५२	६ (मातुलाहि) चीत सॉप
१३२	३० (मातुली)मामाकी स्त्री, मामी
६३	७८ (मातुलङ्गक) बिजौरा नीबू
४५	१४ (मातृ) लोकमाता, माता, गौ
३२७	१७७ (मात्र) सब, सम्पूर्ण, निश्चय
२५७	६२ (मात्रा)सूक्ष्म,बारीक,

पृष्ठ	श्लोक
	सब सामग्री, कालविशेष
२७३	१२ (माद) खुशी, हर्ष
२७३	१२ (माधव) विष्णु, वैशाख
२३६	४१ (माधवक) महुआकी दारू
९२	७२ (माधवीलता) बसन्ती
२३६	४१ (माध्वीक) महुआकी दारू
४६	२२ (मान) चित्तकी चढ़ती, अभिमान, गरूर, तोल, नाप
१२५	१ (मानव) मनुष्य
३१	३१ (मानस) मन
११९	२४ (मानसौकस्) हंस
१२५	३ (मानिनी) प्रणयकुपिता, मानकरनेवाली स्त्री
१२५	१ (मानुष) मनुष्य
२८१	४२ (मानुष्यक) मनुष्यों का समूह
२३२	११ (माया) इन्द्रजाल
२३२	११ (मायाकार) इन्द्रजाल करनेवाला
३	१५ (मायादेवीसुत) बौद्ध
१४०	६२ (मायु) पित्त
१२४	९२ (मायूर) मुरैलोंका झुण्ड
५	२५ (मार) कामदेव
२२५	६२ (मारकत) हरीमणि, जवाहिर

पृष्ठ	श्लोक
३	१३ (मारजित्) शिव, बौद्ध
२०१	११४ (मारण) मारना
४५	१४ (मारिष) श्रेष्ठ, आर्य
१४	६३ (मारुत) वायु, हवा
११०	१५१ (मार्कव) भँगरा
२७	१४ (मार्ग) अगहन, रास्ता, सड़क
१६५	८७ (मार्गण) बाण, तीर, भिखमङ्गा, ढूंढ़ना
२७	१४ (मार्गशीर्ष) अगहन
२६७	१०५ (मार्गित) ढूँढाहुआ
८४	३३ (मार्जन) लोध
१५५	१२२ (मार्जना) झारना, पोंछना
११६	७ (मार्ज्जार) बिलार
२१४	४४ (मार्जिता) सिखरनि, चटनी
२२	२६ (मार्तण्ड) सूर्य्य
२३३	११ (मार्दङ्गिक) मृदंग बजानेवाला
१५५	१२२ (मार्ष्टि) झारना, पोंछना
६०	६२ (मालक) नींब
६२	७२ (मालती) चँवेली
१५८	१३६ (माला) शिरमें पहिरने की माला
२३१	५ (मालाकार) माली
११२	१६७ (मालातृणक) पानी का सर
२३१	५ (मालिक) माली

पृष्ठ	श्लोक	
१२०	२५	(मालिकाख्या) हंस, जिनके चरणादि मैलेहों
५२	६	(मालुधान) काला साँप
८३	३९	(मालूर) वेल
१५८	१३६	(माल्य) शिरपरकीमाला
७५	३	(माल्यवत्) पर्वतविशेष
२२४	८५	(मापक) घुंघुची भर
१०७	१३८	(मापपर्णी) मूंग
२०४	७	(मापीण) उर्दहोनेवाला खेत
२०४	७	(माष्य) उर्द होनेवाला खेत
२७	१२	(मास) महीना
२१५	४९	(मासर) माड़
१६७	३२	(मासिक) अमावास्या का श्राद्ध, महीने में होनेवाला
२३३	१४	(मांसिक) कसाई
३४६	११	(मास्म) रोकना
२३०	३	(माहिष्य) वैश्यवर्ण स्त्री में क्षत्रियसे उत्पन्न
२१९	६६	(माहेयी) गौ
२५४	४८	(मितम्पच) कृपण, कंजूम
२३	३०	(मित्र) सूर्य, मित्र, अपने डांड़े से भिन्न राजा
३४६	२५५	(मिथस्) परस्पर, एकांत
१२३	३९	(मिथुन) जोड़ा
३५०	१५	(मिथ्या) झूँठकहने में
३२	४	(मिथ्यादृष्टि) नास्तिकता
३७	१०	(मिथ्याभियोग) सत्य को झूंठकरना
३७	१०	(मिथ्याभिशंसन) मिथ्या दोषलगाना
३२	४	(मिथ्यामति) भ्रम
९९	१०५	(मिश्रेया) सौंफ
९९	१०५	(मिसि) सौंफ, वनसौंफ
१०६	१३४	(मिसी) जटामासी
२०	१९	(मिहिका) पाला
२२	२९	(मिहिर) सूर्य
२६५	६६	(मीढ़) मूताहुआ
५८	१७	(मीन) मछली
५	२५	(मीनकेतन) कामदेव
१६०	७	(मीमांसक) मीमांसा शास्त्र जाननेवाला
१५०	१०२	(मुकुट) जो माथे पर रक्खा जाय
१०३	१२१	(मुकुन्द) पलाकी
१५९	१४०	(मुकुर) सीसा, ऐना
८०	१६	(मुकुल) कली
५२	६	(मुक्तकञ्चुक) कैंचुलि छोंड़हुये सांप
२२५	६३	(मुक्ता) मोती
१५०	१०५	(मुक्तावली) मोतियोंका हार
५९	२३	(मुक्तास्फोट) सीपी, सूती
३२	६	(मुक्ति) मोक्ष
१४६	८९	(मुख) निकलनेका द्वार, मुंह

पृष्ठ	श्लोक	
२५०	३६	(मुखर) अप्रिय बोलने वाला
३३	११	(मुखवासन) पान
१७०	४३	(मुख्य) पहिली विधि, प्रधान,
१३७	४८	(मुण्ड) मुड़आ, मूड़
१७२	५३	(मुण्डन) बार बनवाना
१३७	४८	(मुण्डित) मुड़आ
२३२	१०	(मुण्डिन्) नाऊ
२९	२४	(मुद) हर्ष, खुशी
१८	७	(मुदिर) मेघ, बादर
१०१	११३	(मुद्गपर्णी) बनमूंग
१९६	६१	(मुद्गर) मुगदर
३४७	४	(मुधा) व्यर्थ
३	१४	(मुनि) मुनि, बौद्ध
३	१४	(मुनीन्द्र) बौद्ध
		(मुरज) मृदंग
१०४	१२३	(मुरा) तालीसपत्र,मुरेठी
२६३	८८	(मुषित) चुरायाहुआ
१४४	७६	(मुष्क) अण्डकोष, पेल्हर
८५	३९	(मुष्कक) कालीपाँढ़रि
१४६	८६	(मुष्टि) मूठी
२७३	१४	(मुष्टिबन्ध) मूठीबांधना
२०९	२५	(मुसल) मूसर
५	२४	(मुसलिन्) बलराम
१०३	११९	(मुसली) मूसरि,छपकी, चुहिया
२५३	९५	(मुसल्य) मूसरसे मारने के योग्य
१०६	१३२	(मुस्तक) मोथा
११२	१५९	(मुस्ता) मोथा
३६	१६	(मुहुर्भाषा) वारंवार कहना
३४७	१	(मुहुस्) फिर,वारंवार
२७	११	(मुहूर्त) बारहक्षण
२४५	१३	(मूक) गूंगा
२५४	४८	(मूढ़) मूर्ख
२६५	९५	(मूत) बांधाहुआ
१४२	६७	(मूत्र) मूत
१३६	५६	(मूत्रकृच्छ्र) करकरोग मूत्र करतेसमय जिससे पीड़ा होती है
२६५	९६	(मूत्रित) मूताहुआ
२५४	४८	(मूर्ख) मूर्ख
२००	१०९	(मूर्छा) मूर्च्छा, बदह-वासी
१४०	६१	(मूर्छाल) मुरझाया,गाढ़
१४०	६१	(मूर्छित) मोहित, मुरझायाहुआ
१४०	६१	(मूर्त) मुर्झाया,कठोर, दृढ़, गाढ़
१४२	७१	(मूर्ति) शरीर,कठिनता
२६०	७६	(मूर्तिमत्) कठिन,दृढ़
१४८	९५	(मूर्द्धन्) शिर
१७५	१	(मूर्द्धाभिषिक्त) क्षत्रिय, राजा
६५	८३	(मूर्वा) धनुपवनानेकी

पृष्ठ श्लोक

चोंड़ी, चिनार

७६ १२ (मूल) जड़, जर, पहिला, नक्षत्रविशेष

१११ १५७ (मूलक) मूरी

२७० ४ (मूलकर्मन्) उच्चाटन

२२२ ८० (मूलधन) मूर, पूंजी

२२२ ७९ (मूल्य) मोल, कीमत

२३७ ३३ (मूषा) धातु गलानेकी घरिया

११७ १३ (मूषिक) मूस, चूहा

६६ ८८ (मूषिकपर्णी) मूसरि

२६३ ८८ (मूषित) चुरायाहुआ

११७ ११ (मृग) ढूंढ़ना, हरिन, मृगशिरा नक्षत्र

२७८ ३० (मृगणा) ढूढ़ना

२४ ३५ (मृगतृष्णा) दुपहरी जलजलाना

२३५ २१ (मृगदंशक) कूकुर

११४ १ (मृगदृष्टि) सिंह

११५ २ (मृगद्विष्) सिंह

११५ ६ (मृगधूर्तक) सियार

१५६ १३० (मृगनाभि) कस्तूरी

२३४ २१ (मृगवधाजीव) व्याधा, शिकारी

२३६ २६ (मृगबन्धनी) जाल

१५६ १३० (मृगमद) कस्तूरी

२३५ २३ (मृगया) शिकार

२३४ २१ (मृगय) व्याधा, शिकारी

११४ १ (मृगरिपु) सिंह

पृष्ठ श्लोक

१५२ १११ (मृगरोमज) हरिण के रोओं से बनाहुआ

२३५ २३ (मृगव्य) शिकार

२१ २३ (मृगशिरस्) मृगशिरा नक्षत्र

२१ २३ (मृगशीर्ष) मृगशिरा नक्षत्र

१९ १४ (मृगांक) चन्द्रमा

११५ २ (मृगादन) चीता, तेंदुआ

११४ १ (मृगाशन) सिंह

२६७ १०५ (मृगित) ढूंढ़ाहुआ

११४ १ (मृगेन्द्र) सिंह

१५५ १२२ (मृजा) झारना, पोंछना

७ ३१ (मृड) शिव

८ ३८ (मृडानी) पार्वती

६४ ४२ (मृणाल) भसींड़, कमल की जर

२०२ ११७ (मृत) मराहुआ

२४६ १९ (मृतस्नान) मरे के निमित्त नहाया हुआ

२०३ ३ (मृत) मांगने से मिला

१०५ १३१ (मृत्तालक) अरहर, अर्हो

६६ ५ (मृत्तिका) मट्टी

२०२ ११६ (मृत्यु) मरना

७ ३५ (मृत्युञ्जय) शिव

६६ ५ (मृत्सा) अच्छी मट्टी

६६ ५ (मृत्स्ना) अच्छी मट्टी, अरहर, अर्हो

६६ ५ (मृद्) मट्टी

पृष्ठ	श्लोक
४२	५ (मृदंग) मृदंग
२६१	७८ (मृदु) कोमल,अतीक्ष्ण
८६	४६ (मृदुत्वच्) भोजपत्र
२६१	७८ (मृदुल) कोमल
१००	१०७ (मृद्वीका) दाख
१६६	१०४ (मृध) लडाई,युद्ध
३५०	१५ (मृषा) मिथ्या,झूँठ
४०	२१ (मृषार्थक) असंभावित
२५५	५६ (मृष्ट) शुद्ध कियाहुआ
६१	३२ (मेकलकन्यका) नर्मदा
१५१	१०८ (मेखला)परतला,स्त्रियों के कमरका भूषण करधनी वगैरह
१८	६ (मेघ) मेघ,बादर
१८	१० (मेघज्योतिस्) बादर की ज्योति
१०१	३१ (मेघनादानुलासिन्) मोर
११२	१५९ (मेघनामन्) मोथा
१८	८ (मेघनिर्घोष) बादर का गर्जना
५५	५ (मेघपुष्प) जल,पानी
१८	८ (मेघमाला) बादरकी पांति
१०	४५ (मेघवाहन) इन्द्र
३४	१५ (मेचक) कालारंग,मोर पंखमें आँखकेसदृशचिह्न
२२१	७६ (मेढ्र) भेंड़ा
१४३	७६ (मेढ्र) भेंड़ा,लिंग

पृष्ठ	श्लोक
२३६	४० (मेदक) दारूका काढ़ा
१४१	६४ (मेदस्) चर्बी
६५	३ (मेदिनी) पृथ्वी,ज़मीन
२४६	३० (मेदुर) सघन, चीक्कन
३१	१ (मेधा) धारण करने वाली बुद्धि
२०७	१५ (मेधि) मेढ़ी- जिसमें बैल बांधकर सड़नी माड़ी जाती है
२५५	१५ (मेध्य) पवित्र, साफ़
११	५० (मेरु) सुमेरुपर्वत
२७८	२९ (मेलक) संग, मिलाप
२२	२७ (मेष) राशिविशेष, भेंडा
२२८	१०७ (मेषकम्बल) भेंड़के ऊन का कम्बल
१३८	५६ (मेह) प्रमेहरोग
१४३	७६ (मेहन) लिंग
२०	२० (मैत्रावरुणि) अगस्त्य, बाल्मीकि
३६६	३९ (मैत्री) मिताई
३६६	३९ (मैत्र्य) मिताई
१७४	६० (मैथुन) संगति, रति, स्त्री पुरुषका व्यवहार
२३६	४२ (मैरेय) गुड़ वा सीरा की दारू
३२	७ (मोक्ष) मोक्ष, काली पॉडरि
२६१	८१ (मोघ) व्यर्थ
८८	५४ (मोचा) पॉडरि,गाप-

पृष्ठ	श्लोक	
		भिरंग.
८३	३१	(मोचक) सहिंजन
८७	४६	(मोचा) सेमर, केला
३६४	३३	(मोदक) लड्डु
२२६	११०	(मोरट) ऊखकी जर
९५	८३	(मोरटा) धनुप बनाने की बौंड़ी, चिनार
२३५	२४	(मोपक) चोर
२००	१०९	(मोह) मूर्च्छा
११६	२२	(मौकुलि) कौआ
२२५	९३	(मौक्तिक) मोती
२०५	८	(मौद्गीन) मूँगका खेत
३		(मौन) चुपचाप
२३३	१३	(मौरजिक) मुरज,मृदंग बजानेवाला
२३०	१६२	(मौलि) शिर, चोटी मुकुट, बँधेबाल
१९५	८५	(मौर्वी) धनुपकी डोरी रोदा
३५३.	५	(मौष्टा) मूठियों की मारवाला खेल
१७८	१४	(मौहूर्त) ज्योतिपी
१७८	१४	(मौहूर्तिक) ज्योतिपी
४०	२१	(म्लिष्ट) सफा नहीं
२३४	२०	(म्लेच्छ) नीचजाति विशेष
६६	८	(म्लेच्छदेश) म्लेच्छों का देश
२२६	६७	(म्लेच्छमुख) ताँबा

पृष्ठ	श्लोक	
		(य)
१४१	६६	(यकृत्)पेटमें जो दहिनी ओर वटिया होती है
२	११	(यक्ष) देवयोनि, कुबेर
१५७	१३४	(यक्षकर्दम) कपूर, अगुरु, कस्तूरी, केसर चन्दन इन सबको मिलाकर बनाया गया लेप
१५६	१२८	(यक्षधूप) राल, धूप
१५	७०	(यक्षराज) कुबेर
१३७	५१	(यक्ष्मन्) क्षयीरोग
१६१	१०	(यजमान) यजमान
३६	३	(यजुस्) यजुर्वेद
१६३	१५	(यज्ञ) यज्ञ
		(यज्ञसूत्र) जनेऊ
८१	२२	(यज्ञाङ्ग) गूलर
१६६	२९	(यज्ञिय) यज्ञकी वस्तु
१६१	१०	(यज्वन्) विधिसे यज्ञ करनेवाला
३४७	३	(यत्) जिससे, जो
३४७	३	(यतस्) जिससे
१७१	४७	(यति) जितेन्द्रिय
१७१.	४७	(यतिन्) जितेन्द्रिय
३४८	९	(यथा) जैसा, जिसतरह
३५४	४८	(यथाजात) मूर्ख
३५०	१५	(यथातथम्)यथार्थ,सत्य
३५०	१४	(यथायथम्) यथायोग्य
३५०	१५	(यथार्थम्) सत्य
१७७	१३	(यथार्हवर्ण)जासूस,चार

पृष्ठ	श्लोक
२५०	१४ (यथास्वम्) अपने हिस्साके अनुसार
२१७	५७ (यथेप्सित) इच्छा के अनुसार, वांछित
३४६	१२ (यदि) पक्षान्तर
२७०	२ (यदृच्छा) अपनी इच्छा
१८६	५९ (यन्तृ) सारथी, महावत
१३	५९ (यम) यमराज, संयम
१३	५९ (यमराज) यमराज
६१	६२ (यमुना) यमुनानदी
१३	५६ (यमुनाभ्रातृ) यमराज
१८५	४५ (ययु) जिसका एक कान कालाहो और अंग सपेद हो वह घोड़ा
२०७	१५ (यव) यव
२०४	७ (यवक्य) यवों का खेत
२२९	१०८ (यवक्षार) यवाखार
११२	१६१ (यवफल) बाँस
११४	१६७ (यवस) घास
२१५	५० (यवागू) लप्सी
२२९	१०८ (यवाग्रज) यवाखार
१०६	१४५ (यवानिका) जंवाइन
६६	६१ (यवास) यवासा
१३५	४३ (यवीयस्) छोटाभाई
२०४	७ (यव्य) यवोंका खेत
४२	६ (यशःपटह) ढोल, डंका
३८	११ (यशस्) यश, कीर्त्ति
३६६	३८ (यष्टि) लाठी, छड़ी
१००	१०६ (यष्टिमधुका) जेठीमधु मुरेठी
१६१	१० (यष्टृ) यजमान
१६३	१५ (याग) यज्ञ
२५४	४९ (याचक) माँगनेवाला
२५४	४६ (याचनक) माँगनेवाला
१६७	३४ (याचना) माँगना
२०३	३ (याचित) माँगाहुआ
२०४	४ (याचितक) माँगने से मिली वस्तु
१६७	३४ (याच्ञा) माँगना, भीख माँगना
१६४	१६ (याजक) यज्ञ करानेवाला
५४	३ (यातना) पीड़ा, दण्ड सजा
३१८	१४५ (यातयाम) पुराना, खाकर फेंकागया
१४	६१ (यातु) राक्षस
१३	६१ (यातुधान) राक्षस
१३२	३० (यातृ) देवरानी, जेठानी
१९७	९५ (यात्रा) कहींको चलना, निकालना, देवताका उत्सव
५४	२ (यादःपति) समुद्र
५६	२० (यादस्) जलजीव
१४	६२ (यादसांपति) वरुण
१७९	१८ (यान) शत्रु के ऊपर

पृष्ठ	श्लोक
	चढ़ाईकरना, सवारी, वाहन
१८८	५५ (यानमुख) धुरा, धुरी
२५५	५४ (याप्य) अधम
१८३	५३ (याप्ययान) पालकी
२५	६ (याम) पहर, संयम
२५	४ (यामिनी) रात
२२७	१०० (यामुन) सुरमा
१६१	१० (यायजूक) बारम्बार यज्ञकरनेवाला
१५५	१२६ (याव) लाह, लाख
२०८	१८ (यावक) कुरथी
३४४	२४५ (यावत्) सम्पूर्णता, अवधि,प्रमाण,निश्चय
१५६	१२९ (यावन) लोहवान
१६१	७० (याष्टीक) लट्ठबाज
६६	६१ (यास) यवासा
१८०	२४ (युक्त) न्यायसे जो वस्तुलीजावे
१०७	१२० (युक्तरसा) कोलिन्दण
१२३	३९ (युग) गाड़ीआदिका जुआ, सत्ययुग, द्वापर आदि युग
२०६	१४ (युगकीलक) सइला
१८८	५७ (युगन्धर) ढ़यगुरी वा घसीटार्मे जोता बैल, वकौरा
८१	२२ (युगपत्रक) कचनार
३५२	२२ (युगपद) एकसमयमें
२१८	६३ (युगपार्श्वग) बैलनिकालनेका काठमें नधा बैल
१२३	३९ (युगल) दो
१२३	३८ (युग्म) दो
१८८	५८ (युग्य) वाहन, सवारी जुआलेजानेवाला बैल, हरका बैल
१९९	१०३ (युद्ध) लड़ाई, संग्राम
२००	१०६ (युध) लड़ाई,संग्राम
१२७	८ (युवति) जवान स्त्री
१३५	४२ (युवन्) जवानपुरुष
४४	१२ (युवराज) राजकुमार
१८४	४२ (यूथ) पक्षियोंकासमूह
१८३	३५ (यूथनाथ) हाथियोंके समूहमें बड़ा हाथी
१८३	३५ (यूथप) हाथियोंके समूहमें बड़ाहाथी
९२	७१ (यूथिका) जूही
८५	४१ (यूप) तूतकावृक्ष, पीपरके समान वृक्ष विशेष, यज्ञकाखम्भ
१६४	२० (यूपकटक) यज्ञका खम्भ
१६४	२१ (यूपाग्र) यज्ञकेखम्भाका शिरा, अग्रभाग
३६५	३५ (यूष) जूस
२०६	१३ (योक्त्र) जोतने की रस्सी नाधा

पृष्ठ	श्लोक
२८७	२२ (योग) हथियारबँधना, उपाय, ध्यान, संगति, युक्ति
२२८	१०५ (योगेष्ट) सीसाधातु
१०१	११२ (योग्य) ऋद्धिसिद्धि
३६२	३० (योजन) चारकोश
९६	९१ (योजनवल्ली) मँजीठ
२०६	१३ (योत्र) जोतने की रस्सी, नाधा
१८९	६१ (योद्धृ) लड़नेवाला
१८९	६१ (योध) लड़नेवाला
२००	१०७ (योधसंराव) वीरोंका हल्ला
१४३	७६ (योनि) भग
१२५	२ (योषा) स्त्री
१२५	२ (योषित्) स्त्री
१८१	२८ (यौतक) दायज,दहेज
२२४	८५ (यौतव) तौल, नाप
१२०	२२ (यौवत) जवानी स्त्रियों का समूह
१३५	४० (यौवन) जवानी
	(र)
१४	६५ (रंहस) वेग
३४	१५ (रक्त) लालरंग, रक्त लोहू,कुंकुम, रँगाहुआ
६२	७३ (रक्तक) दुपहरियाफूल
१५७	१३३ (रक्तचन्दन) लालचन्दन,देवीचन्दन,रक्तसार

पृष्ठ	श्लोक
५९	२२ (रक्तपा) जोंक
१०७	१३६ (रक्तफला) कुन्दुरू
६२	३६ (रक्तसन्ध्यक) लाल कमल
६४	४१ (रक्तसरोरुह) लाल कमल
१०९	१४६ (रक्तांग) कबीला
६४	४२ (रक्तोत्पल)लालकमल
३६२	२७ (रक्षःसभ) राक्षसों की सभा
२	११ (रक्षस्) राक्षस
२६८	१०६ (रक्षित) रखाया हुआ
१७६	६ (रक्षिवर्ग) रक्षक, पहरेदार, रखवार
२७२	८ (रक्षण) रक्षण,रखाना
११६	११ (रंकु) हरिण विशेष
२२८	१०६ (रङ्ग) राँगाधातु
२३१	७ (रङ्गाजीव) तसवीर आदि खींचनेवाला
१५८	१३८ (रचना) बनाना
२३२	१० (रजक) धोबी
२२६	९६ (रजत) चाँदी, सोना रूपा, उज्ज्वल
२५	४ (रजनी) रात,चकवत
२५	६ (रजनीमुख) सन्ध्याकाल
३०	२८ (रजस्) रजोगुण, धूरि, स्त्रियोंका रज
१३०	२० (रजस्वला) रजस्वला

पृष्ठ	श्लोक
२३६	२७ (रज्जु) रस्सी
१५७	१३३ (रञ्जन) लालचन्दन
९७	९५ (रञ्जनी) नीलरंग
१६६	१०४ (रण) शब्द, लड़ाई
२००	१०६ (रणसंकुल) परस्पर भिरकर लड़ना
६६	८८ (रण्डा) मूसरि
१७४	६० (रत) मैथुन
६	२६ (रतिपति) कामदेव
२२५	६३ (रत्न) पद्मरागादि, मोती इत्यादि अपनी जाति में श्रेष्ठ
६५	४ (रत्नगर्भा) पृथ्वी
११	५० (रत्नसानु) सुमेरु
५४	२ (रत्नाकर) समुद्र
१४६	८६ (रत्नि) मुट्ठी
८३	३० (रथ) वेंत, लड़ाई में चढ़नेका रथ
१८८	५५ (रथकट्या) रथोंका समूह
२३१	४ (रथकार) वढ़ई, शुद्रा में वैश्य से उत्पन्न लड़की करणी है उसमें वनिनि में क्षत्रिय से उत्पन्न पुत्र माहिष्यसे पैदा हुआ
१८८	५७ (रथगुप्ति) रथकी झॉप लोहसे वनाहुआ रथ का वहार
८२	२६ (रथद्रु) तिनिस वृक्ष
१२०	२३ (रथांग) पहिया, चकवा, चकई, तांगा
१६२	७६ (रथिक) रथकामालिक
१८६	६० (रथिन्) रथपर चढ़कर लड़नेवाला
१९२	७६ (रथिन) रथकामालिक
१८६	४६ (रथ्य) रथका लेचलने वाला घोड़ा
७०	३ (रथ्या) गॉवकेभीतरकी रास्ता, रथों का समूह
१४७	९१ (रद) दाँत
१४७	६१ (रदन) दाँत
१४७	९० (रदनच्छद) ओठ
५१	२ (रन्ध्र) छेद, विल
२५६	२१ (रभस) हर्ष, खुशी
१२५	४ (रमणी) सुन्दरी स्त्री जिसमें चित्तबहुत रमै
६	२८ (रमा) लक्ष्मी
१०१	११३ (रम्भा) केला
१४	६५ (रय) वेग
१५३	११६ (रल्लक) कम्बल
४०	२२ (रव) शब्द
२५१	३८ (रवण) शब्द करनेवाला
२३	३१ (रवि) सूर्य्य
२३	३३ (रश्मि) किरण, पगहा
३२	७ (रस) रस, शृंगारादि रस, पारा, विष, वीर्य

पृष्ठ	श्लोक	
		गुण, प्रीति, द्रव, ट-घिलना
२२७	१०२	(रसगर्भ) रसौंत
१४७	९१	(रसज्ञा) जीभ
१४७	९१	(रसना) जीभ, स्त्रियों की करधनी
२१०	२७	(रसवती) रसोंई का घर
६५	२	(रसा) पृथ्वी, साल वृक्ष, पाँढ़रि
२२७	१०१	(रसाञ्जन) रसौंत
५१	१	(रसातल) पाताल
८४	३३	(रसाल) आँव, ऊख
२१४	४४	(रसाला) सिखरनि
१८	८	(रसित) मेघकागरजना
१०९	१४८	(रसोनक) लहसुन
१८०	२२	(रहस्) एकान्त
१८०	२३	(रहस्य) एकान्त में हुआ
२६	८	(राका) पूर्णचन्द्रवाली पूर्णमासी
१३	६०	(राक्षस) राक्षस
१०५	१२८	(राक्षसी) धनहरी
१५५	१२६	(राक्षा) लाख,लाह
१५२	१११	(राङ्कव) हरिणके रोम से बना हुआ कपड़ा
१७५	१	(राज) राजा
१७५	३	(राजक) राजाओं का समूह

पृष्ठ	श्लोक	
४४	१३	(राजन्) चन्द्रमा, राजा, क्षत्रिय
१७५	१	(राजन्य) क्षत्रिय
१७५	४	(राजन्यक) क्षत्रियों का समूह
६८	१४	(राजन्वत्) अच्छेराजा वाला देश
११०	१५३	(राजबला) अमरबौरिया
१६०	२	(राजबीजिन्) राजवंश
१५	६९	(राजराज) कुबेर
१६०	२	(राजवंश्य) राजवंश
६८	१५	(राजवत्) राजावाला देश
८१	२३	(राजवृक्ष) अमिलतास
७२	१०	(राजसदन) राजाका घर
३५५	९	(राजसभा) राजा की सभा
३६३	३१	(राजसूय) राजा सोम औषधी जिसमें पीवे वह यज्ञ
१२०	२५	(राजहंस) लालपैर चोंच और उजली देह वाला हंस
८४	३५	(राजादन) चिरौंजी वृक्ष, खिन्नी
१५६	१२७	(राजार्ह) अगुरु
७७	४	(राजि) रेखा,पाँति

पृष्ठ श्लोक
२०८ १९ (राजिका) राई
५१ ५ (राजिल) डेंड़हासाँप
५८ १९ (राजीव) कमल, मछली विशेष
१७८ १८ (राज्याङ्ग) राजा, मन्त्री मित्र, खजाना, राज्य, कोट, फौज
२५ ५ (रात्रि) रात
१३ ६१ (रात्रिचर) राक्षस

१३ ६१ (रात्रिचर) राक्षस

३२ ४ (राद्धान्त) मुख्यसिद्धान्त
२७ १६ (राध) वैशाख महीना
२१ २२ (राधा) विशाखा नक्षत्र
५ २३ (राम) बलदेव, हरिण विशेष, चौगड़ा, नीला सुन्दर, उजला,
२१३ ४० (रामठ) हींग
१२५ ४ (रामा) सुन्दरीस्त्री जिसमें चित्त बहुतरमे
१७१ ४९ (राम्भ) ब्रह्मचारी का बाँसका दण्डा
१५६ १२८ (राल) राल, धूप
१०४ ४३ (राशि) अन्न आदिका ढेर, समूह, मेषादि
३२८ १८३ (राष्ट्र) देश, उपद्रव
९७ ९४ (राष्ट्रिका) भटकटैया
४४ १४ (राष्ट्रिय) राजाकाशाला
२०२ ७७ (रासभ) गदहा

पृष्ठ श्लोक
१०१ ११४ (रास्ना) रासनि, कोलिन्दण
२० २६ (राहु) राहु
२५६ ५६ (रिक्तक) शून्य, खाली
२२५ ६० (रिक्थ) धन
५० ३६ (रिङ्गण) लड़कों की बकैयाँ चाल
१७७ १० (रिपु) शत्रु
२६१ ३५ (रिष्ट) क्षेम, अशुभ शुभ
१६६ ८९ (रिष्टि) तलवार
४६ २३ (रीढा) अनादर, अपमान
१६४ ६२ (रीण) रसिआता, बहता हुआ
२२६ ६७ (रीति) पीतरि, लोकाचार, टपकना, बहना
२२७ १०३ (रीतिपुष्प) पीतल गरमाकर उसपर घिसके जो बनाया जाता है अञ्जन विशेष
१३७ ५० (रुक्प्रतिक्रिया) रोग की दवाई करना
२२६ ९५ (रुक्म) सोना
२३२ ८ (रुक्मकारक) सोनार
३३८ २२४ (रुक्ष) रूखा, नारसाई
२६४ ६१ (रुग्ण) टेढ़ा, टूटाहुआ
२४ ३४ (रुच्) कान्ति
८८ ५१ (रुचक) रेंडी, बिजौरा

पृष्ठ	श्लोक	
		नींबू, सज्जी, सोंचर लोन
२४	३४	(रुचि) शोभा, क्रोधकी इच्छा, इच्छा, किरण
२५५	५२	(रुचिर) सुन्दर
२५५	५२	(रुच्य) सुन्दर
१३७	५१	(रुज्) रोग, शोभा
१३७	५१	(रुजा) रोग
४१	२५	(रुत) पक्षियों का शब्द
५०	३५	(रुदित) रोना
२६४	६०	(रुद्ध) घेराहुआ
२	१०	(रुद्र) गणदेवता, शिव
८	३८	(रुद्राणी) पार्वती
१४१	६४	(रुधिर) रक्त, लोहू
६६	२०	(रुमा) खारी समुद्र
११६	११	(रुरु) हरिण विशेष
३६	१८	(रुशती) अशुभ वचन
४७	२६	(रुष्) क्रोध
११२	१५८	(रुहा) दूब
३२	७	(रूप) रूप, सूरत
१२९	१९	(रूपाजीवा) पतुरिया
२२५	६१	(रूप्य) तॉबामिली हुई चॉदी, चॉदी, अच्छारूप
१७६	७	(रूप्याध्यक्ष) रुपये के खजाने का मालिक
२६३	८९	(रूषित) धूरिलगाहुआ रॅगा
१८६	४८	(रेचित) घोड़ोंकी दुलकी चाल
१००	१०८	(रेचनी) श्वेत त्रिधारा
१९८	९८	(रेणु) धूरि
२०७	१६	(रेणुक) मटर, खरराव
१०३	१२०	(रेणुका) गगनधूरि
१४०	६२	(रेतस्) बीज, काम
२५५	५४	(रेफ) अधम, रकार
५	२३	(रेवतीरमण) बलदेव
६१	३२	(रेवा) नर्म्मदानदी
२२५	९०	(रै) धन, सोना,
५१	२	(रोक) छेद
१३७	५१	(रोग) रोग
१३६	५७	(रोगहारिन) वैद्य
८७	४७	(रोचन) कालासेमर
१०६	१२६	(रोचनी) त्रिधारा, कम्पीला
१४९	१०१	(रोचिष्णु) भूषणादि से शोभायमान
२४	३४	(रोचिस्) शोभा, चमक
१२७	९३	(रोदन) रोना, ऑसू
६६	९२	(रोदनी) यवासा
६६	२०	(रोदस्) भूमिआकाश
६९	२०	(रोदसी) भूमिआकाश
५५	७	(रोधस्) किनारा
१३५	८७	(रोप) बाण, तीर
१४९	९९	(रोमन्) रोंवॉ
३५८	१६	(रोमन्थ) पशुओं की पागुरि
५०	३५	(रोमहर्षण) रोंवॉ खडे होना

पृष्ठ	श्लोक
५०	३५ (रोमाञ्च) रोंवाँ खड़े होना
४७	२६ (रोष) क्रोध
२१६	६७ (रोहिणी) गौ, नक्षत्र
३४	१५ (रोहित) रोहूमछली, सीधाहोनेपर इन्द्रधनुष, लालरंग, लालहरिण
८७	४९ (रोहितक) गुलनार, माणिक
१२	५६ (रोहिताश्व) आगि
८७	४९ (रोहिन्) गुलनार
४६	२० (रौद्र) रौद्ररस, देखनेसे अति डरानेवाला
२१३	४२ (रौमक) साँभर निमक
५३	१ (रौरव) नरकविशेष
५	२४ (रौहिणेय) बलदेव, बुध
११३	१६६ (रौहिष) हरिणविशेष, सुगन्धतृण

(ल)

पृष्ठ	श्लोक
८९	६० (लकुच) बड़हल
१९५	८६ (लक्ष) निशाना
२०	१७ (लक्षण) चिह्न, कलंक
२४५	१४ (लक्ष्मण) लक्ष्मीवाला
१२०	२६ (लक्ष्मणा) सारसकीस्त्री
२०	१७ (लक्ष्मन्) चिह्न, प्रधान
६	२७ (लक्ष्मी) लक्ष्मी, ऋद्धि सिद्धि, सम्पत्ति
२४५	१४ (लक्ष्मीवत्) लक्ष्मीवान्
४६	३३ (लक्ष्य) छल, निशाना
३५८	१८ (लगुड) लाठी
२२	२७ (लग्न) राशियों का उदय
२४०	४४ (लग्नक) जामिन
१४	६५ (लघु) शीघ्र, अस्परक, वाँछित, थोड़ा
११३	१६५ (लघुलय) गाँड़रकी जड़
३५४	७ (लंका) रावणकीपुरी
१०६	१३३ (लंकोपिका) अस्परक
४७	२३ (लज्जा) लाज
२४८	२८ (लज्जाशील) लाज करनेवाला
२६४	९१ (लज्जित) लाजयुक्त
३५५	१० (लट्वा) गौरैया
७८	९ (लता) बौंड़ी, वृक्षकी जरसे ऊपरतक फैलने वाली बौंड़ी, काकुनि, वासन्ती, अस्परक, मालकांगणी
१०६	१४८ (लतार्क) हराप्याज
१४६	८६ (लपन) मुख
३५	१ (लपित) वचन, कहा हुआ
२६७	१०४ (लब्ध) पाया
१६०	६ (लब्धवर्ण) पण्डित
१६२	१२ (लब्धानुज्ञ) आज्ञापाये
१८०	२४ (लभ्य) न्यायसे युक्त
१५०	१०८ (लम्बन) जो नाभितक लम्बी कंठी

पृष्ठ	श्लोक
९	३९ (लम्बोदर) गणेश
४३	६ (लय) ताल स्वर मिलाना
१२५	४ (ललना) दुलारी स्त्री
१५०	१०४ (ललन्तिका) जो नाभि तक लटकतीहो लम्बी कण्ठी
१४७	९२ (ललाट) माथ
१५०	१०३ (ललाटिका) वेंदी, टीका
३१८	१४३ (ललाम) पूँछ, चिह्न, घोड़ा, भूषण, प्रधानता, वजा
१५८	१३६ (ललामक) जो शिखा में लिलारतक लपेटी मालाहो
४८	३१ (ललित) स्त्रियों के हाव
२५७	६२ (लव) अन्न काटना, कालविशेष, मिहीं, सूक्ष्म
१५५	१२६ (लवङ्ग) लवङ्ग
३३	६ (लवण) समुद्र का लोन
६९	२० (लवणाकर) निमकका रस, खारी समुद्र
५४	२ (लवणोद) खारासमुद्र
२७६	२४ (लवन) खेत से अन्न का काटना
२०६	१३ (लवित्र) हँसिया
१०६	१४८ (लशुन) लहशुन

पृष्ठ	श्लोक
१९५	८५ (लस्तक) धनुप का मध्यभाग
१५५	१२५ (लाक्षा) लाह, लाख
८५	४१ (लाक्षाप्रसादन) लाल लोध
२०६	१३ (लाङ्गल) हर
२०७	१४ (लाङ्गलदण्ड) हरश
२०७	१४ (लाङ्गलपद्धति) खेत का कूँड़
१०२	११८ (लाङ्गलिकी) कारिआरी
१०१	१११ (लाङ्गली) नारियल, जलपीपर
१८६	५० (लांगूल) पूँछ
२१४	४७ (लाज) धान के लावा
२०	१७ (लाञ्छन) चिह्न, कलंक
२२२	८० (लाभ) ब्याज, नफा
११३	१६५ (लामज्जक) गाँड़र की जर
४८	२८ (लालसा) बड़ीचाहना, प्रार्थना
१४१	६७ (लाला) लार
२८५	१७ (लालाटिक) मुँहदेखा, मालिक का काम न करसकनेवाला
१२२	३६ (लाव) लवा पक्षी
४३	८ (लासिका) नाचनेवाली
४४	१० (लास्य) नाचना
८९	६० (लिकुच) बड़हल

पृष्ठ	श्लोक
३५५	१० (लिक्षा) लीख
१७८	१६ (लिखित) लिखाहुआ
२८८	२५ (लिङ्ग) चिह्न, लिङ्ग, शिश्न
१७३	५७ (लिङ्गवृत्ति) बहुरूपिया ब्राह्मण
१७८	१६ (लिपि) लिखना, लिखाहुआ
१७८	१५ (लिपिकर) लेखक
२६४	९० (लिप्त) लिपाहुआ
१९६	८८ (लिप्तक) विषका बुझाया बाण, तीर
४८	२७ (लिप्सा) मनोरथ
१७८	१६ (लिवि) लिखना, लिखाहुआ
२६९	११० (लीढ) खायागया
४१	३२ (लीला) खेल, शृंगार आदि से दूसरे की अनुहारि करना
१८६	५० (लुठित) लोटना
२४७	२२ (लुब्ध) लोभी
२३५	२१ (लुब्धक) व्याधा, बहेलिया, बाघ
११५	५ (लुलाय) भैंसा
११७	१४ (लूता) मकरी
२६७	१०३ (लून) काटाहुआ
१८६	५० (लूम) पूँछ
२	८ (लेख) देवता
१७८	१५ (लेखक) लिखनेवाला
६	४३ (लेखर्षभ) इन्द्र
७७	४ (लेखा) पाँति, रेखा
२१७	५६ (लेप) आहार, खाना
२३१	६ (लेपक) थवई, राज
२५७	६२ (लेश) अंश, सूक्ष्म, बारीक
२०६	१२ (लेष्टु) ढीला
२१७	५६ (लेह) आहार, खाना
६६	७ (लोक) भुवन, जन, भारतवर्ष
३	१३ (लोकजित्) बौद्ध
६	२८ (लोकमातृ) लक्ष्मी
३६३	३२ (लोकायत) नास्तिकों का शास्त्र
७५	२ (लोकालोक) पर्वतविशेष
३	१६ (लोकेश) ब्रह्मा
१४७	६३ (लोचन) आँखि
१०१	१११ (लोचमस्तक) मोरशिखा, अजमोदा
२३६	२५ (लोप्त्र) चोरीकामाल
८४	३३ (लोध्र) लोध
२०	२० (लोपामुद्रा) अगस्त्य की स्त्री
१४९	९९ (लोमन्) रोंवाँ
१०६	१३४ (लोमशा) जटामांसी
५०	३५ (लोमहर्षण) रोंवाँखड़ेहोना, रोमाञ्च
२६०	७४ (लोल) चंचल, तृष्णा-

पृष्ठ	श्लोक
	युक्त
२४७	२२ (लोलुप) अतिलोभी
२४७	२२ (लोलुभ) अतिलोभी
२०६	१२ (लोष्ट) ढीला
२०६	१२ (लोष्टभेदन)मुँगरी,सरावन
२२६	९८ (लोह) लोहा, चांदी, सोना, लोह इत्यादि, अगुरु
२३१	७ (लोहकारक) लोहार
११८	१७ (लोहपृष्ठ) उजली चील्ह
२५१	३७ (लोहल) साफ न बोलनेवाला, जो साफ न बोलताहो
१६७	९४ (लोहाभिसार) शस्त्रधारी राजाओं की नीराजनविधि, हथियार पूजनेका दिन
३४	१५ (लोहित) लालरंग, लोहू
१५५	२५ (लोहितचन्दन)केसर, कुंकुम
२१	२५ (लोहितांग) मंगल, (लोहिताश्व) आगि
१६१	८ (लोकायतिक) बौद्ध मतको माननेवाला
	(व)
११२	१६० (वंश) वंश, गोत्र,खा-

पृष्ठ	श्लोक
	नदान, बाँस
२२९	१०९ (वंशरोचना)वंशलोचन
९०	६४ (वकुल) मोमशिरी
१५६	२७ (वंशिक) गूगुर
२६६	१११ (वंहिष्ठ)बहुतसे बहुत
३२२	१५९ (वक्तव्य) निन्दित, अधीन, कहने के योग्य
२५०	३५ (वक्तृ) बहुत अच्छा बोलनेवाला
२५९	७१ (वक्र) टेढ़ा
१४६	८९ (वक्त्र) सुख
१४४	७८ (वक्षस्) छाती
१४३	७३ (वङ्क्षण) टेहुनी
२२८	१०६ (वङ्ग) राँगा
३५	१ (वचन) बोलना
२४७	२४ (वचनेस्थित) आज्ञाकारी
३५	१ (वचस्) बोलना
९९	१०२ (वचा) बच
११	४८ (वज्र) हीरा, वज्र, सेंहुँड़ा
१८	१० (वज्रनिर्घोष) बिजुली का गर्जना
९३	७६ (वज्रपुष्प) तिलकाफूल
६	४३ (वज्रिन्) इन्द्र
२५४	४७ (वञ्चक) छली, ठग, दगाबाज
११५	६ (वंचुक) सियार
२५२	४१ (वञ्चित) बहँकाया, ठ-

पृष्ठ	श्लोक
	गागया
८२	२७ (वञ्जुल) तिनिस, अशोक
८३	३२ (वट) बरगदवृक्ष
३५७	१७ (वटक) बरा
२३६	२७ (वटी) रस्सी
१८६	४६ (वड़वा) घोड़ी
१३	५७ (वड़वानल) बड़वानल
५८	१६ (वडिश) बंशी, कटिआ
२५७	६१ (वड्र) फैलाहुआ, बड़ा
२२२	७८ (वणिज्) बनियाँ
२२२	७८ (वणिज) बनियाँ
२२२	७९ (वणिज्या) बनियाँपन, बनेई
२२५	८६ (वराटक) तौलनेकेबाँट
२१९	६९ (वनोका) जिस गौका गर्भ गिरजाताहो
१४४	७८ (वत्स) गौकाबछड़ा, वर्ष, छाती
९१	६६ (वत्सक) कुरैआ
२१८	६२ (वत्सतर) जवानबछड़ा
५३	११ (वत्सनाभ) विषविशेष
२७	१३ (वत्सर) वर्ष, साल
२४५	१४ (वत्सल) प्यारकरने वाला, स्नेही
६४	८२ (वत्सादनी) गुर्च
२५०	३५ (वद) बहुतबोलनेवाला
१४६	८६ (वदन) मुख
२४३	६ (वदान्य) दानी, बहुत

पृष्ठ	श्लोक
	अच्छा बोलनेवाला
२५०	३५ (वदावद) बहुतबोलने वाला
५५	३ (वन) जल, वन, जङ्गल
६५	८५ (वनतिक्तिका) पाँढ़रि, पाठा
११९	२० (वनप्रिय) कोयल
१२१	२८ (वनमक्षिका) डाँस, मच्छर
४	२१ (वनमालिन्) विष्णु
२०७	१७ (वनमुद्ग) मोथी, मोठ
९८	९९ (वनशृंगाट) गोखुरू
७७	४ (वनसमूह) वन का समूह
७८	६ (वनस्पति) बिना फूल के फलनेवाला वृक्ष गूलर वगैरह
१८५	४५ (वनायुज) वनायु देश का घोड़ा
१२५	२ (वनिता) स्त्री, बड़ी प्यारी स्त्री
२५४	४६ (वनीयक) माँगनेवाला
९२	७० (वनोद्भवा) वनवेली, पवारी
११५	४ (वनौकस) बन्दर
६४	८२ (वन्दा) बाँदा
२४८	२८ (वन्दारु) वन्दना करने वाला, स्तुति करने वाला

पृष्ठ	श्लोक
७७	४ (वन्या) वनका समूह
१७२	५३ (वपन) बार बनवाना
१५१	२ (वपा) छेद, चर्बी
१४२	७० (वपुस्) देह, शरीर
७०	३ (वप्र) छहरदीवाल, शहरपनाह, सीमा
३२५	१७० (वभ्रु) बड़ा, न्योरा, विष्णु, पीला
१३८	५५ (वमथु) वान्त, उछार, हाथी के शूँड़ केपानी का निकरना
१३८	५५ (वमि) वान्त, उछार
३४०	२२९ (वयस्) पत्ती, अवस्था
१३५	४२ (वयस्थ) जवान
८६	५८ (वयस्था) हर्र, अँवरा-ब्राह्मी, काकोली
१७७	१२ (वयस्य) समान अवस्था वाला
१२८	१२ (वयस्या) सखी
१५५	१२५ (वर) केसर, कुंकुम, वरदान, श्रेष्ठ, दामाद
१२०	२६ (वरटा) बरैया, हंसकी स्त्री
७०	३ (वरण) बाँस कांटा आदिसे घिरा, वारुण
३५८	१८ (वरण्ड) मुखरोग, मुख की पीड़ा
१८४	४२ (वरत्रा) हाथी के कमर में बांधनेकी रस्सी, चमड़ाकी रस्सी, वरेत
२४३	७ (वरद) वर देनेवाला
१२५	४ (वरवर्णिनी) बहुत उत्तम स्त्री, हरदी
१०६	१३४ (वरांग) योनि
१०६	१३४ (वरांगक) तज, दालचीनी
६४	४३ (वराटक) कमलगट्टा, रस्सी, कौड़ी
१२५	४ (वरारोहा) बहुत उत्तमा स्त्री
१५३	११६ (वराशि) मोटा कपड़ा
११५	२ (वराह) सूअर
२६७	१०२ (वरिवसित) सेवित
१६८	३७ (वरिवस्या) सेवा
२६७	१०२ (वरिवस्यित) सेवित
२२६	९७ (वरिष्ठ) अति श्रेष्ठ, बहुत लम्बा चौड़ा, तांबा
९८	१०० (वरी) शतावरि
३४१	२३४ (वरीयस्) श्रेष्ठ, अतिशय, महान्
१४	६२ (वरुण) वरुण, पुरुष, वारुण
२३६	३९ (वरुणात्मजा) दारू, मदिरा
१८८	५७ (वरूथ) लोहसे बना हुआ रथका ओहार
१९३	७८ (वरूथिनी) फौज, सेना

पृष्ठ	श्लोक
२५६	५७ (वरेण्य) श्रेष्ठ
२३५	२३ (वर्कर) जवान पशु,व-करा
१२४	४१ (वर्ग) एक जातिवाले प्राणी व अप्राणियोंका झुण्ड
३४०	२३० (वर्चस्) तेज,गूह,चीट
१४२	६८ (वर्चस्क)गूह, विष्ठा
१५९	१ (वर्ण) ब्राह्मणादि, अ-क्षर,उजलादिरंग,हा-थीकी झूल
१५७	१३४ (वर्णक) चन्दन,घिसी हुई लेपन वस्तु
२६९	११० (वर्णित) स्तुति किया हुआ
१७०	४६ (वर्णिन्)ब्रह्मचारी
१२३	३६ (वर्तक)बटेर, घोड़ेका खुर, बतख
२०३	१ (वर्तन) वर्तनेवाला, जीविका, रोजगार
१५७	१३४ (वर्ति)घिसीहुई लेपन वस्तु
१२३	३६ (वर्तिका)बटेर
२४९	२९ (वर्तिष्णु) वर्तनेवाला, बैपरनेवाला
२५९	६६ (वर्तुल) गोल
६८	१६ (वर्त्मन्)मार्ग, रास्ता, आंखोंकी पलकें,बरौनी
९६	८० (वर्द्धक)भँगरा
२३२	९ (वर्द्धकि) बढ़ई
२४८	२८ (वर्द्धन) बढ़नेवाला, काटना
८८	५१ (वर्द्धमान) रेंड़, रेंड़ी
२११	३२ (वर्द्धमानक) मट्टी का सेरवा, परई
२४८	२८ (वर्द्धि) बढ़नेवाला
	(वर्द्धिष्णु) बढ़नेवाला
२३७	३२ (वर्द्धी) बरेत,चमड़ेकी रस्सी
१६०	६४ (वर्मन्) कवच,बखतर
१९०	६५ (वर्मित) कवच आदि पहिरे हुये
२५६	५७ (वर्य्य) श्रेष्ठ
१२६	७ (वर्य्या) स्वयंवर में अपने आप पतिकी इ-च्छा करनेवाली कन्या
१२१	२७ (वर्वणा) कालीमक्खी
९६	९० (वर्वर) भँगरा
१०७	१३६ (वर्वरा) बबई
१९	११ (वर्ष) वर्षा,भारतवर्ष, बरस
१७६	९ (वर्षवर) हिजरा
२८	१६ (वर्षा) बरसात
५९	२४ (वर्षाभू) मेढ़क
६०	२४ (वर्षाभ्वी) मेंढुकी
१३५	४३ (वर्षीयस्) अतिबूढ़ा
१६	१२ (वर्षोपल) वर्षाके साथ गिरनेवाले पत्थर

पृष्ठ	श्लोक	
१४२	७०	(वर्ष्मन्) देह, प्रमाण
१०३	१२२	(वर्हिष्ठ) नेत्रवाला
३४	१३	(वलक्ष) उजलारंग
७३	१५	(वलभी) छज्जा
१५१	१०७	(वलय) हाथकेकड़ा
७३	१४	(वलीक)छज्जा,वरौनी
११५	३	(वलीमुख) बन्दर
७९	१२	(वल्क) बकला
७९	१२	(वल्कल) बकला
१८६	४८	(वल्गित) घोड़ों की गति,उछाल
६८	१५	(वल्मीक) बेमडरि
४२	३	(वल्लकी) वीणा
२५५	५३	(वल्लभ) प्यारा, मुख्य मालिक,कुलीन घोड़ा
८०	१३	(वल्लरि) मञ्जरी,बौर
७८	६	(वल्ली) बौंड़ी
१४१	६३	(वल्लूर) सूखा मांस
२७२	८	(वश) इच्छा,सन्तान, बाँस
२७०	४	(वशक्रिया) वशीकरण
१८३	३६	(वशा) हथिनी, बाँझ गौ,स्त्री
२५६	५६	(वशिक) खाली
९८	९७	(वशिर)गजपीपरि समुद्रका निमक
२४७	२५	(वश्य) वशमेंपड़ाहुआ
२४८	८	(वषट्) देवताओं के अर्थ त्याग
१६६	२९	(वषट्कृत)आगिमेंहोम कियाहुआ,अग्निहुत
२९९	६६	(वसति) रात, घर
१५३	११५	(वसन) कपड़ा
२८	१८	(वसन्त) वसन्त ऋतु
१४१	६४	(वसा) चर्बी
२१३	४१	(वसिर) समुद्रमें होने वाला निमक
२	१०	(वसु) देवगण, धन, आगि, किरण, रत्न
६४	८०	(वसुक)मदार,साँभरि निमक
५	२२	(वसुदेव)कृष्णके पिता
६५	३	(वसुधा)पृथ्वी, ज़मीन
६५	३	(वसुन्धरा) पृथ्वी, ज़मीन
६५	३	(वसुमती) पृथ्वी,ज़मीन
२२१	७६	(वस्त) बकरा
१४३	७३	(वस्ति) जहां मूत्र रहताहै वह स्थान
१५३	११५	(वस्त्र) कपड़ा
१५४	१२०	(वस्त्रवेश्मन्) कपड़ा का घर, कनात
२२२	७६	(वस्न) मूल्य,कीमत
१४१	६६	(वस्नसा) नस
२१८	६३	(वह) बैलका काँधा
१२	५४	(वह्नि) आगि
२२८	१०६	(वह्निशिख) कुसुम्भ

पृष्ठ	श्लोक	
९४	८०	(वह्निसंज्ञक) चीत औषध
३४५	२४८	(वा) उपमा, विकल्प, निश्चय
२५०	३५	(वाक्पति) बहुत अच्छा बोलनेवाला
३५	२	(वाक्य) तिङन्त और सुबन्तों का समूह, वा कारकयुक्त क्रिया
२५०	३५	(वागीश) बहुतअच्छा बोलनेवाला
२३६	२६	(वागुरा) जाल
२३३	१४	(वागुरिक) बहेलिया, जाल से जीवोंको पकडनेवाला
२५०	३५	(वाग्मिन्) युक्तियुक्त बोलनेवाला, नैयायिक
३७	९	(वाङ्मुख) आरम्भ
३५	१	(वाच्) सरस्वती, वाणी बोलना
१७०	१४५	(वाचंयम) मुनि
३५	२	(वाचक) शास्त्रीयशब्द
२१	२४	(वाचस्पति) बृहस्पति
२५०	३६	(वाचाट) बहुतनिन्दित वचन बोलनेवाला
२५०	३६	(वाचाल) बहुत निंदितवचनबोलनेवाला
३९	१७	(वाचिक) सन्देशा कहना
२५०	३५	(वाचोयुक्तिपटु) युक्तियुक्तवचन बोलनेवाला, नैयायिक
१९५	८७	(वाज) बाणमें लगाहुआ पंख
३६३	३१	(वाजपेय) यज्ञविशेष, वाजपेयी मदिरा जिसमें पीजावे
६६	१०३	(वाजिदन्तक) रूस
१२२	३४	(वाजिन्) घोड़ा, बाण, पक्षी
७१	७	(वाजिशाला) घोड़शाल
४८	२७	(वाञ्छा) मनोरथ
३६७	४२	(वाटी) रास्ता, मार्ग
१००	१०७	(वाट्यालका) बरिआरा
१३	५७	(वाडव) बड़वानल घोड़ियोंका समूह, ब्राह्मण
२८०	४१	(वाडव्य) ब्राह्मणों का समूह
९३	७४	(वाणा) नीलझिण्टी
३६०	३	(वानप्रस्थ) ब्रह्मचारी
२३६	२८	(वाणि) बीनना
२२२	७३	(वाणिज्य) बनियोंका कर्म, बनिवई
३३०	१११	(वाणिनी) नटिनि, नाचनेवाली, दूती
३५	१	(वाणी) सरस्वती

पृष्ठ	श्लोक	
१४	६४	(वात) हवा, वायु
१०९	१४९	(वातक) पटुआ, सन
१३१	५९	(वातकिन्) वाईरोग वाला
८३	२९	(वातपोथ) छिउलवृक्ष
११६	८	(वातप्रमी) हरिनविशेष
११६	८	(वातमृग) हरिणविशेष
१३१	५९	(वातरोगिन्) वाईरोग वाला
७२	९	(वातायन) झरोखा
११६	९	(वातायु) हरिणविशेष
३३१	१९५	(वातूल) बौंड़र, चवँडल, वायुकासहनेवाला
२१७	६०	(वात्सक) बछड़ों का समूह
		(वादित्र) बाजाका सराजाम
४२	५	(वाद्य) वाद्यभेद
८०	१५	(वान) सूखाफल
८२	२८	(वानप्रस्थ) महुआ
११५	४	(वानर) बन्दर
७८	६	(वानस्पत्य) फूलकर फलनेवालावृक्ष
८३	३०	(वानीर) बेंत
१०५	१३१	(वानेय) मोथा
६१	२८	(वापी) बावली
३१८	१४४	(वाम) सुन्दर, टेढ़ा, महादेव
७	३३	(वामदेव) शिव
१७	३	(वामन) दक्षिणदिशा का दिग्गज, बवना
६८	१५	(वामलूर) बेमउरि
१२५	३	(वामलोचना) सुन्दर आँखवाली स्त्री
१२५	२	(वामा) स्त्री
१८५	४६	(वामी) घोड़ी
२२६	२८	(वायदण्ड) कपड़ाबीननेका दण्डा, राछि
११६	२१	(वायस) कौवा
११८	१८	(वायसाराति) उल्लूपक्षी
११०	१५१	(वायसी) कौआहाँड़ी
१०८	१४४	(वायसोली) ककोली
१४	६२	(वायु) वायु, हवा
१२	५६	(वायुसख) आगि
५५	३	(वार्) जल, पानी
१२४	३९	(वार) समूह, अवसर, सूर्यादिका दिन
१८२	३४	(वारण) हाथी
१०१	११३	(वारणबुसा) केला
१२९	१९	(वारमुख्या) मुख्य पतुरिआ
१८९	६३	(वारवाण) बखतर
१२६	१९	(वारस्त्री) पतुरिया
११०	५१	(वाराही) बिलाईकन्द
५५	३	(वारि) जल
१८	७	(वारिद) बादर, मेघ
६३	३८	(वारिपर्णी) जलकुम्भी
७५	५	(वारिप्रवाह) भर्ना

पृष्ठ	श्लोक
१८	६ (वारिवाह)बादर, मेघ
१८५	४३ (वारी) हाथीके बाँधने का स्थान
२९५	५१ (वारुणी)दारू, पश्चिम दिशा
१३९	५७ (वार्त) लघुरोगसे छूटा हुआ, असार वस्तु
३७	७ (वार्ता) वृत्तान्त,हाल, जीवनोपाय, रोजगार
१०१	११४ (वार्ताकी) बैंगन वृक्ष, भाँटा
२३३	१५ (वार्तावह) संदेशा ले जानेवाला
१३५	४० (वार्द्धक)बुढ़ापा,बुढ़ों का समूह
२३२	९ (वार्द्धकि) बढ़ई
२०४	५ (वार्द्धुपि)ब्याज से जीविका करनेवाला
२०४	५ (वार्द्धुपिक)ब्याजसे जीविका करनेवाला
२८१	४३ (वार्म्मण) कवचका समूह
११०	१५० (वार्षिक) चिरायताका फल
१५०	१०३ (वालपाश्या)चोटी में लगानेकी सोनेकी पट्टी
१०९	१२१ (वालुक)एलुआ
१५२	१११ (वाल्क)अलसी आदि के बकल से बनाहुआ कपड़ा
१६९	३९ (वाल्मीक) वाल्मीकि मुनि
२५०	३५ (वावदूक) बहुत बोलने वाला
९९	१०३ (वाशिका) रूस
४१	२५ (वाशित) पक्षियोंका शब्द
७१	६ (वास) सभामंदिर, रहनेकास्थान,सभा,वस्त्र
९९	१०३ (वासक) रूस
७१	८ (वासगृह) घरका बीच
९२	७२ (वासन्ती) वसन्ती
१५७	१३५ (वासयोग) सुगन्ध द्रव्यका चूर्ण
२४	२ (वासर) दिन
६	४३ (वासव) इन्द्र
१५३	११५ (वासस्) वस्त्र
९९	१०३ (वासक) रूस
१५७	१३५ (वासित) छर्योंकी हुई वस्तु, सुगन्धयुक्त किया हुआ, पक्षियोंका शब्द
१८५	४६ (वासी) घोड़ी
३०१	७५ (वासिता)स्त्री,हथिनी
५१	४ (वासुकि) साँपों का राजा
४	२० (वासुदेव) विष्णु
४५	१४ (वासू) कन्या
७४	१९ (वास्तु) घरकी भूमि

पृष्ठ	श्लोक
११२	१५८ (वास्तुक) बथुआ का शाक
१०	४४ (वास्तोष्पति) इन्द्र
१८७	५४ (वास्त्र) वस्त्रसे ढकाहुआ जिसपर कपड़े का वहारहो
१८५	४४ (वाह) घोड़ा, १६ द्रोण का १ वाह
११५	५ (वाहद्विषत्) भैंसा
१८८	५८ (वाहन) सवारी
५१	५ (वाहस) अजगर साँप
१८४	३६ (वाहित्थ) हाथी के ललाटका नीचेका भाग
१९३	७८ (वाहिनी) सेना, फौज, फौजविशेष, नदी
१८९	६२ (वाहिनीपति)फौजका मालिक
१४४	८० (वाहु)बाँह, भुजा, हाथ
१५५	१२५ (वाह्लीक) कुंकुम
११२	३४ (वि) पक्षी
२२३	८३ (विंशति) बीस
८४	३७ (विकंकत) कँटाय
७८	७ (विकच) फूलाहुआ
२२	२९ (विकर्तन) सूर्य्य
१३६	४६ (विकलाङ्ग) अंगहीन
९६	९० (विकसा) मँजीठ
७८	८ (विकसित) फूलाहुआ
२४९	३० (विकस्वर)फूलनेवाला
२७४	१५ (विकार) प्रकृति का बदलना, अंजाम
२४३	३० (विकासिन्) फूलनेवाला
१२२	३४ (विकिर) पक्षी
९४	८० (विकीरण) मदार
२४३	७ (विकुर्वाण) हर्षित, खुश
४६	१६ (विकृत) वीभत्सरस, रोगी
२७४	१५ (विकृति) विरुद्धकरना
१६६	१०२ (विक्रम)अतिपराक्रम, अन्यको दबाना
२२३	८३ (विक्रय) बेंचना
२२२	७९ (विक्रयिक)बेचनेवाला
१९३	७७ (विक्रान्त)बहादुर, शूर
२७४	१५ (विक्रिया)विकार, विरुद्धकरना
२२२	७९ (विक्रेतृ) बेंचनेवाला
२२३	८२ (विक्रेय) बेंचनेकेयोग्य
२५१	४४ (विक्लव) विकल, शोक से जिसका अंग भङ्ग होगयाहो
२७९	३७ (विक्षाव) छींक
२६६	१०० (विगत) तेजहीन
१३०	२१ (विगतार्तवा) रजोरहित स्त्री
१३६	४६ (विग्र)नकटा
१४२	७० (विग्रह) देह, विगार, लड़ाई, दूसरे राज्यको लूटलेना फूकदेना

पृष्ठ	श्लोक
	विस्तार
१६६	३० (विघस) देवपित्रादि के भोजन से बचीहुई वस्तु
२७५	१९ (विघ्न) कार्य्यनाशक उपद्रवविशेष, खलल
९	३९ (विघ्नराज) गणेश
१६०	६ (विचक्षण) पण्डित
२७८	३० (विचयन) ढूँढ़ना
१३८	५३ (विचर्चिका) खाजु
३१	२ (विचारणा) विचार
२६६	९९ (विचारित) विचारा हुआ
३१	३ (विचिकित्सा) सन्देह
७२	११ (विच्छन्दक) राजाओं का घर विशेष
३६१	२६ (विच्छाय) पक्षियोंकी छाया
१८०	२२ (विजन) एकान्त
२०१	११० (विजय) जीति, फतेह
२१४	४६ (विजिल) रसा वा करायलवाला व्यञ्जन
२४२	४ (विज्ञ) प्रवीण, चतुर
२४४	८ (विज्ञात) प्रसिद्ध
३२	६ (विज्ञान) लोकके कार्य और शास्त्रका जानना
३५७	१७ (विट) धूर्त
७३	१५ (विटंक) कबूतरआदि के रहने का स्थान

पृष्ठ	श्लोक
८०	१४ (विटप) वृक्षकीशाखा, खरकागुच्छा, वृक्ष
७७	५ (विटपिन्) वृक्ष
८७	५० (विट्खदिर) दुर्गन्धियुक्त खयर, रीवां
२३५	२३ (विड्चर) गाँवकासूअर
२१३	४२ (विड) खारीनोन
१००	१०३ (विडंग) वायुभिरंग
११६	७ (विडाल) बिलार
९	४२ (विडौजस्) इन्द्र
३५४	९ (वितण्डा) बकवाह, मिथ्यावाद
४०	२१ (वितथ) असत्य, झूँठी
१६७	३१ (वितरण) दान
७३	१६ (वितर्दि) वेदी, चौतरा
१४५	८४ (वितस्ति) बित्ता
१५४	१२० (वितान) यज्ञ, विस्तार, तुच्छ, चँदवा, शून्य, मन्द
१०९	१४९ (वितुन्न) विसगपरिआ
१०४	२६ (वितुन्नक) भूमीऑवरा, तूतिया, धनियाँ
२२५	६० (वित्त) प्रसिद्ध, विचारा हुआ, धन
२७१	५ (विदर) फूटना
२६३	३२ (विदल) बाँसका टुकड़ा
२७१	५ (विदार) फूटना
१०२	११५ (विदारिगन्धा) सरिवन

पृष्ठ	श्लोक
१००	११० (विदारी) कालाकुम्हड़ा
२६८	१०८ (विदित) जानाहुआ, स्वीकार कियाहुआ
१७	५ (विदिश्) दिशाओं का मध्य
२४९	३० (विदुर) जनैआ, ज्ञानी
८३	३० (विदुल) जलबेंत, बेंत
२६३	८७ (विद्ध) छेदाहुआ, पठायाहुआ
६५	८४ (विद्धकर्णी) पाँड़रि
२	११ (विद्याधर) देवयोनि
१८	९ (विद्युत्) बिजुली
१३६	५६ (विद्रधि) ब्यरथिआरोग
२०१	१११ (विद्रव) भागना
२६६	१०० (विद्रुत) पिघलाहुआ घीआदि
२२५	९२ (विद्रुम) मूँगा
१०५	१२६ (विद्रुमलता) पत्राँरी
४४	१२ (विद्वस्) पण्डित, आत्मज्ञानी
४७	२५ (विद्वेष) वैर
१२७	११ (विधवा) राँड़
२३६	३८ (विधा) विधान, प्रकार, मँजूरी.
४	१७ (विधातृ) ब्रह्मा
४	१७ (विधि) ब्रह्मा, भाग्य, विधान, नियोगशास्त्र के नाम
१६२	१८ (विधिदर्शिन्) यज्ञकी विधिके देखनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
५	२२ (विधु) विष्णु, चन्द्रमा, कपूर, राक्षस
२६८	१०७ (विधुत) त्यागा हुआ
२२	२६ (विधुन्तुद) राहु
२७५	२० (विधुर) अत्यन्त वियोग, अलग होजाना
२७०	४ (विधुवन) काँपना
२७०	४ (विधूनन) काँपना
२४७	२४ (विधेय) आज्ञाकारी
२४७	२४ (विनयग्राहिन्) आज्ञाकारी
३४७	३ (विना) निषेध
३	१४ (विनायक) जैनमती, गणेश, गरुड़
२७६	२२ (विनाश) नाश, लोप
२६४	६१ (विनाशोन्मुख) पका हुआ, मरने के योग्य
१८५	४४ (विनीत) सीखाहुआ घोड़ा, नम्र, मुलायम आदमी
२४९	३० (विन्दु) जानने वाला, ज्ञाता, बूँद
१८४	३९ (विन्दुजालक) हाथी के शरीरके लालबुन्दा
७५	३ (विन्ध्य) पर्वतविशेष
२६६	९९ (विन्न) विचाराहुआ, पायाहुआ
१७१	११ (विपक्ष) शत्रु

पृष्ठ	श्लोक
४२	३ (विपञ्ची) वीणा
२२३	८२ (विपण) बेंचना
७०	२ (विपणि) जहां बाजार न हो लेकिन वस्तु विकर्ताहो उसका नाम, दूकानोंकी लेन, बाजार के भीतरकी गली
१६४	८२ (विपत्ति) विपत्ति, मुसीबत
६९	१७ (विपथ) खराबरास्ता
१९४	८२ (विपद्) विपत्ति मुसीबत
२७९	३३ (विपर्य्यय) उलटा पुलटा
२७६	३३ (विपर्य्यास) उलटा पुलटा
१६०	५ (विपश्चित्) पण्डित
६२	३३ (विपाट्) विपाशानदी
१३८	५२ (विपादिका) व्यवाई
६२	३३ (विपाशा) विपाशानदी
७७	१ (विपिन) वन
२५७	६१ (विपुल) फैलाहुआ, बड़ा लम्बा चौड़ा
६५	४ (विपुला) पृथ्वी
१५६	२ (विप्र) ब्राह्मण
२७४	१५ (विप्रकार) अपकार, अनभल
२५२	४१ (विप्रकृत) निकाला हुआ
२५८	६८ (विप्रकृष्टक) दूरि
४७	२५ (विप्रतीसार) पछताना
२७७	२८ (विप्रयोग) प्रीति छोड़ना
२५२	४१ (विप्रलब्ध) बहँकाया, ठगाहुआ, ठगागया
५०	३६ (विप्रलम्भ) किसी वस्तुकी आशादेकर फिर उसे भंगकरना, प्रीति छोड़ना
३९	१६ (विप्रलाप) विरुद्धकहना
१३०	२० (विप्राश्निका) शुभाशुभ जानने वाली
५५	६ (विप्रुष्) बूँद
२७३	१४ (विप्लव) लूटना
१३८	५५ (विबन्ध) कबुजरोग
२	७ (विबुध) देवता
२२५	९० (विभव) धन
२२	२८ (विभाकर) सूर्य्य
२५	४ (विभावरी) रात
१३	५७ (विभावसु) आगि,सूर्य्य
८६	५८ (विभीतक) बहेड़ा
८	३७ (विभूति) ऐश्वर्य्य
१४६	१०१ (विभूषण) गहना
४८	३१ (विभ्रम) स्त्रियोंकी क्रियाविशेष, अलंकार, भ्रांति, शोभा
१४९	१०१ (विभ्राज) शोभित, चमकता हुआ

पृष्ठ	श्लोक
२४३	८ (विमनस्) उदास, रंजीदः
२७३	१३ (विमर्द्दन) मीजना
२५५	५५ (विमल) सफा
१०८	१४३ (विमला) मेंहुडाविशेष
१३१	२५ (विमातृज) सौतेला भाई
११	४१ (विमान) विमान
१६	१॥ (वियत्) आकाश
११	५० (वियद्गंगा) आकाश-गङ्गा
२७५	१८ (वियम) संयम
२४८	२५ (वियात) निर्लज्ज,ढीठ
२७५	१८ (वियाम) संयम
१७१	४८ (विरजस्तमस्) रजोगुण तमोगुणसे रहित
२७६	३८ (विरति) निवृत्ति
२५८	६६ (विरल) विरल
१७५	१ (विराज्) क्षत्रिय
४०	२३ (विराव) शब्द
४	१७ (विरिञ्चि) ब्रह्मा
७	३३ (विरूपाक्ष) शिव
२३	३० (विरोचन) सूर्य्य, चन्द्रमा, आगि, प्रह्लाद का पुत्र
४७	२५ (विरोध) वैर
२७५	२१ (विरोधन) बिगार
३६	१३ (विरोधोक्ति) विरुद्ध कहना

पृष्ठ	श्लोक
५१	१ (विल) बिल, छेद
२४८	२६ (विलक्ष) चकरायाहुआ
२७०	२ (विलक्षण) विनाकारण की स्थिति
४३	९ (विलम्बित) धीरेधीरे होनेवाला
२७७	२८ (विलम्भ) अतिदान
३६	१६ (विलाप) रोना
४८	३१ (विलास) स्त्रियोंकेहाव
२६६	१०० (विलीन) पिघलाघी आदि
१५७	१३४ (विलेपन) घिसाहुआ सुगन्ध द्रव्य, चन्दनादि लगाना
२१५	५० (विलेपी) लप्सी, गीलाभात
५०	८ (विलेशय) साँप
३०६	६६ (विवध) सबतरफसे खींचकर इकट्ठाकिया ध्यानादि, रास्ता
५१	१ (विवर) बिल, छेद,
२३३	१६ (विवर्ण) नीच
२५२	४४ (विवश) मरणासन्न, मरने के लगभग दुष्टबुद्धि होनेवाला, साठिआन
२२	२९ (विवस्वत्) सूर्य्य, देवता
३७	९ (विवाद) व्यवहारियों

पृष्ठ	श्लोक
	की घतकही
१७४	६० (विवाह) ब्याह, शादी
१८०	२२ (विविक्त)एकांत,पवित्र
२६४	९३ (विविध) अनेक प्रकारका
१६९	४१ (विवेक) प्रकृति पुरुष के भेदको जानना, अन्य विचार
४८	३१ (विव्वोक) स्त्रियोंकेहाव
२०३	१ (विश्) वैश्य,मनुष्य, विष्ठा
२५६	६० (विशंकट) बड़ालम्बा चौड़ा, फैलाहुआ
३४	१२ (विशद) उजला
२०२	११५ (विशर) मारना
६४	८२ (विशल्या) इन्द्रपुष्पी, गुर्च, दँतिया
२०१	११४ (विशसन) मारना
९	४१ (विशाख) स्वामिकार्तिक
२१	२२ (विशाखा) विशाखा नक्षत्र
२७८	३२ (विशाय) सोनेवाला
२०१	११२ (विशारण) मारना
३०६	९५ (विशारद) पण्डित, ढीठ
२५७	६० (विशाल) बड़ालम्बा-चौड़ा, फैलाहुआ
१५३	११४ (विशालता) चौड़ाई

पृष्ठ	श्लोक
८१	२३ (विशालत्वच्) छतवानि
१११	१५६ (विशाला) इन्द्रारुणि
१६५	८६ (विशिख) बाण, तीर
७०	३ (विशिखा) गाँवकेभीतरकी रास्ता
१५५	१२३ (विशेषक) माथेमें कस्तूरीआदि से तिलक लगाना
१६७	३१ (विश्राणन) दान
२७७	२८ (विश्राव) अतिप्रसिद्धता
२४४	९ (विश्रुत) प्रसिद्ध
२	१० (विश्व) गणदेवता, सब, सोंठि
२३५	२१ (विश्वकद्रु) शिकारी कुत्ता
३०९	१०८ (विश्वकर्म्मन्) सूर्य्य, देवोंका थवई
२७	६ (विश्वकेतु) कामदेव
२१२	३८ (विश्वभेषज) सोंठि
५	२२ (विश्वम्भर) विष्णु
६५	२ (विश्वम्भरा) पृथ्वी
४	७ (विश्वसृज्) ब्रह्मा
१२७	११ (विश्वस्ता) राँड़, विधवा
९८	९९ (विश्वा) अतीस
१६६	३६ (विश्वामित्र) विश्वामित्र

पृष्ठ	श्लोक
१८०	२३ (विश्वास) विश्वास, परतीति, यकीन
५२	९ (विष) जहर, माहुर
५९	७ (विषधर) साँप
८१	२३ (विषमच्छद) छतवनि
६७	६ (विषय) रूपरसादि, देश, प्रयोजन, मतलब, जिसका जो कुछ जाना है वह
३३	८ (विषयिन्) इन्द्रिय
५३	११ (विषवैद्य) विषझारने वाला
६८	६६ (विषा) अतीस
१९६	८८ (विषाक्त) ज़हरीलावाण, तीर
२६६	५५ (विषाण) पशुओं का सींग, हाथीका दाँत
१०३	११९ (विषाणी) मेढ़ासिंगी
२७	१४ (विषुव) रात दिन बराबर होनेवाला काल
२७	१४ (विषुवत्) रातदिन बरावर होनेवाला काल
७३	१७ (विष्कम्भ) केवाड़बन्द करनेका काठ, घन्ना
१२२	३४ (विष्किर) पक्षी
६६	७ (विष्टप) लोक
३२५	१६९ (विष्टर) वृक्ष, पचीस कुशों की मूठी, पीढ़ा आदि काष्ठ आसन
४	१८ (विष्टरश्रवस) विष्णु
५४	३ (विष्टि) हठसे नरकमें फेंकना
१५२	६८ (विष्ठा) गूह, मैला
४	१८ (विष्णु) विष्णु
९९	१०४ (विष्णुक्रान्ता) विष्णुक्रान्ता औषधिविशेष
१६	११ (विष्णुपद) आकाश
६१	३१ (विष्णुपदी) गंगानदी
६	३० (विष्णुरथ) गरुड़
२५३	४५ (विष्य) विषसे मारने के योग्य
३४६	१३ (विष्वच्) सबतरफ
४	१६ (विष्वक्सेन) विष्णु
११०	१५१ (विष्वक्सेनप्रिया) विलाईकन्द
८९	५६ (विष्वक्सेना) काकुनि
२५०	२४ (विष्वद्र्यच्) सब तरफ जानेवाला
६४	४२ (विस) भसीड़
१२०	२६ (विसकण्ठिका) एकप्रकार की बकुली
६३	४१ (विसप्रसून) कमल
५०	३६ (विसंवाद) आशाभंगकरना, अयोग्य वचन
१२४	४० (विसर) समूह
१६७	३१ (विसर्ज्जन) दान
२७६	२३ (विसर्पण) फैलना
५८	१७ (विसार) मछली

पृष्ठ	श्लोक
२४९	३१ (विसारिन्) फैलनेवाला
६३	३६ (विसिनी) कमलिनी
२६२	८६ (विसृत) फैलाहुआ
२४९	३१ (विसृत्वर) फैलनेवाला
२४६	३१ (विसृमर) फैलनेवाला
२२४	८६ (विस्त) ८० घुंघुचीभर, मोहर
२७६	२२ (विस्तर) शब्दका विस्तार
८०	१४ (विस्तार) वृक्षों की शाखा, फैलाव
२६२	८६ (विस्तृत) फैलाहुआ
१३५	४१ (विस्रसा) बुढ़ापा
२००	१०८ (विस्फार) धनुष का शब्द
१३८	५३ (विस्फोट) फोड़ा
४६	१६ (विस्मय) अद्भुतरस, आश्चर्य
२४८	२६ (विस्मयान्वित) चकरायाहुआ
२६२	८६ (विस्मृत) भूलाहुआ
३३	१२ (विस्र) कच्चेमांसादि का गंध
१८०	२३ (विस्रम्भ) विश्वास, रतिकाल में स्त्री पुरुष का झगड़ा
१२२	३३ (विहग) पक्षी
१२२	३३ (विहंग) पक्षी
१२२	३३ (विहंगम) पक्षी
२३७	३० (विहंगिका) बहिंगी
५०	३५ (विहसित) मध्यम हँसना
२५२	४३ (विहस्त) व्याकुल, शोक से जो कुछ न कर सकताहो
१६	१॥ (विहायस्) आकाश, पक्षी
१६७	३१ (विहापित) दान
२७४	१६ (विहार) खेलमें पाँवसे चलना
२५२	४४ (विह्वल) शोकादि से अंगभंग जिसका होगयाहो, व्याकुल
३३६	२१४ (वीकाश) एकान्त, प्रकाश
५५	५ (वीचि) लहरि
४१	३ (वीणा) वीणा
२३३	१३ (वीणावाद) वीणाबजानेवाला
१८५	४३ (वीत) निर्बल हाथी, घोड़ा
२३६	२६ (वीतंस) मृगा और पक्षियों के फँसाने की सामग्री जाल वगैरह
१८५	४३ (वीति) घोड़ा
१२	५४ (वीतिहोत्र) आगि
७७	४ (वीथी) पाँति, मार्ग
२५५	५५ (वीध्र) सफा

पृष्ठ	श्लोक
६०	२७ (वीनाह) कुँआँआदि की जगति
४५	१८ (वीर) वीररस, शूरवीर, वहादुर
११३.	१६४ (वीरण) गाँड़र
११३	१६४ (वीरतर) गाँड़र
८६	४५ (वीरतरु) अर्ज्जुनवृक्ष
१२९	१६ (वीरपत्नी) वीरकी स्त्री
१९९	१०३ (वीरपान) युद्धसे पहिले या पीछे नशाखाना
१९९	१०३ (वीरपाण) युद्धसे पहिले नशाखाना
१२९	१६ (वीरभार्य्या) वीरकीस्त्री
१२६	१६ (वीरमातृ) वीरकीमाता
८६	४१ (वीरवृक्ष) भिलाँवाँ
१९८	१०० (वीराशंसन) अति भयानक रणभूमि
१२९	१६ (वीरसू) वीरकी माता
१७३	५८ (वीरहन्) जिस तपस्वीका अग्निबुझगया हो
७८	९ (वीरुध्) वहुत फैली हुई वौंड़ी
४८	२६ (वीर्य्य) बड़ाभारी उत्साह, काम, वल, प्रभाव
३०६	६६ (वीवध) सवतरफसे खींचकर इकट्ठाकिया हुआ ध्यानादि, रास्ता
६४	८१ (वुक) गूमा

पृष्ठ	श्लोक
११६	८ (वृक) भेड़हा, विग
१५६	१२९ (वृकधूप) कईएक वस्तु मिलाकर वनायाहुआ धूप, देवदारु धूप, चूहा
२६७	१०३ (वृक्ण) कटाहुआ
७७	५ (वृक्ष) विरवा, पेड़
२३८	३४ (वृक्षभेदिन्) वृक्षका काटनेवाला हथियार, वाँका
६४	८२ (वृक्षरुहा) बाँदा
७७	२ (वृक्षवाटिका) मन्त्री और पतुरियों के रहने का वागीचा
२३८	३४ (वृक्षादन) वृक्षका काटनेवाला हथियार वाँका
९४	६२ (वृक्षादनी) वाँदा
२१२	३५ (वृक्षाम्ल) अमिली, चूक
२९	२३ (वृजिन) पाप, टेढ़ा, क्लेश
२६४	६२ (वृत) वरणकियाहुआ
२७२	८ (वृति) वरदान
२५६	६९ (वृत्त) गोल, श्लोक, चरित्र, भूतकाल, पोढ़ा, वरण कियागया
२७	७ (वृत्तान्त) हाल, खवर, प्रकरण, प्रकार, सम्पूर्णता
२०३	१ (वृत्ति) किसानीआदि

पृष्ठ श्लोक
जीविका, जीविका, सूत्रका अर्थ, विवरण, रोजगार
३२३ १६३ (वृत्र) अन्धकार, शत्रु, दानव वृत्रासुर
९ ४३ (वृत्रहन्) इन्द्र
३४४ २४६ (वृथा) निरर्थक, अविधि, व्यर्थ
१०३ १२२ (वृद्ध) शिलाजीत, बुड्ढा, पण्डित
१३५ ४० (वृद्धत्व) बुढ़ापा
१०७ १३७ (वृद्धदारक) विधारा
९ ४२ (वृद्धश्रवस्) इन्द्र
१३५ ४० (वृद्धसंघ) वृद्धोंका समूह
१२८ १२ (वृद्धा) बूढ़ी
२७२ ९ (वृद्धि) बढ़ती, कृषिवाणिज आदि आठवर्ग की बढ़ती
२०४ ४ (वृद्धिजीविका) व्याज
२१८ ६१ (वृद्धोक्ष) बूढ़ाबैल
२०४ ५ (वृद्धयाजीव) व्याजसे जीनेवाला
८० १५ (वृन्त) अति छोटीकली और अति छोटे फलोंके गुच्छेके ऊपर की पँखुरी
९४ ८२ (वृन्दा) बाँदा
२ ९ (वृन्दारक) देवता, सुन्दर, श्रेष्ठ
२६६ ११२ (वृन्दिष्ठ) अतिशय वृन्दारक
११७ १५ (वृश्चिक) बीछि, ऊन आदिका खाने वाला कीड़ा
२२ २७ (वृष) धर्म, रूस, बैल, काँकड़ासिंगी, अण्डकोश, मूस, श्रेष्ठ
१४४ ७६ (वृषण) अण्डकोश
११६ ७ (वृषदंशक) बिलार
८ ३५ (वृषध्वज) शिव
९ ४३ (वृषन्) इन्द्र
२१७ ५६ (वृषभ) बैल
२३० १ (वृषल) शूद्र
१२७ ६ (वृषस्यन्ती) मैथुनकराने की इच्छा कियेहुए स्त्री
९५ ८७ (वृषा) मूसरि
३२१ १५५ (वृषाकपायी) लक्ष्मी, पार्वती
३१४ १२६ (वृषाकपि) शिव, विष्णु
१७१ ४१ (वृषी) ऋषियों का आसन
१९ ११ (वृष्टि) वर्षा
२२१ ७६ (वृष्णि) भेंड़ा
२८७ २० (वेग) प्रवाह, जल्द
१६२ ७३ (वेगिन्) जल्दबाज
१४८ ९८ (वेणि) स्त्रियोंके बालों की तीन लटोंसे बनाई

पृष्ठ	श्लोक
३१	३१ (व्यक्ति) पृथक् प्रकाशित होना
३२०	१८९ (व्यग्र) आकुल, दुविधामें पड़ा हुआ
१५६	१४० (व्यजन) वेना, पंखा
४५	१६ (व्यञ्जक) भावबताना
३११	११५ (व्यञ्जन) चिह्न, मोछदाढ़ी, जेमन, भोजन, अंग
८८	५१ (व्यडम्बक) रेंड़, रेंड़ी
२७६	३३ (व्यत्यय) उलटा पुलटा
२७६	३३ (व्यत्यास) उलटा पुलटा
५४	३ (व्यथा) पीड़ा
२७२	८ (व्यध) छेदना
६८	१७ (व्यध्व) खराबरास्ता
२७५	१७ (व्यय) खर्च
२८४	१२ (व्यलीक) अप्रियकार्य्य, पीड़ा
१९	१२ (व्यवधा) ढाँपना
३७	६ (व्यवहार) विवाद
१७९	६० (व्यवाय) मैथुन
३१२	१२० (व्यसन) विपत्ति, नाश, पतन, काम और क्रोध लोभसे हुआ दोष
२५२	४३ (व्यसनार्त) व्यसनसे पीड़ित, मुसीबतजदः
२५६	७२ (व्यस्त) आकुल

पृष्ठ	श्लोक
२५२	४३ (व्याकुल) शोकादि से जो कुछ न करसक्ता हो
७८	७ (व्याकोश) फूलाहुआ
११५	२ (व्याघ्र) बाघ, श्रेष्ठ
१०५	१२९ (व्याघ्रनख) नखनामक गंधद्रव्य, बड़ी नखी
८५	३७ (व्याघ्रपाद्) कँटाय
८७	५० (व्याघ्रपुच्छ) रेंड़, रेंड़ी
११८	१६ (व्याघ्राट) भर्दूल चिड़िया
९७	९३ (व्याघ्री) भटकटैया
४८	३० (व्याज) कपट, बहाना
२९३	४२ (व्याड़) सर्प्प, व्याघ्र इत्यादि मांस के खाने वाले जीव
१०५	१२९ (व्याडायुध) नखनाम गंधद्रव्य, बड़ी नखी
२३४	२० (व्याध) व्याधा, बहेलिया
१०४	१२६ (व्याधि) कूट औषध, रोग
८२	२४ (व्याधिघात) अमलतास
१३९	५८ (व्याधित) रोगी
१४	६४ (व्यान) वायुविशेष
३२	४ (व्यापाद) परद्रोह की चिन्ता
१०४	१२६ (व्याप्य) कूट औषध
१९६	८७ (व्याम) हाथ फैलाने

पृष्ठ	श्लोक	
		का नाम
२६६	११५	(व्यायत) दीर्घ,लम्बा
५२	७	(व्याल) साँप, शठ, हिंसकजन्तु
५३	११	(व्यालग्राहिन्) साँप पकड़नेवाला
२६४	६२	(व्यावृत्त) वरण किया हुआ
१६६	४०	(व्यास)विस्तार,व्यास मुनि
३५	१	(व्याहार) बोलना
३१२	११८	(व्युत्थान) तिरस्कार, निरोध, विरुद्ध कार्य्य करना
२६२	३८	(व्युष्टि) फल, सम्पदा, विन्यस्त,संहत, पृथुल
२६३	४४	(व्यूढ़)कुछ जगह छोड़ कर और मिलकर खड़ी हुई सेनाकी स्थिति
१९०	६५	(व्यूढ़कंकट) कवचादि पहिरे अथवा मन्त्रादिरक्षित
२३६	२८	(व्यूति) कपड़ा आदि का बीनना
१२३	४०	(व्यूह) समूह, फौज का किला बांधना
१९३	७९	(व्यूहपार्ष्णि) किला बाँधकर खड़ीहुई सेना का पिछला भाग
२३१	७	(व्योकार) लोहार
८	२५	(व्योमकेश)शिव
१६	१	(व्योमन्) आकाश
११	४९	(व्योमयान) विमान
२२९	१११	(व्योष) मिली हुई सोंठि मिर्च पीपरि
१२३	४०	(व्रज) समूह, गोंठ जहां पर गौ रहैं, गली
१६८	३८	(व्रज्या) घूमना, यात्रा
१३८	५४	(व्रण) घाव
१६६	४१	(व्रत) नियम,उपवासादि पुण्य
७८	९	(व्रतति) विस्तार, बौंड़ी, बवँर
१६१	६	(व्रतिन्) यजमान
७६	१२	(व्रध्न) वृक्षकी जड़
२३७	३३	(व्रश्चन) रेती
१२४	४०	(व्रात) समूह
१७३	५७	(व्रात्य) संस्कारहीन, जिस ब्राह्मणका १६ वर्ष के ऊपर भी यज्ञोपवीत न हुआहो
२७३	५४	(व्राह्मय)हाथ के अँगूठे कीजड़ अर्थात् ब्रह्मतीर्थ
४७	२३	(व्रीड़ा) लज्जा
२०७	१५	(व्रीहि) साँठी आदि धान्य,धान्य
२०८	२०	(व्रीहिभेद) साँवाँ,चीना
२०४	६	(व्रैहेय) व्रीहिके योग्य

पृष्ठ	श्लोक
	क्षेत्र, धानका खेत
	(श)
१८७	५२ (शकट) गाड़ी
२०	१६ (शकल)खण्ड, हिस्सा
५८	१७ (शकुलिन्) मछली
१२२	३३ (शकुन)पक्षी,चिड़िया
१२२	३३ (शकुनि) पक्षी, चिड़िया।
१२२	३३ (शकुन्त)पक्षी, चिड़िया, भासपक्षीविशेष
१२२	३३ (शकुन्ति) पक्षी,चिड़िया
५८	१९ (शकुल) सौरी मछली
११२	१५९ (शकुलाक्षक) उजली दूब
९५	८६ (शकुलादनी) कुटकी, जलपीपरि
५८	१७ (शकुलार्भक) मछली का बच्चा
१४२	६७ (शकृत्) गूह, मैला
२१८	६२ (शकृत्करि) बछड़ा
१९९	१०२ (शक्ति)प्रभाव,उत्साह, उत्तम सलाह,पराक्रम, बर्छी, सांग
६	४१ (शक्तिधर) स्वामिकार्तिक
१६७	६९ (शक्तिहेतिक) शक्ति-हथियार धारण करने वाला

पृष्ठ	श्लोक
२५०	३६ (शकनु) प्रियवचन बोलनेवाला
६	४३ (शक्र) इन्द्र, कुरैया
१८	१० (शक्रधनुष्) इन्द्रका धनुष्
८८	५३ (शक्रपादप) देवदारु
१०६	१३६ (शक्रपुष्पी)इन्द्रपुष्पी
२५०	३६ (शक्ल) मीठावचन बोलनेवाला
७	३१ (शंकर) शिव
५९	२० (शंकु) ठूँठ,छूरीआदि का फल, मछलीविशेष
१६	७२ (शङ्ख) निधिविशेष, शंख, कर्कूंदनि, ललाटका हाड़
५९	२३ (शङ्खनख) छोटाशंख
१०४	१२६ (शङ्खिनी) शंखकोड़ी
१०	४६ (शची) इन्द्राणी
१०	४४ (शचीपति) इन्द्र
१११	१५४ (शटी) कचूर
२५३	४६ (शठ) दुर्जन, दुष्ट
१०६	१४९ (शणपर्णी) पटशन
१००	१०७ (शणपुष्पिका) सनई, सन
५८	१६ (शणसूत्र) सुतरी
२१८	६२ (शण्ड) साँड़
२२३	८४ (शत) सौ
११	४८ (शतकोटि) वज्र
६२	६३ (शतद्रु) शतद्रुनदी

पृष्ठ	श्लोक
६३	४० (शतपत्र) कमल
११८	१७ (शतपत्रक) भुजकैल पक्षी, भुजैटा
११७	१४ (शतपदी) खनखजूर
११२	१६१ (शतपर्वन्) बॉस
६६	१०२ (शतपर्विका) वच, दूब
११०	१५२ (शतपुष्पा) सौंफ
६३	७६ (शतप्रास) कनइल
९	४३ (शतमन्यु) इन्द्र
३६४	३४ (शतमान) तौलविशेष
९८	१०० (शतमूली) शतावरि
११२	१५९ (शतवीर्य्या) उजलीदूब
१०८	१४१ (शतवेधिन्) अमलवेंत
१८	९ (शतह्रदा) बिजुली
१८७	५१ (शतांग) लड़ाईमें चढ़नेवाला रथ
९८	१०१ (शतावरी) शतावरि
१७७	९ (शत्रु) अपनी राज्य के डॉड़ेपरका राजा, शत्रु, दुश्मन
२२	२६ (शनैश्चर) शनैश्चर
३५०	१७ (शनैस्) धीरेधीरे
३७	९ (शपथ) कसम, सौगन्ध
३७	६ (शपन) कसम, सौगन्ध
१८६	४९ (शफ) खुर, टाप
५८	१८ (शफरी) सहरीमछली
३५	१७ (शबल) चितकबलारंग
२१६	६७ (शबली) चितकबली गौ
३२	७ (शब्द) ध्वनि, आवाज, अर्थकावाचक
१४८	६४ (शब्दग्रह) कान
२५१	३८ (शब्दन) शब्दकरने वाला
२७०	३ (शम) शान्ति
२७०	३ (शमथ) शान्ति
१३	५६ (शमन) यज्ञपशुका मारना, यमराज
६१	३२ (शमस्वसृ) यमुनानदी
१४२	६७ (शमल) गूह
२६६	६७ (शमित) शान्त, मिटाहुआ
८८	५२ (शमी) शमीवृक्ष, शयानि, छीमी
२०६	२४ (शमीधान्य) छीमीवाला धान्य जिस में छीमी लगतीहो वह धान्य
८८	५२ (शमीर) छोटीशमी
१२	६ (शम्पा) बिजुली
८१	२३ (शम्पाक) अमलतास
११	४८ (शम्ब) इन्द्रकावज्र
५५	४ (शम्बर) पानी, हरिणविशेष
६	२६ (शम्बरारि) कामदेव
६५	८७ (शम्बरी) मूसाकर्णी
३६४	३४ (शम्बल) सॉवलारंग, गाली, खच्चर

पृष्ठ	श्लोक
२०५	६ (शम्बाकृत) दोवार जोताहुआ
५६	२३ (शम्बूक) घोंघा
१२९	३६ (शम्भली) कुटनी स्त्री
७	३१ (शम्भु) शिव, ब्रह्मा
२०६	१४ (शम्या) सइला
१४५	८१ (शय) हाथ
५०	३६ (शयन) सोना, नींद, बिछौना
१५९	१३८ (शयनीय) बिछौना
२५०	३३ (शयालु) सोनेवाला
२५०	३३ (शयित) सोनेवाला
५१	५ (शयु) अजगरसाँप
१५९	१३८ (शय्या) बिछौना
११२	१६० (शर) शरपत, वाण, तीर
९	४० (शरजन्मन्) स्वामिकार्तिक
२६५	५२ (शरण) घर, रक्षा करनेवाला
२८	१९ (शरद्) क्वार, कार्तिक, वर्ष, साल
११७	३० (शरभ) हरिणविशेष
१९५	८६ (शरव्य) निशाना
१९५	८६ (शराभ्यास) वाणविद्या सीखना
१२०	२६ (शरारि) आडीपक्षी, बकजाति
२४८	२८ (शरारु) बहुत प्राणियों का मारनेवाला, हत्यार
२११	३२ (शराव) सरवा, परई.
६२	३४ (शरावती) नदीविशेष
१९४	८३ (शरासन) धनुष
१४२	७० (शरीर) देह
३०	३० (शरीरिन्) प्राणी
२१३	४३ (शर्करा) मिश्री, पक्की खाँड़, सिट्की, वालूवालीभूमि, पत्थर.
६७	१२ (शर्करावत्) वालूवाली भूमि
६७	१२ (शर्करिल) वालूवाली भूमि
२९	२५ (शर्मन्) हर्ष, आनन्द
७	३१ (शर्व) शिव
२५	३ (शर्वरी) रात
८	३८ (शर्वाणी) पार्वती
११६	८ (शल) साहीकाकाँटा
१२१	२९ (शलभ) पतङ्ग, फतिंगा
११६	८ (शलल) साहीका काँटा
११६	८ (शलली) साहीका काँटा
८०	१५ (शलाटु) कच्चा, ओदाफल
२८४	१३ (शल्क) खण्ड, टुकड़ा, बकला
८८	५३ (शल्य) मयनफर,

पृष्ठ	श्लोक
	साही पशुविशेष, छूरी आदिका फर, कील
२०२	११८ (शव) लहास, मुर्दा
२३४	२० (शवर) म्लेच्छजाति विशेष,जगलीआदमी
७४	२० (शवरालय) म्लेच्छ जातिवाले भिल्लोंका स्थान
११७	१२ (शश) शशा, चौगड़ा
१९	१५ (शशधर) चन्द्रमा
२२८	१०७ (शशलोमन्) चौगड़े के रोवाँ, इसीकाबना कम्बल
११८	१५ (शशादन) बाजपक्षी
२२८	१०७ (शशोर्ण) चौगड़े के रोंवा, इसीकाबना कम्बल
३४३	२४२ (शश्वत) लगातार, बारंवार, साथ
११४	१६७ (शष्प) नयाखर
३०	२६ (शस्त) कुशल,स्तुति कियागया
१९४	८२ (शस्त्र) हथियार,लोहा
२२६	९८ (शस्त्रक) लोहा
२३१	७ (शस्त्रमार्ज) तलवार पर वाढ़ रखनेवाला, शिकिलीगर
१६०	६७ (शस्त्राजीव) जो केवल हथियार बाँधकर जी-

पृष्ठ	श्लोक
	विकाकरे
१९६	९२ (शस्त्री) छूरी
८०	१५ (शस्य) वृक्षादिकों के फल
२०८	२१ (शस्यमञ्जरी) बाली
२०८	२१ (शस्यशूक)सींकुर,टूँड़
८६	४४ (शस्यसम्वर)सॉखू
१०६	१३६ (शाक) साग, तर्कारी
२१८	६४ (शाकट) गाड़ी लेचलनेवाला बैलआदि
२०५	८ (शाकशाकट) शाक, तर्कारीका खेत
२०५	८ (शाकशाकिन) शाक, तर्कारीका खेत
२३३	१४ (शाकुनिक)चिड़ीमार
१९१	६९ (शाक्तीक)शक्ति हथियार धारणकरनेवाला
३	१४ (शाक्यमुनि)जैनमती
३	१५ (शाक्यसिंह)जैनमती
७९	११ (शाखा) डार, शाखा
७०	२ (शाखानगर) नगरके समीप छोटागाँव
११५	४ (शाखामृग) बन्दर
७७	५ (शाखिन्) पेड़, वृक्ष
२३२	८ (शांखिक) चुरिहार
३६४	३३ (शाटक) पहिरनेकी सारी
३६६	३८ (शाटी) पहिरनेकी सारी

पृष्ठ	श्लोक	
४८	३०	(शाठ्य) शठकास्वभाव, कपट, दगाबाजी
२३७	३२	(शाण)कसौटी, शान, बाढ़ि
३५५	९	(शाणी) सनकावस्त्र, शान, बाढ़ि
८३	३२	(शाण्डिल्य) बेल
२२६	२५	(शात)हर्ष,खुशी,तेज, पैन किया
२२६	९४	(शातकुम्भ) सोना, सुवर्ण
१७७	११	(शात्रव) शत्रु, दुश्मन
५६	९	(शाद) बोदा, कीचड़, नयाखर
६७	११	(शादहरित) नये खर से हरा प्रदेश
६७	११	(शाद्वल) नये खरसे हरा प्रदेश
२६६	९७	(शान्त) मिटा, स्वभावको जीतनेवाला
२७०	३	(शान्ति) स्वभाव को जीतना
२३२	११	(शाम्बरी) इन्द्रजाल
३२४	१६५	(शार)वायु,हवा,चितकबरा रंग
८१	२३	(शारद)छत्तवनि,नया, ब्यरभुत
१०१	१११	(शारदी) जलपीपरि
२४०	४६	(शारिफल) चौपड़, पाँसासारी
१०१	११२	(शारिवा)कालाशाम्ब
६७	११	(शार्कर) बालू या सिटकीवाली भूमि
४	१९	(शार्ङ्गिन्) विष्णु
११५	२	(शार्दूल) बाघ, श्रेष्ठ
३२६	१८७	(शार्वर) बड़ा अँधेरा, प्राणियोंकामारनेवाला
५६	१६	(शाल) सौरी मछली, वृक्ष
७१	६	(शाला) सभा, कचहरी, बड़ीभारी शाखा
२८४	१२	(शालावृक) बन्दर, सियार, कुत्ता
२०९	२४	(शालि) सबधान
२४८	२६	(शालीन)सलज्ज
६३	३८	(शालूक)कमलकीजर
६०	२४	(शालूर) मेढ़क
९९	१०५	(शालेय) सौंफ, धान का खेत
८७	४६	(शाल्मलि) सेमर
८७	४७	(शाल्मलीवेष्ट) सेमर का गोंद
१२३	३९	(शावक) बच्चा
८४	३३	(शावर) लोध
२५९	७२	(शाश्वत) नित्य, हमेशह रहने वाला
२८०	४०	(शाष्कुलिक) पूरियों का समूह

पृष्ठ	श्लोक
१८०	२५ (शासन) हुकुम, आज्ञा
३	१४ (शास्तृ) जैनमती
३२७	१७९ (शास्त्र) आज्ञाविशेष, ग्रन्थ
२४३	६ (शास्त्रविद्) शास्त्र का जाननेवाला
९०	६२ (शिंशपा) सीसमवृक्ष
२३७	३० (शिक्य) शिकहर
२६३	८६ (शिक्यित) शिकहरमें धरी हुई चीज
३६	४ (शिक्षा) वेदांग-शास्त्र
२४२	४ (शिक्षित) चतुर, निपुण
१२२	३२ (शिखण्ड) मोरके पंख
१४८	९६ (शिखण्डक) जुल्फ
७४	४ (शिखर) पहाड़ का शृंग, वृक्षकी चोटी, टहिनी
७४	१ (शिखरिन्) वृक्ष, पर्वत
१३	५८ (शिखा) आगिकीज्वाला, चोटी, किरण
१२	५६ (शिखावत्) आगि
१२१	३१ (शिखावल) मोर
२२७	१०१ (शिखिग्रीव) तूतिया
१२१	३१ (शिखिन्) मोर, आगि
६	४१ (शिखिवाहन) स्वामिकार्तिक
८३	३१ (शिग्रु) सँहिंजन, साग
२२९	११० (शिग्रुज) सँहिंजन के बीज
४१	२४ (शिञ्जित) भूषण का शब्द

पृष्ठ	श्लोक
१९५	८५ (शिञ्जिनी) धनुष की रस्सी, रोदा
२०७	१५ (शितशूक) यव, जव
३०३	८२ (शिति) काला, उजला, मेचक, श्याम
७	३३ (शितिकण्ठ) शिव
८५	३८ (शितिसारक) तेंदुआ
२९१	३४ (शिपिविष्ट) चदुला, दुष्टचर्म्म, महादेव
७९	११ (शिफा) बरोंहा पेड़ की जड़
६४	४३ (शिफाकन्द) कमल की जड़
२०९	२०३ (शिम्बा) छीमी
१८२	३३ (शिबिर) सेनाका निवास, पड़ाव
१४८	९५ (शिरस्) शिर, वृक्ष की चोटी
१९०	६४ (शिरस्त्र) टोप
१४८	९८ (शिरस्य) सफाबाल
१४१	६५ (शिरा) नाड़ी
७९	१२ (शिरोऽग्र) टेरा, टहिनी
७१	९ (शिरोगृहः) अँटारी, कोठा
९०	६३ (शिरीष) सिरसा वृक्ष
१४६	८८ (शिरोधि) गला, गटई
१५०	१०२ (शिरोरत्न) चोटी में बांधने की मणि

पृष्ठ	श्लोक
१४८	९५ (शिरोरुह) बार,बाल
२०३	९ (शिल) सीला, खेत काटनेपर जो अन्न पड़ा रह जाताहै
७५	४ (शिला)चौकाठि,पत्थर
२२८	१०४ (शिलाजतु) शिलाजीत, गेरू
६०	२४ (शिली) छोटी केंचुई
२८६	१८ (शिलीमुख) भौंरा, बाण,तीर
७४	१ (शिलोच्चय) पर्वत
२३८	३५ (शिल्प) कारीगरी
२३१	५ (शिल्पिन्) बढ़ई, कोरी, नाऊ, धोबी,चमार, कारीगर, थवई
७१	७ (शिल्पशाला) कारीगरोंका स्थान, कारखाना
७	३१ (शिव) महादेव, शुभ
२२०	७३ (शिवक) खूंटा
९४	८१ (शिवमल्ली) गूमा
८	३८ (शिवा) पार्वती,शामीशयनि, हर्र, भूमिअंवरी,सियारी
१८७	५३ (शिविका) पालकी
२०	१९ (शिशिर) शिशिर ऋतु,ठण्ढ
१२३	३६ (शिशु) बच्चा
५८	१८ (शिशुक)सुइंसि, सूंछ
१२५	४० (शिशुत्व)लड़कपना
५९	२० (शिशुमार) शिरस नामका जलजन्तु
१४३	७६ (शिश्न) लिंग
२५३	४६ (शिश्विदान) पुण्यात्मा
१८०	२६ (शिष्टि)आज्ञा, हुकुम
१६२	१३ (शिष्य) शिष्य, विद्यार्थी
१९	११ (शीकर) जलके कणा फुहारा
१४	६५ (शीघ्र) जल्दी
२०	१९ (शीत) ठण्ढ, बेंत, लसोहर
२३४	१९ (शीतक)सुस्त,आलसी
९१	७० (शीतभीरु) बेला
२०	१६ (शीतल)ठण्ढ,पटशन
९९	१०५ (शीतशिव) शिलाजीत, वनसौंफ,सैन्धव नमक
३६४	३४ (शीधु) दारू, मद्य
१४८	६५ (शीर्ष) शिर
१८९	६३ (शीर्षक)टोप
२५३	४५ (शीर्षच्छेद्य)शिर काटनेके योग्य
१४८	६८ (शीर्षण्य) साफबाल, टोप
४७	२६ (शील)यश, स्वभाव, अच्छा चालचलन

पृष्ठ	श्लोक
१०६	१३२ (शुक)रुकुरौंधा,सुआ
८९	५७ (शुकनास) सरिवन
३०३	८२ (शुक्त) खट्टा, निष्ठुर
५६	२३ (शुक्ति) सीपी, कर्कूदनि
१३	५७ (शुक्र) आगि, काम, ज्येठमास, शुक्राचार्य्य
३	१२ (शुक्रशिष्य) असुर, दैत्य
३४	१२ (शुक्ल)उजलारंग, उजियाला, १५ दिन
४७	२५ (शुच्) शोक, शोच, अफसोस
१३	५७ (शुचि)आगि, आषाढ़ मास,मन्त्री,शुद्धचित्त, पवित्र, स्नान आदि करना, उजलारंग, शृंगाररस
२१२	३८ (शुण्ठी) सोंठि
२३१	४१ (शुण्डापान)दारू पीने का स्थान
६२	३३ (शुतुद्रि)सतलज नदी
७२	१२ (शुद्धान्त) रनिवास, राजधानी
२३५	२२ (शुनक) कुत्ता
२३५	२२ (शुनी) कुतिया
२५४	५० (शुभंयु) शुभयुक्त
२९	२५ (शुभ) कल्याण, खमांवा वकड़ा

पृष्ठ	श्लोक
२५४	५० (शुभान्वित) शुभयुक्त
३४	१२ (शुभ्र) उजला, अतिचमक वाला, उद्दीप्त
१७	५ (शुभ्रदन्ती) पुष्पदन्त नामक दिग्गजकी स्त्री
१९	१४ (शुभ्रांशु) चन्द्रमा
१८१	२७ (शुल्क) मासूल, स्त्री को देने का धन
२२६	९७ (शुल्ब) तांबा, रस्सी
१६८	३७ (शुश्रूषा) सेवा
५१	२ (शुषि) बिल, छेद
५१	१ (शुषिर) बाँसुड़ी,बिल, छेद, बिलयुक्त
१०५	१२६ (शुषिरा) पवारी
१४१	६३ (शुष्कमांस)सूखामांस
१९८	१०१ (शुष्म) सामर्थ्य
१२	५५ (शुष्मन्) आगि
२०९	२६ (शूक) सींकुर,ठूंठ
११७	१५ (शूककीट) ऊनआदि का खानेवाला कीड़ा, दाड़ा
२०९	२४ (शूकधान्य) यवादि धान्य, जिसमें सींकुर होताहो
११५	३ (शूकर) सूअर, गांव का सूअर
९५	८७ (शूकशिम्बि) क्यवाँच
२३०	१ (शूद्र) शूद्र
१२८	१३ (शूद्रा) शूद्रजातिवा;

पृष्ठ	श्लोक
	ली स्त्री
१२८	१३ (शूद्री) शूद्रकी स्त्री
२५६	५६ (शून्य) खाली
१६१	७ (शून्यवादिन्) नास्तिक
१६३	७७ (शूर) बहादुर
१११	१५७ (शूरण) जिमींकन्द, सूरन
२०६	२६ (शूर्प) सूप
३३२	११६ (शूल) शूलरोग,त्रिशूल
२१४	४५ (शूलाकृत) लोहे की सराई में छेदकर भुनाहुआ मांस
७	३१ (शूलिन्) शिव
२१४	४५ (शूल्य) लोहेकी सराईपर भुनाहुआ मांस
११५	६ (शृगाल) सियार
१५१	१०६ (शृंखल) पुरुषकी करधनी
१८४	४१ (शृंखला) हाथी की जंजीर
२२१	७५ (शृंखलक) लकड़ी में पैर से बाँधेहुये छोटे बच्चे
७५	४ (शृंग) पहाड़ का शिखर, जीवक, प्रभुता
२१२	३७ (शृंगवेर) अदरख
६९	१८ (शृंगाटक) चौराहा
२५	१७ (शृंगार) रस विशेष
२१९	६६ (शृंगिणी) गौ
६०	२५ (शृंगी) सींगी मछली अतीस, काकड़ासिंगी
२२६	६६ (शृंगीकनक) सोने रूपे का गहना
२६५	९५ (शृत) पकेहुये दूध घी का नाम
१५८	१३७ (शेखर)चोटीमें पहिरने की माला
१४३	७६ (शेफस्) लिंग
९२	७० (शेफालिका)न्यवारी का फूल
३१	१ (शेमुषी) बुद्धि
८४	३४ (शेलु) लसोड़ा
१६	७२ (शेवधि) गाड़ाहुआ खजाना
६३	३८ (शेवाल) सेवार
५१	४ (शेष)शेषनाग,अनन्त बाकी, कहे से अन्य
१६२	१३ (शैक्ष) नयाविद्यार्थी
९६	८८ (शैखरिक) लहचिचरा
७४	१ (शैल) पर्वत
२३३	१२ (शैलालिन) नट
८२	२२ (शैलूष) बेल, नट
१०३	१२३ (शैलेय) शिलाजीत
६३	३८ (शैवल) सेवार
६१	३० (शैवलिनी) नदी
१३५	४० (शैशव) लड़कपन
४७	२५ (शोक) शोच

पृष्ठ	श्लोक
१२	५५ (शोचिष्केश) आगि
२४	३४ (शोचिस) तेज, झलक
३४	१५ (शोण) शोणभद्रनद, लाल कमल की छविवाला
८९	५७ (शोणक) सरिवन
२२५	६२ (शोणरत्न) पद्मराग मणि
१४१	६४ (शोणित) रक्त खून
१३८	५२ (शोथ) सूजनि
१०९	१४९ (शोथघ्नी) गदहपुन्ना
७४	१८ (शोधनी) बढ़नी, झाड़ू
२१४	४६ (शोधित) साफ, बीना, धोया, शोधा
१३८	५२ (शोफ) सूजन
२५५	५२ (शोभन) सुन्दर
२०	१७ (शोभा) शोभा
१३७	५१ (शोष) क्षयीरोग
१२४	४४ (शौक) सुओंकासमूह
५३	१० (शौक्लिकेय) विष विशेष
२४७	२३ (शौण्ड) मतवाला
२३२	१० (शौण्डिक) कलवार
९८	९७ (शौण्डी) बड़ीपीपरि
३	१५ (शौद्धोदनि) जैनमती
४	२१ (शौरि) विष्णु
१९९	१०१ (शौर्य्य) बल
२३२	८ (शौल्विक) ठठेर
२४६	१६ (शौष्कल) मांसखानेवाला
	(श्च्योत) टपकना
२०२	११८ (श्मशान) मशान
१४६	६६ (श्मश्रु) मोछ, दाढ़ी
३४	१४ (श्याम) हरा, काला
३४	१४ (श्यामल) काला
८८	५५ (श्यामा) काकुनि, कालीत्रिधारा, काला शाम्ब, रात, शतावरी
११३	१६५ (श्यामाक) भदईसाँवाँ, तृणधान्य
१३२	३२ (श्याल) स्त्रीकाभाई साला
३४	१६ (श्याव) बन्दरकासा रंग
३४	१२ (श्येत) उजलारंग
११६	१८ (श्येन) बाजपची
३५३	६ (श्यैनम्पाता) शिकार विशेष
३०८	१०२ (श्रद्धा) आदर, वाञ्छा
१३०	३१ (श्रद्धालु) श्रद्धावान् गर्भरहनेपर जो उत्तम वस्तुकी इच्छा करती है वह स्त्री
२७३	१२ (श्रयण) सेवा, खिदमत
१४८	९४ (श्रवण) कान
१४८	९४ (श्रवस्) कान
२१	२२ (श्रविष्ठा) धनिष्ठानचत्र
२०५	५० (श्राणा) लप्सी, गी-

पृष्ठ	श्लोक
	लाभात
१६७	३३ (श्राद्ध) शास्त्रसे पितरों के निमित्त जो कर्मकियाजाय
१३	६० (श्राद्धदेव) यमराज
२७३	१२ (श्राय)सेवा, खिदमत
२८	१६ (श्रावण) श्रावणमास
२८	१६ (श्रावणिक) श्रावण मास
६	२७ (श्री) लक्ष्मी, सम्पति
७	३३ (श्रीकण्ठ) शिव
३	१४ (श्रीघन) जैनमती
१५	७० (श्रीद) कुवेर
४	२१ (श्रीपति) विष्णु
९१	६६ (श्रीपर्ण) कमल, अरणी नाम औषध विशेष
८५	४० (श्रीपर्णिका) कायफर
८४	३६ (श्रीपर्णी)गम्भारीवृक्ष
८३	३२ (श्रीफल) वेल
६७	६५ (श्रीफली) नील
८५	४० (श्रीमत्) तिलकवृक्ष, लक्ष्मीवान्
२४५	१४ (श्रील) लक्ष्मीवान्
५	२२ (श्रीवत्सलांछन) विष्णु
१५६	१३० (श्रीवास) देवदारुधूप
१५६	१३० (श्रीवेष्ट) देवदारुधूप
१५५	१२६ (श्रीसंज्ञ) लवंग
६१	६९ (श्री...) ...विशेष

पृष्ठ	श्लोक
३०१	७६ (श्रुत)शास्त्र,सुनाहुआ
३५	३ (श्रुति) वेद, कान, सुनना
	(श्रेणि)एकजातिवाले कारीगरोंका समूह
७७	४ (श्रेणी) पाँति
३२	६ (श्रेयस्) पुण्य,मोक्ष, वहुत सुन्दर
८६	५९ (श्रेयसी) हर्र, पाढ़ा, पाढ़रि, गजपीपरि
२५६	५८ (श्रेष्ठ) वहुत सुन्दर, प्रधान पुरुष
१३७	४८ (श्रोण) पँगुला
१४३	७४ (श्रोणि) स्त्रियों की कमर
१४३	७४ (श्रोणिफलक) स्त्रियों की कमर
१४८	९४ (श्रोत्र) कान
१६०	६ (श्रोत्रिय) सम्पूर्ण वेद पढ़नेवाला
३४८	८ (श्रौषट्) देवताओंकी हव्य देनेका उपयोगी स्वाहा
२५७	६१ (श्लक्ष्ण)पतला,मिहीं
४०	२१ (श्लिष्ट) मिलाहुआ
१३६	५६ (श्लीपद) हाड़ारोग, पीलपावा
३२३	..१ (श्लेष) मिलाप, जोड़ना
४७	

पृष्ठ	श्लोक
१४०	६० (श्लेष्मण) कफवाला
१४०	६२ (श्लेष्मन्) कफ
१४०	६० (श्लेष्मल) कफवाला
८४	३४ (श्लेष्मातक) लसोहरा
२८२	२ (श्लोक) यश, श्लोक पद्य
२६	२५ (श्वःश्रेयस) कल्याण मंगल
९८	६८ (श्वदंष्ट्रा) गोखुरू
२३५	२२ (श्वन्) कुत्ता
२६७	४० (श्वनिश) कुत्तों से युक्त रात
२३४	२० (श्वपच) चाण्डाल
५१	२ (श्वभ्र) भूमिकाविल, पाताल गड़हा
१३८	५२ (श्वयथु) सूजनि
२०३	२ (श्ववृत्ति) सेवा, नौकरी
१३२	३१ (श्वशुर) पति और स्त्री का बाप
१३४	३७ (श्वशुरौ) शासु और शसुर
३१९	१४५ (श्वशुर्य्य) देवर, साला
१३२	३१ (श्वश्रू) पति और स्त्री की माता
१३४	३७ (श्वश्रूश्वशुरौ) शासु और शसुर
३५१	२२ (श्वस) आगामि-प्रातःकाल
१४	६२ (श्वसन) वायु, हवा
	मयनफर
११६	८ (श्वाविध्) साही
१३८	५४ (श्वित्र) उजला कोढ़, छंजन
३४	१२ (श्वेत) उजला रंग, चाँदी, रूपा, द्वीप विशेष
१२०	२४ (श्वेतगरुत्) हंस
२२९	११० (श्वेतमरिच) सहिंजन के बीज
३४	१५ (श्वेतरक्त) गुलाबीरंग
९२	७१ (श्वेतसुरसा) उजले फूलकी न्यवारी
	(ष)
१६०	४ (षट्कर्म्मन्) यज्ञकरना कराना आदि छःकर्म करनेवाला ब्राह्मण
१२१	३० (षट्पद) भँवरा
३	१४ (षडभिज्ञ) जैनमती
९	४० (षडानन) स्वामिकार्तिक
८७	४८ (षड्ग्रन्थ) कंजा विशेष
६६	१०२ (षड्ग्रन्था) बच
१११	१५४ (षड्ग्रन्थिका) कचूर
४१	१ (षड्ज) स्वर विशेष, मोरकी आवाज
१३४	३९ (षण्ड) कमलों का समूह, साँड़, नपुंसक
१३४	३९ (षण्ढ) नपुंसक हि-

पृष्ठ	श्लोक
	जड़ा, खोजा
२०४	७ (षष्ठिक्य) साँठी का खेत
९	४१ (षाण्मातुर) स्वामि-कार्तिक
	(स)
२००	१०६ (संयत्) युद्ध लड़ाई
२५३	४२ (संयत) बाँधाहुआ
२७५	१८ (संयम) संयम, इन्द्रिय निग्रह
२७५	१८ (संयाम) संयम
१६९	१०५ (संयुग) युद्ध लड़ाई
२६४	९२ (संयोजित) मिलाया हुआ
४०	२३ (संराव) शब्द, आवाज़
३६	१६ (संलाप) परस्पर वतकही
२८	२० (संवत्सर) साल, वर्ष
२५०	१६ (संवत्) साल, वर्ष
२७०	४ (संवनन) वशकरना
२९	२२ (संवर्त) प्रलय
६४	४३ (संवर्तिका) कमल के नये पत्ता
७४	१६ (संवसथ) गाँव
२७६	२२ (संवाहन) पैरदावना
३१	१ (संवित्) बुद्धि, अंगी-कार, ज्ञान वतलाना कार्य्य कराना, युद्ध नाम
२७८	३० (संवीक्षण) ढूँढ़ना
२६४	९० (संवीत) नदी आदि से घिराहुआ
४९	३४ (संवेग) खुशी आदि से कार्य्य में जल्दी
२७१	६ (संवेद) दुःखपरने पर हुआ ज्ञान
५०	३६ (संवेश) सोना, अनुभव
१५३	११८ (संव्यान) अँगोछा या डुपट्टा
१९८	९८ (संशप्तक) प्रतिज्ञा करके संग्राम से नहीं लौटने वाला
३१	३ (संशय) संदेह
२४३	५ (संशयापन्न मानस) संदेह युक्त, शकी, जिस पदार्थ के देखने से संशयहो
३२	५ (संश्रव) अंगीकार
२६८	१०६ (संश्रुत) अंगीकार किया
२७८	३० (संश्लेष) आलिंगन, लपटाना
२५८	६८ (संसक्त) संयुक्त, मिला हुआ
१६३	१७ (संसद्) सभा
६९	१६ (संसरण) राजमार्ग, सड़क, प्राणियोंकी उत्पत्ति, अवकाश सहित

पृष्ठ	श्लोक
	सेनाका चलना
५०	३७ (संसिद्धि) स्वभाव
१५७	१३५ (संस्कार) मन्त्रादि से किया यज्ञोपवीतादि अथवा चन्दन मालादिधारण
३०२	८० (संस्कृत) शास्त्र में कहे हुये लक्षणसे युक्त
३२३	१६१ (संस्तर) कुशकी मुट्ठी, प्रस्तर, कुशकी शय्या, यज्ञ, अथवा बनाया हुआ पदार्थ
२७६	२३ (संस्तव) परिचय, मुलाकात
२७६	३४ (संस्ताव) यज्ञ में ब्राह्मणों की स्तुति का स्थान
३२०	१५१ (संस्त्याय) समूह, अच्छा स्थान, अंगों का सन्निवेश
१८०	२६ (संस्था) मर्य्यादा, आधार, स्थिति, मरण
३१३	१२४ (संस्थान) चौराहा, अंगोंका स्थितसन्निवेश
२०२	११७ (संस्थित) माहुआ
१११	१५४ (संस्पर्शा) चकवत
१९९	१०५ (संस्फोट) युद्ध, लड़ाई दुहस्ता चटकना
१२६	८५ (संहत) मिलापी, मेल; वाला
१४६	८५ (संहतल) दुहस्ताचटकना
१२४	४१ (संहति) समूह
१४२	७० (संहनन) देह
५३	२ (संहार) नरकविशेष
३७	८ (संहूति) बहुत लोगों का पुकारना
२५८	६५ (सकल) सब, बिल्कुल
३४३	२४१ (सकृत) साथ, एकबार
११६	२१ (सकृत्प्रज) कौआ
८८	५२ (सक्तुफला) शमी, शमिनि वृक्ष
१४३	७३ (सक्थि) निरोह
१६७	१२ (सखि) मित्र
१२८	१२ (सखी) सखी, सहेली
१७७	१२ (सख्य) मित्रता, मिताई
१३३	३४ (सगर्भ्य) सगा भाई
१३३	३४ (सगोत्र) गोतिआ, एक गोत्रवाले
२१६	५५ (सग्धि) साथ भोजन करना
२६२	८५ (सङ्कट) संकठ, चुस्त सकिस्त
७४	१८ (सङ्कर) कूड़ा, करकट
५	२४ (सङ्कर्षण) बलदेव
२६४	६३ (सङ्कलित) जोड़ेहुये
३१	२ (सङ्कल्प) मानसकर्म्म
२५३	४२ (सङ्कसुक) चञ्चल

पृष्ठ	श्लोक
२३८	३८ (सङ्काश) सदृश, बराबर
२३०	१ (सङ्कीर्ण) अम्बष्ठकरण से चाण्डाल पर्य्यन्त वर्ण संकर, अशुद्ध, व्याप्त, भराहुआ
३६	१६ (संकुल) असम्भवअथवा पूर्वापर विरुद्ध बात, व्याप्त, भराहुआ
१५५	१२५ (सङ्कोच) केसर
१०	४५ (संक्रदन) इन्द्र
२७७	२५ (संक्रम) कोटमें प्रवेश करना, याउसकीगली
२७५	२१ (संक्षेपता) संक्षेप
१६६	१०४ (संख्य) युद्ध, लड़ाई
३१	२ (संख्या) विचार, गिनती
२५७	६४ (संख्यात) गिनाहुआ
१६०	५ (संख्यावत्) पण्डित
२२३	८३ (संख्येय) गिननेकेयोग्य
२७८	२९ (संग) मेल, साथ
३९	१८ (संगत) योग्य, वचन
१३६	४८ (संगतजानुक) जिसकी मिलीहुई फीलीहो वह पुरुष
२७८	२९ (संगम) मेल, मुसीवत संयोग
३२४	१६६ (संगर) अंगीकार, युद्ध ज्ञान, आपत्ति

पृष्ठ	श्लोक
२६८	१०९ (संगीर्ण) अंगीकार किया हुआ
२६४	९३ (संगूढ़) जोड़ेहुये
३६	६ (संग्रह) इकट्ठा करना
२००	१०५ (संग्राम) युद्ध, लड़ाई
१९६	९० (संग्राह) ढाल पकड़ने की कड़ी, मूठी बांधना
१२४	४२ (संघ) जन्तुओंका समूह
१२४	४० (संघात) समूह झुण्ड
३३४	२०५ (सचिव) मंत्री, सहाय
६७	११ (सजम्बाल) कीचड़ युक्त
१६०	६५ (सज्ज) मंत्रादि रक्षित युद्धको तयार
१८१	३३ (सज्जन) फौजरखाने के लिये पहरा, गस्त, साधु, अच्छा मनुष्य
१८४	४२ (सज्जना) सवारी के लिये हाथीको तय्यार करना
१२४	४० (संचय) समूह, इकट्ठा करना
१२९	१७ (संचारिका) दूती
७१	६ (संजवन) चौक
२०१	११३ (संज्ञपन) मारना
२९०	३३ (संज्ञा) बुद्धि, नाम हाथ आदिसे वस्तु बताना इशारा करना गायत्री

पृष्ठ	श्लोक
	सूर्य्य की स्त्री
१३६	४७ (संजु) जिसकी मिली हुई फीलीहो वहपुरुष
१३	५८ (संज्वर) सन्ताप
१४८	६७ (सटा) जटा
१२३	३८ (संडीन) अच्छीतरह उड़ना
१६०	५ (सत्) पण्डित, सत्य, साधु,विद्यमान,अच्छा, पूजित
१४	६६ (सतत)नित्य,लगातार
१२६	६ (सती) पतिव्रता
२०७	१६ (सतीनक) मटर
१६२	१४ (सतीर्थ्य) एकगुरु के पास पढ़नेवाले
२५६	५८ (सत्तम) अतिसुन्दर
६८	१७ (सत्पथ) अच्छा रास्ता
४०	२२ (सत्य) सच, शपथ, कसम
२२३	८२(सत्यंकार)बयाना,साई
१७०	४६ (सत्यवचस्) ऋषि,सत्य बोलनेवाला
२२३	८२ (सत्याकृति) बयाना, साई
२०३	३ (सत्यानृत) वाणिज्य, बनियई
२२३	८२ (सत्यापन) बयाना साई

पृष्ठ	श्लोक
३२७	१८० (सत्र) वस्त्र, यज्ञ, सदादान, वन
३४७	४ (सत्रा) साथ
१७८	१५ (सत्रिन) सदा अन्न दान करनेवाला गृहस्थ, मोदी
१६९	४० (सत्यवतीसुत) व्यासमुनि
३०	२६ (सत्त्व)सत्त्वगुण,द्रव्य, प्राण, निश्चय, जन्तु
१४	६६ (सत्वर) शीघ्र
७०	५ (सदन) घर
१६३	१७ (सदस्) सभा
१६३	१८ (सदस्य) यज्ञमें न्यूनाधिक न होने पावे इस बातको देखनेवाला
३५२	२२ (सदा) सदा, हमेशा
१४	६२ (सदागति) वायु, हवा
२५१	७२ (सदातन) नित्य, सनातन
६२	३३ (सदानीरा) नदीविशेष,जिसमें सदा जलरहे
२३८	३७ (सदृक्ष)सदृश, बराबर
२३८	३७ (सदृश्) बराबर
२३८	३७ (सदृश) बराबर
२५८	६७ (सदेश) समीप
७०	४ (सद्मन्) घर
३४८	९ (सद्यस्) तत्काल, उसीसमय

पृष्ठ	श्लोक
२५०	३४ (सध्र्यच्) साथ चलने वा पूजाकरनेवाला
११	५२ (सनत्कुमार) सनत्कुमार
३५०	१७ (सना) नित्य
२५९	७२ (सनातन) नित्य
१३३	३३ (सनाभि) जातिवाले
१६७	३४ (सनि) विनय, विनती करना
४०	२० (सनिष्ठीव) थूँकसहित कहना
२५८	६६ (सनीड़) समीप
१४	६६ (सन्तत) नित्य
१५९	१ (सन्तति) गोत्र, वंश
२६७	१०२ (सन्तप्त) सन्तापयुक्त, दुःखी
५१	४ (सन्तमस) सब ओर अँधेरा
११	५१ (सन्तान) कल्पवृक्ष, गोत्र, वंश
१३	५८ (सन्ताप) आगिकाताप
२६७	१०२ (सन्तापित) सन्तापयुक्त
२०१	१११ (सन्द्रव) भागना
२२१	७३ (सन्दान) रस्सी, गेराँव
२६५	६५ (सन्दानित) बाँधाहुआ
२६२	८६ (सन्दित) बाँधा हुआ, गँठिआया
३९	१७ (सन्देशवाच्) सन्देशा कहना
१७८	१६ (सन्देशहर) दूत, हरकारा
३१	३ (सन्देह) संशय, शक
१२३	४० (सन्दोह) समूह, झुण्ड
२०१	१११ (सन्द्राव) भागना
३०८	१०२ (सन्धा) प्रतिज्ञा, मर्यादा
२४०	४२ (सन्धान) दारूका बनाना
१७९	१८ (सन्धि) मेल, मिलाप, सुवर्णादि देकर शत्रुसे मिलाप करना
२१९	६९ (सन्धिनी) गर्भिणी, बर्दतीहुई गौ
२५	३ (सन्ध्या) साँझ
८४	३५ (सन्नकद्रु) चिरौंजी
१९०	६५ (सन्नद्ध) मंत्रादि से रक्षित.युद्धको तय्यार
३२०	१५० (सन्नय) सेना के पीछे रहनेवाली सेना, समूह
२७६	२३ (सन्निकर्षण) परोस, समीप
२५८	६६ (सन्निकृष्ट) समीप
२७६	२३ (सन्निधि) परोस, समीप
७४	१६ (सन्निवेश) प्रवेश करना, घुसना
१७७	१० (सपत्न) शत्रु, दुश्मन
३४७	२ (सपदि) शीघ्र, तत्काल
१६८	३७ (सपर्य्या) पूजा, सेवा

पृष्ठ	श्लोक
१३३	३३ (सपिण्ड) जातिवाले
२१६	५५ (सपीति) साथपीना
१५१	१०८ (सप्तकी) स्त्रियोंकी कमरके आभूषण करधनी वगैरह
१६३	१५ (सप्ततन्तु) यज्ञ
८१	२३ (सप्तपर्ण) छतवनि.
२२	२७ (सप्तर्षि) मरीचि आदि सातऋषि
९२	७१ (सप्तला) वर्षाकीवेली, सेहुड़ाविशेष
१३	५७ (सप्तार्चिस्) आगि
२२	२९ (सप्ताश्व) सूर्य्य
१८५	४४ (सप्ति) घोड़ा
१६१	१३ (सब्रह्मचारिन्) एक साथ वेद और व्रतका आचरण करनेवाले
१२८	१२ (सभर्तृका) अहिवाती स्त्री
७१	६ (सभा) समाज, कचहरी, दरबार, सभा में बैठने वाला
२७१	७ (सभाजन) कुशलादि पूछना
१६३	१८ (सभासद्) सभा में बैठने वाले
१६३	१८ (सभास्तार) सभामें बैठनेवाले
२४०	४४ (सभिक) जुआखेलाने वाला
१६०	३ (सभ्य) सज्जन, सभा में बैठनेवाले
२३८	३७ (सम) तुल्य, बराबर, सब, बिल्कुल
२५८	६५ (समग्र) सब
६६	६० (समंगा) मँजीठ, लजालू
१२४	४३ (समज) पशुओं का समूह
३८	११ (समज्ञा) कीर्ति, यश
१६३	१७ (समज्या) सभा
१८०	२४ (समञ्जस) न्याय, इन्साफ,
२६०	७५ (समधिक) अधिक, ज्यादह, बढ़ा हुआ
३४९	१३ (समन्ततस्) सबओर
९९	१०६ (समन्तदुग्धा) सेंहुड़ा
३	१३ (समन्तभद्र) जैनमती
३४७	४ (समम्) साथ
२८	१ (समय) समय, कसम, आचार, काल, सिद्धान्त, अच्छी भाषा
३४५	२५१ (समया) समीप, मध्य
१९६	१०४ (समर) युद्ध, लड़ाई
३०४	८६ (समर्थ) सामर्थ्यवाला, सम्बन्ध, हित
१८०	२५ (समर्थन) उचित अनुचित विचारना, नीक

पृष्ठ	श्लोक
	जवून परखना
२४३	७ (समर्द्धक) वरदान देने वाला
२५८	६६ (समर्य्याद) समीप
१३	५६ (समवर्तिन्) यमराज
१२४	४१ (समवाय) समूह
१११	१५७ (समष्ठिला) गाँड़रका साग
२७५	२१ (समसन) संक्षेप
२५८	६४ (समस्त) सब
३७	७ (समस्या) पूराकरना
२८	२० (समा) वर्ष
२२०	७२ (समांसमीना) प्रति वर्ष वियानेवाली गौ
३३	११ (समाकर्षिन्) बड़ीदूर तकजानेवाला सुगन्ध
१९६	१०४ (समाघात) युद्ध, लड़ाई
१२४	४३ (समाज) पशुओं से अन्य जीवोंका समूह
३२	५ (समाधि) समर्थन, मौन, चुपरहना, अंगीकार, नियम
१४	६४ (समान) शरीरस्थ वायुविशेष, तुल्य, बराबर, पण्डित, एक
१२३	३४ (समानोदर्य्य) सगा भाई
२७७	२७ (समालम्भ) चन्दनादि लगाना

पृष्ठ	श्लोक
१६२	१२ (समावृत्त) अनूचान गुरू से गृहस्थाश्रमादि में प्राप्त होने की आज्ञापायेका नाम
२६४	८२ (समासाद्य) मिलने के योग्य
३७	७ (समासार्थी) पूराकरना
२७४	१६ (समाहार) बटोरना
२६८	१०९ (समाहित) अंगीकार किया हुआ
३६	६ (समाहृति) संग्रह, बटोर
२४१	४६ (समाह्वय)प्राणियोंकी बाजीवाला जुआ
२००	१०६ (समित्) युद्ध, लड़ाई
१६३	१७ (समिति)युद्ध, लड़ाई, सभा, संग
७९	१३ (समिध्) इन्धन
१९९	१०४ (समीक) युद्ध, लड़ाई
२५८	६६ (समीप) समीप, पास
१४	६३ (समीर) वायु, हवा
१४	६३ (समीरण) वायु, हवा, मरुआ, दवना
२७४	१६ (समुच्चय) बटोरना
३२०	१५१ (समुच्छ्रय) विरोध, उंचाई, बढ़ती
२६८	१०७ (समुज्झित) त्यागा हुआ
१९८	९६ (समुत्पिञ्ज) अति आ-

पृष्ठ	श्लोक
	कुल, घबराया हुआ
२६४	६१ (समुदक्त) कुंआँआदि से निकाला हुआ जल
१२४	४१ (समुदय) समूह,झुण्ड
१२४	४१ (समुदाय) समूह,झुंड, युद्ध, लड़ाई
३५७	१७ (समुद्ग) सम्पुट,डब्बा
१५९	१४० (समुद्गक) सम्पुट, डब्बा,जल पाथको ऊपर पहुँचाना
२९६	५५ (समुद्गिरण) डाकाहुआ अन्न
२४७	२३ (समुद्धत) उजड्ड, अन्यायी
५४	१ (समुद्र) समुद्र
९६	६२ (समुद्रान्ता) जवासा, कपास, रुई, अस्परक
२७८	२९ (समुन्दन) गीला वा ओदा करना
२६८	१०५ (समुन्न) गीला वा ओदा कियाहुआ
३०८	१०३ (समुन्नद्ध) मूर्ख, अहंकारी
३४९	१० (समुपजोषम्) आनन्द
११६	१० (समूरु) हरिणविशेष
१२३	४० (समूह) झुण्ड, थोक
१६५	२२ (समूह्य) यज्ञाग्नि
२४४	११ (समृद्ध) अति बढ़ती वाला

पृष्ठ	श्लोक
२४४	११ (समृद्धि) विधान, बढ़ती, भरापुरा
१९४	८२ (सम्पत्ति) सम्पत्ति
१९४	८१ (सम्पद्) सम्पदा, दौलत
३२०	१५१ (सम्पराय) लड़ाई, उत्तरकाल, आपदा
१५९	१४० (सम्पुटक) डब्बा
३५२	२३ (सम्प्रति) अभी, इसी काल
२७१	७ (सम्प्रदाय) परम्परासे चलीआती हुई रीति रीति अच्छा उपदेश
१८०	२५ (सम्प्रधारणा) उचित अनुचित विचारना, नीक जबून परखना
१९९	१०५ (सम्प्रहार) युद्ध, लड़ाई
७८	७ (सम्फुल्ल) फूलाहुआ
२६५	८५ (संबाध) संकट, भराहुआ
६२	३५ (सम्भेद) समुद्र और नदियोंका संगम
४९	३४ (सम्भ्रम) खुशीआदि से कार्य्य में अति जल्दी, जल्दी
२९	२४ (सम्मद) खुशी
७४	१८ (सम्मार्जनी) बढ़नी, झाड़ू
२७१	६ (सम्मूर्छन) सबओर

पृष्ठ	श्लोक
	व्यासहोना
४०	२२ (सम्यच्) सत्य
१७५	३ (सम्राज्) राजसूययज्ञ करनेवाला, अपनी आज्ञा से राजाओं का शासन करने वाला, सम्पूर्ण मण्डल का मालिक
२७०	४ (संवदन) वशीकरण
१४०	४३ (सरक) दारूपीना
१२१	२७ (सरघा) ममाखीकी माछी
११७	७३ (सरट) गिरगिट
११०	१५२ (सरणा) चाँदवेल
६८	१६ (सरणि) सड़क,रास्ता
२३५	२२ (सरमा) कुतिया
८६	६० (सरल) सरलवृक्ष, देवदारु, सीधामनुष्य
१५६	१३० (सरलद्रव) देवदारुधूप
१००	१०८ (सरला) श्वेत त्रिधारा
६०	२८ (सरस्) छोटातालाव
६०	२८ (सरसी) छोटातालाव
६३	४० (सरसीरुह) कमल
५४	१ (सरस्वत्) समुद्र,नद
३५	१ (सरस्वती) सरस्वती, सरस्वतीनदी
६१	२८ (सरित्) नदी
५४	१ (सरित्पति) समुद्र
५२	७ (सरीसृप) साँप

पृष्ठ	श्लोक
२८७	२२ (सर्ग) स्वभाव, त्याग, निश्चय,अध्याय,सृष्टि
८६	४४ (सर्ज) साँखू
८६	४४ (सर्जक) विजयसार
१५६	१२८ (सर्जरस) यक्षधूप,राल
३२६	१०६ (सर्जिकाक्षार) सज्जी
५२	६ (सर्प) साँप
५१	४ (सर्पराज) वासुकी नाम साँप
२१६	५२ (सर्पिस्) घी, घृत
२५८	६४ (सर्व) सब
६५	३ (सर्व्वसहा) पृथ्वी, ज़मीन
३	१३ (सर्वज्ञ) शिव,जैनमती
३४६	१३ (सर्वतस्) सवतरफ
७२	१० (सर्वतोभद्र) दुमहला या पँचमहला घर, नींववृक्ष
८४	५५ (सर्वतोभद्रा) गम्भारी वृक्ष
५५	४ (सर्वतोमुख) जल,पानी
३५२	२२ (सर्वदा) सदा,हमेशा
२१६	६६ (सर्वधुरावह) सबबोझा [illegible] जानेवाला,सब भार थाँभनेवाला
२१९	६६ (सर्वधुरीण) सबबोझा लेजानेवाला,सबभार थाँभनेवाला
८	३८ (सर्वमंगला) पार्वती

पृष्ठ	श्लोक	
१५६	१२८	(सर्वरस) यच्चधूप, राल
१६७	९३	(सर्वला) गुर्ज, गड़ासी
१७१	४८	(सर्वलिङ्गिन्) बौद्ध चपणकशास्त्रको माननेवाला, पाखंडी
१६२	११	(सर्ववेदस्) सर्वस्व दाक्षिणावाले विश्वजित् नाम यज्ञकाकर्त्ता
१६७	९४	(सर्वसन्नहन) फ़ौजकी तय्यारी
१००	१०८	(सर्वानुभूति) श्वेतात्रिधारा
२४७	२२	(सर्वान्नभोजिन्) सब का अन्नखानेवाले परमहंस इत्यादि
२४७	२२	(सर्वान्नीन) सबका अन्नखानेवाले परमहंस इत्यादि
१९७	१६४	(सर्वाभिसार) सबफ़ौजकी तयारी
३	१५	(सर्वार्थसिद्ध) जैनमती
१९७	९४	(सर्वौघ) सब फ़ौज की तयारी
२०७	१७	(सर्षप) सरसों
५५	३	(सलिल) जल
१०४	१२४	(सल्लकी) सालवृत्त
१६३	१५	(सव) यज्ञ
१७१	५०	(सवन) यज्ञौपधिको कूटना

पृष्ठ	श्लोक	
१७७	१२	(सवयस्) समान अवस्थावाला, हमजोलीवाला
२३	३१	(सवितृ) सूर्य्य
२५८	६७	(सविध) समीप
२५८	६७	(सवेश) समीप
२६२	८४	(सव्य) बॉयॉअग
१९९	६०	(सव्येष्टृ) सारथी
८०	१५	(सस्य) वृत्तादिकाफल
२०८	२१	(सस्यमञ्जरी) वाली
८६	४४	(सस्यसंवर) साखू
२०८	२१	(सस्यशूक) सींकुर
३४७	४	(सह) साथ
८४	३३	(सहकार) ऑंबकावृत्त
६३	७५	(सहचरी) सोनहरी झिएटी
१३२	३४	(सहज) सगाभाई
१२६	५	(सहधर्मिणी) ब्याहीस्त्री
२४६	३१	(सहन) सहनेवाला
२१६	५५	(सहभोजन) एकसंग भोजनकरना
२७	१४	(सहस्) अगहनमास, बल
३४८	७	(सहसा) अकस्मात् वा हठसे
२७	१५	(सहस्य) पूसमास
२२३	८४	(सहस्र) हज़ार
५८	१८	(सहस्रदंष्ट्र) पढ़िना मछरी

पृष्ठ	श्लोक
६३	५० (सहस्रपत्र) कमल
११२	१५८ (सहस्रवीर्य्या) दूब
२१३	४० (सहस्रवेधि) हींग
१०८	१४१ (सहस्रवेधिन्) अमलवेंत
२३	३१ (सहस्रांशु) सूर्य्य
१०	४५ (सहस्राक्ष) इन्द्र
१८९	६२ (सहस्रिन्) हज़ार सिपाहीका अफ्सर
९२	७३ (सहा) घीकुवारि, वनमूंग, मोठ
१६१	७१ (सहाय) सहायक, मददगार
२८०	४१ (सहायता) सहायकों का समूह
२४९	३१ (सहिष्णु) सहनेवाला
१६१	८ (सांख्य) सांख्यशास्त्र जाननेवाला
५७	१२ (सांयात्रिक) नाव, वा जहाजका रोजगार करनेवाले
१९३	७७ (सांयुगीन) बहादुर
१७७	१४ (सांवत्सर) ज्योतिषी पण्डित
२४२	५ (सांशयिक) जिस पदार्थके देखने से सन्देहहो
३४७	४ (साकम्) साथ
३४३	२४२ (साक्षात्) प्रत्यक्ष, सदृश

पृष्ठ	श्लोक
५४	१ (सागर) समुद्र
६५	४ (सागराम्बरा) पृथ्वी
३४८	६ (साचि) तिरछा
१०८	१४३ (सातला) सेंहुड़ाविशेष
२८०	३९ (साति) दान, अन्त
१४०	५६ (सातिसार) बहुतदस्त जिसकोआतेहों, अतीसारकी बीमारीवाला
४५	१६ (सात्त्विक) अन्तःकरणका भाव
१८९	६० (सादिन्) घोड़ेकासवार, सारथी
३१२	११९ (साधन) पाराआदि का मारना, मरेहुये का दाहादिसंस्कार, गमन, द्रव्य, धनादि दिलवाना, किसी कार्यकी सिद्धि, सामग्री, पाछेचलना
२३८	३७ (साधारण) सामान्य, बराबर, सदृश, मामूली
२५१	४० (साधित) धनादिदेकर साधाहुआ, डँड़वाया
२६९	११२ (साधिष्ठ) अधिक से अधिक
३४१	२३४ (साधीयस्) अतिशय साधु, अतिशय बाढ़

पृष्ठ	श्लोक	
१६०	३	(साधु) सुन्दर,सज्जन
२	११	(साध्य) गणदेवता
४६	२१	(साध्वस) भय
१२६	६	(साध्वी) पतिव्रता
७५	५	(सानु) पर्वत का किनारा
		(सान्तपन) व्रत विशेष
३९	१८	(सान्त्व) अतिमीठा वचन, समझाना, सलूक करना
१९१	२९	(सान्दृष्टिक) तुरन्त का फल
२५८	६६	(सान्द्र) सघन, गझिन
१६६	२९	(सान्नाय्य) साकल्य
१७७	१२	(साप्तपदीन) मित्रता
३६	३	(सामन्)सामवेद, समझाना,सलूक करना
१६४	१८	(सामाजिक) सभामें बैठनेवाले
३१	३१	(सामान्य) जाति, साधारण, मामूली
३४५	२४८	(सामि) आधा निन्दित
१६५	२४	(सामिधेनी) अग्निजलाने का मन्त्र
५४	१	(समुद्र) समुद्र
१९६	१०४	(साम्परायिक) युद्ध लड़ाई
३४६	११	(साम्प्रतम्) युक्त, वाजिबी, अब, इसी काल
३५१	१९	(साय) साँझ
२८२	२	(सायक) वाण, तीर, तलवार
२५	३	(सायम्) साँझ
७९	१२	(सार) गूदा, हीर, बल सीसम आदिका सार, न्याययुक्त श्रेष्ठ
११८	१७	(सारंग) चातक, पपीहा, हरिण, चितकबला रंग
१८६	५६	(सारथि) रथवान्
२३५	२१	(सारमेय) गाड़ी हाँकनेवाला, कुत्ता
६२	३६	(सारव) सरयू में पैदा हुआ
६३	४०	(सारस) सारस,कमल
१५१	१०६	(सारसन) स्त्रियों की करधनी,बख्तर पहिन कर जिससे कमर बाँधते हैं कमरपट्टी
३५४	८	(सारिका) पक्षी विशेष मैना
१२४	४१	(सार्थ) जन्तुओं का समूह
२२२	७८	(सार्थवाह) बनियाँ
२६७	१०५	(सार्द्र) चोदा, गीला
३४७	४	(सार्द्धं) साथ
१७	४	(सार्वभौम) चक्रवर्ती

पृष्ठ	श्लोक
	उत्तर दिशाका दिग्गज
७०	३ (साल) साँखू, बाँस काँटाआदिका घेरवृक्ष
१०२	११५ (सालपर्णी) सरिवन
२१८	६३ (सास्ना) बैल आदिके गले में लटका हुआ चाम
१७१	२१ (साहस) दण्ड देना, सज़ादेना
१८९	६२ (साहस) हजार सिपाही का अफसर
११४	१ (सिंह) सिंह, शेर
२००	१०७ (सिंहनाद) वीरों का गर्जना
९७	९३ (सिंहपुच्छी) पिथवन औषधि
२४४	१२ (सिंहसंहनन) सुन्दर रूप और अंगों से युक्त
२२६	९८ (सिंहाण) लोहेकामुर्चा
१८२	३१ (सिंहासन) सोने से बनाहुआ राजाके बैठनेका स्थान
९९१	१०३ (सिंहास्य) रूस
९९	१०३ (सिंही) रूस, वनभांटा
६७	१२ (सिकता) वालूवाले देश, वालू
५६	९ (सिकतामय) वालू वाली भूमि

पृष्ठ	श्लोक
६७	१२ (सिकतावत) वालू वाला प्रदेश
१४२	६७ (सिंघाण) नासिकाका मल, नकचपरी
६१	१२ (सिकतिल) वालूवाली जगह देश
२२६	१०७ (सिक्थक) मोम
३४	१३ (सित) उजला रंग, बाँधा हुआ, समाप्त, खतम
११०	१५२ (सितच्छत्रा) सौंफ
२१३	४३ (सिता) शक्कर, मिश्री
१५६	१३१ (सिताभ्र) कपूर
६४	४१ (सिताम्भोज) उजला कमल
२	११ (सिद्ध) देवजाति विशेष, सिद्धहुआ
३१	४ (सिद्धान्त) यथार्थ का निश्चय
२०७	१८ (सिद्धार्थ) उजले सरसौं
१०१	११२ (सिद्धि) ऋद्धि सिद्धि वृद्धि औषधि
१३८	५३ (सिध्म) सेहुँआं
१४०	६१ (सिध्मल) सेहुँआं रोग वाला
३५५	१० (सिध्मला) सूखामांस
३१	२२ (सिध्य) पुष्यनक्षत्र
३५४	८ (सिध्रका) सीधवृक्ष
३६	९ (सिनीवाली) चन्द्रमा

पृष्ठ	श्लोक
	के देखपरनेवाली अमावस
९१	६८ (सिन्दुक) म्योढ़ी
९१	६८ (सिन्दुवार) म्योढ़ी
२२८	१०५ (सिन्दूर) सेंदुर
५३	२ (सिन्धु) समुद्र, प्रेत नदी, सिन्धु देश, अटक नदी
२१३	४२ (सिन्धुज) सैन्धवलोन
६२	३५ (सिन्धुसंगम) नदी और समुद्र का मिलना
१५६	१२९ (सिल्ह) लोहवान
२०७	१४ (सीता) खेत का कूँड़
२०५	८ (सीत्य) जोताखेत
२३९	४२ (सीधु) गुड़ वा सीरा का दारू
७४	२० (सीमन्) डांड़ हद
३५८	१६ (सीमन्त) सवाँरेहुये वाल
१२५	२ (सीमन्तिनी) स्त्री
७४	२० (सीमा) डांड़, हद
२०६	१४ (सीर) हर, हल
५	२४ (सीरपाणि) बलदेव
२७१	५ (सीवन) कपड़ों, का सीना
२२८	१०५ (सीसक) सीसाधातु
९६	१०५ (सीहुण्ड) सेहुँड़ा
३४७	२ (सु) पूजा अतिशय
१०९	१४७ (सुकन्दक) प्याज
२२०	७० (सुकरा) सीधी गौ
२४३	८ (सुकल) दाता, भोगी, देन, खानेवाला
२६१	७८ (सुकुमार) कोमल, नरम
२६	२४ (सुकृत) धर्म्म पुण्य
२४२	२ (सुकृतिन्) पुण्यवान, भाग्यवान्
२९	२५ (सुख) सुख
२१२	३७ (सुखरी) काराजीर
२२६	१०६ (सुखवर्धक) सज्जी
२२०	७१ (सुखसन्दोहा) दुहने में सीधी गौ
३	१३ (सुगत) जैनमती
१०१	११४ (सुगन्धा) रासनि
३३	११ (सुगन्धि) अच्छा सुगंध, एलुआ वृक्ष
१२६	६ (सुचरित्रा) पतिव्रता
१५३	११६ (सुचेलक) अच्छा वस्त्र, उमदाकपड़ा
१३१	२७ (सुत) पुत्र, लड़का, राजा
९६	८८ (सुतश्रेणी) मूसरि
१३२	२६ (सुतात्मजा) लड़के की लड़की, नातिनि
६	४३ (सुत्रामन्) इन्द्र
१७१	५० (सुत्या) यज्ञौषधी का कूटना
१६२	१२ (सुत्वन्) अभिषव स्नान करनेवाला
६	२६ (सुदर्शन) विष्णु का चक्र

पृष्ठ	श्लोक	
१८१	२८	(सुदाय) दहेज व भाई बन्धुको देने की वस्तु
२५६	६१	(सुदूर) बहुत दूर
११	४९	(सुधर्मन्) देवसभा
११	४९	(सुधा) अमृत, सेहुँड़ा, पोतनेवाला चूना, बिजुली
१९	१४	(सुधांशु) चन्द्रमा
१६०	५	(सुधी) पण्डित
६	४२	(सुनासीर) इन्द्र
१०६	१४९	(सुनिषण्णक) विसखपरिया
२५५	५२	(सुन्दर) सुन्दर
१२५	४	(सुन्दरी) सुन्दर अङ्ग वाली स्त्री
६८	१७	(सुपथिन) अच्छा रास्ता
६	३०	(सुपर्ण) गरुड़
२	७	(सुपर्व्वत) देवता
८६	४३	(सुपार्श्वक) गेंठी
१७	४	(सुप्रतीक) ईशानकोणका दिग्गज
१६०	६८	(सुप्रयोगविशिख) अच्छा तीरन्दाज
३६	१७	(सुप्रलाप) अच्छा कहना
१३१	२४	(सुभगासुत) सुहागिल का पुत्र
१०४	१२४	(सुभिक्षा) धवई, धाय

पृष्ठ	श्लोक	
२०८	१८	(सुमन) गोहूँ
२	७	(सुमनस्) देवता, फूल, वर्षाकी चँवेली
८०	१७	(सुमनोरजस्) फूलकी धूरि
११	५०	(सुमेरु) सुमेरुपर्वत
२	७	(सुर) देवता
३५४	८	(सुरंगा) सुनुग, सेंधि
३	१६	(सुरज्येष्ठ) ब्रह्मा
११	५०	(सुरदीर्घिका) आकाशगङ्गा
३	१२	(सुरद्विष्) देवताओं के शत्रु, दैत्य
६१	३१	(सुरनिम्नगा) गङ्गा
९	४४	(सुरपति) इन्द्र
२८	१८	(सुरभि) वसन्तऋतु, सुगन्ध, गौ
१०३	१२३	(सुरभी) सालई
११	४६	(सुरर्षि) नारदादि
१	६	(सुरलोक) स्वर्ग
१६	१	(सुरवर्त्मन्) आकाश
१०१	११४	(सुरसा) रासनि
२३९	३९	(सुरा) दारू, मदिरा
२१	२४	(सुराचार्य्य) वृहस्पति
२४०	४३	(सुरामण्ड) दारूकाफूल
११	५०	(सुरालय) सुमेरुपर्वत
१०५	१३१	(सुराष्ट्रज) अर्हौ, अरहर
३६	१७	(सुवचन) अच्छाकहना

पृष्ठ	श्लोक
२२४	८६ (सुवर्ण) ८० घुँघुची भर, या मोहरभर सोना, सोना
८२	२४ (सुवर्णक) अमिलतास
६७	६५ (सुवल्लि) बकुची
६२	७० (सुवहा) न्यवारी, रासनि, हसपदी, साल वृत्त, कोलिन्दण
८४	३७ (सुवावृक्ष) कंटाय
१२७	९ (सुवासिनी) कुछ युवावस्था को प्राप्त, ब्याहीहोकर पिता के घर में रहनेवाली स्त्री
२२०	७१ (सुव्रता) दुहने में सीधी गौ
२५५	३२ (सुपम) सुन्दर
२०	१७ (सुपमा) शोभा
१११	१५५ (सुपवी) करेला, कालाजीरा
४२	४ (सुपिर) बाँसुरी
१०५	१२८ (सुपिरा) पत्तारी
२०	१९ (सुपीम) ठण्ढ
६१	६७ (सुपेण) करौंदा
१००	१०८ (सुपेणिका) कालात्रिधारा
२४७	२ (सुष्ठु) अतिशय, प्रशंसा, बड़ाई करना
२१४	४५ (सुसंस्कृत) दूसरीवस्तु मिलाकर पकायाहुआ पूरीआदि

पृष्ठ	श्लोक
१७७	१२ (सुहृद्) मित्र
२४०	३ (सुहृदय) शुद्धमन वाला, सीधामनुष्य
२५७	६१ (सूक्ष्म) पतला, मिहीं, लिङ्गशरीर, अध्यात्म छल
२५३	४७ (सूचक) चुगुल
३५४	८ (सूचि) सूजी, सुई
१८९	५९ (सूत) सारथी, गाड़ी हांकनेवाला, पारा, ब्राह्मणीस्त्री में क्षत्रिय से उत्पन्न पुत्र, बढ़ई, पौराणिक, पण्डित
७१	८ (सूतिकागृह) लड़का होनेवाला घर
१३४	३६ (सूतिमास) जन्ममास
२३४	१६ (सूत्थान) चतुर
२३६	२८ (सूत्र) सूत, डोरा
३७६	२४ (सूत्रवेष्टन) कोरी का पाई पसारना, सूतलपेटना
२१०	२८ (सूद) रसोई बरदार व्यञ्जन, सालन
२११	११२ (सूना) घेघरोग, मारनेका स्थान, हिंसा
१३१	२७ (सूनु) पुत्र, लड़का
३९	१६ (सूनृत) प्रिय और सत्य वचन

पृष्ठ	श्लोक
२१०	२७ (सूपकार) रसोईं वरदार
२२	२८ (सूर) सूर्य्य
१११	१५७ (सूरण) जमींकन्द
२४५	१५ (सूरत) दयालु
२३	३२ (सूरसूत) अरुण, सूर्यका सारथी
१६०	६ (सूरि) पण्डित
२३८	३५ (सूर्म्मी) लोहे की प्रतिमा
२२	२८ (सूर्य्य) सूर्य्य
६१	३२ (सूर्य्यतनया) यमुना
२६	८ (सूर्य्येन्दुसंगम) दर्श नाम अमावास्या
१४७	९१ (सृक्कन्) ओठों का किनारा
१९६	८१ (सृग) ढेलवांसी, गोफना
१८४	४१ (सृणि) अंकुश
१४१	६७ (सृणिका) लार, थूक
६८	१६ (सृति) रास्ता, मार्ग
३६६	३८ (सृपाटी) तौल विशेष
११७	१२ (सृमर) हरिण विशेष
२९२	३८ (सृष्ट) निश्चित, बहुत युक्त
५७	१३ (सेकपात्र) सींचनेका वर्तन
५७	१३ (सेचन) सींचने का वर्तन
६८	१५ (सेतु) बाँध, पुल, वारुण वृक्ष
१९३	७८ (सेना) फौज, चमू
१८२	३३ (सेनांग) हाथी, घोड़ा रथ, पैदल, सिपाही
९	४० (सेनानी) स्वामिकार्तिक, फौज़का अफसर
१९४	८१ (सेनामुख) फौज विशेष तीनपत्ति
१८६	६१ (सेनारक्ष) फौज की खबरदारी करनेवाला, गस्त करनेवाला
१७६	९ (सेवक) सेवक, नौकर
२७१	५ (सेवन) कपड़ा आदि सीना
२०३	२ (सेवा) सेवा, नौकरी
११३	१६४ (सेव्य) गाँड़रकी जर खसखस
२२	२६ (सैंहिकेय) राहु
५६	९ (सैकत) बालूवाली भूमि
६२	३३ (सैतवाहिनी) सहस्र बाहु की नदी
१८९	६१ (सैनिक) फौजकेलोग, पहरा देनेवाला, गस्त घूमने वाला
१८५	४४ (सैन्धव) सैन्धव नमक, घोड़ा
१८९	६१ (सैन्य) फौजके लोग, फौज

पृष्ठ	श्लोक	
१६३	७९	(सैन्यपृष्ठ) फौज का पिछला भाग
२१८	६४	(सैरिक) हरवाह
१२६.	१८	(सैरन्ध्री) लौंड़ी
११५	५	(सैरिभ) भैंसा
६३	७५	(सैरीयक) कटसरैया
९३	७५	(सैरेयक) कटसरैया
२६५	६७	(सोढ़) क्षमायुक्त, बरदाश्त कियेहुये
१३३	३४	(सोदर्य्य) सगाभाई
२६	१०	(सोपप्लव) ग्रहणपरना
७४	१८	(सोपान) सीढ़ी
८३	८३	(सोभाञ्जन) सहिंजन
१६	१४	(सोम) चन्द्रमा
१६२	११	(सोमपा) सोमरस पीने वाला
१६२	११	(सोमपीतिन्) सोमरस पीनेवाला
६७	६५	(सोमराजी) बकुची
८७	५०	(सोमवल्क) उजला या दूधिया खैर (कट्फल) कैफरा
१०७	१३७	(सोमवल्लरी) ब्राह्मी या छर्योटा
९७	९५	(सोमवल्लिका) बकुची
६७.	८३	(सोमवल्ली) गुर्च
६१	२२	(सोमोद्भवा) नर्मदा नदी
१६१	७	(सौगत) नास्तिक

पृष्ठ	श्लोक	
६२	३६	(सौगन्धिक) उजला कमल, रोहिस नाम खर, गन्धक
२३१	६	(सौचिक) दर्ज्जी
१८	९	(सौदामिनी) बिजुली
७२	१०	(सौध) राजघर
१३१	२४	(सौभागिनेय) सोहागिल का पुत्र
२२	२६	(सौम्य) बुध, सुन्दर, चन्द्रमाहै देवता जिसका वह वस्तु
२१७	६०	(सौरभेय) बैल
२१९	६६	(सौरभेयी) गौ
५३	१०	(सौराष्ट्रिक) विषविशेष
२२	२६	(सौरि) शनैश्चर
२१४	४३	(सौवर्चल) सोंचर नमक, सज्जी
१७६	८	(सौविद) राजा व राजा की स्त्रियों के पास बेंत लिये हुये रहने वाले वृद्धपुरुष
१७६	८	(सौविदल्ल) राजा व राजाकी स्त्रियोंके पास बेंतलियेहुये रहनेवाले वृद्धपुरुष
८४	३७	(सौवीर) बैरी के फल, कांजी, सुर्म्मा
२१७	५६	(सौहित्य) तर्प्पण, तृप्त करना

पृष्ठ	श्लोक
२९१	४० (स्कन्द) स्वामिकार्तिक
२७९	१० (स्कन्ध) वृक्षका जांघा, कांधा, समूह, राजा
७९	११ (स्कन्धशाखा) बड़ी भारी डार
२६७	१०४ (स्कन्न) चुआहुआ
५०	३६ (स्खलन) ऐंडुककर गिरना, लड़कों की बैयाचाल
२२०	१०८ (स्खलित) छल धोखा
१४४	७७ (स्तन) कुच, चूंची
१३५	४१ (स्तनन्धयी) दूध पीने वाले बच्चे
१३५	४१ (स्तनपा) दूध पीनेवाले बच्चे
३८	९ (स्तनयित्नु) मेघ, बादर
१८	८ (स्तनित) बादर का गर्जना
११५	३ (स्तब्धरोमन्) सूअर
७८	९ (स्तम्ब) ठूँठवृक्ष, खर आदिका गुच्छा पूरा
२०८	२१ (स्तम्बकरि) साधारण धान्य, मामूली नाज
२७९	३५ (स्तम्बघन) खन्त गदेला, बेलचा
२७९	३५ (स्तम्बघ्न) खन्ता, गदेला, बेलचा
१८२	३५ (स्तम्बेरम) हाथी
३१६	१३४ (स्तम्भ) खम्भा, थून्ही, जड़ना
३८	११ (स्तव) स्तुति
८०	१६ (स्तवक) गुच्छा
२६८	१०५ (स्तिमित) ओदा गीला
२६९	११० (स्तुत) स्तुति किया हुआ
३८	११ (स्तुति) स्तुति
१९८	९७ (स्तुतिपाठक) बन्दीजन भाट
३५८	१९ (स्तूप) ढेरा
२३५	२४ (स्तेन) चोर
२३६	२५ (स्तेय) चोरी
२७८	२६ (स्तेम) गीला करना
२३६	२५ (स्तैन्य) चोरी
२५७	६१ (स्तोक) थोड़ा
११८	१७ (स्तोकक) चातक, पपीहा
३८	११ (स्तोत्र) स्तुति, तारीफ
१२३	४० (स्तोम) समूह, स्तुति यज्ञ
१२५	२ (स्त्री) स्त्री, औरत
१३०	२० (स्त्रीधर्मिणी) रजस्वला
१२३	३८ (स्त्रीपुंस) स्त्री पुरुष का जोड़ा
१६४	२० (स्थण्डिल) यज्ञ आदि का चौतरा
१७१	४७ (स्थण्डिलशायिन्) पृथ्वी में सोवनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	
१६२	११	(स्थपति) बृहस्पति, सचनाम यज्ञका कर्ता, कारीगर थवई
६६	६	(स्थल) थल, जगह, प्रदेश
६६	६	(स्थली) थल, जगह, प्रदेश
१३५	४२	(स्थविर) बूढ़ा पुरुष
२६९	१११	(स्थविष्ठ) अतिशय मोटा
१८०	२५	(स्थाणु) शिव, ठूँठ, खम्भा, पर्वत
१७१	४८	(स्थण्डिल) व्रतादि हेतु से पृथ्वी में सोने वाला
१६१	८	(स्याद्वादिक) मोक्ष मार्ग का दिखानेवाला
३११	११७	(स्थान) अवकाश, स्थिति, नीति जानने वालों का त्रिवर्गविशेष
६९	१	(स्थानीय) दूसरे कोट आदि से घिराहुआ बड़ा स्थान अर्थात् राजधानी
३४६	११	(स्थाने) युक्त, उचित
१७६	८	(स्थापत्य) राजा व राजाकी स्त्रियोंकेपास बेंत लिये हुये रहने वाले वृद्ध पुरुष
१९५	८४	(स्थापनी) पाठा, पाँढरि
१९९	१०१	(स्यामन्) सामर्थ्य
१७६	७	(स्थायुक) एकगाँव काठेकेदार, अधिकारी
२६३	३२	(स्थाल) थारा
२११	३१	(स्थाली) बटुई, पतीली
२६०	७३	(स्थावर) वृक्षादिक
१३५	४०	(स्थाविर) बुढ़ापा
१५५	१२३	(स्थासक) चन्दनादि का अंगमें लेपना
२५६	७३	(स्थास्नु) अतिस्थिर
१८०	२६	(स्थिति) मर्य्यादा, आसन
२५९	७३	(स्थिरतर) अतिस्थिर
६५	२	(स्थिरा) पृथ्वी, सरिवन
८७	४६	(स्थिरायु) सेमर
२३८	३५	(स्थूणा) लोहेकी प्रतिमा, घरकाखम्भा, थून्ही
२५७	६१	(स्थूल) जड़, मोटा
२४३	६	(स्थूललक्ष्य) अतिदानी
१५३	११६	(स्थूलशाटक) मोटा वस्त्र
३१६	१२८	(स्थूलोच्चय) कम, हाथियोंकी मन्दचाल

पृष्ठ	श्लोक	
२५९	७३	(स्थेयस्) अतिस्थिर
१०६	१३२	(स्थौणेय) कुकरौंधा
१८५	४६	(स्थौरिन्) लदुआघोड़ा
२७२	९	(स्नव) बहना, टपकना
१७१	४६	(स्नातक) वेदव्रत धारण कियेहुये गुरुकी आज्ञासे स्नान करने वाला
१५५	१२२	(स्नान) नहाना, स्नान
१४१	६६	(स्नायु) नस
१७७	१२	(स्निग्ध) समान अवस्थावाला, चिकना, प्यारा, स्नेही
७५	५	(स्नु) पर्वतकाकिनारा
२६४	६२	(स्नुत) बहताहुआ
१२७	८	(स्नुषा) पतोहू
९९	१०५	(स्नुह्) सेहुँड़ा
९९	१०५	(स्नुही) सेहुँड़ा
४७	२७	(स्नेह) प्रेम, प्रीति
३२	७	(स्पर्श) छूना, वायु का गुण, परसन्ताप
१४	६२	(स्पर्शन) दान, वायु, हवा
१७७	१३	(स्पश) जासूस, युद्ध
२६१	८१	(स्पष्ट) साफ़
१०६	१३३	(स्पृका) असपरक
९७	६३	(स्पृशी) भटकटैया
२७२	९	(स्पृष्टि) छूना
४८	२७	(स्पृहा) मनोरथ
२७४	१४	(स्फट) परसन्ताप
५२	८	(स्फटा) फणा
२७२	६	(स्फाति) बढ़ती
१४३	७५	(स्फिच्) कूल, स्त्रियों की कमरका पिछला भाग
२५७	६३	(स्फिर) बहुत
७८	७	(स्फुट) साफ़, फूला हुआ
२७१	५	(स्फुटन) फूटना
२७२—	१०	(स्फुरण) फरकना
२७२	१०	(स्फुरणा) फरकना
१३	५८	(स्फुलिङ्ग) अग्निके कणा, चिनगारी
८५	३८	(स्फूर्जक) तेंदुआ
१८	१०	(स्फूर्जथु) वज्र या बिजलीका शब्द
२६६	११२	(स्फेष्ठ) अधिक से अधिक
३४८	५	(स्म) पादपूरण में, बीताहुआ काल
५	२५	(स्मर) कामदेव
७	३४	(स्मरहर) शिव
४६	३४	(स्मित) थोड़ा हँसना, मुसकुराना
४८	२९	(स्मृति) चिन्ता, धर्म्म शास्त्र,
१४	६५	(स्यद) वेग
८२	२६	(स्यन्दन) तिनिशवृक्ष,

पृष्ठ	श्लोक	
		लड़ाई में चढ़नेका रथ
१८६	६०	(स्यन्दनारोह) रथपर सवारहोकेलड़नेवाला
१६१	६७	(स्यन्दिनी) लार
१५४	६२	(स्यन्न) वहता हुआ
२१०	२६	(स्यूत) थैली, सींना हुआ कपड़ा
२७१	५	(स्यूति) कपड़े आदि सीवना
८१	५७	(स्योनाक) सरिवन
८२	२८	(स्रंसिन्) पीलुआ वृक्ष
१५८	१३६	(स्रज्) माला
२७२	६	(स्रव) वहना, झर्ना
२१६	६६	(स्रवद्गर्भा) जिस गौ का गर्भ गिरजाताहो
६१	३०	(स्रवन्ती) नदी
९५	८३	(स्रवा) चिनार वौंड़ी
४	१७	(स्रष्टृ) ब्रह्मा
२६७	१०४	(स्रस्त) चुआ, टपका हुआ
३४७	२	(स्राक्) जल्दी
२६४	९२	(स्रुत) वहता हुआ
१६६	२७	(स्रुव) यज्ञका पात्र विशेष
९५	८३	(स्रुवा) चिनार वौंड़ी
८४	३७	(स्रुवावृक्ष) कँटाय
५६	११	(स्रोतस्) इन्द्रिय,नदी का वेग
६१	३०	(स्रोतस्वती) नदी
२२७	१००	(स्रोतोञ्जन) सुर्म्मा
१३३	३४	(स्व) अपने बन्धुवर्ग जाति,आत्मा,आत्मीय,धन
२४५	१५	(स्वच्छन्द) स्वतन्त्र
१३३	३४	(स्वजन) अपने बन्धु वर्ग
२४५	१५	(स्वतन्त्र) अपने आधीन
३४८	८	(स्वधा) पितरोंके लिये त्याग
१९६	९२	(स्वधिति) कुल्हरी, फरसा
४०	२२	(स्वन) शब्द
२६५	६४	(स्वनित) वजता हुआ
५०	३६	(स्वप्न) सोना
२५०	३३	(स्वप्नज्) सोनेवाला
५०	३८	(स्वभाव) स्वभाव
४	१८	(स्वभू) विष्णु
१२६	७	(स्वयंवरा) अपने आपस्वयम्बरमें पतिको वरण करनेवाली कन्या
३५०	१६	(स्वयम्) अपनासे
३	१६	(स्वयम्भू) ब्रह्मा
१	६	(स्वर्) स्वर्गलोक,परलोक
३६	४	(स्वर) उदात्तादिस्वर, निपादादिस्वर
११	४८	(स्वरु) इन्द्रका वज्र

पृष्ठ	श्लोक
	यज्ञ, बाण, यूपका खण्ड
५७	३८ (स्वरूप) स्वभाव,बुध पण्डित,सुन्दर,अपना रूप,
९	६ (स्वर्ग) स्वर्गलोक
२२६	९४ (स्वर्ण) सोना,सुवर्ण
३३२	८ (स्वर्णकार) सोनार
१०७	१३७ (स्वर्णक्षीरी) मकोइ
११	५० (स्वर्णदी) आकाश गंगा,
२२	२६ (स्वर्भानु) राहु
११	५३ (स्वर्वेश्या) उर्वशी, आदि अप्सरा
११	५२ (स्वर्वैद्य) अश्विनीकुमार
१३२	२९ (स्वसृ) बहिन
३४३	२४० (स्वस्ति) कल्याण,पुण्य,मङ्गल,आशीर्वाद
७२	१० (स्वस्तिक) राजघर जिसमें चारदरवाजेहों
१३२	३२ (स्वस्रीय) बहिन का लड़का, भांजा
३६६	३८ (स्वाति) स्वाती नक्षत्र
२६६	११० (स्वादित) खायागया
२०६	९४ (स्वादु) प्रिय,मधुर
८४	३७ (स्वादुकण्टक) कँटाय, गोखुरू
१०८	१४४ (स्वादुरसा) काकोली
१००	१०७ (स्वाद्वी) दाख
१७१	५० (स्वाध्याय)वेदाभ्यास, वेदका पढ़ना
४०	२३ (स्वान) शब्द
३१	३१ (स्वान्त) मन
५०	२६ (स्वाप) सोना
२२५	९० (स्वापतेय) धन
२४४	११ (स्वामिन्) मालिक, राज्याङ्ग
१०	४४ (स्वाराज्) इन्द्र
१६५	२३ (स्वाहा) अग्निदेवता की स्त्री, देवताओं के लिये त्याग
३४३	२४१ (स्वित्) प्रश्न, वितर्क
४९	३३ (स्वेद) पसीना या घाम
२४४	५१ (स्वेदज)किरवा,डाँस मसा, खटमलआदि
२१०	३० (स्वेदनी) भट्ठी, भार
३३०	१९१ (स्वैर) स्वेच्छाचारी, सुस्त
२२७	११ (स्वैरिणी) छिनारिस्त्री
२७०	३ (स्वैरिता)अपनीइच्छा
२४५	१५ (स्वैरिन्) स्वतन्त्र
	(ह)
३४८	५ (ह) पादपूरण
२३	३१ (हंस) सूर्य्य, उजले पंखवाला हंसपक्षी
१५२	११० (हंसक) पैरकाकड़ा

पृष्ठ	श्लोक	
९६	८६	(हंजिका) भँगिरा
४५	१५	(हञ्जे) नीच लौंड़ी के पुकारने में
३५८	१८	(हट्ट) हाट, बाजार
१०५	१३०	(हट्टविलासिनी) ककून्दनि
२००	१०८	(हठ) हठ
४५	१५	(हण्डे) नीच लौंड़ी के पुकारने में
२५२	४१	(हत) निराश किया हुआ
१०५	१३०	(हनु) ककूदनि, कनपटा
३४४	२४३	(हन्त) हर्ष, दया, वाक्यारम्भ, विषाद
२६५	९६	(हन्न) हगाहुआ, विष्ठा
१८५	४४	(हय) घोड़ा
१८७	५२	(हयन) जनाना रथ
१०७	१३८	(हयपुच्छी) मूँग
६३	७६	(हयमारक) कँडेल
७	३४	(हर) शिव
१८१	२८	(हरण) दायज, दहेज
११४	१	(हरि) सिंह, यमराज, वायु, इन्द्र, चन्द्रमा, सूर्य्य, विष्णु, किरण, घोड़ा, शुआपक्षी, सर्प, बन्दर, मेढ़क, कपिलरंग
११	५१	(हरिचन्दन) देववृक्ष, कपिलवर्ण के चन्दन
३४	१३	(हरिण) कुछ पीलारंग, हरिण, मृग
२६५	५०	(हरिणी) हरिणकीस्त्री, मृगी, सोनेकीप्रतिमा, हरेरंगवाली, वस्तु, छन्द विशेष
१६	१	(हरित्) दिशा, हरारंग
३४	१४	(हरित) हरारंग
२११	३४	(हरितक) साग
२६३	३२	(हरिताल) हरतार
२२८	१०३	(हरितालक) हरतार
२२	२६	(हरिदश्व) सूर्य्य
२१३	४१	(हरिद्रा) हरदी
३४	१४	(हरिद्राभ) पीलारंग
९८	१०१	(हरिद्रु) दारुहलदी
२२५	९२	(हरिन्मणि) मरकत मणि
६	२७	(हरिप्रिया) लक्ष्मी
२०८	१८	(हरिमन्थक) चना
१०३	१२१	(हरिवालुक) एलुआ वृच
१०	४४	(हरिहय) इन्द्र
८९	५९	(हरीतकी) हर्र, हर्रका फल
१०३	१२०	(हरेणु) गगनधूरि, मटर
७२	९	(हर्म्य) धनिकोंका मकान

पृष्ठ	श्लोक
११४	१ (हर्यक्ष) सिंह
२९	२४ (हर्ष) खुशी, प्रीति
२४३	७ (हर्षमाण) खुश,प्रसन्न
२०६	१३ (हल) हर
४५	१५ (हला) अपनी सखी के पुकारने में
५	२३ (हलायुध) वलदेव
५३	१० (हलाहल) जहर,विष
५	२४ (हलिन्) वलदेव
८५	४२ (हलिप्रिय) कदम्बवृक्ष
२३६	३६ (हलिप्रिया) दारू,मदिरा
२०५	८ (हल्य) जोताहुआ खेत
२८०	४१ (हल्या) हरोंकासमूह
६२	३६ (हल्लक) लालकमल
२७२	८ (हव) पुकारना,आज्ञा, यज्ञ
१६६	२९ (हविस्) होमकरनेकी वस्तु, गोकाघी
१६५	२५ (हव्य) देवताओं का अन्न
१२	५६ (हव्यवाहन) अग्नि
४६	१८ (हस) हँसी, हँसना, हास्यरस
२१०	३० (हसनी) नीआई,वोरसी, अँगेठी
२१०	२६ (हसन्ती) नीआई,वोरसी,अँगेठी
१२६	८६ (हस्त) वँधेहुये वाल, हाथ, नक्षत्र विशेष, हाथी की शूँड़
२७१	५ (हस्तवारण) किसी को कोई मारताहोतो उसका हाथ पकड़लेना, मारनेको निश्चय किये हुये का रोकना
१८२	३४ (हस्तिन्) हाथी
७३	१७ (हस्तिनख) दरवाजे के आगे वनाईहुई चढ़ा उतार भूमि
१८८	५९ (हस्तिपक) हथिवाल महावत
१८८	५९ (हस्त्यारोह) हथवाल, महावत
२४६	३५५ (हा) विषाद,शोक, पीड़ा
२२६	९४ (हाटक) सोना,सुवर्ण
२८	२० (हायन) वरस, साल ज्वाला, सोंठी आदि धान
१५०	१०५ (हार) मोतियों की माला
१२२	३५ (हारीत) हारिलपची
४७	२७ (हार्द) प्रेम, प्रीति
२३९	३९ (हाला) दारू,मदिरा
२१८	६४ (हालिक) हरवाह
४६	३२ (हाव) रातिकी इच्छा से स्त्रियोंकी क्रिया और

पृष्ठ	श्लोक
	चेष्टा विशेष
४६	१६ (हास) हँसी,हास्यरस
१८३	३६ (हास्तिक) हाथियोंका समूह
४६	१९ (हास्य) रस विशेष, हँसी, हँसना
१२	५३ (हाहा) गन्धर्व विशेष
३४६	२५६ (हि) हेतु,कारण, निश्चय, पादपूरण
३३९	२२८ (हिंसा) चोरी आदि कर्म्म, प्राणियों का नाश
२७५	१९ (हिंसाकर्म्मन्) किसी के मरनेका पुरश्चरण
२४८	२८ (हिंस्र) प्राणियों का नाश करनेवाला हथ्यार
३५४	८ (हिक्का) हिचकी
२१३	४० (हिंगु) हींग
९०	६२ (हिंगुनिर्य्यास) नींबका वृक्ष
३५९	२० (हिंगुल) ईंगुर,शिंगरिफ
१०१	११४ (हिंगुली) वनभांटा, भांटा
६०	६१ (हिज्जल) समुद्रफल
२२८	१०५ (हिण्डीर) समुद्रफेन
११४	१६६ (हिन्ताल) छोटा ताड़ विशेष

पृष्ठ	श्लोक
२०	१८ (हिम) पाला,ठण्ढ
७५	३ (हिमवत्) हिमालय पर्वत
१५७	१३१ (हिमवालुका) कपूर
२०	१८ (हिमसंहति) पालाका समूह
१६	१३ (हिमांशु) चन्द्रमा
२०	१८ (हिमानी) पाला का समूह
१०७	१३८ (हिमावती) मकोइ
२२५	९१ (हिरण्य) सोना और चांदी, सोना, सुवर्ण, धन
३	१६ (हिरण्यगर्भ) ब्रह्मा
६२	३४ (हिरण्यवाहु) शोणभद्रनद
१२	५६ (हिरण्यरेतस्) आगि
३४७	३ (हिरुक्) वर्जना, समीप
१११	१५७ (हिलमोचिका) हिलसाका साग
३४८	६ (ही) विस्मय
२६८	१०७ (हीन) त्यागा, छोड़ा हुआ, न्यून, कम
१६५	२३ (हुतभुक्प्रिया) अग्नि की स्त्री स्वाहा
१२	५६ (हुतभुज्) आगि
३४५	२५१ (हुम्) वितर्क, प्रश्न, तर्क

पृष्ठ	श्लोक	
३७	८	(हूति) पुकारना
१२	५३	(हूहू) गन्धर्वविशेष
२७८	२२	(हृणीया) करुणा वा घिनाना
३१	३१	(हृद्) मन
३१	३१	(हृदय) मन
३६	१८	(हृदयंगम) युक्तयुक्त, बहुत सुनासिब, मनमानी वस्तु
२४२	२	(हृदयालु) शुद्धमन वाला, सीधा मनुष्य
२५५	५३	(हृद्य) प्यारा
३३	८	(हृषीक) इन्द्रिय
४	१८	(हृषीकेश) विष्णु
२६७	१०३	(हृष्ट) आनन्द, खुश
२४३	७	(हृष्टमानस) प्रसन्न चित्त, खुश
३४८	७	(हे) सम्बोधन
१३	५८	(हेति) अग्निकीज्वाला, सूर्यकी किरण, हथियारविशेष
२०	२८	(हेतु) कारण
७५	३	(हेमकूट) पर्वत विशेष
८३	२२	(हेमदुग्धक) गूलर
२२६	६४	(हेमन्) सोना, सुवर्ण
२८	१६	(हेमन्त) अगहन, पूस
९०	६२	(हेमपुष्पक) चम्पा-वृच
९२	७१	(हेमपुष्पिका) पीले रंगकीजूही
११	५७	(हेमाद्रि) सुमेरुपर्वत
६	३९	(हेरम्ब) गणेश
४६	३२	(हेला) अपगणना पूर्वक दीनतादिखाने का नाम
१८६	४७	(हेषा) घोड़ोंका हिनहिनाना
३४८	७	(है) सम्बोधन
१८	३७	(हैमवती)पार्वती, हर्र, उजली वच, मकोय
२१३	५२	(हैयङ्गवीन) एकरात हीके जमायेहुये दही से उत्पन्न घी
१६४	१६	(होतृ) ऋग्वेद जानने वाला
३५५	१०	(होरा) एक मेषादि राशिका आधाभाग, या लग्न
३५१	२२	(ह्यस्) पूर्वबीताहुआ दिन
६०	२५	(ह्रद)गहिरेजलवाला कुण्ड
६१	३०	(ह्रदिनी) नदी
२६९	११२	(ह्रसिष्ठ) अतिछोटा
१३६	४६	(ह्रस्व) छोटा,वामन बवना
१०२	११७	(ह्रस्वगवेधुका) कँकही वृच

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०८	१४२ (ह्रस्वांग) जीवक	२६४	६१ (ह्रीत) लज्जित
११	४८ (ह्रादिनी) इन्द्रका वज्र, बिजुली	१०३	१२२ (ह्रीवेर) नेत्रवाला
४७	२३ (ह्री) लज्जा	१८६	५७ (ह्रेषा) घोड़ोंकाहिन हिनाना
२६४	६१ (ह्रीण)लज्जित,शर्मिन्द:	१०४	१२४ (ह्लादिनी) सालवृक्ष

इत्यमरकोशमूलशब्दानुक्रमणिका।

अथ वैद्यककोशप्रारम्भः ॥

श्लोक॥ लम्बोदरंनमस्कृत्य गुरुंधन्वन्तरिंतथा॥
अकारादिक्रमेणैव कोशोयंभण्यतेमया॥ १॥

(अ)

(अन्धक) तुंबुल
(अभया) हड़
(अमृता) हड़, अंवरा, गिलोय
(अब्धिकफ) समुद्र का फेना
(अव्यथा) हड़, महामुंडी, स्थल कमल, मेवड़ी
(अक्ष) वहेड़ा, कालानिमक, कर्ष, पद्माक्ष, रुद्राक्ष, शकट, इन्द्रिय, पांशा
(अक्षीव) पांगानोन, महिंजन, महानिंब
(अध्वरा) मेद
(अनल) चीता
(अजमोदा) अजमोद
(अजमोदिका) अजवाइन
(अजाजी) सफेदजीरा
(अमोघा) वायुविड़ंग, पाढरि
(अश्वत्थफल) दूसरी हाऊवेर
(अष्टवर्ग) जीवक, ऋषभक, मेदा, महामेदा, काकोली, क्षीर काकोली, ऋद्धि, वृद्धि
(अशोका) कुटकी
(अनार्यतिक्त) चिरायता
(अर्द्धतिक्त) चिरायता जो नैपाल में होता है

(अम्बष्ठा) मोइया, जूही, अमलोनियाँ, पाढ़र, मोचिका
(अम्बा) मोइया
(अम्बालिका) मोइया
(अम्बिका) मोइया
(अजभृंगिका) काकड़ा सींगी, मेढ़ासींगी
(अजभृंगी)काकड़ासींगी,मेढ़ासींगी
(अंगारवल्ली) भंगरैया, भारंगी, मूंज
(अतिछत्रा) सोवा
(अश्मघ्न) पाषाण भेद
(अरुणा) मंजीठ, अतीस
(अलक्त) लाख
(अवल्गुज) बकुची
(अतिविषा) अतीस
(अरिष्ट) लहसुन, नींव, मद्य
(अग्निक) भेलावां, करिआरी
(अग्निमुखी) भेलावां, करिआरी
(अरुष्क) भेलावां, करिआरी
(अरुष्कर) भेलावां, करिआरी
(अन्ध) कालानोन
(अहिफेनक) अफीम
(अगुरु) अगर, सीसव
(अनार्यक) अगर
(अम्बु) सुगन्धवाला, पानी
(अमृणाल) खस, लामज्जक, खस के समान पीलेरंगका एक तृण
(अंगनाप्रिया) पियंगु, ककुनी
(अवदातक) खसके समान पीले रंगका एक तृण
(असृक्) सुगन्धित शाक विशेष
(अग्निसंस्पर्शा) उत्तर देशमें पद्मावती नामसे प्रसिद्ध द्रव्य
(अञ्जनकेशी) उत्तर देशमें नालिका नामसे प्रसिद्ध द्रव्य
(अमृतवल्लरी) गिलोय, गुर्च
(अलिवल्लभा) पाढ़रि
(अग्निमन्थ) अरणी
(अरलु) सोनापाढ़ा
(अंशुमती) सरिवन
(अंघ्रिपर्णी) पिठवन
(अलिपका) वनमूंग
(अदण्डक) सफेद, अरंड
(अलर्क) सफेदमदार
(अर्क) मदार
(अर्कपर्ण) लालमदार
(अग्निशिखा) करिआरी
(अनन्ता) करिआरी,नीलीदूब, जवासा
(अश्वमारक) सफेद कनेर
(अटरूपक) रूसा
(अपराजिता) विष्णुकान्ता, शालिपर्णी
(अजरा) केवांच
(अव्यण्डा) केवांच
(अतिरुहा) रोहिणी
(अभ्रपुष्प) वेंत
(अम्बुज) समुद्रफल

(अङ्कोट) ढेरा, अंकोल
(अङ्कोल) ढेरा, अंकोल
(अतिवला) ककहिया
(अर्द्धकरिटका) महासतावर
(अश्वगन्धा) असगन्ध
(अम्बष्ठका) पाढ़रि
(अम्बष्ठकी) पाढ़रि
(अर्द्धचन्द्रा) कालानिशोथ
(अतितपस्विनी) महामुण्डी
(अपामार्ग) लटजीरा, लहचिचरा
(अधःशल्य) लटजीरा, लहचिचरा
(अस्थिशृंखला) हरसिंगार
(अस्थिसंहारक) हरसिंगार
(अस्थिसंहारी) हरसिंगार
(अंगारक) भंगरा
(अमरवल्लरी) अमरवेल
(अर्कपुष्पी) अर्कपुष्पी
(अलम्बुषा) खेतकी लज्जावंती
(अरविन्द) कमल
(अम्भोरुह) कमल
(अतिचरा) स्थल कमल
(अतिमञ्जुला) सेवती गुलाब
(अतिकेशर) कूजा
(अलिकुलसंकुला) कूजा
(अतिमुक्तक) मोतिया
(अशोक) अशोक
(अम्लाटन) वाणपुष्प गौड़ देश प्रसिद्ध
(अम्लात) वाणपुष्प
(अम्लातक) वाणपुष्प
(अगस्त्य) अगस्ति
(अपेतराक्षसी) तुलसी
(अजगन्धिका) वबई
(अर्जक) सफेद वबई
(अश्वत्थ) पीपर
(अश्वत्थभेद) बेलिया पीपर
(अश्वकर्णिका) शाल, साखू
(अजकर्ण) शालभेद, एकतरह का साखू
(अर्जुननामाख्य) अर्ज्जुन वृक्ष, कौह
(असन) विजयसार
(अरिमेदक) दुर्गन्धितखयर
(अरिष्टक) रीठा
(अर्थसाधन) रीठा
(अर्थसाधक) पतौजिया
(अङ्गार वृक्ष) गोंदी इंगुदी
(अपत्र) करील
(अग्निदीपन) वरना
(अम्बुशिरीषिका) जल शिरस
(अतिसौरभ) आम
(अतिबृहत्फल) कटहल
(अम्बुसारा) केला
(अंशुमतीफला) केला
(असितशारक) तेंदुआ
(अल्पास्थि) फालसा
(अमृतफल) नासपाती
(अक्षोट) अखरोट
(अम्ला) इमली
(अम्लिका) इमली

(अम्ली) इमली
(अम्लवेतस) अमलवेत
(अम्लवृक्ष) विषाम्बिल
(अद्रिजतु) शिलाजीत
(अश्मज) शिलाजीत
(अभ्र) अभ्रक
(अञ्जन) सफेद तथा काला सुरमा
(अश्मगर्भ) पन्ना
(अतसी) अलसी
(अतियव) जौ जिसमें नोक नहीं होती है
(अमृतवल्लरी) पोय
(अल्पमारिष) चौराई
(अम्ललोणिका) अमलोनियाँ
(अश्मन्तक) अमलोनियाँ, कचनार
(अम्लपत्रक) अमलोनियाँ
(अरिमर्द) कसोंदी
(अगस्तिकुसुम) अगस्त्यकेफूल
(अलाबु) लौकी
(अमृताफल) परवल
(अर्शोघ्न) ज़मींकन्द
(अण्डज) मछली, पक्षी
(अज) बकरा
(अजा) बकरी
(अवि) भेंड़ा
(अनडुह) बैल
(अर्वन्) घोड़ा
(अन्धस्) भात
(अन्न) भात
(अङ्गारकर्कटी) बाटी, लीटी
(अलीकमत्स्य) पानकासहिंड़ा
(अम्लिकाफलपानक)इमलीकापना
(अप्) पानी
(अमृत) पानी
(अम्भस्) पानी
(अर्णस्) पानी
(असिपत्र) ईख
(अग्निशिख) केशर,कुसुम्भ,कुसुम
(अग्नि) चीता, भिलावाँ
(अखित) अमलतास

(आ)

(आर्द्रक) अदरक
(आर्द्रिका) अदरक
(आरग्वध) अमलतास
(आम्रगन्धा) कपूरहल्दी
(आसुर) विडनोन
(आफूक) अफीम
(आमण्ड) सफेद अरण्ड
(आस्फोट) लालमदार
(आटरूष) अरूसा
(आटरूषक) अरूसा
(आस्फोता) विष्णुकान्ता
(आत्मगुप्ता) केवाच
(आखुकर्णी) बड़ीदत्यून,या,चघरण्डा,मूसाकर्णी
(आखुपर्णी) बड़ीदत्यून या चघरंडा मूसाकर्णी
(आकाशवल्ली) अमरबेल
(आनन्दा) बरसातीबेल

(आर्त्तगल) नीलीकटसरैया
(आभापपदमोदिनी) बबूल
(आर्पीन) तुनि
(आम्र) आम
(आम्रावर्त्त) अमावट, अमरस
(आम्रबीज) आमकी बिजली
(आम्रातक) अम्बार, अमरा
(आम्रात) राजाम्र
(आयस्) लोहा
(आर) पीतल
(आरकूट) पीतल
(आल) हरताल
(आढकी) सोरठी मट्टी, अरहर
(आसुरी) राई
(आचारी) हुरहुर
(आरुक) आलू
(आलुक) आलू
(आलुकी) अरुई
(आमिप) मांस
(आर्द्रकवट) अदवरा, मूंगकीडुबकी
(आज्य) घी
(आस्फीता) विष्णुक्रान्ता, सारिवा

(इ)

(इष्ट कापथक) खसके समान पीले रंग का एकतृण
(इक्षुगन्धिका) गोखुरू
(इक्षुरस) कास
(इक्षालिका) कास
(इक्षुगन्धा) कास, विदारीकन्द, तालमखाना, गोखुरू
(इन्द्रवारुणी) इन्द्रायन
(इन्द्रदारु) देवदारु
(इन्द्रयव) इन्द्र जौ
(इन्द्राक्ष) ऋषभक
(इन्द्र) कुरैया
(इन्द्रजल) समुद्र फल
(इन्दीवरी) सतावर
(इक्षुरक) तालमखाना
(इक्षुवालिका) तालमखाना
(इन्दीवर) नीलकमल
(इंद्रद्रु) अर्जुनकावृक्ष, देवदारु, कुरैया
(इरिमेद) दुर्गन्धित खयर
(इंगुद) गोंदी
(इंगुल) सिंगरफ
(इंद्रनील) नीलम
(इक्ष्वाकु) कडवी लौकी
(इल्लस) हिलसा मछली
(इक्षु) ईख

(उ)

(उपकुल्या) पीपल, पीपरि
(उग्रगन्धा) अजवाइन, वच, कुलिंजन
(उपकुञ्ची) कलौंजी
(उपकुञ्चिका) कालाजीरा
(उपकालिका) कालाजीरा
(उद्गारशोधन) कालाजीरा
(उग्रा) वच
(उत्पल) कूट
(उपविषा) अतीस
(उग्रगंध) लहसन

(उदधिसम्भव) पांगानोन
(उलूखल) गूगुर
(उपकुंचिका) छोटी इलायची
(उत्कट) तज
(उदीच्य) सुगन्धवाला
(उशीर) खस
(उरूबूक) लालअरण्ड
(उत्तानपत्रक) लालअरण्ड
(उन्मत्त) धतूरा
(उद्रेका) बकाइन
(उदकीर्य) डहरकंजा
(उच्चटा) स्वेत घोंघची
(उरुव्व) गन्धपटेर
(उदुंबरपर्णी) छोटी दत्यून, जमाल गोटेका पेंड़
(उपचित्रा) बड़ी दत्यून, बघरण्डा
(उदुम्बर) गूलर, तांबा
(उद्वेग) छोटी सुपारी
(उद्दाल) लसोड़ा, वनकोदव
(उमा) अलसी
(उपोदिका) पोय
(उरण) भेंड़ा
(उरभ्र) भेंड़ा
(उक्षन्) बैल
(उदश्वित्) मट्ठा जिस में आधा जल मिलाहो
(उदक) पानी

(ऊ)

(ऊर्वी) ऊर्वी
(ऊर्णायु) भेंड़ा
(ऊर्ध्वपुष्प) गुड़हल
(ऊषण) सोंठ, मिर्च, पीपलामूल
(ऊषणा) पीपरि, चव्य

(ऋ)

(ऋषभ) ऋषभक, बैल
(ऋष्य) नीलेरंग का हिरन
(ऋष्यप्रोक्ता) केवांच, ककहिया, महासतावर

(ए)

(एलापर्णी) रासना
(एडगज) पवांड़
(एला) बड़ी इलायची
(एलवालुक) एलुवा
(एलालू) एलालू
(एरका) मोथीनाम तृण विशेष
(एकष्ठीला) पाढ़र
(एरण्डफला) छोटीदत्यून, जमाल गोटेका पेंड़
(एकष्ठील) बड़ी मौलसिरी
(एर्वारु) ककड़ी
(एण) काला हरिण
(एडक) भेंड़ा, दुंबा भेंड़ा
(एरङ्गी) अरंगी मछली

(ऐ)

(ऐन्द्री) इन्द्रायण, बड़ीदंती
(ऐलेय) एलुआ

(ओ)

(ओदन) भात
(ओल) ज़मींकन्द
(ओष्ठोपमफला) कुंदुरू

(औ)

(औदुम्बर) तांवा

(औद्भिद) कचनोन, पानी जो ज़मीनको खोदकर गहरे स्थानसे वड़ी धारा के साथ निकलता है

(क)

(क) पानी

(कर्षफल) वहेड़ा

(कलिद्रुम) वहेड़ा

(कलियुगालय) वहेड़ा

(कटुभद्र) सोंठि, अदरक

(कणा) पीपल, पीपरि, सपेदजीरा

(कटुत्रिक) त्रिकटु

(कपिवल्ली) गजपीपल

(कर्कश) कबीला, कसौंदी

(कर्णिकार) अमलतास, धनवहेरा, कर्णिकार

(कटुका) कुटकी

(कटुकी) कुटकी

(कटुतिक्त) चिरायता

(कटुरोहिणी) कुटकी

(कटुम्भरा) कुटकी, सोनापाठा

(कलिंग) इन्द्रजौ

(कंगुनी) मालकांगनी

(ककुन्दनी) मालकांगनी

(कटभी) मालकांगनी, कटभी

(करहाट) मैनफल, भसींड़

(कर्कटाख्या) काकड़ासींगी

(कर्कटशृङ्गी) काकड़ासींगी

(कटुपर्णी) चोक

(कट्फल) कायफल

(कर्पूरा) कपूर, हल्दी

(कटङ्कटेरी) दारुहल्दी

(कतक) विडनोन

(कर्पूर) कपूर

(कस्तूरिका) कस्तूरी

(कस्तूरी) कस्तूरी

(कपितैल) शिलारस

(कपि) शिलारस

(कर्चूर) कचूर

(कल्पक) कचूर

(कपिला) रेणुकानाम सुगन्धित वस्तुविशेष,कच्चीपीतल

(कंकोल) शीतचीनी

(कपित्थपत्र) एलुवा

(कपोतचरणा) नलिकानामसे उत्तर देशमें प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तुविशेष

(कट्वंग) सोनापाठा

(कटम्भर) सोनापाठा

(कलशी) पिठवन्

(कण्टकारी) भटकटैया

(कंटालिका) भटकटैया

(कंटकिनी) भटकटैया

(कलिहारी) करिहारी

(करवीर) कनैर

(कनक) धतूरा

(कवच) पित्तपापड़ा

(करज) कञ्जा

(करञ्ज) कञ्जा
(करञ्जी) डहरकञ्जा
(करभंजिका) डहरकञ्जा
(कपिकच्छु) केवांच
(कण्डुरा) केवांच
(कमा) रोहिणी
(कंकतिका) ककहिआ
(कर्मार) वांस
(कतृण) रोहिस
(कच्छुरा) यवासा
(कषाया) जवासा
(कदंबपुष्पिका) महामुण्डी
(कपिपिप्पली) लाललटजीरा
(कन्या) घिउकुवार, वांझखक्सा
(कठिल्लक) लाल गदहपूरना
(कटम्भरा) गन्धप्रसारणी
(कलघण्टिका) कालीसांव
(कवरी) हिंगुपत्री
(कपोतवंका) ब्राह्मी
(कर्कटी) सोनैया, ककड़ी
(कमल) कमल
(कर्णिका) कमलके भीतरका झुमका, सेवती गुलाब
(कदम्ब) कदम
(कण्टकाढ्या) कूजा, सेमर
(कङ्केलि) अशोक
(कटसारिका) कटसरैया
(कठिल्लक) कालीचवई, करेला, लाल गदहपुरैना
(कन्दराल) गजदण्ड सहोरा
(कपिचूत) गजदण्ड सहोरा
(कपीतन) गजदण्ड सहोरा, सिरसा, अम्वार, अमरा
(कमण्डल) गजदण्ड सहोरा
(ककुभ) अर्जुनकावृक्ष
(कण्टकी) खयर
(कदर) पपड़िया खयर
(कल्लक) तुनि
(कठेरक) तुनि
(करीर) करील
(कटुम्भर) कटभी
(कण्टकिफल) कटहल, चालमखीरा
(कदली) केला
(कदलीकुसुम) केलेकाफूल
(कपित्थ) कैथा
(कपिप्रिय) कैथा
(कर्कन्धू) वेर
(करमर्द) करौंदा
(करमर्दिका) छोटा करौंदा
(करक) अनार
(कतक) निर्मली
(कर्पराल) अखरोट
(कर्मरंग) कमरख
(कनक) सोना
(कलधौत) सोना
(कंसक) कांसा
(कठिनी) खड़िया
(कंकुष्ठ) मुर्दासिंग
(कलाय) मटर, केराव
(कटुकस्नेह) सरसों

(कदम्बक) सरसों
(कंगु) काकुन
(कर्दमक) शालि, धान
(कलम) शालि, धान
(कचट) जलचौराई
(कलम्बी) कलगी
(कलायशाक) मटरकाशाक
(कर्कारु) बहुतछोटा पेठा, कुम्हड़ा
(कटुतुम्बी) कड़वीलौकी
(कर्कशाच्छद) परवल
(कर्कोटकी) खेखसा
(कन्द) ज़मींकन्द
(कन्दल) ज़मींकन्द
(कदलीकन्द) केराकन्द
(कलविङ्क) गौरैया
(कलध्वनि) पिंडुकी
(कपोत) पिंडकी, कबूतर
(कलापी) मोर
(कलरव) कबूतर
(कच्छप) कछुआ
(कमठ) कछुआ
(कविका) कवईमछली
(कर्पूरनालिका) कर्पूरनालि, एक प्रकार से बनाई हुई मिठाई
(कान्ता) प्रियंगु
(काकपुच्छा) भटोरा
(काश्मरी) गंभारी
(काश्मीरी) गंभारी
(काश्मर्य) गंभारी
(कालस्थाली) पाढ़रि
(काष्ठपाटला) घण्टापाढ़रि
(काकपर्णी) वनमूंग
(काकमुद्गा) वनमूंग
(कांबोजी) वनउर्दी
(कार्मुक) बकाइन
(काञ्चनार) कचनार
(काञ्चनक) कचनार
(कालिंग) कुरैया
(काकचिञ्ची) लालघुंघची
(काकानान्ता) लालघुंघची
(काकादनी) लालघुंघची
(काकपीलु) लालघुंघची
(काकवल्लरी) लालघुंघची, स्वर्णवल्ली
(काकायुः) स्वर्णवल्ली
(कार्पास) कपास
(काश) कास
(काशेक्षु) कास
(कालमेषिका) कालानिसोथ
(कालदोला) नील
(कालकेशी) नील
(काकेक्षु) तालमखाना
(काण्डेक्षु) तालमखाना
(काकमाची) मकोय
(काकाह्वा) मकोय
(काकनासा) कौवाठोडी
(काकांगी) कौवाटोडी
(काकतुण्डफला) कौवाटोडी
(काकजंघा) मसी

(काकतिक्ता) मसी
(काका) मसी
(कामुक) मोतिया
(काकोदुम्बरिका) कठिया गूलर, कठूंभर
(कार्श्य) साल, साखू
(कालस्कन्ध) दुर्गन्धित खयर, तमाल, तेंदू
(कान्तलक) तुनि
(कामाङ्ग) आम
(कामाह्व) राजाम्र
(कालिंग) तरबूज
(कालिन्द) तरबूज
(कालस्कन्ध) तेंदुआ
(कालतिन्दुक) कुचले का वृक्ष
(कालपीलुक) कुचले का वृक्ष
(काकेन्दु) कुचले का वृक्ष
(काफकर्कटी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा
(काञ्चन) सोना
(कार्त्तस्वर) सोना
(कालायस) लोहा
(कांस्य) कांसा
(कापोताञ्जन) सुरमा
(कान्तपाषाण) चुम्बकपत्थर
(काशीश) हीराकशीस
(काङ्क्षी) सोरठीमट्टी
(कालकुष्ट) मुर्दासिंग
(कालकूट) एक प्रकारका विष, पीपलकेसमान वृक्षकागोंद

(काञ्चनक) शालि
(कासदेर) चौराई
(कालक) नारी, केरमुआँ
(कालशाक) नारी, केरमुआँ
(कासमर्द) कसौंदी
(कासारि) कसौंदी
(कासमर्ददल) कसौंदीकेपत्ते
(कारवेल्ल) करेला
(कारवेल्ली) करेली
(कासभञ्जन) परवल
(कालकण्ठक) गौरैया
(कालज) मुर्गा
(कासर) भैंसा
(कादम्बरी) मद्य, शराब
(कान्तारेक्षु) केताराईख
(कालानुसार्य) कालीयक, तगर, शिलाजीत
(काश्मीर) केसर, पुष्करमूल, गम्भारी
(काक) काकमाची, काकोली, घुंघची, काकजंघा, काकनासा, काकोदुम्बरिका, काकाह्वय
(कारवी) कालाजीरा, सौंफ, अजमोद
(कालमेषी) मजीठ, बकुची, कालानिसोत

(कि)

(किंकिराट) बबूल
(किंकिरात) बबूल, किंकिरात, गो-

ड्देशमें प्रसिद्धहै
(किंजल्क) कमलकीकेशर
(किंशुक) पलाश
(किट्टी) खीटी, तपायेहुये लोहे का मैल
(किणिही) लटजीरा
(कितव) भटेउर, नैपालमें प्रसिद्ध है, धतूरा
(किलाटक) खिझरी, फटेहुये दूध को पकाकर जो बनाते हैं

(की)

(कीटमाता) हंसपदी
(कीलाल) पानी

(कु)

(कुरुविन्द) मोथा
(कुक्कुर) कुकरौंधा
(कुटन्नट) केवटीमोथा, या जल मोथा, सोनापाठा
(कुण्डली) गिलोय, कचनार
(कुवेराक्षी) पाढरि
(कुली) बड़ी भटकटैया
(कुद्दाल) कचनार
(कुकुटज) कुरैया
(कुश) कुश
(कुष्ठगन्धिनी) असगन्ध
(कुनाशक) यवासा
(कुमारी) घिउकुवार
(कुकुन्दर) कुकरौंधा
(कुशेशय) कमल
(कुवलय) कोकावेली
(कुमुद) कोकावेली
(कुमुद्वती) जड़, दण्डी तथा पत्ते सहित कोकावेली
(कुमुदिनी) जड़, दण्डी तथा पत्ते सहित कोकावेली
(कुम्भिका) पुरइन
(कुब्जक) कूजा
(कुरण्टक) बाणपुष्प, गौड़देशप्रसिद्ध पीली कटसरैया
(कुरवक) लाल कटसरैया
(कुन्द) कुन्द
(कुलपुत्रक) दवना
(कुठेरक) कालीबबई
(कुन्दुरुकी) सलई
(कुपील) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुलक) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुबल) बेर
(कुहा) बेर
(कुमुदवीज) कोकावेलीकाफल
(कुनटी) मैनसिल, धनियां
(कुलत्थ) कुलथी
(कुलत्थिका) कुलथी
(कुधान्य) क्षुद्रधान्य, काकुनआदि
(कुसुम्भवीज) बर्रे, कुसुमकेवीज
(कुक्कुट) शिरियारी, मुर्गा
(कुष्ठहा) परवल
(कुरंग) हरिण जिसका रंग कुछ लालहो
(कुलिङ्ग) गौरैया

(कुण्डलिनी) जलेबी
(कुल्माप) घुघुरी

(कू)

(कूटज) कुरैया
(कूटशाल्मलि) कालासेमर
(कूर्चशीर्षक) नारियल
(कूष्माण्ड) कुम्हड़ा, पेठा
(कूष्मांडी) वहुतछोटा पेठा
(कूलक) परवल
(कूर्म) कछुआ
(कूर) भात
(कूष्माण्डवटी) कुम्हड़ौरी

(कृ)

(कृकवाकु) मुर्गा
(कृमिघ्न) वायुविड़ंग, हल्दी
(कृमिघ्ना) हल्दी
(कृमिज) अगर
(कृमिजग्ध) अगर
(कृमिकृत्) कालीराई
(कृष्णसर्षप) कालीराई
(कृतमाल) अमिलतास
(कृतवेधना) तरोई
(कृमिवृक्ष) कोशम्भ, कोशाम्र
(कृष्ण) मिर्च, पापड़ी या चकवत
(कृष्णकाय) भैंसा
(कृष्णभेदा) कुटकी
(कृष्णफला) वकुची, सुवरासेम
(कृष्णवीज) तरबूज
(कृष्णला) सफेद घुँघुची
(कृष्णपाकफल) करौंदा
(कृष्णवृन्ता) गँभारी, पाढ़र, वनउर्दी
(कृष्णा) सेवतीगुलाब, पीपरि, कालाजीरा, नील
(कृशरा) खिचरी
(कृशोदरी) गोरीसांव
(कृष्णवर्ण) रीठा
(कृष्णसारा) सीसम, सिरसई

(के)

(केकी) मोर
(केतक) केवड़ा
(केमुक) केमुआँ
(केशपर्णी) लाल लटजीरा, लहचिचरा
(केशरञ्जन) भँगरा
(केशराज) भँगरा
(केशहंत्री) शमी
(केशा) वकायन

(कै)

(कैरव) कोकावेली
(कैरविका) जड़, डण्डी और पत्ते सहित कोकावेली
(कैरविणीफल) कोकावेली का फल
(कैवर्त्तीमुस्तक) केवटीमोथा, या जलमोथा
(कैपिका) कालानिसोथ

(को)

(कोलक) शीतलचीनी
(कोशफल) शीतलचीनी
(कोटिवर्षा) सुगन्धि
(कोविदार) कचनार

(कोटि) कुरैया
(कोला) काला निसोथ
(कोकिलाक्ष) तालमखाना
(कोकनद) लाल कमल
(कोशाम्र) कोशम्भ
(कोल) बेर
(कोली) बेर
(कोमलवल्कला) हरफारेवड़ी
(कोद्रव) कोदव
(कोरदूप) कोदव
(कोलशिम्बि) सुवरासेम
(कोशातकी) दोनों तरोई

(कौ)

(कौन्ती) रेणुका नाम एक सुगन्धित वस्तु

(क्र)

(क्रकर) करील
(क्रकचच्छद) केवड़ा
(क्रमुक) सुपारी का वृक्ष, सहतूत, ब्रह्मदारु, पठानी लोध
(क्रव्य) मांस

(क्रू)

(क्रूरकर्मा) अर्कपुष्पी

(क्रो)

(क्रोडकसेरुक) नागरमोथा
(क्रोष्ट्री) बिदारीकन्द
(क्रोष्टुविन्ना) पिठवन

(क्ली)

(क्लीतक) नील

(क्व)

(क्वथिता) कढ़ी

(क्ष)

(क्षत्रवृक्ष) मुचुकुन्द
(क्षयतरु) बेलिया पीपर
(क्षव) काली राई
(क्षवकृत्) नकछिकनी
(क्षार) सोहागा, जवाखार, सज्जी
(क्षारपत्र) बथुई
(क्षारवृक्ष) पलाशके समान पहाड़ीवृक्ष, मोक्ष
(क्षारश्रेष्ठ) पलाश, पलाश के समान पहाड़ीवृक्ष घंटापाटला
(क्षीर) दूध
(क्षीरशाक) खरिसा, बिना पकाये फटाहुआ दूध
(क्षीरवल्ली) बिदारीकंद
(क्षीरशुक्ला) बिदारीकंद
(क्षीरा) दूधी
(क्षीरिका) खिन्नी, खीर
(क्षीरिणी) दूधी, क्षीरकाकोली, सफेद अनन्तमूल
(क्षीरी) बरगद, बेलिया पीपर

(क्षु)

(क्षुद्रभण्टाकी) बड़ी भटकटैया
(क्षुद्रा) बड़ी भटकटैया
(क्षुरक) गोखुरू, तालमखाना, तिलक, एक प्रकार का रांगा, बंग

(क्षुरपत्र) डाभ
(क्षुर) तालमखाना
(क्षुद्रवर्षाभू) लालगदहपूरना
(क्षुद्राम्र) कोशम्भ, कोशाम्र
(क्षुद्रपणस) बड़हल
(क्षुमा) अलसी
(क्षुज्जनिका) राई
(क्षुधाभिजनक) काली राई
(क्षुद्रधान्य) काकुन इत्यादि

(क्षे)

(क्षेत्रदूतिका) सफेद भटकटैया
(क्ष्वेड) जहर

(क्षौ)

(क्षौद्र) सहत

(ख)

(खग) पक्षी, चिड़िया
(खटिका) खड़िया
(खण्डक) खेसारी, अक्सा
(खदरिका) लज्जावंती
(खदिर) खयर, कत्था
(खरत्वक्) खेतकी लज्जावंती
(खर्परी) खपरिया, तूतियाभेद
(खरपर्णिनी) गावजवां
(खरपुष्पा) बबई
(खर्बूज) खरबूजा
(खरमंजरी) लटजीरा, लहचिचड़ा
(खरस्कन्ध) चिरौंजी
(खरस्पर्शा) पीली सोनैया

(ग)

(गन्धकुटी) मरोरफली
(गन्धमूलिका) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरमें प्रसिद्धहै
(गन्धारिका) गन्धपलाशी नाम सुगन्धितवस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धारी) जवासा, गन्धपलाशी
(गन्धवधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धपलाशी) एकप्रकारकी सुगन्धितवस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धप्रियंगु) प्रियंगुविशेष
(गण्हासक) भटेउर नैपालमें प्रसिद्धहै
(गन्धकोकिला) सुगन्धित वस्तुविशेष
(गन्धमालती) सुगन्धितवस्तु विशेष
(गम्भारी) गंभारी
(गणिकारिका) अरणी
(गर्भदा) सफेद भटकटैया
(गन्धर्वहस्तक) सफेद अरण्ड
(गणरूप) सफेद मदार
(गर्भनुत्) करिहारी
(गण्डारि) कचनार
(गण्डदूर्वा) गांडर
(गण्डाली) गांडर, सरहटी
(गन्धान्ना) असगन्ध

(गवाक्षी) इन्द्रायन
(गवादनी) इन्द्रायन
(गरागरी) सोनैया
(गरनाशिनी) पीली सोनैया
(गन्धाढ्या) सेवती गुलाब
(गणिका) जूही
(गन्धफली) चम्पाकीकली, प्रियंगु, मालकांगनी
(गन्धपुष्प) अशोक
(गन्धोत्कट) दवना
(गजाशन) पीपर
(गर्दभाण्ड) गजदण्ड, सहोरा
(गजपादप) बेलिया पीपर
(गजभक्ष्या) सलई
(गर्भपातन) रीठा
(गर्भकर) पतोंजिया
(गन्धक) गन्धक
(गन्धपाषाण) गन्धक
(गन्धिक) गन्धक
(गगन) अभ्रक
(गंधरस) बोल
(गरल) विष, जहर
(गवेधु) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष, माघी सावां
(गवेधुका) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष, माघी सावां
(गजकर्णा) हस्तिकर्णा
(गवय) बड़े शरीरवाला हिरन
(गलस्तनी) बकरी
(गंधर्व) घोड़ा
(गर्म्री) गिरई
(गर्गर) गर्गरा मछली
(गण्डीर) मंजीठ, गांड़र

(गा)

(गांगेरुकी) गुलसकरी
(गान्धारी) जवासा
(गायत्री) खयर
(गालोड्य) कमलगट्टा
(गाङ्गेय) सोना
(गारुत्मत) पन्ना
(गिरिकर्णी) विष्णुक्रान्ता
(गिरिज) शिलाजीत, गेरू, सुनहरी गेरू
(गिरिमल्लिका) कुरैया
(गिरिसानुजा) त्रायमान
(गुच्छक) भटोरा
(गुडपुष्प) महुआ, बनमहुआ
(गुडफल) पीलू
(गुडमूल) ईख, गन्ना
(गुडा) सेहुंड़ा
(गुडूची) गुर्च, गिलोय
(गुन्द्र) गन्धपटेर, सरपत
(गुन्द्रफला) प्रियंगु, काकुन
(गुन्द्रमूला) मोथी एकतरहका तृण
(गुन्द्रा) नागरमोथा, प्रियंगु,मोथी
(गुवाक) सुपारी का पेड़
(गुहा) सरिवन, पिठवन
(गुल्मबीज) भूस्तृण

(गै)

(गैरिक) गेरू, सुनहरी गेरू

(चिर्भिट) ककड़ी, कचरी
(चीनाका) सावां
(चीरितच्छदा) पालक

(चु)

(चुक्रा) इमली
(चुक्रिका) इमली, चाङ्गेरा, अमलोनियां, चूक
(चुक्र) अमलवेत, विषाम्विल,
(चुम्बक) चुंबक पत्थर, चूक
(चेतकी) हड़
(चेतिका) चमेली

(छ)

(छच्छिका) छाछ, बहुत जलयुत मक्खन निकाला हुआ मट्ठा
(छत्रा) धनिया, भूस्तृण
(छत्रिका) सौंफ, सोवा
(छर्दन) मैनफल
(छाग) बकरा
(छागल) बकरा
(छागी) बकरी
(छिक्कनी) नक छिकनी
(छिक्किका) नक छिकनी
(छिन्न पुष्पक) तिलक
(छिन्नरुहा) गिलोय, गुर्च
(छिन्ना) गिलोय, गुर्च
(छिन्नोद्भवा) गिलोय, गुर्च
(छिलिहिण्ट) पाताल गरुडी
(छुरिका) पालक
(छेलक) बकरा
(छेलिका) बकरी

(ज)

(जतुका) पापड़ी, चकवत
(जननी) पापड़ी, चकवत
(जनी) पापड़ी, चकवत
(जतुकृष्ण) पापड़ी, चकवत
(जतुकृत्) पापड़ी, चकवत
(जय) अरणी
(जया) अरणी
(जयन्ती) अरणी
(जलवेत) जलवेत
(जंबुकप्रिय) भूस्तृण
(जलकामुका) अर्कपुष्पी
(जलकारिका) लज्जावन्ती
(जटा) भुइँ आँवला
(जलपिप्पली) जलपीपरि
(जम्बुक) केवड़ा
(जपा) गुड़हल
(जन्तुफल) गूलर
(जघनेफला) कठियागूलर, कठूंभर
(जटी) पाकर
(जलद) कुचिलेकावृक्ष
(जलजम्बुका) छोटीजामुन
(जलफल) सिंघाड़ा
(जम्बीर) जम्भीरीनींबू
(जम्भ) जम्भीरीनींबू
(जम्भल) जम्भीरीनींबू
(जम्भीर) जम्भीरीनींबू
(जलतण्डुलीय) जलचौराई
(जल) पानी

(जाङ्गली) नारियल
(जातरूप) सुवर्ण
(जाति) चमेली
(जाती) चमेली
(जाम्बूनद) सुवर्ण, सोना
(जालि) जारी, पिसेहुये कच्चेआममें राई नोन और भुनी हींग मिलाके घोलकर बनाते हैं
(जालिनी) तरोई
(जिङ्गिनी) जिगनी
(जीमूत) सोनैया
(जीव) बकायन
(जीवन) पानी
(जीवनगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती, मुलेठी, वनमूंग, वनउर्द
(जीवनीयगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती, मुलेठी, वनमूंग, वनउर्द
(जीवनी) जीवन्ती, डोंड़ीनामका शाक
(जीवन्ती) गिलोय, डोंड़ीनाम शाक, बांदा
(जीवनीया) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक
(जीवा) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक

(झ)

(झष) मछली
(झषा) गुलसकरी
(झर्झरिका) धुआंसकी रोटी
(झिङ्गी) जिङ्गनी
(झिङ्गिनी) जिङ्गनी

(ट)

(टङ्कारि) टंकारी
(टङ्क) राजाम्र
(टङ्कण) सोहागा
(टिण्टिणिका) जलशिरस
(टुण्टुक) सोनापाठा

(ड)

(डिण्डिश) टिंडा
(डुहु) बड़हल
(डोडिका) करेरुआ
(डोढिका) करेरुआ

(त)

(तंत्रिका) गिलोय
(तर्कारी) अरणी
(तरुण) सफेदअरण्ड
(तपोधना) मुण्डी
(तरुणी) सेवतीगुलाब
(तपोधन) दवना
(तपनीय) सोना
(तन्तुभ) सरसों
(तण्डुलीबीज) चौराई
(तण्डुलीय) चौराई
(तण्डुलेरक) चौराई
(तक्रमांस) अजवनी
(तलित) तलाहुआ मांस
(तक्रपिण्ड) दही वा मट्ठेमें दूधको फाड़कर कपड़े से बांध के उसके जलको

गोखुरू, वेल, खंभारी, अरणी, पाढ़रि, सोना पाठा
(दशाङ्गुल) खरवूजा
(दाडिम) अनार
(दाडिमपुष्पक) लाल कंजा
(दान्त) दवना
(दार्विका) गावजवां
(दासपुर) जल मोथा या केवटी मोथा
(दासी) मसी, नीली कटसरैया
(दालि) दाल
(दाली) दाल
(दिविद) भात
(दिव्या) ब्रह्ममांडूकी
(दिव्यौपधि) मैनसिल
(दीप्यक) अजवाइन, अजमोद
(दीर्घकील) ढेरा वा अंकोल
(दीर्घच्छद) ईख गन्ना
(दीर्घदण्ड) सफेद रेंड़
(दीर्घपत्र) डाभ
(दीर्घपत्रक) कुचिले का वृक्ष
(दीर्घपत्रा) सरिवन, चेवुना
(दीर्घपत्रिका) सफेद गदह पुरैना
(दीर्घमूल) जवासा शालिपर्णी
(दीर्घवृत्त) सोना पाठा
(दीर्घशूक) शालि
(दीर्घाङ्गी) सरिवन
(दुष्प्रधर्पिणी) वड़ी भटकटैया
(दुःस्पर्शा) भटकटैया, केवांच
(दुःस्पर्श) जवासा, किवांच, भटकटैया
(दुरभिग्रह) जवासा
(दुरालभा) जवासा
(दुरालम्भा) जवासा
(दुर्मेहा) लटजीरा
(दुग्धिका) दूधी
(दुर्वला) जलशिरस
(दुरारोहा) खजूर, पिण्डखजूर, छुहारा
(दुम्बक) दुंवा भेंड़ा
(दुग्धकूपिका) एक प्रकार की मिठाई जो इसी नाम से प्रसिद्ध है
(दुग्ध) दूध
(दूरजरत्न) वेदूर्य
(दूर्वा) दूव
(दूपक) शालि
(देवजग्ध) रोहिस
(देवता) धतूरा
(देवताण्डी) सोनैया
(देवदाली) सोनैया
(देवदुन्दुभी) तुलसी
(देवनिर्मिता) गिलोय गुर्च
(देवी) सुगन्धितशाक विशेष, चिनार, मरोरफली, वांझ खेक्सा
(दैत्या) मरोरफली
(दृढपृष्ठक) कछुआ
(दृढफल) नारियल
(दृढरङ्गा) फिटकरी

(दृढरङ्गा) फिटकरी
(द्रवन्ती) बड़ी दत्यून वा बघरखडा
(द्राविड) कचूर
(द्राक्षा) दाख, मुनक्का
(द्रोणपुष्पी) गूमा
(द्रोणा) गूमा
(द्रोणपुष्पीदल) गूमाका पत्ता
(द्वारदारु) भुइँसहा
(द्विजप्रिया) सोमलता
(द्विजा) रेणुका मिर्च के समान सुगन्धित वस्तु

(ध)

(धत्तूर) धतूर
(धनहर) भटेडर
(धनुर्वृक्ष) धामिन
(धनुष्पद) चिरौंजी
(धन्वङ्ग) धामिन
(धन्वयास) जवासा
(धमन) नरकुल
(धमनी) उत्तर देशमें होनेवाला नलिका नाम से प्रसिद्ध सुगंधित द्रव्य
(धर्मपत्तन) मिर्च
(धव) धवई
(धवल) अर्ज्जुन वृक्ष, पिंडुकी
(धातुकाशीश) हीरा कशीस
(धातुद्रावक) सोहागा
(धात्रीपत्र) तालीस
(धाना) बहुरी, भुनीजौ
(धान्य) धनियां, शालि आदि अन्न
(धान्याकपानक) धनियां का पना
(धामार्गव) लाललंहचिचरा, दोनों तरोई
(धारा) गुर्च, चीर काकोली
(धावनि) पिठवन
(धावनी) भटकटैया
(धीरा) गिलोय
(धूमगन्धिक) रोहिस
(धूर्त्त) धतूर
(धूस्तूर) धतूर
(धेनुदुग्ध) ककड़ी
(ध्याम) रोहिस
(ध्रुव) बरगद
(ध्वांक्षमाची) मकोय

(न)

(नकुलेष्टा) नाई, रास्नाभेद
(नट) मैनफल, सोनापाठा, अशोक
(नन्दिनी) चनसुर
(नत) अगर
(नख) नखना
(नखी) छोटानखना
(नलद) खस, लामज्जकनाम खसके पीलेरंगका एक तृण
(नन्दिनी) रेणुकानाम सुगन्धित वस्तु विशेष
(नलिका) उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सुगन्धवालाके समान सुगन्धितवस्तु
(नटी) नलिकानाम सुगन्धित वस्तु विशेष

(नली) नलिकानामसे उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तु विशेष
(नक्रमाल) कक्षा
(नम्रक) वेत
(नल) नरकुल
(नदीकान्ता) मस्ती
(नमस्कारी) लज्जावन्ती
(नक्रदमनी) बांझखेक्सा
(नलिन) कमल
(नवमालिका) वसन्तीनेवारी
(नदीसर्ज) अर्जुनकावृक्ष
(नन्दिवृक्ष) तुनि, वेलियापीपर
(नन्दक) तुनि
(नन्दितरु) धवई
(नन्दी) फरेंदा
(नवनीत) मक्खन

(ना)

(नागरमुस्तक) नागरमोथा
(नादेयी) अरणी, छोटी जामुन, जलवेत
(नागिनी) पान, नाग पुष्पी
(नागवल्लरी) पान
(नादेय) जलवेत
(नागवला) गुलसकरी
(नारायणी) सतावर
(नागपुष्पी) नागपुष्पी
(नाडीकपालक) सरहटी
(नागारि) बांझखकूसा
(नागदमनी) नागदमन
(नागपुष्पी) नागदमन
(नागपत्रा) नागदमन
(नारिकेर) नारियल
(नागरङ्ग) नारंगी
(नारङ्ग) नारंगी
(नाग) सीसा, अभ्रक जो अग्निमें छोड़ने से सर्प के समान फुंकार शब्द करताहै, सर्प, हाथी, भेंड़ा, सीसा, नागकेसर, नागवल्ली, नागदंती
(नागगर्भ) सिन्दूर
(नागजिह्विका) मैनसिल
(नाडिक) नारी, केरमुआँ
(नाडीक) पटुआ का शाक
(नाडीशाक) पटुआ का शाक
(नारङ्गवर्णक) गाजर
(नादेय) नदी का जल

(नि)

(निशाचर) भटेउर
(निर्मध्या) नलिकानाम से उत्तर देशमें प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तु विशेष
(निदिग्धिका) भटकटैया
(निम्ब) नींब
(निम्बक) बकाइन
(निम्बतरु) जलनींब
(निर्गुण्डी) नीलेफूलका सम्भालू
(निकुञ्चक) जलवेत
(निचुल) समुद्रफल
(निकोचक) ढेरा, अंकोल

(निशोत्रा) निसोथसफेद
(निकुम्भ) छोटी दत्यून, जमाल-गोटेकापेंड़
(निम्बुक) नींबू
(निम्बू) नींबू
(निम्बूक) नींबू
(निष्पाव) भटवांस
(निम्बूफलपानक) नींबूकापना

(नी)

(नीलपुष्प) भटोरा
(नीलदूर्वा) नीलीदूब
(नीली) नील
(नीलिनी) नील
(नीलिका) नील
(नीलपुष्पा) नील
(नीलीवृक्षाकृति) सरफोंका
(नीप) कदम
(नीला) कूजा
(नील) नीलम
(नीलपुष्पी) अलसी
(नीवार) तिन्नी
(नीलाण्डक) नीलेरंगकाहिरन
(नीलकण्ठ) मोर
(नीर) पानी
(नेत्रोपमफल) बादाम
(नेमि) तिनिश
(नेपाली) वसन्तीनेवारी, मेनसिल
(नेर्भर) झरनेकापानी
(न्यग्रोध) बरगद
(न्यग्रोधी) बरगद
(न्यंकु) बारहसिंहा
(पलाशी) एक प्रकार की सुगन्धित वस्तु कश्मीर देशमें प्रसिद्ध हे
(पत्राढय) तालीस
(परिपेलव) केवटीमोथा, जलमोथा
(पर्पटी) पापड़ी, चकवत
(पत्रोर्ण) सोनापाठा
(पञ्चमूलवृहत्) वेल,खंभारी,पाढरि, अरणी और सोना पाठा यह पांचो
(पलंकपा) गोखुरू, गूगुल, लाख
(पञ्चमूललघु) सरिवन्, पिठवन्, भटकटैया,बड़ीभटकटैया तथा गोखुरू यह पांचो
(पयस्विनी) जीवन्ती, डोंडी नाम शाक, विदारीकंद
(पञ्चांगुल) सफेद अरण्ड
(पर्पट) पित्तपापड़ा, पापड़
(पर्पटक) पित्तपापड़ा
(परिव्याध) जलवेत, अमलतास
(पयस्या) अर्कपुष्पी
(पर्णिका) मूसा करणी
(पद्म) कमल
(पङ्करुह) कमल
(पद्मिनी) जड़, नाल और पत्ते सहित कमल
(पद्मचारिणी) स्थल कमल
(पद्मा) स्थल कमल, भारंगी

(परिव्याध) कर्णिकार
(पर्णाश) घवई
(पलाश) गजदंड सहोरा, पलाश, पत्ता, गन्धपलाशी
(पर्कटी) पाकर
(पर्करी) पाकर
(पर्ण) पलाश
(पनस) कटहल
(पणस) कटहल
(पद्मकर्कटी) कमल गट्टा
(पद्मबीज) कमल गट्टा
(पद्माक्ष) कमल गट्टा
(पद्मबीजाभ) मखाना
(परापर) फालसा
(परुप) फालसा
(परूपक) फालसा .
(पयःप्रसादि) निर्मली
(पञ्चाम्ल) अमलवेत, चूकशाक, बड़ा जंभीरी निंबू, बिजौरा ये पांच
(पद्मराग) माणिक्य
(पवना) पुनेरा
(पलक्या) पालक
(पट्टशाक) पटुआ का शाक
(पत्राम्ला) चूक
(पर्णक) शिरियारी
(पटोलपत्र) परवलके पत्ते
(पटोल) परवल
(पर्यङ्कपट्टिका) सुवरासेम
(पल) मांस .
(पलल) मांस, तिलकुट गुड़ आदिसे युक्त कुटा हुआ तिल
(पक्षी) चिड़िया
(पतत्री) चिड़िया
(परमान्न) खीर
(पयस्) पानी, दूध

(पा)

(पाण्डुपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के समानसुगन्धितवस्तु विशेष
(पाटलि) पाढरि
(पाटला) पाढरि
(पाण्डु) वनउर्द, हरफा रेवड़ी, पिंडुकी
(पांशु) पित्तपापड़ा
(पारिभद्र) नींव, जलनींव, पारिजात, देवदारु
(पारिजातक) जलनींव
(पाण्डुरद्रुम) कुरैया
(पाठा) पाढर
(पापचेलिका) पाढर
(पाठिका) पाढर
(पालिन्दी) कालानिसोथ
(पारावत पदी) मसी, मालकांगनी
(पातालगरुड) पातालगरुडी
(पाशुपत) बड़ी मौलसिरी
(पादपोत्पल) कर्णिकार
(पारीष) गजदंड सहोरा
(पानीयामलक) पानि आँवला

(पानीयफल) मखाना
(पारद) पारा
(पांशुकाशीश) हीराकशीस
(पार्वती) अलसी
(पाण्डुक) शालि, परवल
(पाण्डुफल) परवल
(पांशुल) लवा
(पातर्णादी) मुर्गा
(पारावत) कबूतर
(पाठिन) पढ़िन मछली
(पायस) खीर
(पानीय) पानी
(पाथस्) पानी
(पाक्य) बिडनोन, कालानोन, ज-
वाखार
(पिकवल्लभ) आम
(पिङ्गला) कच्ची पीतल
(पिङ्गा) वंशपत्री
(पिञ्चट) वंग, लालरांगा
(पिचुमन्द) नींब
(पिचुमर्द) नींब
(पिच्छा) सेमरका गोंद
(पिच्छिल) लसोड़ा
(पिच्छिला) सीसव, सिरसई, सेमर
(पिण्ड) लोहा, बोल
(पिण्डपुष्प) अशोक
(पिण्डार) पिंडार
(पित्तल) पीतल
(पिनाक) अभ्रक जो अग्नि में छो-
ड़ने से पर्त्त २ अलग हो
जाता है
(पिप्पल) पीपर
(पिण्याक) तिलकी खली
(पिशित) मांस
(पिष्टिका) पिट्ठी
(पिसली) अमलोनियां
(पीतरोहिणी) गम्भारी
(पीवरी) सरियन्, सतावर
(पीतपुष्पा) सहदेई, खेखसा
(पीलुपर्णी) चिनार, कुन्दुरू
(पीतक) किंकिरात, गौड़देशमें
प्रसिद्ध
(पीतभद्रक) किंकिरात
(पीतशालक) विजयसार
(पीतसार) विजयसार
(पीतफेन) रीठा
(पीतफलक) सहोरा
(पीतन) अम्बार, अमरा
(पीलु) पीलू
(पीतरक्तक) गोमेद
(पीतपुष्प) कुम्हड़ा, तरोई
(पीनस्कन्ध) भैंसा
(पीतदारु) हल्दी, देवदारु, सरल
(पुण्डरीक) सफेदकमल, शालि
(पुत्रजननी) लक्ष्मणा, जिसमें बा-
लकोंके समान छोटे२
लालचिह्न होते हैं
(पुत्रजीव) पतोजिया
(पुण्ड्रक) मोतिया
(पुनर्नवा) सफेद गदहपुरैना

(पुष्पकाशीश) हीराकशीश
(पुष्कर) कमल
(पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा
(पुष्परसोद्भव) सहत
(पुष्पराग) पुखराज
(पुष्पांडक) शालि
(पुस्तशिम्बी) दूसरीसेम
(पुस्तकशिम्बिका) दूसरीसेम
(पूग) सहतूत
(पूगी) सुपारीकावृक्ष
(पूगीफल) छोटीसुपारी
(पूतिक) कांटेदार कंजा
(पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा
(पूरिका) पूड़ी
(पूर्णपारद) शिंगरफ
(पूरणी) सेमर
(पृथकपर्णी) पिथवन
(पृथु) हिंगुपत्री
(पृथुका) हिंगुपत्री
(पृथुक) चिउरा
(पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सुगन्धितवस्तु कश्मीरमें होती है
(पृथुरोमा) मछली
(पृथुशिम्ब) सोनापाठा
(पृथुशृङ्ग) दुम्बाभेंड़ा
(पृथ्वीका) हिंगुपत्री, कालाजीरा, बड़ी इलायची
(पृश्निपर्णी) पिठवन
(पृषत)चन्द्रचिन्हयुक्त चितला हिरन
(पेयूष) पेउस, जल्दकी व्यानी, गौका गाढ़ादूध
(पोटगल) नरकुल, कास
(पोतकी) पोय
(पोलिका) लुचुई, मैदेकी बारीक पूड़ी

(पौ)

(पौण्डर्य) पुण्डेरी
(पौण्डरीयक) पुण्डेरी
(पौर) रोहिस
(पौण्ड्रीक) लवा, पौंडा
(प्रकीर्य) कांटेदार कंजा
(प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी
(प्रतापस)सफेद मदार
(प्रतिविष्णुक) मुचकुन्द
(प्रतीक) परवल
(प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दत्यून वा चघरंडा, लाल लहचिचिरा
(प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दत्यून वा चघरंडा
(प्रदीपन) एक प्रकारका विप जो रक्तवर्ण और अग्नि के समानप्रभायुक्त होताहै
(प्रपानक) पना
(प्रपौण्डरीक) पुंडेरी
(प्रवाल) मूंगा
(प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही पक जाय
(प्रमोदिनी) जिंगनी

(प्ररोही) वेलिया पीपर
(प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी
(प्रसाधिका) तिन्नी
(प्रस्थपुष्प) मरुआ
(प्रहारवल्ली) रोहिणी
(प्रचीना) पाढ़र
(प्राचीनामलक) पानि आंवला
(प्राण) वोल
(प्रावृपायिणी) केवाच
(प्रियक) कदम, विजयसार, माल-कांगनी
(प्रियाल) चिरौंजी
(प्रियङ्करी) सफेद भटकटैया
(प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी
(प्रोप्ठी) सहरी, शफरी
(प्लक्ष) पाकड़
(प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा
(प्लवग) मेढ़क
(प्लीहशत्रु) सरफोंका

(फ)

(फंजी) भंगरैया
(फणिज्झक) मरुआ
(फणि) मरुआ
(फल्गु) कठियागूलर, कटूंभर
(फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा, आंवला
(फलपूरक) विजौरा
(फला) शमी
(फलाध्यक्ष) खिन्नी
(फलिनी) प्रियंगु
(फलेपुष्पा) गूमा
(फलेन्द्रा) फरेंदा
(फलेरुहा) पाढ़रि
(फाणित) राव
(फेनिका) वताशफेनी
(फेनिल) रीठा, वेर

(व)

(वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है, सुगन्धित शाक विशेष
(वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी
(वहुसुता) सतावर
(वलदा) असगंध
(वलभद्रा) त्रायमान
(वहुपत्रा) भुइँ आंवला
(वहुफला) भुइँ आंवला
(वहुवीर्या) भुइँ आंवला
(वन्ध्याकर्कोटकी) वांझखकसा
(वलामोटा) नागदमन
(वन्धुजीवक) दुपहरिया
(वन्धूक) दुपहरिया
(वहुमञ्जरी) तुलसी
(वहुपाद) वरगद
(वहुस्रवा) सलई
(वन्धूकपुष्प) विजयसार
(वहुशल्य) खयर
(वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरौंजी
(वहुवार) लसोड़ा
(वहुवारक) लसोड़ा
(वलि) गन्धक

(पुष्पकाशीश) हीराकशीश
(पुष्कर) कमल
(पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा
(पुष्परसोद्भव) सहत
(पुष्पराग) पुखराज
(पुष्पांडक) शालि
(पुस्तशिम्बी) दूसरीसेम
(पुस्तकशिम्बिका) दूसरीसेम
(पूग) सहतूत
(पूगी) सुपारीकावृक्ष
(पूगीफल) छोटीसुपारी
(पूतिक) कांटेदार कंजा
(पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा
(पूरिका) पूड़ी
(पूर्णपारद) शिंगरफ
(पूरणी) सेमर
(पृथकपर्णी) पिथवन
(पृथु) हिंगुपत्री
(पृथुका) हिंगुपत्री
(पृथुक) चिउरा
(पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सुगन्धितवस्तु कश्मीरमें होती है
(पृथुरोमा) मछली
(पृथुशिम्ब) सोनापाठा
(पृथुशृङ्ग) दुम्बाभेंड़ा
(पृथ्वीका) हिंगुपत्री, कालाजीरा, बड़ी इलायची
(पृश्निपर्णी) पिठवन
(पृषन) चन्द्रबिन्दुयुक्त चितला हिरन
(पेयूष) पेउस, जल्दकी व्यानी गौका गाढ़ादूध
(पोटगल) नरकुल, कास
(पोतकी) पोय
(पोलिका) लुचुई, मैदेकी वारीक पूड़ी

(पौ)

(पौण्डर्य) पुण्डेरी
(पौण्डरीयक) पुण्डेरी
(पौर) रोहिस
(पौण्ड्रीक) लवा, पौंडा
(प्रकीर्य) कांटेदार कंजा
(प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी
(प्रतापस) सफेद मदार
(प्रतिविष्णुक) मुचुकुन्द
(प्रतीक) परवल
(प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दत्यून वा चघरंडा, लाल लहचिचिरा
(प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दत्यून वा चघरंडा
(प्रदीपन) एक प्रकारका विष जो रक्तवर्ण और अग्नि के समानप्रभायुक्त होताहै
(प्रपानक) पना
(प्रपौण्डरीक) पुंडेरी
(प्रवाल) मूंगा
(प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही पक जाय
(प्रमोदिनी) जिंगनी

(प्ररोही) बेलिया पीपर
(प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी
(प्रसाधिका) तिन्नी
(प्रस्थपुष्प) मरुआ
(प्रहारवल्ली) रोहिणी
(प्रचीना) पाढ़र
(प्राचीनामलक) पानि आंवला
(प्राण) बोल
(प्रावृपायिणी) केवाच
(प्रियक) कदम, विजयसार, माल-
कांगनी
(प्रियाल) चिरौंजी
(प्रियङ्करी) सफेद भटकटैया
(प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी
(प्रोष्ठी) सहरी, शफरी
(प्लक्ष) पाकड़
(प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा
(प्लवग) मेढ़क
(प्लीहशत्रु) सरफोंका

(फ)

(फंजी) भंगरैया
(फणिज्झक) मरुआ
(फणी) मरुआ
(फल्गु) कठियागूलर, कटूंभर
(फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा,
आंवला
(फलपूरक) विजोरा
(फला) शमी
(फलाध्यक्ष) खिन्नी
(फलिनी) प्रियंगु
(फलेपुष्पा) गूमा
(फलेन्द्रा) फरेंदा
(फलेरुहा) पाढ़रि
(फाणित) राव
(फेनिका) वताशफेनी
(फेनिल) रीठा, वेर

(ब)

(वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित
वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है,
सुगन्धित शाक विशेष
(वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी
(वहुसुता) सतावर
(वलदा) असगंध
(वलभद्रा) त्रायमान
(वहुपत्रा) भुइँ आंवला
(वहुफला) भुइँ आंवला
(वहुवीर्या) भुइँ आंवला
(वन्ध्याकर्कोटकी) वांझखकसा
(वलामोटा) नागदमन
(वन्धुजीवक) दुपहरिया
(वन्धूक) दुपहरिया
(वहुमञ्जरी) तुलसी
(वहुपाद) वरगद
(वहुस्रवा) सलई
(वन्धूकपुष्प) विजयसार
(वहुशल्य) खयर
(वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरौंजी
(वहुवार) लसोड़ा
(वहुवारक) लसोड़ा
(वलि) गन्धक

(वलिरस) गन्धक
(वर्हीं) मोर
(वर्कर) बकरा
(वलीवर्द) बैल
(वलभद्रिका) उर्दकी रोटी
(वलवल्लभा) मद्य, शराब
(वाणा) कटसरैया
(वालजीवन) दूध
(वालपत्र) खयर, कत्था, जवासा
(वालीक) बगेरा
(वालुका) बालू
(वालेय) केवटी मोथा वा जलमोथा
(वीजक) विजयसार
(वीजगर्भ) परवल
(वीजपूरक) बिजौरा
(वेढमिका) बेढ़ई
(वोधिद्रु) पीपर
(वोल) इसी नाम से प्रसिद्ध औषधि
(वृहती) बड़ी भटकटैया, भटकटैया
(वृहत्पुष्प) कूजा
(वृहत्फल) कुम्हड़ा
(वृहल्लोणी) बड़ी लोनियां
(व्रध्र) सीसा
(ब्रह्मजट) दवना
(ब्रह्मदारु) सहतूत
(ब्रह्मपुत्र) कपिलवर्ण एक प्रकार का विष, जहर
(ब्रह्मरीति) कच्चीपीतलें
(ब्रह्मवृक्ष) पलाश
(ब्रह्मसुवर्चला) एकतरह का हुरहुर
(ब्राह्मी) ब्राह्मी
(ब्राह्मणी) सुगन्धित शाक विशेष, भारंगी

(भ)

(भद्रमुस्त) नागरमोथा
(भस्मगन्धा) रेणुका नाम सुगन्धित वस्तु विशेष
(भद्रपर्णी) गंभारी, गन्ध प्रसारणी
(भक्षटक) गोखुरू
(भद्रमुञ्ज) सर्पत
(भद्रा) गन्ध प्रसारणी
(भद्रतरणि) कूजा
(भण्डी) सिरसा
(भण्डिल) सिरसा
(भण्डीर) सिरसा, चौराई
(भस्मगर्भा) कपिलवर्णका तीसवें, सिरसई
(भयकण्टका) वेर
(भण्टाकी) बैंगन
(भद्र) बैल
(भक्कुर) भाकुर मछली
(भक्त) भात
(भाण्टिका) बैंगन
(भार्गवी) नीली दूब
(भिक्षु) मुंडी, तालमखाना
(भिन्दी) कटसरैया
(भिषड्माता) अरूसा, रूसा

(भिस्सा) भात
(भिस्साण्ड) भसींड़
(भीरु) सतावर
(भुजङ्ग भुक्) मोर
(भूकदम्बिका) महामुंडी
(भूतजटा) जटामासी
(भूतवास) बहेड़ा
(भूदरीभवा) मूसाकर्णी
(भूतावास) सहोरा
(भूतवृक्षक) लसोड़ा
(भूतिक) रोहिस
(भूतीक) भूतृण, कतृण, चिरायता
(भूनिम्ब) चिरायता
(भूपदी) बेला
(भूमिखर्जूरिका) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(भूमिच्छत्र) स्वेदजशाक जो पृथ्वी गोवर काष्ठ और वृक्षादिकोंपर उत्पन्न होताहै
(भूमिरस) ईख गन्ना
(भूमिवल्ली) भुई खेवसा
(भूमीसह) भुइँसहा
(भूम्यामलकी) भुई आँवरा
(भूरिफेना) सेंहुड़
(भूर्जचर्मी) भोजपत्र
(भूर्जपत्र) भोजपत्र
(भूस्तृण) भूतृण
(भृगुभवा) भारंगी
(भृङ्ग) तज, भंगरा, दालचीनी, भँवरा
(भृङ्गरज) भंगरा
(भृङ्गराज) भंगरा
(भृङ्गार) भंगरा
(भृङ्गवान्त) सहत
(भ्रमरोत्सव) मोतिया
(भेक) मेंढक

(म)

(महौषध) लहसन, सोंठि, विष
(महौषधि) सोंठि, ब्रह्ममाण्डूकी
(मरिच) मिर्च
(मयूर) अजमोद, तूतिया, लटजीरा
(मधुरा) सेवा
(मन्था) मेथी
(मत्स्यगन्धा) दूसरीहाऊबेर, मछेछी, जलपीपरि,
(मंगल्या) वच, गोरोचन
(मधुरशृंग) जीवक
(मणिच्छिद्रा) मेदा
(महामेदा) महामेदा
(मधुक) मुलहठी
(मधूलिका) मुलहठी जो पानी में पैदा होती है, चिनार
(मत्स्यपित्ता) चिरायता
(मत्स्यशकला) चिरायता
(मर्दन) मैनफल
(मरुवक) मैनफल
(मयूर निदला) मैनफल
(मञ्जिष्ठा) मंजीठ
(मञ्जूषा) मंजीठ

(मण्डूकपर्णी) मंजीठ, ब्रह्ममाण्डूकी
(मलयज) सफेद चन्दन
(मस्तदारु) देवदारु
(मधुप) तगर
(महिपाक्ष) गूगुर
(महिलाह्वया) प्रियंगु
(मरुन्माला) सुगन्धितशाक विशेष
(मधुपर्णी) गिलोय, गंभारी, नील, सुदर्शन
(मंडली) गिलोय
(मधुरसा) गंभारी, चिनार, दाख
(महाकुसुमिका) गंभारी
(मधुदूती) पाढरि
(मण्डूकपर्णी) सोनापाठा
(महती) बड़ी भटकटैया
(महोष्ट्री) बड़ी भटकटैया
(मधुस्रवा) जीवन्ती डोंडी नाम शाक
(मंगल्या) जीवन्ती डोंडी नाम शाक, शमी, मसूर
(महासहा) वनउर्दी
(मधुरगण) अष्टवर्ग, मुलहठी, जीवन्ती, वनमूंग और वनउर्द यह सब
(मन्दार) मदार सफेद, जलनींब
(महामोही) धतूरा
(मदन) धतूरा, मैनफल, मोम
(महानिम्ब) बकाइन
(मधुशिग्रु) लाल सहिंजन
(मल्लिकापुष्प) कुरैया
(मर्कटी) डहरकंजा, केवांच, लटजीरा
(महाबला) सहदेई
(मस्कर) बांस
(मत्स्याक्षी) गांडर, मछेछी
(महाशतावरी) सतावर बड़ी
(महोदरी) महासतावर
(मसूरविदला) काला निसोथ
(मकूलक) छोटी दत्यून, जमालगोटेका पेंड़
(महाफला) बड़ी इन्द्रायन
(महाश्रावणिका) महामुण्डी
(मयूरक) लटजीरा, तूतिया
(मर्कट) लटजीरा
(मधुश्रेणी) चिनार
(महामूल) पातलगरुडी
(मत्स्यादनी) मछेली, जलपीपरि
(महायोगेश्वरी) नागदमन
(मयूरशिखा) मोरशिखा
(मधुच्छदा) मोरशिखा
(महोत्पल) कमल
(मकरन्द) कमलकारस
(महाकुमारी) सेवतीगुलाब
(मधुगन्ध) मौलसिरी
(महासहा) कूजा
(मल्लिका) वेला
(मदयन्ती) वेला
(मण्डूक) मोतिया
(महासह) वाणपुष्प, गौड़देश प्रसिद्ध

(मरु) मरुआ
(मरुत्) मरुआ
(मरुत्रक) मरुआ, मरसा, मैनफल
(मलयू) कठियागूलर, कठूंभर
(मरिचपत्रक) शालभेद एक तरह का साखू
(महेरुणा) सलई
(मरुभूरुह) करील
(मधुरेणु) कटभी
(मधुदूत) आम
(मर्कटाम्र) अम्बार, अमरा
(महोन्नत) ताड़
(मर्कटतिन्दुक) कुचलेकावृक्ष
(महाजम्बू) फरेंदा
(महाफला) फरेंदा, कड़वीलौकी, घियातरोई
(मधुपुष्प) महुआ, वनमहुआ
(मधुष्ठील) महुआ, वनमहुआ
(मधुस्रव) महुआ, वनमहुआ
(मधूक) महुआ, वनमहुआ
(मधूलक) जलमें होनेवाला महुआ
(मधुर) मधुककड़ी, बिजौराभेद
(मधुकर्कटी) मधुककडी, बिजौरा भेद
(महारजत) सोना
(मण्डूर) कीटी, तपायेहुये लोहेका मल
(मधुधातु) सोनामक्खी
(मधुमाक्षिक) सोनामक्खी
(महारस) पारा
(मनोगुप्ता) मैनसिल
(मनोह्वा) मैनसिल
(मनःशिला) मैनसिल
(मणि) रत्न
(मणिवर) हीरा
(मरकत) पन्ना
(मंजुमणि) पुखराज
(मधूली) छोटागेहूं जो मध्यदेशमें होताहै
(महागोधूम) बडागेहूं जो पश्चिम देशमें होताहै
(महामाष) बोंडा, लोबिआ
(मकुष्ठ) मोठ, मोथी
(मकुष्ठक) मोठ, मोथी
(मंगल्यक) मसूर, मसुढ़ी
(मसूर) मसूर, मसुढ़ी
(मसूरिका) मसूर, मसुढ़ी
(महाशालि) शालि
(महिषमस्तक) शालि
(महाषष्टिक) सांठी
(मन्त्री) हुरहुर
(महाकोशातकी) घियातरोई
(महाजाली) खेखसा
(मरुसम्भव) मूली
(महापत्र) मानकेचू
(मत्स्य) मछली
(मयूर) मोर
(मण्डूकी) मेढ़क
(महिष) भैंसा
(महाशफर) पपता मछली

(मंगुरी) मंगुरी मछली
(मण्डा) मंडा लोई
(मठ) माठ बालूसाही
(मस्तु) दही का तोड़
(मथित) मलाई रहित जलयुक्त मट्ठा
(मद्य) शराब
(मदिरा) शराब
(मक्षिकावान्त) सहत
(मधु) पुष्परस, मद्य
(मदनक) सहत
(मधूच्छिष्ट) सहत
(मधूषित) सहत
(मधुशेष) सहत
(मध्वाधार) सहत
(मथन) सहत
(मधुतृण) ईख,गन्ना
(मत्स्यण्डी) खाड़
(मधूलिक) मरोरफली, मुलेहठी
(मालूर) बेल
(मार्जारगंधिका) वनमूंग
(माषपर्णी) वनउर्दी
(मातुल) धतूरा
(मातुलपुत्रक) धतूरे का फल
(मांसरोहिणी) रोहिणी
(मालातृणक) भूस्तृण
(मार्कव) भंगरा
(मांगल्यकुसुमा) शङ्खपुष्पी
(माण्डुकी) ब्रह्ममाण्डुकी
(मार्कण्डिका) भुइंखेकसा
(मार्कण्डी) भुइँखेकसा
(मालती) चमेली
(माधवी) मोतिया
(माध्य) कुन्द
(माध्याह्निक) दुपहरिया
(मारुतक) मरुआ
(मांगल्य) रीठा
(माकन्द) आम
(माखान्न) मखाना
(मातुलुंग) बिजौरा
(माक्षिकधातु) सोनामक्खी
(माणिक्य) माणिक्य
(मालवा) पोय
(मारिष) मरसा
(मार्ष) मरसा
(मानक) मानकंचू
(मांस) मांस
(माहेयी) गौ
(मांसशृंगाटक) एकप्रकारसे बना-
थागया मांस
(माक्षिक) सहत
(माध्वीक) सहत
(मिरा) मद्य, शराब
(मिश्रक) एक प्रकारका रांगा वंग
(मीन) मछली

(मु)

(मुस्त) मोथा
(मुस्तक) मोथा
(मुरा) मरोरफली
(मुष्कक) घण्टा पाढरि
(मुद्गपर्णी) वनमूंग

(मुष्टि) वकाइन
(मुञ्ज) मूंज
(मुञ्जातक) मूंज
(मुशली) मुसली
(मुण्डी) मुण्डी, हिरन जिसके सींग न हों
(मुण्डतिका) मुण्डी
(मुक्तबन्धना) वरसाती वेल
(मुचकुन्द) मुचकुन्द
(मुनिद्रुम) अगस्त्य
(मुनिपुष्प) अगस्त्य
(मुनिपुत्र) दवना
(मुखप्रिय) नारंगी
(मुष्टिप्रमाण) सेव
(मुक्ता) मोती
(मुक्ताफल) मोती
(मकुष्ठक) मोठ, मोथी
(मुकुन्दक) सांठी
(मुनिनिर्मित) टिंडा
(मुद्गमोदक) मूंग के लड्डू
(मूर्वा) चिनार, मरोरफली, कुंदुरू
(मूलकपोतिका) मूली
(मृक्षण) मक्खन
(मृगाक्षी) वड़ी इन्द्रायन
(मृगादनी) वड़ी इन्द्रायन
(मृगैर्वारु) वड़ी इन्द्रायन
(मृणाल) कमल की डंडी
(मृणालमूल) भसींड़
(मृतालक) सोरठी मट्टी
(मृत्स्ना) सोरठी मट्टी
(मृदुच्छदा) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(मृदुच्छद) कुकुरोंधा
(मृदुपुष्प) सिरसा
(मृदुरेचनी) भुइँ खेक्सा
(मृदुला) सुलेमानी पिंड खजूर
(मृद्वीका) मुनक्का

(मे)

(मेघनाद) चौराई, मोर
(मेघराव) मोर
(मेढ) भेंड़ा
(मेढ्र) भेंड़ा
(मेष) भेंड़ा
(मेदः पुच्छ) दुंबा भेंड़ा
(मेदो गला) खेत की लज्जावन्ती
(मेषवल्ली) मेढ़ा सींगी
(मेषशृंगी) मेढ़ा सींगी
(मैरेय) शराव

(मो)

(मोक्षक) घण्टापाढरि, पलाश के समान पहाड़ी वृच
(मोचक) सहिंजन
(मोरटा) चिनार
(मोहिनी) वटपत्री
(मोचा) सेमर, केला
(मोचनिर्यास) सेमर का गोंद
(मोचरस) सेमर का गोंद
(मोचास्राव) सेमर का गोंद
(मोक्ष) पलाश के समान पहाड़ीवृक्ष
(मोचिका) मोचिका मछली

(मोरट) फटे हुये दूध का पानी
(मौक्तिक) मोती
(म्लेच्छ) सिंगरफ
(म्लेच्छमुख) तांबा

(य)

(यवफल) कुरैया, बांस
(यज्ञभूषण) कुश
(यवास) जवासा
(यज्ञाङ्ग) गूलर
(यज्ञिय) खयर, पलाश
(यष्टीपुष्प) पतौजिया
(यसद) जस्ता
(यव) जौ, जिसकी नोक सफेद होतीहै
(यवशाक) वथुई
(यवानीशाक) अजवाइनका शाक
(यमवाहन) भैंसा
(यामुन) सुरमा
(यास) जवासा
(युगपत्रक) कचनार
(यूथिका) जूही
(योगीश्वरी) वाँझखेखसा
(योगेष्ट) सीसा

(र)

(रञ्जना) पापड़ी, चकवत
(रसायनी) गिलोय
(रक्तपुष्प) लालमदार
(रम्यक) वकाइन्
(रक्तिका) लालघोंघची
(रथशीत) बेत
(रक्तफला) स्वर्णवल्ली, कुंदुरू
(रसा) पाढर, सलई, रास्ना
(रञ्जनी) नील
(रक्तपुष्पा) लालगदहपूरना, सिन्दूरिया, सेमर
(रक्तपारी) लज्जावन्ती
(रविप्रीता) हुरहुर
(रक्त) दुपहरिया
(रक्तबीजा) सिंदूरिया
(रक्तफल) वरगद
(रक्तसार) खयर, करथा, लालचन्दन, पतंग
(रक्तवीज) रीठा
(रक्तपुष्पक) पलाश
(रथद्रु) तिनिश
(रसाल) आम
(रजत) रूपा, चांदी
(रविप्रिय) तांबा
(रक्तरेणु) सिंदूर
(रसधातु) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, बालरोग, विप, जल
(रसेन्द्र) मांस, द्रवपदार्थ, ईखका रस, पारा, मधुरादिक छः, वालरोग, विप, जल
(रस) मांस, द्रवपदार्थ, ईखकारस, पारा, मधुरादिकछः, बालरोग, विप, जल
(रङ्गदा) फिटकरी

(रक्तधातु) गेरू, सुनहरी गेरू
(रसक) तूतियाभेद, खपरिया
(रक्तदायक) मुर्दासिंग
(रत्न) रत्न
(रक्तशालि) शालि, धान
(रक्तवर्द्धन) कबूतर
(रजस्वल) भैंसा
(रसाला) सिखरन

(रा)

(राजपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के समान सुगन्धित वस्तु विशेष
(राष्ट्रिका) बड़ी भटकटैया
(राजबला) गन्धप्रसारणी
(रामदूतिका) नागपुष्पी
(राजीव) कमल
(राजपुत्रिका) चमेली
(राजपुत्रक) राजाम्र
(राजाम्र) राजाम्र
(राजजम्बू) फरेंदा
(राजादन) चिरोंजी, खिन्नी
(राजन्या) खिन्नी
(राजरीति) कच्ची पीतल
(राजावर्त्त) रेवटी
(राजमाष) बोंड़ा, लोबिआ
(राजशिम्बि) भटवास
(राजिका) राई
(राजी) राई
(राजकोशातकी) तरोई
(राजिमत्फला) तरोई
(राजीफल) परवल
(राजेय) परवल
(राजकसेरुक) कसेरू
(रीति) पीतल
(रुचक) बिजौरानींबू, कालानिमक
(रुबू) लालरेंड़
(रुबूक) सफेद तथा लालरेंड
(रुहा) नीलीदूब, मांस रोहिणी
(रूप्य) चांदी
(रेचनी) निसोथ सफेद, वटपत्री
(रेणुका) मिर्च के समान एकतरह की सुगंधित वस्तु
(रेतजा) बालू
(रोगाह्वय) कूट
(रोचन) कबीला, कालासेमर गोरोचन
(रोचना) गोरोचन, हल्दी
(रोचनी) चूक
(रोऊ) हरिन
(रोटिका) रोटी
(रोदिनी) जवासा
(रोमक) सांभरनोन
(रोमशफल) टिंडा
(रोमशूक) कुकरौंधा
(रोहिणी) हड़, कुटकी
(रोहित) रोहू मछली जिसके सब अंग लाल हों और पूंछ काली हो
(रोहितक) लालकचा
(रोहिष) रोहिस

(रोही) लालकंजा
(रोहीतक) लालकंजा

(ल)

(लता) प्रियंगु, सुगन्धित शाक विशेष, गोरी सांव,
(लव) खसके समान पीले रंगका एक तृण
(लघु) खसके समान पीले रंगका एक तृण, सुगन्धित शाक विशेष
(लङ्कोपिका) सुगन्धितशाक विशेष
(लक्ष्मणा) सफेद भटकटैया
(लगुड) लालकनेर
(लक्ष्मणा) इसी नामसे प्रसिद्ध है इसमें बालकों के समान छोटे२लाल चिह्न होतेहैं
(लघुदन्ती) दस्तून, जामालगोटे का पेड़
(लज्जालु) लज्जावन्ती
(लघुपुष्पा) सुवर्णकेतकी एक तरह का केवडा
(लक्ष्मी) शमी
(लकुच) बड़हल
(लवली) हरफारेवड़ी
(लघुमूलक) मूली, मुरई
(लजाशूक) मसौड़
(लम्बकर्ण) खरगोश
(लप्सिका) लप्सी
(लक्ष्मी) ऋद्धि, वृद्धि, शमी
(लाक्षा) सेवती गुलाब
(लांगली) करियारी, केवांच, जलपीपरि
(लाजा) खील, धानके लावा
(लामज्जक) खसके समान एकप्रकार का पीला तृण
(लिकुच) बडहल
(लुलाय) भैंसा
(लेखनी) खड़िया
(लेखपत्र) ताड़
(लोचमस्तक) अजमोद
(लोणा) छोटी लोनियां
(लोणिका) लोनियां, चूकका शाक
(लोणी) छोटी लोनिया
(लोध्र) लोध
(लोध्रपुष्पक) शालि
(लोमकर्ण) खरगोश
(लोमशपर्णी) वन उर्दी
(लोमशा) वच
(लोह) अगर, लोहा
(लोहकर्षक) चुंबक पत्थर
(लोहित) माणिक्य
(लोहितपुष्पक) अनार
(लोहसिंहानिका) कीटी, तपायेहुये लोहे का मल

(व)

(वयस्था) हड़, गिलोय
(वरा) त्रिफला अथवा हड़, बहेड़ा, आमला
(वशिर) गजपीपल, पांगानोन

(वचा) वच
(वह्निज्वाला) धवई
(बर्हिबर्ह) कुकुरौंधा
(वत्सादनी) गिलोय
(वनशृंगाट) गोखुरू
(वर्धमान) सफेद अरण्ड
(वसुक) सफेद मदार, खारीनोन
(वज्री) सेहुंड़ा
(वज्रद्रुम) सेहुंड़ा
(वह्निचक्रा) करिहारी
(वरतिक्त) पित्तपापड़ा
(वत्सक) कुरैया
(वञ्जुल) वेत, अशोक, तिनिश
(वत्सगन्धाकृति) लक्ष्मणा इस में बालकोंके समान छोटे २ लाल चिह्न होते हैं
(वंश) बांस
(वर्हि) कुश
(वदरा) विदारीकन्द, वाराहीकन्द. हुरहुर, कालानोन
(वरी) सतावर .
(वरदा) असगंध, हुरहुर, गैंठी
(वरतिक्तिका) पाढर
(वशिर) लाल लटजीरा, गजपीपल समुद्र का नोन
(वज्रांगी) हरसिंगार
(वन्दा) बांदा
(वटपत्री) वटपत्री
(वंशपत्री) वंशपत्री
(वकुल) मौलसिरी
(वक्र) बड़ी मौलसिरी
(वसु) बड़ी मौलसिरी
(वर्णपुष्प) वाणपुष्प
(वङ्गसेन) अगस्त्य
(वर्वरी) वबई
(वटपत्र) सफेद ववई
(वट) वरगद
(वनस्पति) वरगद, बेलिया पीपर
(वल्लकी) सलई
(वव्बूल) ववूल
(वरण) वरना
(वरुण) वरना
(वरदारु) भुईसहा
(वदरी) बेर
(वदर) बेर, सेव
(वङ्ग) लाल रांगा
(वप्र) सीसा
(वज्र) अभ्रक जो अग्नि में डालने से वज्रकी तरहबनारहै बिगड़े नहीं, हीरा
(वराह) मुर्दासिंग
(वत्सनाभ) मीठा तेलिया, एकप्रकार का विष
(वल्लक) भटबांस
(वनमुद्ग) मोठ, मोथी
(वर्त्तुल) मटर, केराव
(वरटा) बर्रे, कुसुम्भ के बीज
(वराट्रिका) बर्रे, कुसुम्भ के बीज
(वर्त्तक) बटेर

(वर्त्तका) एक प्रकार का वटेर
(वर्त्तिका) वटेर
(वर्त्ति) वगेरा
(वस्त) वकरा
(वर्मि) वांव मछली
(वटका) वड़ा वरा
(वटिका) वरी
(वन) पानी
(वटीवान्त) सहत
(वारिद) मोथा
(वार्ताकी) वड़ी भटकटैया
(वातारि) सफेद अरण्ड, लाल-अरण्ड
(वासक) अरूसा
(वासिका) अरूसा
(वाजी) घोड़ा
(वासा) अरूसा
(वाजिदन्ता) अरूसा
(वायसी) डहरकंजा, मकोय
(वानीर) वेत
(वाट्यालिका) वरियारा
(वाट्या) वरियारा
(वाट्यालक) वरियारा
(वाण) सरपत, मूंज
(वाराहीकन्द) गेठी
(वाराहवदना) वाराहीकन्द, या, गेंठी
(वाजिनामा) असगन्ध
(वाराहकर्णी) असगन्ध
(वाराहांगी) छोटी दत्यून, जमाल गोटे का पेड़
(वारुणी) इन्द्रायन
(वाह्लिका) मछेछी, केशर, हींग
(वारिपर्णी) पुरइन्
(वासन्ती) मोतिया
(वातहर) पलाश
(वारणा) केला
(वानप्रस्थ) महुआ, वनमहुआ
(वातवैरी) वादाम
(वाताद) वादाम
(वाचस्पतिवल्लभ) पुखराज
(वास्तुक) वथुई
(वास्तूक) वथुई
(वाष्पक) मरसा
(वास्तुकाकारा) पालक
(वार्त्ताकु) वैगन
(वाराही) वाराहीकन्द
(वार्त्तीक) वगेरा
(वाह) घोड़ा
(वार) पानी
(वारि) सुगन्धवाला
(वारुणी) मद्य, शराव

(वि)

(विष्वक्सेना) प्रियंगु
(विद्रुमलता) नलिका नाम उत्तर देश में प्रसिद्ध सुगन्धि वस्तु विशेष
(विशल्या) गिलोय, छोटी दन्ती, करिहारी
(विल्व) वेल

(विदारिगन्धा) सरिवन्
(विकीर्णक) लाल मदार
(विमला) सेहुंडभेद
(विदुला) सेहुंडभेद
(विशल्या) करिहारी
(विपमुष्टिक) वकाइन्
(विष्णुक्रान्ता) विष्णु कान्ता
(विकसा) रोहिणी
(विदुल) वेत
(विदारी) विदारीकन्द, गेंठी
(विशाला) बड़ी इन्द्रायन
(विपाणी) मेढ़ासींगी
(विक्षीरिणी) दूधी
(विपकण्टकिनी) बांझ खेकसा
(विपघ्नी) पीली सोनैया
(विपापहा) नागदमन
(विसप्रसून) कमल
(विस) कमल की डंडी
(विमुक्त) मोतिया
(विनीत) दवना
(विट् खदिर) दुर्गन्धित खयर
(विशालत्वक्) छितवन
(विपमच्छद) छितवन
(विल्व) वेल
(विल्वकर्कटी) वेलका कच्चा फल
(विल्वपेशिका) वेलका कच्चा फल
(विपतिन्दुक) कुचले का वृक्ष
(विपमा) वेर
(विकङ्कत) कँटाई
(वितुन्नक) तूतिया, धनियां
(विद्रुम) मूंगा
(विप) जहर
(विपघ्न) चौराई
(विम्बी) कुंदुरू
(विम्बिका) कुंदुरू
(विपमुष्टि) करेरुआ
(विस्र) मूली
(विसार) मछली
(विलेशय) खरगोश
(वि) पक्षी
(विकिर) पक्षी
(विष्किर) पक्षी
(विहग) पक्षी
(विहङ्ग) पक्षी
(विहङ्गम) पक्षी
(विश्वा) सोंठ, अतीस

(वी)

(वीरवती) रोहिणी
(वीरतरु) वरवेल, अर्जुन, वीरण, सरपत
(वीर) अर्जुनकावृक्ष, वीरण
(वीरवृक्ष) अर्जुनकावृक्ष
(वीरसेन) आलू
(वेणी) सोनैया
(वेणु) वांस
(वेणुपत्री) वंशपत्री
(वेतस) वेत
(वेधमुख्य) कचूर
(वेधमुख्या) कस्तूरी
(वेल्ल) वायविडंग

(वेल्लज) मिर्च
(वेल्लन्तर) बरवेल, वीरतरु
(वेशनवटिका) पकौड़ी
(वैजयन्तिका) अरणी
(वैदल) मूंगआदि शिंबीधान्य
(वैदूर्य) वैदूर्य
(वैश्रवणावास) वरगद
(वैसारिण) मछली
(वृक्षक) कुरैया
(वृक्षभक्ष्या) वांदा
(वृक्षरुहा) वांदा
(वृक्षादनी) वांदा
(वृक्षाम्ल) विषांबिल
(वृत्तकोश) सोनैया
(वृत्तपुष्प) कदम
(वृत्तफल) लाल लटजीरा, लहचिचरा
(वृत्ता) रोहिणी
(वृन्ताक) वैंगन
(वृष) अरूसा, रूसा, वैल
(वृषकेतु) लाल गदहपुरैना
(वृषभ) वैल
(वृषा) वड़ी दत्यून, वघरण्डा
(वृष्णि) भेंड़ा
(व्याघ्रपुच्छ) लाल अरण्ड
(व्याघ्री) भटकटैया

(श)

(शटी) कचूर, गन्धपलाशी, एकप्रकार की सुगन्धित वस्तु कश्मीर देशमें प्रसिद्ध है
(शक्रपुष्पी) करिहारी
(शतकुम्भ) सफेद कनैर
(शक्रशाखी) कुरैया
(शतपर्वा) वांस, कलगी, दूब, वच
(शतफली) वांस
(शर) सरपत
(शरी) मोथीतृण विशेष
(शतपर्विका) नीलीदूब
(शष्प) नीलीदूब
(शतवल्ली) नीलीदूब
(शतवीर्या) सफेददूब, सतावर
(शकुलाक्षक) गांडर
(शतावरी) सतावर
(शतपदी) सतावर
(शतमूली) महासतावर
(शम्बरी) वड़ी दत्यून, वघरण्डा
(शरपुङ्ख) शरफोंका
(शणपुष्पी) सनपुष्पी
(शणपुष्पसमाकृति) सनपुष्पी
(शङ्खपुष्पी) शङ्खपुष्पी
(शङ्खाह्वा) शङ्खपुष्पी
(शमीपत्रा) लज्जावन्ती
(शकुलादनी) जलपीपरि, कुटकी
(शतपत्र) कमल
(शतपत्री) सेवतीगुलाव
(शस्यशम्वर) शाल, साखू
(शल्लकी) सलई
(शक्तुफला) शमी
(शमी) शमी
(शमीर) छोटी शमी

(शतवेधि) अमलवेत
(शस्त्रक) लोहा
(शर्करा) वालू, चीनी
(शमीज) शिम्बीधान्य, मूंगआदिक
(शणपुष्पिका) अरहर
(शकुनाहृत) शालि
(शतपुष्पा) सांठी
(शफरी) अमलोनियाँ
(शतवेधिनी) चूक
(शङ्खधरा) हुरहुर
(शकुली) मछली
(शश) खरगोश
(शल्यक) साही
(शकुनि) पत्ती
(शष्कुली) सौरीमछली, सोहारी
(शर्करोदक) शर्वत

(शा)

(शालपर्णिका) मरोरफली
(शालपर्णी) सरिवन्
(शाकश्रेष्ठा) जीवन्ती, डोंडी नाम शाक
(शातला) सेहुंड़भेद
(शारिवा) कालीसाव
(शारदी) जलपीपरि, सारिवा
(शालूक) कमलकीजड़, भसींड़
(शारदा) स्थलकमल
(शाल) शाल, साखू, शालभेद
(शाल्मलि) सेमर
(शाल्मलीवेष्टक) सेमरकागोंद
(शाखोट) सहोरा
(शारद) छितवन
(शाण्डिल्य) वेल
(शातकुम्भ) सोना
(शाकराट्) वथुई
(शाल्मलीपुष्पशाक) सेमरके फूल का शाक
(शालमर्कटक) मूली, मुरई
(शालेय) मूली, मुरई

(शि)

(शिवप्रिय) धतूरा
(शिग्रु) सहिजन
(शिवि) मोथी नाम तृण विशेष
(शिलाटिका) लाल गदहपूरना
(शिवा) भुंई आंवला, शमी
(शिवमल्ली) वड़ी मौलसिरी
(शिरीष) सिरसा
(शिशपा) सीसवँ, सिरसई
(शिरीषिका) जल शिरस
(शिखिग्रीव) तूतिया
(शिलाजतु) शिलाजीत
(शिवाह्वय) पारा
(शिववीर्य) पारा
(शिला) मैनसिल, शिलाजीत, गेरू
(शिंवीज) शिंवीधान्य मूंग आदिक
(शिवीभद्र) शिंबीधान्य मूंग आदिक
(शितिवर) सिरिआरी
(शितिसार) सिरिआरी
(शिखी) सिरिआरी
(शिग्रुपुष्प) सहिजन का फूल

(शिम्बि) सेम
(शिम्बी) सेम
(शिलीन्ध्रक) स्वेदजशाक जो पृथ्वी गोबर काष्ठ और वृक्षादिकों पर उत्पन्न होताहै
(शिखण्डिक) मुर्गा
(शिखण्डी) मोर
(शिखावल) मोर
(शिखी) मोर
(शीघ्रा) छोटी दत्यून, जमाल गोटे का वृक्ष
(शीत) लसोड़ा
(शीतफल) पीलू
(शीतभीरु) वेला
(शीत शिव) सेंधानमक, सौंफ
(शीर्ण) कुकुरौंधा
(शुकच्छद) कुकुरौंधा
(शुकतरु) सिरसा
(शुकतुण्डक) पीलेरंगका सिंगरफ
(शुकनास) सोना पाठा
(शुकप्रिय) सिरसा
(शुकपुष्प) कुकुरौंधा
(शुकनई) कुकुरौंधा
(शुक्लफल) लालमदार
(शुक्लोपाङ्ग) मोर
(शुभ्रा) फिटकरी
(शुल्व) तांबा
(शुषिरा) पंवारी उत्तर देश में नालिका नामसे प्रसिद्ध
(शूकशिम्बी) केवांच
(शून्यमध्य) नरकुल
(शूलघ्नी) तुलसी
(शूली) खरगोश
(शूल्य) लोह शलाकामें लपेट कर भूनागया मांस

(शे)

(शेफाली) नीले फूल का संभालू
(शेलु) लसोड़ा
(शैलधातुज) शिलाजीत
(शैलनिर्यास) शिलाजीत
(शैलूप) वेल
(शैवल) सेवार
(शैवाल) सेवार
(शोणपुष्पक) कचनार
(शोणरत्न) माणिक्य
(शोथघ्नी) सफेद तथा लाल गदह पुरैना
(शोभाञ्जन) सहिंजन
(शोपण) सोना पाठा
(शौक्तिक) मोती
(शौण्डी) पीपरि
(शृङ्गवेर) सोंठ, अदरख
(शृङ्गवेरामूलक) गन्धपटेर
(शृङ्गाटक) सिंघाड़ा
(शृङ्गिक) सींगिया विष, जिस विष को गौके सींग में बांधने से दूध लाल होजाता है
(शृङ्गी) काकड़ा सींगी, अतीस, सींगी मछली

(श्यामक) रोहिस
(श्यामा) प्रियंगु, काला निसोथ, काली सांव, गोरी सांव, सीसव, सारिवा
(श्येनघण्टा) छोटी दत्यून, जमालगोटे का वृक्ष
(श्योनाक) सोनापाठा
(श्रवणशीर्षक) मुंडी
(श्रवणाह्वा) मुंडी
(श्राद्धशाक) केरमुआँ, नारी
(श्रावणी) मुंडी
(श्रीपदी) बरसाती बेल
(श्रीपर्णी) गंभारी, अरणी, कायफल
(श्रीफल) बेल
(श्रीफली) नील
(श्रीमान्) तिलक
(श्रीवारक) सिरियारी
(श्रेयसी) हड़, रास्ना, गजपीपल
(श्लेष्मान्तक) लसोड़ा
(श्वदंष्ट्रा) गोखुरू
(श्वावित्) साही
(श्वेनपुष्प) सफेद मदार, कटसरैया
(श्वेतपुष्पा) बड़ी इन्द्रायन, नागपुष्पी
(श्वेतमरिच्च) सहिंजन के बीज
(श्वेतमूला) सफेद गदहपुरैना
(श्वेतराजि) चिचिंडा
(श्वेतशिम्बिक) भटवांस
(श्वेतसार) पपड़िया खैर
(श्वेता) फिटकरी
(श्वेतार्क) सफेद मदार

(ष)

(षड्ग्रन्था) गंधपलाशी, एक सुगंधित वस्तु जो कश्मीर में प्रसिद्ध है, वच, डहर
(षट्पदा) बरसाती बेल
(षष्ठिक) साठी

(स)

(समुद्रान्ता) सुगन्धित वस्तु विशेष, कपास, जवासा
(सहा) वनमूंग, ककही, सेवती, गुलाब
(सदापुष्प) सफेद तथा काला मदार, कुन्द
(समन्तदुग्धा) सेहुंड़ा
(सप्तला) सेहुंड़भेद, वसंती नेवारी
(सहदेवी) सहदेई
(सहस्रवीर्या) नीलीदूब, महासतावर
(सर्वानुभूति) निसोथ सफेद
(सरला) निसोथ सफेद
(सरणी) गन्धप्रसारणी
(सर्पाक्षी) सरहटी
(समंगा) लज्जावन्ती, छुई मुई, मंजीठ
(सरस्वती) ब्राह्मी
(सहस्राहि) मोरशिखा
(सहस्रपत्र) कमल
(सरसीरुह) कमल
(संवर्तिका) कमल के नवीन पत्ते

(सहाचर) कटसरैया
(सहचर) कटसरैया
(समीरण) मरुआ
(सर्ज) शाल, साखू
(सर्जक) शालभेद एक तरह का साखू विजयसार
(सपीतक) बबूल
(समिद्वर) पलाश
(सप्तपर्ण) छितवन
(सहकार) आंम
(सदाफल) नारियल
(सन्नकद्रु) चिरौंजी
(सहस्रनुत) अमलवेत
(सक्तुक) एक प्रकार का विप जिस की गांठ सत्तूके समान चूर्ण से पूर्ण
(सकलप्रिय) चना
(सतीनक) मटर, केराव
(सर्षप) सरसों
(सरबीज) सरबीज
(सप्ति) घोड़ा
(सपादमत्स्य) टेंगरा मछली
(सहदक) सेहुड़क सद्वासु
(सम्पात्र) पिणाक, गोझिया
(सक्तु) सत्तू
(सलिल) पानी
(सन्तानिका) मलाई
(सर) दहीकी मलाई, साढ़ी
(सरज) मक्खन
(सर्पिस्) घी
(सहस्रवेधी) अमलवेत, कस्तूरी, हींग
(सारघ्य) सहत
(सारणी) गन्धप्रसारणी
(सारस) कमल
(सारा) एक प्रकार का सेहुंड़

(सि)

(सिंहपुच्छी) पिठवन्
(सिंही) बड़ी भटकटैया, वासा
(सिंहतुण्ड) सेहुँड़ा
(सिंहिका) अरूसा
(सिंहास्य) अरूसा
(सिंहपर्ण) अरूसा
(सिन्दुवार) सँभालू
(सिन्दुक) सफेदपुष्पका सँभालू
(सिन्दुवारक) सफेदपुष्पका सँभालू
(सिंहकेशरक) मोलसिरी
(सिन्दूरी) सिन्दूरिया
(सिंचितिकाफल) सेव
(सितप्रभ) रूपा, चांदी
(सिंहान) कीटी, तपायेहुये लोहे का मल
(सिन्दूर) सिन्दूर
(सिकता) वालू
(सिद्धार्थ) सफेदसरसों
(सिलन्ध) सिलन्धामछली
(सिक्थक) मोम
(सिता) चीनी
(सितोपला) मिश्री
(सीधु) मद्य, शराब

(सीस) सीसा
(सीसज) सिन्दूर

(सु)

(सुरभि) मरोरफली, गौ
(सुव्रता) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरदेश में प्रसिद्धहै
(सुगन्ध) भटोरा, भूस्तृण
(सुनाल) खसकेसमान पीलेरंग का एक तृण
(सुगन्धि) एलुवा
(सुधा) सेहुँड़ा
(सुवहा) नीलेफूलका सँभालू, सलई, रास्ना, नाकुली
(सुमेखल) मूंज
(सुपेणिका) कालानिसोथ
(सुगन्धा) कालीसांव
(सुलोमसा) मसी
(सुवर्चला) हुरहुर
(सुदर्शना) सुदर्शन
(सुमना) चमेली, पीलीचमेली
(सुगन्धिनी) सुवर्णकेतकी
(सुकोमला) सिन्दूरिया
(सुरसा) तुलसी
(सुलभा) तुलसी
(सुपार्श्वक) गजदण्ड सहोरा
(सुरभी) सलई, मरोरफली, एलुआ
(सुनियासा) जिंगनी
(सुतेजन) धामिनवृच
(सुकौशक) कोशम्भ, कोशाम्र
(सुवर्चुल) तरबूज
(सुधावास) वालमखीरा
(सुशीतल) वालमखीरा
(सुरभिपत्रा) फरेंदा
(सुगन्धमूला) हरफारेवड़ी
(सुपेण) करौंदा
(सुवर्ण) सोना
(सुरमृत्तिका) सोरठीमट्टी
(सुराष्ट्रजा) सोरठीमट्टी
(सुमनस्) गेहूं
(सुगन्धक) शालि
(सुनिपण्णक) सिरियारी
(सुदीर्घ) चिचिंडा
(सुमुष्टिका) करेरुआ
(सुदर्शन) मछली
(सुरा) मद्य, शराब

(सू)

(सूर्यपर्णी) वनमूंग, वनउर्दी
(सूच्यग्र) कुश
(सूर्यभक्ता) हुरहुर
(सूर्यावर्ता) हुरहुर
(सूक्ष्मपत्र) कुकुरौंधा
(सूचिकापुष्प) केवड़ा
(सूक्ष्मपत्रा) छोटी जामुन
(सूर्य पर्याय) तांबा
(सूत) पारा
(सूर्य्य) शिंवी धान्य, मूंग आदिक
(सूचिपत्र) शिरियारी
(सूरण) जमींकन्द
(सूप) पकीहुई और लवण अदरक

हींग से युक्त दाल
(सेतु) वरना
(सेधा) साही
(सेव) सेव
(सेवन मोदक) सेवका लड्डू
(सेविका) सेवई
(सेवीका मोदक) सेवका लड्डू
(सेव्य) खस, लामज्जक, खस के समान पीले रंग का एक तृण
(सेहुण्ड) सेहुँड़ा
(सैन्धव) घोड़ा
(सैरेय) कटसरैया
(सैरेयक) कटसरैया
(सोमक्षीरी) सोमलता
(सोमवल्क) कांटेदार कंजा, सफेद करथा, कायफल
(सोमवल्कल) पपड़िया खयर
(सोमवल्ली) सोमलता, गिलोय, ब्राह्मी, सुदर्शन, वकुची
(सोमा) गिलोय
(सौगन्धिक) रोहिस, गंधक, कह्लार, कत्तृण
(सौभाग्य) सोहागा
(सौभाञ्जनफल) सहिंजनका फल
(सौम्या) सरिवन
(सौरभेय) बैल
(सौरभेयी) गौ
(सौराष्ट्री) सोरठी मट्टी
(सौराष्ट्रिक) सुराष्ट्र देशमें होनेवाला विष
(सौवीर) वेर, सफेद सुरमा, संधान भेद
(स्कन्धज) वरगद
(स्कन्धफला) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(स्तन्य) दूध
(स्तुभ) वकरा
(स्तुभा) वकरी
(स्थाली वृक्ष) वेलियापीपर

(स्थि)

(स्थिरा) सरिवन
(स्थिरायु) सेमर
(स्थिर) धवई
(स्थूल) सहतूत
(स्थूलदर्भ) मूंज
(स्थौणेयक) कुकुरौंधा
(स्नुक्) सेहुँड़ा
(स्नुही) सेहुँड़ा
(स्नुवा) चिनार
(स्पृक्का) एकतरहकासुगन्धितशाक
(स्फटिका) फिटकरी
(स्फटी) फिटकरी
(स्फुटस्वन) पिंडुकी
(स्फूर्जक) तेंदुआ
(स्फोटा) गोरीसाँव
(स्फोता) गोरीसाँव
(स्यन्दन) तिनिश
(स्यमन्तक) कचनार
(स्रंसी) पीलू

(स्रुवावृक्ष) कँटाई
(स्रोतोऽञ्जन) कालासुरमा
(स्वरच्छद्) सहोरा, भुईसहा
(स्वर्ण) सोना
(स्वर्णजातिका) पीली चमेली
(स्वर्णमाक्षिक) सोनामक्खी
(स्वर्णवल्ली) इसी नाम से प्रसिद्ध ओषधि
(स्वल्पकेसरी) कचनार
(स्वस्तिक) सिरियारी
(स्वादुकण्टक) गोखुरू, कँटारी, शमी
(स्वादुकन्दा) गेंठी, बिलाईकन्द
(स्वादुपर्णी) दूधी
(स्वादुपुष्प) कटभी
(स्वादुफला) मुनक्का, दाख
(स्वादुमस्तका) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा
(स्वाद्वी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा

(ह)

(हरेणुका) रेणुका नाम सुगन्धित वस्तु विशेष
(हरिवालुक) एलुवा
(हयपुच्छिका) वनउर्दी
(हलिनी) करिहारी
(हस्तिवारुणी) डहरकंजा
(हयाह्वया) असगन्धा
(हंसपदी) हंसपदी
(हंसपादी) हंसपदी
(हलिप्रिय) कदम
(हंसपाद) गुड़हरके फूलके समान रक्तवर्ण सिंगरफ
(हरिताल) हरताल
(हरिन्मणि) पन्ना
(हरिमन्थक) चना
(हरेणुक) मटर, केराव
(हस्तिघोषा) घियातरोई
(हस्तिपर्ण) घियातरोई
(हरिण) हरिन, जोताम्रवर्ण होताहै
(हरित) हारिल
(हय) घोड़ा
(हरि) मेढक
(हरीसा) आस, एकप्रकार से बनाया गया मांस
(हविष्) घी
(हाटक) सोना
(हायन) शालि
(हारहूरा) मुनक्का
(हारिद्र) विष, जिसके वृत्तकी जड़ हल्दी के समान होती है
(हारीत) हारिल
(हाला) शराब
(हालाहल) विष जिसका फल मुनक्का के समान और पत्ते ताड़के समान होते हैं
(हिज्जल) समुद्रफल
(हिंगुनिर्यास) नींब
(हिंगुपत्री) हींगपत्री
(हिंगुल) सिंगरफ
(हिंगुली) बड़ी भटकटैया

(हिंगुशिवाटिका) वंशपत्री
(हिरण्य) सोना
(हिलमोचिका) हुरहुर
(हीरक) हीरा
(हीरा) गंभारी
(हुड) भेंड़ा
(हेतु) महाशतावर
(हेम) सोना
(हेमगोर) किकिरात गौड़देश में प्रसिद्ध है
(हेमदुग्धक) गूलर
(हेमपुष्प) चम्पा, अशोक
(हेमपुष्पिका) पीलीजुही
(हैमवती) हड़, खुरासानी वच, चोक, पीले दूध का सेहुंड़ा
(हैयङ्गवीन) मक्खन
(होलक) होरा
(हृद्यगन्धा) चमेली

अथ मानपरिभाषा॥

नमानेनविनायुक्तिर्द्रव्याणांजायतेक्वचित्। अतःप्रयोगकार्यार्थं मानमत्रोच्यतेमया १ चरकस्यमतंवैद्यैराद्यैर्यस्मान्मतंततः। विहायसर्वमानानि मागधंमानमुच्यते २ त्रसरेणुर्बुधैःप्रोक्तस्त्रिंशतापरमाणुभिः। त्रसरेणुस्तुपर्यायैर्नाम्नावंशीनिगद्यते ३ जालान्तरगतैः सूर्यकरैर्वंशीविलोक्यते। षड्वंशीभिर्मरीचिः स्यात्ताभिःषड्भिश्चराजिका ४ तिसृभीराजिकाभिश्च सर्षपःप्रोच्यतेबुधैः। यवोऽष्टसर्षपैःप्रोक्तो गुञ्जास्यात्तच्चतुष्टयम् ५ षड्भिस्तुरक्तिकाभिःस्यान्माषको हेमधानकौ। माषैश्चतुर्भिःशाणःस्याद्धरणःसनिगद्यते ६ टङ्कःसएवकथितस्तद्द्वयंकोलउच्यते। क्षुद्रकोवटकश्चैवद्रङ्क्षणःसनिगद्यते ७ कोलद्वयन्तुकर्षःस्यात्सप्रोक्तःपाणिमानिका। अक्षःपिचुःपाणितलं किञ्चित्पाणिश्चतिन्दुकम् ८ विडालपदकञ्चैवतथा षोडशिकामता। करमध्योहंसपदं सुवर्णंकवलग्रहः ९ उदुम्बरञ्चपर्यायैः कर्षमेवनिगद्यते। स्यात्कर्षाभ्यामर्द्धपलं शुक्तिरष्टमिकातथा १० शुक्तिभ्यांचपलंज्ञेयं मुष्टिराम्रञ्चतुर्थिका। प्रकुञ्चःषोडशीविल्वंपलमेवात्रकीर्त्यते ११ पलाभ्यांप्रसृतिर्ज्ञेया प्रसृतञ्चनिगद्यते। प्रसृतिभ्यामञ्जलिःस्यात्कुडवोऽर्द्धशरावकः १२ अष्टमानञ्चसज्ञेयः कुडवाभ्याञ्चमानिका। शरावोऽष्टपलन्तद्वज्ज्ञेयमत्रविचक्षणैः १३ शरावाभ्यांभवेत्प्रस्थश्चतुःप्रस्थैस्तथाढकः। भाजनंकांस्यपात्रञ्च चतुःषष्टिपलश्चसः १४ चतुर्भिराढकैर्द्रोणःकलशोन

ल्वणोऽर्मणः। उन्मानश्चघटोराशिर्द्रोणपर्यायसंज्ञितः १५ द्रोणाभ्यांशूर्पकुम्भौच चतुःषष्टिशरावकः। शूर्पाभ्याञ्चभवेद्द्रोणी वाहोगोणीचसास्मृता १६ द्रोणीचतुष्टयंखारीकथितासूक्ष्मबुद्धिभिः। चतुस्सहस्रपलिकाषण्णवत्यधिकाच सा १७ पलानांद्विसहस्रञ्चभारएकःप्रकीर्त्तितः। तुलापलशतंज्ञेयं सर्वत्रैवैपनिश्चयः १८ माषटङ्काक्षविल्वानि कुडवःप्रस्थमाढकम्। राशिर्गोणीखारिकेति-यथोत्तरचतुर्गुणम् १९ मागधपरिभाषायां षड्रक्तिकोमाषश्चतुर्विंशतिरक्तिकष्टङ्कःषण्णवतिरक्तिकःकर्षः, अयञ्चरकसम्मतः। सुश्रुतमते--पञ्चरक्तिकोमाषोविंशतिरक्तिकष्टङ्कोऽशीतिरक्तिकःकर्षः। अयमेवकलिङ्गपरिभाषायामपि। यतस्तत्राष्टरक्तिकोमाषोद्वात्रिंशद्रक्तिकष्टङ्कःसार्द्धटङ्कद्वयमितःकर्षः॥

भावार्थ॥

तौलके विना द्रव्योंकी युक्ति कहीं ठीक नहीं होती इस कारण व्यवहार के लिये यहां मान
(तौल) का वर्णन करताहूं १ चरक मुनिका मत प्राचीन वैद्योंने मानाहै इसलिये सब मानोंको
छोड़कर मागध मान कहताहूं २ तीस परमाणु को एक त्रसरेणु अथवा वंशी कहाहै ३ झरोखे
में से आई हुई सूर्यकी किरणोंसे जो सूक्ष्मपदार्थ दिखाई देते हैं उनको त्रसरेणु वा वंशी कहते
हैं छः वंशीकी एक मरीचि और छः मरीचिकी राई ४ तीन राईकी सरसों आठ सरसोंका जव
चार जव की एक रत्ती ५ छः रत्तीका मासा, मासा को हेम और धानकभी कहते हैं चार मासे
का शाण इसको धरण ६ और टंकभी कहते हैं दो शाणका कोल इसको क्षुद्रक वटक द्रंक्षणभी
कहते हैं ७ दो कोलका कर्ष इसको पाणिमानिका अक्ष पिचु पाणितल किंचित् पाणि तिंदुक ८
विडालपदक षोडशिका कर मध्य हंसपद सुवर्ण कवल ग्रह ९ उदुंबर कहते हैं दो कर्षका अर्द्ध
पल इसको शुक्ति तथा अष्टमिका कहते हैं १० दो शुक्तिका एक पल इसको मुष्टि आम्र चतुर्थि
का प्रकुंच षोडशी और विल्व कहते हैं ११ दो पलकी प्रसृति इसको प्रसृतभी कहते हैं दो प्र-
सृति की अंजली इसको कुडव अर्द्ध शराव १२ और अष्टमान दो कुडव की एक मानिका इसको
शराव और अष्टपल विद्वान् लोग कहते हैं १३ दो शराव का प्रस्थ चार प्रस्थ का आढक इस
को भाजन कांस्यपात्र और चतुःषष्टिपल कहते हैं १४ चार आढक कापक द्रोण इसको कलश
नल्वण अर्मण उन्मान घट और राशि कहते हैं १५ दो द्रोण का शूर्प इसको कुम्भ भी कहते हैं
यह चौंसठ शराव का होताहै दो शूर्प की द्रोणी इसको वाह और गोणी कहते हैं १६ चार द्रोणी
की एक खारी यह चार हजार छयानवे पलकी होती है १७ दो हजार पलका एक भार होताहै
सौ पलकी एक तुला जाननी चाहिये १८ मासा टंक अक्ष विल्व कुडव प्रस्थ आढक राशि गोणी
खारी यह सब क्रमसे उत्तरोत्तर चौगुने हैं जैसे मासा से चौगुना टंक इत्यादि १९ मागध परि-
भाषा में छः रत्ती का मासा चौवीस रत्ती का टंक छयानवे रत्ती का कर्ष यह चरक का मत
है। सुश्रुत के मत में--पांच रत्ती का मासा बीस रत्ती का टंक अस्सी रत्ती का कर्ष और इसी
तरह कलिंग परिभाषामें भी आठ रत्ती का मासा बत्तीस रत्ती का टंक ढाई टंकका कर्ष होताहै॥

गुञ्जादिमानमारभ्य यावत्स्यात्कुडवस्थितिः। द्रवार्द्रशुष्कद्रव्याणां ताव

न्मानंसमंमतम् २० प्रस्थादिमानमारभ्य द्विगुणंतद्द्रवार्द्रयोः । मानंतथातुलायास्तु द्विगुणंनक्वचित्स्मृतम् २१ मृद्वृक्षवेणुलोहादेर्भाण्डंयच्चतुरंगुलम् । विस्तीर्णश्चतथोच्चश्च तंमानंकुडवंवदेत् २२ ॥ इति मागधमानम् ॥

रत्ती आदि लेकर कुडव पर्यन्त द्रव तथा आर्द्र और शुष्क द्रव्यों का मान तुल्य (बराबर) होताहै २० प्रस्थ आदि लेकर सम्पूर्ण द्रव तथा आर्द्र पदार्थों का मान दूना ग्रहण करना चाहिये और तुला का मान दूना कभी नहीं होता २१ मृत्तिका वृक्ष बांस और लोहा आदि के वर्त्तन जो चार अंगुल लंबे चार अंगुल चौड़े और चारही अंगुल गहरे होते हैं उनमें जितना पदार्थ आता है उसको कुडव कहते हैं। २२ इति मागधमानम् ॥

अथ कालिंगमानम् ॥

यतोमन्दाग्नयोह्रस्वा हीनसत्वानराःकलौ । अतस्तुमात्रातद्योग्या प्रोच्यतेसुज्ञसम्मता २३ यवोद्वादशभिर्गौरं सर्षपैःप्रोच्यतेबुधैः । यवद्वयेनगुंजास्यात्त्रिगुंजोवल्लउच्यते २४ माषोगुंजाभिरष्टाभिः सप्तभिर्वाभवेत्क्वचित् । चतुर्भिर्माषकैःशाणः सनिष्कष्टङ्कएवच २५ गद्याणोमाषकैःषड्भिः कर्षःस्याद्दशमाषिकः । चतुःकर्षैःपलंप्रोक्तं दशशाणमितंबुधैः २६ चतुःपलैश्चकुडवः प्रस्थाद्याःपूर्ववन्मताः । स्थितिर्नास्त्येवमात्रायाः कालमग्निंवयोबलम् २७ प्रकृतिंदोषदेशौच दृष्ट्वामात्राम्प्रकल्पयेत् । नाल्पंहन्त्यौषधंव्याधिं यथाम्भोऽल्पंमहानलम् २८ अतिमात्रंचदोषाय क्षेत्रसस्येवहूदकम् ॥

इति मानपरिभाषा ॥

कलियुगमें मनुष्य मन्दाग्नि ह्रस्व (क़दके छोटे) सत्वहीन (कमजोर) होते हैं इसवास्ते उनके योग्य मात्रा कहताहूं २३ बारह सफेद सरसोंका जव दो जवकी एक रत्ती तीनरत्ती का वल्ल २४ आठ या सात रत्ती का मासा चारमासे का शाण इसको निष्क और टंक कहते हैं २५ छ मासे का गद्याण दशमासे का कर्ष चार कर्ष का या दशशाण का पल २६ चार पल का कुडव और प्रस्थादिक पूर्व के समान होते हैं मात्रा का कोई नियम नहीं है काल (समय) अग्नि बल अवस्था (उमर) २७ प्रकृति दोष और देश इनको विचार कर मात्रा की कल्पना करनी चाहिये जैसे थोड़ा जल बहुतसी अग्नि को नहीं बुझा सक्ताहै वैसे थोड़ी औषधि (दवा) बड़े रोग को नहीं नाश करसक्ती है २८ और जैसे बहुत जल खेत में अन्न की हानि करता है वैसे बहुत औषधि भी दोषों को करती है इससे योग्यही मात्रा देना चाहिये ॥

इति मान परिभाषा ॥

अथ शब्दसंग्रह ॥

श्लोक ॥ देवदेवंनमस्कृत्य गणराजंविनायकम् ॥
सर्वेषांसुखबोधाय क्रियतेशब्दसंग्रहः ॥ १ ॥

(अंशिन्) बटाऊ,बॉटनेवाला, हिस्सेदार
(अंशुजाल) किरणों का समूह
(अंशुधर) सूर्य, चन्द्रमा, दीपक, अग्नि, प्रतापी, देवता, ब्रह्मा
(अंशुमत्) सूर्यवंशी असमंजस राजाका पुत्र, सूर्य, चंद्रमा
(अंशुमालिन्) चन्द्रमा, सूर्य
(अंह्रि) पाव, पैर, हाहूवेर
(अकल) कलासेहीन, परमात्मा
(अकस्मात्) अचानक, एका एक, इत्तिफ़ाकन
(अकाण्ड) कुसमय, बेवक्त
(अकापट्य) निश्छल, ईमानदारी
(अकाल) दुर्भिक्ष, क़हत, बे समय
(अकिञ्चन) निर्धन, गरीब, मुफ़लिस
(अकुल) नीच, कुलटुट, कमीना
(अक्रूर) नम्र, कोमल स्वभाव
(अक्षांश) लैटीच्यूड, पृथ्वीके उत्तर वा दक्षिण केन्द्रतक नब्बे अंशपर रेखा
(अक्षोभ) बेखौफ़, निर्भय
(अखण्डित) समग्र, पूरा
(अगणित) बेशुमार, असंख्यात, अनगिनती
(अगद) नीरोग, रोगसे छूटाहुआ
(अगस्ति) एक ऋषिका नाम,जिसने समुद्रका पान कियाथा, अगस्ति वृक्ष,अगस्ति तारा
(अगुण) सत्व, रजस्, तमस्, गुण से रहित, ब्रह्म, बेहुनर
(अगेन्द्र) पर्वतो में श्रेष्ठ, सुमेरु, हिमाचल
(अगोचर) इन्द्रियोंसे जो न दिखाईदे, अदृश्य, गायब
(अग्निक्रीडा) आतश बाज़ी, आगिका खेल
(अग्निचूर्ण) आगिका चूर्ण, बारूद
(अग्निबाण) आगिकातीर
(अग्निसँस्कार) मुर्दे को जलाना, दाह क्रिया
(अग्निहोत्री) आहिताग्नि, सदा होम करनेवाला
(अग्रगण्य) अगुआ, अग्रसर, मुखिया

(अग्रगामिन्) आगे चलनेवाला, सरदार, मुख्य
(अग्रिम) अगिला, पेशगी
(अघखानि) पापकी खानि, पापी, गुनहगार
(अघटित) असम्भाव्य, अनहोनी, गैर मुमकिन
(अघासुर) राक्षस, जो कंसके यहां रहताथा
(अघोर) जो दारुण नहो, शान्त
(अंकविद्या) गणितशास्त्र, हिसाब
(अंकित) चिह्न कियाहुआ, चिह्नित
(अंगजनित) शरीरसे उत्पन्न
(अंगण) आँगन
(अंगन्यास) मन्त्रोच्चारण पूर्वक अंगोंको स्पर्श करना
(अंगपक्ष) सहायक, सहायता करने वाला
(अंगांगिभाव) गौण, मुख्यभाव, बाहमीमदद
•(अंगिरस) बृहस्पति, देवताओं का गुरू
(अंगिन्) अङ्गवाला, शरीरी, प्राणी
(अंगुल) आठ जौ का नाप, अंगुली
(अंगुलित्राण) अंगुलियों का रक्षा करनेवाला, दस्ताना
(अचञ्चल) जो चञ्चल न हो, स्थिर कायम
(अचिर) शीघ्र, जल्द
(अजय) जिसको कोई न जीतसके जिसकी जीत न हुईहो
(अजर) जिसको कभी बुढ़ापा न हो सदाजवान रहनेवाला
(अजामिल) एक बड़ापापी ब्राह्मण
(अजीर्ण) अपच, बदहज़मी
(अज्ञात) बेजाना हुआ, बे समझा हुआ
(अज्ञान) जिसको ज्ञान नहीं, मूर्ख, बेवकूफ
(अज्ञानता) बेवकूफी, मूर्खता
(अज्ञानिन्) नादान, बेसमझ, अज्ञ
(अञ्चल) आँचर, कपड़ेका किनारा
(अटन) भ्रमण करना, घूमना
(अटल) जो हटाये न हटे, स्थिर पायदार
(अटवि) बन, जंगल
(अट्टहास) बहुत जोरसे हँसना,
(अट्टालिका) अटारी, छत
(अणुमात्र) बहुत छोटा, ज़रासा
(अण्डकटाह) ब्रह्माण्ड, संसार
(अतः) इससे, लिहाज़ा
(अतएव) इसीलिये, पस
(अतत्वज्ञ) सिद्धान्तको न जानने वाला, बेसमझ
(अतत्वज्ञता) नासमझी
(अतनु) शरीरसे रहित, बड़ा, दीर्घ कामदेव
(अतंद्रित) आलस्य रहित, तेज़
(अतल) अथाह, पृथ्वी के सात लोकों में से पहिला लोक

(अतिकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ा हो
(अतिक्रान्त) व्यतीत, लांघाहुआ
(अतिथिभक्त) अतिथि पूजक, महिमान की खातिर करनेवाला
(अतिसार) उदर रोग, संग्रहणी, पेट की बीमारी
(अतीत) भूत, गुजरा हुआ
(अतुल) बेतौल, बेशुमार, अप्रमाण
(अत्याचार) अनीति, बेइन्साफी
(अत्युक्ति) बहुत बढ़कर कहना, एक अलंकार की संज्ञा
(अत्र) यहां, इस जगह
(अत्रि) ब्रह्माका बेटा, एक ऋषि
(अदन) भोजन करना, खाना
(अदनीय) खाने की चीज, भोज्य
(अदार) स्त्री रहित, रंडुआ
(अदिति) देवतावों की माता, दक्ष की बेटी, कश्यप मुनि की स्त्री
(अदूरदर्शिन्) बेवकूफ, स्वल्प दृष्टि
(अदृश्य) जो देखने में न आवे, अगोचर
(अदेय) न देनेके योग्य
(अद्यापि) अबभी
(अद्यावधि) अबतक, अभीतक
(अद्वितीय) अकेला, एकही, अनुपम
(अद्वैत) जिसके तुल्य दूसरा नहीं, बेमिसाल
(अधर्म) पाप, गुनाह, बुराकरम
(अधर्मिन्) अपराधी, मुजरिम, दुष्ट
(अधस्) नीचे, तले
(अधर्मिक) पापी, दुष्ट, बुरा काम करनेवाला
(अधिकरण) आधार, आसरा, सातवां कारक
(अधिकारिन्) मालिक, स्वामी, वारिस
(अधिपति) प्रभु, स्वामी
(अधिमास) मलमास, लौंद का महीना
(अधिरूढ़) आरूढ़, सवार
(अधिवासन) रहने की जगह, सकूनत
(अधिवेशन) सभा, इजलास, दरबार
(अधिष्ठाता) मुखिया, अगुआ, अध्यक्ष
(अधीत) पढ़ाहुआ, पठित
(अधीति) अध्ययन, पढ़ना, ख्वांदगी
(अधीनता) मातहती, तावेदारी
(अधीरता) उतावली, बेसबरी
(अधीश) महाराज, शाहनशाह, स्वामी
(अध्यवसाय) व्यापार, उद्यम, रोजगार
(अध्यापक) पढ़ानेवाला, गुरु, पाठक
(अध्यापन) पढ़ाना, पाठन
(अध्याय) सर्ग, पर्व, परिच्छेद, प्र-

करण, घाव
(अध्यासीन) बैठाहुआ
(अनख) नखहीन, जिसके नाखून न हों
(अनघ) निष्पाप, पापरहित, बेगुनाह
(अनन्य) जिसके दूसरा न हो
(अनपत्य) जिसके लड़का, लड़की कोई न हो, लावल्द
(अनभिज्ञ) अज्ञ, नादान, नावाकिफ
(अनर्थ) हानि, नुकसान
(अनवद्य) दोषरहित, बेगुनाह, निरपराध
(अनवस्थित) गाफिल, अस्वस्थ, बेखबर
(अनाथ) लावारिस, अशरण, यतीम
(अनाथालय) मुहताजखाना, दीनागार
(अनादर) अपमान, बेइज्जती
(अनायास) सुख, विनापरिश्रम, आसानी
(अनाहार) उपोषण, लंघन, फ़ाकाकशी
(अनित्य) नश्वर, नाशहोनेवाला, सदा न रहनेवाला
(अनियत) अनिश्चित, इत्तिफ़ाकिया
(अनिर्वचनीय) अकथनीय, जो किसीप्रकार वर्णन न कियाजाय
(अनिष्ट) दुःख, अप्रिय, बेचाहा
(अनीह) चेष्टारहित, आलसी
(अनुकरण) नकलकरना, अनुहार
(अनुकूल) कृपालु, मेहरबान, मुवाफिक
(अनुगामिन्) पीछे चलनेवाला, सहायक
(अनुगृहीत) उपकृत, अहसानमन्द
(अनुचरी) दासी, लौंडी
(अनुजा) छोटीबहिन, कनिष्ठ भगिनी
(अनुज्ञा) आज्ञा, अनुमति, हुक्म
(अनुतप्त) दुःखी, गमगीन,
(अनुदिन) प्रतिदिन, हररोज़
(अनुनय) विनय, मनाना
(अनुनासिक) जिन अक्षरोंका उच्चारण नाकसेहोवे अक्षर जैसे ञ, म, ङ, ण, न
(अनुपम) उपमारहित, अनूप, बेनज़ीर
(अनुपयुक्त) अनुचित, ना मुनासिब
(अनुपल) प्रतिक्षण, हरवक्त
(अनुपात) तुल्यसम्बन्ध, अनुमान
(अनुपान) औषधी के अनुकूल पथ्य
(अनुमत) अनुज्ञात, जिसको

सलाह दी गई हो
(अनुमान) परामर्श जन्यज्ञान, अन्दाज़ा, तखमीना, अटकल
(अनुमित) अनुमान, कियागया, अटकलागया
(अनुमेय) अनुमान करनेके योग्य, अन्दाजके लायक
(अनुमोदन) अभिनन्दन, प्रशंसा करना, ताईदकरना
(अनुयायिन्) पीछे चलनेवाला, दास, सेवक, नौकर
(अनुयोजन) पराजित, व्यवहार को पुनः सभामें प्रविष्ट करना, अपील करना
(अनुयोक्तृ) जो व्यवहारको सभा में प्रविष्ट करे वह मुद्दई अपीलाएट
(अनुयोजक) जो व्यवहार को सभा में प्रविष्ट करे वह मुद्दई अपीलाएट
(अनुयोज्य) जिसपर मुकद्दमा दायर किया जाय वह मुद्दाअलेह, प्रत्यभियोगी
(अनुरक्त) स्निग्ध, प्रेमी, आशिक, आसक्त
(अनुराग) प्रेम, मुहब्बत
(अनुरागिन्) मुहब्बती, स्नेही
(अनुरोधित) प्रतिबद्ध, कैदी, बँधुवा, अनुवर्त्ती
(अनुरूप) सदृश, तुल्य, समान
(अनुलेप) उबटन लगाना, तेललगाना, सुगन्ध द्रव्यका अंगों में लगाना
(अनुलेपन) उबटन लगाना, तेल लगाना, सुगन्ध द्रव्य का अंगों में लगाना
(अनुलोम) सीधा, यथाक्रम
(अनुवाद) पुनः पठन, उल्था करना, तर्जुमाकरना
(अनुवृत्ति) सेवा, मार्ग, ज़रिया
(अनुवन्दना) सहानुभूति, हमदर्दी
(अनुशासक) शिक्षा देनेवाला, आज्ञा देनेवाला, हाकिम
(अनुशासन) आज्ञा, हुक्म
(अनुशीलन) अभ्यास करना
(अनुष्ठान) आरम्भ, किसी कार्य को करना
(अनुसन्धान) सोचना, अन्वेषण, तलाश करना, तहकीकात
(अनुस्वार) अक्षर के ऊपर की बिन्दी
(अन्तरङ्गमित्र) सुहृद, दिली दोस्त जिससे अपना सब हाल कहा जाय
(अन्तरङ्गसभा) छोटीसभा जिसमें

चुने २ सभ्यहों

(अन्तरित) मध्यम, बीच का
(अन्तरितकृषक) जो असामी काश्तकार से खेत लेकर जोतै शिकमी काश्तकार
(अन्तर्पट) तिरस्करणी परदा
(अन्तर्वृत्ति) मानसिक भाव, दिली हाल
(अन्तर्हित) निलीन, छिपाहुआ, अलख
(अन्त्रावली) अँतड़ियों का समूह
(अन्धकूप) जिसमें पानी न हो और घास पात जम गये हों वह कुआं
(अन्धपरम्पराग्रस्त) प्राचीन आचरणमें फँसा हुआ, क़दीमरस्मों में मुब्तिला
(अन्नप्राशन) एक संस्कार जिसमें पैदायश से छठे महीने शुभ मुहूर्त्त में लड़केको अन्न खीर खिलाते हैं
(अन्योन्याश्रित) परस्पर सम्बद्ध, एक दूसरे के साथ सम्बंध रखनेवाला
(अन्वय) वाक्य में क्रियाकारकका सम्बन्ध, वंश, कुल
(अपकर्ष) अनादर, न्यूनता, खींचना
(अपकीर्त्ति) अपयश, बदनामी,

बुराई

(अपनीत) दूरीकृत, दूरकिया गया, हटाया गया
(अपरिष्कार) अशुद्धता, मैलापन
(अपवाहन) एक जगहं से दूसरी जगह लेजाना, धोखा देना
(अपशकुन) अशुभ सूचक चिह्न, असगुन
(अपहरण) हरलेना, कुर्की
(अपादान) विभाग, व्याकरण का पांचवां कारक
(अपाय) अलग होना, नाश, विगाड़, हानि
(अपूर्ण) सबनहीं, थोड़ा, असम्पूर्ण
(अपेक्षा) निस्बत, आशा, परवाह आकांक्षा, जरूरत
(अप्रतिहित) बेरोक टोक, नाशरहित
(अप्रीतिकर) निठुर, बेमुहब्बत
(अभिगमन) समीप जाना
(अभिप्रेत) अभिमत, पसंद, मुराद
(अभिमर्षण) परदाराभिगमन, दूसरे की स्त्री के पासजाना, स्पर्शकरना, छूना
(अभियुक्त) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह
(अभियोग्य) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह
(अभियोगिन्) अर्थी, मुद्दई
(अभियोजक) अर्थी, मुद्दई
(अभिराम) मनोहर, सुन्दर, प्यारा

(अभिलाषा) इच्छा, कामना, चाह
(अभिषिक्त) तिलक किया हुआ, गद्दीनशीन
(अभिसन्धान) सन्धि, मेल, कपट
(अभूतपूर्व) जो पहिले कभी न हुआ हो, अद्भुत, अजीब
(अभ्यस्त) मश्क किया हुआ,
(अभ्यागत) अतिथि, पाहुन, मेहमान
(अमोघ) सफल, जो निष्फल-व्यर्थ, न हो
(अम्बक) नयन, आंख
(अम्बुद) जलद, मेघ, अब्र
(अम्बुधि) समुद्र, अम्भोनिधि
(अयुक्त) अनुचित, अयोग्य, नामुनासिब
(अयुत) दशसहस्र, १० हजार
(अरुचि) अनभिलाष, नफ़रत
(अरुणचूड) मुर्गा, कुक्कुट
(अरुणशिखा) मुर्गा, कुक्कुट
(अरुणोदय) प्रातःकाल में ललाई का निकलना
(अर्चक) पूजा करनेवाला, पूजक, सेवक
(अर्चित) पूजागया, सेवित, पूजित
(अर्थकारिन्) धन पैदाकरनेवाला, उपयोगी, मुफीद
(अर्थात्) यानी, अर्थसे
(अर्धचन्द्र) आधा चन्द्रमा, आधा बिन्दु, (ᐟ) गलहस्त, गर्दनियाँ
(अर्पण) समर्पण, सौंपना
(अर्हत्) बौद्ध, जैनी, बौद्धमतानुयायी, किसी एक ऋषिका नाम
(अलौकिक) इस लोकमें न होने वाला, अद्भुत, अजूबा
(अवकाश) अवसर, मौक़ा, फ़ुरसत
(अवगुण) दोष, औगुण, बुराई
(अवतार) प्रादुर्भाव, प्रकटहोना, सीढ़ी
(अवधान) समझना, ध्यानदेना, मुखातिबहोना
(अवधीरित) असत्कृत, अनादृत, अपमान कियागया
(अवनति) न्यूनता, घटती, तनज्जुली
(अवन्तिका) उज्जैन, मालवादेश की राजधानी
(अवलम्ब) सहारा, आधार, भरोसा
(अवलम्बन) सहारा, आधार, भरोसा
(अवलेह) चटनी
(अवलोकन) ईक्षण, दर्शन, नज़र, देखना, मुलाहिज़ा करना
(अवश) अधीन, बेबश, बे इख़्तियार
(अवशिष्ट) बचा, बाक़ी, परिशिष्ट

(अवसन्न) श्रान्त, थकाहुआ, उदासीन, रंजीदः
(अवस्थित) स्थित, ठहराहुआ, टिकाहुआ
(अवहित) निश्चित, सावधान, तहदिल
(अविकारिन्) जिसमें, विकार खराबी न पैदाहो, अविकृत, वेऐव
(अविवेक) अविचार, मूर्खता, वदतमीज़
(अव्यस्थित) अनिश्चित, तरल, चञ्चल
(अशक्त) असमर्थ, दुर्बल, कमज़ोर
(अशक्य) जो न होसके, ग़ैरमुमकिन, असम्भव
(अशंक) निःशंक, निडर, वेखौफ़
(अशिक्षित) अविनीत, जिसने शिक्षा, तालीम न पायाहो, अनसीख
(अशुद्ध) अपवित्र, नापाक, अशुचि, ग़लत
(अशुद्धता) अशुद्धि, नापाकी, अपवित्रता, ग़ल्ती
(अशोक) शोकरहित, सुखी, खुश, अशोकवृक्ष
(अश्वतर) खच्चर, जो घोड़ी और गधे से पैदाहुआ हो
(अश्वपति) अश्ववार, सवार, घोड़े का मालिक
(अश्वमेध) यज्ञ विशेष
(अश्वशाला) अस्तबल, मन्दुरा
(अश्वशिक्षक) घोड़ों को सिखाने वाला, चाबुकसवार
(अश्वसेवक) अश्वकी सेवा करने वाला, साईस
(अष्टधातु) आठ प्रकारकी धातु, सोना, चांदी, तांबा, कांसा, पीतल, रांगा, लोहा, सीसा
(अष्टसिद्धि) आठप्रकारकी सिद्धि, अणिमा, जिसके बल से बहुत छोटा बनजाय, महिमा, जिसके बलसे बहुत बड़ा बन जाय, गरिमा, जिसके बल से बहुत गरू, वजनी, होजाय, लघिमा, जिसके बलसे बहुत लघु, हलका बन जाय, प्राप्ति, जिसके बलसे बहुत दूरकी भी वस्तु मिलजाय, प्राकाम्य, जिसके बलसे हरएक मनुष्य के मनोरथ को पूरा करसकै, ईशित्व, जिसके बल से सब ऐश्वर्य उपस्थित हैं, वशित्व, जिसके बल से सब प्राणी वशीभूतरहैं,

(असमशर) पञ्चबाण, कामदेव
(असत्यवादिन्) असत्य,झूंठबोलने वाला,अनृत भाषी
(असह्य) दारुण, जो न सहाजाय, कठोर, बेबरदाश्त
(असाध्य) जो किसीप्रकार सिद्ध न हो, लाइलाज
(असूयक) गुण में दोष निकालने वाला, निन्दक, बुराई करनेवाला
(अस्तव्यस्त) उलटा पुलटा, विपर्यस्त, इधरका उधर
(अहल्या) गौतममुनि की स्त्री
(अहिंसा) जिसकर्मसे प्राणियों का वध न हो, दया
(अहिफेन) अफीम

(आ)

(आकर्णित) सुनागया, श्रुत
(आकर्षण) खींचना
(आकांक्षा) इच्छा, चाह, ख्वाहिश
(आकांक्षिन्) अभिलाषी, चाहनेवाला
(आकाशवृत्ति) अनियत जीविका जिस जीविका का निश्चय न हो, बेकयाम रोज़ी
(आकाशवाणी) आसमानकी आवाज, अशरीरिणीवाक
(आकुञ्चन) संकोचन, सिकोड़ना, समेटना
(आक्रमण) दबालेना, हमलाकरना
(आख्यान) वृत्त, इतिहास, कथा, दास्तान
(आगन्तृ) आनेवाला, विना जान पहिचान के जो कोई मकान पर आजावे
(आगन्तुक) आनेवाला, विना जान पहिचान के जो कोई मकानपर आजावे
(आग्रह) अच्छीतरहसे ग्रहणकरना निर्बन्ध, हठकरना, जिद्दकरना
(आघात) मारना, चोट
(आघूर्णन) अवगूरण, घूरना
(आचरण) चालचलन, व्यवहार, बर्त्ताव
(आच्छादित) ढँकाहुआ, आवृत, मूंदाहुआ
(आच्छन्न) ढँकाहुआ, आवृत, मूंदाहुआ,
(आजीविका) जीविका, वृत्ति, रोज़ी
(आज्ञापन) इत्तिलादेना, विज्ञापन जताना, आज्ञादेना
(आज्ञापत्र) आज्ञाक पत्र, कागज लिखित आज्ञा, हुक्मनामा
(आतङ्क) भय, सन्ताप, रुजा, रोग
(आतुर) व्याधिपीड़ित रोगी, व्याकुल, घबराया
(आत्मघात) खुदमरना, आत्महत्या, अपने आप मरजाना
(आदर) सन्मान, इज्जत, खातिर
(आधान) स्थापन करना

(आधिक्य) अधिकता, बहुताई, अधिकाई
(आधिपत्य) प्रभुत्व, अधिकार, अख्तियार
(आन्दोलन) हिलाना, झूलना, हलचल
(आप्त) हित, यथार्थवक्ता
(आभा) दीप्ति, चमक, रोशनी कान्ति
(आभूषण) गहना, जेवर, अलंकार
(आय) लाभ, आमदनी, फायदा
(आयास) परिश्रम, मिहनत
(आरब्ध) प्रारम्भ कियाहुआ, उपक्रान्त
(आराति) वैरी, दुश्मन, शत्रु
(आराधन) सेवन, शुश्रूषण, सेवा करना, इबादत
(आरोपण) स्थापितकरना, कायम करना
(आलपनीय) सम्भाषणयोग्य
(आलिङ्गन) कण्ठाश्लेष, गले से लगाना, प्यारसे मिलना
(आलेख्य) चित्र, तसवीर
(आलोडन) मन्थन, मथना, मार्गण तलाशकरना, ढूंढ़ना
(आवरण) आच्छादन, ढकना
(आवर्जन) अवरोधन, रोकना, मनाकरना
(आवाहन) मन्त्रोच्चारण पूर्वक देवताओं को बुलाना
(आविर्भाव) प्रकट होना, प्रादुर्भाव
(आविष्कार) आविर्भूति, प्रकटहोना
(आवेदन) निवेदन, वक्तव्य, गुजारिश
(आवेद्यसंग्रह) निवेद्यपत्र, जिसमें ज़मींदार लोग अपनास्वत्व राजसभा में दाखिल करते हैं, वाजिबुलअर्ज़
(आवेश) मान, घमण्ड, प्रवेश
(आशुतोष) शीघ्रप्रसन्न होनेवाला महादेव
(आश्रयस्थान) आलम्ब, सहाराकी जगह
(आश्रित) आयत्त, शरणप्राप्त, ताबेदार
(आश्वासन) तसल्ली देना, भरोसा देना, प्रबोधन
(आसीन) स्थित, बैठाहुआ
(आस्तिक) वेदान्तवाक्य, ईश्वर, गुरू परलोक में श्रद्धा या विश्वासकरनेवाला पुरुष
(आस्वाद) रस, स्वाद, जायका, मजाद
(आहुति) मन्त्रपढ़कर देवताओं के नामसे आगि में हुनना
(आह्निक) दिन में जो कियाजाय, सन्ध्या, तर्पण, बलिवैश्व इत्यादि

(आह्लाद) खुशी, हर्ष, आनन्द

(इ)

(इक्षुरस) ऊखकारस
(इत्थम्) इसप्रकार, इसतरह
(इन्द्रजित्) इन्द्रको जीतनेवाला, मेघनाद, रावणकापुत्र
(इन्द्रप्रस्थ) दिल्ली, हस्तिनापुर
(इन्द्रवधू) इन्द्रकी रानी, इन्द्राणी, वीरबहूटी
(इष्टदेव) जिस देवताको स्वयं मानताहो वह देवता

(ई)

(ईक्षक) दिखैया, देखनेवाला, नाज़िर
(ईक्षित) देखाहुआ, दृष्ट, अवलोकित
(ईदृश) ऐसा, इस तरह का इस भांति का
(ईदृक्ष) ऐसा, इस तरह का इस भांति का
(ईप्सा) पानेकी इच्छा, लिप्सा
(ईप्सित) जिस चीजके पानेकीइच्छा कीगईहो, वह चीज
(ईहा,) चेष्टा, उपाय, यतन

(उ)

(उग्रस्वभाव) क्रूर, कठोरचित्त, संगदिल
(उग्रसेन) जिसकी सेना वड़ीभयानकहो, मथुरा का राजा कंसका पिता
(उग्रस्वर) जिसका ऊंचास्वर आवाज़ हो, वहपुरुष, ऊंची आवाज़ बोलना
(उच्चारण) आवाज़
(उच्छिन्न) कटाहुआ, कृत्त, निर्मूल
(उच्छिष्ट) भोजनके पीछे जो थाली में पड़ारहजाताहै, जूंटा
(उच्छेद) विनाश, काटना, बरबादी
(उज्ज्वलन) जलना, बरना, चमकना
(उड्डीयमान) उड़ताहुआ,
(उडुगण) तारोंका समूह, तरई
(उत्कण्ठित) अभिलाषी, चाहनेवाला ख्वाहिशमन्द
(उत्कर्षता) उत्तमता, श्रेष्ठता, बड़ाई
(उत्कृष्ट) श्रेष्ठ, बड़ा, उत्तम, अच्छा
(उत्खात) उखाड़ागया
(उत्तीर्ण) पारङ्गत, कामयाब
(उत्तेजक) प्रेरणा करनेवाला, हौंसला, बढ़ानेवाला
(उत्तेजना) तेज़करना, तीक्ष्णीकरण, भड़काना
(उत्तोलन) तौलना, उन्नय, ऊपर को उठाना
(उत्पाटन) उखाड़ना, उन्मूलन
(उत्प्रेक्षा) भावना, मानना, एक अलंकारका नाम
(उत्सर्ग) त्याग, दानदेना, समर्पण करना
(उदग्र) ऊँचा, उच्च, तीक्ष्ण, तेज
(उदरम्भरि) अपनाही पेटपालनेवाला, पेटू
(उदाहरण) निदर्शन, मिसाल, दृष्टांत

(उदीरण) कथन, कहना
(उद्देश) अभिप्राय, प्रयोजन, अर्थ, मतलब
(उद्यानपाल) बागवान, माली, वाटिकारक्षक
(उद्योत) प्रकाश, रोशनी
(उन्नति) वृद्धि, बढ़ती, तरक्की
(उपगम) अंगीकार, कबूल करना, स्वीकारकरना, पासजाना
(उपचार) उपाय, सामग्री, सामान, दवा, चिकित्सा
(उपजीविन्) किसीकेसहारे जोजीता हो, आश्रित, आसरागीर
(उपदंश) जहरीला जानवर, सांप, बीछू का काटना, गर्मी का आजा
(उपदेश) शिक्षा, सिखाना, नसीहत, सीख, व्याख्यान
(उपदेशक) शिक्षक, सिखानेवाला व्याख्यान देने वाला, ल्यक्चरर
(उपद्वीप) छोटे २ टापू, द्वीप
(उपनयन) यज्ञोपवीत, संस्कार, उपनीति, जनेऊ
(उपनेत्र) चश्मा, ऐनक
(उभयपक्षीय) दोनों तरफका, तर्फैन
(उपयोग) काममें लाना, इस्तेमाल
(उपयोगिन्) सहायक, सहायताकरने वाला, मददगार, उपकारक
(उपशम) शान्ति, समता, इन्द्रियोंको अपने वश विषयों से खींचकर रखना, इन्द्रिय निग्रह
(उपस्थान) हाजिरी, सेवा, स्तव, स्तुति करना
(उपस्थित) वर्त्तमान, मौजूद, हाजिर
(उपहास) निन्दाकेसाथ हँसी करना
(उपार्जन) संग्रह करना, इकट्ठा करना, सञ्चय
(उपेक्षित) त्याग कियाहुआ, छोड़ा हुआ, परित्यक्त
(उरगाद्) सर्पोंका खानेवाला, गरुड़, मयूर
(उरगारि) सर्पोंका शत्रु, दुश्मन, गरुड़
(उल्लङ्घन) लांघना, विपरीत करना उत्क्रमण, फांदिजाना
(उल्लास) हर्ष, खुशी, अध्याय, परिच्छेद
(उल्लेख) अच्छालेख, वर्णन, बखान एक अलंकार का नाम

(ऊ)

(ऊर्द्ध्वबाहु) जो तपस्वी सदाहाथ को ऊंचारक्खे, ऊर्द्ध्वबाहू
(ऊहा) वितर्क दलील

(ऋ)

(ऋणपत्र) कर्जदेनेकी तिथि मिती जिसमें लिखी जातीहै, तमस्सुक

(ऋणमुक्तपत्र) फ़ारिग़ख़ती
(ऋणिन्) क़र्ज़दार, अधमर्ण, देन-दार
(ऋतुराज) वसन्त, ऋतु, मौसम, बहार
(ऋतुस्नान) स्त्रियों का मासिक स्नान
(ऋष्यमूक) एक पर्वत जो किष्किन्धापुरी के पासहै
(ॠ) देवता, दानव, की माता महादेव, भैरव, राक्षस

(ए)

(एकचित्त) सावधान, निश्चिन्त जिसका मन एक विषय पर जमाहुआ हो
(एकत्र) एकजगह
(एकधा) एकप्रकारसे, एकतरहसे
(एकरस) जो सर्वकाल एकसारहै
(एकाक्ष) एक आंखवाला, काना
(एतादृश) इसतरहका, ऐसा
(एतावत्) इतना, इतनी

(ऐ)

(ऐरावती) एक नदीका नाम जो लाहौरके पास बहती है, ब्रह्मादेशमें जो नदी बहती है उसका नाम

(औ)

(औषधालय) दवाख़ाना, अस्पताल

(क)

(कटिबद्ध) कमरबांधे हुये, तय्यार, मुस्तैद
(कठिनता) कठोरता, कठिनाई, दिक़्क़त
(कण्ठस्थ) कण्ठमें स्थित, बरज़बान, वाचोविधेय
(कंठ्य) जोवर्ण कण्ठसे निकलताहो
(कण्डन) कांड़ना, मर्दना, मींजना
(कण्डनी) कॉंड़ी, उखली
(कतम) कौन २
(कतिपय) कईएक, चन्द, थोड़ा
(कथक) कहनेवाला, कथाबांचनेवाला, पौराणिक
(कदाचित्) कभी, किसी वक्त
(कदापि) कभी, किसी वक्त
(कनकाचल) सोनेकापहाड़
(कपटिन्) वञ्चक, छली, दग़ाबाज़
(कपर्दिका) काकिणी, कौड़ी
(कपालिन्) महादेव
(कपिकुञ्जर) बन्दरों में श्रेष्ठ
(कपिध्वज) जिसकी ध्वजा में वानरकीसी सूरतबनीहो, अर्जुन
(कमनीय) मनोहर, सुन्दर, सुथरा, सुहावन, दिलचस्प
(कमलापति) लक्ष्मीका भर्त्ता, नारायण
(कम्बुग्रीव) शंख के सदृश तीनि रेखायुक्त, तथा सुस्निग्ध सुन्दर ग्रीवा, गला जिसका हो, वह पुरुष

(करताली) हथेली वजाना
(करपाल) हाथकी रक्षा करनेवाला खड्ग, तरवार, दस्ताना
(करशाला) चुंगीघर, महसूल चुकने की जगह
(करालाकृति) जिसकी आकृति सूरत कराल, डरावनी हो भयानक, खौफनाक
(करुणायतन) करुणा दया के आयतन, स्थान, बड़ा रहम दिल, अतिकृपालु
(करुणार्द्र) दयासे आर्द्र, गीला, करुणा निधान
(कर्णवेध) संस्कार विशेप, कनछेदन
(कर्णवेधन) संस्कार विशेप कनछेदन
(कर्णाट) कर्णाटक देश
(कर्मेन्द्रिय) काम करनेवाली इन्द्रिय, हाथ, पैर, लिंग, गुदा, वाक्, ये पांच
(कलकण्ठ) जिसका मधुर स्वर, हो कोकिल, कोयल
(कलन) गिनना, संख्यान
(कला) सोलहवाँ अंश, हिस्सा, समय का हिस्सा, मिनट, चतुःषष्टि ६४ प्रकार की विद्या, जो आगे क्रम से वर्णन की जाती है,

१ (गान) ७ प्रकार के स्वर, तथा राग, और रागिनियोंको अच्छे प्रकार जानना और उनको अच्छी तरहअभ्यस्त याद करना.

२ (वाद्य) जै प्रकारके वाजा हैं उनको अच्छी तरह वजाना.

३ (नटन) नृत्य, नाचना.

४ (नाट्य) भूत पूर्व, पहिले के महाराजाओं के चरित को नाटक करके खेलना व दिखलाना, नकल करना.

५ (आलेख्य) चित्रकारी करना, तसवीर खींचना.

६ (बहुरूपधारित्व) विशेपक छेद्य समयानुसार, वक्त मुताविक, हरतरह का रूप धारण करना.

७ (तण्डुलप्रसूनवलि विकारक्रिया) समूचे चावल और पुष्पोंसे देवताओं के मन्दिर में चौकवगैरः वनाना.

८ (पुष्पशय्यानिर्म्माण) फूलों की शय्या, सेज वनाना, और फूलों के अनेक प्रकार के भूपण गहना वनाना.

९ (दन्त, वस्त्राङ्गरागादिनिर्माण) दाँतोंको सुगन्धित और स्वच्छसाफ करनेवाले अनेकप्रकार के मञ्जन, मिस्सी वनाना, समय २ के नेपथ्यपोशाक को जानना, स्त्रियों के अङ्गों में अनेक प्रकार के चित्र उरे-

हना और सुगन्धादि, इत्र, फुलेल द्रव्य का लेप करना.

१० (मणिभूम्यादिनिर्माण) ऋतु समय के अनुसार मकान वनाना जिसमें ऋतु के अनुसार सब सामग्री मौजूद रहै.

११ (शय्याविधान) विस्तर का बिछाना.

१२ (जलवाद्य) पानीका वाजा वजानाजलतरङ्ग.

१३ (उदकक्रीडा) जलका खेल, जलविहार जानना.

१४ (विचित्रविधान) क्लीव, नपुंसक बनाना, युवा, जवानको वृद्ध, वूढ़ावनाना.

१५ (मालाग्रन्थन) देवताओं के पूजन के लिये विविध भाँति के वस्त्र तथामाला वनाना.

१६ (शेखरापीडयोजन) पुष्पों से केशपाशको भूषित करना.

१७ (नेपथ्यरचना) देश तथा समय के अनुकूल पोशाक पहिनना.

१८ (कर्णपत्रभङ्गनिर्माण) हाथी दांत या शंख या और वस्तु से कर्ण भूषण वनाना.

१९ (सुगन्धयोजन) विविध भांतिके सुगन्धित, खुशवूदार चीज़ वनाना व लगाना.

२० (भूषणयोजनम्) अलङ्कार विधान, गहना पहिनना, या पहिनाना.

२१ (ऐन्द्रजाल) मायावी,वाजीगरकी तरह क्रीडा करना.

२२ (रूपनिर्म्माणकौशलको) कौचुमार योग वदसूरत को खूबसूरत वनाना

२३ (हस्तलाघव) काम में हाथ की सफाई

२४ (भोज्यविकार) अनेकप्रकार के भोजन रसोई, वनाने में चतुरता होशियारी.

२५ (पानक रस रागासवयोजन) हरतरहके पीने के लिये शरवत रस अर्क, आसव नशीली चीज़, भांग माजून, अङ्गूरी शराव वगैरः का वनाना

२६ (सूची वाणकर्म) सुई का काम, सीना वूटे काढ़ना, वाणकर्म, वाणका चलाना व वनाना.

२७ (सूत्रक्रीडा) तागासे चकई, व लट्टू वगैरः का नचाना या रंग विरंगा तागा दिखाना.

२८ (प्रहेलिका) जिसके शब्दों से और अर्थ हो और वास्तविक असलीमतलब कुछ औरही हो यथा जरैं वरैं ऐंठें लड़ें याहीमें स्वाहिं चैन। गली गली डोलत फिरैं कहे रसीले वैन १ नाच उलटिकै घोड़ाखाय २ इत्यादि वार्त्ता, कहानीको जानना.

२९ (प्रतिमाला) हरएक पशु, पक्षीकी बोली बोलना. या अन्तराक्षरी बैतबाजी जैसे शारदा शारदाम्भोजवदना वदनाम्बुजे ॥ सर्वदा सर्वदा स्माकं सन्निधिं सान्निधिं क्रियात् १ इस श्लोक के अन्तिमअखीरी अक्षर त से कोई श्लोक पढ़ना यथा ततोरावण नीतायाः सीतायाश्शत्रुकर्षणः ॥ इयेपपदमन्वेष्टुं चारणा चरिते पथि १ इत्यादि जानों॥

३० (दुर्वचक योगाः) दुष्ट, वञ्चक, ठग दगाबाज़लोगोंकी संगति सोहबत करना.

३१ (पुस्तकवांचनम्) शुद्ध सही शीघ्र जल्दी पुस्तक को बाँचना.

३२ (नाटकाख्यायिका दर्शनम् नाटक) दृश्यकाव्य, थियटर करिकै प्राचीन, पुरानी, कथा, इतिहास, कहानी, को दिखलाना, या देखना.

३३ (काव्यसमस्यापूर्त्तिः) जो कोई पुरुष कवित्त अथवा श्लोकका चौथाचरण देवै यथा "सूच्यग्रेकूपपट्कन्तदुपरिनगरी तत्रगंगाप्रवाहः" और कहै कि इसको तथा इसी प्रकारके और श्लोकका चौथाचरण को पूर्णकरो तब उसको पूराकरना यथा ॥ मन्त्रैस्सम्यक्प्रयुक्तैः सविधि गिरिभुवामौषधीनाम्प्रयोगैस्सारज्ञैस्त्वागुरूणाम् ॥ आयासैर्नीच पुंसाम्मालिनकुलजुषांशिष्टतेयं यदिस्यात् "सूच्यग्रेकूपपट्कन्तदुपरि नगरी तत्रगंगाप्रवाहः" इत्यादि.

३४ (पट्टिकावेत्रवाणविकल्पाः) नेवार, और बेंत, रज्जु, रस्सी से मोढ़ा, कुर्सी, कोच, पलँग वगैरह बीनना.

३५ (तर्ककर्माणि) तर्क, युक्ति, तरकीब से कामकरना.

३६ (तक्षणम्) बढ़ई का काम जानना या करना.

३७ (वास्तुविद्या) गृह, घर, मकान, बनाने की विद्या, कारीगरी, जानना, थवई का काम करना.

३८ (रौप्य, रत्नपरीक्षा) रौप्य, सोना, चाँदी, रत्न, जवाहिरात को पहिचानना, परखना.

३९ (धातु वादः) सुवर्णकार सोनारका काम जानना या करना.

४० (मणिरागाकरज्ञानम्) मणिराग मणियोंके रंगको तथा उन की खानि को जानना और पहिचानना.

४१ (वृक्षायुर्वेदयोगः) वृक्ष पेड़ दरख्त का आयुर्वेद, वैद्यक चिकित्सा, दवा, पालन, पोषणकरना, या उसका प्रकार जानना.

४२ (मेष,कुक्कुट,लवा,युद्धविधिः) मेष भेंड़ा, कुक्कुट मुर्गा, लवा तीतर,

की लड़ाई का प्रकार जानना व लड़ाना.

४३ (शुकसारिकाप्रलापनम्) सुआ सुग्गा, तोता सारिका, मैना को पढ़ाना यानी उन को बोलना सिखाना.

४४ (उत्सादनम्) शत्रु दुश्मनों को यत्न पूर्वक तरकीब के साथ उत्सादन उजाड़ देना, निकासिदेना.

४५ (केशमार्जन कौशलम्) बालोंको मलना और कंघी करना, तथा तेल फुलेल लगाना इत्यादि कामों में कुशलता.

४६ (म्लेच्छित विकल्पाः)म्लेच्छ यवनादि की भाषा ज़बान,को जानना तथा उनके काम में आनेवाली चीजों को बनाना.

४७ (देश भाषा ज्ञानम्) सवदेश मुल्कोंकी भाषा बोल चाल सीखना.

४८ (पुष्पशकटिका) लड़कों के खेलने के लिये फूलोंकी गाड़ी वगैरः बनाना.

४९ (निमित्तज्ञानम्) कुण्डली तथा प्रश्न तथा वर्त्तमान समय तथा अनेक प्रकार की अद्भुत वातों को देखकर भूत, भविष्यत्, का शुभाशुभ अच्छा बुरा फल नतीजा जान लेना व बतलाना.

५० (यन्त्रमात्रिका) वशीकरण, युद्धादिक के लिये यन्त्र तावीज़ वगैरः बनाना तथा उसका प्रकार जानना.

५१ (धारणमात्रिका) बिना पढ़ी विद्याको भी एकहीवार सुनकर अवधारण याद रखना, स्मरण शक्ति को बढ़ाना, अवधान करना.

५२ (समवाच्यसमपाठ्यम्) किसी दूसरे आदमीका पढ़ना या बात चीत सुनकर चाहै उस भाषा को जानता भी न हो तथापि यथाश्रुत जैसा सुनै वैसा स्मरण रखना, या दूसरीबार उसीतरह पढ़जाना.

५३ (मानसीकाव्यक्रिया) मन से काव्य करना अर्थात् दूसरे के आशय, मतलब को बिना जनाये भी समझलेना.

५४ (अभिधानकोशाः) सब पदार्थों, चीजों का नाम जानना.

५५ (छन्दोज्ञानम्) छन्दके शास्त्र से अनेक प्रकार के छन्दों के भेद को जानना

५६ (क्रियाविकल्पाः) जिसतरह बनै उस तरह से कार्य्य को सिद्ध करना.

५७ (छलितयोगाः) छलित, छल, कपट हरतरह की चालाकी सीखना अर्थात् ऐयारी करना.

५८ (वस्त्रगोपनानि) कपड़ों की रक्षा, हिफाज़त करना.

५९ (द्यूतविशेषाः) शतरंज, चौ-

पड़, ताश वगैरः अनेक प्रकार के जुआका खेल जानना, या खेलना.

६० (आकर्षक्रीडनम्) जुआ के खेल में भी इसतरह खेलना जिससे अपनी ही बाजी चौकसरहै इसबात में निपुणहोना.

६१ (बालकक्रीडनकानि) लड़कों के खेल को जानना या लड़कों के खेलने के लिये खिलौना बनाने जानना.

६२ (वैनायिकीज्ञानम्) राजादि कों को विनय, नम्रतासेप्रसन्न,खुश करने जानना.

६३ (वैजयिकीज्ञानम्) स्पष्ट विजय करना या विजय, जीत देने वाले देवताओं को वश करने की विद्याजानना.

६४ (वैयासकीव्यायामकीविद्या ज्ञानम्) व्यासादिकनके जो पुराण हैं उनको सब को जानना और व्यायाम कसरत इत्यादि नटविद्या को जानना.

(कलाधर) कलानिधि,चन्द्रमा, चांद
(कल्पतरु) इन्द्रके नन्दनवनमें एक ऐसावृक्षहै जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथ को पूर्णकरताहै वह वृक्ष
(कल्पद्रुम) इन्द्र के नन्दन वन में एक ऐसा वृक्ष है जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथको पूर्णकरता है वह वृक्ष
(कल्पित) बनायाहुआ, मानागया कृत्रिम, रचित
(कश्यप) एक मुनिकानाम, जिसने अपनी सृष्टिसे देवता,दैत्य राक्षस इत्यादि को उत्पन्न किया कश्य, मदिराकी भी संज्ञाहै, उसको जो पीवै सो पुरुष, शराबी, मद्यप
(काकतालीयन्याय) अनायास बिना परिश्रम या अनवसर वे मौके या दैवयोग से इत्तिफाकन, जो वस्तु मिलजाय, ऐसे समय पर कहाजाता है कि यह काकतालीय न्याय से प्राप्त हुआहै
(कांक्षा) इच्छा, अभिलाष, चाहना ख्वाहिश
(कापुरुष) खराब आदमी, नीचपुरुष
(कामकेलि) कामदेवका खेल, स्त्री पुरुषका एकान्त मिलाप, सुरत, मैथुन
(कामधेनु) एकतरह की गौ, जो सम्पूर्ण मनोरथको पूराकरती है

(कामना) मनोरथ, चाहना, ख्वाहिश
(कामरूप) इच्छानुसार जैसाचाहे तैसा रूप सूरत धारण करनेवाला मायावी
(कामातुर) कामदेवसे व्याकुल, मस्त, बड़ाकामीपुरुष
(कामार्त्त) कामदेवसे पीड़ित, कामुक, मस्त
(कामारि) कामदेवका शत्रु, महादेव
(कायिक) शरीर सम्बन्धी, देहके मुतअल्लिक़, शारीरिक
(कारागार) जेलखाना, बन्धनालय
(कार्पण्य) कंजूसी, कृपणता, सूमपना
(कार्याधिकारिन्) कारोवारका मालिक, कार्य्याध्यक्ष, मैनेजर
(कार्यकलाप) बहुतसाकाम
(कार्यदक्षता) काममें होशियारी, कार्यकौशल, कारगुजारी
(कार्यनिष्ठ) काम में लगाहुआ, कार्यासक्त, मशगूल
(कालक्षेप) समयको व्यतीतकरना, दिनकाटना
(कालनेमि) एक राक्षसका नाम, लंकाकी लड़ाईमें जब लक्ष्मणजी के शक्ति लगीथी उससमय संजीवनमूरि लेनेको जातेहुये हनुमान्जी को रास्ते में कपटमुनि बनकर जिसने छलना चाहाथा
(कालरात्रि) काल, मौतकीरात, नवरात्रकी सप्तमी तिथि
(किष्किन्धा) वालिवानर की राजधानी एक पुरी
(कीदृश्) कैसा, किसप्रकारका, किसतरहका
(कीदृक्ष) कैसा, किसप्रकारका किसतरहका
(कीर्तन) तारीफकरना, सराहना, यशोवर्णन
(कुकर्मन्) बुराकाम
(कुचकुड्मल) कुचकीकली, चूंची की ढेपुनी, चूचुक, कुचाग्र
(कुटुम्बिन्) गृहस्थ, घरवारी, खानदानी
(कुण्ठित) मुड़ाहुआ, खफाहुआ, लज्जित, आलसी, सुस्त
(कुतर्क) वेजह दलील
(कुदृष्टि) बुरी निगाह, बुरी निगाह से देखना, बदनज़र
(कुधर) पहाड़, अद्रि, पर्वत
(कुध्र) पहाड़, अद्रि, पर्वत
(कुपथ) खराबरास्ता, कुमार्ग

(कुपात्र) खराब वर्तन, दानदेने के अयोग्य ब्राह्मण
(कुपित) गुस्सावर, क्रुद्ध, नाराज़
(कुभार्या) बुरीस्त्री, लड़ाका
(कुमति) बुरी समझ, दुर्बुद्धि
(कुमुदबन्धु) चन्द्रमा
(कुम्भसम्भव) अगस्त्यमुनि
(कुम्भीपाक) एक नरकका नाम, जिसमें जलतेहुये तेल की कड़ाही में पापी लोग डालेजाते हैं
(कुयोग) बुरी सोहबत, कुसंगति
(कुरु) इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली का एकपुरानाराजा जिसकावंश कौरव कहलाताहै
(कुरुक्षेत्र) कुरु राजा का क्षेत्र, जगह जहांपर कौरव और पाण्डवोंका युद्ध हुआथा
(कुरूप) बदसूरत आदमी, खराब सूरत
(कुलघातिन्) खानदानको बरबाद करने वाला, कुलनाशक
(कुलतारण) कुलको तारने वाला लायक़ लड़का, जिससे कुल सुशोभित होता है
(कुलद्रोहिन्) कुलवाले खानदानी लोगों का द्रोह, नाश चाहने वाला अर्थात् बुरे कर्मों से अपने वंश को बदनाम करनेवाला
(कुलधर्म) कुल, वंशका धर्म, आचरण वर्त्ताव, व्यवहार कुलाचार
(कुलपूज्य) वंशके सब लोग जिस की पूजा करतेहों कुल गुरु, पुरोहितकुलदेवता
(कुलक्षण) कुचाल, बुरेचिह्न जिस में हों वह पुरुष
(कुशलक्षेम) खैर सल्लाह कुशल मंगल, चैनचान
(कुशाग्रबुद्धि) कुशके अग्र, फुनगी के तुल्य जिसकी बुद्धि तेज़हो वह पुरुष, बड़ा बुद्धिमान्
(कुष्ठनाशिनी) कोढको नाश करनेवाली औषधि सोमराज वल्ली
(कुसुमशर) जिसके बाण फूलके हों वह, कामदेव
(कुसुमित) फूला हुआ, पुष्पित
(कुहक) कुटिल, कपटी, छली, फरेबी
(कूलद्रुम) नदी के किनारे पर उगे हुये वृक्ष, तटस्थवृक्ष
(कृतकार्य) जिसने काम को पूरा किया हो, कामयाब, कृत कृत्य

(कृतघ्न) उपकारको न माननेवाला, अहसान फ़रामोश
(कृतघ्नता) उपकार को न मानना, अहसान फ़रामोशी
(कृतज्ञ) नेकीको समझनेवाला, उपकारज्ञ, अहसानमन्द
(कृतवीर्य) एक राजाकानाम, जिसका सहस्रबाहु कार्त्तवीर्य, नामपुत्र हुआथा
(कृतार्थ) जिसने अपने कृत्य काम को कियाहो, जिसकी इच्छा पूरी होगई हो
(कृत्रिमपुत्र) दत्तकपुत्र, जिस को गोद विठाया हो, वह लड़का
(कृषिकर्म) खेतीकाकाम, काश्तकारी
(कृषिकारक) खेती करनेवाला, काश्तकार, किसान
(केन्द्र) पृथ्वीकी दक्षिण तथा उत्तर रेखा जिससे पृथ्वीकी नाप होतीहै
(केरल) मालवादेश, नवीनविद्या, नयाशास्त्र
(केशिन्) जिसके बाल सुन्दर हों, एक राक्षस का नाम जो व्रजमें श्रीकृष्णजीको मारने गयाथा
(कैटभ) एक राक्षसकानाम, जिस को दुर्गाजीने बध कियाथा
(कोपित) क्रोधी, खफ़ा
(कोमलता) मुलायमत, नरमाई, मृदुता
(कोलाहल) कैल कल शब्द, गुल गपाड़, हल्ला
(कोशला) कोश खजानः जिसमें बहुत हो अयोध्या
(कोशाध्यक्ष) खजान्ची, भाण्डारिक
(कौतुकिन्) क्रीड़ाशील, खिलाड़ी
(कौरव) कुरु राजा के वंश के लोग कुरुवंशी
(कौशिकी) एक नदी का नाम पहिले जो विश्वामित्र की बहिनथी, अब नदी होकर हिमाचल से बहती है
(क्रयविक्रय) खरीद, फरोख्त, बनेई, बनिजपन
(क्रान्ति) आकाशमें सूर्यका रास्ता
(क्रान्तिमण्डल) खगोलमें सूर्य का मार्गबतलानेवाला वृत्त
(क्रियादक्ष) काम में कुशल होशियार, कार्य कुशल
(क्रोडपत्र) खर्रा, पर्चा
(क्रोधना) कोपवती स्त्री, गुस्सावर औरत
(क्रोश) पुकारना, रोना, कोस, दो मील
(क्लान्त) थका हुआ, श्रान्त

(क्लान्ति) थकावट, परिश्रान्ति
(क्लेशक) दुःख देनेवाला, दुखदाई
(क्वथित) पकाया हुआ, पक
(क्षणिक) थोड़ी देरतक जो रहे, थोड़ी देर का
(क्षत) घाव, व्रण, जख़म, अथवा, माराहुआ, हिंसित
(क्षति) घाटा, नुक़सान, हानि
(क्षरण) टपकना, चूना, स्राव
(क्षाम) पतला, दुवला, चीण, कृश
(क्षालन) शुद्धकरना, पवित्रकरना, धोना, खंहारना
(क्षालक) धोनेवाला, धोबी
(क्षालित) शुद्धकिया हुआ, धोया हुआ, साफ कियाहुआ
(क्षितिप) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षितिपति) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षितिपाल) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षुण्ण) पीसाहुआ, चूर्णित
(क्षुधातुर) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा
(क्षुधार्त्त) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा
(क्षुब्ध) व्याकुल, घबरायाहुआ
(क्षुरभाण्ड) अस्तुरा धरनेकाबर्त्तन, किस्वत
(क्षेत्रज) अपनी स्त्री में दूसरे से उत्पन्न पुत्र, जारपुत्र
(क्षेपक) फेंकनेवाला
(क्षेपणी) ढीला, छोटा पत्थर, फेंकनेवाली चमड़े वा रस्सी की ढिलवाँसी
(क्षोभ) भयानक वस्तुके देखने से चित्त, तबीयत की घबराहट, डर, भय
(क्षौर) मुण्डन, हजामत करना, मुड़ाना

(ख)

(खगपति) पक्षियों, चिड़ियोंका मालिक, गरुड़
(खगान्तक) पक्षियोंका नाशकरने वाला, बाजपक्षी
(खगेश) गरुड़, पन्नगारि
(खगोल) आकाशमण्डल
(खगोलविद्या) आकाशके तारा, ग्रहादिकों की चाल, उदय, अस्त जानने की विद्या, ज्योतिष के सिद्धान्त ग्रन्थ
(खण्डन) काटना, टुकड़े करना, किसी की वात काटना मातकरना
(खनन) खोदना या जिससेखोदा जाय, कुदार वगैरः
(खमणि) आकाश का मणि, सूर्य्य
(खरधार) जिसकीधार बहुततेज़हो, तीक्ष्णधार

(खल्वाट) चँदुला, जिसके शिर में बाल नहीं, गंजा
(खाण्डव) एक बनका नाम
(खाद्य) खानेके लायक चीज़,भोज्य
(खानिक) खानि में पैदाहोनेवाली चीज़
(खिन्न) उदासीन, रंजीदः
(खेचर) आकाश में चलनेवाला, ग्रहगण, देवतादिक
(खेद) शोक, अफसोस, पछतावा

(ग)

(गङ्गाद्वार) जहाँ से गङ्गा निकलती है, गंगोत्तरी
(गजगामिनी) जिस स्त्रीकीचाल हाथीकी चालकी नाई मतवालीहो वह स्त्री
(गजपाल) हाथीको पालनेवाला, महावत, हाथीवान्
(गजवदन) गणेशजी
(गणक) ज्योतिषी, गिननेवाला, नजूमी
(गणनाथ) शिवजी के गणोंका मालिक, गणेशजी
(गणनायक) गणेशजी
(गणपति) गणेशजी
(गणितज्ञ) हिसाब जाननेवाला
(गण्डकी) एक नदीका नाम
(गताक्ष) जिसकी आंख जातीरही हो, अंधा
(गतिपरिपाटी) सेना के चलने की रीति, फौजकी क़वायद
(गदहन्) रोगको दूर करनेवाला वैद्य, हकीम, डाक्टर
(गदा) एक तरह का हथियार
(गदाधर) कौमोदकी गदाको धारण करने वाले विष्णु भगवान्
(गदिन्) रोगी, विष्णु
(गद्गद) बड़े हर्ष, खुशी या भय से पूरा न बोलसकना
(गन्तृ) चलनेवाला, जानेवाला
(गमनागमन) आनाजाना, आमदरफ्त
(गमिन्) जानेवाला
(गया) एक तीर्थस्थान जहां हिन्दू लोग पितरों के उद्धारार्थ पिण्डदान करते हैं
(गर) निगलना, गला, जहर, विष
(गरिमन्) गरुआई, बोझा, गुरुत्व
(गरीयस्) गुरू, श्रेष्ठ, बड़ा
(गर्ग) एक ऋषिकानाम, जो यदुवंश का गुरू था
(गर्जन) गरजना, सिंहका शब्द, गाजना
(गर्भवती) जिस स्त्री के सन्तान होनेवाला हो
(गर्भस्राव) गर्भका गिरना गर्भपात,
(गर्वित) अभिमानी, अहंकारी, घमंडी

(गर्हित) निन्दित
(गाथा) कथा, श्लोक
(गाधितनय) विश्वामित्र
(गान्धर्व) गन्धर्व विवाह, जो केवल वर कन्या की ही रज़ामन्दी से होताहै
(गायक) गानेवाला, गवैया
(गायन) गानेवाला, गवैया
(गालव) एक ऋषिका नाम, लोध औषध
(गिरिजा) हिमाचल से उत्पन्न पार्वती जी, गौरी
(गिरिधर) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले, श्री कृष्ण भगवान्
(गिरिधारिन्) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले श्रीकृष्ण, भगवान्
(गिरिराज) हिमाचल गोवर्धन, सुमेरु
(गिरिवर) पर्वतों में श्रेष्ठ बड़ापहाड़
(गिरिसुता) गौरी, पार्वती
(गिलन) निगलना,खाना, भोजन करना
(गीतिका) एक छन्द का नाम
(गुञ्जन) गूँजना
(गुटिका) गोली, गुलिका
(गुणक) जिस अंक से गुना जाय, वह अंक
(गुणग्राहक) गुण का गाहक गुण को जाननेवाला
(गुणग्राहिन्) गुण का गाहक गुण को जाननेवाला
(गुणन) गुनना, जरब देना
(गुणवत्) पण्डित, प्रवीण, चतुर
(गोपित) पालाहुआ, पालित, रक्षा किया हुआ, रक्षित
(गोप्तृ) रक्षा करनेवाला, पालक, मुहाफिज
(गोप्य) छिपानेकेलायक, अप्रकटनीय
(गुम्फ) गूंथना, पोहना, गुम्फन, ग्रन्थन
(गुरुतर) बहुतभारी,बहुतही भारी
(गुरुतम) बहुतभारी,बहुतहीभारी
(गुरुजन) बड़े लोग, वृद्धजन, बड़े बूढ़े
(गुरुवार) बृहस्पति का दिन, बीफै
(गृध्रराज) गीधों का राजा, जटायु सम्पाति, नाम के दो गीध
(गृहिणी) स्त्री, जोरू
(गेय) गाने के योग्य
(गोत्रज) गोतियार, एक गोत्र के लोग
(गोऽतीत) अप्रत्यक्ष, इन्द्रियों से बाहर
(गोदान) गौकादान,देना, संस्कार मुण्डन, विशेष, पहिले २ दाढ़ी बनवाना

(गोदावरी) स्वर्गको देनेवाली एक नदी का नाम जो दक्षिण में वहती है
(गोधूलि) सायंकाल, शाम, जब कि गौएँ जंगल से चरके गाँव को आती हैं वह समय
(गोपन) छिपाना, अप्रकाशन, रक्षा करना
(गोपनीय) छिपाने के योग्य अप्रकाश्य
(गोपी) गोप, अहीर की स्त्री, अहीरिन, ग्वालिन
(गोपीनाथ) श्रीकृष्ण, भगवान्
(गोमती) एक नदीका नाम
(गोमुखी) जिसका गौकैसा मुखहो या जिसमें मालारखकर जप किया जाता है वह थैली, हिमाचलकी एक गुफा जिससे गंगाजी निकलती हैं
(गोवर्धन) व्रज में इन्द्रके कोप से जब धारा सम्पात करके जल बरसताथा उस समय श्रीकृष्णजीने जिसपर्वत को उठाया था वह पहाड़
(गोस्वामिन्) गो, इन्द्रिय और गौ का स्वामी, मालिक ईश्वर, महन्त, गुरू गुसाईं, अथवा जिस के वहुतसी गौएँ हों
(गौड़) ब्राह्मणोंकी एक जाति, जिसमें बंगालकी राजधानी थी वह शहर
(गौण) अप्रधान
(गौरीश) महादेव, शिव
(ग्रन्थकर्त्तृ) पुस्तक बनानेवाला
(ग्रन्थकार) पुस्तक बनानेवाला
(ग्रहण) लेना, सूर्य अथवा चन्द्रमा को जब राहु ग्रसताहै वह समय
(ग्राहक) ग्रहण करने वाला, लेने वाला, खरीददार
(ग्राह्य) ग्रहण करनेके योग्य, लेने लायक, आदेय

(घ)

(घटक) मिलाने वाला, संयोजक चेष्टा करनेवाला
(घटज) घटसे उत्पन्न, अगस्त्यमुनि जो दक्खिनतरफ़ आकाश में उदयहोताहै
(घटयोनि) अगस्त्यमुनि
(घटी) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
(घटिका) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
(घण्टाली) छोटी २ घंटियोंका समूह, जो बैलके गलेमें बांधीजाती हैं

कारका कच्चा लोहा जो लोहे को खींच लेताहै
(चुम्बन) चुम्मा, बोसा, चूमना
(चूडाकरण) मुण्डन संस्कार, मूँड़न
(चूपक) चूसनेवाला
(चूपण) चूसना
(चेष्टा) हाथ, पैरका चलाना, काम करना
(चैतन्य) परमात्मा, ब्रह्म
(च्युति) चूना, टपकना

(छ)

(छन्दोग) काव्यबनानेवाला, कवि, सामवेदका गानेवाला
(छर्दन) छाँट, वमन, क़य
(छर्दि) छाँट, वमन, क़य
(छलविनय) कपटपूर्वक, विनय करना
(छात्रवृत्ति) विद्यार्थियों की वृत्ति, वज़ीफा, स्कालरशिप
(छायापथ) पछाईं का मार्ग, खाली जगह, आकाश
(छोटिका) कौपीन, लँगोटी
(जगदम्बा) जगत्, संसारकी माता, देवी, दुर्गा
(जगदाधार) दुनियां जिसके सहारे पर रहे, शेषजी
(जगदीश) संसार का मालिक, परमात्मा
(जङ्गम) दो प्रकार की सृष्टि में से चलने फिरनेवाले जीव
(जटाधारिन्) जटा, सदा बँधे रहने वाले बालों को, रखनेवाला
(जटित) जड़ाऊ, जड़ाहुआ
(जटिल) जटा रखनेवाला, जटाधारी
(जड़मति) उजड्ड, दुर्बुद्धि
(जनकतनया) जानकी जी महारानी
(जनकसुता) जानकीजी महारानी
(जनप्रवाद) लोगों की कहावत, लोक प्रवाद
(जनमेजय) दुष्ट लोगों को कँपाने वाला, प्रतापशाली राजा परीक्षित का पुत्र
(जनयितृ) पैदा करनेवाला, तात, जनक, पिता
(जनश्रुति) लोगों में फैला हुआ अफ़वाह, किंवदन्ती
(जन्मद) पिता, बाप
(जन्मदिन) पैदायश का रोज़
(जन्मभूमि) जिस जगह पैदाहुआ हो वह जगह, वतन
(जन्मान्तर) दूसरा जन्म, पुनर्जन्म
(जम्बुद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उन में से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाता है

(जम्बूद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उनमें से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाताहै
(जयपताका) जीतकाझण्डा,विजयकेतु
(जरती) बुढ़िया स्त्री
(जरासन्ध) जरानाम राक्षसी ने जन्मके समय उसके शरीरके जो दो टुकड़े थे उनको जोड़ कर यह बरदान दियाथा कि जबतक यह जोड़ न फटैगा तब तक यह किसीके मारे न मरेगा इसीसे उसका नाम जरासन्धथा, यह मगधदेशका राजाथा, और अपने जामाता, दामाद,कंसकेमरनेपर श्रीकृष्णजी का वैरी होगया अन्तमें इस की मृत्यु भीमसेनके हाथसे हुई
(जलकरङ्क) पानीकासेवार,काई, घोंघा
(जलकाक) पानी में रहनेवाला पक्षी,पनडुब्बी, बतख
(जलकुक्कुट) पानी में रहनेवालामुर्गा
(जलक्रीडा) पानीकाखेल
(जलचर) पानी में रहनेवाले जीव, मछली, ग्राह इत्यादिक
(जलत्र) पानीसे बचानेवाला, छतुरी, नाव
(जलद) मेघ, बादल
(जलधि) समुद्र
(जलनिर्गम) पानी निकलने की रास्ता, मोरी, नाला
(जलपति) जलकादेवता, वरुण
(जलयान) पानीकीसवारी, जहाज़, नाव
(जलराशि) समुद्र
(जलरुह) कमल
(जलशायिन्) क्षीर समुद्रमें सोने वाले विष्णु
(जह्नु) चन्द्रवंशका एक राजर्षि,जिसने गंगाजीको एकबार पी लियाथा तभीसे गङ्गाजीको जह्नुतनया भी कहते हैं
(जागरण) रातको जागना,रतिजगा
(जात) जाति, कौम, पैदाहुआ, उत्पन्न
(जातक) जन्म का हाल बतलाने वाले ज्योतिषके ग्रन्थ
(जातकर्मन्) संस्कार विशेष जो कि पुत्रके पैदा होने पर तुर्तही किया जाताहै,नान्दीमुख दिक श्राद्ध

(जापक) मन्त्रको जपनेवाला
(जाम्बवत्) जामवन्त नाम रीछ जिसकीकन्या जाम्बवती श्रीकृष्णजी को व्याहीथी जिसने लङ्काकी लड़ाई में श्री रामचन्द्रजी को बड़ी सहायता दीथी
(जायानुजीविन्) औरतसे रोज़गार करने वाला, नट बेड़िया
(जाह्नवी) गंगाजी
(जिगमिषा) जानेकी इच्छा,इरादा, गमनेच्छा
(जिगीषा) जीतनेका इरादा
(जिघत्सा) भोजन करनेकी इच्छा
(जिघांसा) मारनेका इरादा
(जिघांसु) मारने की इच्छा किये हुये
(जिज्ञासा) जानने की इच्छा कियेहुये
(जिज्ञासु) जानने की इच्छा किये हुये, बुभुत्सु
(जितेन्द्रिय) इन्द्रियों को अपने वश, इख्तियार में किये हुये
(जीर्णोद्धार) पुरानी चीज़की मरम्मत करना
(जीवित) जीताहुआ
(जुगुप्सित) निन्दित, बदनाम
(जुष्ट) प्रसन्न, खुश, सेवित, सेवा किया हुआ
(जृम्भा) जँमुहाई, जृम्भण
(ज्ञात) जाना हुआ, समझा हुआ
(ज्ञानवत्) जाननेवाला, ज्ञानी, पण्डित
(ज्ञानेन्द्रिय) इन्द्रियाँ, जिनसे विषय सम्बन्धी ज्ञान होता है, कान, त्वक् खाल, नेत्र, जीभ, नाक, ये पांच इन्द्रिय
(ज्ञापक) विदित करनेवाला, जनानेवाला
(ज्ञापन) विदित करना, बतलाना
(ज्ञाप्य) जनाने के योग्य, जानने के योग्य
(ज्ञेय) जनाने के योग्य, जानने के योग्य
(ज्योतिर्विद) ग्रह, नक्षत्रका गति, उदय, अस्त बतलाने वाले शास्त्र का जाननेवाला पण्डित
(ज्वलित) प्रकाशमान, जलता हुआ
(ज्वालामुखी) ऐसा पहाड़ जिस में सदा अग्नि की ज्वाला निकलतीरहै यह पर्वत पंजाब प्रान्त में है, जिस को कि आस्तिक हिन्दू लोग देवी का

स्थान मानते हैं

(झ)

(झँझानिल) हवा, जिस में झंझनाहट की आवाज़ आती हो, गर्मी या वर्षा की हवा, झंझावात

(झषकेतु) कामदेव, मदन

(ट)

(टङ्कशाला) टकसाल घर जहाँ रुपया बनाया जाताहै

(टङ्कार) टन् २ ऐसे शब्द करना

(टलन) उद्वेग, घवड़ाना

(टिट्टिभ) टिटिहिरी, एक तरहकी चिड़िया जिसके कण्ठ का छिद्र बहुत छोटा होने से प्रायः तालाब नदी के किनारे प्यासके मारे टीं२ किया करतीहै

(टिप्पणी) कठिन शब्दोंका अर्थ

(ड)

(डाकिनी) डायिन

(डीन) पक्षी की उड़ान

(त)

(तक्ष) काटना, पतला करना

(तज्ज्ञ) तत्व, सिद्धान्त को जाननेवाला, पण्डित

(तटस्थ) नदी आदिके किनारे पर रहनेवाला उदासीन, समवृत्ति

(तटी) कूल, वेला, किनारा, तीर

(तडित्समाचार) तार के समाचार, तारबर्क़ी, सौदामिनी सन्देश

(तत्क्षण) उसीवक्त, तुरंत, फ़ौरन

(तत्र) वहाँ, उस जगह

(तत्रभवत्) पूज्य, आदरणीय, आंजनाब

(तत्वतस्) यथार्थ, ठीक २, सत्य २

(तथाऽपि) तिस पर भी, तौभी, तब भी

(तथाऽस्तु) वैसाही हो

(तदनन्तर) तिसके बाद

(तनया) कन्या, लड़की

(तनुज) पुत्र, लड़का

(तनूज) पुत्र, लड़का

(तन्तुकीट) रेशमबनानेवाला कीड़ा

(तन्मय) बिल्कुल वही, तद्रूप

(तन्मात्र) उतनाही, तावन्मात्र

(तपस्या) व्रत नियम में शरीर को क्लेशदेना

(तपोधन) जिसके केवल तपही धनहो, तपस्वी

(तपोवन) तपस्या करने का वन

(तप्त) तपाया हुआ गर्म, उष्ण

(तमसा) एक नदीका नाम जो अयोध्या से पूर्व अकबरपूर के पास बहती है जिको टौंस अब लोग कहते हैं

(तमोघ्न) तमस्, अँधेरा या अज्ञान को दूर करनेवाला सूर्य, गुरू
(तरण) तैरना, पारहोना, नाव इत्यादिक, हाथी का झूल
(तर्कविद्या) न्याय शास्त्र
(तर्जन) धमकाना, भर्त्सन, धमकी, घुड़की
(तर्पक) तृप्तिकरनेवाला
(तर्ष) प्यास, इच्छा, चाह
(ताटङ्क) कानका गहना, कर्णभूषण
(ताड़क) ताड़ना करनेवाला, सज़ादेनेवाला
(ताड़न) सज़ा, मारपीठ
(ताड़ना) सज़ा, मारपीट
(ताड़नी) कोड़ा, कशा, चाबुक
(तात्कालिक) उसीसमयका
(तात्पर्य) आशय, मतलब
(तादर्थ्य) उस कामकेवास्ते
(ताप) शोक, पछितावा, दुःख, ज्वर, बुखार
(तामस) तमोगुणी मनुष्य, तामसी, क्रोधी
(ताम्बूल) पान
(ताम्बूलिन्) तम्बोली, पानबेचनेवाला
(ताम्बूलिक) तम्बोली, पानबेचनेवाला
(तारण) तारना, पारलगानेवाला, उद्धार करनेवाला
(तारतम्य) घटबढ़
(तार्किक) नैयायिक, न्यायशास्त्र जाननेवाला
(तालवृन्त) पंखा, बेना
(तालव्य) जिन अक्षरोंका उच्चारण तालूसे होताहै वे अक्षर यथा, इ, च, छ, ज, झ, ञ, य, श
(तितिक्षक) हरएक के अपराधको सामर्थ्य होनेपर सहन करनेवाला, सहनशील
(तितिक्षा) सामर्थ्य होनेपर दूसरे के अपराधको सहना
(तिरस्कार) अनादर करना, त्यागिदेना
(तिरस्क्रिया) अनादर, बेइज्ज़ती, त्याग
(तिरोधान) अन्तर्ध्यान, गायबहोना
(तिरोहित) लुकाहुआ, छिपाहुआ, गायब
(तिलोत्तमा) स्वर्गकी एक वेश्या का नाम
(तिलोदक) तिलमिला पानी, तर्पणका जल
(तिलौदन) तिलमिला हुआ भात अर्थात् खिचड़ी
(तीर्थराज) तीर्थोंका राजा, प्रयाग
(तुङ्गभद्रा) एक नदीका नाम जो महीसुर, मैसूर राज्

धानी के पास बहती है
(तुम्बुरु) तम्बूरा, तानपूरा, एकतरह का बाजा
(तुरीय) चौथा, चौथाई
(तुलाधार) बनिया, वणिक्
(तुष्ट) सन्तुष्ट, तृप्त, प्रसन्न
(तूली) चित्रकार, मुसव्वरकी कूंची
(तृणवत्) तिनकाके बराबर
(तृतीय) तीसरा
(तृषार्त्त) प्यासमे व्याकुल, बहुत प्यासा
(तृषित) प्यासा
(तैलङ्ग) देशविशेष, कर्णाटक
(तोयद) मेघ, बादल
(तोयनिधि) समुद्र
(तोलक) तौलनेवाला
(तोषक) सन्तोष करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला
(त्यागशील) दानी, फ़य्याज़, दाता
(त्याजित) छुड़ायागया
(त्यागिन्) जिसने सर्व्वस्व त्याग दिया हो, विरक्त, वैरागी
(त्याज्य) त्यागकरनेके योग्य, छोड़ने के लायक
(त्रपित) लज्जित, शर्मिन्दा, लजाया हुआ
(त्रयोदशी) तेरहवीं तिथि
(त्रस्त) डराहुआ, भीत, खौफ़ज़दा
(त्रातृ) पालन करनेवाला, रक्षक, गोसा
(त्रासक) भयानक, डरानेवाला
(त्रासित) डरायागया, भययुक्त
(त्रिकालदर्शिन्) भूत, भविष्यत् वर्त्तमान इनतीनों कालमें होनेवाली बात को जानने वाला, सर्वज्ञ, त्रिकाल वेत्ता
(त्रिकूट) एक पर्वत का नाम जिस पर लंका, रावणपुरी बसीथी
(त्रिकोण) जिस खेत में तीन कोन हों, त्रिभुजक्षेत्र, तिकोना
(त्रिजटा) एक राक्षसी का नाम जो लंका में जानकीजी के अनुकूलथी
(त्रिधा) तीन तरह से
(त्रिनयन) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव
(त्रिनेत्र) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव
(त्रिपुण्ड्र) शाक्तऔर शैव लोगोंका तिलक, जिस में तीन रेखाहों
(त्रिपुर) एक असुर का नाम जिस की मृत्यु संग्राम में शिव जी के हाथ से हुई थी, त्रिपुरासुर
(त्रिपुरदहन) त्रिपुर राक्षसको जलानेवाले महादेवजी

(त्रिपुरारि) शिव, महादेवजी
(त्रिलोक) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
(त्रिलोकी) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
(त्रिविध) तीन प्रकार का
(त्रिवेणी) गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम
(त्रिशिरस्) तीन शिरवाला एक राक्षस
(त्रिशूल) एक तरह का हथियार
(त्रिशूलपाणि) महादेवजी
(त्रैराशिक) तीन राशिका हिसाव
(त्रैलोक्य) स्वर्ग, मृत्यु, पाताल, लोक
(त्रोटक) एक छन्द का नाम

(द)

(दंष्ट्रा) दाढ़, दाँत
(दक) जल, पानी, अप्
(दक्षकन्या) दक्षनाम प्रजापतिकी बेटी सती
(दक्षसुता) दक्ष नाम प्रजापतिकी बेटी सती
(दक्षिणा) दान, भेंट, विदाई
(दक्षिणायन) कर्कराशिसे धनराशि तक जब सूर्य संक्रान्तिकरते हैं वह समय
(दण्डक) दण्ड सज़ा देनेवाला एक राजा का नाम
(दण्डकारण्य) शुक्र वा भृगुमुनिके शापसे दंडक राजा का राज्य नष्ट होकर जंगल होगया था, जिस में श्री रामचन्द्रजी ने कुछ दिन वासकिया है, वह वन
(दण्डनायक) धर्मराज, यम, फ़ौजदारी का मुलाजिम
(दण्डपाशिक) फांसी देनेवाला, जल्लाद
(दण्डादण्डि) लठिआहुज, लाठीकी लड़ाई
(दण्डिन्) बांसकीछड़ी रखनेवाला संन्यासी
(दत्त) दियाहुआ
(दत्तक) गोद बैठायाहुआ लड़का
(दत्तात्रेय) दत्तकपुत्र एक बड़े ज्ञानी अत्रि ऋषिका पुत्र जिसके २४ गुरू थे
(ददन) दान देना
(दद्रु) दाद, एकप्रकार का रोग
(दधि) दही
(दधीचि) एक ऋषिका नाम जिसने अपने शरीरका हाड़ वृत्रासुरके मारनेके लिये इन्द्र को वज्र बनाने के वास्ते दिया था
(दधिसार) नयनू, मक्खन, नवनीत

(दन्तच्छद) होठ, ओष्ठ
(दन्तधावन) दातुन, दतून
(दन्त्य) जिन अक्षरों का उच्चारण दांत से होता है वे अक्षर यथा ऌ, त, थ, द, ध, न, ल, स
(दमक) इन्द्रियोंका दमन, विषयों से रोकनेवाला
(दमनीय) दावने के लायक, शान्त करने के योग्य
(दमयन्ती) विदर्भ देशके राजाभीमकी बेटी, महाराज नलकी पत्नी
(दम्भिन्) कपटी, छली, दगाबाज़, पाखण्डी
(दयिता) प्यारी स्त्री, वल्लभा
(दरिद्रता) ग़रीबी, निःस्वता, कंगालपना
(दर्प) अहंकार, गर्व, घमंड
(दर्पित) अभिमानी, मग़रूर, घमंडी
(दर्शनप्रतिभू) दिखलानेकीजिम्मेदारी, हाजिर करने की जिम्मेदारी, हाजिर जामिनी
(दलन) मर्दन करनेवाला, नाशक, फूलना, विकसन, टुकड़े २ करना
(दलनी) लोहकी मुंगरी जिससे सड़कवगैरःकूटीजातीहै, दुर्मुट
(दलित) मींजागया, मर्दित
(दवाग्नि) वनकी आगि, दाव
(दशकण्ठ) रावण, दशानन
(दशकन्धर) रावण
(दशग्रीव) रावण
(दशम) दशवाँ
(दशमहाविद्या) दशप्रकारकी देवी महामाया, यथा, काली, तारा, षोडशीच, भैरवी, भुवनेश्वरी ॥ धूमावती, छिन्नमस्ता, मातङ्गी बगला तथा ॥ एतादश महाविद्याः कमलाऽपि प्रकीर्त्तिताः ॥ जैसे काली १ तारा २ षोडशी ३ भुवनेश्वरी ४ भैरवी ५ छिन्नमस्ता ६ धूमावती ७ बगला ८ मातङ्गी ९ कमला १० ये दश दुर्गा
(दशमुख) रावण
(दशमुखान्तक) रावण के नाश करनेवाले श्री रामचन्द्र
(दाक्षिणात्य) दक्षिण दिशामें होनेवाला नारियल, वा दाक्षिणी मनुष्य

(दाक्षिण्य) दातृत्व, उदारता, कुशलता, होशियारी
(दातृ) देनेवाला, दाता, सखी, फैयाज़
(दानपत्र) हिबानामा, दानकी हुई इस मेरी जायदाद के हरलेनेका अधिकारमेरे किसी भी दायाद को बाद मेरे न होगा इस प्रकार का लेख जिस पत्रमें किया जाताहै वह पत्र
(दानशील) दानकरनेका जिसका स्वभाव हो, दानी
(दाय) पैतृक धन, बाप दादा की जायदाद
(दारकर्मन्) विवाह, ब्याह
(दारिका) कन्या, लड़की
(दारुक) श्रीकृष्णजी का सारथी
(दारुगर्भा) कठपुतली, गुड़िया
(दासी) टहलुई, लौंड़ी
(दाह) जलाना, भस्मकरना
(दाहन) जलाना, भस्म करना
(दाहक) जलानेवाला
दिक्पति } दिक्पाल } इन्द्रोवह्निः पितृ पतिर्नैर्ऋतोवरुणोमरुत्॥ कुबेरईशः पतयःपूर्वा दीनादिशांक्रमात् १ पूर्व काइन्द्र१अग्निकोणका अग्नि २ दक्खिनका यमराज३दक्खिनपश्चिम के कोण का नैर्ऋत ४ पश्चिम का वरुण ५ पश्चिम उत्तर के कोनका वायु६उत्तरका कुबेर ७ उत्तर, पूर्व के कोन का महादेवजी८आकाशका ब्रह्मा ९ पातालका शेष भगवान् १० स्वामी हैं॥ और किसी के मतसे "सूर्य्यःशुक्रःक्षमापुत्रः सैंहिकेयः शनिःशशी। सौम्यस्त्रिदशमन्त्रीच पूर्वादीनामधीश्वराः॥ ये दिशाओंके स्वामी हैं
दिक्शूल } दिशाशूल } शनौचन्द्रेत्यजेत्पूर्वां दक्षिणान्तुदिशाङ्गुरौ॥ सूर्येशुक्रे पश्चिमान्तु बुधेभौमे तथोत्तराम् १ शनैश्चर सोमवारको पूर्व, बृहस्पति को दक्षिण, रविवार शुक्रवार को पश्चिम, बुध वा मंगल को उत्तरकीयात्रा वर्जित है इस निषेध को ही दिक्शूल कहते हैं
(दिगन्त) जहांतककिसूर्यचन्द्रकी गतिहो
(दिग्गज) आठ दिशा के हाथी,

यथा ऐरावतः पुण्डरीको वामनः कुमुदोऽञ्जनः पुष्पदन्तः सार्व्वभौमः सुप्रतीकश्च दिग्गजाः १ पूर्वादि क्रमसे ये आठ दिग्गज हैं
(दिग्विजय) सबदिशाको जीतना
(दिति) दैत्योंकी माता, कश्यप की स्त्री
(दिदृक्षा) देखनेकी चाह, दर्शनाभिलाप
(दिनकर) भानु, सूर्य, सूरज
(दिनमणि) सूर्य, दिवाकर
(दिनमुख) प्रातःकाल, सुबह
(दिनेश) सूर्य, दिनपति
(दिव्य) स्वर्गकीवस्तु
(दिव्यदृष्टि) अलौकिक ज्ञान जिससे सबमालूमहोजाय
(दीक्षक) मन्त्रदेनेवाला, गुरू
(दीक्षा) मन्त्रलेना, मन्त्रोपदेश
(दीपमालिका) दिवाली
(दीप्तिमान्) कान्तिमान्, सुन्दर, तेजस्वी
(दीर्घजीविन्) बड़ीउमरवाला, चिरजीवी
(दीर्घदर्शिन्) बड़ा विचारवान्, दूरदर्शी
(दीर्घरोमन्) जिसके लम्बे२ रोयेंहों वह भालू, रीछ
(दीर्घायुस्) बहुतदिनतक जीनेवाला
(दुःखसागर) दुःखकासमुद्र, संसार, दुनियां
(दुःशील) बुरे स्वभाववाला, बदमिज़ाज
(दुःखावह) दुःख उठानेवाला, दुःखित
(दुःसह) दुःखसे सहने के योग्य, असह्य
(दुरन्त) जिसके अन्तमें दुःखहो, ऐसाकर्म
(दुरतिक्रम) अति कठिन, दुस्तर, मुश्किल
(दुराग्रह) अनुचित हठ, बेजहज़िद
(दुराचारिन्) बदकार, पापी, अधर्मी,
(दुरात्मन्) जिसकादिल बुराहो, दुष्ट
(दुराधर्ष) अजेय, जिसको हर एक न जीतसके, ज़बरदस्त
(दुरालाप) बेजह बात चीत, दुर्वचन, दुरुक्ति
(दुराशा) बुरी ख्वाहिश
(दुर्ग) क़िलअ, कोट
(दुर्गम) जिसमें मुश्किल से जासके, अप्राप्य, अगम्य
(दुर्दशा) बुरी हालत, दुर्गति
(दुर्भगा) जिस स्त्रीका भाग्य क़िस्मत अच्छा नहो, या जिसको पति न चाहता हो वह स्त्री
(दुर्भाग्य) बद क़िस्मत, अभागा, या, बदक़िस्मती, दुर्दैव

(दुर्भिक्ष) असमय, कहत, काल, झूरा
(दुर्मति) दुर्बुद्धि, बेसमझ
(दुर्लभ) जो चीज़ मुश्किल से मिल सके, दुर्गम, दुष्प्राप्य
(दुर्वासस्) शिव के अंशसे उत्पन्न अत्रिनाम ऋषिका पुत्र, जिसके कपड़े बुरेहों वह पुरुष
(दुर्विपाक) बुरापरिणाम, बदनतीजा
(दुर्बोध्य) जिसको हरएक न जान सके, कठिन, मुश्किल
(दुष्कर) जो काम कठिनता से किया जाय, दुःसाध्य
(दुष्कर्मन्) बुरा काम, पाप
(दूरदर्शिता) पाण्डित्य, बुद्धिमत्ता
(दूषक) दोष लगानेवाला
(दूषित) अंकित, दोषी
(दूष्य) दोष लगाने के योग्य
(देय) दानकरने के योग्य, दातव्य
(देवगृह) देवताका मन्दिर, देवालय
(देववाणी) संस्कृत विद्या
(देवस्थान) मन्दिर, ठाकुर द्वारा
(देवतरङ्गिणी) आकाश गङ्गा, देवताओं की नदी
(देवधुनी) आकाश गङ्गा, देवताओं की नदी
(देवोत्थानी) कार्त्तिकके शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि जिसमें श्रीकृष्ण भगवान् शेष शय्या से उठतेहैं
(देशभाषा) देशीज़बान
(देशाटन) देशों में घूमना
(देशान्तर) दूसरा मुल्क
(देशहितैषिन्) देशका भला चाहने वाला
(देशोन्नति) देशकी भलाई
(देहत्याग) देशको छोड़ना, मृत्यु, मौत
(देहिन्) शरीरी, प्राणी आत्मा
(दैन्य) दीनता, लाचारी
(दैनिक) रोज़ मर्रा, प्रति दिनका
(दैहिक) देह सम्बन्धी, जिस्मानी
(दोलन) झूलना
(दोष) अपराध, कसूर
(दोषारोपण) दोषलगाना
(दोहनी) दूधदुहनेका बर्त्तन
(द्योतक) प्रकाशक, प्रकटकरनेवाला
(द्रष्टव्य) दर्शनीय, देखनेकेयोग्य
(द्रष्टृ) देखनेवाला, नाज़िर
(द्रावक) बहानेवाला
(द्रुमारि) वृक्षोंका शत्रु, हाथी, प्रचण्ड बात
(द्रुमेश्वर) पीपल, पिप्पल, वृक्षराज, चन्द्रमा
(द्रोह) शत्रुता, दुश्मनी
(द्रौपदी) पंजाबदेशके राजा द्रुपद की बेटी, पाण्डवोंकी स्त्री
(द्वादश) बारह, बारहवाँ
(द्वादशी) बारहवीं
(द्वारावती) श्रीकृष्णजीकी बसाई

द्वारकापुरी
(द्विगुण) दुगुना, दोचन्द
(द्वितीय) दूसरा
(द्विधा) दोतरहसे
(द्विपद) दोपैरवाले जीव, मनुष्यादिक
(द्विपायिन्) हाथी
(द्विविद) एक वानरका नाम जो बड़ावलीथा
(द्वेष) विरोध, दुश्मनी
(द्वेषिन्) दुश्मन, वैरी
(द्वेष्टृ) शत्रु, द्रोही, दुश्मन
(द्वैधीभाव) बिगाड़, नाइत्तिफ़ाक़ी

(ध)

(धनतृष्णा) द्रव्य, दौलत की लालच
(धनपति) कुवेर, देवताओंका ख़ज़ाञ्ची
(धनवत्) अमीर, दौलतमन्द, धनी
(धनहीन) गरीब, दरिद्री
(धनाढ्य) दौलतमन्द, धनी
(धनाध्यक्ष) धनकामालिक, ख़ज़ाञ्ची
(धनार्थिन्) धनका चाहनेवाला
(धनेश) कुवेर
(धनेश्वर) कुवेर
(धन्यवाद) सराहना, तारीफ़, शुक्रगुज़ारी
(धन्वन्तरि) जो समुद्र मथने से हाथमें अमृतका कलश लियेहुये निकला था और वैद्यकशास्त्रमें बड़ा विद्वान्था
(धरणिधर) पर्वत, पहाड़
(धरणीधर) पर्वत, पहाड़
(धरणिसुता) जानकीजी
(धरातल) पृथ्वीके नीचेकाभाग
(धराधर) पर्वत, अद्रि, गिरि, पहाड़
(धर्तृ) धारण, रखना करनेवाला
(धर्मक्षेत्र) पुण्यकी जगह, कुरुक्षेत्र
(धर्मज्ञ) धर्म को जाननेवाला, धर्मविद्
(धर्मध्वजिन्) लोक में पुजाने के लिये धर्म को करने वाला, पाखण्डी
(धर्मपत्नी) वेद विधि पूर्वक जिस स्त्रीकापाणिग्रहणकिया हो वह स्त्री.
(धर्मपुत्र) युधिष्ठिरजी
(धर्मशाला) विदेशियों के ठहरने कीजगह जहाँ ग़रीबों को खैरात दीजातीहो
(धर्मशील) पुण्यात्मा
(धर्माध्यक्ष) इन्साफ़ करनेवाला मजिस्ट्रेट वगैरः
(धर्मनिष्ठ) धर्म, अच्छेकाममें तत्पर
(धर्मरत) धर्म, अच्छेकाम में तत्पर
(धर्मावतार) धर्मही के वास्ते पैदा हुआ
(धर्ष) प्रगल्भता, ढिठाई

(धर्षण) प्रागल्भ्य
(धातुविलेपक) कलई साज
(धारण) रखना, पहिरना
(धार्मिक) धर्मात्मा, पुण्यवान्
(धार्य्य) पहिरने या रखनेके लायक
(धावक) दौड़ने या धोनेवाला
(धिक्कार) लानत, धिरकारना, फट कारना
(धूम) धुआं
(धूमयन्त्र) धुआं का कल, एंजिन
(धूर्त्तता) मक्कारपना, छल, कैतव
(धृतिमत्) धीरज रखनेवाला, धैर्यवान्
(धेनुक) बैलका रूप धरके जो कंस का पठाया श्रीकृष्ण जी के मारने के लिये व्रजमे आया था वह राक्षस
(धेनुमती) गोमती नदी
(धैर्य्य) धृति, धीरज
(धौत) धुलाहुआ, पवित्र, पाक साफ
(ध्यात) विचारित, शोचाहुआ
(ध्यातव्य) स्मरणीय, ध्यान करने के लायक
(ध्यान) चिन्तन, स्मरण, यादगारी
(ध्येय) स्मर्त्तव्य, ध्यानकरनेके योग्य
(ध्वंस) नीचे गिरना, नाश
(ध्वंसन) नीचे गिरना, नाश

(न)

(नकुल) नेउरा, नेवला, जिन के कुल न हो या युधिष्ठिर जी का भाई नकुल
(नखायुध) जिसके नाखूनही हथियार हों, वानर, कुत्ता, बिल्ली वगैरः
(नगपति) हिमाचल, हिमालिया पहाड़
(नगाधिराज) हिमाचल, हिमालिया पहाड़
(नटमाया) नटका खेल, बाजीगरी
(नटी) नटकी स्त्री, नटिन, सूत्रधार की स्त्री
(नताङ्गी) युवा अवस्था में जो कुछ झुककरचले, कुलवती स्त्री
(नद) घाघरा, घर्घर, शोणभद्र, सिन्धु इत्यादिक
(नन्दलाल) श्रीकृष्णजी
(नन्दिनी) वशिष्ठ मुनि की कामधेनु
(नद्ध) बँधाहुआ
(नम्र) नत झुकाहुआ विनय शाली
(नयनामृत) एकप्रकारका काजल सुरमा जिससे नेत्र के रोग जाते रहते हैं
(नरकेशरिन्) नृसिंह भगवान्
(नरकान्तक) नरक नाम एक असुर के मारने वाले श्रीकृष्ण भगवान्
(नरनारायण) ईश्वर के अंश दो ऋषि जो बदरिकाश्रममें वास करतेथे

(नरपति) राजा, महाराज
(नरपुर) मृत्युलोक,यही लोक
(नरमेध) जिसमें मनुष्यकी वलिहो
(नरसिंह) नृसिंहावतार
(नरहरि) नृसिंहजी श्री गोसाँई तुलसीदासजीके गुरू
(नराधम) मनुष्योंमें नीच,कमीना नरापसद
(नराधिप) नर मनुष्यका मालिक राजा, नरदेव
(नरेन्द्र) मनुष्यों में श्रेष्ठ,राजा, नृपति
(नरेश) राजा
(नरेश्वर) राजा
(नर्तनप्रिय) जिसको नाच पसन्दहो
(नर्मद) सुखप्रद, आरामदेनेवाला
(नवग्रह) सूर्यादि ९ ग्रह, जैसे, सूर्य, चन्द्रमा, भौम, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनैश्चर, राहु, केतु ६ ये ग्रहहैं
(नवदुर्गा) नव ६ प्रकारकी देवी. यथा "प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयंब्रह्मचारिणी॥ तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम् १ पञ्चमंस्कन्द माताच षष्ठं कात्यायनीतिच ॥ सप्तम कालरात्रिश्च महागौरीतिचाष्टमम् २ ॥ नवमं सिद्धिदात्रीच नव दुर्गाः प्रकीर्त्तिताः॥ अर्थ शैलपुत्री१ ब्रह्मचारिणी २ चन्द्रघण्टा३कूष्माण्डा ४ स्कन्दमाता ५ कात्यायनी ६ कालरात्रि ७ महागौरी ८ सिद्धिदात्री ६ ये नव दुर्गा हैं
(नवद्वार) जिसमें ९ रास्ते हों अर्थात् शरीर जिस्म, जैसे २नेत्र, आँख २ कर्ण, कान व नासिका नाकके २ छिद्र, मुंह १ लिंग १ गुदा १ ये इस शरीर में ९ रास्ते हैं
(नवबाला) युवती स्त्री,जवान औरत
(नवम) नववाँ
(नवमी) नवईं
(नवयौवना) युवती, जवान औरत
(नवरत्न) नौ प्रकारके जवाहिरात, जैसे हीरक, हीरा१ पद्मराग, पन्ना२ नीलमणि, नीलम ३ वैडूर्य लहसुनियां ४ पुष्पराग,पुखराज, ५ गोमेद ६ मुक्ता, मोती ७ माणिक ८ प्रवाल, मूंगा ६ ये नौरत्न हैं। या महाराज विक्रमादित्यके यहाँ जो नौपंडित रहते थे उनके नाम यह हैं धन्वन्तरि १ क्षपणक २ अमरसिंह ३ शङ्कु ४ वेताल भट्ट ५ घटकर्पर ६

(निक्षेप) न्यास, धरोहर
(निखर्व) बहुतही छोटा
(निखात) गड़हा, गड्ढा
(निगड़ित) जंजीरसे बँधाहुआ, कसाहुआ
(निगदित) कहाहुआ, उक्त
(निगूढ़) छिपाहुआ, अप्रकटित
(निचय) समूह, गरोह
(निजवृत्ति) अपनी जीविका, अपनापेशा
(नित्यकर्मन्) प्रतिदिनकरनेकाकाम सन्ध्या, तर्पण, बलि वैश्वदेव, अतिथि सेवा, वेदकापाठ करना, होम
(निदर्शन) उदाहरण, मिसाल
(निद्रित) सोताहुआ, सुप्त
(निधान) खज़ाना, भण्डार
(निनीषा) लेनेका इरादा, लिप्सा
(निनीषु) लेनेकी इच्छा कियेहुये
(निन्दक) बुराई करनेवाला
(निंद्यकर्मन्) बुरेकाम, दुराचार
(निपतन) गिरना
(निपात) नाश, पतन, गिरना, व्याकरण में प्रादिगण को भी निपात कहते हैं
(निपीड़न) क्लेशदेना, तकलीफ़देना
(निबन्ध) संग्रहीत ग्रन्थ नियत
(निमज्जन) नहाना, पानीमें डूबना
(निमन्त्रण) नेवता, निकेतन
(निमि) सूर्य वंश में उत्पन्न, राजा इक्ष्वाकु का पुत्र
(निमीलन) आंखको बन्द करना, ऊंघना
(नियत) मुकर्रर किया गया
(नियुक्त) व्यापृत, काममें लगाया गया
(नियोग) आज्ञा, हुक्म प्रेरण
(निरङ्कुश) स्वतन्त्र, स्वैरी खुदमुख्तियार
(निरञ्जन) मायासे रहित, निर्गुण
(निरत) आसक्त, मशगूल, किसी काममें लगाहुआ, प्रसित
(निरति) प्रेमशून्य, रूखा
(निरन्तर) सर्वदा, हमेशः, अव्यवहित
(निरपराध) निर्दोष, बेगुनाह
(निरर्गल) बेरोक टोक, खुला हुआ
(निरवकाश) बाधारहित पूर्ण, भरा हुआ, बेफुरसत
(निरवद्य) निष्पाप, दोष रहित
(निरस) स्वादहीन, सूखा, फीका
(निरस्त) प्रक्षिप्त, फेंका हुआ, पराजित हाराहुआ
(निराकार) जिसका स्वरूप न हो, बे जिस्म
(निरादर) अपमान, बे खातिरी
(निरामिष) विना मांस
(निरायुध) शस्त्रहीन, बे हथियार
(निराश्रय) निरवलम्ब, बेसहारा
(निराहार) भोजन रहित, भूँखा-

(निरीक्षण) देखना, अवलोकन
(निरीह) निश्चेष्ट जो कुछ काम न करै
(निरुक्त) निर्वचन, व्याख्या, वेद का अंग जिसमें वेद के मन्त्रों का अर्थ निदर्शन रूप से तथा मन्त्र गत शब्दों को साधन क्रम वर्णित है
(निरुत्तर) लाजवाब
(निरुत्साह) आलसी, सुस्त
(निरुप) अपूर्व, अनूठा जिसके सदृश दूसरा न हो
(निरुपाधि) जिसमें किसी प्रकार का झगड़ा न हो
(निरूपण) वर्णन, बयान करना
(निर्गन्ध) जो न महके, गन्धहीन
(निर्गम) निकलना, जाना, यात्रा
(निर्जन) जहाँ मनुष्य न हों विविक्त, विजन
(निर्जल) जिसमें पानी न हो, निरुदक
(निर्जित) जीतागया, विजित
(निर्जीव) मराहुआ, जड़
(निर्णीत) निश्चित, दरियाफ्त कियाहुआ
(निर्दिष्ट) दिखायागया, आज्ञापित
(निर्द्वन्द्व) सुख दुःख से रहित
(निर्धार) निर्णय, निश्चय, अलग करना
(निर्धारण) निर्णय, निश्चय, अलग करना
(निर्मल) पाकसाफ़, शुद्ध पवित्र
(निर्माण) रचना, बनाना
(निर्माल्य) देवताओंका उच्छिष्ट, जूंठा या निर्मलता, सफाई
(निर्मूल) विनाकारण, विनाजड़, बेसबब
(निर्य्यास) वृक्षकीलाख, हींग, वगैरः
(निर्लज्ज) बेशर्म, बेहया
(निर्लोभ) जिसको लालच न हो
(निर्लोभिन्) जिसको लालच नहो
(निर्वंश) जिसके सन्तान, औलाद नहो, लावल्द
(निर्वाण) मोक्ष, संसारसे छूटना
(निर्वात) जिस स्थान में वायु न जाय
(निर्वास) निकालना, निस्सारण, मारना
(निर्वासक) निकालनेवाला, निस्सारक, मारनेवाला
(निर्वासित) निकालाहुआ, मारागया
(निर्वाह) निबाह, गुज़ारा, बसर
(निर्विकल्प) निस्सन्देह, बेशक
(निर्विकार) जिसमें किसीतरहकी बुराई न पैदाहो
(निर्विघ्न) जिसकाममें किसीतरह का विघ्न, खलल न पड़े
(निवारण) रोकना, मनाकरना
(निवास) रहना, वासकरना
(निवासिन्) रहनेवाला

(निबिड) घन, गझिन, सघन
(निवृत्ति) रिहाई पाना, छुट्टी पाना
(निवेदन) विनती करना, गुज़ारिश करना
(निशाकर) विधु, चन्द्रमा
(निशाचर) रात्रि में घूमने वाला, राक्षस
(निशाचरी) राक्षसोंकीस्त्री, राक्षसी
(निशानन) शाम, सायंकाल, संध्या
(निशामुख) शाम, सायंकाल, संध्या
(निशानाथ) रातकामालिक, चंद्रमा
(निशापति) रातकामालिकचंद्रमा
(निशुम्भ) एक राक्षस, जिसको देवीजी ने मारा था, यह कथा मार्कण्डेय पुराण के सप्तशती स्तोत्रमें है
(निशेश) रात्रिका स्वामी, चन्द्रमा
(निश्चल) जो हिलाये न हिले, अचल, स्थिर
(निश्चला) जो कभी न चलै, पृथ्वी, ज़मीन
(निश्चित) करार पाया, ठानागया
(निश्चिन्त) बेफ़िक्र, जिसको चिन्ता न हो
(निषण्ण) बैठाहुआ, स्थित
(निषिद्ध) वर्जित, नाजायज
(निषेधक) वर्जनेवाला, रोकनेवाला
(निष्कण्टक) जिस में शत्रु न हो, बेखटके
(निष्कपट) जो दगाबाज़ न हो, सीधा, साफ, निश्छल
(निष्कलङ्क) जिसको किसीतरह का कलंक ऐब न लगाहो, निर्दोष, बेदाग़
(निष्काम) निस्पृह, बेपरवाह, इच्छा रहित
(निष्कारण) विलावजह, बिना किसी हेतुके
(निष्क्रमण) बाहर निकालना एक संस्कार, जिस दिन चौथे महीने शुभ मुहूर्त में लड़के को घर से बाहर निकालते हैं
(निष्पक्षपात) बिलातरफ़दारी
(निष्पत्ति) सिद्धि, पूर्ण होना
(निष्पन्न) पूराहुआ, सिद्धहुआ
(निष्पाप) निरपराध, बेगुनाह
(निष्फल) व्यर्थ, बेमतलब
(निसर्ग) आज्ञा, हुक्म, स्वभाव, आदत
(निस्तार) उद्धार, बचाव
(निस्सन्देह) निश्चय, ज़रूर
(निहित) रक्खा हुआ, स्थापित
(नीत) लायागया, प्राप्त कियागया
(नीति) न्याय, इन्साफ़, निआव
(नीतिज्ञ) न्यायको जाननेवाला
(नीरज) पानी में पैदा होनेवाला कमल
(नीरद) मेघ, मेह, बादल
(नीरधर) पानी को रखनेवाला, मेघ

(नीरनिधि) समुद्र
(नीरस) स्वाद रहित, फीका
(नीलग्रीव) शिवजी, जिसका गला नीलाहो
(नीलमणि) कालेरंगका मणि, जवाहिर, नीलम
(नीलोपल) नीलम, जमुर्रद
(नृग) सूर्यवंशमें उत्पन्न एक राजा का नाम, जो बड़ा दानीथा
(नृत्त) नाच, नृत्य
(नृपघातिन्) क्षत्रिय राजाओंके वध करनेवाले, परशुराम
(नृपति) राजा, मनुष्योंका मालिक
(नृपाल) राजा, मनुष्योंका पालन करनेवाला
(नृसिंह) नरसिंह, भगवान्
(नृहरि) नरसिंह, भगवान्
(नेक्तृ) पालन करनेवाला, पोषक, पवित्र करनेवाला
(नेजक) पालक, धोबी
(नेजन) शोधन, साफकरना
(नेतृ) नायक, लेजानेवाला
(नेतव्य) लेजाने के लायक, पहुँचाने के योग्य
(नेत्रच्छद) पलक
(नैमित्तिक) जो किसीकारण से कभी२ हो
(नैमिष) जिस स्थानपर विष्णुभगवान् ने एक राक्षसको लहमेंभरमें माराथा, वहस्थान
(नैमिष्यारण्य) एक वनका नाम, पूर्व काल में जहाँ ऋषिलोग तपस्या करतेथे
(नैराश्य) आशासे रहितहोना, नाउम्मैदी
(नैवेद्य) भोजनसामग्री जो देवता को अर्पण कियाजाताहै, प्रसाद
(नैसर्गिक) स्वभावसिद्धस्वाभाविक
(नैष्ठिक) भक्त, श्रद्धायुक्त
(न्यायकारिन्) इन्साफ करनेवाला, मुन्सिफ
(न्यायालय) कचहरी, न्यायागार
(न्यूनता) कमी, कसर, छोटाई
(न्यूनाधिक) कमज्यादः, अल्पाधिक

(प)

(पक्ति) पाक करना, पकाना
(पक्षपात) अनुचित सहायता, तरफदारी
(पक्षपातिन्) तरफदार, किसी प्रकार के सम्बन्ध से सहायता करनेवाला
(पक्षिराज) गरुड़
(पक्षीय) सहायक, मददगार
(पङ्कज) कमल, सरोरुह
(पचन) पाक, पकाना
(पचनीय) पाक करने के योग्य
(पचमान) पकाताहुआ
(पञ्चगव्य) गौसे उत्पन्न पाँच वस्तु

गोबर१ गोमूत्र २ दूध ३ दही ४ घी ५

(पञ्चतत्व) पाँच पदार्थ, पृथिवी १ जल २ अग्नि ३ वायु,हवा ४ आकाश५

(पञ्चतन्मात्रा) पाँच तत्वोंका विषय, शब्द१स्पर्श २ रूप३ रस ४ गन्ध ५

(पञ्चत्व) पाँच तत्वों पृथिवी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, में मिलजाना,मृत्यु, मरना

(पञ्चनद) जिस देशमें पाँच नदी बहती हों, वह देश पंजाब पांच नदी ये हैं, चन्द्रभागा,चनाब१ ऐरावती, रावी २ शतद्रु, सतलज ३ विपाशा,व्यास४ झेलम ५

(पञ्चपात्र) आबखोरा, जो सोना, चांदी,तांबा,लोहा,रांगा ये पांच धातु मिलाकर बनाया जाता पूजाके काममें आता है

(पञ्चप्राण) हृदय का वायु प्राण, गुदाकावायु अपान, नाभिकावायुसमान, कण्ठ का वायु उदान, शरीर भरमें व्याप्त वायु व्यान

(पञ्चभूत) पृथ्वी १ जल २ अग्नि ३ वायु ४ आकाश ५

(पञ्चभूतात्मन्) मनुष्य जो पूर्वोक्त पांच तत्वों से बनताहै

(पञ्चमुख) शिवजी, महादेव

(पञ्चवक्त्र) जिसके पांचमुखहों, महादेवजी

(पञ्चवटी) जिस जगह पाँच तरह के पीपर १ बरगद २ ऑंवरा ३ बेल ४ अशोक ५ ये वृक्ष अधिकहों, जहाँ वनवास समयमें श्रीरामचन्द्रजीनेनिवासकिया जानकीजी का भी हरण रावणने वहीं से कियाथा

(पञ्चबाण) कामदेव, सम्मोहनादिक पाँच बाण जिसके हैं सम्मोहन १ उन्मादन २ शोषण ३ तापन ४ स्तम्भन ५ ये पांच

(पञ्चसूना) जीवों के मरनेकी जगह, यथा कण्डनीचोदकुम्भश्च चुल्ली पेषण्युपस्करः॥ गृहस्थों के यहां इन कांड़ी १ घड़ा रखने की जगह २ चूल्हा ३ चक्की ४ झाड़ू ५ पाँचों से अवश्यजीवहत्याहोतीहै

(पञ्चाङ्ग) तिथिपत्र, जन्त्री जिसमें तिथि १ वार २ नक्षत्र ३ योग ४ करण ५ ये होते हैं

(पञ्चानन) महादेवजी, सिंह
(पञ्चामृत) दूध१दही २ घी ३ शक्कर४ मधु, सहद ५ इन चीज़ों से बनाहुआ पदार्थ
(पटकार) कोरी, जुलाहा, कपड़ा बनानेवाला
(पटुत्व) चतुरता, होशियारी
(पटुता) चतुरता, होशियारी
(पठनीय) पढ़ने के योग्य
(पाठ्य) पढ़ने के योग्य
(पण्डा) भला, बुरा समझनेवाली बुद्धि, सन्मति
(पण्डितम्मन्य)अपनेको बड़ापण्डित माननेवाला मूर्ख
(पण्यस्त्री) गणिका, वेश्या, रंडी
(पतञ्जलि) एक ऋषि जिसने व्याकरणका महाभाष्य रचा है
(पतित) पापी, धर्मच्युत
(पतिदेवता) अपने पति, शौहरहीको देवता समझने वाली स्त्री, साध्वी, पतिव्रता
(पत्रदातृ) डाकिया, चिट्ठी बांटनेवाला
(पत्रालय) डाकघर
(पदचर) पैदल
(पदचारिन्) पैरसेचलनेवाला, पैदल पदग
(पदत्याग) जगह छोड़ना, इस्तीफ़ादेना
(पदत्राण) खड़ाऊँ, जूता
(पदाम्भोज) कमल सदृश चरण, जिसके पैरमिस्ल कमलके मुलायम और खूब सूरतहों
(पदार्थ) शब्दके माने, मतलब चीज़
(पद्मगर्भ) विष्णु भगवान् के नाभि कमलसे उत्पन्न ब्रह्माजी
(पद्माकर) जिस तालाब में बहुत कमल पैदा होता है वह तालाब
(पन्नगारि) सर्पों के शत्रु, गरुड़जी
(पपी) सूर्य, जो लोक की रक्षाकरे
(पयोनिधि) समुद्र
(पयस्विनी) बहुतदूधदेनवालीगाय
(पयोद) मेघ, बादल, पानी देनेवाला
(परकीय) परकीय दूसरेकी चीज़
(परन्तप) शत्रुको दुःख देनेवाला
(परमधाम) उत्तम स्थान वैकुण्ठ
(परमाणु) बहुत छोटा भाग जैसे जालान्तरगतेभानौ यत्सूक्ष्मन्दृश्यतेरजः। तस्यषष्ठितमोभागः परमाणुःसउच्यते॥
(परमार्थ) सबसे अच्छाकाम, पुण्य, सुकृत
(परमायुस्) दीर्घजीवी, बड़ी उम्र वाला
(परम्परा) पुरानी रीति, मर्यादा
(परवश) दूसरे के अधीन
(परशुधर) परशुराम जी, फरसाको

धारण करनेवाला
(परशुराम) जमदग्निऋषिके पुत्र, जिसने इकईसवार पृथ्वीको क्षत्रियोंसे रहितकियाहै
(परस्पर) आपसमें, मिथः
(पराक्रमिन्) समर्थ, वलवान्, ज़ोरावर
(पराभव) अनादर, तिरस्कार, हार
(परामर्श) विचार, तजवीज़
(पराशर) एक ऋषिका नाम, जिसके पुत्र व्यासजी हैं
(पराश्रय) दूसरेका सहारा
(परास्त) पराभूत, हाराहुआ
(पराह्ण) दोपहरकेवाद, मध्याह्नोत्तर
(परिच्छद) विस्तर, आस्तरण
(परिच्छन्न) चारोतरफसे ढकाहुआ
(परिच्छेद) परिमाण, नाप, अध्याय, खण्ड
(परिजन) कुटुम्ब, परिवार, दासआदिक
(परिणामदर्शिन्) विचारवान्, चतुर
(परिताप) सन्ताप, पछितावा
(परितुष्टि) सन्तोष, इतमीनान
(परितोष) प्रसाद, खुशी
(परित्याग) विसर्जन, छोड़ना
(परित्राण) रक्षा या रक्षक, रक्षित हिफ़ाज़त कियाहुआ
(परिपक्व) पकाहुआ, पक्का
(परिपाक) परिणाम, नतीजा
(परिपाटी) रीति, क्रम, दस्तूर
(परिभ्रमण) पर्य्यटन, घूमना
(परिमाण) नाप, परिच्छेद, तौल
(परिमित) परिच्छिन्न, नपाहुआ
(परिवर्त्तन) वदलना, तबदील करना
(परिवाद) दुर्वचन, वदनामी
(परिवृत्त) चारो ओरसे घिराहुआ
(परिवेष्टन) लपेटना, ढकना
(परिशिष्ट) वाक़ी, अवशिष्ट
(परिशोधन) अच्छेप्रकार शुद्धकरना
(परिश्रम) मिहनत, श्रम, आयास
(परिश्रांत) थकाहुआ, श्रान्त
(परिहास) हंसी, निन्दापूर्वक हँसना
(परीक्षा) परखना, आज़माना इम्तिहान
(परीक्षित) आज़माया हुआ, परखा गया
(परीक्षोत्तीर्ण) इम्तिहानमें पास
(परेद्युस्) दूसरे दिन
(परोक्ष) वाद, पीछे
(परोपकार) दूसरे की भलाई
(परोपकारिन्) दूसरेका हितकरनेवाला
(पर्णशाला) फूसका मकान, झोपड़ी
(पर्णिन्) पेड़, द्रुम
(पर्य्यन्त) सीमा, हद, तक
(पर्य्याय) वारी, अवसर
(पर्य्यायवाचक) एकार्थक शब्द यथा घट, कलश
(पर्य्यालोचन) अवलोकन, विचारना
(पर्वतीय) पहाड़ पर होनेवाला प-

दार्थ, पहाड़ी चीज़
(पलायन) भागना
(पल्लवित) रोमांचयुक्त, खुश जिस वृक्षमें नये पत्ते लगेहों
(पवनकुमार) वायुकापुत्र, हनुमान्‌जी
(पवनतनय) हनुमान्‌जी
(पवनायन) झरोखा, गवाक्ष
(पवनसुत) हनुमान्‌जी
(पशु) जोसबको बराबर देखे, प्राणी, जानवर
(पशुपाल) पशुकापालन करनेवाला, अहीर
(पशुपालक) पशुका पालन करने वाला, अहीर
(पश्यतोहर) देखतेही देखते चुरा-लेनेवाला सोनार, स्वर्णकार
(पाकशाला) रसोई का मकान
(पाक्षिक) वैकल्पिक जो एक वार हो एक वार न हो
(पाचक) रसोई बनानेवाला
(पाञ्चाल) एक देशका नाम, पंजाब
(पाञ्चाली) पाञ्चाल देश के राजा द्रुपदकी लड़की द्रौपदी
(पाटलिपुत्र) पटना, शहर
(पाटव) पटुता, चतुराई, होशियारी
(पाठशाला) मदर्सा, कालेज
(पाणिग्रहण) विवाह, शादी, ब्याह
(पाणिनि) व्याकरणशास्त्रके आ-चार्य्य
(पाणिनीय) पाणिनिमुनिका व-नायाहुआ, व्याक-रणशास्त्र
(पाण्डव) राजापाण्डुके पुत्र युधि-ष्ठिर १ अर्जुन २ भीम ३ नकुल ४ सहदेव ५
(पाण्डित्य) विद्वत्ता, पण्डिताई
(पातकिन्) अधर्मी, पापी
(पातञ्जल) पतञ्जलिमुनिका बनाया हुआ, योगशास्त्र
(पातृ) पीनेवाला या रक्षाकरनेवाला
(पात्रता) योग्यता, लियाक़त
(पात्रत्व) योग्यता, लियाक़त
(पाथेय) रास्तेकाखर्च
(पाथोज) कमल
(पाथोधि) समुद्र, अब्धि
(पाथोनिधि) समुद्र, वारिधि
(पादचारिन्) पैरों से चलनेवाला, पदाति
(पादत्राण) जूता, खड़ाऊँ
(पादधारिणी) घोड़ेकीरिकाब
(पादप्रक्षालन) पैरधोना
(पादप्रहार) लातमारना
(पादसंवाहन) पैरदाबना, चरण सेवा
(पापभाज्) दोषी, पापी, गुनहगार
(पापात्मन्) महापापी
(पारण) व्रतके अन्त का भोजन
(पारदारिक) दूसरे की स्त्री के साथ भोग करनेवाला
(पारमार्थिक) परलोकके वास्ते जो

कुछ कियाजाय
(पारलौकिक) परलोकके हेतु जो कर्म कियाजाय, धर्म, पुण्य
(पाराशर) पराशर ऋषिकापुत्र श्री वेदव्यासजी
(पाराशर्य्य) श्रीवेदव्यासजी जिसने १८ पुराण तथा महाभारत इत्यादि के ग्रंथ बनाये हैं
(पारिणाह्य) विशालता, चौड़ाई
(पारितोषिक) परितोष प्रसन्नता के लिये जो दियाजाय इनाम
(पार्थ) पृथा, कुन्ती का पुत्र अर्जुन
(पार्वण) अमावास्य, पूर्णिमा, अष्टमी, इत्यादिक तिथियों में जो कर्म कियाजाय
(पार्श्ववर्त्तिन्) पास रहनेवाला समीपस्थ
(पालक) पालनेवाला, रक्षक
(पालनीय) पालन, परवरिश, करने के लायक, काबिल परवरिश, रक्षणीय
(पालित) पालागया, परवरिश कियागया, गोपायित
(पावन) पवित्र करनेवाला
(पिण्डित) इकट्ठाकियाहुआ, एकत्रित
(पिण्डूक) एक प्रकारकी चिड़िया जिसको पेंडुकी कहतेहैं
(पितृकर्म्मन्) पितरों के वास्ते जो काम किया जाता है, श्राद्धादिक
(पितृकार्य्य) पितरों के वास्ते जो काम किया जाता है, श्राद्धादिक
(पितृकानन) श्मसान, मसान
(पितृतिथि) पितरों का श्राद्ध वगैरः जिसदिन कियाजाता है, वह दिन
(पितृपक्ष) आश्विन, कुआर का अँधेरा पाख
(पितृष्वसृ) पिताकी बहिन, फूफी
(पिधायक) ढकनेवाला, ढकना
(पिहित) ढकाहुआ, छिपाहुआ, आच्छन्न
(पीड़ित) दुःखी जिसको किसीतरह की बाधाहो
(पुँल्लिङ्ग) जिसमें पुरुषका चिह्नहो
(पुट) दोना
(पुण्यकृत्) धर्मको करनेवाला, पुण्यात्मा
(पुनरागमन) लौटआना, फिरआना
(पुनरुक्ति) एकहीबात को दो बार कहना, पुनरुच्चारण
(पुनर्जन्मन्) दूसराजन्म, पुनर्भव
(पुनर्वसु) एक नक्षत्र
(पुरजन) पुर, ग्राम के लोग
(पुरट) सुवर्ण, सोना
(पुरारि) त्रिपुरासुरके वैरी, महादेवजी
(पुरवासिन्) शहरकेलोग, पौर

(पुरस्कार) सन्मान, आदर, खातिर
(पुराण) जिसमें पांचबातोंका वर्णन हो यथा सर्गश्चप्रतिसर्गश्च वंशोमन्वन्तराणिच ॥ वंशा नुचरितश्चैव पुराणम्पञ्चल क्षणम् ॥ अर्थ, सृष्टिका वर्णन १ संसारका प्रलय २ क्षत्रियराजोंकेवंशकावर्णन ३ मन्वन्तरोंका वृत्तान्त ४ तथा उनके वंशका आचरण व्यवहार ये ५ बातें जिसमेंहों
(पुराणपुरुष) विष्णुभगवान्
(पुरुषसिंह) पुरुषों में श्रेष्ठ, पुङ्गव
(पुरुषार्थ) जो मनुष्यका कामहै, अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष
(पुलक) हर्ष, ख़ुशी से रोमाञ्चहोना
(पुलस्ति) सातऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह
(पुलस्त्य) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह
(पुष्टाङ्ग) जिसका बदन बहुत मज़बूतहो
(पुष्पकरण्डक) फूलरखनेका बरतन
(पुष्पचाप) मदन, कामदेव
(पुष्पित) फूलाहुआ
(पुस्तक) किताब, पोथी
(पूजन) पूजा, खातिर
(पूजनीय) पूजा करने के योग्य
(पूय) पीब, मवाद
(पूर्त्ति) पूराहोना, पूरण
(पूर्वोक्त) पहिले कहाहुआ
(पूर्वलिखित) पहिलेका लिखाहुआ
(पृक्त) मिलाहुआ, शामिल, सम्मिलित
(पृच्छक) पूंछनेवाला
(पृथक्करण) अलग करना, विभाग करना, विभजन
(पृथा) युधिष्ठिरादिककीमाता कुन्ती
(पृथिवीनाथ) पृथिवी ज़मीन का मालिक, राजा
(पृथिवीपति) राजा, भूप
(पृथिवीपाल) राजा, भूप
(पेय) पीनेकेलायक, पानीय, पानी
(पेषक) पीसनेवाला
(पेषण) पीसना
(पेषणी) चक्की, जांता
(पोतक) शिशु, बालक
(पोषक) पालन करनेवाला
(पोषणीय) पालन करने के लायक
(पोष्यपुत्र) वह लड़का जिसको गोद लियाहो, दत्तकपुत्र
(पौत्र) पोता, लड़के का लड़का
(पौराणिक) पुराण बांचनेवाला
(प्रकट) प्रसिद्ध, ज़ाहिर
(प्रकटन) प्रकाशकरना, ज़ाहिरकरना
(प्रकम्प) कांपना, वेपथु
(प्रकरण) मौक़ा, अवसर
(प्रकर्ष) बड़ाई, श्रेष्ठत्व
(प्रकाशक) उजेला करनेवाला
(प्रकाशनीय) ज़ाहिर करने के

लायक, प्रकाश्य
(प्रकीर्ण) फैलाहुआ, प्रस्तृत
(प्रकृत) प्रकरणप्राप्त
(प्रकीर्त्तित) कहा हुआ, कथित, उक्त
(प्रकृष्ट) उच्च, श्रेष्ठ, बड़ा
(प्रक्षालन) धोना, पखारना
(प्रक्षेप) फेंकना
(प्रखर) बहुतही तीक्ष्ण, तेज
(प्रख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
(प्रगल्भता) ढिठाई, धृष्टता
(प्रचण्ड) बड़ा क्रोधी, बहुत तेज
(प्रचार) व्यवहार, चाल
(प्रच्छद) उपरना, डुपट्टा
(प्रजाधिकारिराज्य) जहां राजा न हो और राज्यका काम प्रजाही करती हो वह राज्य
(प्रजेश) दक्षप्रजापति
(प्रजेश्वर) दक्षप्रजापति
(प्रज्ञ) पण्डित, बुद्धिमान्
(प्रणिधान) सोचना, समाधिभेद
(प्रतापवत्) जिसकी बड़ी महिमा हो, अक़्वालमन्द
(प्रतापिन्) तेजस्वी
(प्रतारण) छलना, धोखादेना, वञ्चन
(प्रतिक्षण) हरवक़्त, अनुपल
(प्रतिग्रह) दानलेना
(प्रतिज्ञा) नियमकरना
(प्रतिदिन) रोज़ २ हररोज़
(प्रतिध्वनि) प्रतिशब्द, गूंज
(प्रतिपक्ष) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(प्रतिपादक) वक्ता, कहनेवाला
(प्रतिपालन) पोषणकरना, पालना
(प्रतिफल) बदला, एवज़
(प्रतिबन्धक) रोकनेवाला, बाधक
(प्रतिमा) समझ
(प्रतिभूति) ज़मानत
(प्रतिमास) हरमहीने
(प्रतियोगिन्) प्रतिपक्षी, शत्रु, दुश्मन
(प्रतिरूप) समान, सदृश, बराबर
(प्रतिलोम) उलटा, विलोम
(प्रतिवादिन्) प्रतिपक्षी, विरोधी
(प्रतिवासिन्) पड़ोसी, प्रतिवेशी
(प्रतिष्ठा) इज्जत, संमान
(प्रतिष्ठित) इज्ज़तवर, आदृत
(प्रतीकार) उपाय, तदबीर, यत्न
(प्रतिसर्ग) संसारका प्रलय, क़यामत
(प्रतीक्षा) इन्तिज़ारी, प्रत्याशा
(प्रतीति) विस्रम्भ, विश्वास, यतबार
(प्रतीप) प्रतिकूल, खिलाफ़
(प्रत्याशा) प्रतीक्षा, इन्तिज़ारी
(प्रत्युत्तर) जवाब, उत्तर, प्रतिवाक्य
(प्रत्येक) हरएक
(प्रदक्षिण) परिक्रमा, चारो तरफ़ घूमना
(प्रदर्शक) दिखलानेवाला
(प्रदर्शनी) उत्तम २ वस्तु जिससभा में दिखलाई जावें वह सभा, नुमायश
(प्रदेश) देश, मुल्क
(प्रध्वंस) नाश, क्षय

(प्रपौत्र) परपोता, पुत्रके लड़के का लड़का
(प्रबन्ध) इन्तिजाम, बन्दोबस्त
(प्रबन्धक) प्रबन्ध करनेवाला, मुन्तज़िम, मनेजर
(प्रबल) बली, समर्थ, ज़ोरावर
(प्रबुद्ध) जागता हुआ, फूला हुआ
(प्रभास) एक तीर्थ का नाम जिस को प्रभासक्षेत्र कहते हैं
(प्रभुत्व) स्वामित्व, हकूमत
(प्रभुता) स्वामित्व, हकूमत
(प्रभृति) पञ्चमी के अर्थ में यह शब्द लाया जाताहै, "यथा भवात्प्रभृति,आरभ्य वा सेव्योहरिः" जन्मसे लेकर हरिकी सेवा करना चाहिये लेकर-यह अर्थ प्रभृति शब्द का है
(प्रमातामह) परनाना
(प्रमाथ) मारना, मथना
(प्रमादिन्) गाफ़िल, असावधान, बेहोश
(प्रमित) नपाहुआ
(प्रमेह) एक प्रकार का रोग जिस से वीर्य बिगड़ जाता है
(प्रयत्न) उद्योग, उपाय
(प्रयाग) एक तीर्थस्थान, जहां गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम है जिस को लोग अब इलाहाबाद भी कहते हैं
(प्रयाण) गमन, यात्रा
(प्रयास) प्रयत्न, उद्योग
(प्रयोजक) प्रेरणा करनेवाला, प्रेरक
(प्रयोजन) काम, मतलब
(प्ररोह) अंकुर, आंखुआ
(प्रलम्ब) लम्बा, एक राक्षस का नाम जिसको बलदेवजी ने माराथा
(प्रलोभन) लुभाना, लालच दिखलाना
(प्रवर्त्तक) प्रवृत्त करनेवाला, प्रेरक
(प्रवर्त्तन) प्रेरणा करना, प्रेरण
(प्रवर्षण) एक पहाड़ का नाम जो किष्किन्धापुरी के पासहै जिसपर श्रीरामचन्द्रजी ने वर्षाकाल व्यतीतकियाथा
(प्रवास) विदेश में रहना
(प्रवासिन्) विदेशी, मुसाफिर
(प्रवाह) सोतस्, चश्मा, सोता
(प्रविष्ट) घुसाहुआ
(प्रवीणता) निपुणता, होशियारी
(प्रवेश) पैठना, घुसना
(प्रव्रज्या) संन्यास
(प्रशंसनीय) तारीफ़केलायक, स्तुत्य
(प्रशंसा) स्तुति, तारीफ़
(प्रशस्ति) प्रशंसा, तारीफ़
(प्रशान्त) जो शान्त होगयाहो
(प्रश्न) प्रश्न, सवाल

(प्रसङ्ग) विषय
(प्रसाधिका) शृङ्गार करनेवाली स्त्री, कपड़ा गहना वगैरः पहिरानेवाली लौंड़ी, दासी
(प्रसारण) विस्तारकरना, फैलाना
(प्रसिद्धि) ख्याति, शोहरत
(प्रस्तावना) उपोद्घात, भूमिका
(प्रस्फुटित) फूलाहुआ, विकसित
(प्रस्फुरित) चमकताहुआ
(प्रहसन) परिहास, निन्दापूर्वक हँसना
(प्रहार) मारना, हथियार
(प्रहारिन्) मारनेवाला
(प्रहृष्ट) बहुत प्रसन्न, खुश
(प्रह्लाद) हिरण्यकशिपुका पुत्र, जिसकी रक्षाकेलिये भगवान् ने नृसिंहावतार लियाथा
(प्रह्व) नम्र, विनीत
(प्राक्तन) पहिलेका, पुराना
(प्राग्ज्योतिषपुर) भौमासुरकी प्राचीनपुरी
(प्राणनाथ) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्राणपति) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्राणेश) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्रातराश) प्रातःकाल का भोजन
(प्रादुर्भाव) प्रकट, ज़ाहिरहोना
(प्रान्त) आसपास, समीप
(प्रापक) पानेवाला
(प्रामाणिक) विश्वासपात्र, मुअतबिर
(प्रामाण्य) प्रमाण, सबूत
(प्रायश्चित्त) पापको शुद्धकरनेवाला, व्रतादिक, यथा--प्रायः पापं विजानीयाच्चित्तन्तस्यास्तिशोधनम्
(प्रारब्ध) भाग्य, क़िस्मत, नियति, तक़दीर, आरब्ध, शुरू कियाहुआ
(प्रारम्भ) आरम्भ, शुरू
(प्रार्थना) याच्ञा, मांगना
(प्रार्थनीय) प्रार्थना करनेके लायक़
(प्रार्थयितृ) प्रार्थना करनेवाला, मांगनेवाला
(प्रियतम) बहुतही प्यारा
(प्रियभाषण) प्यारीबोल, मधुरवचन
(प्रियवक्तृ) मीठी२ बातें करनेवाला, प्रियंवद
(प्रियवादिन्) मधुर भाषण करनेवाला, शीरींकलाम
(प्रियवादिनी) प्यारी बातें बोलनेवाली स्त्री, औरत
(प्रिया) प्यारी, प्रसन्न करनेवाली औरत
(प्रेक्षक) नाच देखनेवाला
(प्रेयसी) बहुतही प्यारी
(प्रोक्त) कहाहुआ, उक्त
(प्रोषित) विदेश को गयाहुआ, विदेशस्थित
(प्रोषितपतिका) जिस स्त्री कापति विदेशमें हो वह स्त्री

(मनोभूत) मन्मथ, कामदेव
(मनोहर) सुन्दर, रम्य, खूबसूरत
(मन्तव्य) माननेके लायक, माननीय
(मन्त्रण) सलाह, राय
(मन्त्रज्ञ) तान्त्रिक मन्त्रों को जाननेवाला
(मन्त्रविद्) मन्त्र को जाननेवाला, तान्त्रिक
(मन्त्रित) शुद्ध कियाहुआ, संस्कृत
(मन्थन) मथना, विलोडन, प्रतिघात
(मन्दगति) धीरे२चलनेवाला, सुस्त
(मन्दबुद्धि) कमअक्क, स्वल्पबुद्धि
(मन्दमति) कमअक्क, स्वल्पबुद्धि
(मन्दभाग्य) बदकिस्मत, अभागा
(मन्दर) एक पर्वतका नाम, मन्दराचल
(मन्दादर) स्वल्प सन्मान, कमकदर
(मन्दोदरी) जिस औरतकापेट बहुत सूक्ष्महो वह स्त्री, कृशोदरी, रावण की पटरानी का नाम
(मन्मथारि) कामदेवकेशत्रु शिवजी
(ममता) मोह, अज्ञान, वास्तव में जो अपना नहीं है उसको अज्ञानवश अपनाहीं समझना
(मयतनया) मयनाम दैत्यकी बेटी, रावणकीस्त्री, मन्दोदरी
(मरणप्राय) बिल्कुल मरे की तरह
(मराल) हंस, एक तरह का पक्षी जो मानसरोवर में रहता है और मोती चुनताहै.
(मारीचिमालिन्) सूर्य, रवि
(मरुस्थल) रेगिस्तान, निर्जलप्रदेश, मारवाड़
(मर्त्यलोक) मृत्युलोक, संसार, दुनियां
(मर्मज्ञ) असली मतलबको जाननेवाला, मार्मिक
(मर्पण) सहना, क्षान्ति
(मलग्राहिन्) भंगी, मेहतर
(मलापकर्पिन्) भंगी, मेहतर
(मलय) एक पर्वत का नाम
(मलिनचित्त) जिसका दिल बुरा हो वह पुरुप, पापी
(मल्लयुद्ध) कुश्ती, दंगल
(मशक) मसा, मच्छड़
(मसीपात्र) दावात
(महत्त्व) श्रेष्ठता, बड़ाई
(महर्पि) बड़ा ऋपि
(महाकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ाहो वहपुरुप
(महाकाली) एकदेवी का नाम
(महाघोर) अति भयानक, जिससे बड़ा भय उत्पन्नहो
(महाजन) बड़ा आदमी
(महात्मन्) श्रेष्ठपुरुप, बहुत अच्छा आदमी
(महिमन्) महत्त्व, बड़ाई
(महीधर) अद्रि, पर्वत, पहाड़

(महीप) राजा, भूमिपाल
(महीपति) राजा, भूमिपाल
(महेन्द्र) इन्द्र, स्वर्गका मालिक
(महेश) महादेव
(महोत्सव) बड़ाजलसा
(मांसाद) मांसका खानेवाला, मांसाशी
(मांसाहारिन्) मांसभोजी, मांस खानेवाला
(मांसभक्षक) मांसखानेवाला, गोश्तख्वार
(मांसभक्षिन्) मांसखानेवाला, गोश्तख्वार
(मातृष्वसृ) माकीबहिन, मौसी
(मातृष्वस्रेय) मौसीका लड़का
(माथुर) मथुरापुरीका रहनेवाला
(मादक) नशेकीचीज़
(माधुर्य्य) मधुरता, मिठास
(माध्वी) महुआकी मदिरा, दारू
(मानसिक) मनका, दिलका
(मानहानि) अप्रतिष्ठा, बेइज्ज़ती
(मानिन्) घमण्डी, मग़रूर, अभिमानी
(मान्य) मानने के लायक, पूज्य
(मायापति) मायाकास्वामी, ईश्वर
(मायाविन्) जालिया. माया जिसमेंहो
(मारक) मारनेवाला, घातुक
(मारीच) एक राक्षसका नाम जिसने सीताहरणमें रावण की सहायता कीथी
(मारुतसुत) हनुमान्‌जी, भीमसेन
(मारुतात्मज) वायुकापुत्र हनुमान्‌जी
(मार्कण्डेय) एक ऋषि का नाम, जिसने मार्कण्डेय पुराण बनायाहै
(मार्गशिर) अगहनका महीना
(मार्ज्जनी) बोहारी, झाड़ू
(मार्जनीय) शोधनीय, शुद्धकरने के योग्य
(मालिका) पांति, श्रेणी, क़तार
(मालव) मालवादेश
(मासान्त) मासकीसमाप्ति
(माहेश्वरी) पार्वती
(मित) नपाहुआ
(मितप्रद) थोड़ादेनेवाला, कंजूस
(मित्रता) मैत्री, दोस्ती
(मित्रद्रोहिन) दोस्तकी बुराई चाहनेवाला
(मिथिला) जनकपुर
(मिथिलेशकुमारी) सीरध्वज, जनकजीकी पुत्री, श्रीरामचन्द्रकी पत्नी
(मिश्रित) मिलाहुआ, सम्पृक्त
(मिष्ट) मधुर, मीठा
(मिष्टान्न) मिठाई
(मीमांसक) विचार करनेवाला, मीमांसाशास्त्रको जाननेवाला
(मीमांसा) विचार, परामर्श

(मीमांसित) विचाराहुआ
(मीलन) संकोचन, निमीलन, बन्दकरना
(मीलित) बन्दकियाहुआ
(मुकुट) एक तरहका आभूषण जो शिरमें पहिनाजाताहै
(मुकुन्द) मुक्तिको देनेवाले विष्णु भगवान्
(मुक्तम्) मुक्ति, मोक्ष
(मुकुलित) कलीदार,कलिकासंयुक्त
(मुक्त) दुनियांके जालसे छूटाहुआ
(मुक्तहस्त) उदार, बड़ादाता, सखी
(मुखभूषण) मुँहको शोभित करनेवाला ताम्बूल, पान
(मुखलाङ्गल) सूअर, शूकर
(मुग्ध) सुन्दर, खूबसूरत, मूढ़, अनारी
(मुग्धा) एक प्रकारकी स्त्री जो खूबसूरत और कमउम्रहो
(मुचकुन्द) सूर्यवंशी एक राजा का नाम
(मुञ्ज) मूंज
(मुण्डक) मूंड़नेवाला नाई, हज्जाम
(मुण्डमाला) खोपरीकीमाला
(मुदित) प्रसन्न, खुश
(मुद्ग) एक प्रकारका अन्न, मूंग
(मुद्रा) खुशकरनेवाली चीज़ रुपया, मोहर
(मुद्रिका) एक तरहकी अंगूठी जिसपर नाम खुदाहो
(मुद्रित) मुहर कियाहुआ, छपाहुआ
(मुनिपुङ्गव) मुनियोंमें श्रेष्ठ
(मुनीन्द्र) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ
(मुनीश) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ
(मुन्यन्न) तीनी, नीवार
(मुमुक्षु) जो संसारको हमेशःके लिये छोड़ना चाहता है
(मुमूर्षु) मरणासन्न, करीबुलमर्ग, जो करीब मरनेकेहो
(मुर) एक राक्षस जिसको श्रीकृष्णजीने मारा था
(मुरारि) श्रीकृष्ण
(मूर्द्धन्य) ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष, ये अक्षर
(मूलभूत) जड़, बुनियाद
(मृगनयनी) जिस औरतकी आँखें हरिणकैसीहों वहस्त्री
(मृगपति) सिंह, शेर
(मृगी) हरिणी, हरनी
(मृग्य) ढूंढ़ने के लायक़, अन्वेष्य
(मृतक) मराहुआ
(मृतसञ्जीविनी) एक औषधी जिससे मराआदमी जी जाता है
(मृदुता) मुलायमियत, कोमलत्व
(मेकलसुता) नर्मदानदी, यह मेकलनाम पर्वतसे निकलती है
(मेघध्वनि) मेहकीगर्ज
(मेध) यज्ञ, इज्या

(मेधाविन्) बड़ा ज़हीन, अतिबुद्धिमान्
(मेलिन्) संगी, साथी
(मैत्री) मित्रता, स्नेह, दोस्ती
(मैथिली) जानकीजी, जनकात्मजा
(मैनाक) एक पर्वतका नाम
(मोचन) छुड़ाना
(मोहन) मोहनेवाला, मनको हर लेनेवाला
(मोहनी) मनको हरलेनेवाली स्त्री
(मोहमय) अज्ञानमय, झूंठा
(मौञ्जी) मूंजकी बनीहुई वस्तु मेखला
(मौनिन्) चुपचाप रहनेवाला
(म्लान) मुरझायाहुआ

(य)

(यजन) पूजा, याग
(यज्ञसूत्र) जनेऊ
(यज्ञोपवीत) जनेऊ
(यत्न) उपाय, तदबीर
(यन्त्रित) बंधाहुआ, कैद, बद्ध
(यथाकाम) यथेच्छ, भरपूर
(यथायोग्य) यथोचित, जैसा चाहिये वैसा
(यथाशक्ति) जहांतक होसके, यथा सामर्थ्य
(यदा) जब, जिस समय
(यदु) चन्द्रवंश के एक राजा का नाम जिससे यदुवंश कहलाता है
(यदुनाथ) श्रीकृष्णजी
(यदुपति) श्रीकृष्णजी
(यन्त्र) कल
(यन्त्रणा) पीड़ा, क्लेश
(यमक) जमाव, एक प्रकारका अलंकार
(यमज) साथ पैदाहुआ, जोड़िया
(ययाति) एक चन्द्रवंश का राजा
(यवन) म्लेच्छजाति
(यशस्विन्) नामी पुरुष
(याजन) यज्ञ करना
(यात) प्राप्त, पाया हुआ
(यादव) यदुवंशी
(यादृश) जैसा
(युक्ति) तरकीब
(युत) संयुक्त, मिलाहुआ
(युद्धनिदेश) लड़ाई का पैगाम
(युधिष्ठिर) पाण्डुराजा का पुत्र, संग्राम में ठहरनेवाला
(युवक) नौजवान, तरुण
(योगनिद्रा) विष्णुभगवान्‌कीनींद
(योगरूढि) शब्दकी एक शक्ति जो अर्थविशेषमें शब्दको प्रवृत्ति करती है
(योगिनी) एकदेवी जिसके चौंसठि भेद हैं
(योगिन्) चित्तकी वृत्तिको रोकनेवाला
(योग्यता) हैसियत
(योजक) मिलानेवाला

(योजना) जोड़ना
(योधन) शस्त्र, हथियार
(यौगिक) योगसे बनाहुआ

(र)

(रक्तकन्द) पलाण्डु, प्याज
(रक्तचूर्ण) सिन्दुर, चन्दन
(रक्तप) खूनपीनेवाला जोंक, खटमल
(रक्तपात) खून गिरना
(रक्तबीज) एक राक्षस का नाम जिसको दुर्गाजीने माराथा
(रक्षक) पालक, रक्षा करनेवाला
(रक्षण) पालना, रक्षा
(रङ्गभूमि) नाट्यभवन, नाच, तमाशाकी जगह
(रचयितृ) बनानेवाला
(रजकी) धोबिन
(रजनीकर) चन्द्रमा, रातकरनेवाला
(रजनीचर) निशाचर, राक्षस
(रञ्जक) प्रीति करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला, रँगनेवाला
(रञ्जित) रँगाहुआ
(रटन) घोपना, रटना
(रटित) घोपाहुआ, घुट
(रणभूमि) लड़ाई की जगह
(रतहिण्डक) रंडीबाज़
(रत्नगर्भ) समुद्र
(रत्नजटित) जिस में जवाहिरात जड़ेहों
(रत्नसू) रत्नोंको पैदाकरनेवाली पृथ्वी
(रथवाहक) रथको हांकनेवाला, सारथी
(रदच्छद) ओष्ठ, होंठ
(रन्तिदेव) एक चन्द्रवंशी राजा
(रमक) क्रीड़ाकरनेवाला, कामी
(रमण) क्रीड़ा, भोग, पति
(रमणीय) रम्य, सुन्दर
(रमापति) विष्णु, भगवान्
(रवितनया) यमुनानदी
(रविनन्दिनी) यमुनानदी
(रविपुत्र) सुग्रीवनाम वानर, राजा कर्ण
(रसज्ञा) स्वादको जानने वाली जिह्वा, जीभ
(रसायनविद्या) कमिस्ट्री जिससे पदार्थ का विवेक होताहै
(रसिक) रसज्ञ, रसीला
(रहित) त्यक्त, छूटाहुआ
(राकापति) पूर्णिमाका चन्द्रमा
(राकेश) पूर्णिमाका चन्द्रमा
(राग) प्रीति, मोहब्बत
(राजकन्या) राजाकी लड़की
(राजकर) महसूल, लगान
(राजकीय) राजाका, राजसम्बन्धी सरकारी
(राजकीयमहासभा) राजाकी बड़ी कचहरी
(राजकुमार) राजाका लड़का, राजसूनु
(राजकृत्य) राजकार्य

(राजकोश) सरकारी खज़ाना
(राजद्रोहिन) राजाका शत्रु, बागी
(राजद्वार) राजाकी ड्योढ़ी
(राजधानी) जहाँ राजा रहताहो वह स्थान, दारुलूस-लूतनत
(राजभवन) राजाका महल, राज सदन
(राजमार्ग) सड़क
(राजशासन) राजाकाहुक्म
(राजस) रजोगुणी
(राजसभा) राजाका दरबार
(राजित) शोभित
(रामगिरि) चित्रकूट
(रिपुसूदन) शत्रुका नाशकरनेवाला
(रुद्राक्रीड) महादेवजी के क्रीड़ा करनेकीजगह,श्मशान
(रुष्ट) नाराज़, कुपित
(रूढ़) उत्पन्न, प्रकट
(रूढ़ि) प्रसिद्धि, उत्पत्ति, पैदाहोना
(रूपनिधान) अतिसुन्दर
(रूपवती) खूबसूरत औरत
(रेखा) लकीर
(रेवती) सत्ताईसवां नक्षत्र, बल-देवजी की माता
(रैवत) एक पर्व्वत का नाम जो काठियावाड़ में जूनागढ़के पासहै
(रोगिन्) रुजार्दित, बीमार
(रोचक) रुचि बढ़ानेवाला
(रोटिका) रोटी
(रोद्ध) घेरनेवाला, रोकनेवाला, रोधक
(रोमाञ्चित) भय या हर्षसे जिसके रोम खड़े हों वह पुरुष
(रोमावली) रोमराजि नाभिके नीचे की रोएंकी पांति

(ल)

(लक्षित) चिह्नित, निशान किया हुआ, देखाहुआ
(लक्षणा) आरोप
(लक्ष्मीकान्त) विष्णु, नारायण
(लक्ष्मीनाथ) विष्णु, नारायण
(लक्ष्मीपति) विष्णु, नारायण
(लघिमन्) लघुता, छोटाई
(लघुहस्त) कार्यकुशल, काममें हो-शियार
(लघ्वी) छोटी
(लङ्कापति) रावण
(लङ्केश) रावण
(लङ्केश्वर) रावण
(लङ्घन) लांघना
(लज्जारहित) बेशर्म, बेहया
(लतायनस) तरबूज़
(लब्धि) लाभ
(लम्ब) लम्बा
(लम्बोष्ठ) ऊंट,जिसके होठलम्बेहों
(लाक्षणिक) वह अर्थ, जिसका बोध लक्षणाशक्ति से हो
(लाघव) छोटाई, लघुता

(लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम
(लालन) लाड़, प्यार
(लालित) दुलारा
(लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती
(लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती
(लासक) नाचनेवाला
(लिङ्गित) चिह्नित
(लिप्सु) पाने की इच्छा कियेहुए
(लीन) श्लिष्ट, मिलाहुआ
(लुञ्चन) उखाड़ना, उन्मूलन
(लुठन) लोटना
(लुप्त) नष्ट, गायब
(लेखनी) कलम
(लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य
(लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ्तर
(लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी
(लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक
(लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल
(लोकलोचन) सूर्य, रवि
(लोकयात्रा) संसार का व्यवहार
(लोकापवाद) बदनामी, अपयश, अपकीर्त्ति
(लोप) न दिखाई देना, अदर्शन
(लोभ) लालच
(लोभिन्) लालची
(लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों
(लोहिताक्ष) जिसकीआंखेंलालहों
(लौकिक) सांसारिक दुनियावी

(व)

(वंश्य) वंश में उत्पन्न
(वक) बगुलापक्षी
(वकवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी
(वक्तव्य) कहने के योग्य
(वक्तृता) कथन,व्याख्यान,वक्तृत्व
(वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका अंग टेढ़ा हो
(वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना, एक अलंकार का नाम
(वक्षःस्थल) उरस्, सीना, छाती
(वक्षोज) स्तन, चूची
(वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मजबूत हों
(वज्राघात) वज्र एक तरह के हथियार की चोट
(वञ्चक) ठग, धूर्त्त
(वटु) लड़का, बालक
(वटुक) बाल, लड़का
(वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल
(वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, मन्दार, पारिजातक, कमल, इनकीमाला यथा "तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकैः॥ निर्मिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्त्तिता१॥
(वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य,अभिवाद्य,प्रणाम करने के योग्य
(वन्य) वनमें होनेवाला जंगली
(वपन) बोना
(वमन) उद्गार, कय,डाकना,उलटी
(वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना
(वरदायक) वर देनेवाला, वरद
(वराटिका) कौड़ी
(वरासन) उत्तम आसन
(वर्ज्जन) मना करना, निवारण
(वर्ज्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य
(वर्णन) बयान, स्तुति
(वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा
(वर्णसङ्कर) दोगला
(वर्त्तमान) उपस्थित, मौजूद
(वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती
(वर्द्धित) बढ़ायाहुआ
(वर्षण) वृष्टि, वारिश
(वल्गु) मनोहर, सुन्दर
(वल्लभा) प्रिया, प्यारी
(वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रक्खे
(वशिन्) जितेन्द्रिय
(वहित्र) जलयान, जहाज़
(वागीश्वरी) सरस्वती
(वाग्दण्ड) फट्कार, डाट
(वाङ्मय) शास्त्र
(वाच्य) कहनेके योग्य, वक्तव्य, अर्थ, मतलब
(वात्सल्य) प्रेम, प्यार
(वाद) वातचीत, झगड़ा
(वादिन्) शत्रु, मुद्दई
(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्‌जी
(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन
(वायुपुत्र) हनुमान्‌जी
(वाराणसी) काशी, बनारस
(वारिचर)जलजन्तु,मछलीइत्यादिक
(वारिज) कमल
(वार्षिक) बरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आब्दिक
(वासना) इच्छा, अभिलाष
(वास्तव) वस्तुतः,ठीक २ सत्य २
(वास्तव्य) रहनेवाला
(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ
(विकल्प) पसोपेश
(विक्रमिन्) पराक्रमी, बलवान्
(विक्लान्त) खिन्न, उदास,
(विक्लेद) आर्द्रीभाव, गीलापन
(विक्षेप) फेंकना
(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत
(विगतश्रम) जिसकी थकावट जातीरहीहो
(विगर्हण)बुराईकरना,निन्दाकरना
(विघात) नाश
(विचित्र) अद्भुत, अजीब
(विच्छिन्न) टूटाहुआ

(लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम
(लालन) लाड़, प्यार
(लालित) दुलारा
(लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती
(लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती
(लासक) नाचनेवाला
(लिङ्गित) चिह्नित
(लिप्सु) पाने की इच्छा कियेहुए
(लीन) श्लिष्ट, मिलाहुआ
(लुञ्चन) उखाड़ना, उन्मूलन
(लुठन) लोटना
(लुप्त) नष्ट, गायब
(लेखनी) कलम
(लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य
(लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ़्तर
(लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी
(लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक
(लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल
(लोकलोचन) सूर्य, रवि
(लोकयात्रा) संसार का व्यवहार
(लोकापवाद) बदनामी, अपयश, अपकीर्त्ति
(लोप) न दिखाई देना, अदर्शन
(लोभ) लालच
(लोभिन्) लालची
(लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों
(लोहिताक्ष) जिसकीआंखेंलालहों
(लौकिक) सांसारिक दुनियावी

(व)

(वंश्य) वंश में उत्पन्न
(वक) बगुलापक्षी
(वकवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी
(वक्तव्य) कहने के योग्य
(वक्तृता) कथन,व्याख्यान,वक्तृत्व
(वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका अंग टेढ़ा हो
(वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना, एक अलंकार का नाम
(वक्षःस्थल) उरस्, सीना, छाती
(वक्षोज) स्तन, चूंची
(वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मज़बूत हों
(वज्राघात) वज्र एक तरह के हथियार की चोट
(वञ्चक) ठग, धूर्त्त
(वटु) लड़का, बालक
(वटुक) बाल, लड़का
(वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल
(वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, मन्दार, पारिजातक, कमल, इनकीमाला यथा
" तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकैः ॥
निर्मिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्त्तिता१॥
(वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य,अभिवाद्य,प्रणाम करने के योग्य
(वन्य) वनमें होनेवाला जंगली
(वपन) बोना
(वमन) उद्गार, कय,डाकना,उलटी
(वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना
(वरदायक) वर देनेवाला, वरद
(वराटिका) कौड़ी
(वरासन) उत्तम आसन
(वर्ज्जन) मना करना, निवारण
(वर्ज्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य
(वर्णन) बयान, स्तुति
(वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा
(वर्णसङ्कर) दोगला
(वर्त्तमान) उपस्थित, मौजूद
(वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती
(वर्द्धित) बढ़ायाहुआ
(वर्षण) वृष्टि, बारिश
(वल्गु) मनोहर, सुन्दर
(वल्लभा) प्रिया, प्यारी
(वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रक्खे
(वशिन्) जितेन्द्रिय
(वहित्र) जलयान, जहाज़
(वागीश्वरी) सरस्वती
(वाग्दण्ड) फटकार, डाट
(वाङ्मय) शास्त्र
(वाच्य) कहनेके योग्य, वक्तव्य, अर्थ, मतलब
(वात्सल्य) प्रेम, प्यार
(वाद) बातचीत, झगड़ा
(वादिन्) शत्रु, मुद्दई
(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्‌जी
(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन
(वायुपुत्र) हनुमान्‌जी
(वाराणसी) काशी, बनारस
(वारिचर)जलजन्तु,मछलीइत्यादिक
(वारिज) कमल
(वार्षिक) बरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आब्दिक
(वासना) इच्छा, अभिलाष
(वास्तव) वस्तुतः, ठीक २ सत्य २
(वास्तव्य) रहनेवाला
(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ
(विकल्प) पसोपेश
(विक्रमिन्) पराक्रमी, बलवान्
(विक्लान्त) खिन्न, उदास
(विक्लेद) आर्द्रीभाव, गीलापन
(विक्षेप) फेंकना
(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत
(विगतश्रम) जिसकी थकावट जातीरहीहो
(विगर्हण)बुराईकरना,निन्दाकरना
(विघात) नाश
(विचित्र) अद्भुत, अजीब
(विच्छिन्न) टूटाहुआ

(विच्छेद) विरहवियोग
(विजयिन्) जीतनेवाला
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन
(वितर्क) विचार, अनुमान
(वितत) विस्तृत, फैलाहुआ
(वितरण) दान, खैरात
(विदर्भ) एक देशकानाम
(विदारण) फाड़ना
(विदीर्ण) फाड़ाहुआ
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो नकलकरताहै
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिबइल्म
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज
(विद्वेष्टृ) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(विधायक) करनेवाला
(विध्वंस) नाश, बरबादी
(विनता) गरुड़की माता
(विनति) विनय, नम्रता
(विनश्वर) विनाशी, नष्टहोनेवाला
(विनिमय) परिवर्त्तन, बदलना
(विनोद) आनन्द, खुशी
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहनेवाली देवी
(विन्यास) स्थापनकरना
(विपरीत) उलटा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम
(विप्रलब्ध) धोखा दियागया, प्रतारित
(विभक्त) बांटाहुआ
(विभक्ति) विभाग, अलगकरना
(विभाजक) बांटनेवाला
(विभावना) एक प्रकारका अलंकार, जिसमें विना कारणके कार्यकी उत्पत्ति होतीहै
(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौफनाक, रावणके छोटे भाईका नाम
(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विभु) व्यापक, समर्थ
(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विमर्श) विचार
(विमातृ) सौतेली मा
(विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(वियोग) विरह, जुदाई
(वियोगिन्) बिछुड़ाहुआ, वियुक्त
(विरक्त) संन्यासी
(विरचित) बनायाहुआ, निर्म्मित
(विरह) वियोग, बिछुड़ना
(विराध) एक राक्षस जिसको श्री रामचन्द्रजी ने माराथा
(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
(विरूप) बदसूरत
(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विलम्ब) देर, अरसा
(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विलासिनी) हावभाव के करनेवाली औरत

(विलुप्त) नष्ट, ग़ायब
(विलोकन) दर्शन, देखना
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका
(विवाहित) व्याहा हुआ
(विवाहिता) व्याही औरत
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार
(विशिखासन) धनुष
(विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र
(विशेष) आधिक्य
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो
(विश्राम) आराम, सुस्ताना
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना
(विश्वनाथ) संसारका मालिक
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअतमिद
(विश्वासघातक) धोखादेनेवाला, दग़ाबाज़
(विश्वेश) दुनियांका मालिक
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक
(विषमता) वैषम्य, असाम्य, घटबढ़
(विषुवतरेखा) भूमध्यरेखा, ख़त उस्तवा
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो विंदी
(विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुख़सत
(विसूचिका) हैज़ाकीबीमारी
(विस्फोटक) फोड़ा, चेचक
(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विहित) कियाहुआ, कृत
(विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली
(वीक्षण) देखना, दर्शन
(वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू
(वीरता) बहादुरी
(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(वृकोदर) भीमसेन
(वृषली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(वेत्र) बेंत, बेतस
(वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला
(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस् निरुक्त ६ इनको विनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता
(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(वेधक) छेदनेका औज़ार
(वैखानस) वानप्रस्थका आश्रम
(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(वैभव) ऐश्वर्य्य, सम्पत्
(वैमनस्य) बिगाड़, रंज

(विच्छेद) विरहवियोग
(विजयिन्) जीतनेवाला
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन
(वितर्क) विचार, अनुमान
(वितत) विस्तृत, फैलाहुआ
(वितरण) दान, खैरात
(विदर्भ) एक देशकानाम
(विदारण) फाड़ना
(विदीर्ण) फाड़ाहुआ
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो नकलकरताहै
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिबइल्म
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज
(विद्वेष्टृ) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(विधायक) करनेवाला
(विध्वंस) नाश, वरबादी
(विनता) गरुड़की माता
(विनति) विनय, नम्रता
(विनश्वर) विनाशी, नष्टहोनेवाला
(विनिमय) परिवर्त्तन, वदलना
(विनोद) आनन्द, खुशी
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहनेवाली देवी
(विन्यास) स्थापनकरना
(विपरीत) उलटा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम
(विप्रलब्ध) धोखा दियागया, प्रतारित
(विभक्त) वांटाहुआ
(विभक्ति) विभाग, अलगकरना
(विभाजक) वांटनेवाला
(विभावना) एक प्रकारका अलंकार, जिसमें विना कारणके कार्यकी उत्पत्ति होतीहै
(विभीषण) अति भयङ्कर, वड़ा खौफनाक, रावणके छोटे भाईका नाम
(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विभु) व्यापक, समर्थ
(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विमर्श) विचार
(विमातृ) सौतेली मा
(विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(वियोग) विरह, जुदाई
(वियोगिन्) विछुड़ाहुआ, वियुक्त
(विरक्त) संन्यासी
(विरचित) वनायाहुआ, निर्म्मित
(विरह) वियोग, विछुड़ना
(विराध) एक राक्षस जिसको श्री रामचन्द्रजी ने माराथा
(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
(विरूप) वदसूरत
(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विलम्ब) देर, अरसा
(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विलासिनी) हावभाव के करने वाली औरत

(विलुप्त) नष्ट, ग़ायब
(विलोकन) दर्शन, देखना
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका
(विवाहित) व्याहा हुआ
(विवाहिता) व्याही औरत
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार
(विशिखासन) धनुष
(विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र
(विशेष) आधिक्य
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो
(विश्राम) आराम, सुस्ताना
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना
(विश्वनाथ) संसारका मालिक
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअतमिद
(विश्वासघातक) धोखादेनेवाला, दग़ाबाज़
(विश्वेश) दुनियांका मालिक
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक
(विषमता) वैषम्य, असाम्य, घटबढ़
(विषुवतरेखा) भूमध्यरेखा, ख़त उस्तवा
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी
(विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुख़सत
(विसूचिका) हेज़ाकीबीमारी
(विस्फोटक) फोड़ा, चेचक
(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विहित) कियाहुआ, कृत
(विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली
(वीक्षण) देखना, दर्शन
(वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू
(वीरता) बहादुरी
(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(वृकोदर) भीमसेन
(वृषली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(वेत्र) बेंत, वेतस
(वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला
(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस् निरुक्त ६ इनको विनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता
(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(वेधक) छेदनेका औज़ार
(वैखानस) वानप्रस्थका आश्रम
(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(वैभव) ऐश्वर्य्य, सम्पत्
(वैमनस्य) विगाड़, रंज

(विच्छेद) विरहवियोग
(विजयिन्) जीतनेवाला
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन
(वितर्क) विचार, अनुमान
(वितत) विस्तृत, फैलाहुआ
(वितरण) दान, खैरात
(विदर्भ) एक देशकानाम
(विदारण) फाड़ना
(विदीर्ण) फाड़ाहुआ
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो नकलकरताहै
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिबइल्म
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज
(विद्वेष्ट) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(विधायक) करनेवाला
(विध्वंस) नाश, बरबादी
(विनता) गरुड़की माता
(विनति) विनय, नम्रता
(विनश्वर) विनाशी, नष्टहोनेवाला
(विनिमय) परिवर्तन, बदलना
(विनोद) आनन्द, खुशी
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहनेवाली देवी
(विन्यास) स्थापनकरना
(विपरीत) उलटा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम
(विप्रलब्ध) धोखा दियागया, प्रतारित
(विभक्त) बांटाहुआ
(विभक्ति) विभाग, अलगकरना
(विभाजक) बांटनेवाला
(विभावना) एक प्रकारका अलंकार, जिसमें विना कारणके कार्यकी उत्पत्ति होतीहै
(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौफनाक, रावणके छोटे भाईका नाम
(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विभु) व्यापक, समर्थ
(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विमर्श) विचार
(विमातृ) सौतेली मा
(विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(वियोग) विरह, जुदाई
(वियोगिन्) बिछुड़ाहुआ, वियुक्त
(विरक्त) संन्यासी
(विरचित) बनायाहुआ, निर्म्मित
(विरह) वियोग, बिछुड़ना
(विराध) एक राक्षस जिसको श्री रामचन्द्रजी ने माराथा
(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
(विरूप) बदसूरत
(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विलम्ब) देर, अरसा
(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विलासिनी) हावभाव के करनेवाली औरत

(विलुप्त) नष्ट, ग़ायब
(विलोकन) दर्शन, देखना
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका
(विवाहित) व्याहा हुआ
(विवाहिता) व्याही औरत
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार
(विशिखासन) धनुष
(विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र
(विशेष) आधिक्य
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो
(विश्राम) आराम, सुस्ताना
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना
(विश्वनाथ) संसारका मालिक
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअतमिद
(विश्वासघातक) धोखादेनेवाला, दग़ाबाज़
(विश्वेश) दुनियांका मालिक
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक
(विषमता) वैषम्य, असाम्य, घटबढ़
(विषुवतरेखा) भूमध्यरेखा, ख़त उस्तवा
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी
(विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुख़सत
(विसूचिका) हैज़ाकीबीमारी
(विस्फोटक) फोड़ा, चेचक
(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विहित) कियाहुआ, कृत
(विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली
(वीक्षण) देखना, दर्शन
(वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करनेवाली, वीरकीमाता, वीरसू
(वीरता) बहादुरी
(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(वृकोदर) भीमसेन
(वृषली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(वेत्र) बेंत, वेतस
(वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला
(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस् निरुक्त ६ इनको विनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता
(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(वेधक) छेदनेका औज़ार
(वैखानस) वानप्रस्थका आश्रम
(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(वैभव) ऐश्वर्य्य, सम्पत्
(वैमनस्य) विगाड़, रंज

(वैयाकरण) व्याकरणशास्त्रको जाननेवाला
(वैष्णव) विष्णुभगवान् के भक्त
(व्यञ्जना) एकप्रकार की शब्द की शक्ति, जो अभिधा तथा लक्षणाशक्ति के विरत होनेपर अर्थान्तरका बोध करती है
(व्यतिक्रम) व्यत्यय, उत्क्रम, उलट पलट
(व्यतिरिक्त) अतिरिक्त, सिवाय, अलावा
(व्यतीत) गुज़राहुआ, अतिक्रान्त
(व्यथित) दुःखित, दुःखी
(व्यपदेश) व्यवहार
(व्यभिचार) परदारोपसेवन, जिना
(व्यभिचारिन्) कुकर्मी, वदचलन
(व्यवकलन) बाकीनिकालना, घटाना
(व्यवधान) आड़, परदा
(व्यवसाय) उद्यम, उद्योग
(व्यवस्था) निर्णय, फैसला
(व्याख्यान) उपदेश, ल्यक्चर
(व्यापक) सब जगह भराहुआ, सर्वव्यापी
(व्यापादन) मारना, हिंसन, कत्ल
(व्यायाम) कसरत, परिश्रम
(व्युत्पत्ति) बोध, समझ
(व्रीडित) लज्जित, शर्मिन्दः

(श)

(शकुन्तला) मेनका नाम अप्सरा में उत्पन्न विश्वामित्र की कन्या जिस को कण्वऋषिनेपालाथा
(शक्त) समर्थ
(शक्रजित्) इन्द्र को जीतनेवाला रावणकाबेटा, मेघनाद
(शंखध्म) शंख बजानेवाला
(शठता) दुर्जनता, बदमाशी
(शण) सन, पेटुआ
(शतक्रतु) जिसने सौ यज्ञ कियाहो, इन्द्र
(शतघ्नी) तोप
(शताब्दी) सदी
(शरण्य) रक्षक, बचानेवाला
(शवाधार) टिकठी
(शशाङ्क) चन्द्रमा
(शशिन्) चन्द्रमा, विधु
(शस्त्रधारिन्) हथियारबंद
(शस्त्रमार्जन) हथियार को साफ़ करना
(शस्त्राधार) हथियारघर, शस्त्रगृह
(शाकिनी) दुर्गा की अनुचरी
(शाक्त) देवी की पूजा करनेवाला
(शाणित) हथियार जिसपर सान चढ़ा हो
(शाप) बददुआ, सराप
(शाब्दिक) वैयाकरण
(शायिन्) सोनेवाला
(शासनपत्र) आज्ञापत्र, परवानः
(शास्त्रिन्) शास्त्र का जाननेवाला,

पण्डित
(शिक्षक) सिखानेवाला
(शिक्षाप्रकरण) विद्याविभाग, सरिश्ततातालीम
(शिथिल) ढीला
(शिरोमणि) श्रेष्ठ, उत्तम
(शिवि) एक राजा का नाम
(शिविर) छावनी, सेनानिवेश
(शिष्ट) सज्जन, सभ्य
(शिष्टाचार) सज्जनों का आचरण
(शीघ्रगामिन्) जल्दी चलनेवाला
(शीतकर) चन्द्रमा
(शीतकाल) जाड़ेके दिन
(शीतज्वर) जूड़ी
(शीतलता) शैत्य, ठंढापन
(शीर्ण) मराहुआ
(शुद्ध) पवित्र, साफ़, सही
(शुद्धता) सफ़ाई, स्वच्छता
(शुद्धि) सफ़ाई, निर्मलता
(शुभग) सुन्दर
(शुभचिन्तक) खैरख्वाह, शुभाभिलाषी
(शुभलग्न) अच्छासमय
(शुभाकांक्षिन्) भला चाहनेवाला
(शुश्रूषक) सेवाकरनेवाला, दास
(शुष्क) सूखा, खुश्क
(शूरता) बहादुरी, वीरता
(शेषशायिन्) विष्णुभगवान्
(शैव) शिवकेभक्त
(शोकाकुल) रंजीदः
(शोकार्त्त) रंजीदः
(शोचनीय) शोक करनेके योग्य, शोच्य
(शोधक) शुद्ध, सही करनेवाला
(शोधन) शुद्धकरना, सेहत
(शोषक) सोखनेवाला
(शौच) पवित्रता, सफ़ाई
(शौल्किक) चुंगी का दारोगा
(श्रद्दधान) श्रद्धालु, मुअतक़िद, श्रद्धावान्
(श्रम) मेहनत, परिश्रम
(श्रान्त) थका हुआ
(श्रान्ति) थकावट
(श्रोतृ) सुननेवाला
(श्लाघा) प्रशंसा, तारीफ़
(श्लाघ्य) प्रशंसनीय, तारीफ़ के लायक
(श्वान) कुत्ता, कुक्कुर
(श्वास) सांस
(श्वेतद्वीप) एकद्वीप का नाम

(ष)

(षड्वर्ग) काम १ क्रोध २ लोभ ३ मोह ४ मद ५ अहंकार ६
(षट्शास्त्र) न्याय १ वैशेषिक २ मीमांसा ३ वेदान्त ४ सांख्य ५ योग पातञ्जल ६
(षड्ङ्घ्रि) भौंरा, भ्रमर
(षोडशदान) सोलह प्रकारके दान यथा। पृथ्वी १ आसन २ जल ३ वस्त्र ४ दीप ५

अन्न ६ यान ७ छत्र ८ सुगन्धितवस्तु ९ पुष्पमाला १० फल ११ शय्या १२ खड़ाऊं १३ गो १४ सुवर्ण १५ रजत १६ इन सबका दान

(स)

(संन्यासिन्) यति. परिव्राजक
(संयुक्त) मिलाहुआ
(संयुत) संमिलित
(संयोग) मिलाप, संगम
(संलग्न) लगाहुआ
(संवाद) वार्त्तालाप, बातचीत
(संशयात्मन्) शक्की, सन्दिग्ध
(संसर्ग) सम्बन्ध, सोहवत
(संहिता) सन्धि
(सकाम) साभिलाष
(सघन) सान्द्र, घना
(सङ्कलन) जोड़ना, मिलाना
(सङ्कीर्णता) तंगी, कोताही
(सङ्कीर्त्तन) वर्णन, कथन
(सङ्केत) इशारा
(सङ्कोचन) सिकोड़ना
(सङ्क्रमण) संक्रान्ति, सूर्यका एक राशि से दूसरी राशि पर जाना
(संगम) मिलान, संयोग
(सङ्गीत) गानविद्या
(सङ्गृहीत) सङ्ग्रह, इकट्ठा कियाहुआ
(सङ्ग्रहणी) एक प्रकार का रोग प्रवाहिका
(सङ्घर्ष) दूसरे का अभिभव चाहना, स्पर्द्धा
(सजल) जलयुक्त
(सजातीय) एक जातिका
(सञ्चित) इकट्ठा किया हुआ
(सत्कार) संमान, खातिर
(सत्क्रिया) सत्कार
(सत्यवादिन्) सच बोलनेवाला
(सत्यसन्ध) सत्यप्रतिज्ञ, कौलकापक्का
(सत्सङ्ग) सज्जनों की सोहवत
(सदसत्) अच्छाबुरा
(सदाचार) अच्छा चालचलन १ प्राचीनधर्म २
(सधवा) सौभाग्यवती स्त्री, जिस का पति मौजूदहो
(सध्रीची) साथ चलनेवाली
(सन्तुष्ट) प्रसन्न
(सन्तोष) सब्र, सन्तुष्टि
(सन्तोषिन्) सन्तोष करनेवाला
(सन्दर्भ) रचना, प्रबन्ध
(सन्नाह) कवच, वर्म्म, वख्तर
(सन्निधान) समीप, सान्निधि
(सन्निपात) सरसाम
(संन्यास) त्याग, छोड़ना, चतुर्थाश्रम
(सप्तसागर) खारासमुद्र १ इक्षुरस २ दधि ३ क्षीर ४ मधु ५ मद्य ६ घृत ७ इन सात चीजों का समुद्र
(सप्ताह) सात दिन, हफ्तः
(सभापति) सभा का मालिक, प्रे-

सीडेण्ट

(समक्ष) सामने, संमुख
(समता) बराबरी, तुल्यता
(समदर्शिन्) बराबर देखनेवाला
(समन्वित) युक्त, सहित, साथ
(समबल) बराबर वाला, तुल्यबल
(समाधान) शंकाकाउत्तरसमझाना
(समाप्त) पूर्ण, तमाम
(समाप्ति) पूर्त्ति, खातमा
(समारोह) जमाव, धूमधाम
(समाहित) सावधान
(समाह्वान) पुकारना, आह्वान
(समीकरण) बराबर करना
(समीचीन) उत्तम, उम्दः
(सम्पन्न) अमीर, धनवान्
(सम्पर्क) संसर्ग, सम्बन्ध
(सम्पादक) करनेवाला
(सम्बन्ध) ताल्लुक, रिश्ता
(सम्बन्धिन्) रिश्तेदार
(सम्भवना) उम्मेद, आशा
(सम्भाषण) बोलचाल
(सम्भोग) मैथुन, रत
(सम्मत) अङ्गीकृत, मंजूर
(सम्मति) सलाह, राय
(सरयू) एक नदीका नाम जो अ-योध्यापुरी के पास बहतीहै
(सरस) स्वादुयुक्त, रसीला
(सरसिज) कमल
(सरोज) कमल
(सरोष) क्रुद्ध, गुस्सावर, कुपित
(सर्वभूत) सब जीव
(सवर्ण) समान जातिका, हमजिन्स
(सव्यसाचिन्) अर्जुन, पाण्डुपुत्र
(सशङ्क) भीत, डराहुआ
(सहचर) साथ चलनेवाला, साथी
(सहदेव) पाण्डु का छोटा पुत्र
(सहयोगिन्) साथी
(सहवास) साथ रहना
(सहवासिन्) साथ रहनेवाला
(सहस्रनयन) इन्द्र,हजार नेत्रवाला
(सहस्रनेत्र) इन्द्र, हजार नेत्रवाला
(सहस्रपाद) सूर्य, सहस्रांशु
(सहानुभूति) सुखदुःखमेंसाथीहोना
(सहायक) मददगार, सहारा करनेवाला
(सहोदर) सगाभाई
(सह्य) सहने के लायक
(सांसारिक) संसार का, दुनियवी
(साकार) मूर्त्तिमान, युक्तियुक्त
(साक्षिन्) साखी, गवाह
(सांख्य) कपिलमुनिकाबनायाशास्त्र
(सादृश्य) तुल्यता, बराबरी
(साधक) काम करनेवाला
(साधनीय) सिद्धकरने के योग्य
(साधारणधर्म) जीवको न मारना, अहिंसा १ सच बोलना, सत्य २ चोरी न करना, अस्तेय ३ पाक साफ रहना, शौच ४ इन्द्रियोंको

अपने वशमें रखना इन्द्रिय निग्रह ५ दम ६ सामर्थ्यहोने पर दूसरेके अपराध को क्षमा करना, क्षमा ७ स्वभावको कोमल रखना,आर्जव ८ खैरात करना, दान ६ यथाअहिंसा सत्यमस्तेयंशौचमिन्द्रियनिग्रहः॥ दमः क्षमाऽऽर्जवंदानंधर्मसाधारणंविदुः १

(सामग्री) सामा, सामान

(सामयिक) समयपर का

(सामर्थ्य) बल, ताकत, शक्ति

(सामीप्य) समीपता, नजदीकी

(सामुद्रिक) एक प्रकार की विद्या, जिससे मनुष्य के लक्षण मालूम होतेहैं

(सार्थक) अर्थसहित,साथमतलबके

(सावधान) सचेतहोना, चौकसहोना

(साहसी) हिम्मतदार, पराक्रमी

(साहित्य) मिलान १ एक शास्त्र जिससे काव्य के गुण दोषादिक मालूमहोतेहैं

(सिंहिका) एक राक्षसी का नाम, जिसका पुत्र राहुहै

(सिक्त) सींचा हुआ

(सीकर) जलकण,पानीकेछोटे २ बूंद

(सीमाविवाद) सरहदी झगड़ा

(सुकण्ठ) सुग्रीवनाम वानर, जिस का गला अच्छाहो

(सुखद) आराम देनेवाला

(सुखदायक) आराम देनेवाला

(सुखधामन्) आरामकरनेका मकान

(सुखमा) खूबसूरती, शोभा

(सुखावह) सुख देनेवाला, सुखद

(सुखी) खुश, प्रसन्न

(सुगन्ध) खुशबू, अच्छीबास

(सुगन्धित) खुशबूदार, सुगन्धी

(सुगम) सरल, सहज, आसान

(सुगमता) सरलता, आसानी

(सुधाकर) चन्द्रमा

(सुपात्र) दानदेनेके योग्य, सुयोग्य

(सुप्त) सोयाहुआ, निद्रित

(सुप्ति) नींद, सोना

(सुभग) सुन्दर, खुशकिस्मत

(सुभगा) सौभाग्यवती, स्त्री

(सुमति) अच्छीबुद्धि

(सुमुखी) सुन्दरमुखवाली, स्त्री

(सुयोग) अच्छी सोहबत, सुसंगति

(सुरगुरु) बृहस्पति,

(सुरत) मैथुन, भोग

(सुरतरु) कल्पवृक्ष

(सुरधेनु) कामधेनु

(सुरनदी) आकाशगङ्गा,मन्दाकिनी

(सुराङ्गना) देवताकी स्त्री

(सुलभ)जोआसानीसे मिलसक्ताहो

(सुलोचना) अच्छी आंखवाली,

सुनैत्रा, मेघनादकी स्त्री
(सुवेल) एक पर्वतका नाम जो दक्षिण समुद्रके किनारे है
(सुशील) अच्छे स्वभावका आदमी
(सुषुप्ति) गहिरीनींद, गाढ़निद्रा
(सुस्थ) सावधान, निश्चिन्त
(सूक्त) अच्छाकथन
(सूक्ष्मता) पतलापन, बारीकी
(सूचना) निवेदन, इत्तिला
(सूचित) जानागया
(सूचीपत्र) फेहरिस्त
(सूतक) आशौच, अपवित्रता, जो जनन, मरण प्रयुक्तहोताहै
(सूत्रधार) नाटक करनेवाला, पात्र, नट
(सूदन) मारना, मारनेवाला
(सृष्टि) संसारकी उत्पत्ति
(सेचक) सींचनेवाला
(सेतुबन्ध) पुलबांधना
(सेनापति) फौजका अफ्सर, कर्नैल
(सेवित) सेवाकियागया, उपासित
(सेव्य) सेवाकरने के योग्य, स्वामी
(सैन्यप्रदर्शनी) फौजीनुमायश
(सोढ़) सहनेवाला, सहिष्णु
(सोमज) बुध, चन्द्रमाका पुत्र
(सौजन्य) सुजनता, शराफ़त
(सौनिक) वधिक, बहेलिया
(सौन्दर्य्य) सुन्दरता, खूबसूरती
(सौभरि) एक ऋषि, जिसने मान्धाताकी पचास कन्या के साथ ब्याहाकियाथा
(सौभद्र) श्रीकृष्णजी की भगिनी, बहिन, सुभद्राकाबेटा
(सौभाग्य) अच्छाभाग्य
(सौमित्रि) सुमित्राजीके लक्ष्मणजी
(सौर) सूर्य्यका, सूर्य्य सम्बन्धी
(सौरभ) सौगन्ध्य, खुशबू
(सौहार्द) मैत्री, दोस्ती
(स्खलित) च्युत, गिराहुआ, छद्म, धोखा
(स्तम्भन) रोकना
(स्तवन) स्तुति, तारीफ़
(स्तुत्य) स्तोतव्य, तारीफ़के लायक
(स्तोतृ) स्तुतिकरनेवाले
(स्त्रीधन) यौतुक, दायज, जहेज़
(स्थापन) बैठाना, ठहराना
(स्थापित) बैठायाहुआ
(स्थायिन्) रहनेवाला, ठहरनेवाला
(स्नायिन्) स्नानकरनेवाला
(स्पर्द्धा) ईर्ष्या, डाह, जलन
(स्फटिक) सफेदपत्थर, बिल्लौरीपत्थर
(स्फोटक) फोड़ा, चेचक
(स्फूर्त्ति) फरकना
(स्मरण) याद, स्मृति
(स्मारक) याददिलानेवाला,
(स्वकीय) अपना, निज
(स्वच्छ) साफ, निर्मल
(स्वच्छता) सफाई, नैर्मल्य
(स्वच्छन्दता) खुदमुख्तियारी, स्वाधीनता

(स्वत्वापहरण) बेदखली
(स्वधर्म) अपनाधर्म
(स्वरित) उदात्त, अनुदात्तसे मिलाहुआ स्वर
(स्वर्ग्य) स्वर्गकेलिये हितकारी
(स्वल्प) बहुतथोड़ा
(स्वस्तिवाचन) मङ्गलके वास्ते मंत्रों को पढ़ना
(स्वागत) आदर, संमान
(स्वाधीन) स्वतन्त्र, खुदमुख्तियार
(स्वाभाविक) स्वभाव सिद्ध, खुदादाद
(स्वार्थ) अपना मतलब
(स्वार्थिन्) मतलबी
(स्वास्थ्य) तन्दुरुस्ती, अनामय
(स्वीकार) अङ्गीकार, कबूल करना

(ह)

(हति) हनन, मारना
(हत्या) वध, मारना
(हन्तृ) मारनेवाला
(हरणीय) हरनेके योग्य
(हरिवाहन) विष्णुकी सवारी, गरुड़
(हर्त्तव्य) हरणीय, हरने के योग्य
(हर्तृ) हरनेवाला
(हलधर) बलदेवजी
(हवन) होम
(हविर्भुज्) अग्नि, आग
(हस्तगत) हाथमें आया, अख्तियारमें
(हानि) नुक्सान
(हारक) हरणकरनेवाला
(हारिन्) हरण करनेवाला
(हार्य्य) हरणकरने के लायक
(हाहाकार) कोलाहल, हल्ला
(हिंसक) मारनेवाला
(हिंसन) मारना
(हित) भलाई,उपकार
(हितकारिन्) भलाई करनेवाला
(हितैषिन्) खैरख्वाह, हित,भलाई, चाहनेवाला
(हिमकर) चन्द्रमा
(हिमालय) हिमाचल
(हिरण्यकशिपु) कश्यपमुनिका पुत्र, प्रह्लादकापिता
(हिरण्याक्ष) हिरण्यकशिपुका छोटाभाई
(हीनजाति) नीचजातिका
(हुङ्कार) हुँकरना
(हुत) हुनाहुआ
(हुताश) अग्नि, आग
(हुताशन) अग्नि, आग
(हृत) हराथगा, ज़ब्तकियागया
(हेय) छोड़ने के क़ाबिल, त्याज्य
(होम) हवन
(होमकुण्ड) हवनकाकुण्ड, गड़हा
(ह्रास) घाटा, कमी
(ह्लाद) सुख, आनन्द
(ह्लादित) प्रसन्न, खुशी
(ह्वलन) चलना

इति शब्दसंग्रह समाप्तः॥

श्रीमद्भागवत भाषाटीकासंयुक्त ७) रु० पु०

इस ग्रन्थके उत्तम होने में कदापि सन्देह नहीं है–इसका भाषा तिलक व्रजबोली में बहुतही प्याराहै आशय प्रत्येक श्लोकों का है क्यों न हो इस के तिलककार महात्मा व्रजवासी अक्षदजीशास्त्री हैं–यह तिलक ऐसा सरलहै कि इसके द्वारा अल्प संस्कृतज्ञ पुरुषोंका पूरा कार्य निकल सक्ताहै–संस्कृत पाठकभी इससे श्लोकोंका पूरा आशय समझ सक्ते हैं इसबार यह ग्रन्थ टैपके अक्षरों में उम्दा कागज सफेद चिकना में छापागया है और विशेष विद्वान् शास्त्रियों के द्वारा शुद्ध कराया गयाहै जिससे बम्बईकी छपीहुई पुस्तकसे किसी काम में न्यून नहीं है उम्दातसवीर भी प्रत्येक स्कन्धमें युक्तहैं–आशा है कि इस अमूल्य रत्नके लेने में महाशयलोग विलम्ब न करेंगे ॥

इश्तिहार सरित्सागर भाषा ३) रु० पु०

हिन्दी भाषा के परमहितैषी भार्गववंशावतंस मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) ने विद्वानों के मुखसे इस कथा सरित्सागर नाम ग्रन्थरत्नकी प्रशंसा तथा सदुपदेश भरी अत्यन्त मनोहर कथाओं को सुनकर अपनी मातृभाषा हिन्दी का गौरव बढाने के लिये हमलोगों को यथोचित धन देकर इसका अनुवाद करवाया इस अनुवादमें हमलोगोंने यथाशक्ति यह उद्योग किया है कि श्लोक के किसी शब्दका अर्थ न रहने पावे और यथासंभव भाषा का प्रबन्ध भी न बिगड़ने पावे इसमें जहाँ २ नीतिके श्लोक आगये हैं वह भी अनुवादसहित कोष्टक में लिख दिये गये हैं ॥

हमलोग आशा करते हैं कि जैसे इस ग्रन्थकी कथाओं के आशयों को लेकर संस्कृतके कवियों ने नागानन्द कादंबरी हितोपदेश मुद्राराक्षस तथा वेतालपंचविंशतिका आदि अनेक ग्रन्थ बनाये हैं इसीप्रकार इस अनुवाद को देखकर हिन्दीभाषा के सुलेखकगण भी इसकी कथाओं के आशयों को लेकर अनेक नवीन ग्रन्थ बनाके अपनी मातृभाषा के गौरव को बढावेंगे हम लोगों को यह भी दृढ़ विश्वास है कि यदि इस

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओंके दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियो को पढ़ाने के लिये नियत किये जायँ तो उनको विना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हरूफ़ मे छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखवार प्रेस
लखनऊ हज़रतगंज

इश्तिहार

शिवताण्डवस्तोत्रम्

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और अतीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचकहैं परन्तु विशेष कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं उसके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्रायहै अतएव दो तिलक किये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्त्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में एक २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़ेकी किताबहै मूल्य बहुत थोड़ाहै औरइसी यंत्रालयमें मुद्रित हुई है अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित हुई कागज़ व अक्षर बहुतही उम्दा है ॥

इश्तिहार अर्जुनगीता ।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर शंका समाधान करके युक्त सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया गया है इससे अतिरिक्त श्रीवेदव्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण उत्पत्ति व उनके दुष्कर कर्म्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तर रुचिर दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन कियागया है जिसके देखनेहीसे भक्त पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इसके गुण को जानेंगे बहुत उ- । कागज़ व शुद्ध होकर बम्बई अक्षरों में छापी गई है मूल्य बहुत स्वल्प गयाहै ॥